



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section I
प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

PO - 18700

KM - 27

Deft - 94506671

UPSC Deft - 74503000
CPB - 123

सं. 37।

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 29, 2010/माघ 9, 1931

No. 37।

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 29, 2010/MAGHA 9, 1931

कार्मिक, लोक शिक्षायत तथा धेशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 2010

नियम

फा. सं. 13018/22/2009—अ.भा.से. (I).—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों को भरने के लिए 2010 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा सिविल सेवा परीक्षा के नियम संबंधित मंत्रालयों और भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के संबंध में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की सहमति से आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :

- (1) भारतीय प्रशासनिक सेवा
- (2) भारतीय विदेश सेवा
- (3) भारतीय पुलिस सेवा
- (4) भारतीय डाक तार लेखा और वित्त सेवा, ग्रुप "क"
- (5) भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा, ग्रुप "क"
- (6) भारतीय राजस्व सेवा (सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप "क"
- (7) भारतीय रक्षा लेखा सेवा, ग्रुप "क"
- (8) भारतीय राजस्व सेवा आयकर, ग्रुप "क"
- (9) भारतीय आयुध कारखाना सेवा, ग्रुप "क" (सहायक कार्य प्रबन्धक—प्रशासन)
- (10) भारतीय डाक सेवा, ग्रुप "क"
- (11) भारतीय सिविल लेखा सेवा, ग्रुप "क"
- (12) भारतीय रेलवे यातायात सेवा, ग्रुप "क"

- (13) भारतीय रेलवे लेखा सेवा, ग्रुप "क"
- (14) भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा, ग्रुप "क"
- (15) रेलवे सुरक्षा बल में ग्रुप "क" के सहायक सुरक्षा अधिकारी एक के पद
- (16) भारतीय रक्षा सम्पदा सेवा, ग्रुप "क"
- (17) भारतीय सूचना सेवा, ग्रुप "क" (कनिष्ठ ग्रेड)
- (18) भारतीय व्यापार सेवा, ग्रुप "क" (ग्रेड-III)
- (19) भारतीय कॉर्पोरेट विधि सेवा, ग्रुप "क"
- (20) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा, ग्रुप "ख" (अनुभाग अधिकारी ग्रेड)
- (21) दिल्ली अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह लक्ष्मीप दमन व दीब एवं दादरा व नगर हवेली सिविल सेवा, ग्रुप "ख"
- (22) दिल्ली अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह लक्ष्मीप दमन व दीब एवं दादरा व नगर हवेली पुलिस सेवा, ग्रुप "ख"
- (23) पांडिचेरी सिविल सेवा, ग्रुप "ख"
- (24) पांडिचेरी पुलिस सेवा, ग्रुप "ख"

1. यह परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस नियमावली के परिशिष्ट-1 में निर्धारित रेति से ली जाएगी।

प्रारम्भिक तथा प्रधान परीक्षाओं की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निश्चित किए जाएंगे।

2. उम्मीदवार को प्रधान परीक्षा के अपने आवेदन-पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए अपनी वरीयता क्रम जिसके लिए वह संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियुक्त हेतु अनुशासित किया जाता है तो नियुक्ति हेतु विचार किए जाने हेतु इसे यह उल्लेख करना चाहिए।

कोई उम्मीदवार जो भारतीय प्रशासनिक सेवा/भारतीय पुलिस सेवा के लिए विचार किये जाने का इच्छुक है उसे अपनी प्रधान परीक्षा के आवेदन पत्र में उन विभिन्न राज्य संवर्गों जिस के लिए अपनी वरीयता का क्रम दर्शाना होगा जिसमें वह भारतीय प्रशासनिक सेवा/भारतीय पुलिस सेवा में नियुक्ति होने पर आबंटन हेतु विचार किया जाना चाहेगा ।

टिप्पणी-I :—उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए वरीयता का उल्लेख करते समय अधिक सावधानी बरतें । इसके संबंध में नियमावली के नियम 19 की ओर भी उनका ध्यान आकर्षित किया जाता है । उम्मीदवार को यह सलाह भी दी जाती है कि वह अपने आवेदन-पत्र के प्रपत्र में सभी सेवाओं/पदों का वरीयता क्रम से उल्लेख करें । यदि वह किसी सेवा/पद के लिए अपना वरीयता क्रम नहीं देता है, तो यह मान लिया जाएगा कि इन सेवाओं के लिए उसकी कोई विशिष्ट वरीयता नहीं है । यदि उसे उन सेवाओं, पदों जिनके लिए उसने वरीयता दी है तो उसमें किसी एक पद का आबंटन नहीं किया जाता है तो उसे शेष बची किसी भी उस सेवा/पद के लिए आबंटित कर दिया जाएगा जिसमें उम्मीदवारों की वरीयता के अनुसार किसी सेवा/पद पर सभी उम्मीदवारों को आबंटित कर लेने के पश्चात् रिक्तियां बाकी हों ।

टिप्पणी-II :—उम्मीदवारों को सेवा आबंटन/संवर्ग आबंटन के बारे में सूचना/विवरण के लिए कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण विभाग की वेबसाइट www.Persmin.nic.in को देखने की सलाह दी जाती है ।

3. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी ।

सरकार द्वारा निर्धारित रीति से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ी श्रेणियों तथा शारीरिक रूप से अपंग श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण किया जाएगा ।

4. इस परीक्षा में बैठने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को जो अन्यथा पात्र हों, चार बार बैठने की अनुमति दी जाएगी :

परन्तु अवसरों की संख्या से संबद्ध यह प्रतिबंध अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों के अन्यथा पात्र उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा :

परन्तु आगे यह और भी है कि अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों को, जो अन्यथा पात्र हों, स्वीकार्य अवसरों की संख्या सात होगी । यह रियायत/छूट केवल वैसे अध्यर्थियों को मिलेगी जो आरक्षण पाने के पात्र हैं । बशर्ते यह भी कि शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार को उतने ही अवसर अनुमत होंगे जितने कि उसके समुदाय के अन्य उन उम्मीदवारों को जो शारीरिक रूप से विकलांग नहीं हैं यह इस शर्त के अध्यधीन है कि सामान्य वर्ग से संबंधित शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार सात अवसरों के पात्र होंगे । यह छूट शारीरिक रूप से विकलांग उन उम्मीदवारों को उपलब्ध होगी जो कि ऐसे उम्मीदवारों पर लागू होने वाले आरक्षण को प्राप्त करने के पात्र हैं ।

टिप्पणी : (i) प्रारंभिक परीक्षा में बैठने को परीक्षा में बैठने का एक अवसर माना जाएगा ।

(ii) यदि उम्मीदवार प्रारंभिक परीक्षा के किसी एक प्रश्न पत्र में वस्तुतः परीक्षा देता है तो यह समझ लिया जाएगा कि उसने एक अवसर प्राप्त कर लिया है ।

(iii) अयोग्य पाए जाने/उनकी उम्मीदवारी के रद्द किए जाने के बावजूद उम्मीदवार की परीक्षा में उपस्थिति का तथ्य एक प्रयास गिना जाएगा ।

5. (1) भारतीय प्रशासनिक सेवा और पुलिस सेवा के उम्मीदवार को भारत का नागरिक अवश्य होना चाहिए ।

(2) अन्य सेवाओं के उम्मीदवार को या तो :

(क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(ङ) कोई भारतीय मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया के पूर्वी-अफ्रीकी देशों जांबिया, मलावी, जैरे और इथोपिया अथवा वियतनाम से प्रव्रज्जन कर आया हो :

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वार्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजीबिलिटि), प्रमाण-पत्र होना चाहिए ।

साथ ही उपर्युक्त (ख), (ग) और (घ) वार्गों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा में नियुक्ति के पात्र नहीं माने जाएंगे ।

ऐसे उम्मीदवार को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु भारत सरकार द्वारा उसके संबंध में पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही उसकी नियुक्ति प्रस्ताव भेजा जा सकता है ।

6. (क) उम्मीदवार की आयु पहली अगस्त, 2010 को 21 वर्ष की हो जानी चाहिए किन्तु 30 वर्ष की नहीं होनी चाहिए अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1980 से पहले का और पहली अगस्त, 1989 के बाद का नहीं होना चाहिए ।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट दी जाएगी :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति का या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष ।

(2) अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उन उम्मीदवारों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक जो ऐसे उम्मीदवारों के लिए लागू आरक्षण को पाने के लिए पात्र हैं ।

(3) ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जिन्होंने एक जनवरी, 1980 से 31 दिसंबर, 1989 तक की अवधि के दौरान साधारणतया जम्मू तथा कश्मीर में अधीवास किया हो, अधिकतम 5 वर्ष तक ।

(4) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र फौजी कार्रवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा नियुक्ति किये गये ऐसे रक्षा कार्यक्रमों को अधिक से अधिक तीन वर्ष ।

(5) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने पहली अगस्त, 2010 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (क) कदाचार्या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त होने पर कार्यमुक्त हुए हैं। इसमें ये भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल पहली अगस्त, 2010 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है या (ख) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपगंता या (ग) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं, उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक।

(6) आपातकालीन कमीशन अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन अधिकारियों के मामले में अधिकतम 5 वर्ष जिन्होंने पहली अगस्त, 2010 को सैनिक सेवा की 5 वर्ष की सेवा की प्रारंभिक अवधि पूरी कर ली है और उसके बाद सैनिक सेवा में जिनका कार्यकाल 5 वर्ष के बाद भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय का एक प्रमाण जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और सिविल रोजगार में चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से 3 माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

(7) नेत्रहीन, मूक-बधिर तथा शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष तक।

टिप्पणी 1 : अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित वे उम्मीदवार, जो उपर्युक्त नियम 6 (ख) के किन्होंने अन्य खंडों अर्थात् जो भूतपूर्व सैनिकों, जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास करने वाले व्यक्तियों की श्रेणी के अंतर्गत आते हैं, दोनों श्रेणियों के अंतर्गत दी जाने वाली संचयी आयु-सीमा छूट प्राप्त करने के पात्र होंगे।

टिप्पणी 2 : भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथा संशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा और पद में पुनः रोजगार) नियम, 1979 के अधीन भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया जाता है।

टिप्पणी 3 : आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा के कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित वे भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन अधिकारी, जो स्वयं के अनुरोध पर सेवामुक्त हुए हैं, उन्हें उपर्युक्त नियम 6(ख) (v) तथा (vi) के अधीन आयु-सीमा में छूट नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी 4 : उपर्युक्त नियम 6(ख)(7) के अंतर्गत आयु में छूट के बावजूद शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवार की नियुक्ति हेतु पालता पर तभी विचार किया जा सकता है जब वह (सरकार या नियोक्ता प्राधिकारी, जैसा भी

मामला हो, द्वारा निर्धारित शारीरिक परीक्षण के बाद) सरकार द्वारा शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवारों को आवंटन संबंधित सेवाओं/पदों के लिए निर्धारित शारीरिक एवं चिकित्सा मानकों की अपेक्षाओं को पूरा करता हो।

ऊपर की व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती है।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेशन के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में दर्ज हो। ये प्रमाण-पत्र सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा के लिए आवेदन करते समय भी प्रस्तुत करते हैं।

आयु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुंडली, शपथ-पत्र नगर निगम से और सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा उन जैसे प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुदेश के इस भाग में आए “मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा” प्रमाण-पत्र वाक्यांश के अंतर्गत उपयुक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

टिप्पणी 1 : उम्मीदवारों को ध्यान में रखना चाहिए कि आयोग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद में उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 2 : उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने के और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें या आयोग की अन्य किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के खंड 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में पानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्था की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

टिप्पणी 1 : कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा दी है जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षाफल की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार भी जो किसी अहक परीक्षा में बैठने का इरादा रखता हो प्रारंभिक परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र होगा। सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा के लिए अहक घोषित किए

गए सभी उम्मीदवारों को प्रधान परीक्षा के लिए आवेदन-पत्र के साथ-साथ अपेक्षित परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा । जिसके प्रस्तुत न किए जाने पर ऐसे उम्मीदवारों को प्रधान परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।

टिप्पणी 2 : विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी भी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली है जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है ।

टिप्पणी 3 : जिन उम्मीदवारों के पास ऐसी व्यावसायिक और तकनीकी अर्हताएं हैं जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्रियों के समकक्ष मान्यताप्राप्त हैं वे भी उक्त परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे ।

टिप्पणी 4 : जिन उम्मीदवारों ने अपनी अंतिम (फाइनल) व्यावसायिक एम.बी.बी.एस. अध्या कोई अन्य चिकित्सा परीक्षा पास की हो लेकिन उन्होंने सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा का आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय अपना इन्टर्नशिप पूरा नहीं किया है तो वे भी अस्थायी रूप से परीक्षा में बैठ सकते हैं बशर्ते कि वे अपने आवेदन-पत्र के साथ संबंधित विश्वविद्यालय/संस्था के अधिकारी से इस आशय के प्रमाणपत्र की एक प्रति प्रस्तुत करें कि उन्होंने अपेक्षित अंतिम व्यावसायिक चिकित्सा परीक्षा पास कर ली है। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को साक्षात्कार के समय विश्वविद्यालय/संस्था के संबंधित सक्षम प्राधिकारी से अपने मूल डिग्री अध्यात्म प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे कि उन्होंने डिग्री प्रदान करने हेतु सभी अपेक्षाएं (जिनमें इन्टर्नशिप पूरा करना भी शामिल है) पूरी कर ली है ।

8. कोई उम्मीदवार किसी पूर्व परीक्षा के परिणाम के आधार पर भारतीय प्रशासनिक सेवा अध्यात्म भारतीय विदेश सेवा में नियुक्त हो जाता है और उस सेवा का सदस्य बना रहता है तो वह इस परीक्षा में प्रतियोगी बने रहने का पात्र नहीं होगा ।

यदि ऐसा कोई उम्मीदवार सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा, 2010 के समाप्त होने के पश्चात् भारतीय प्रशासनिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा में नियुक्त हो जाता है तथा वह उस सेवा का सदस्य बना रहता है, तो वह सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा, 2010 में बैठने का पात्र नहीं होगा चाहे उसने प्रारंभिक परीक्षा, 2010 में अर्हता प्राप्त कर ली हो ।

यह भी व्यवस्था है कि सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा, 2010 के प्रारंभ होने के पश्चात् किन्तु उसके परीक्षा परिणाम से पहले किसी उम्मीदवार की भारतीय प्रशासनिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा में नियुक्ति

हो जाती है और वह उसी सेवा का सदस्य बना रहता है तो सिविल सेवा परीक्षा, 2010 के परिणाम के आधार पर उस किसी सेवा/पद पर नियुक्ति हेतु विचार नहीं किया जाएगा ।

9. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस में निर्धारित शुल्क अवश्य देना होगा ।

10. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों या कार्य प्रभारी कर्मचारी क्यों न हों पर, आकस्मिक कर से दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हों या जो सार्वजनिक उद्यमों में सेवा कर रहे हों उन सबको इस आशय का परिवचन (अंडरटर्किंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालयों/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप से यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है ।

उम्मीदवार को श्याम में रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से संबंध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिला है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत किया जा सकता है । उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जा सकती है ।

11. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की प्राप्तता या अपारता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा ।

परीक्षा में आवेदन करने वाले उम्मीदवार यह सुनिश्चित करें कि वे परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए प्राप्तता की सभी शर्तें पूरी करते हैं परीक्षा के उन सभी स्तरों जिनके लिए आयोग ने उन्हें प्रवेश दिया है अर्थात् प्रारंभिक परीक्षा, प्रधान (लिखित) परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण, में उनका प्रवेश पूर्णतः अनंतिम होगा तथा उनके निर्धारित प्राप्तता की शर्तों को पूरा करने पर आधारित होगा । यदि प्रारंभिक परीक्षा, प्रधान (लिखित) परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षा के पहले या बाद में सत्यापन करने पर यह पता चलता है कि वे प्राप्तता की किन्हीं शर्तों को पूरा नहीं करते हैं तो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी ।

12. किसी भी उम्मीदवार को अगर उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो तो प्रारंभिक/प्रधान परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा ।

13. उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

14. जो उम्मीदवार निम्नांकित कदाचार का दोषी है या आयोग द्वारा दोषी घोषित हो चुका है :

(1) निम्नलिखित तरीकों से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अर्थात् :

(क) गैर-कानूनी रूप से परितोषण की पेशकश करना, या

(ख) दबाव डालना, या

(ग) परीक्षा आयोजित करने से संबंधित किसी व्यक्ति को ब्लैकमेल करना अथवा उसे ब्लैकमेल करने की धमकी देना, अथवा

(2) नाम बदलकर परीक्षा दी है, अथवा

(3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्यसाधन कराया है, अथवा

(4) जाली प्रमाणपत्र या ऐसे प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए हैं जिसमें तथ्य को बिंगाड़ा गया हो, अथवा

(5) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में निम्नलिखित साधनों का उपयोग किया है, अर्थात् :

- (क) गलत तरीके से प्रश्न पत्र की प्रति प्राप्त करना;
- (ख) परीक्षा से संबंधित गोपनीय कार्य से जुड़े व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करना;
- (ग) परीक्षकों को प्रभावित करना; या

(7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया है; अथवा

(8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना या भद्दे रेखाचित्र बनाना; अथवा

(9) परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करना जिसमें उत्तर पुस्तिकाओं को फाइना, परीक्षा देने वालों को परीक्षा का बहिष्कार करने के लिए उकसाना अथवा अव्यवस्था तथा ऐसी ही अन्य स्थिति पैदा करना शामिल है; अथवा

(10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो;

(11) परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन/पेजर या किसी अन्य प्रकार का इलैक्ट्रॉनिक उपकरण या यंत्र अथवा संचार यंत्र के रूप में प्रयोग किए जा सकने वाला कोई अन्य उपकरण प्रयोग करते हुए या अपने पास पाया गया हो; या

(12) परीक्षा की अनुमति देते हुए उम्मीदवार को भेजे गए प्रमाण-पत्रों के साथ जारी आदेशों का उल्लंघन किया है; अथवा

(13) उपर्युक्त छांडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा अवधिरेति करने का प्रयत्न किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासिक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है और/अथवा
- (ख) उसे स्थायी रूप से अथवा निर्दिष्ट अवधि के लिए
- (1) आयोग द्वारा लो जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए, विवरित किया जा सकता है,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है।

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है। किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :

- (1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया जाए, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमति समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर यदि कोई हो विचार न कर लिया जाए।

15. जो उम्मीदवार प्रारंभिक परीक्षा में आयोग द्वारा उनके निर्णय से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्रधान परीक्षा में प्रवेश दिया जाएगा और जो उम्मीदवार प्रधान परीक्षा (लिखित) में आयोग द्वारा उनके निर्णय से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेता है तो उसे आयोग व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा :

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवार इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा प्रारंभिक परीक्षा एवं प्रधान (लिखित) के स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

16. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग उम्मीदवारों के नाम, मुख्य परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार को अंतिम रूप से प्रदान किए गए कुल अंकों के आधार पर बने योग्यता क्रम के अनुसार सुव्यवस्थित करेगा। उसके बाद आयोग, अनारक्षित रिक्तियों पर उम्मीदवारों की संस्तुति करने के प्रयोजन से, मुख्य परीक्षा के आधार पर भरी जाने वाली अनारक्षित रिक्तियों की संख्या को देखते हुए अर्हक अंक (इसके बाद से सामान्य अर्हक मानदंड के रूप में उल्लिखित) निर्धारित करेगा। आरक्षित रिक्तियों पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों की संस्तुति करने के लिए आयोग, मुख्य परीक्षा के आधार पर इनमें से प्रत्येक श्रेणी के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या के संदर्भ में सामान्य अर्हक मानदण्डों में ढील दे सकता है :

बताते हैं कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवार, जिन्होंने परीक्षा के किसी भी स्तर पर पात्रता अथवा चयन मानदण्ड में रियायत अथवा ढील का उपयोग नहीं किया है और जो आयोग द्वारा सामान्य अर्हक मानदण्ड को ध्यान में रखते हुए संस्तुति के लिए उपर्युक्त पाए गए, उन्हें अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए संस्तुत नहीं किया जाएगा।

(2) सेवा का आबंटन करते समय अनारक्षित रिक्तियों पर संस्तुत किए गए अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों को सरकार द्वारा आरक्षित रिक्तियों पर समायोजित किया जा सकता है, यदि ऐसी प्रक्रिया से उन्हें अपने वरीयता क्रम में बेहतर विकल्प वाली सेवा मिल जाती है।

(3) आयोग, अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की किसी कमी को ध्यान में रखते हुए अहक मानकों को और कम कर सकता है और इस नियम के प्रावधानों से उद्भूत आरक्षित रिक्तियों पर किसी उम्मीदवार के अधिशेष हो जाने पर आयोग, उप-नियम (4) और (5) में निर्धारित ढंग से संस्तुति कर सकता है।

(4) उम्मीदवारों की संस्तुति करते समय आयोग सबसे पहले सभी श्रेणियों में रिक्तियों की कुल संख्या को ध्यान में रखेगा। संस्तुत उम्मीदवारों की इस कुल संख्या में से अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के उन उम्मीदवारों की संख्या घटा दी जाएगी, जो उप-नियम (1) के परन्तुक के अनुसार पात्रता अथवा चयन मानदण्डों में किसी रियायत अथवा ढील का उपयोग किए बिना ही निर्धारित सामान्य अहक मानदण्डों या अधिक से योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। आयोग, संस्तुत उम्मीदवारों की इस सूची के साथ-साथ उम्मीदवारों की समेकित आरक्षित सूची भी घोषित करेगा जिसमें प्रत्येक श्रेणी के अन्तर्गत योग्यता क्रम में आखिरी संस्तुत उम्मीदवार से नीचे के सामान्य और आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवार शामिल होंगे। इन प्रत्येक श्रेणियों में उम्मीदवारों की संख्या, आरक्षित श्रेणी के उन उम्मीदवारों की संख्या के बराबर होगी जिन्हें उप-नियम (1) के परन्तुक के अनुसार पात्रता अथवा चयन मानदण्डों में किसी प्रकार की रियायत या ढील का लाभ प्राप्त किए बिना प्रथम सूची में शामिल किया गया था। आरक्षित सूची में, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग की प्रत्येक आरक्षित श्रेणी में से उम्मीदवारों की संख्या, प्रत्येक श्रेणी में प्रारंभिक स्तर पर कटौती किए गए संबंधित उम्मीदवारों की संख्या के बराबर होगी।

(5) उप-नियम (4) के प्रावधानों के अनुसार संस्तुत उम्मीदवार, सरकार द्वारा सेवाओं में आवंटित किए जाएंगे और जहां कतिपय पद फिर भी रिक्त रह जाते हैं वहां सरकार, आयोग को इस आशय की पांच भेज सकती है कि वह आरक्षित सूची में से प्रत्येक श्रेणी में रिक्त रह गई रिक्तियों को भरने के प्रयोजन से मांग की गई संख्या के बराबर उम्मीदवारों की योग्यता क्रम से संस्तुति करें।

17. शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियां भरने हेतु आयोग नियम 15 तथा 16 के अंतर्गत यथा विनिर्दिष्ट न्यूनतम अहक अंकों में उन उम्मीदवारों के पक्ष में अपने विवेक से छूट दे सकता है :

बशर्ते कि जब कोई शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार सामान्य अथवा अ.जा. अथवा अ.ज.जा. अथवा अ.पि.व. श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए अपेक्षित संख्या में उसकी अपनी योग्यता में न्यूनतम अहक अंक प्राप्त करता है, शारीरिक रूप से विकलांग अतिरिक्त उम्मीदवारों अर्थात् उनके लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या से अधिक उम्मीदवारों की आयोग द्वारा अनुशंसा शिथिलीय मानदण्डों

पर की जाएगी तथा इन नियमों में अनुवर्ती संशोधन यथासमय अधिसूचित किए जाएंगे।

18. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

19. (1) परीक्षाफल के आधार पर नियुक्तियां करते समय उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन पत्र भेजते समय विभिन्न सेवाओं के लिए दी गई गई वरीयताओं पर उचित ध्यान दिया जाएगा। विभिन्न सेवाओं में होने वाली नियुक्तियां भी संबंधित सेवाओं पर लागू होने वाले नियमों/विनियमों के अनुसार की जाएंगी।

19. (II) भा.प्र.से/भा.पु.से. में उम्मीदवारों की नियुक्ति होने पर संवर्ग का आबंटन, संवर्ग आबंटन के समय लागू संवर्ग आबंटन नीति द्वारा शासित होगा। परीक्षा के परिणाम के आधार पर आबंटन करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन के समय विभिन्न संवर्गों के लिए दर्शाई गई वरीयताओं पर यथोचित विचार किया जाएगा।

20. परीक्षा में सफलता प्राप्त करने मालूम से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद इस बात से संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

21. अभ्यर्थी का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उत्तम होना चाहिए और ऐसी किसी भी शारीरिक दोष से मुक्त होना चाहिए, जो सेवा के अधिकारी के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन करने में बाधा बन सकता हो। यदि कोई अभ्यर्थी सरकार अथवा नियुक्ति प्राधिकारी, जो भी मामला हो, द्वारा यथानिर्धारित स्वास्थ्य परीक्षा के बाद इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता हुआ पाया जाता है, तो उसे नियुक्ति नहीं किया जाएगा। आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण हेतु बुलाए गए अभ्यर्थी से स्वास्थ्य परीक्षा कराने की अपेक्षा की जा सकती है। मेडिकल परीक्षा हेतु अभ्यर्थी द्वारा, अपील के मामले को छोड़कर, मेडिकल बोर्ड को कोई भी शुल्क देय नहीं होगा :

बशर्ते यह भी कि सरकार शारीरिक रूप से निःशक्त अभ्यर्थीयों की स्वास्थ्य परीक्षा करने के लिए उस क्षेत्र के विशेषज्ञों का एक विशेष मेडिकल बोर्ड गठित कर सकती है।

टिप्पणी : निराशा से बचने के लिए अभ्यर्थीयों को यह सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा अपनी स्वास्थ्य जांच करवा लें। नियुक्ति के पूर्व अभ्यर्थीयों की की जाने वाली स्वास्थ्य जांच और अपेक्षित स्तर का व्यौरा इन नियमों के परिशिष्ट-II में दिया गया है। निःशक्त भूतपूर्व सैनिकों के लिए मानदण्डों में सेवा (ओं) की अपेक्षाओं के अनुरूप छूट दी जाएगी।

22. शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए आरक्षण का लाभ लेने के लिए पालता वही होगी जो “अक्षम व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995” में है।

बशर्ते, कि शारीरिक रूप में अक्षम उम्मीदवारों को शारीरिक अपेक्षाओं/कार्यात्मक वर्गीकरण (सक्षमताओं/अक्षमताओं) के संबंध में उन विशेष पालता मापदण्ड को पूरा करना भी अपेक्षित होगा जो इसके संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अभिज्ञात सेवा/पद के अपेक्षाओं की संगत हों।

शारीरिक अपेक्षाओं तथा कार्यात्मक वर्गीकरण वाली सेवाओं की एक सूची परिशिष्ट-IV पर है। सर्वांग नियंत्रण प्राधिकारियों के निर्धारित किए जाने पर इनमें बदल या परिवर्तन हो सकते हैं।

उदाहरणार्थ, शारीरिक अपेक्षाएं और कार्यात्मक वर्गीकरण निम्न में से एक या अधिक हो सकते हैं :

कोड	शारीरिक अपेक्षाएं
एमएफ (MF)	1. हाथ (अंगुलियों से) द्वारा निष्पादित किए जाने वाले कार्य ।
पीपी (PP)	2. खोंच कर तथा धक्के द्वारा किए जाने वाले कार्य ।
एल (L)	3. उत्थापन (लिपिट्रिंग) द्वारा किए जाने वाले कार्य ।
केसी (KC)	4. घुटने के बल बैठकर तथा क्राउचिंग द्वारा किए जाने वाले कार्य ।
बीएन (BN)	5. झुककर किए जाने वाले कार्य ।
एस (S)	6. बैठकर (बैंच या कुर्सी पर) किए जाने वाले कार्य ।
एसटी (ST)	7. खड़े होकर किए जाने वाले कार्य ।
डब्ल्यू (W)	8. चलते हुए किए जाने वाले कार्य ।
एसई (SE)	9. देख कर किए जाने वाले कार्य ।
एच (H)	10. सुनकर या बोल कर किए जाने वाले कार्य ।
आरडब्ल्यू (RW)	11. पढ़कर तथा लिखकर किए जाने वाले कार्य ।
सी (C)	12. वार्तालाप
कोड	कार्यात्मक वर्गीकरण
बीएल (BL)	1. दोनों पैर प्रभावित लेकिन भुजाएं नहीं ।
बीए (BA)	2. दोनों भुजाएं प्रभावित
बीएलए (BLA)	3. दोनों पैर तथा दोनों भुजाएं प्रभावित
ओएल (OL)	4. एक पैर प्रभावित
ओए (OA)	5. एक भुजा प्रभावित
ओएएल (OAL)	6. एक भुजा और एक पैर प्रभावित
एमडब्ल्यू (MW)	7. मांसपेशीय दुर्बलता तथा सीमित शारीरिक शक्ति
बी (B)	8. नेत्रहीन
एलबी (LV)	9. आशिक दृष्टि
एच (H)	10. सुनना

टिप्पणी : उपर्युक्त सूची संशोधन के अध्यधीन है।

23. ऐसा कोई पुरुष/स्त्री :

(क) जिसने किसी ऐसी स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो जिसका पहले से जीवित पति/पत्नी हो; या

(ख) जिसकी पति/पत्नी जीवित होते हुए, उसने किसी स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो,

उक्त सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु केन्द्रीय सरकार यदि इस बात से संतुष्ट हो कि इस प्रकार के दोनों पक्षों के व्यक्तियों पर लागू व्यक्तिगत कानून के अधीन ऐसा विवाह किया जा सकता है और ऐसा करने के अन्य आधार हैं तो उस उम्मीदवार को इस नियम से छूट दे सकती है।

24. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि ऐसी भर्ती से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं को पास करने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवारों को सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती हैं।

25. इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं/पदों के लिए भर्ती की जा रही है, उसका संक्षिप्त विवरण परीशिष्ट-II में दिया गया है।

आर के गुप्ता, उप-सचिव

परिशिष्ट 1

खण्ड 1

परीक्षा की योजना

इस प्रतियोगिता/परीक्षा में दो क्रमिक चरण हैं :

(1) प्रधान परीक्षा के लिए उम्मीदवारों के चयन हेतु सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुपरक), तथा

(2) विभिन्न सेवाओं तथा पदों पर भर्ती हेतु उम्मीदवारों का चयन करने के लिए सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा (लिखित तथा साक्षात्कार)।

2. प्रारंभिक परीक्षा में वस्तुपरक (बहुविकल्प प्रश्न) प्रकार के दो प्रश्नपत्र होंगे तथा खण्ड II के उप-खण्ड (क) में दिए गए विषयों में ही अधिकतम 450 अंक होंगे। यह परीक्षा केवल प्राक्कचयन परीक्षण के रूप में होगी। प्रधान परीक्षा में प्रवेश हेतु अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार द्वारा प्रारंभिक परीक्षा में प्राप्त किए गए अंकों को उनके अंतिम योग्यता क्रम को निर्धारित करने के लिए नहीं गिना जाएगा। प्रधान परीक्षा में प्रवेश दिए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या उक्त वर्ष में विभिन्न सेवाओं तथा पदों में भरी जाने वाली रिक्तियों की लगभग कुल संख्या का बारह से तेरह गुना होगे। केवल वे ही उम्मीदवार जो आयोग द्वारा किसी वर्ष की प्रारंभिक परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उक्त वर्ष को प्रधान परीक्षा में प्रवेश के पात्र होंगे बशर्ते कि वे अन्यथा प्रधान परीक्षा में प्रवेश हेतु पात्र हों।

“टिप्पणी : वस्तुपरक प्रश्नपत्रों में उम्मीदवार द्वारा निशान (मार्क) किए गए गलत उत्तरों के लिए दण्ड (नेगेटिव मार्किंग होगा) :

(i) प्रत्येक प्रश्न के उत्तरों के लिए चार विकल्प हैं।

उम्मीदवार द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए गलत

(i) उत्तर के लिए, उस प्रश्न के लिए दिए जाने वाले अंकों का एक तिहाई (0.33) दण्ड के रूप में काटा जाएगा ।

(ii) यदि उम्मीदवार एक से अधिक उत्तर देता है तो उसे गलत उत्तर माना जाएगा चाहे दिए गए उत्तरों में से एक ठीक ही क्यों न हो और उस प्रश्न के लिए वही दण्ड होगा जो ऊपर बताया गया है ।

(iii) यदि प्रश्न को खाली छोड़ दिया गया है अर्थात् उम्मीदवार द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया गया है तो उस प्रश्न के लिए कोई दण्ड नहीं होगा ।"

3. प्रधान परीक्षा में लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण होगा । लिखित परीक्षा में खंड ॥ के उप-खंड (ख) में दिए गए विषयों में परम्परागत निबन्धात्मक शैली के 9 प्रश्नपत्र होंगे । खंड ॥ (ख) के पैरा । के नीचे नोट ॥ भी देखें ।

4. जो उम्मीदवार प्रधान परीक्षा में लिखित भाग के उतने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे उसे आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु खंड ॥ में उप-खंड "ग" के अनुसार साक्षात्कार के लिए बुलाएगा, किन्तु भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के प्रश्नपत्रों में केवल अर्हता प्राप्त करनी होगी । खंड ॥ (ख) के पैरा के नीचे टिप्पणी (॥) भी देखें । इन प्रश्नपत्रों में प्राप्त अंकों को योग्यता क्रम निर्धारित करने में गिना नहीं जाएगा । साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या से दुगनी होगी । साक्षात्कार के लिए 300 अंक होंगे (कोई न्यूनतम अर्हक अंक नहीं है) ।

इस प्रकार उम्मीदवारों द्वारा प्रधान परीक्षा (लिखित भाग तथा साक्षात्कार) में प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर उसका अंतिम योग्यता क्रम निर्धारित किया जाएगा । परीक्षा में उम्मीदवारों की स्थिति तथा विभिन्न सेवाओं और पदों के लिए उनके द्वारा वरीयता क्रम को ध्यान में रखते हुए उन्हें विभिन्न सेवाओं में आवंटित किया जाएगा ।

खंड ॥

1. प्रारंभिक तथा प्रधान परीक्षा की रूपरेखा तथा विषय :

(क) प्रारंभिक परीक्षा :

उक्त परीक्षा में दो प्रश्न-पत्र होंगे ।

प्रश्न पत्र ।	-सामान्य अध्ययन	150 अंक
प्रश्न पत्र ॥	-नीचे पैरा दो में दिए गए ऐच्छिक विषयों में से चुना गया एक विषय ।	300 अंक
	कुल योग	450 अंक

2. प्रारंभिक परीक्षा के लिए ऐच्छिक विषयों की सूची :

- (1) कृषि विज्ञान
- (2) पशुपालन तथा पशु चिकित्सा विज्ञान
- (3) वनस्पति विज्ञान
- (4) रसायन विज्ञान
- (5) सिविल इंजीनियरी

- (6) वाणिज्य शास्त्र
- (7) अर्थशास्त्र
- (8) विद्युत इंजीनियरी
- (9) भूगोल
- (10) भू-विज्ञान
- (11) भारतीय इतिहास
- (12) विधि
- (13) गणित
- (14) यांत्रिक इंजीनियरी
- (15) चिकित्सा विज्ञान
- (16) दर्शन शास्त्र
- (17) भौतिकी
- (18) राजनीति विज्ञान
- (19) मनोविज्ञान
- (20) लोक प्रशासन
- (21) समाज शास्त्र
- (22) सांख्यिकी
- (23) प्राणि विज्ञान

टिप्पणी :

- (1) दोनों ही प्रश्नपत्र वस्तुपरक (बहु विकल्प प्रश्न) होंगे ।
- (2) प्रश्नपत्र हन्दी और अंग्रेजी दोनों में होंगे ।
- (3) ऐच्छिक विषयों के लिए पाद्य विवरणों की पाद्यक्रम सामग्री डिग्री स्तर की होगी । पाद्यक्रम का पूरा विवरण खंड ॥ के भाग "क" में दिया गया है ।
- (4) प्रत्येक प्रश्नपत्र दो घंटे का होगा । तथापि दृष्टिहीन उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए बीस मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा ।

(ख) प्रधान परीक्षा :

लिखित परीक्षा में निम्नलिखित प्रश्नपत्र होंगे :

प्रश्नपत्र-1 संविधान की आठवीं अनुसूची में 300 अंक

सम्प्रिलिप्त भाषाओं में से उम्मीदवारों

द्वारा चुनी गई कोई एक भारतीय भाषा

प्रश्नपत्र-2 अंग्रेजी 300 अंक

प्रश्नपत्र-3 निबन्ध 200 अंक

प्रश्नपत्र-4 सामान्य अध्ययन 300 अंक

और 5

प्रश्नपत्र-6 नीचे पैरा 2 में दिए गए ऐच्छिक प्रत्येक प्रश्न पत्र

7, 8 और 9 विषयों की सूची से चुने जाने के लिए 300 अंक

बाले कोई दो विषय प्रत्येक विषय के दो प्रश्नपत्र होंगे ।

साक्षात्कार परीक्षण 300 अंकों का होगा ।

टिप्पणी :—

- (1) भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के प्रश्न-पत्र मैट्रिकुलेशन अथवा समकक्ष स्तर के होंगे जिनमें केवल अर्हता प्राप्त करनी होगी। इन प्रश्नपत्रों में प्राप्त अंकों को योग्यता क्रम निर्धारित करने में नहीं गिना जाएगा।
- (2) सभी उम्मीदवारों के पेपरों अर्थात् 'निबंध', 'सामान्य अध्ययन' और 'वैकल्पिक विषयों' का मूल्यांकन 'भारतीय भाषाओं' और 'अंग्रेजी' में, उनके अर्हक पेपरों के मूल्यांकन सहित, एक ही समय पर किया जाएगा लेकिन केवल उन्हीं उम्मीदवारों के 'निबंध', 'सामान्य अध्ययन' और 'वैकल्पिक विषयों' के पेपर का संज्ञान लिया जाएगा जो 'भारतीय भाषा' और 'अंग्रेजी' के अर्हक पेपरों में आयोग द्वारा स्वविवेकानुसार निर्धारित न्यूनतम मानक प्राप्त करते हैं, अतः 'निबंध', 'सामान्य अध्ययन', और 'वैकल्पिक विषयों' के अंक उन उम्मीदवारों को नहीं बताए जाएंगे जो 'भारतीय भाषा' और 'अंग्रेजी' में ऐसा न्यूनतम अर्हक मानक प्राप्त करने में विफल रहते हैं।
- (3) तथापि भारतीय भाषाओं का प्रथम प्रश्नपत्र उन उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य नहीं होगा जो अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम तथा नागलैंड के उत्तर पूर्वी राज्यों तथा सिक्किम राज्य के हैं।
- (4) भाषा के प्रश्नपत्रों में उम्मीदवार निम्न प्रकार से लिपि का प्रयोग करेंगे :

भाषा	लिपि
असमिया	असमिया
बंगला	बंगला
गुजराती	गुजराती
हिन्दी	देवनागरी
कन्नड़	कन्नड़
कश्मीरी	फारसी
कोंकणी	देवनागरी
मलयालम	मलयालम
मणिपुरी	बंगाली
मराठी	देवनागरी
नेपाली	देवनागरी
उड़िया	उड़िया
पंजाबी	गुरुमुखी
संस्कृत	देवनागरी
सिंधी	देवनागरी या अरबी
तमिल	तमिल
तेलुगु	तेलुगु

उर्दू	फारसी
बोडो	देवनागरी
डोगरी	देवनागरी
मैथिली	देवनागरी
संताली	देवनागरी या ओलचिकि

टिप्पणी :— संथाली भाषा के लिए प्रश्नपत्र केवल देवनागरी लिपि में छपेंगे किन्तु उम्मीदवारों का उत्तर देने के लिए देवनागरी या ओलचिकि-लिपि के प्रयोग का विकल्प होगा।

2. प्रधान परीक्षा के लिए ऐच्छिक विषयों की सूची :

- (1) कृषि विज्ञान
- (2) पशुपालन एवं चिकित्सा विज्ञान
- (3) नृविज्ञान
- (4) वनस्पति विज्ञान
- (5) रसायन विज्ञान
- (6) सिविल इंजीनियरी
- (7) वाणिज्य शास्त्र तथा लेखा विधि
- (8) अर्थशास्त्र
- (9) विद्युत इंजीनियरी
- (10) भूगोल
- (11) भू-विज्ञान
- (12) इतिहास
- (13) विधि
- (14) प्रबन्ध
- (15) गणित
- (16) यांत्रिक इंजीनियरी
- (17) चिकित्सा विज्ञान
- (18) दर्शन शास्त्र
- (19) भौतिकी
- (20) राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंध
- (21) मनोविज्ञान
- (22) लोक प्रशासन
- (23) समाज शास्त्र
- (24) सांख्यिकी
- (25) प्राण विज्ञान
- (26) निम्नलिखित में से किसी एक भाषा का सहित्य : अरबी, असमिया, बंगला, बोडो, चीनी, डोगरी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पाली, फारसी, पंजाबी, रुसी, संस्कृत, संताली, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू।

टिप्पणी (1) : उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय एक साथ लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी :—

- (क) राजनीति विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध तथा लोक प्रशासन
- (ख) वाणिज्य शास्त्र एवं लेखा विधि तथा प्रबंध
- (ग) मानव विज्ञान तथा समाजशास्त्र
- (घ) गणित तथा सांख्यिकी
- (ड) कृषि विज्ञान तथा पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विज्ञान
- (च) प्रबंध तथा लोक प्रशासन
- (छ) इंजीनियरी विषयों जैसे सिविल इंजीनियरी, विद्युत इंजीनियरी तथा यांत्रिक इंजीनियरी में एक से अधिक विषय नहीं
- (ज) पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विज्ञान तथा चिकित्सा विज्ञान।

(2) परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र परंपरागत (निवंध) शैली के होंगे।

(3) प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन घंटे की अवधि का होगा। तथापि दृष्टिहीन उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए तीस मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।

(4) प्रश्नपत्र के उत्तर भारतीय भाषाओं के प्रश्नपत्रों अर्थात् उपर्युक्त प्रश्नपत्रों 1 और 2 को छोड़कर संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित किसी भी एक भाषा में अथवा अंग्रेजी में देने की उम्मीदवारों को छूट होगी।

(5) संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं में से किसी एक भाषा में 3 से 9 तक के प्रश्नपत्रों के उत्तर देने का विकल्प लेने वाले उम्मीदवार यदि चाहें तो केवल तकनीकबद्ध शब्दों के यदि कोई हैं, विवरण का उनके द्वारा चुनी गई भाषा के साथ अंग्रेजी रूपांतरण कोष्ठकों में दे सकते हैं।

किन्तु उम्मीदवार ध्यान रखें कि यदि वे उक्त नियम का दुरुपयोग करते हैं तो इसके कारण उनके अन्यथा मिलने वाले कुल अंकों में से कटौती कर ली जाएगी, आत्मांति मामले में उनकी उत्तर पुस्तिका (ए) अनाधिकृत माध्यम में होने के कारण मूल्यांकित नहीं की जाएगी।

(6) भाषा संबंधी प्रश्नपत्रों को छोड़ कर बाकी सभी प्रश्नपत्र हिन्दी और अंग्रेजी में होंगे।

(7) पाठ्यक्रम का पूरा विवरण खण्ड III के भाग "ख" में दिया गया है।

"सामान्य अनुदेश (प्रारंभिक तथा प्रधान परीक्षा)"

(i) उम्मीदवारों को प्रश्नपत्रों के उत्तर स्वयं लिखने चाहिए। किसी भी परिस्थिति में उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। तथापि दृष्टिहीन उम्मीदवारों को लेखन सहायक (स्क्राइब) की सहायता से परीक्षा में उत्तर लिखने की अनुमति होगी।

(ii) केवल सिविल सेवा प्रधान परीक्षा के लिए, उन उम्मीदवारों को, जो चलने में असमर्थ हैं तथा प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात से पीड़ित हैं और जहाँ उनकी यह असमर्थता, उनकी कार्य-निष्पादन क्षमता (लेखन) (न्यूनतम 40 प्रतिशत अक्षमता) को प्रभावित करती है, उन्हें प्रत्येक घण्टे में 20 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। तथापि ऐसे उम्मीदवारों को स्क्राइब लेने की अनुमति नहीं होगी।

सब बारों का नियमन संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी अनुदेशों के अनुसार किया जाएगा। इन सभी या इनमें से किसी एक अनुदेश का उल्लंघन होने पर दृष्टिहीन उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है। इसके अतिरिक्त संघ लोक सेवा आयोग लेखन सहायक के विरुद्ध अन्य कार्रवाई भी कर सकता है।

टिप्पणी (2) : इन नियमों का पालन करने के लिए किसी उम्मीदवार को तभी (दृष्टिहीन) उम्मीदवार माना जाएगा यदि दृष्टिदोष का 40 प्रतिशत या इससे अधिक हो। दृष्टिदोष की प्रतिशतता निर्धारित करने के लिए निम्नलिखित कस्टी को आधार माना जाएगा :—

सुधारों के बाद स्वस्थ आंख	खराब आंख	प्रतिशतता
वर्ग 0 6/9-6/18	6/24 से 6/36 तक	20 %
वर्ग 1 6/18-6/36	6/60 से शून्य तक	40 %
वर्ग II 6/60-4/60	3/60 से शून्य तक	75 %
अधवा दृष्टि का क्षेत्र 10-20°		
वर्ग III 3/60-1/60 अधवा दृष्टि का क्षेत्र 10°	एफ. सी. एक फुट से शून्य	100 %
वर्ग IV एफ. सी. एक फुट से शून्य तक दृष्टि क्षेत्र 100°	एफ. सी. एक फुट से शून्य तक दृष्टि का क्षेत्र 100°	100 %
एक आंख 6/6	एफ. सी. एक फुट से शून्य तक	30 %
वाला व्यक्ति		

टिप्पणी (3) : दृष्टिहीन उम्मीदवार को स्वीकार्य छूट प्राप्त करने के लिए संबंधित उम्मीदवार को प्रधान परीक्षा के आवेदन-पत्र के साथ निर्धारित प्रपत्र में केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा गठित बोर्ड से आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

टिप्पणी (4) : (1) दृष्टिहीन उम्मीदवार को दी जाने वाली छूट निकट दृष्टिता से पीड़ित उम्मीदवारों को देय नहीं होगी।

(2) आयोग अपने विवेक से परीक्षा के किसी भी एक या सभी विषयों में अहक अंक निश्चित कर सकता है।

(3) यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से न पढ़ी जा सके तो उसको मिलने वाले अंकों में से कुछ अंक काट लिये जायेंगे।

- (4) सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जायेंगे ।
- (5) परीक्षा के सभी विषयों में कम से कम शब्दों में की गई संगितत सूक्ष्म और सशक्त अभिव्यक्ति को श्रेय मिलेगा ।
- (6) प्रश्नपत्रों में, यथा आवश्यक एस.आई. (S.I.) इकाइयों का प्रयोग किया जायेगा ।
- (7) उम्मीदवार प्रश्नपत्रों के उत्तर देते समय केवल भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप (जैसे 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करें ।
- (8) उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा आयोग की परंपरागत (निबंध) शैली के प्रश्नपत्रों के लिए साइंटिफिक (नान प्रोग्रामेबल) प्रकार के कैलकुलेटरों का प्रयोग करने की अनुमति है । यद्यपि प्रोग्रामेबल प्रकार के कैलकुलेटरों का प्रयोग उम्मीदवार द्वारा अनुचित साधन अपनाया जाना माना जाएगा । परीक्षा भवन में कैलकुलेटरों को मांगने या बदलने की अनुमति नहीं है ।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्नपत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते । अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लाएं ।

ग - साक्षात्कार परीक्षण

1. उम्मीदवार का साक्षात्कार एक बोर्ड द्वारा होगा जिसके सामने उम्मीदवार के परिचयवृत्त का अभिलेख होगा । उससे सामान्य रुचि की बातों पर प्रश्न पूछे जायेंगे । यह साक्षात्कार इस उद्देश्य से होगा कि सक्षम और निष्पक्ष प्रेक्षकों का बोर्ड यह जान सके कि उम्मीदवार लोक सेवा के लिए व्यक्तित्व की दृष्टि से उपयुक्त है या नहीं । यह परीक्षा उम्मीदवार की मानसिक क्षमता को जांचने के अभिप्राय से की जाती है । मोटे तौर पर इस परीक्षा का प्रयोजन वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों को अपितु उसके सामाजिक लक्षणों और सामाजिक घटनाओं में उसकी रुचि का भी मूल्यांकन करना है, इसमें उम्मीदवार मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, स्पष्ट और तर्कसंगत प्रतिपादन की शक्ति, संतुलित निर्णय की शक्ति, रुचि की विविधता और गहराई नेतृत्व और सामाजिक संगठन की योग्यता, बौद्धिक और नैतिक ईमानदारी की भी जांच की जा सकती है ।

2. साक्षात्कार में प्रति परीक्षण (क्रास एग्जामिनेशन) की प्रणाली नहीं अपनाई जाती इसमें स्वाभाविक वार्तालाप के माध्यम से, उम्मीदवार के मानसिक गुणों का पता लगाने का प्रयत्न किया जाता है, परन्तु वह वार्तालाप एक विशेष दिशा में और एक विशेष प्रयोजन से किया जाता है ।

3. साक्षात्कार परीक्षण उम्मीदवारों के विशेष या सामान्य ज्ञान की जांच करने के प्रयोजन से नहीं किया जाता, क्योंकि उसकी जांच

लिखित प्रश्नपत्रों से पहले ही हो जाती है । उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे केवल अपने विद्यालय के विशेष विषयों में ही पारंगत हों बल्कि उन घटनाओं पर भी ध्यान दें जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधारा और नई-नई खोजों में भी रुचि लें जो कि सुशिक्षित युवक में जिज्ञासा पैदा कर सकती हैं ।

खण्ड III

परीक्षण का पाठ्य विवरण

टिप्पणी : उम्मीदवारों को परामर्श दिया जाता है कि वे इस खण्ड में दिए गए प्रारंभिक तथा प्रधान परीक्षा के लिए पाठ्य विवरण का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें क्योंकि कई विषयों के पाठ्यक्रम का नियतकालिक संशोधन किया गया है ।

भाग-क

प्रारंभिक परीक्षा

अनिवार्य विषय

सामान्य अध्ययन

सामान्य विज्ञान

राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएं ।

भारत का इतिहास और भारत का राष्ट्रीय आन्दोलन ।

भारत एवं विश्व का भूगोल ।

भारत की राज-व्यवस्था और अर्थ-व्यवस्था ।

सामान्य मानसिक योग्यता ।

सामान्य विज्ञान के अंतर्गत विज्ञान की सामान्य ग्रहणशीलता और समझ शामिल होगी जिसमें देनदिन प्रेक्षण और अनुभव के पक्ष रहेंगे । इन पर ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनके उत्तर की अपेक्षा वैज्ञानिक विषयों का विशेष अध्ययन न किए एक शिक्षित व्यक्ति से की जा सकती है । समसामयिक घटनाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं के ज्ञान का परीक्षण किया जाएगा । भारत के इतिहास के अंतर्गत विषय की व्यापक सामान्य जानकारी तथा इसके सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक पहलुओं पर बल दिया जाएगा । भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन के अंतर्गत उन्नीसवीं शताब्दी के नये उभार की प्रकृति एवं स्वरूप, राष्ट्रीयता के विकास तथा स्वतंत्रता प्राप्ति से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे । भूगोल के अंतर्गत, भारत के भूगोल पर विशेष बल दिया जाएगा । भारत का भूगोल के अंतर्गत देश के भौतिक, सामाजिक और आर्थिक भूगोल से संबंधित प्रश्न होंगे, जिनमें भारतीय कृषि और प्राकृतिक संसाधनों की प्रमुख विशेषताएं सम्मिलित होंगी । भारत की राज-व्यवस्था और अर्थ-व्यवस्था के अंतर्गत देश की राजनीतिक प्रणाली और भारत का संविधान, पंचायती राज, सामाजिक व्यवस्था तथा भारत में आर्थिक विकास से संबंधित ज्ञान का परीक्षण किया जाएगा । सामान्य मानसिक योग्यता के अंतर्गत अध्ययनों की तारीकि और विश्लेषणपरक योग्यताओं का परीक्षण किया जाएगा ।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए ऐच्छिक विषय

कृषि

कृषि विज्ञान, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उसका महत्व। कृषि परिस्थितिक क्षेत्रों को निर्धारित करने वाले कारक तथा संस्य पादपों का भौगोलिक विवरण।

संस्य पादपों का महत्व, अनाज, दलहन, तिलहन, रेशा, चीनी, कंद तथा चारा फसलों की कर्षण-प्रक्रियाएं तथा इन संस्यावर्तनों के वैज्ञानिक आधार, अनेकधा तथा अनुप्रद संस्यन, अंतरा-संस्यन और मिश्र संस्यन।

पादप वृद्धि के माध्यम के रूप में मृदा और उसका संघटन, मृदा के खनिज तथा कार्बनिक संघटक और फसलों के उत्पादन में इनकी भूमिका; मृदा के रासायनिक, भौतिक तथा सूक्ष्म जैविक गुण। अनिवार्य पादप पोषण तत्व (बहुत तथा सूक्ष्म) — उनके कार्य, मृदा में उपस्थिति तथा उनका चक्रण। मृदा उर्वरता के सिद्धांत और विवेकपूर्ण उर्वरक प्रयोग के लिए उसका मूल्यांकन। कार्बनिक खाद तथा जैव उर्वरक, अकार्बनिक उर्वरक, समाकलित पोषक प्रबंध।

पादप पोषण, अवशोषण, स्थानांतरण तथा पोषक तत्वों के उपाचय के संदर्भ में पादप क्रिया विज्ञान के सिद्धांत।

पोषक तत्वों की कमी और उसका निदान तथा उनका उपचार, पादप वृद्धि में प्रकाश संश्लेषण तथा श्वसन; वृद्धि तथा परिवर्धन, औक्सिजन तथा हॉमोन।

कोशिका तथा कोशिका अंगक। कोशिका-विभाजन, जनन-चक्र। आनुवंशिकी के सिद्धांत, जीन अन्योन्य क्रिया, लिंग निर्धारण, सहलगता तथा पुनर्जन, उत्परिवर्तन, झोमोसोम-इतर वंशागति, बहुगुणिता। संस्य पादपों की उत्पत्ति तथा उपजाना। अनुवंशिक संसाधन-संरक्षण तथा उपयोग स्वनिषेचन और संस्करण के संबंध में पुष्ट-जैविकी। पादप प्रजनन का अनुवंशिक आधार, शुद्ध वशक्रम वरण, समूह वरण, नर बंध्यता तथा असंयोज्यता और पादप प्रजनन में उनका उपयोग। वंशावली वरण, वरण की प्रतीय संकर विधि। संकर ओज और उसका उपयोग। संकरों, मिश्रों तथा संश्लिष्टों का परिवर्धन, महत्वपूर्ण किस्में, मुख्य फसलों के महत्वपूर्ण किस्में, संकर, मिश्र तथा संश्लिष्ट बोज तथा बीज-उत्पादन की तकनीकें।

भारत की फलों तथा सब्जियों की प्रमुख फसलें, प्रवर्धन की विधि-लैंगिक तथा अलैंगिक। पैकेज एवं रीतियां तथा उनका वैज्ञानिक आधार। संस्यावर्तन, अंतरसंस्योत्पादन, सहचरी फसलें, मानव पोषण में फलों तथा सब्जियों की भूमिका। फलों तथा सब्जियों की फसल का तुडाई के उपरान्त संभलाव एवं संसाधन।

भूसुदर्शनीकरण और शोभाकारी उद्यान, कृषि, वाणिज्यिक पुष्ट कृषि।

औषधि तथा सुगंधित (एरोमैटिक) पादप

प्रमुख फसलों को प्रभावित करने वाले गंभीर पीड़क तथा रोग। फसलों के पीड़कों और रोगों को नियन्त्रण करने के सिद्धांत। समाकलित प्रबंधन, पादप संरक्षी, उपस्करों का उचित उपयोग तथा रखरखान।

कृषि विज्ञान में यथा अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र के सिद्धांत फार्म योजना तथा इष्टतम संसाधन-उपयोग-दक्षता तथा रोजगार तथा आय का अधिकतमीकरण। फार्म प्रणालियां और उनका स्थानिक वितरण, क्षेत्रीय आर्थिक विकास में उनकी भूमिका।

पशुपालन तथा पशु विज्ञान

पशुपालन

1. सामान्य : भारतीय अर्थ व्यवस्था तथा मानव स्वास्थ्य में पशुधन का महत्व। मिश्रित कृषि। कृषि जलवायु क्षेत्र तथा पशुधन वितरण। विशेष रूप से महिलाओं के संदर्भ में पशुधन व्यवसाय के सामाजिक आर्थिक पहलू।

2. आनुवंशिकी तथा प्रजनन : आनुवंशिकी के सिद्धांत, डी.एन.ए. तथा आर.एन.ए. की रासायनिक प्रकृति और उनके मॉडल तथा कार्य। पुनर्जीवित डी.एन.ए. तकनीलाजी, ट्रांसजनिक तथा पशु, बहुआयामी डिस्वरक्षण तथा ध्रूण स्थानांतरण। कोशिका आनुवंशिकी तथा जैव रासायनिक बहुरूपता तथा पशु नस्ल सुधार में उनका अनुप्रयोग। जीन के कार्य। दूध, मांस, ऊन उत्पादन तथा धार ढोने वाले पशुधन तथा अंडों एवं मांस के लिए कुक्कुट आदि की नस्ल में सुधार करने के तरीके और नीतियां। रोग प्रतिरोध के लिए पशुओं में प्रजनन। पशुधन, कुक्कुट तथा खरणोशों की नस्लें।

3. पोषण : पशु स्वास्थ्य तथा अभिवृद्धि में पोषण का महत्व। आहारों का वर्गीकरण। आहारों का संभावित मिश्रण, आहार मानक, राशन की संगणना। रोमन्थी पोषक। समग्र रूप से पाच्य पोषक तथा स्टार्च समसंयोजक की संकल्पना। ऊर्जा निर्धारण का महत्व। भोजन तथा चारे का संरक्षण तथा कृषि उप-उत्पादकों का उपयोग; खाद्य पदार्थों के पूरक तथा संयोजी तत्व। पोषण का अभाव और उनका प्रबंध।

4. प्रबंध : पशुधन, कुक्कुट और खरणोशों को रखने तथा उनके प्रबंध के तरीके/फार्म रिकार्ड। पशुधन, कुक्कुट और खरणोश पालन का अर्थशास्त्र। स्वच्छ दूध उत्पादन, पानी, हवा तथा आवास के संदर्भ में पशु स्वास्थ्य विज्ञान, पानी के स्रोत तथा पेय जल स्तर। जलशोधन। वायु परिवर्तन तथा तापीय सुविधा जलनिकाय प्रणालियां एवं बहिस्त्राव निपटान। गोबर गैस।

5. पशु उत्पादन : (क) कृत्रिम वीर्यसंचन, जनक्षमता तथा बन्ध्यता। जननात्पक शरीर क्रियाविज्ञान तथा (वीर्य की) - सीमेन विशेषताएं एवं इसका परिक्षण। बन्ध्यता - इसके कारण एवं उपचार।

(ख) मांस, अंडे तथा ऊन का उत्पादन। मांस वाले पशुओं का वध करने की विधि, मांस का निरीक्षण, मूल्यांकन, पशुशाव की विशेषताएं, मिलावट और उसकी पहचान, संसाधन और परिक्षण, उप-उत्पाद, अंडों के उत्पादन की शरीर क्रिया विज्ञान, पौष्टिकता, अंडों के श्रेणी-करण परिक्षण और विपणन। ऊन की किस्में श्रेणी और विपणन।

6. पशु विज्ञान : (i) पशुओं, भैंसों, लौंडों, भेड़ों तथा बकरियों, सूअरों, कुक्कुट, खरणोशों तथा पालतू पशुओं को प्रभावित करने वाले प्रमुख संसर्गज्ञ रोग-हेतु विज्ञान। प्रमुख जीवाणुज, रिकेट्स तथा परजीवी संक्रमणों के लक्षण, रोगजनकता, निदान, उपचार तथा नियन्त्रण।

(ii) निम्नलिखित रोगों का वर्णन, लक्षण, निदान, उपचार :

(क) दुधारू पशुओं, सूअर तथा कुक्कुट में उत्पत्ति संबंधी रोग।

(ख) घरेलू पशुधन तथा पक्षियों में कुपोषण जन्य रोग ।
 (ग) संक्रमित/दूषित खाद्य पदार्थों तथा भोजन, रसायनों एवं औषधियों के कारण विषाक्तता ।

7. प्रतिरक्षण तथा टीकाकरण के सिद्धांत : विभिन्न प्रकार की प्रतिरक्षा, एंटीजेस और रोग प्रतिरक्षी तिरक्षण के तरीके । प्रतिरक्षा भंजनक्षय । टीके और पशुओं में उनका प्रयोग । पशुजन्य रोग, खाद्य पदार्थजनित संक्रमण तथा आविषेकरण, व्यवसायिक जोखिम ।

8. (क) पशुओं को मारने के लिए उपयोग में लाए गए विषसहज मृत्यु ।

(ख) उत्पादन/निष्पादन/दक्षता बढ़ाने के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली दवाईयां और उनके प्रतिकूल प्रभाव ।

(ग) जंगली जानवरों के साथ-साथ बंदी पशुओं को शांत करने के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली औषधियां ।

(घ) भारत और विदेशों में अपनाए जाने वाले संग्रहेय उपाय । अधिनियम, नियम और विनियम ।

9. डेरी विज्ञान : दूध के भौतिक, रासायनिक और पोषक गुण । दूध और दूध उत्पादों का गुणवत्ता मूल्यांकन । सामान्य परीक्षण और वैध मानक ।

डेरी उपकरणों की सफाई और स्वच्छता, दूध एकत्रीकरण, प्रशीतन, परिवहन प्रक्रिया, पैकेजिंग, भंडारण एवं वितरण ।

बाजार में बेचे जाने वाले दूध, क्रीम, मक्खन, पनीर, आइसक्रीम, संधनित तथा सूखे दूध, उप-उत्पादों और भारतीय दूध उत्पादों का उत्पादन ।

डेरी संयंत्रों में सुझाव एकल प्रचालन या यूनिट प्रचालन दूध और दूध उत्पादों की गुणवत्ता में सूक्ष्म जीवों की भूमिका ।

दूध स्वतंत्र का शारीर क्रिया विज्ञान या कार्यिकी ।

बनस्पति विज्ञान

1. कोशिका जैविकी

कोशिका भित्ति की संरचना और कार्य (कोशकाबाह्य आधात्री अथवा ई सी एम), कोशिका कला, कोशिका कला, कोशिका अंगक । केन्द्रक, केन्द्रिक, केन्द्रक रंग सम्मिश्र (एन पी सी), गुणमूल तथा न्यूक्लिओसोम। सम्पूर्ण, अधृमूलण, कोशिका विभाजन चक्र में अधिक नियन्त्रण जिसमें जांच बिन्दु शामिल हैं। विभेदन, कोशिकीय जीर्णता ।

2. आनुवंशिकी, आण्विक जैविकी तथा जैव प्रौद्योगिकी

वंशागति के नियम । जीन तथा युग्मविकल्पी की अवधारणा । सहलगता, विनियम तथा जीन मानचित्रण । गुणसूत्रों में संरचनात्मक तथा संख्यात्मक परिवर्तन तथा जीन उत्परिवर्तन । लिंग निर्धारण तथा विभेदन । न्यूक्लीक अम्लों और प्रोटीनों की संरचना तथा संरलेषण । आनुवंशिक कूट । जीन अभिव्यक्ति का विनियमन । आनुवंशिक इंजीनियरी तथा फसल सुधार । जैवविविधियों, कोशिकाय, उत्कीय

तथा अंग संवर्धन । कार्यिक संकरण । जैव उर्वरक तथा जैव पीड़कनाशी । कृषि बागवानी, चिकित्सा एवं उद्योग में जैव प्रौद्योगिकी ।

3. ऊतक तंत्र

प्राथमिक तथा द्वितीयक उत्कों का उद्भव, परिवर्धन, संरचना तथा कार्य ।

4. पादप विविधता तथा वर्गीकरण विज्ञान

विकासात्मक दृष्टिकोण से पादप स्वरूपों की संरचना और प्रकार्य (विषाणुओं से लेकर आवृत्तबीजियों तक, जीवाश्मों सहित) पादपों की नाम-पद्धति, वर्गीकरण तथा अधिनिर्धारण के सिद्धांत। पादप वर्गीकरण विज्ञान के आधुनिकी उपागम। सजीव जीवधारियों का तीन समूहों में नवीनम वर्गीकरण (जीवाणु, अर्किया तथा यूकैर्या) ।

5. पादप शरीरक्रिया विज्ञान

जन सम्बन्ध खनिज पोषण। प्रकाश संश्लेषण। श्वसन। नाइट्रोजेन उपापचय। प्रक्रिय तथा सहप्रक्रिय। वृद्धि की गतिकी, वृद्धि गतियां, वृद्धि पदार्थ, प्रकाश संरचना विकास। द्वितीयक उपापचयज। जैविकीय अध्ययनों में समस्थानिक। पुष्टि की कार्यिकी।

6. जनन की विधियां तथा बीज जैविकी

जनन की कार्यिक, अलैंगिक तथा लैंगिक विधियां, परागण तथा विवेचन। लैंगिक असंगतता बीज का परिवर्धन, संरचना, प्रसुप्ति तथा अंकुरण।

7. पादप रोग विज्ञान

चावल, गेहूं, गन्ना, आलू, सरसों, मूँगफली तथा कपास की फसलों के रोग। संक्रमण प्रभावकारी कारक (परपोषी कारक, रोगजनक कारक, जैविक कारक जैसे मूलपरिवेशी तथा पर्णपरिवेशी जीवधारी)। रोग नियन्त्रण की रासायनिक, जैविक तथा आनुवंशिक विधियां (पारजीनी पादपों सहित)।

8. पादप और पर्यावरण

जैविक तथा अजैविक घटक। पारिस्थितिक अनुकूलन। भारत के बनस्पति मंडलों तथा वनों के प्रकार, बनोन्मूलन, बनरोपण, सामाजिक वानिकी तथा पादप आप्रवेश। मृदा अपरदन, व्यर्थ भूमि, भूमि उद्धार, पर्यावरणीय प्रदूषण तथा उस पर नियन्त्रण। (पादपोपचार सहित) जैव सूचक। वैश्विक तापन।

9. जैव विविधता, पादप आनुवंशिकी संसाधन

पादप आनुवंशिकी संसाधनों के संरक्षण की विधियां और उनका महत्व। जैविक विविधता सम्मेलन (सी बी डी) संकटापन, संकटप्राय और विशेषक्षेत्रों वर्गक। प्रवर्धन एवं आनुवंशिक विविधता को समुन्नत करने में कोशिका/ऊतक संवर्धन की भूमिका। आहार, चारा, धास, रेशों, तेलों, औषधियों, लकड़ी तथा इमारती लकड़ी, कागज, रबड़, ऐय पदार्थों, मसालों, सुगन्धित तेलों तथा रेजिनों, गोदों, रंजकों, कीटनाशियों, पीड़कनाशियों, तथा सजावट के स्रोतों के रूप में पादप। ऊर्जा स्रोत के रूप में जैव मात्रा।

10. जीवन का उद्भव तथा विकास

पृथकी के उद्भव की तथा जीवन के उद्भव की मूल अवधारणाएं। जैव विकास के सिद्धान्त, विकास का आणविक आधार।

रसायन विज्ञान

खंड-क (अकार्बनिक रसायन)

1.1 परमाणु संरचना :—श्रोडिंगर तरंग समीकरण¹ तथा² का महत्व, क्वांटम संख्याएं और उनका महत्व, क्रिन्यीय तथा कोणीय संभाव्यता, कक्षकों के आकार, परमाणु संख्या के फलन के रूप में परमाणु कक्षकों की सापेक्षिक ऊर्जा। तत्त्वों का इलैक्ट्रॉनिक विन्यास, आफवाऊ नियम, हुंड का बहुकर्ता नियम, पाउली का उपवर्जन सिद्धांत।

1.2 रासायनिक आवर्तिता :—तत्त्वों का आवर्ती वर्गीकरण, एस. पी.डी. तथा एफ. ब्लॉक के तत्त्वों की प्रमुख विशेषताएं। आवर्त सारणी में परमाणु क्रिन्याएं, आयनिक विभव, इलैक्ट्रॉन बंधुता और विद्युत ऋणात्मकता के आवर्ती प्रवृत्ति।

1.3 रासायनिक बंध :—बंध के प्रकार, परमाणु कक्षकों का अतिव्यापन, सिमा और पाई आबन्ध, हाइड्रोजेन तथा धात्विक आबन्ध। अणुओं का आकार, आबंध क्रम, आबंध दूरी, वी.एस.ई.पी.आर. सिद्धांत तथा आबंधकोण। संकरण की संकल्पना, अणुओं तथा आयनों का आकार।

1.4 ऑक्सीकरण अवस्थाएं तथा ऑक्सीकरण संख्या :—ऑक्सीकरण तथा अपचयन ऑक्सीकरण संख्या, सामान्य रेडाक्स अभिक्रियाएं, आयनिक समीकरण। ऑक्सीकरण तथा अपचयन अभिक्रियाओं के समीकरणों को संतुलित करना।

1.5 अम्ल तथा क्षार :—अम्ल तथा क्षार के बारे में ब्रास्टेड तथा लुईस के सिद्धांत, कठोर तथा मुदु अम्ल तथा क्षार, एच.एस.ए.बी. सिद्धांत, अम्लों तथा क्षारों की सापेक्ष प्रबलता और उनकी प्रबलता पर प्रतिस्थापिकों तथा विलायकों का प्रभाव।

1.6 तत्त्वों का रसायन

(1) हाइड्रोजेन :—आवर्ती सारणी में इसका विशिष्ट स्थान समस्थानिक, आर्थों तथा पैरा हाइड्रोजेन, औद्योगिक उत्पादन, भारी जल (हैवी वाटर)।

(2) एस. एवं पी. ब्लॉक तत्त्वों का रसायन :—इलैक्ट्रॉनिक विन्यास, सामान्य अभिलाक्षणिक गुणधर्म, अक्रिय युग्म प्रभाव, अपररूपता एवं ऋणात्मक, द्रव अमोनिया में क्षार एवं क्षारीय मृदा धातुओं के विलयन पर विशेष बल, बोरिक अम्ल, बोरेट्स, बोरान-नाइट्राइड, बोरो हाइड्राइड (डायबोरेन), कार्बोरेन्स, नाइट्रोजेन, फास्फोरस, सल्फर तथा ब्लॉरीन के आक्साईड तथा ऑक्सी अम्ल की तैयारी, गुणधर्म एवं संरचना। अंतरा हैलोजन यौगिक, पालिहैलाइड आयन, आमसी हैलोजन, फ्लुओरोकार्बन तथा हैलोजन के आधारभूत गुणधर्म। उत्कृष्ट गैसों की रासायनिक अभिक्रियाशीलता, उत्कृष्ट गैस यौगिकों की तैयारी, संरचना तथा आबंधन।

(3) डी. ब्लॉक तत्त्वों का रसायन :—लैथेनाइड सहित संक्रमण धातुएं, सामान्य अभिलाक्षणिक गुणधर्म, आक्सीकरण अवस्था,

चुंबकीय-व्यवहार, रंग। प्रथम पंक्ति की संक्रमण धातुएं एवं उनके यौगिकों के सामान्य गुणधर्म (आक्साइड, हैलाइड एवं सल्फाइड), लैथेनाइड संकुचन।

1.7 धातु निष्कर्षण :—सोडियम, मैग्नेशियम, एल्यूमिनियम, आयरन, निकेल, तांबा, चांदी एवं सोना के उदाहरणों को लेकर धातुओं के निष्कर्षण का सिद्धांत।

1.8 नाभिकीय रसायन :—नाभिकीय अभिक्रियाएं, द्रव्यमान क्षति एवं बंधन ऊर्जा, नाभिकीय विखंडन एवं संलयन। नाभिकीय रिएक्टर, विकिरण समस्थानिक एवं उनके अनुप्रयोग।

1.9 उप-सहसंयोजन यौगिक :—नाम पद्धति, समावयता एवं उप-सहसंयोजन यौगिकों के सिद्धांत एवं प्रकृति एवं औषधि में इनकी भूमिका।

1.10 प्रदूषण एवं इसका नियंत्रण :—चायु प्रदूषकों के प्रकार, चायु एवं जल प्रदूषण का नियंत्रण, विघटनामिक (रेडियोएक्टिव) प्रदूषण।

खंड-ख (कार्बनिक रसायन)

2.1 कार्बनिक अणुओं का बंध एवं आकार :—विद्युत ऋणात्मकता, इलेक्ट्रॉन विस्थापन प्रेरणिक, मेसोमरी एवं अतिसंयुक्त प्रभाव : आबंध ध्रुण आबंध एवं आबंध ध्रुणीयता, कार्बनिक अणुओं के द्विध्रुवी आणुं, हाइड्रोजेन आबंध, विलायक एवं संरचना का अम्लों तथा क्षारों के वियोजन स्थिरांक पर प्रभाव; आबंध विरचन, सहसंयोगी आबंधों का विखंडन : सम-अपघटन एवं विषम अपघटन : अभिक्रिया मध्यवर्ती-काबोकेटायन, कार्बोएनायन, मुक्तमूलक एवं कार्बान : उत्पत्ति, ज्यामिति एवं स्थायित्व; नाभिक स्नेही इलेक्ट्रॉनस्नेही।

2.2 ऐलिफैटिक यौगिकों का रसायन विज्ञान :—नामपद्धति, एल्केन-संश्लेषण, अभिक्रिया (मुक्त मूलक हैलोजेनीकरण)। अभिक्रियाशीलता एवं वरणक्षमता, सल्फोनेशन-अपमार्जक; चक्री ऐल्केन-बैयर का विकृतिवाद; ऐल्कीन एवं ऐल्काइन्स-संश्लेषण इलेक्ट्रॉन स्नेही संकलन अभिक्रिया, मार्कोनीकाव नियम पर आक्साइड प्रभाव, 1, 3-युग्मध्रुवी संकलन; अपूर्ण इलेक्ट्रॉन ऐल्कान का नाभिक स्नेही संकलन बहुलकीकरण, सापेक्ष अम्लता; ऐल्किल हैलाइड का संश्लेषण एवं अभिक्रिया, ऐल्केनोल, ऐल्केनाल, ऐल्केनोन, ऐल्केनाइक अम्ल, ईस्टर, ऐपाइड, नाईट्राइल, ऐमीन, ऐसिड ऐनहाइड्राइड का संश्लेषण एवं अभिक्रिया, L, B-असंतुप्त कीटोन, ईथर एवं नाइट्रो यौगिक।

2.3 कार्बन यौगिकों का त्रिविम रसायन :—सममिति तत्व, किरेल एवं एकिरेल यौगिक, फिशर प्रक्षेप सूत्र, लैक्टिक एवं टार्टाइक अम्लों की प्रकाशिक समावयता, उत्क्रमवर्ता, एवं प्रतिबिंबी त्रिविम सामावयता, विन्यास (सापेक्ष एवं निरपेक्ष), चार कार्बनों तक के ऐल्केनों का संरूपण सायक्लो-हेक्सेन एवं डायमिथाइल सायक्लोहेक्सेन-उनकी विभव ऊर्जा। किरेल केन्द्र युक्त यौगिकों का D.L एवं R.S., संकेतन; प्रक्षेप सूत्र-फिशर, न्यूमन एवं सावहार्स-दो संलग्न किरेल केन्द्र युक्त यौगिक: मेसो एवं D-समावयत; एरिशो एवं थ्रियो समावयत; रेसिमीकरण एवं विभेदन; कार्बनिक यौगिकों में समस्थेय, उत्क्रम्यरूपी एवं अप्रतिबिंबी त्रिविमरूपी परमाणु एवं ग्रुप के उदाहरण; ज्यामितिक समावयत; E एवं Z संकेतन।

SN1, SN2, E1 एवं E2 अभिक्रियाओं का त्रिविम रसायन।

2.4 कार्ब-धात्विक यौगिक :—ग्रीन्वार अभिकारक की तैयारी एवं सांश्लेषिक उपयोग, ऐस्ट्रिकल लिथियम योगिक।

2.5 सक्रिय मैथिलीन यौगिक:-—डायएथिल मेलोनेट, एथिल एसीटोएसीटेट, एथिल साथनोएसीटेट-कार्बनिक संश्लेषण में अनुप्रयोग; चलावयवता (कीटो-एनाल)।

2.6 ऐरोमैटिक यौगिक का रसायन :- ऐरोमैटिकता; हकल का नियम; इलेक्ट्रानस्नेही ऐरोमैटिक प्रतिस्थापन-नाइट्रोकरण, सल्फोनीकरण, हैलोजेनीकरण (नाभिकीय एवं पार्श्व भूखला); प्रीडेल-काफट्स ऐल्किलीकरण एवं ऐसिलीकरण; प्रतिस्थापन प्रभाव, ऐरोमैटिक हैलाइड फिनाल, नाइट्रो, डाइऐजो, डाइऐजोनियम एवं सलफानिक अम्ल व्युत्पन्न; द्वेजीन अभिक्रियाओं का रसायन एवं अभिक्रियाशीलता।

2.7 (1) जैव अणुओं का रसायन विज्ञान:-—वर्गीकरण, अभिक्रिया, ग्रुकोज की संरचना, D, L—विन्यास, ओसोजोन विचरण फूक्सोज एवं सुक्रोज, ऐल्डोस एवं कीटोस का उच्चव्यन एवं सोपानन एवं उनके अन्योन रूपांतरण;

(2) ऐमीनो अप्टन:-—आवश्यक ऐमीनो अम्ल; उभयाविष्ट औयन, समविभव बिन्दु; पालिपेटाइड; प्रोटीन ; OC—ऐमीनो अम्लों का संश्लेषण की विधि।

(3) तेल , वसा, साबुन एवं अपर्माजिकों का प्रारंभिक ज्ञान।

2.8 यू.वी. (u,v) दृश्य, आई आर एवं एन एम आर स्पेक्ट्रम विज्ञान का सरल कार्बनिक अणुओं के लिए मूलभूत सिद्धांत एवं अनुप्रयोग।

खंड ग (भौतिक रसायन)

3.1 गैसीय अवस्था:-—आदर्श गैस के अवस्था समीकरण से वास्तविक गैसों का विचलन; वान्डरवाल्स एवं वीरियल अवस्था समीकरण, क्रॉटिक परिघटना संगत अवस्था के सिद्धांत, समानीत अवस्था के लिए समीकरण। गैसों का द्रवीकरण, अणु की चाल का वितरण, गैस में अणुओं के बीच संघटन, माध्य मुक्त पथ, गैसों की विशिष्ट ऊष्मा ।

3.2 ऊष्मागतिकी-(1) प्रथम नियम एवं उनके अनुप्रयोग :—ऊष्मागतिक तंत्र, अवस्था एवं प्रक्रिया, कार्य, ऊष्मा एवं आंतरिक उर्जा, ऊष्मागतिक का शृंख्य कोटिनियन, उत्क्रमणीय एवं अनुत्क्रमणीय प्रक्रिया तंत्र में किए गए विभिन्न प्रकार के कार्य। विभिन्न भौतिक एवं रासायनिक प्रक्रियाओं में पूर्ण ऊष्मा एवं पूर्ण ऊष्मा परिवर्तन, जूल-थॉमसन प्रभाव, व्युत्क्रम ताप ।

ऊष्मा-धारिता एवं पूर्ण ऊष्मा एवं उर्जा परिवर्तन की ताप निर्भरता ।

(2) द्वितीय नियम एवं इनके अनुप्रयोग:-—प्रक्रिया की स्वतः प्रवृत्ति, विभिन्न प्रक्रियाओं में एन्टोपी एवं एन्टोपी परिवर्तन, मुक्त ऊर्जा फलन, साम्यावस्था के लिए मापदंड साम्य स्थिरांक एवं ऊष्मागतिक राशि के बीच संबंध ।

3.3 प्रावस्था नियम एवं इनका अनुप्रयोग:-—शुद्ध पदार्थ के द्रव, ठोस एवं वाष्प के बीच साम्य, क्लासियस-क्लैपैरेन समीकरण एवं उसका अनुप्रयोग। घटकों, प्रावस्थाओं एवं स्वातंत्र्य कोटि की संख्या; प्रावस्था नियम एवं इनका अनुप्रयोग; एक (जल एवं सल्फर) एवं दो घटकों (शीशा-चांदी, लवण हाइड्रेट) वाला सरल निकाय। वितरण नियम, इसका रूपांतरण, सीमाएं एवं अनुप्रयोग।

3.4 विलयन:-—विलयता एवं उसकी तापक्रम निर्भरता, आंशिक रूप से मिश्रणीय, द्रव, उच्च एवं निम्न क्रांतिक विलयन तापक्रम, द्रव के ऊपर इनके मिश्रण का वाष्प दवाब, राड्लूड, एवं हेनरी का नियम, प्रभाजी एवं भाप आसवन ।

3.5 अणुसंख्य गुणधर्म:-—तनु विलयन एवं अणुसंख्य गुणधर्म का प्रयोग कर अणुभार का निर्धारण ।

3.6 विद्युत रसायन :-—विलयन में औयन, औयनी साम्यावस्था, अम्ल तथा क्षारों का वियोजन। स्थिरांक। जल-अपघटन, पी.एच. (pH) एवं उभय प्रतिरोधी, सूक्चक सिद्धांत एवं अम्ल-क्षार अनुमापन। औयनी विलयन की चालकता, इनके सान्द्रता के साथ बदलाव, ओस्ट्रवाल्ड का तनु नियम, कोलाइज नियम एवं इनका अनुप्रयोग। अभिगमनांक एवं उसका निर्धारण। फेरोड के विद्युत-अपघटन का नियम, गैस्ट्रैनी सेल एवं उनके ई.एम.एफ. (EMF) की माप, सेल अभिक्रिया, मानक सेल, मानक अपचयन विभव, नैन्स्ट समीकरण, ऊष्मागतिक मात्राओं एवं सेल ई.एम.एफ. के बीच संबंध, ईधन सेल, विभवमूलक अनुमापन।

3.7 रासायनिक बलगतिकी:-—रासायनिक अभिक्रिया की दर एवं अभिकारकों के सान्द्रण पर निर्भरता, स्थिर दर एवं अभिक्रिया की कोटि एवं उनके प्रायोगिक निर्धारण; प्रथम एवं द्वितीय कोटि अभिक्रिया के लिए अवकाल एवं समाकल दर समीकरण, अर्ध आयु अवधि, दर स्थिरांक की तापक्रम पर निर्भरता एवं आरेनिअस प्राचल संघटन एवं संक्रमण अवस्थावाद के संबंध में प्रारंभिक विचार।

3.8 प्रकाश रसायन:-—प्रकाश का अवशोषण, प्रकाश रसायन के नियम, क्वान्टमी लब्धि, उत्तेजित अवस्था एवं इनका विकिरणी, अविकिरणी एवं रसायनिक पथ द्वारा क्षय; सरल प्रकाश रासायनिक अभिक्रिया ।

3.9 उत्प्रेरण:-—समांगी एवं विषमांगी उत्प्रेरण एवं इनकी विशेषताएं, विषमांगी उत्प्रेरण की क्रियाविधि, एन्जाईम उत्प्रेरित अभिक्रिया (माइकेलिस मेन्टन क्रिया विधि ।)

3.10 कोलाइडः-—कोलाइडी अवस्था, तैयारी एवं कोलाइड का शोधन एवं उनके अभिलाक्षणिक गुणधर्म, द्रवस्नेही एवं द्रव विरोधी कोलाइड एवं स्कंदन, कोलाइड का रक्षण, जेल, पायस, पृष्ठ सक्रियक एवं मिसेल ।

सिविल इंजीनियरी

भाग क

इंजीनियरी यांत्रिकी :-—मात्रक तथा विभाएं, एस.आई. मात्रक सदिश बल की संकलना, कण तथा दृढ़ पिण्डों की संकलना। संगामी, असंगामी तथा समतल पर समान्तर बल, बल आघूर्ण तथा वैरिगनान-प्रमेय, मुक्त पिण्ड आरेख, संप्रबंधित साम्यावस्था, कल्पित कार्य का सिद्धांत, समतुल्य बल प्रणाली ।

प्रथम तथा द्वितीय क्षेत्र आघूर्ण, द्रव्यमान जडत्व आघूर्ण ।

स्पैतिक घर्षण आनत तल तथा ब्रेयरिंग (दिवमान) ।

शुद्धगतिकी तथा गतिकी :-—कार्तीय शुद्धगतिकी तथा निर्देशांक शुद्धगतिकी, समान तथा असमान त्वरण के अधीन गति, गुरुत्वाधीन गति ।

गतिक कणः—संवेग तथा उर्जा सिद्धांत, डी एलेम्बर्ट सिद्धांत, प्रत्यास्थ पिण्डों का संघर्ष, दृढ़ पिण्डों का घूर्णन, सरल आवर्त गति ।

पदार्थ-सामर्थ्यः—सरल प्रतिबल एवं विकृति, प्रत्यास्थता स्थिरांक, अक्षीतः भारित संपीड़नं, अपरूपण बल तथा बंकन आघूर्ण, सरल बंकन का सिद्धांत, अनुप्रस्थ परिच्छेद अपरूपण प्रतिबल वितरण, समसामर्थ्य धरन, पतीदार कमानी । प्रत्यक्ष प्रतिबल में विकृति उर्जा, बंकन तथा अपरूपण ।

धरन-वीक्षेपः—मैकाले विधि, मोर की आघूर्ण क्षेत्र विधि, एकांक भार विधि, साप्ट की ऐंठन, संचरण क्षमता, सधन कुण्डलित कमानी, स्तम्भों का प्रत्यास्थ स्थायित्व । ऑयरल (Euler's), रेनकाइन तथा सीकेट सूत्र । दो विभागों में मुख्य प्रतिबल तथा विकृति, मोर-वृत (Mohr's Circle) । प्रत्यास्थ भंग की परमेय, स्थूल एवं तनु विलिंडरः आंतरिक तथा बाह्य दबावों के कारण प्रतिबल-ला में समीकरण ।

संरचनात्मक विश्लेषणः—कील सीधे युक्त समतल कैंची (टेंस) का विश्लेषण, कैंची (टेंस) में विक्षेप । त्रिकील तथा द्विकील डाट, पशुका (रिब) लघीयन, तापमान प्रभाव, डाट में प्रभाव रेखाएँ । टेक्कदार प्रास (कैन्टीलीवर) का विश्लेषण, आबद्ध धरन, सतत धरन और दृढ़ ढांचा । ढाल-विक्षेप, आघूर्ण वितरण, कनि की विधि तथा मैट्रिक्स विधि: बल विस्थापन विधियाँ । बेल्लन भार और निर्धारी धरन के लिए प्रभाव रेखाएँ तथा कील सीधयुक्त कैंची (ट्रेस) ।

भाग च

भू-तकनीकी इंजीनियरीः—मृदा के प्रकार, स्थलीय अभिनिधारण तथा वर्गीकरण, कला संबंध, गाढ़ता सीमाएँ, कण आकार वितरण, मृदा का वर्गीकरण, संरचना तथा मृत्तिका खानिज विज्ञान ।

कोशिकीय जल तथा संरचनात्मक जल, प्रभावपूर्ण प्रतिबल तथा रंध्र जल दबाव, डारसी का नियम, पागमयता को प्रभावित करने वाले कारक, पागमयता का निर्धारण स्तरित मृदा निक्षेपों की पारगम्यता । रिसन दबाव, बालुपंक अवरथा, संपीडयता तथा संधनन, टेरजाघी (Terzaghi's) का एक विमीय संघनन सिद्धांत, संघनन परीक्षण । मृदा का संघनन अनुकूलतम जलांश, प्रोटर घनत्व ।

अधस्थल अन्वेषण, प्रवेधन विधियाँ, प्रतिदर्श (नमूना), प्रतिदर्श के प्रकार, स्थलीय परीक्षण । मृदा की अपरूपण सामर्थ्य, मोर (Mohr's) कूलाम्ब भगता सिद्धांत अपरूपण परीक्षण भू-दबाव विराम, सक्रिय तथा निष्क्रिय दबाव, रेनकाइन का सिद्धांत, कूलाम्ब का फन्नी सिद्धांत, प्रतिधारिक भित्ति पर भू-दबाव ।

दिक्मान धारिता, टेरजाघी तथा अन्य महत्वपूर्ण प्रेमय, वास्तविक तथा कुल दिक्मान दबाव, आसन्न तथा संघनन प्रवर्धन ।

स्थूणा समूह की भार ढोने की क्षमता, ढाल स्थायित्व-स्लाइसों की रूढ़ पद्धति, स्थायित्व अंक ।

परिवहन इंजीनियरीः—राजमार्ग सरेखण, अभिन्यास का चयन तथा राजमार्ग की क्षमता, स्थान निर्धारण सर्वेक्षण, राजमार्ग की ज्यामितिक अभिकल्प-विभिन्न घटक, ब्रह्म, तल वियोजन तथा यातायात पृथक्करण, प्रतिच्छेद अभिकल्प, राजमार्ग संवंधी सामग्री तथा परीक्षण अधः स्तर तथा कुट्टिम अवयव, कुट्टिमों के प्रकार, सड़क जल निकास, विमान पत्तन इंजीनियरी के तत्व ।

रेलवे इंजीनियरीः—स्थायी, रेलपथ के तत्व, रेल स्लीपर, मिटटी तथा रेल बंधन, संकर्षी प्रतिरेध, ज्यामितिक अभिकल्प के तत्व-ब्रह्मों पर प्रवणता तथा कोटि प्रतिकरण, आनति, संक्रमण ब्रह्म तथा ऊर्ध्वाधर ब्रह्म, रेलपथ पर प्रतिबलों, कांटा और क्रासिंग, संकेतन एवं अन्ताग्रथन, रेलपथ का रख-रखाव, पुलिया तथा छोटे पुल ।

भाग ग

तरल यंत्रिकी : तरल गुण धर्म, तरल स्थिति की, समतल तथा ब्रह्म सतहों पर बल, तैरते एवं निभ्मन रिंडों का स्थायित्व ।

शुद्धग्रातिकी : वेग, सरिता, सातत्य समीकरण, आघूर्णी तथा घूर्णी त्वरण प्रवाह, वेग विभव और सरिता अभिलक्षक, प्रवाह जाल, पृथक्करण ।

गतिक : सरिता लाइन के साथ ऑयलर (Euler's) का समीकरण आयतन नियंत्रण समीकरण सातत्य, संवेग, आयतन नियंत्रण समीकरण से ऊर्जा तथा संवेग आघूर्ण, नलीय प्रवाह के अनुप्रयोग, गतिशील फलक, संवेग आघूर्ण, विमीय विश्लेषण । चपटी प्लेट पर सीमांत परत, पिण्डों पर विकर्प और उत्थापन । स्तरीय तथा विक्षुब्ध प्रवाह, नालिका के द्वारा स्तरीय तथा विक्षुब्ध प्रवाह, घर्षण गुणक विभिन्नता, पाइप नेटवर्क, जलाधार और उल्लोल कुंड ।

मुक्त वाहिका प्रवाहः ऊर्जा तथा संवेग संशुद्धि कारक, समान तथा असमान प्रवाह, विशिष्ट ऊर्जा तथा विशिष्ट बल, क्रान्तिक गहराई, घर्षण गुणांक तथा रूक्षता गुणांक, संक्रमण प्रवाह, मुक्त प्रपात, वियर (Weir), जलोच्छत, प्रोत्कर्प क्रमशः परिवर्ती प्रवाह समीकरण, पृष्ठ परिच्छादिका, गतिशील जलोच्छाल ।

भाग घ

पर्यावर्णीय इंजीनियरी

जलप्रदायः भू-पृष्ठ तथा अद्यस्थल जल संसाधनों का आकलन, जल के लिए भविष्यीय मांग, जल की अशुद्धता तथा उसकी सार्थकता, भौतिक, रासायनिक और जीवाण्विक विश्लेषण, जल रोग, पेय जल के लिए मानक ।

जल का अंतग्रहणः पपन तथा गुरुत्वायी योजना, जल उपचारः स्कन्दन के सिद्धांत, कर्णन तथा अवसादन, -धीमा-तीव्र-दबाव, नियंत्रक, बलोरीनीकरण, मृदुकरण, स्वाद, गंध तथा लवणता का निष्कासन ।

जलसंग्रह तथा वितरणः संग्रह तथा प्रतिपूरक जलाशयों के प्रकार, स्थान-निर्धारण तथा क्षमता । वितरण प्रणालियाँ, अभिन्यास, द्रवचालित पाइप लाइन, पाइप फिटिंग, न्यूनकारी रोधी तथा दाय वाल्व सहित वाल्वों, मोटर, वितरण प्रणालियों को विश्लेषण, क्षरणसंमुच्चन, वितरण प्रणाली का रख-रखाव, पपन स्टेशन तथा उनका प्रचालन ।

सीवर व्यवस्था की विधियाँ : घेरल तथा औद्योगिक अपशिष्ट, वाहितमस्त वृष्टि-अलग तथा सम्मिलित प्रणालियाँ, सीवर द्वारा प्रवाह, सीवर का अभिकल्प, सीवर अनुयद, मैनहोल, अंतर्गम, जोड़, साइफन, सावर्जनिक भवनों में नलकारी ।

वाहितमल अभिलक्षणः ची.ओ.डी., सी.ओ.डी., टोस विलोन ऑक्सीजन, नाईट्रोजन तथा टी.ओ.सी । सामान्य जल मार्ग (कूल) तथा भूमि पर निष्कासन के मानक ।

वाहितमल उपचार: कार्यकारी सिद्धांत, मात्रक, कक्ष, अवसादन कुण्ड, ट्रिक्लिंग निस्दयक, ऑक्सीकरण तालाब, अवपंक उत्प्रेरित प्रक्रम, सैटिक टैंक, अवपंक का निपटान, अवशिष्ट जल पुनर्वर्कण।

निर्माण प्रबंध : शर सक्रियता तथा नोड जाल सक्रियता और कार्यभंग संरचना के तत्व और सिद्धांत। अंतर पृष्ठ, सीढ़ीदार जाल, सक्रिय समय, अधिकालित अवधि तथा प्लवन, ए टी सी तथा पी टी सी विनियम, कार्याद्ययन एवं प्रतिचयन, अनुसूचन सिद्धांत-सामग्री अनुसूची, ए बी सी तथा ई ओ क्यू की सामग्री सूची विश्लेषण, दंड तालिका से बजट कार्य, कार्यशील पूंजी, पी ई आर टी, समापन की प्रायिकता। इंजीनियरी अर्थशास्त्र के तत्व, मूल्य निर्धारण की विधियां, वर्तमान मूल्य, वार्षिक लागत, लाभ लागत, वार्धिक विश्लेषण, अर्थव्यवस्था को आकृता और थाह सेना, निवेश स्तरसहित विकल्पों को चुनना। परियोजन लाभदायिकता।

व्यापिन्य

भाग-I : लेखाकरण तथा लेखा परीक्षा

लेखाकरण की प्रकृति, कार्य क्षेत्र तथा उद्देश्य-सूचना प्रणाली के रूप में लेखा विधि-लेखाकरण सूचना के उपयोगकर्ता।

लेखा कार्य के सामान्यतः स्वीकृत सिद्धान्त-लेखा समीकरण-उपचय अवधारणा अन्य अवधारणाएं और परिपाटियां। पूंजी तथा राजस्व व्यय में भिन्नता। लेखाकरण मानक तथा उनका अनुप्रयोग-स्थायी परिस्थितियां, अवमूल्यन, मालसूची, राजस्व की पहचान से सम्बन्धित लेखाकरण मानक।

एकल मालिकों, साझेदार फर्मों तथा लिमिटेड कम्पनियों के अंतिम लेखे-संविधिक उपबन्ध-आरक्षित निधियां, उपबन्ध तथा निधियां।

लाभ का उद्देश्य न रखने वाले संगठनों के अंतिम लेखे।

साझेदार के शामिल होने और अलग हो जाने से संबंधित लेखाकार्य की समस्याएं तथा फर्म का विघटन।

शेयरों और ऋण-पत्रों का लेखाकरण-परिवर्तनीय ऋण-पत्रों का लेखाकरण।

वित्तीय विवरणों का विश्लेषण तथा निर्वाचन, अनुपात विश्लेषण और निर्वचन। अल्पकालिक नकदी, दीर्घकालिक ऋणशोधन क्षमता और लाभकारिता से सम्बद्ध अनुपात-किसी व्यापारिक इकाई के समग्र निष्पादन के मूल्यांकन में निवेश पर प्रति लाभ की दर (निवेश पर प्रति लाभ दर) का महत्व-नकदी प्रवाह विवरण तथा निधियों के स्रोत और उनके उपयोग का विवरण-लेखाकरण के समाजिक दायित्व। लेखा परीक्षा

लेखा परीक्षा की प्रकृति, उद्देश्य और मूलभूत सिद्धांत।

लेखा परीक्षा की तकनीक-दस्तावेजों का वास्तविक सत्यापन, जांच और प्रमाणन, प्रत्यक्ष पुष्टि, विश्लेषणात्मक सुनीक्षा।

लेखा परीक्षा, लेखा परीक्षा कार्यक्रमों, कार्यपत्रों लेखा परीक्षा प्रक्रिया की योजना बनाना।

आंतरिक नियंत्रण का मूल्यांकन।

जांच परीक्षण तथा नमूना चयन।

कम्पनी लेखा परीक्षा की मोटी रूपरेखा।

गैर-निगमित उद्यमों की लेखा परीक्षा।

आंतरिक और प्रबन्ध लेखा परीक्षा।

भाग II : व्यापार संगठन

विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक संगठनों की प्रमुख विशेषताएं। एकल स्वामी।

साझेदारी-विशेषताएं, पंजीकरण, साझेदारी विलेख, अधिकार, और कर्तव्य, सेवानिवृत्ति, विघटन।

संयुक्त स्टाक कम्पनी-अवधारणा, विशेषताएं, प्रकार।

सहकारी तथा राज्य स्वामित्व वाले संगठन।

प्रतिभूतियों के प्रकार और उन्हें जारी करने की पद्धति।

पारस्परिक निधियां, पूंजी बाजार के आर्थिक कार्य, स्टॉक एक्सेंज शेयर बाजार, पूंजी बाजार का नियंत्रण तथा नियमन।

व्यावसायिक संयोजन एकाधिकार पर नियंत्रण।

औद्योगिक इकाइयों की आधुनिकीकरण समस्याएं। व्यवसाय का समाजिक उत्तरदायित्व।

विदेश व्यापार-आयात और निर्यात व्यापार के लिए वित्तपोषण तथा इसकी प्रक्रिया। निर्यात संवर्धन के लिए प्रोत्साहन। विदेश व्यापार के लिए वित्तपोषण।

बीमा-जीवन, अग्नि, समुद्रीय तथा सामान्य बीमा के सिद्धान्त तथा प्रयोग।

प्रबन्ध

प्रबन्ध कार्य-योजना-नीतियां, संगठित करना-प्राधिकार स्तर, कर्मचारियों का प्रबन्ध, लाइन फंक्शन तथा स्टाफ फंक्शन नेतृत्व, सम्पर्क, प्रयोजन।

निर्देशन-सिद्धांत, नीतियां।

समन्वय-अवधारणा, प्रकार, तरीके।

नियंत्रण-सिद्धांत, निष्पादन के मानक, सुधारात्मक कारबाई।

वेतन तथा मजदूरी प्रशासन-कार्य मूल्यांकन।

संगठनात्मक ढांचा केन्द्रीयकरण तथा विकेन्द्रीयकरण-प्राधिकार सौंपना-नियंत्रण की अवधि उद्देश्यप्रकर प्रबन्ध तथा अपवादक प्रबन्ध।

परिवर्तन का प्रबन्धन-सकंटकालीन प्रबन्धन।

कार्यालय प्रबन्ध कार्य क्षेत्र तथा सिद्धान्त; प्रणालियां तथा नेमी कार्य।

अभिलेखों को संभालना-कार्यालय प्रबन्ध के लिए आधुनिक सहायक साधन; कार्यालय उपकरण तथा मशीनें; स्वचालन तथा वैयक्तिक संगणक (कम्प्यूटर) संगठन एवं पद्धतियां (सं. एवं प.) का प्रभाव।

कम्पनी नियम

संयुक्त स्टाक कम्पनियां-निगमन, दस्तावेज तथा औपचारिकताएं-आंतरिक प्रबन्ध का सिद्धान्त तथा रचनात्मक सूचना।

कम्पनी के निर्देशक मंडल के कर्तव्य तथा शक्तियां।

कम्पनियों के लेखे तथा लेखा-परीक्षा।

कम्पनी सचिव-कार्य तथा भूमिका-नियुक्ति के लिए योग्यताएं।

अर्थशास्त्र

भाग-I : सामान्य अर्थशास्त्र

1. **व्यष्टि अर्थशास्त्र :** (क) उत्पादन: उत्पादन के कारक, लागत और आपूर्ति, समानमात्रा; (ख) उपभोग एवं मांग, लोच की

अवधारणा; (ग) बाजार संचना तथा संतुलन की अवधारणाएं; (घ) मूल्य निर्धारण; (ड.) वितरण के घटक और सिद्धांत; (च) कल्याण अर्थशास्त्र की प्रारंभिक अवधारणाएं; परेटो-आप्टिमेलिटी-निजी एवं सामाजिक उत्पाद-उपभोक्ता अधिशेष।

2. समष्टि अर्थशास्त्र: (क) राष्ट्रीय आय की अवधारणाएं।

- (ख) राष्ट्रीय आय रोजगार के निर्धारक तत्व।
- (ग) उपभोग, बचत तथा निवेश के निर्धारक तत्व।
- (घ) ब्याज दर तथा उसका निर्धारण।
- (ड.) ब्याज तथा लाभ।

3. मुद्रा, बैंकिंग तथा लोक वित्त: (क) मुद्रा की अवधारणा तथा मुद्रा आपूर्ति के उपाय; मुद्रा का वेग; (ख) बैंक उधार सूजन: बैंक तथा निवेश सूची (पोर्टफोलियो) प्रबन्धन; (ग) सेंट्रल बैंक तथा मुद्रा की आपूर्ति पर नियंत्रण; (घ) मूल्यस्तर का निर्धारण; (ड.) मुद्रास्फीति, उसके कारण तथा उपाय; (च) लोक वित्त बजट-कर और करेतर राजस्व-घाटे के बजट के प्रकार।

4. अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र: (१) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत-तुलनात्मक लागत-हेक्शर-ओहलिन-व्यापार से लाभ-व्यापार की शर्तें।

- (२) मुक्त व्यापार और संरक्षण।
- (३) भुगतान शेष लेखा तथा समायोजन।
- (४) मुक्त विनियम बाजार के अधीन विनियम दर।
- (५) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली का विकास और विश्वव्यापी व्यापार पद्धति-स्टैंडर्ड सोना-द ग्रिटनबुड्स सिस्टम-

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक तथा उसके सहयोगी संगठन।

चल दर-संधि तथा व्यापार का सामान्य करार (गैट) और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटी.ओ.)।

5. वृद्धि तथा विकास: (१) वृद्धि का अर्थ तथा माप: वृद्धि, वितरण और कल्याण; (२) अल्प विकास के लक्षण; (३) विकास की अवस्थाएं/चरण; (४) वृद्धि स्रोत-पूजी, मानव-पूजी जनसंख्या, उत्पादकता व्यापार तथा अनुदान, गैर-आर्थिक तत्व; वृद्धि-संबंधी नीतियां; (५) मिली-जुली अर्थव्यवस्था की योजना-संकेतसूचक योजना एवं वृद्धि।

6. आर्थिक सांख्यिकी: औसत के प्रकार-विसर्जन के उपाय-सहसंबंध-सूचकांक, प्रकार, उपयोग और सीमाएं।

भाग II : भारतीय अर्थव्यवस्था

1. मुख्य लक्षण; भौगोलिक आकार-प्राकृतिक संसाधनों का बंदोबस्त जनसंख्या: आकार, संघटन गुणवत्ता और वृद्धि की प्रवृत्ति-व्यावसायिक वितरण-ड्रेन सिद्धांत तथा लैजसेफर नीति के संदर्भ में विटिश शासन का प्रभाव।

2. प्रमुख समस्याएं, उनके आयाम, प्रकृति और मुख्य-मुख्य कारण; व्यापक गरीबी-बेरोजगारी और उसके प्रकार-जनसंख्या दबाव के आर्थिक प्रभाव-असमानता और उसके प्रकार-निम्न उत्पादकता और प्रति व्यक्ति निम्न आय, गामीण-शहरी विसंगतियां-विदेश व्यापार एवं भुगतान असंतुलन-भुगतान शेष और विदेशी ऋण-मुद्रास्फीति, और समानांतर अर्थव्यवस्था तथा उसके प्रभाव-राजकोषीय घाटे।

3. स्वतंत्रता के बाद से आय और रोजगार में वृद्धि-दर, स्वरूप, क्षेत्रीय प्रवृत्तियां-वितरण संबंधी परिवर्तन-क्षेत्रीय विसंगतियां।

4. भारत के आर्थिक आयोजना-भारत में योजना के संबंध में प्रमुख विवाद-वैकल्पिक नीतियां-उद्देश्य और उपलब्धियां; विभिन्न योजनाओं की कमियां; योजना एवं बाजार।

5. विस्तृत राजकोष, मुद्रा, औद्योगिक, व्यापार तथा कृषि संबंधी नीतियां-उद्देश्य, तर्काधार, दबाव और प्रभाव।

वैद्युत इंजीनियरी

वैद्युत परिपथ

सिद्धांत एवं अनुप्रयोग :—वैद्युत अवयव, जाल रेखाचित्र, केल्विन धारा मियम, केल्विन वोल्टता नियम, परिपथ विश्लेषण विधियां: नोडीय विश्लेषण, पाश विश्लेषण, आधारभूत जाल प्रमेय तथा अनुप्रयोग क्षणिका विश्लेषण प्रतिरोध प्रेरकत्व, प्रतिरोध धारिता एवं प्रतिरोध प्रेरकत्व धारिता परिपथ, ज्वायक्रीय स्थायी अवस्था विश्लेषण अनुनादी परिपथ, एवं अनुप्रयोग, युग्मित परिपथ एवं अनुप्रयोग, संतुलित त्रिक्ला परिपथ। द्विट्राक जाल, चालन बिन्दु एवं अन्तरण फलन, जाल फलनों के ध्रुव और शून्य।

संकेत एवं तंत्र :—सतन काल एवं विविक्त-काल, संकेत एवं तंत्र का निरूपण, रैखिक काल निश्चर तंत्र, संबलन, आवेदन अनुक्रिया, संचलन एवं अवकल। अंतर समीकरण पर आधारित रैखिक काल निश्चर तंत्रों का समय क्षेत्र विश्लेषण। फूरिये रूपान्तर, लेपलास रूपान्तर, जेड-रूपान्तर, अन्तरण फलन। संकेतों का प्रचियन एवं प्रतिप्राप्ति।

नियंत्रण तंत्र :—नियंत्रण तंत्र के तत्व, खंड आरेख निरूपण, विवृत पाश और संवृत पाश तंत्र, पुनर्निवेश के सिद्धांत एवं अनुप्रयोग। रैखिक काल निश्चर तंत्र : समय क्षेत्र एवं रूपान्तर क्षेत्र विश्लेषण। स्थायित्व: राऊथ हरविटज् कसौटी मूल बिन्दुपथ, नाइकिवस्ट कसौटी, बोर्ड आलेख, अग्र-पश्चता प्रतिकारक का अभिकल्पन, समानुपातिक समाकल, समानुपातिक समाकल विभेदी।

वैद्युत चुम्बकीय सिद्धांत :—स्थिर-वैद्युत एवं स्थिर चुम्बकीय क्षेत्र, मैक्सवैल समीकरण, वैद्युत चुम्बकीय तंत्रों एवं तरंग समीकरण, तरंग संचरण एवं ऐटेना, संचरण लाइनें सूक्ष्म तरंग अनुनादक, कोटर/गुहिकायें एवं तरंग निर्देशिकायें।

वैद्युत इंजीनियरी पदार्थ :—पदार्थों का विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक व्यवहार: चालकता, मुक्त इलेक्ट्रॉन एवं बैंड सिद्धांत नैज एवं अनेज अर्द्धचालक पी-एन संधि, सौर सैल, अतिचालकता। पदार्थों का परावैद्युत व्यवहार: ध्रुवीय धटना, दाब विद्युत धटना। चुम्बकीय पदार्थ: व्यवहार एवं अनुप्रयोग।

तुल्य रूप इलैक्ट्रॉनिकी : डायोड परिपथ : दिस्टकारी, निस्यंदक, कर्तन एवं ग्रामी, जीनर डायोड एवं बोल्टता नियमन । द्विधुबी एवं क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर (द्विसन्धि ट्रांजिस्टर, सन्धि क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर, धातु ऑक्साइड सामिचालक क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर : विशेषताएं, अधिनत एवं छोटे सकेत तुल्य परिपथ । मूल प्रवर्धक परिपथ, अवकल प्रवर्धक परिपथ । प्रवर्धक : विश्लेषण, आवृति अनुक्रिया पुनर्निवेश के सिद्धांत, संक्रियात्मक प्रवर्धक परिपथ, निस्यंदक, दोलित्र) ।

अंकीय इलैक्ट्रॉनिकी : बूलीय बीजावली, बूलीय फलनों का न्यूनतमीकरण, तर्क द्वार, अंकीय समाकलित परिपथ परिवार (डायोड ट्रांजिस्टर तर्क, ट्रांजिस्टर, ट्रांजिस्टर तर्क उत्सर्जक युग्मित तर्क, धातु ऑक्साइड सामिचालक पूरक धातु ऑक्साइड सामिचालक) । संयुक्त परिपथ : अंकगणितीय परिपथ, सकेत परिवर्तक, बहुलक एवं विकोडक, अनुक्रमिक परिपथ : चटखनी एवं थपथप/(फिलप फ्लोप) गणित एवं विस्थापन पंजियक । तुलननित्र, काल नियामक, बहुकंपित्र । प्रतिदर्श एवं धारण परिपथ, तुल्यरूप-अंकीय परिवर्तक अंकीय तुल्यरूप परिर्तक सामिचालक स्तृतिया ।

संचार तंत्र : संकेतों का फूरिये विश्लेषण : आयाम, कला एवं शक्ति स्पैक्ट्रस स्व सह संबंध और व्यति सह संबंध तथा उनके फूरिये रूपांतर । तुल्यरूप मॉडुलन तंत्र आयाम व कोण मॉडुलन व विमॉडुलन तंत्र स्पैक्ट्रमी विश्लेषण, परासंकरण अभिग्राहित । स्पंद कूट मॉडुलन (PCM), अवकल स्पंद कूट मॉडुलन, डेल्टा मॉडुलन । अंकीय मॉडुलन योजनाएं : आयाम, कला एवं आवृति विस्थापन कुंजीयन योजनाएं (ASK, PSK, FSK) । मल्टीलेक्सन, काल विभाजन, आवृति विभाजन । योगशील गाऊस रख, सह संबंध द्वारा अभिलक्षणन, प्रायिकता घनत्व फलन, शक्ति स्पैक्ट्रमी घनत्व, आयाम मॉडुलन तथा आवृति मॉडुलन के लिए संकेत रख अनुपात परिकलन के लिए संकेत । अंकीय संचार तंत्र के अवयव : ग्रोत कोडन, वाहिका कोडन, अंकीय मॉडुलन एवं वि मॉडुलन । सूचना सिद्धांत के अवयव, वाहिका क्षमता । उपग्रह एवं गतिशील संचार के अवयव, दूरदर्शन इंजीनियरी के सिद्धांत रेडार इंजीनियरी एवं नौ संचालन के लिए रेडियो सहायक युक्ति ।

अभिकलित्र (कम्प्यूटर) एवं सूक्ष्म संसाधित्र (μ p)

कम्प्यूटर संगठन : संख्या निरूपण एवं अंक गणित, कार्यमूलक संगठन, यंत्र अनुदेश, पता लेखन विधाएं, अंकगणित तर्कीय इकाई, कठोरतारक एवं सूक्ष्म कार्यक्रमिक नियंत्रण, समृद्धि संगठन । सूक्ष्म संसाधित्रों के अवयव : 8 अर्नी सूक्ष्म संसाधित्र-वास्तुकला, अनुदेश सेट, समन्वयोजन तंत्र, कार्यक्रमण, स्मृति निवेश/निगर्त अंतरपृष्ठीय, सूक्ष्म नियंत्रक एवं अनुप्रयोग ।

मापन एवं मापयंत्रण : त्रुटि विश्लेषण, धारा बोलटता, शक्ति, ऊर्जा, शक्ति गुणक, प्रतिरोध, प्रेरकत्व धारिता एवं आवृति का मापन, सेतु मापन । इलैक्ट्रॉन मापक यंत्र, बहुमापी, कैथोड किरण ऑसिलोस्कोप अंकीय बोल्टमापी आवृति गणित्र, मापी, स्पैक्ट्रम विश्लेषक, विकृतिमापी । पारांतरित्र : ताप वैद्युत युग्म, थार्मिस्टर, रेखीय परिवर्तनीय अवकल पारांतरित्र, विकृतिमापी, दाब विद्युत क्रिस्टल । अवैद्युत राशियों के मापन में पारांतरित्रों का उपयोग आंकड़े अर्जन तंत्र ।

ऊर्जा रूपांतरण

एक कलीय परिमापित्र : तुल्य परिपथ, फेजर आरेख, परीक्षण, नियमन एवं दक्षता, त्रिकलीय परिणामित्र स्वतः परिणामित्र । ऊर्जा रूपांतरण के सिद्धांत दिस्ट धारा जनित्र एवं मोटर : निष्पादन विशेषताएं प्रारंभन एवं गति नियंत्रण । आमेचर प्रतिक्रिया और दिक् परिवर्तन, त्रिकलीय प्रेरण मोटर : निष्पादन अभिलक्षण प्रारंभन एवं गति नियंत्रण/एक कलीय प्रेरण मोटर । तुल्यकालिक जनित्र : निष्पादन विशेषताएं, नियमन, समांतर प्रचालन । तुल्यकालिक मोटरें : प्रारंभन विशेषताएं, अनुप्रयोग, तुल्यकालिक संघनित्र । अंश शक्ति मोटरें, स्थाई चुम्बक एवं स्टेपर मोटरें, बुशहीन दिस्ट धारा मोटरें, एक कलीय मोटरें ।

शक्ति तंत्र

वैद्युत शक्ति जनन : तापीय, जलीय, नाभिकीय । संचरण लाईन प्राचल : शिरोपरि संचरण लाईनों एवं केबिलों का स्थाई दशा निष्पादन । वितरण तंत्र : वैद्युतरोधक, बंडल चालक, कोरोना एवं रेडियो व्यातिकरण प्रभाव, प्रति एकांक परिमाण, बस प्रवेश्यता एवं प्रतिबाधा आव्यूह (मैट्रिक्स) लोड प्रवाह, बोल्टता नियंत्रण एवं शक्ति गुणक संशोधन । आर्थिक प्रचालन । अतिधारा, भेदचालित एवं दूरी रक्षण के सिद्धांत । ठोस अवस्था रिले, परिपथ वियोजक, तंत्र स्थिरांक की अवधारणा । उच्च बोल्टता दिस्ट धारा संचरण ।

शक्ति इलैक्ट्रॉनिकी एवं वैद्युत चालन

सामिचालक शक्ति युक्तियाँ : डायोड ट्रांजिस्टर थाइरिस्टर, ट्रायक द्रिस्ट (GTO), धातु ऑक्साइड सामिचालक क्षेत्र उत्सर्जक ट्रांजिस्टर स्थैतिक अभिलक्षण प्रचालन के सिद्धांत, ट्रिगरिंग परिपथ, कला नियंत्रित दिस्टकारक, सेतु परिवर्तक : — पूर्णतः नियंत्रित एवं अद्व नियंत्रित, धाइरिस्टर चॉपर एवं प्रतीपक के सिद्धांत दिस्ट धारा एवं प्रत्यावर्ती धारा मोटर चालन के गति नियंत्रण की मूलभूत अवधारणा ।

समाकलित परिपथ निर्माण प्रौद्योगिकी के अवयव : समाकलित परिपथ प्रौद्योगिकी का पुनर्विलोकन । समाकलित परिपथ निर्माण में प्रयोग किए गए एकांक चरण : पटलिका परिशोधन, फोटोलिथोग्राफी, आर्द्र एवं शुष्क निक्षारण, ऑक्सीकारक, विसरण, आयन रोपण बहू सिलिकॉन, सिलिकॉन, सिलिकॉन नाइट्राइड एवं सिलिकॉन डायक्साइड, निक्षेपण के CVD एवं LPCVD तकनीकों, धात्वीकरण एवं निष्क्रियकरण ।

भूगोल

खंड क : प्राकृतिक भूगोल

(1) भू-आकृति विज्ञान

पृथ्वी की उत्पत्ति : भू-वैज्ञानिक समय मापक्रम; भूगर्भ; चट्टानों के प्रकार एवं विशेषताएं ; वलन तथा भ्रंशन; ज्वालामुखी; भूकम्प; अपक्षयण; नदीय, बायु तथा हिमनदीय क्रिया द्वारा उत्पन्न भू-आकृतियाँ ।

(2) जलवायु विज्ञान

वायुमंडल की संरचना एवं संघटन : तापक्रम : दाबकटिबंध एवं पवन तंत्र : बाबल एवं वर्षा के प्रकार ; चक्रवात एवं प्रतिचक्रवात : जलवायु के प्रमुख प्रकार ।

(3) समुद्र विज्ञान

महासागरीय उच्चावच : तापक्रम : लवणता : महासागरीय विशेष : महासागरीय धाराएं इलानीनों एवं लानीनों : तरंग एवं ज्वार भाटा ।

(4) जीव भूगोल

मृदा की उत्पत्ति एवं प्रकार, संसार के प्रमुख जीवों : पारितंत्र एवं आहार शृंखला : पर्यावरणीय नियन्त्रकरण एवं संरक्षण ।

खंड-ख : मानव भूगोल

(1) मानव एवं पर्यावरण संबंध

मानव भूगोल का वृद्धि एवं विकास : निश्चयवाद एवं संभाव्यतावाद की संकल्पनाएं ।

(2) जनसंख्या

मानवजाति एवं जनजाति की प्रजातियां : विश्व जनसंख्या की वृद्धि एवं वितरण : प्रवासन : विकसित एवं विकासशील देशों की जनसंख्या समस्या ।

(3) आर्थिक क्रियाएं

खाद्य संग्रहण एवं आखेट : पशुपाल्य पशुचारण : मत्स्यन एवं वानिकी : कृषि के प्रकार-स्थानान्तरी, जीविका, वाणिज्य एवं रोपण : खनन : विद्युत विनिर्माण-वस्त्र उद्योग के अवस्थिति कारक, लौह एवं इस्पात, चीनी एवं उर्वरक उद्योग : तृतीयक क्रियाएं-व्यापार, यातायात, संचार एवं सेवाएं ।

(4) बस्ती

ग्रामीण बस्तियों की उत्पत्ति, प्रकार एवं प्रतिरूप : नगरीकरण की प्रक्रियाएं : नगरों का आकार एवं प्रकार्यात्मक वर्गीकरण दशलाखी शहर एवं महाशहर ।

विश्व का भूगोल

खंड ग

- (1) प्रमुख प्राकृतिक प्रदेश : विशेषताएं, आर्थिक आधार एवं मानव-अनुकूलन ।
- (2) विकसित देशों का प्रादेशिक भूगोल : कनाडा, यूएसए, पश्चिमी यूरोप, रूस, जापान, आस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैंड ।
- (3) विकासशील देशों का प्रादेशिक भूगोल : दक्षिण-पूर्व एशिया, दक्षिण-पश्चिम एशिया, चीन, दक्षिणी अफ्रीका एवं ब्राजील ।
- (4) दक्षिण एशिया का प्रादेशिक भूगोल ।

भारत का भूगोल

खंड घ

- (1) भौतिकी विन्यास : भू-आकृति, अप्रवाह, जलवायु, मृदा एवं प्राकृतिक बनस्पति ।
- (2) आर्थिक आधार : खनिज एवं ऊर्जा संतोषन, जलीय संसाधन, बन संसाधन; सिंचाई, कृषि एवं उद्योग; व्यापार एवं वाणिज्य ।

(3) जनसंख्या : वृद्धि, वितरण एवं घनत्व; जनसांख्यिकीय विशेषताएं ।

(4) पर्यावरणीय समस्याएं, विकासी समस्या एवं क्षेत्रीय योजना ।

भौगोलिक चिन्तन

खंड ङ

(1) प्राचीन काल : भारतीय, ग्रीक, रोमन एवं अरबों का योगदान ।

(2) प्राक् आधुनिक काल : वेरेनियस, कान्ट, हम्बोल्ट एवं रीटर का योगदान ।

(3) आधुनिक काल : निश्चयवाद एवं संभाव्यतावाद का द्विभाजन; रेटजेल, सेम्पल, हन्डिगटन एवं लाल्कोच का योगदान ।

(4) अभिनव काल : मात्रात्मक क्रांति; उग्रसुधारवाद, व्यवहारवाद एवं मानववाद ।

भौगोलिक विश्लेषण की तकनीक

खंड च

(1) मानचित्र : पैमाना एवं प्रकार, उपयोग ।

(2) आरेख : प्रकार एवं उपयोग ।

(3) प्रक्षेप : प्रकार विशेषताएं एवं उपयोग ।

(4) सुदूर संवेदी एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली (जी. आई. एस.) : वायव फाटो प्रतिविम्बाबली, जी.आई.एस. ।

भू-विज्ञान

भाग 1

(क) सामान्य भू-विज्ञान : सौर मंडल । पृथ्वी : इसकी उत्पत्ति, आयु एवं आंतरिक संरचना । ज्वालामुखी-प्रकार, वितरण, भू-वैज्ञानिक प्रभाव एवं उत्पाद । भूकम्प-तीव्रता, परिणाम, वितरण कारण एवं प्रभाव । समस्थिति, भू-अभिनति, पर्वत रचना, महाद्वीपीय विस्थापन, समुद्र-तल विस्तरण एवं प्लेट विवरणिकी के बारे में प्रारंभिक विचार ।

(ख) भू-आकृति विज्ञान : आधारभूत अवधारणाएं । बाह्य एवं आंतरिक प्रक्रियाएं । शैल-अपक्षयण । अपरदन चक्र । नदीय आकृति एवं अपवाह चित्राम । बातोद, सागरीय, हिमनदीय एवं कास्ट दृश्य भूमि की भू-आकृतियां । प्रारंभिक सुदूर संवेदन ।

(ग) संरचनात्मक एवं क्षेत्र भूविज्ञान : प्राथमिक और द्वितीयक संरचनाएं । संस्तर (तल) की नीति और नतिलंब । विषम विन्यास । बलन, संधि भ्रंश, शाल्कन एवं सरेखण का अध्ययन । अधिक्षेप एवं नापे संरचना । शैल विरूपण के चरण । ब्लाक आरेख की रचना में त्रिविम एवं समक्षेत्र जाल । सरल समस्याओं का त्रिविम जाल ढारा हल । स्थलाकृतिक मानचित्र और उसकी व्याख्या । क्षेत्र में नतिमापी द्विसूचक का उपयोग । क्षेत्र में संस्तर (तल), शाल्कन, बलन, संधि भ्रंश एवं सरेखण का माप । भूवैज्ञानिक मानचित्रांग के सिद्धांत ।

दृश्यांश पर स्थलाकृति का प्रभाव । परिच्छेद का आरेखण ।

भाग II

(क) क्रिस्टल विज्ञान : क्रिस्टल संरचना के तत्व। क्रिस्टल विज्ञान के नियम। सात क्रिस्टल समुदायों के सामान्य वर्गों के सम्पत्ति तत्व।

प्रकाश तथा प्रकाश के गुणधर्म व क्रिस्टलीय पदार्थों के एवं प्रकाश की पारस्परिक क्रिया। शैल विज्ञानिक सूक्ष्मदर्शी एवं उसके उपसाधन। निकल प्रिज्म की रचना एवं उपयोग। क्रिस्टल में बहुवर्णता द्वि-अपवर्तन, बिलोप कोण, द्वि-अपवर्तन एवं यमलन। समदैशिक एकअक्षीय एवं द्वि-अक्षीय खनिज।

(ख) खनिज विज्ञान : निम्नलिखित सामान्य शैलकर खनिजों के भौतिक रसायनिक एवं प्राकाशिक गुणधर्म : स्फटिक (क्वार्ट्रज), फेल्डस्पर, अध्रक पायरोक्सीन ऐम्फिबोल, आलिवीन गार्नेट, क्लोरोइट, कारबोनेट्स ऐलुमिनो सिलिकेट। सिलिकेट की संरचना एवं खनिजों की क्रिस्टल रसायनिकी। रत्न अशम।

(ग) आर्थिक भू-विज्ञान : अयस्क, अयस्क खनिज एवं गैंग। अयस्क निक्षेपों का वर्गीकरण। उनके निर्माण की महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं अल्युमिनियम, क्रोमियम, तांबा, सोना, शीशा, जस्त, लोहा, मैंगनीज तथा निभकीय तत्वों के अयस्कों की भारत में प्राप्ति उत्पत्ति एवं वितरण। निक्षेप का अपवर्षीय उच्चताप सह तथा मृतका शिल्प के रूप में उपयोगी खनिज कोयला तथा पेट्रोलियम का निक्षेप। खनिज निक्षेप पूर्वेक्षण के तत्व।

भाग III

(क) आग्नेय शैलविज्ञान : मैग्मा की उत्पत्ति एवं आग्नेय शैल का निर्माण। बावन का प्रतिक्रिया सिद्धांत। द्विवाधारी निकाय में क्रिस्टलीकरण। आग्नेय शैल का वर्गीकण। आग्नेय शैलों का गठन एवं संरचना। ग्रेनाइट, साइनाइट डाइओराइट मैफिक व अतिमैफिक वर्ग अनार्थोसाइट एवं क्षारीय शैलों का संयोजन, उत्पत्ति एवं प्राप्ति रूप।

(ख) अवसादी शैल विज्ञान : अवसादी प्रक्रिया एवं उत्पाद। अवसादी शैलों का वर्गीकरण। अवसादी संरचना। अवसादिष्ट निक्षेप-उनके निर्माण रूप की अवस्था, विशेषताएं एवं प्रकार। खंडूज निक्षेप-उनका वर्गीकरण खनिज संयोजन एवं गठन। स्फटिक (क्वार्ट्रज) रेणु काशम आक्रोश एवं ग्रेक की उत्पत्ति का प्रारम्भिक ज्ञान एवं विशेषताएं। रायायनिक एवं जैविक सिलिकामय एवं चूनेदार (कैल्सियमी) निक्षेप।

(ग) कायांतरी शैलविज्ञान : कायांतरण के प्रकार एवं कारक। कायांतरण के मंडल, कोटि एवं संलक्षी। क्षेत्रीय एवं संस्पर्श कार्यातरण। कायांतरी शैल का गठन एवं संरचना। मृणमय, बालुकामय, चूनेदार (कैल्सियमी) एवं अल्पसिलिक शैल का कायांतरण। तत्वांतरण।

भाग IV

(क) जीवाशम विज्ञान : प्राणियों के स्वभाव एवं आवास। जीवाशम एवं जीवाशमन। परिरक्षण की अवस्था। जीवाशम का अनुप्रयोग, आकृति विज्ञान का अध्ययन एवं फोरेमिनीफेरिंड भुजपाद (ब्रेकियापोडा) द्विकपाटी, जठरपाद गण, सिफलोपोडा, ट्राइलोबाइटा। इकानाइंडिया एवं ऐन्योजोआ का भूवैज्ञानिक इतिहास।

शिवालिक वर्ग के स्तनधारी। गोंडवाना वनस्पतिजात का संक्षिप्त अध्ययन।

(ख) स्तरिकी/स्तरक्रम विज्ञान एवं भारत का भूविज्ञान : स्तरिकी/स्तरक्रम विज्ञान के मूलभूत नियम। स्तरिक वर्गीकरण :—शेष स्तरिक जैव स्तरिक, काल स्तरिक भूवैज्ञानिक समय मापनी। भारत का भू आकृतिक विभाजन एवं स्तरिकी की रूपरेखा। धारवार विन्ध्य एवं गोंडवाना महावर्ग (समूह) एवं शिवालिक वर्ग (समूह) का उनके मुख्य उपविभाजन, अशम विज्ञान, जीवाशम, क्षेत्रीय विभाजन एवं आर्थिक महत्व के संदर्भ में संक्षिप्त अध्ययन।

भारतीय इतिहास

खंड क

1. भारत में प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ।
2. सिंधु सभ्यता तथा उसके उद्गम। परिपक्व चरण : विस्तार, समाज, अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति। अन्य संस्कृतियों से संपर्क। ह्रास की समस्याएं।
3. सिंधु क्षेत्रों के बाहर के पश्चात्तरण एवं कृषि समुदायों का भौगोलिक वितरण एवं उनके अभिलक्षण, नवपाषाण काल से प्रारंभिक लौह काल तक।
4. वैदिक समाज। वैदिक ग्रंथ, ऋग्वैदिक से उत्तर वैदिक चरणों तक परिवर्तन। धर्म, उपनिषद् से संबंधित विचार धारा। राजनैतिक एवं सामाजिक संगठन, राजतंत्र तथा वर्ण व्यवस्था का विकास।
5. महाजनपदों से नंद तक राज्य निर्माण एवं नगरीकरण। जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म। बौद्ध धर्म के प्रसार के कारक।
6. मौर्य साम्राज्य। चन्द्र गुप्त, मेगास्थनीज। अशोक एवं उसके शिलालेख; उसका धर्म (धर्म), प्रशासन, तत्कालीन संस्कृति एवं कला। अर्थशास्त्र।
7. मौर्यतर भारत, 200 ई.पू.-300 ई. तक। समाज : जातियों का विकास। सातवाहनों का काल एवं प्रायद्वीप में राज्य निर्माण। संगम साहित्य संबंधित ग्रंथ एवं तत्कालीन समाज। भारत यूनानी (इंडो-ग्रीक), शक, पर्थियन, कुपाण, कनिष्ठ। विश्व के अन्य भागों से संपर्क। धर्म, शैव, संप्रदाय, भगवद् संप्रदाय, बौद्ध-धर्म-हीनयान एवं महायान, जैन धर्म, संस्कृति एवं कला।
8. गुप्त शासक एवं उनके उत्तराधिकारी (750 ई. तक)। साम्राज्य के राजनैतिक संगठन में परिवर्तन। अर्थव्यवस्था एवं समाज। साहित्य एवं विज्ञान। कला।

खंड ख

9. प्रारम्भिक मध्यकालीन भारत। प्रमुख राजवंश, चोल साम्राज्य। कृषिक एवं राजनैतिक संरचनाएं। राजपुत्र। सामाजिक गतिशीलता की सीमा। स्त्रियों की स्थिरता। सिंधु में अरबों का विस्तार, गजनवी राज्य।

10. सांस्कृतिक प्रवृत्तियां, 750 ई.-120 ई.। धार्मिक स्थितियां : मंदिरों तथा मठ संस्थाओं का महत्व; शंकराचार्य; इस्लाम; सूफी पंथ। साहित्य एवं विज्ञान। अलबेरूनी का "भारत"। कला तथा स्थापत्य।
- 11-12. तेरहवीं एवं चौदहवीं : गोरी विजय; कारण एवं परिणाम। "गुलाम" शासकों के अंतर्गत दिल्ली सल्तनत। अलाउद्दीन खिलजी; विजय अभियान; प्रशासनिक, कृषिक एवं आर्थिक उपाय। मुहम्मद तुगलक के अधिनव परिवर्तन। फिरोज तुगलक और दिल्ली सल्तनत का हास। वाणिज्य तथा नगरीकरण का विकास। हिंदू धर्म तथा इस्लाम में रहस्यवादी आंदोलन। साहित्य। स्थापत्य। प्रौद्योगिकी में परिवर्तन।
13. पंद्रहवीं तथा प्रारंभिक सोलहवीं शताब्दी : प्रमुख प्रांतीय राजवंश, विजयनगर साम्राज्य। लोदी राज्य। मुगल साम्राज्य का प्रथम चरण : बाबर, हुमायूँ। सूर साम्राज्य एवं प्रशासन। पुरुगाली। एकेश्वरवादी आंदोलन : कबीर, गुरु नानक एवं सिख धर्म, भक्ति आंदोलन। क्षेत्रीय साहित्यिक विधाओं में वृद्धि। कला एवं संस्कृति।
- 14-15. मुगल साम्राज्य, 1556 ई. से 1707 ई. तक। अकबर : विजय अभियान, प्रशासनिक उपाय, जागीर एवं मनसब प्रथाएं, सुलह-ए-कुल की नीति। जहांगीर, शाहजहां एवं औरंगजेब : दक्कन (दक्षिण) में विस्तार; धार्मिक नीतियां। शिवाजी। संस्कृति : फारसी साहित्य एवं क्षेत्रीय साहित्य। धार्मिक विचारधारा। अबुल फजल; महराष्ट्र-धर्मचित्रकला : स्थापत्य। अर्थव्यवस्था : किसानों तथा शिल्पकारों की स्थिति, व्यापार में वृद्धि; यूरोप के साथ व्यापार। सामाजिक स्तरीकरण एवं स्त्रियों की स्थिति।
16. मुगल साम्राज्य का हास, 1707 ई. से 1761 ई. तक। हास के कारण। पेशवाओं के अधीन मराठा शक्ति का विकास। प्रादेशिक राज्य। अफगान। सामाजिक संस्कृति के प्रमुख अवयव। सवाई जय सिंह, खगोलविद्। उर्दू भाषा का उदय।

खंड-ग

17. ब्रिटिश विस्तार : कर्नाटक युद्ध, बंगाल विजय। मैसूर राज्य एवं इसके द्वारा अंग्रेजों के राज्य विस्तार के प्रयास का विरोध। तीन आंग्ल-मराठा युद्ध। भारत में ब्रिटिश राज की आरंभिक संरचना। रेग्युलेटिंग। एक्ट एवं पिट का इंडिया एक्ट।
18. ब्रिटिश राज के आर्थिक प्रभाव : संपत्ति का (अपवाह) (इन आफ बेल्थ)-कर व्यवस्था; भू-राजस्व चंदोबन्दी (जमींदारी, रेयतवारी, महलवारी) उद्योगों का विनाश, कृषि का वाणिज्यिकरण एवं रेलवे, भूमिहीन श्रमिकों की वृद्धि।
19. सांस्कृतिक समागम एवं सामाजिक परिवर्तन : पश्चिमी शिक्षा एवं आधुनिक विचारों की भूमिका। भारतीय पुनर्जागरण, सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन; भारतीय मध्यम वर्गों की वृद्धि। छापाखाना (प्रेस) एवं इसका प्रभाव। भारतीय भाषाओं में आधुनिक साहित्य का उदय।

- सन् 1857 से पहले सामाजिक सुधार के उपाय।
- ब्रिटिश शासन का विरोध : प्रारंभिक विद्रोह, 1857 का विद्रोह-कारण, प्रकृति, अवधि एवं परिणाम।
- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम-प्रथम चरण : राष्ट्रीय संचेतना का विकास, संघों का निर्माण, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना तथा इसको नरमपंथी चरण, आर्थिक राष्ट्रीयता; स्वदेशी; आंदोलन; उग्रवाद में वृद्धि तथा कांग्रेस में 1907 ई. का विभाजन, 1909 ई. का अधिनियम—"फूट डालो और शासन करो" की नीति, कांग्रेस एवं मुस्लिम लीग के बीच 1916 का समझौता।
- गांधी जी एवं उनकी विचारधारा; जन जुटाव के लिए गांधी जी द्वारा अपनाया गया तरीका—खिलाफत एवं असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं भारत छोड़ो आंदोलन, राष्ट्रीय आंदोलन में अन्य विचारधाराएं क्रांतिकारी आंदोलन, वामपंथ, सुभाष चन्द्र बोस तथा भारतीय राष्ट्रीय सेना।
- भारतीय राष्ट्रवादी राजनीति में अलगाववादी प्रवृत्तियां-मुस्लिम लीग और हिंदू नहासाखा। 1945 ई. के बाद की स्थिति, सांप्रदायिक हिंसा, देश का विभाजन एवं स्वतंत्रता प्राप्ति।
- भारत की स्वतंत्रता से 1964 ई. तक। संसदीय, पंथ-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य (1950 ई. का संविधान)। जवाहर लाल नेहरू का विकासवादी, समाजवादी दर्शन। योजना व्यवस्था एवं राज्य-नियोजित औद्योगिकीकरण। कृषिक सुधार। गुट निरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित विदेश नीति। चीन के साथ सीमा संघर्ष।

विधि

1. विधि शास्त्र

1. विधि का स्वरूप तथा संकल्पना।
2. विधि शास्त्र की शाखाएं : वैश्लेषिक, ऐतिहासिक, दार्शनिक, सामाजिक तथा प्राकृतिक।
3. न्याय प्रशासन : दंड के सिद्धांत।
4. विधि के स्रोत : रूढ़ि, पूर्व निर्णय, विधान।
5. कुछ आधारभूत विधिक धारणाएं :
 - (i) अधिकार तथा कर्तव्य
 - (ii) विधिक व्यक्तित्व
 - (iii) स्वामित्व तथा आधिपत्य।

11. भारत की सांविधिक विधि

1. भारतीय संविधान के प्रमुख तत्व;
2. उद्देशिका;
3. मौलिक अधिकार, निदेशक तत्व तथा मौलिक कर्तव्य;
4. राष्ट्रपति तथा राज्यपालों की संवैधानिक स्थिति तथा शक्तियां;

5. उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय : न्यायाधीशों के क्षेत्राधिकार, शक्तियां, नियुक्तियां तथा स्थानान्तरण;
6. संघ लोक सेवा आयोग तथा राज्य लोक सेवा आयोग, शक्तियां तथा कृत्य;
7. संघ तथा राज्यों की बीच विधायी तथा प्रशासनिक शक्तियों का विभाजन;
8. आपात उपबंध;
9. संविधान का संशोधन।

III. अंतर्राष्ट्रीय विधि

1. अंतर्राष्ट्रीय विधि का स्वरूप एवं परिभाषा।
2. स्रोत : संधि, रुद्धि, सभ्य राष्ट्रों द्वारा मान्यताप्राप्त विधि के सामान्य सिद्धांत तथा विधि निर्धारण के लिए अनुषंगी साधन।
3. राज्य मान्यता तथा राज्य उत्तराधिकार।
4. संयुक्त राष्ट्र, इसके संस्कारण, प्रयोजन तथा मूल अंग; अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का संविधान : भूमिका तथा क्षेत्राधिकार।
5. मानव अधिकार संरक्षण :
 - (i) संयुक्त राष्ट्र चार्टर में उपबंध
 - (ii) मानव अधिकारों की विश्वव्यापी घोषणा, 1948
 - (iii) सिविल तथा राजनैतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रसरण, 1966
 - (iv) आर्थिक, सामाजिक तथा संस्कृतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रसरण, 1966।

IV. अपकृत्य

1. अपकृत्य का स्वरूप तथा परिभाषा।
2. दोष पर आधारित दायित्व तथा कठोर दायित्व।
3. प्रतिनिधि दायित्व, राजकीय दायित्व सहित।
4. संयुक्त अपकृत्यकर्ता।
5. उपेक्षा।
6. मानहानि।
7. षड्यंत्र।
8. उपताप (न्यूसेंस)।
9. अप्राधिकृत बदौकरण।
10. द्वेषपूर्ण अभियोजन।

V. दाँड़िक विधि

1. आपराधिक दायित्व के सामान्य सिद्धांत-आपराधिक मनःस्थिति तथा आपराधिक कार्य।

2. तैयारी और आपराधिक प्रयत्न।
3. सामान्य अपवाद।
4. संयुक्त तथा रचनात्मक दायित्व।
5. दुष्क्रेरण।
6. आपराधिक षट्यंत्र।
7. राजद्रोह।
8. हत्या तथा आपराधिक मानव दब्द।
9. चोरी, उद्दांपन, लूट तथा डकैती।
10. दुर्विनियोग तथा आपराधिक न्याय भंग।

VI. संविदा विधि

1. संविदा की परिभाषा।
2. संविदा के मूल तत्व : प्रस्ताव, प्रतिग्रहण, प्रतिफल, संविदात्मक क्षमता।
3. सम्मति अमान्य करने वाले कारक।
4. शून्य, शून्यकरणीय, अवैध तथा अप्रवर्तनीय करार।
5. शर्त करार।
6. समाश्रित संविदा।
7. संविदाओं का पालन।
8. संविदात्मक बाध्यताओं की समाप्ति, संविदाओं का विफलीकरण।
9. संविदा कल्प।
10. संविदा भंग के विरुद्ध उपचार।

गणित

1. बीज गणित

समुच्चय सिद्धांत के अवयव : द-मायदर प्रमेय सहित वास्तविक व सम्मिश्रसंख्याओं का बीज गणित, बहुपद तथा बहुपदीय समीकरण, गुणांकों तथा मूलों के बीच संबंध, मूलों के सममित फलन;

समूह सिद्धांत के अवयव : उप समूह, चक्रीय समूह, क्रमवय समूह तथा उनके प्रारम्भिक गुणधर्म।

बलय, पूर्णाक्रिय प्रान्त और क्षेत्र तथा उनके प्रारम्भिक गुणधर्म।

2. सदिश समविष्ट और आव्यूह

सदिश समविष्ट, रैखिक आश्रितता तथा स्वतंत्रता उप-समविष्ट आधार तथा विमाएं परिमिति विमीय सदिश समिष्टियां।

परिमित विमीयसदिश समविष्ट का रैखिक रूपांतरण, आव्यूह निरूपण विचित्र एवं नियमित रूपांतरण, कोटि तथा शून्यता।

आव्यूह : योग, गुणन आव्यूह के सारणिक, 'एन' कोटि के सारणिकों के गुणधर्म, आव्यूह का व्युतक्रम, क्रेमर नियम।

3. ज्यामिति तथा सदिश

कार्तीय तथा ध्रुवीय निरेशकों में सरल रेखाओं और शंकवों की वैश्लेषिक ज्यामिति; तलों; सरल रेखाओं, गोलक शंकु और बेलन की त्रिविमीय ज्यामिति। सदिशों का योग, व्यक्तिन तथा गुणन तथा ज्यामिति में उनका सरल अनुप्रयोग।

4. कलन

कलन, अनुक्रम, माला, सीमान्त, सांतत्य, अवकलज।

अवकलजों के अनुप्रयोग : परिवर्तन की दरें, स्पर्श रेखा प्रसामान्य उच्चार्ष अल्पार्ष, रौले का प्रमेय, लंग्राज व कौशी की सामान्यान्य प्रमेय, अनंतस्पर्शी बक्रता, अनिश्चित समाकलन, निश्चित समाकलन, ढूँढ़ने की विधियां, समाकलन गणित का मूल प्रमेय, क्षेत्रफल समतल बक्र की लंबाई, आयतन तथा परिक्रमण पृष्ठ के लिए निश्चित समाकलन का अनुप्रयोग।

5. साधारण अवकलन समीकरण

अवकल समीकरण की कोटि तथा घात, प्रथम कोटि अवकल समीकरण, विचित्र हल, ज्यामिति निर्वचन, अचर गुणांकों सहित द्वितीय कोटि समीकरण।

6. यांत्रिकी

कण की संकल्पना; पटल; दृढ़ पिंड; विस्थापन; बल; द्रव्यमान; भार, गति, वेग, चाल, त्वरण; बल का समानान्तरण चतुर्भुज, वेग समानान्तर चतुर्भुज, त्वरण समानान्तर चतुर्भुज तथा इनके परिणामी सामानान्तर चतुर्भुज, समतलीय बलों का संतुलन आधूर्ण, युग्मक, घर्षण, द्रव्यमान और गुरुत्व के केन्द्र, गति नियम, सरल रेखा में कण की गति। गुरुत्व के अधीन सरल आवर्त गति संरक्षी बलों के अधीन गति, कृत्रिम उपग्रहों की गति, प्रक्षेप पथ, पलायन वेग।

7. कम्प्यूटर प्रोग्रामन के तत्व

द्विआधारी पद्धति, अष्टाचारी और पाडस आधारी पद्धति, दशमलव पद्धति से और दशमलव पद्धति में रूपांतरण। कोड, बिट्स, बाइट्स तथा बर्ड्स। कम्प्यूटर की स्मृति संख्याओं पर अंकगणितीय तथा तर्कसंगत संक्रियाएं, परिशुद्धियां, AND, OR, XOR, NOT तथा स्थानान्तरण। धूर्णन संकारक, एलगोरिदम विधियां तथा प्रवाह संचित्र।

यांत्रिकी इंजीनियरी

स्थैतिकी

सानयवस्था समीकरणों का सामान्य अनुप्रयोग।

गतिकी

गति कार्य, ऊर्जा और शक्ति की समीकरणों का सामान्य अनुप्रयोग।

मशीनों का सिद्धांत

शुद्धगतिक शृंखला और उनके वयुत्क्रमण और उनके व्युत्क्रमण के सामान्य उदाहरण, विभिन्न प्रकार के गियर, बेयरिंग, अधिनियंत्रक (गवर्नर्स), गतिपाल चक्र और उनके कार्यदृढ़ घूर्णकों (रोटर्स) का स्थैनिक और गतिक संतुलन शलाकाओं और शैफ्टों के सामान्य कंपन का विश्लेषण।

रेखीय स्वचालित नियंत्रण तंत्र।

पिंड यांत्रिकी

प्रतिवल, विकृति और हूक-नियम घरनों में अपरूपण और बैंकन घरनों का सामान्य बंकन और एंठन, स्प्रिंग, और तनु भित्ति बैंकन। प्रन्यास्थ स्थायित्व की प्रारम्भिक संकल्पना, यांत्रिक गुणधर्म और सामग्री परीक्षण।

निर्माण विज्ञान

धातु कर्तन यांत्रिकी, औजार आयु, मशीन का आर्थिक निवेदन, कर्तन-औजार पदार्थ। मशीनी औजार की मूलभूत किस्में और उनके प्रक्रम स्वचालित मशीन औजार अंतरण लाइंस धातु प्रक्षण प्रक्रम और मशीनें कर्तन कर्षण, चक्रण, बेल्वन, फोर्जन, बिहयेथन। ढलाई और बेल्डन विधि की किस्में। (चूर्ण धातु कर्म और प्लास्टिक संसाधन)।

निर्माण प्रबंध

विधियां और काल अध्ययन, गति मितव्ययता और कार्य स्थल अभिकल्पना प्रचालन और प्रवाह प्रक्रम चार्ट। लागत आकलन संतुलन स्तर विश्लेषण। संयंत्रों का स्थान निर्धारण और अभिन्यास, सामग्री का रखना-उठाना। पूंजी-बजट बनाना, कृत्यक शाला और पुंज उत्पादन, अनुसूचन प्रेषण पथ निर्धारण माल सूची।

उच्चागतिकी

मूलभूत संकल्पनाएं, परिभ्याएं और नियम, उप्पा, कार्य और ताप शून्य कोटि नियम, तापक्रम, शुद्ध पदार्थ का आचरण, अवस्था समीकरण, प्रथम नियम और उसके उप-सिद्धांत, द्वितीय नियम और उप-सिद्धांत। वायु मानक चक्रों का विश्लेषण, कार्नॉट, आटो, डीजल, वेटन चक्र। वाय्य शक्ति चक्र, रकिन पुनर्स्ताप और पुनर्योगी चक्र, प्रशीतन चक्र-वैल कोलमन, वाय्य अवशेषण और वाय्य संपोडन चक्र, विश्लेषण। अन्तरशीतन, पुनर्स्थापन सहित निवृत् और संबृत चक्र गैस टरबाइन।

ऊर्जा रूपांतर

तुंडों में से भाप का प्रवाह, क्रान्तिक दाब अनुपात, प्रधात और उसका प्रभाव, भाप जनित्र, आरोपण (माउटिंग) और उप-साधन, आवेग और प्रतिक्रिया टरबाइन, ताप विद्युत शक्ति संयंत्रों के घटक और अभिन्यास। जलीय टरबाइन और पम्प, विनिर्दिष्ट चाल, जल विद्युत संयंत्रों का अभिन्यास।

नाभिकीय रिएक्टर और विद्युत शक्ति संयंत्र का परिचय, नाभिकीय अपशिष्टका रखना-उठान।

प्रशीतन और वातानुकूलन

प्रशीतन उपकरण और उनका प्रचालन तथा अनुरक्षण प्रशीतक, वातानुकूलन के सिद्धांत, आर्द्रतामितीय चार्ट सुखद क्षेत्र, आद्रीकरण और विआद्रीकरण।

तरल यांत्रिकी

द्रवस्थैतिकी, सांतत्य-समीकरण, बरनूली प्रमेय, पाइपों से प्रवाह विसर्जन मापन, स्तरीय तथा विक्षुब्ध प्रवाह, सीमान्त परत संकल्पन।

चिकित्सा विज्ञान

मानव शरीर रचना विज्ञान

निम्नलिखित की समग्र शरीर रचना के सामान्य सिद्धांत और मूलभूत संरचनात्मक अवधारणा -

निम्न संधि, हृदय, आमाशय, फुफ्फुस, प्लीहा, बृक्क, गर्भाशय, डिम्बग्रंथि एवं अधिवृक्क ग्रंथि ।

निम्नलिखित की ऊतकीय विशेषताएँ -

कर्णपूर्व ग्रंथि, श्वसनी, वृपण, त्वचा, अस्थि एवं अवृट ग्रंथि ।

चेतक (थैलेमस), आंतर सम्पुट, प्रमस्तिष्ठ की समग्र शरीर रचना जिसमें उनका रक्त संभरण समिलित है; प्रमस्तिष्ठ प्रांतस्था में क्रियात्मक स्थान निर्धारण, अनुमस्तिष्ठ, सुषुप्ता, आंख, कान, गला, कपाल तंत्रिकाएँ ।

कशेरुयका दंड, श्वसन तंत्र का भ्रूण विज्ञान एवं उनकी जन्मजात असंगतियाँ ।

मानव शरीर क्रिया विज्ञान एवं जीव रसायन

तंत्रिका क्रिया विज्ञान : संवेदी ग्राहक, जाल रचना, अनुमस्तिष्ठ एवं आधारी गर्डिका ।

जनन : स्त्री एवं पुरुष जननग्रंथियों के कार्यों का नियमन ।

हृदयवाहिका तंत्र : हृदय का यांत्रिक एवं वैद्युत गुणधर्म विद्युतहृद लेख (इलैक्ट्रोकार्डियोग्राम) सहित; हृदयवाहिका कार्यों का नियमन । जठरांत्र तंत्र: बिलीरूबिन चयापचय, यकृत कार्य परीक्षण ।

सूधिर विज्ञान : हीमोग्लोबिन संश्लेषण, अपसामान्य हीमोग्लोबिन ।

श्वसन: श्वसन का नियमन, पाचन एवं वसा का अवश्योषण, कार्बोहाइड्रेट का चयापचय ।

वृक्कीय क्रिया विज्ञान : नलिकीय कार्य P^H (पी. एच.) का नियमन ।

न्युक्लिक अम्ल : राइडो-न्युक्लिक अम्ल, डिआक्सीराइबो न्युक्लिक अम्ल, आनुवंशिक कोड एवं प्रोटीन संश्लेषण ।

विकृति विज्ञान एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान

शोथ के सिद्धांत, कैंसरजनन एवं अर्बुद फैलाव के सिद्धांत, परिहृद हृदयरोग, यकृत एवं पिताशय के संक्रमी रोग, यक्षमा का रोगजनन । प्रतिरक्षा तंत्र, कालेजन, वाहिकामय रोग के लिए प्रतिरक्षात्मक एवं सीरमी परीक्षण ।

प्रतिदीपि सूक्ष्मदर्शन द्वारा ऊतकीय निदान

निम्नलिखित से उत्पन्न रोगों की हेतुकी और प्रयोगशाला निदान-साल्मोनेला, विब्रियों, मेनिंगोकोक्स एवं यकृतशोथ विषाणु ।

निम्नलिखित का जीवन चक्र एवं प्रयोगशाला निदान- एंटीअमीबा हिस्टोलिटिका, मलेरिया परजीवी, एस्केरिस ।

कार्य चिकित्सा

प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण : निम्नलिखित का चिकित्सा उपचार संन्यास (कोमा), प्रमस्तिष्ठ वाहिका आधात, सतत दमा, हृद फुफ्फुसी संरोध, सतत अपस्मार, तीव्र वृक्कपात ।

निम्नलिखित के रोगलक्षण, हेतुकी एवं उपचार-परिहृद हृदय रोग, आमबात (रूमेटी) हृदयरोग, न्युमोनिया, यकृत का सिरोसिस, अमीबी, यकृत विद्रव्धि पेप्टिक व्रण गोणिका वृक्कशोथ, कुष्ठ, रूमेटॉइड संधिशोथ, मधुमेह मेलीटस, पोलियो, मस्तिष्ठावरणशोथ, विखंडित-मनस्कता ।

शल्य विज्ञान

गंभीर रूप से धायलों के लिए शल्य चिकित्सा के सिद्धांत एवं अस्थिसंग विरोहण की प्रक्रिया ।

आमाशय के दुर्दम अर्बुद एवं उनकी शल्य चिकित्सा ।

उर्विका (फोमर) की अस्थिभंग के चिह्न, लक्षण जांचपरख एवं उपचार प्रबंध तथा शस्त्रकर्मपूर्व एवं शस्त्रकर्मात्मतर देखेरख के सिद्धांत ।

निम्नलिखित की रोग लक्षण अभिव्यक्ति, जांच-परख एवं उपचार प्रबंध : जलशीर्ष, ब्यूर्गर रोग, उण्डुकपुच्छशोथ, सुदम्प पुटःस्थ अतिवृद्धि, अयुक्त मेरुदंड, श्वसनीजन्य कार्सिनोमा, स्तन कीसिवोसा, बृहदांत्र कार्सिनोमा । निम्नलिखित के रोग लक्षण अभिव्यक्ति जांच-परख एवं शल्य चिकित्सा प्रबंध-आंत्र अवरोध, तीव्र, मूत्रावधारण, मेरुदंड अभियात रक्तस्त्रवज्ज स्तब्धता, बातवक्ष, परिहृद संपीडन, रक्तवमन ।

रोधक एवं सामाजिक आयुर्विज्ञान

जानपरिक रोग विज्ञान के सिद्धांत, स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के सिद्धांत-

रोग-रोधन एवं स्वास्थ्यवर्धन की अवधारणा, एवं सामान्य सिद्धांत । सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोग्राम, पर्यावरणीय प्रदूषण के स्वास्थ्य पर प्रभाव, संतुलित आहार की अवधारणा, परिवार नियोजन प्रणालियाँ ।

दर्शन शास्त्र

खंड-क : दर्शन शास्त्र की समस्याएं

- पदार्थ और उसके गुण: अरस्तु, देकार्त, लॉक और बर्कले की मीमांसा । न्याय-वैशेषिक और बौद्ध दर्शन में की गई पुद्गल मीमांसा ।
- परमात्मा, आत्मा तथा संसार : थोमस एक्विनस, सेंट आगस्टिन, स्पिनोजा, दकार्त । न्याय-वैशेषिक, शंकर, रामानुज ।
- सामान्य : यथार्थवाद और नामवाद : प्लेटो, अरस्तु, अमूर्त विचारों के बारे में बर्कले की मीमांसा । न्याय-वैशेषिक, बौद्ध दर्शन ।
- ज्ञान के आधार : चार्वाक में प्रमाणवाद, न्याय-वैशेषिक, बौद्ध दर्शन, अद्वैत वेदांत ।
- सत्य और भ्रान्ति : संवादिता, संसक्तता और प्रयोजनात्मक सिद्धांत । ख्यातिवाद (अन्यथा ख्याति, आख्याति, अनिर्वचनीया ख्याति) ।
- पुद्गल और मन : देकार्त, स्पिनोजा, लाइब्नित्ज, बर्कले ।

खंड-ख : तर्क

- सत्य और वैधता ।
- वाक्यों का वर्गीकरण : पारंपरिक तथा आधुनिक ।
- न्याय वाक्य : आकृति और विन्यास, न्याय वाक्य के नियम (सामान्य एवं विशेष) वेन आरेखों द्वारा वैधता सिद्ध करना, आकारिक दोष ।
- वाक्य-कलन: प्रतीकीकरण सत्यता फलन तथा उनकी अंतर्परिभाषिकता, सत्य-सारिणी, आकारिक प्रमाण ।

खंड-ग : नीति शास्त्र

- तथ्य का अभिकथन और नैतिक मूल्य का अभिकथन ।
- उचित और शुभः प्रयोजनवाद और परिणाम निरपेक्षवाद ।
- मनोवैज्ञानिक सुखवाद ।
- उपर्योगितावाद (बैंधम, जे. एस. मिल) ।
- कांट का नीति शास्त्र ।
- संकल्प स्वातंत्र्य की समस्या ।
- नैतिक निर्णय : वर्णनात्मकवाद, नियोगवाद, संवेगवाद ।
- निष्काम कर्मः स्थितप्रकृति ।
- जैन नीति शास्त्र ।
- बौद्ध धर्म के चार महान सत्य तथा अस्तांग मार्ग ।
- गांधीवाद नीति शास्त्र : सत्य अहिंसा, उद्देश्य और साधन ।

भौतिकी

1. यांत्रिकी तथा तरंगे

1. विमीय विश्लेषण, न्यूटन के गति के नियम और उसके अनुप्रयोग, चर द्रव्यमान निकाय, प्रक्षेप्य, धूर्णन गतिकी, गतिज ऊर्जा, कोणीय संवेग, सरल आकृतियों में जड़त्व के अवूर्णों का प्रमेय तथा परिकलन । संरक्षी बल धर्पण बल। गोलीय पिंडों के कारण गुरुत्वाकर्षणी विभव तथा तीव्रता। केन्द्रीय बल, कैपलर के नियम, पलायन वेग तथा कृत्रिम उपग्रह (जीपीएस सहित), धारारेखी गति, श्यानता, प्लाज्य का समीकरण, बरनोली के समीकरण का अनुप्रयोग तथा स्टोक का नियम विशिष्ट आपेक्षिकता तथा लारेंज रूपांतरण दैर्घ्य संकोच । काल वृद्धि, द्रव्यमान ऊर्जा संबंध ।

सरल संनादी गति, लिसाजु की आकृतियां, अवमंदित, दोलन, प्रणोदित दोलन तथा अनुनाद । विस्पंद, प्रावस्था तथा समूह वेग, स्थिर तरंगें, वायु स्तंभों तथा रञ्जुओं का कंपन । ठोस में अनुदैह्य तरंगें। डाप्लर प्रभाव, पराश्रव्यिकी और उसके अनुप्रयोग ।

2. ज्यामितीय तथा भौतिक प्रकाशिकी

फरमेंट के सिद्धांत से परावर्तन तथा अपवर्तन के नियमः उपाक्षीय प्रकाश विज्ञान में मैट्रिक्स पद्धति, पतले लैंस के सूत्र, नोडीय तल, दो पतले लैंसों की प्रणाली, वर्ण तथा गोलीय विपथन, सरल प्रकाशिक यंत्र—आतर्थक नेत्रिकाएं, टैलीस्कोप तथा माइक्रोस्कोप ।

हाइजन का सिद्धांतः तरंगों का परावर्तन तथा अपवर्तन—प्रकाश का व्यतिकरण, यंग का प्रयोग—न्यूटन बलय, तनु फिल्मों द्वारा व्यतिकरण—माइकल्सन—इंटरफेरो मीटर—फ्रानहोफर विवर्तन—एकल रेखा छिद्र (स्लिट) द्वारेखा छिद्र, विवर्तन ग्रेटिंग, विभेदन, विभेदन क्षमता—फ्रेज़नल विवर्तन—अर्द्ध आवर्तन ज्ञेन तथा जैन प्लेट। रेखीय, वृत्तीय तथा दीर्घवृत्तीय ध्रुवित प्रकाश का उत्पादन तथा अभिज्ञान । द्विअपवर्तन, चतुर्थांश तरंग पटिका तथा अर्द्ध तरंग पटिका ध्रुवण शीट ध्रुवण धूर्णकता तथा उसके अनुप्रयोग—रमन और रेले प्रकीर्णन तथा उनके अनुप्रयोग ।

रेशा प्रकाशिकी के तत्वः क्षीण, स्ट्रेप इंडेक्स तथा परवलयिक इंडेक्स, तंतुओं में स्पंद परिक्षेपण, द्रव्यात्मक परिक्षेपण, लेज़र, लेज़र प्रकाश की विशेषताएं—स्थानिक तथा कालिक संबद्धता। लेज़र किरण और फोकस करना और उसके अनुप्रयोग ।

3. ऊष्मा तथा ऊष्मागतिकी

तापीय संतुलन तथा तापमान। ऊष्मागतिकी का शून्यकोटि का नियम ऊष्मा तथा ऊष्मागतिकी का प्रथम नियम । कानोइंजिन की क्षमता एंट्रोपी तथा ऊष्मागतिकी का द्वितीय नियम। अषुगति सिद्धांत तथा आदर्श गैस अवस्था के समीकरण । माध्य मुक्त पथ, आणविक गति तथा ऊर्जाओं का वितरण । अभिगमनी परिघटन-एंड्रेयु का प्रयोग, वान डर वाल्स का समीकरण और अनुप्रयोग—जूल-केल्विन प्रभाव तथा अनुप्रयोग, ग्राउनियन गति । ऊष्मागति विभव-मेक्सवेल के समीकरण । प्रावस्था संक्रमण किरणेक के नियम, ब्लैक बाडी विकिरण-स्टीफन-वोल्टजमन नियम, स्पैक्ट्रमी विकिरणी । बीन विस्थापन नियम । कास्मिक सूक्ष्म तरंग पृष्ठभूमि विकिरण में अनुप्रयोग, प्लॉक विकिरण नियम ।

4. विद्युत और चुम्बकत्व

विद्युत आवेश, कूलाम का नियम, विद्युत क्षेत्र, गौस नियम, विद्युत विभव, वान डे ग्राफ त्वरित्र (एक्सीलरेटर), संधारित्र, परा वैद्युत तथा विद्युत ध्रुवण । ओह्य नियम, किरखोफ के प्रथम तथा द्वितीय नियम, श्रेणी तथा सामान्यतर क्रम में प्रतिरोध, द्रित्य परिपथ में अनुप्रयोग । चुम्बकीय क्षेत्र-चुम्बकत्व के लिए का गौस का नियम, परमाणु तथा नाभिकीय चुम्बकत्व, चुम्बकीय प्रवृत्ति, चुम्बकीय पदार्थों का वर्गीकरण परिसंचारी आवेश, साईक्लोट्रोन सिंक्रोट्रोन । हाल प्रभाव, बायट-सार्बर्ट नियम, एम्पीसर का नियम अभिप्ररेण का फैराडे नियम। लेंज नियम । अभिप्रेरणा । प्रत्यावर्तीधारा प्रवाह परिपथ-आर सी-एल आर, एकल-लूप एल आर सी परिपथ, प्रत्यावर्ती धारा परिपथ में प्रतिबाधिता, अनुनाद, शक्ति। विस्थापन धारा, मैक्सवेल के समीकरण (एम के एस युनिट), विद्युत चुम्बकीय तरंगें, ऊर्जा परिवहन तथा पोयन्टिंग सदिश।

5. परमाणु तथा नाभिकीय भौतिकी

प्रकाश विद्युत प्रभाव, आइन स्टाइन प्रकाश सिद्धांत, बोर का हाईड्रोजन परमाणु सिद्धांत । स्टर्न गलैंक प्रयोग, कोणीय संवेग का विवाणीकरण, इलैक्ट्रोन चक्रण-पाली का अपवर्जन सिद्धांत तथा अनुप्रयोग । जेमान प्रभाव । एक्सरे स्पेक्ट्रम, ब्रैग का नियम । मोसले चित्र का बोर सिद्धान्त । काम्पटन प्रभाव, काम्पटन तरंग दैर्घ्य, पदार्थ की तरंग प्रकृति । डी-ब्रोगली तरंग दैर्घ्य, तरंग-कण द्वैतवाद । हाइजनबर्ग का अनिश्चितता सिद्धांत । श्रोडिनर का समीकरण ।

(i) बाक्स में एक कण (ii) सरल संनादि देलिन और (iii) हाइड्रोजन परमाणु के अभिलक्षणिक मान और अभिलक्षणिक फलन। विभव स्टैप और विभव प्राचीर भेदन। प्राकृतिक तथा कृत्रिम रेडियो एक्टिवता। नाभिकीय बंधन-ऊर्जा, नाभिकीय विखण्डन और संलयन। पूल कणों का वर्गीकरण तथा उनकी अन्योन्यक्रिया।

6. इलेक्ट्रॉनिकी

डायोड द्वारा अर्द्ध तरंग तथा पूर्ण तरंग दिस्त करण। अर्ध चालकों को गुणात्मक व्याख्या। पी टाइम और एन टाइम अर्ध चालक, संधि डायोड, जीनर डायोड, ट्रांजिस्टर, बाइनरी संख्या, तर्क द्वार तथा सत्य सारणी माइक्रो प्रासेसर तथा कम्प्यूटर के अवयव।

राजनीति विज्ञान

खण्ड-क

1. राजनीति शास्त्र :

विषय का स्वरूप तथा अध्ययन क्षेत्र, समवर्गी विषयों जैसे इतिहास, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, समाज शास्त्र, मनोविज्ञान के साथ इसका सम्बन्ध।

2. राजनीति का अर्थ :

राजनीति शास्त्र के अध्ययन के उपाय।

3. मूल अवधारणायें :

राज्य, समाज, प्रभुसत्ता, शक्ति, नागरिकता, राष्ट्र, सार्वभौम व्यवस्था तथा साम्राज्यवाद।

4. राजनैतिक विचार :

अधिकार, स्वतंत्रता, समानता, न्याय, कानून व्यवस्था, नागरिक समाज, स्वराज, क्रांति, प्रजातात्रिक भागीदार।

5. प्रजातन्त्र :

प्रजातन्त्र का अर्थ तथा सिद्धांत, चुनाव पद्धति, प्रतिनिधित्व तथा भागीदारी के स्वरूप, राजनैतिक उत्तरदायित्व।

6. राजनैतिक विचारधाराएं :

उदारवाद, नव उदारवाद, मार्क्सवाद, समाजवाद, फासीवाद, गांधीवाद।

7. दलीय व्यवस्था तथा राजनैतिक प्रक्रिया :

दलीय व्यवस्था के सिद्धांत, राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय दल, तृतीय विश्व में राजनैतिक दल, मिली-जुली सरकारों की राजनीति के स्वरूप, हितबद्ध तथा दवाव समूह।

8. सरकारों के प्रकार :

संसदीय तथा अध्यक्षात्मक, विकंन्द्रीकरण के संघीय तथा एकात्मक रूप।

9. अधिकारी तंत्र की अवधारणा :

अधिकारी तंत्र के सिद्धांत, वंशर तथा अधिकारी तंत्र की आलोचना।

10. विकास के सिद्धांत :

अर्थ तथा विभिन्न उपागम, तृतीय विश्व में अल्प विकास की अवधारणा तथा सिद्धांत के सम्बन्ध में चर्चा एवं दृष्टिकोण।

11. सामाजिक आन्दोलन :

अर्थ, सिद्धांत तथा स्वरूप; पर्यावरणीय, महिला, किसान तथा कामगार आन्दोलनों की भूमिका, गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका।

12. राष्ट्रवाद तथा अन्तर्राष्ट्रवाद :

13. अन्तर्राष्ट्रवाद सम्बन्धों के प्रमुख सिद्धांत।

14. राज्य तथा सार्वभौम व्यवस्था :

नव उदारवाद, सार्वभौमीकरण, संरचनात्मक समायोजन, क्षेत्रीय आर्थिक संघटन, सार्वभौमिकरण का स्वरूप तथा प्रभाव।

खण्ड-ख

भारतीय सरकार तथा राजनीति

1. सरकारों के अध्ययन के उपाय :

तुलनात्मक ऐतिहासिक, विधिक संस्थागत, राजनैतिक-आर्थिक तथा राजनैतिक-समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण।

2. राजनैतिक प्रणालियों का वर्गीकरण :

प्रजातात्त्विक तथा सत्तावादी, तृतीय विश्व में राजनैतिक प्रणालियों के अभिलक्षण।

3. संविधानों के प्रस्तुति :

इन संविधानों और सरकारों की आधारभूत विशिष्टताएं जैसे ग्रेट ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, चीन तथा दक्षिणी अफ्रीका।

4. संविधान-निर्माण का विकास :

भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान संविधान निर्माण के विकास का एक ऐतिहासिक पथरेक्ष्य।

5. संविधान सभा :

दर्शनिक तथा सामाजिक-आर्थिक आयाम, भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएं।

6. भारतीय संघवाद का स्वरूप :

केन्द्र-राज्य सम्बन्ध विधायी : प्रशासनिक, वित्तीय तथा राजनैतिक; क्षेत्रीय आन्दोलन तथा राष्ट्रीय एकीकरण की राजनीति।

7. मौलिक अधिकार :

संवैधानिक प्रावधान तथा राजनैतिक गतिशीलता; न्यायिक अर्थनिर्णय (व्याख्याएं) तथा सामाजिक राजनैतिक यथार्थवाद; मौलिक कर्तव्य।

8. संघ की कार्यपालिका :

राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री तथा मंत्रिपरिषद्; संवैधानिक प्रावधान और उनकी रचना तथा राजनैतिक प्रवृत्तियां।

9. संसद :

लोक सभा तथा राज्य सभा की शक्तियां और कार्य : संसदीय समितियां; भारत में संसदीय प्रणाली की कार्य शैली।

10. न्यायपालिका :

उच्चतम न्यायालय, न्यायिक पुनर्विलोकन; न्यायिक सक्रियतावाद, जनहित के मुकद्दमे, न्यायिक सुधार।

11. राज्य कार्यपालिका :

राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद्; संवैधानिक प्रावधान तथा राजनैतिक प्रवृत्तियां।

12. भारत में दल प्रणाली :

विकास तथा समकालीन प्रवृत्तियां; केन्द्र और राज्यों में बहुलीय सरकारें, भारत की राजनीति में दबाव समूह।

13. सरकार तथा वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी व्यवसाय में अन्योन्य क्रिया :

उनके पिछले तथा वर्तमान आपसी सम्बन्ध तथा समाज में परिवर्तनशील भूमिकाएं, विशिष्ट वर्ग; समाज में प्रभावक गुणों, वर्गों तथा स्वयंसेवी संघों की भूमिका।

14. स्थानीय शासन एवं राजनीति :

पंचायत राज तथा नगर शासन संरचना; शक्तियां तथा कार्य।

राजनैतिक यथार्थताएं, 73वें और 74वें संशोधनों का महत्व, पंचायतों में महिलाओं की भूमिका।

15. अधिकारी तंत्र तथा विकास :

उप निवेशोत्तर भारत; स्वतंत्रता पश्चात् के प्रसंग में इसकी परिवर्तनशील भूमिका। अधिकारी तंत्र की जवाबदेही।

16. भारतीय प्रजातंत्र के लिए चुनौतियां :

(क) साम्पदायिकता, क्षेत्रवाद, हिंसा, अपराधीकरण तथा ग्रास्ताचार।

(ख) क्षेत्रीय विषमताएं, पर्यावरणीय अवक्रमण, अशिक्षा, व्यापक निर्धनता, जनसंख्या बढ़ि, जातीय दमन तथा पिछड़े वर्गों में सामाजिक-आर्थिक असमानताएं।

मनोविज्ञान

1. मनोविज्ञान का परिचय :

मनोविज्ञान की अवधारणा एवं परिभाषा। प्रकृति एवं विषय क्षेत्र। मनोविज्ञान की शाखाएं। समाज तथा सामाजिक समस्याओं में मनोविज्ञान का अनुप्रयोग।

2. मनोविज्ञान में प्रणालियां :

मनोवैज्ञानिक अध्ययन की विशेषताएं। प्रेषण। सर्वेक्षण प्रणाली। नैदानिक एवं व्यक्ति अध्ययन प्रणाली। प्रयोगात्मक प्रणाली। प्रणाली का अनुप्रयोग।

3. परिमाणात्मक विश्लेषण :

केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप एवं परिक्षेपण। सहसम्बन्ध। मापन स्तर। विश्वसनीयता और वैधता। परीक्षण रचना में अनुप्रयोग।

4. शरीर क्रिया मनोविज्ञान :

तांत्रिका कोशिका की संरचना, तंत्रिकावेग, तंत्रिका कोष-संधि और तंत्रिका संचारक। केन्द्रीय एवं परिसरीय तंत्रिका तंत्र-संरचना तथा व्यवहार का तंत्रिका नियंत्रण। गोलार्द्ध विशिष्टिकरण। अंतःग्रावी तंत्र एवं व्यवहार का हॉमोनी नियंत्रण। नैदानिक उद्देश्य के लिए गोलार्द्ध ज्ञान का अनुप्रयोग।

5. मानव व्यवहार का विकास :

व्यक्तिगत विभेद : आनुवंशिकता एवं पर्यावरण। जीवन विस्तृत विकास। पूर्व अनुभव की भूमिका एवं विकासात्मक कायों में पारंगति। मानव जीवन वक्र में विकास में संवेदनशील अथवा क्रांतिक अवधि तथा इसका अनुप्रयोग।

6. प्रत्यक्षण :

प्रात्यक्षिक प्रक्रिया। प्रात्यक्षिक संगठन। रूप, वर्ण, गहणता और समय का प्रत्यक्षण। प्रात्यक्षिक तत्परता एवं स्थिरता। अभिप्रेरण की भूमिका, प्रत्यक्षण में सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारक। प्रत्यक्षण के ज्ञान की कुशलता, कुशलता विकास में अनुप्रयोग। जैसे मोटर चालन, हवाई कम्पनी के पायलट, आदि निश्चित नैकरियों के लिए।

7. अधिगम :

क्लासिकी अनुकूलन एवं क्रियाप्रसूत अनुकूलता। प्रतिरूपण एवं प्रेक्षणमूलक अधिगम। अधिगमांतरण। अधिगम और अभिप्रेरण। शिक्षा में शैक्षिक निष्पादन के सुधार हेतु उपरोक्त का अनुप्रयोग।

8. स्मरण :

स्मरण का शारीरिक क्रियात्मक आधार। स्मरण एवं विस्मरण। स्मरण का मापन (पुनः स्मरण, प्रत्याभिज्ञान, उनरधिगम)। अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक स्मरण। विस्मरण के सिद्धांत (क्षय एवं हस्तक्षेप सिद्धांत एवं दमनात्मक विस्मरण) स्मरण-सुधार के लिए स्मरण-युक्तियों का अनुप्रयोग।

9. अभिज्ञान एवं भाषा :

संप्रत्यय निर्माण। चिन्तन की प्रकृति एवं विकास। भाषा एवं विचारधारा तथा भाषा का अर्जन। समस्या समाधान। सर्जनात्मक चिन्तन एवं उसका अनुप्रयोग।

10. बुद्धि एवं अभिक्षता :

परिभाषा एवं संकलपन। बुद्धि के सिद्धांत एवं प्रतिरूप। बुद्धि का मापन एवं अभिक्षमता। असाधारण बुद्धि। मानसिक मंदन। बहु संवेगनात्मक एवं कृतिम बुद्धि और इनका अनुप्रयोग।

11. अभिप्रेरण और संवेग

मूल प्रवृत्ति, आवश्यकता, अंतर्नोद तथा अभिप्रेरक की परिभाषा एवं संकल्पना। अभिप्रेरणा के सिद्धांत एवं उनका अनुप्रयोग अंतर्नोद न्यूनीकरण सिद्धांत, मास्लो का अभिप्रेरणात्मक अधिक्रम। सामाजिक अभिप्रेरण : उपलब्धि, शक्ति, संवंधन अभिप्रेरक तथा पूर्व अनुभवों का प्रभाव। संवेग का शारीरिक क्रियात्मक आधार। संवेग के सिद्धांत जेम्स लैंग एवं कैनन-बोर्ड सिद्धांत, संज्ञानात्मक शरीर क्रियात्मक सिद्धांत।

12. व्यक्तित्व :

व्यक्तित्व की संकल्पनाएं एवं परिभाषा। व्यक्तित्व का अध्ययन (विशेष गुण, जाति एवं संकलनात्मक उपागम)। व्यक्तित्व का विकास (फ्रायड, इरिक्शन, जैविक तथा सामाजिक-सांस्कृतिक कारक) व्यक्तित्व का मापन (प्रक्षेमी परीक्षण, पेन्सिल पेपर परीक्षण) नौकरी के लिए युक्त व्यक्ति के लिए व्यक्तित्व परिच्छेदिका का अनुप्रयोग।

13. समायोजन एवं दबाव :

संकल्पना एवं परिभाषा। समायोजन को प्रभावित करने वाले कारक (कुट्ठा और दुंद)। दबाव के स्रोत एवं दबाव की प्रतिक्रियाएं। दबाव से समायोजन/दबाव प्रबंध प्रविधियों का अनुप्रयोग।

14. सामाजिक व्यवहार :

सामाजिक-सांस्कृतिक कारक तथा व्यवहार/अभिवृत्ति, रुद्धधारणा और पूर्वाग्रह का विकास। अभिवृत्ति का मापन (थर्स्टन, लिकर्ट अभिवृत्ति अभिमापन एवं बोगाडस सामाजिक दूरी अभिमापन)। पूर्वाग्रह कम करने की युक्तियां तथा अभिवृत्ति को परिवर्तित करना। व्यक्ति प्रत्यक्ष, अस्पष्ट व्यक्तित्व सिद्धांत एवं छाप समाकलन छाप प्रबंध के लिए व्यक्ति प्रत्यक्षण का अनुप्रयोग।

15. मनोवैज्ञानिक का अनुप्रयोग :

स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य (योग, ध्यान और तनाव-मुक्ति चिकित्सा)। शिक्षा (कार्यक्रमबद्ध अधिगम, आत्म अनुदेशात्मक अधिगत, अधिगम शैलियां)। समुदाय (समूह संस्कृतशीलता तथा नेतृत्व द्वारा स्वावलंबन)। उद्योग (चयन, भर्ती तथा प्रशिक्षण में निर्धारण केन्द्रित उपागम)। पर्यावरण (मानव-प्रकृति अन्योन्यक्रिया, वैयक्तिक-स्थान संकल्पना, प्रदूषण न्यूनीकरण)। सूचना (प्रौद्योगिकी/व्यावसायिक, शैक्षिक एवं स्वास्थ्य क्षेत्रों में अनुप्रयोग)।

लोक प्रशासन

1. प्रस्तावना :

इसका अर्थ, क्षेत्र तथा महत्व। विषय का विकास तथा स्थिति, तुलनात्मक लोक प्रशासन तथा विकास प्रशासन। सार्वजनिक तथा निजी प्रशासन, राज्य बनाम बाजार चर्चा। नया लोक प्रशासन। नया लोक प्रबंध परिवेक्ष्य।

2. मूल अवधारणा तथा सिद्धांत :

संगठन, धर्मसत्ता, नेतृत्व की एकता, नियंत्रण का विस्तार, प्राधिकार तथा दायित्व, समन्वय, केन्द्रीयकरण और विकेन्द्रीयकरण, प्रत्यायोजन, पर्यवेक्षण, सूत्र और स्टाफ।

3. प्रशासन के सिद्धांत :

वैज्ञानिक प्रबंध—टेलर एवं वैज्ञानिक प्रबंध, आंदोलन, प्राचीन सिद्धांत (फेयोल, उरविक, गुलिक तथा अन्य)। नौकरशाही सिद्धांत—

(वेवर तथा उसके आलोचक)।—मंरो पार्कर फॉले तथा सी आंड बनार्ड के विचार मानव संवंध विद्यालय (एल्टन में तथा अन्य) व्यावहारिक उपागम/प्रणाली उपागम।

4. प्रशासनिक व्यवहार :

एच-साइमन के विशेष संदर्भ में निर्णय लेना—संचार तथा नियंत्रण-नेतृत्व सिद्धांत प्रेरणा के सिद्धांत (मसालों तथा हर्जवर्ग)

5. उत्तरदायित्व तथा नियंत्रण :

उत्तरदायित्व और नियंत्रण की संकल्पनाएं, विधायी, कार्यकारी और न्यायिक नियंत्रण नागरिक तथा प्रशासन, सिविल समाज की भूमिका—जनता की भागीदारी—मूच्छना पाने का अधिकार।

6. प्रशासनिक प्रणालियां :

संयुक्त राज्य अमरीका, ग्रेट ब्रिटेन, फ्रांस तथा जापान की तुलनात्मक प्रशासनिक विशेषताएं।

7. कार्मिक प्रशासन :

विकासशील समाज में सिविल सेवा की भूमिका-स्थिति, वर्गोकरण, भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति, व्रतन तथा सेवा शर्ते-राजनीतिक कार्यपालकों के साथ संवंध—प्रशासनिक नीति शास्त्र।

8. वित्तीय प्रशासन :

बजट अवधारणा तथा स्वरूप बजट तैयार करना तथा उसका निष्पादन/घाटे का वित्त तथा सार्वजनिक ऋण। लेखा तथा लेखा परीक्षा।

9. भारत में केन्द्र सरकार का प्रशासन :

अंग्रेजी विरासत, भारतीय प्रशासन का संविधानिक संवंध, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा मंत्री परिषद्, केन्द्रीय सचिवालय, मंत्रीमण्डल सचिवालय, प्रधानमंत्री का कार्यालय योजना आयोग, वित्त आयोग, चुनाव आयोग-भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक—सार्वजनिक उद्यम : स्वरूप, भूमिका, निष्पादन तथा उदारीकरण का प्रभाव।

10. भारत में सिविल सेवाएं :

अखिल भारतीय और केन्द्रीय सेवाओं की भर्ती, संघ लोक सेवा आयोग, सिविल कर्मचारियों का प्रशिक्षण : सामान्य और विशेषज्ञ। मंत्री तथा सिविल कर्मचारी संवंध।

11. राज्य तथा जिला प्रशासन :

राज्यपाल, मुख्यमंत्री, सचिवालय, मुख्य सचिव, निदेशक, जिलाधीश : परिवर्तनशील भूमिका।

12. स्थानीय सरकार :

पंचायती राज तथा शहरी स्थानीय सरकार-मुख्य विशेषताएं—संरचना—वित्त तथा समस्या प्रस्त क्षेत्र 73वां तथा 74वां संविधान संशोधन।

समाज शास्त्र

इकाई-I : मूल अवधारणा

समाज, समुदाय, संगठन, संस्था । संस्कृति परिवर्तन, प्रसार, सांस्कृति पश्चता, सांस्कृतिक सापेक्षता जातीय केन्द्रीयकता ।

परिसंस्कृतिग्रहण सामाजिक समूह-मुख्य, गैण तथा संदर्भ समूह सामाजिक ढांचा, सामाजिक प्रणाली, सामाजिक कर्म ।

स्थिति तथा भूमिका, भूमिका संबंधी विवाद, भूमिका निर्धारण ।

मानदंड तथा मान्यताएं—अनुरूपता तथा विसामान्यता ।

विधि और रोति-रिवाज ।

सामाजिक-सांस्कृतिक प्रक्रियाएं ।

समाजीकरण, स्वांगीकरण, एकीकरण, सहयोग, प्रतिस्पर्धा, संघर्ष, समझौता ।

सामाजिक दूरी, सापेक्ष वचन ।

इकाई-II : विवाह, परिवार और संगोत्रता :

विवाह : प्रकार और स्वरूप, अनुबंध तथा धार्मिक संस्कार के रूप में विवाह ।

परिवार : प्रकार, कार्य तथा परिवर्तन ।

संगोत्रता : संबंध तथा स्वजनत्व उद्भव, उत्तराधिकार, आवास के नियम ।

इकाई-III : सामाजिक स्तरण :

स्वरूप तथा कार्य, जाति तथा वर्ग, यजमानी प्रथा, शुद्धता एवं अपवित्रता, प्रधान, प्रमुख जाति, संस्कृतिकरण ।

इकाई-IV : समाज के प्रकार :

जनजाति, कृषिक, औद्योगिक तथा औद्योगिकोत्तर ।

इकाई-V : अर्थव्यवस्था और समाज :

मानव, प्रकृति और सामाजिक प्रस्तुति, सरल तथा सम्मिश्र समाजों की आर्थिक प्रणालियां, आर्थिक व्यवहार के आर्थिकतर निर्धारक, बाजार (मुक्त) अर्थव्यवस्था और नियंत्रित (योजनाबद्ध) अर्थव्यवस्था ।

इकाई-VI : औद्योगिक और शहरी समाज :

ग्रामीण-शहरी सांतत्वक, शहरी विकास और शहरीकरण-कस्बा, शहर और महानगर, 'औद्योगिक समाज की मूल विशेषताएं, समाज पर स्वावलंबन के प्रभाव', औद्योगिकरण और पर्यावरण ।

इकाई-VII : सामाजिक जनसंख्याकी :

भारत में जनसंख्या का आकार वृद्धि संघटन तथा वितरण, जनसंख्या वृद्धि के घटक-जन्म, मृत्यु और प्रजनन, जनसंख्या वृद्धि के कारण तथा परिणाम, जनसंख्या और सामाजिक विकास, जनसंख्या नीति ।

इकाई-VIII : राजनीतिक प्रक्रियाएं :

सता, प्राधिकार और वैधता, राजनीतिक समाजीकरण, राजनीतिक आधुनिकीकरण, प्रभावी गुट, जाति और राजनीति ।

इकाई-IX : कमज़ोर वर्ग और अल्पसंख्यक :

सामाजिक न्याय-समान अवसर और विशिष्ट अवसर, संरक्षात्मक विभेदीकरण, संवेधानिक रक्षोपाय ।

इकाई-X : सामाजिक परिवर्तन ।

परिवर्तन के सिद्धांत, परिवर्तन के कारक, विज्ञान, प्रौद्योगिक और परिवर्तन । सामाजिक आंदोलन, कृषक आंदोलन, महिला आंदोलन, पिछड़े वर्गों का आंदोलन, दलित आंदोलन ।

सांख्यिकी

प्रायिकता

यादृच्छिक प्रयोग, प्रतिदर्श समाचिट, घटना, घटनाओं का बीजगणित, असतत् प्रतिदर्श समस्ति पर प्रायिकता, प्रायिकता के मूलभूत प्रमेय और उन पर आधारित सरल उदाहरण, घटना की संप्रतिबंध प्रायिकता, स्वतंत्र घटना, वेज प्रमेय और उसका उपयोग, असतत् और सतत् यादृच्छिक चर और उनका बंटन, प्रत्याशा, आधूर्ण, जनक फलन, दो या अधिक यादृच्छिक-चरों का संयुक्त बंटन, उपतं और सप्रतिबंध बंटन यादृच्छिक चरों की स्वतंत्रता, सह-प्रसरण, सहसंबंध गणांक, यादृच्छिक चरों का बंटन, बर्लूली, ट्रिपद, ज्यामितीय, विपम ट्रिपद, हाईबर ज्यामेट्रिक, प्वासों, बहुपद, समरूप, वीटा, चरघतांकी, गामा, कोशी, प्रसामान्य लागप्रसामान्य, और द्विचर प्रसामान्य बंटन, वास्तविक जीवन की वह परिस्थितियां जहां यह वितरण उचित माडल उपलब्ध कराते हैं, चेबीशेष असमता, वृहत् संख्याओं का दुर्बल नियम और परिमित प्रसारण सहित स्वतंत्र एवं समान रूप से वितरित यादृच्छिक-चरों के लिए केन्द्रीय सीमा प्रमेय और उसके सरल उपयोग ।

सांख्यिकीय विधियां

सांख्यिकीय समस्ति और प्रतिदर्श की संकल्पना और प्रतिदर्श, आंकड़ों के प्ररूप, आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण और संक्षेपण, केन्द्रीय प्रवृत्ति, प्रकीर्णन, वैषम्य और ककुदता के माप, साहचर्य और आसंग माप, सहसंबंध, कोटि सहसंबंध, अंतर्बंग सहसंबंध, सहसंबंध अनुपात, सरल और बहु रेखीय समात्रवण, बहु और आंशिक सहसंबंध (केवल चरों के लिए) वक्र समजन और न्यूनतम वर्ग का सिद्धांत, यादृच्छिक प्रतिदर्श की संकल्पना, प्रचलन और प्रतिदर्श, जेड X² टी और एक प्रतिदर्शज तथा उनके गुणधर्म एवं उपयोग, प्रतिदर्श परिसर एवं माध्यिका के बंटन (केवल सतत् बंटनों के लिए) खंड-वर्जित प्रतिदर्श (केवल संकल्पना और दृष्टांत) ।

सांख्यिकीय अनुमिति

अनमिनतता, संगति, दक्षता, पर्याप्तता, पूर्णता, न्यूनतम प्रसरण अनभिनत आकलन, राव-ब्लैकवैल प्रमेय, लेहमैन-शेके प्रमेय, क्रेसर-राव असमिका और न्यूनतम प्रसरण परिबद्ध आकलक, आधूर्ण; अधिकतम संभाविता, न्यूनतमवर्ग, और न्यूनतम काई-वर्ग आकलन की विधियां; अधिकतम संभावित के गुणधर्म और अन्य आकलन, यादृच्छिक अंतराल की धारणा, मानक वितरण के प्राथलों के लिए विश्वास्यता अंतराल, लघुतम विश्वास्यता अंतराल, वृहत् प्रतिदर्श विश्वस्यता अंतराल ।

सरल और संयुक्त परिकल्पना, दो प्रकार की बूटियां, सार्थकता स्तर, परीक्षण का अभाव एवं शक्ति, अच्छे परीक्षण के वांछित गुणधर्म, शक्ततम् परीक्षण, नेमन-पिअरसन लेना और उसका सरल प्रयोग, समरूप शक्ततम् परीक्षण संभाविता अनुपात परीक्षण और उसके गुणधर्म एवं उपयोग । काई-बर्म परीक्षण, चिन्ह परीक्षण, बाल्ड बोल्कोविटज परम्परा परीक्षण, यादृच्छिक के लिए परंपरा परीक्षण, माध्यिका परम्परा परीक्षण, बिल्कोक्सन परीक्षण और बिल्कोक्स्टन-मान-क्लिटनी परीक्षण ।

बाल्ड का अनुक्रमिक प्रायिकता अनुपात परीक्षण, ओ. सी. और ए. एस. एन. फलन-द्विपद और प्रसामान्य बंटन के लिए ।

हानि फलन, जोखिम फलन, अल्पमहिष्ट और बेज नियम ।

प्रतिचयन सिद्धांत और प्रयोगों की अभिकल्पना

धूर्ण गणन बनाम प्रतिचयन, प्रतिचयन की आवश्यकता, प्रतिचयन की आधारभूत अवधारणाएं, वृहदाकार सर्वेक्षण अभिकल्पना, प्रतिचयन और अप्रतिचयन त्रुटियां, सरल यादृच्छक प्रतिचयन, अच्छे आकलन के गुणधर्म, प्रतिदर्श के अभाव का आकलन, स्तरित यादृच्छक प्रतिचयन क्रमबद्ध प्रतिचयन, गुच्छ प्रतिचयन, सरल और स्तरित यादृच्छक प्रतिचयन के अधीन आकलन की अनुपात और समाश्रवण विधियां, आकलन की अनुपात और समाश्रवण विधियों के लिए ट्रिक प्रतिचयन, समआमाप प्रथम स्तर के एकक सहित द्विस्तर प्रतिचयन ।

एकल, द्विधा, और श्रिधा वर्गीकरणों में प्रतिकोष्ठिका प्रेक्षणों की समसंख्या के साथ प्रसरण विश्लेषण, एकल और द्विधा वर्गीकरणों में सहचर का विश्लेषण, प्रयोगात्मक अभिकल्पना के मूलभूत सिद्धांत, पूर्णरूप से यादृच्छक अभिकल्पना, यादृच्छककृत खंडक अभिकल्पना, लेटिन वर्ग अभिकल्पना, अप्राप्त क्षेत्रक प्रविधि, 2²-बहुउपादानी अभिकल्पना, पूर्ण और आंशिक संकरण, 3²-बहुउपादानी प्रयोग, विभक्त क्षेत्रक अभिकल्पना और संतुलित असंपूर्ण खण्ड अभिकल्पना ।

प्राणि विज्ञान

1. कोशिका संरचना तथा कार्य :

- (क) प्रोकैरियोट तथा यूकैरियोट :
- (ख) प्राणी कोशिका की संरचना, कोशिका अंगकों की संरचना तथा उनके कार्य ।
- (ग) कोशिका-चक्र सूत्री विभाजन, अर्थसूत्री विभाजन ।
- (घ) केन्द्रीय डिल्ली सहित केन्द्रक की संरचना एवं अंतर्वस्तु गुणसूत्रों की संरचना तथा जीन, अनुवंशिक संधटकों का रसायन ।
- (ड) मेंडल के वंशागति के नियम, सहलानता तथा अनुवंशिक पुनर्योजन; को कोशिकाद्रव्यीय वंशागति ।
- (च) जीन के कार्य : प्रतिकृति, अनुलेखन तथा अनुवाद : उत्परिवर्तन (स्वतः जाट तथा कृत्रिम) पुनर्योजनी डी एन ए सिद्धांत तथा अनुप्रयोग ।
- (छ) इासोफिला तथा मनुष्य में लिंग निर्धारण, मनुष्य में लिंग सहलगता ।

II. वर्गीकरण :

- (क) निम्नलिखित फाइलमों के सामान्य लक्षणों तथा विकासीय सम्बन्धों को देते हुए अर्जन्जुकियों (उपवर्गों तक) तथा रज्जुकियों (गणों तक) का वर्गीकरण, प्रैटोजोआ, पोरीफेरा, सिलेन्ट्रोटा, प्लेटिहेलिमन्थीस, नेमेट्हेलिमथीस ऐनेलिडा, आर्थोपीडा, मोलस्का, एकिनोडरमाटा, लघुफाइलम (ग्रायोजोआ, फोरेनिडा तथा कीटोनेथा) तथा हेमिकोरडाटा ।
- (ख) निम्नलिखित प्रारूपों की संरचना, जनन तथा जीवन वृत्त : अमीबा, मोनास्टिमस, प्लाजमिडियन, पैरामीसियम, साइकॉन, हाइड्रा, ओबीलिया, फैसिओला, टीनिया, ऐसक्वेरिस, नीएंथीस, फेरेटिमा, हिस्डिनिया, पैलिमान, बूथस, पैरिल्सैनेटा, ऐलिडेन्स लैमेलिडेस पाइला, ऐस्टीरिअस तथा बैलेग्लोसस ।

- (ग) निम्नलिखित रज्जुकियों को (गणों तक) उनके सामान्य लक्षणों तथा विकासीय सम्बन्धों का देते हुए वर्गीकरण । प्रोटोकरडाटाज, एनैथा, नेथोस्टोमाटा-पाइसीज, ऐप्फीबिया, ऐस्टीलिया, एविज तथा मैरेलिया ।
- (घ) प्रारूपी प्राणियों (स्कोलियोडान, राना कैलोटीज, कोलम्बा तथा ओरिक्टोलैग्स) पर आधारित निम्नलिखित का तुलनात्मक प्रकार्यात्मक शरीर : अध्यावरण तथा इसके व्युत्पाद, अंतः कंकाल, पाचन तंत्र, श्वसन तंत्र, हृदय तथा महाधमनी चापों सहित परिसंचारी तंत्र, मूत्रजनन तंत्र, मस्तिष्क तथा ज्ञानेन्द्रियां (आंख तथा कान), अंतःस्रावी ग्रंथियां तथा अन्य हार्मोन उत्पन्न करने वाली संरचनाएं (पीयूष ग्रंथि, अवटु ग्रंथि, पावटु ग्रंथि, अधिवृक्क ग्रंथि, अग्न्याशय, जनन ग्रंथि) उनका कार्य ।

III. कशोरूकी कार्यकी तथा जीव रसायन :

- (क) जीव द्रव्य की रसायनिक संरचना, एन्जाइमों की प्रकृति तथा कार्य, विटामिन, उनके स्रोत तथा भूमिका कोलॉइडा तथा हाइड्रोजन आयन सांदर्भ; जैव आक्सीकरण, इलेक्ट्रान अभिगमन तथा ए टी पी की भूमिका, ऊर्जा-विज्ञान, ग्लाइकोलिसस, सिट्रिक अम्ल चक्र, कशोरूकी हार्मोन : उनके प्रकार, स्रोत तथा कार्य; फोरेमोन तथा उनकी भूमिका ।
- (ख) न्यूरॉन तथा तंत्रिका आवेग-अंतर्गत तथा चालन तथा संरचना ।

न्यूरोट्रांसमीटरों तथा एसीटिल कॉलिनएस्ट्रोज किया सहित उनकी भूमिका ।

- (ग) होमियोस्टेसिस; परासरणनियनमन; सक्रिय अभिगमन तथा आयन पम्प ।
- (घ) कोबोहाइटों; वसाओं; लिपिडों तथा प्रोटिनों की संरचना; स्टरोइड

IV. धूर्ण-विज्ञान :

- (क) गेमिटोजेनेसिस निपेचन, विदालन; मेंढक तथा चूजे में गैस्टुलेशन
- (ख) मेंढक में कायांतरण तथा एसोडियन में प्रतिगामी कायांतरण; चूजे तथा स्तनधारियों में धूर्ण ग्राह्य कलाएं; स्तनधारियों में अपरान्यास जातिआवर्तन नियम ।

V. विकास :

- (क) जीवन का उद्भव; विकास के सिद्धांत मत तथा प्रमाण; जाति अवधारण ।
- (ख) प्राणि-भौगोलिक परिमंडल, द्वीपीय-प्राणिजात; भू-वैज्ञानिक महाकल्प ।
- (ग) मानव का विकास; मानव का विकास-स्तर ।

VI. पारिस्थितिकी, वन्य जीवन तथा व्यवहारिकी :

- (क) जैव तथा अजैव कारक : पारितंत्र, खाद्य श्रृंखला तथा ऊर्जा प्रवाह की अवधारणा; जलीय, स्थलीय तथा वायव्रीय प्राणिजात का अनुकूलन; अंतःजातीय तथा अंतरजातीय प्राणी सम्बंध; पर्यावरणीय प्रदूषण: प्रकार, स्रोत, कारण, नियंत्रण तथा सेक्षण ।
- (ख) भारत का वन्य जीवन; भारत की संकटापन प्रजातियां; भारत के अध्यारण्य तथा राष्ट्रीय उद्यान ।

(ग) जैविक लयबद्धता ।

7. आर्थिक प्राणी-विज्ञान :

- (क) मानव रोगों के कीटवाहकों सहित लाभप्रद तथा हानिकारक कीट ।
- (ख) भारत की औद्योगिक मछलियां, झींगा तथा मौलस्क ।
- (ग) भारत के विष्वीन तथा विषैले सर्प ।
- (घ) विषैले प्राणी-कानखजूरा, बर्र, मधुमक्खी ।
- (ङ) मानव में विष्वीन/गुणसूत्रों/जीनों के कारण होने वाले रोग; आनुवंशिक परामर्श; विधि अन्वेषण के साधन के रूप में डी.एन.ए ।

भाग-ख

प्रधान परीक्षा

प्रधान परीक्षा का उद्देश्य उम्मीदवारों की जानकारी और स्मरण शक्ति का परीक्षण करना ही नहीं बल्कि उनकी समग्र बौद्धिक प्रतिभा और अव्योधन क्षमता को अंकना है ।

वैकल्पिक विषयों के प्रश्न-पत्रों में प्रश्नों की कुल संख्या आठ होगी । सभी प्रश्नों के अंक बराबर होंगे । प्रत्येक प्रश्न-पत्र के दो भाग होंगे अर्थात् भाग (क) और भाग (ख), प्रत्येक भाग में चार प्रश्न होंगे । आठ प्रश्नों में से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक भाग में एक प्रश्न अनिवार्य होगा । प्रत्येक भाग से कम से कम एक-एक प्रश्न लेते हुए उम्मीदवारों को शेष छह प्रश्नों से तीन और प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । इस प्रकार प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे अर्थात् एक अनिवार्य प्रश्न तथा एक अन्य प्रश्न ।

इस परीक्षा के वैकल्पिक विषयों के प्रश्न-पत्र लगभग ऑनर्स डिप्री स्तर के होंगे अर्थात् वैचलर डिप्री से कुछ अधिक और मास्टर डिप्री से कुछ कम । इंजीनियरी, चिकित्सा विज्ञान और विधि के मामले में यह स्तर वैचलर डिप्री का होगा ।

अनिवार्य विषय

अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाएं

इन प्रश्न-पत्रों का उद्देश्य अंग्रेजी सम्बन्धित भारतीय भाषा में अपने विचारों को स्पष्ट तथा सही रूप में प्रकट करना तथा गंभीर तर्क पूर्ण पत्र को पढ़ने और समझने में उम्मीदवार की योग्यता की परीक्षा करना है ।

प्रश्न-पत्रों का स्वरूप आमतौर पर निम्न प्रकार का होगा :-

अंग्रेजी

- (1) दिए गए गद्यांशों को समझना ।
- (2) संक्षेपण ।
- (3) शब्द प्रयोग तथा शब्द भंडार ।
- (4) लघु निबंध ।

भारतीय भाषाएं

- (1) दिए गए गद्यांशों को समझना ।
- (2) संक्षेपण ।

(3) शब्द प्रयोग तथा शब्द भंडार ।

(4) लघु निबंध ।

(5) अंग्रेजी से भारतीय भाषा तथा भारतीय भाषा से अंग्रेजी में अनुवाद ।

टिप्पणी 1 : भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के प्रश्न-पत्र मैट्रिकुलेशन या समकक्ष स्तर के होंगे जिनमें केवल अहंताएं प्राप्त करनी हैं ।

इन प्रश्न-पत्रों में प्राप्तांक योग्यता क्रम के निर्धारण में नहीं गिने जाएंगे ।

टिप्पणी 2 : अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं में प्रश्न-पत्रों के उत्तर उम्मीदवारों को अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं में (अनुवाद प्रश्नों को छोड़कर) देने होंगे ।

निबंध

उम्मीदवारों को किसी एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा । विषयों के सम्बन्ध में विकल्प दिया जाएगा । उनसे यह अपेक्षा की जाएगी कि वे अपने विचारों का क्रमबद्ध करते हुए निबंध के विषय से निकटता बनाए रखें और अपनी बात संक्षेप में लिखें । प्रभावशाली व स्टीक अभिव्यक्तियों के लिए श्रेय दिया जाएगा ।

सामान्य-अध्ययन

सामान्य मार्ग-निर्देश

इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों का स्वरूप और स्तर इस प्रकार का होगा कि कोई सुशिक्षित व्यक्ति बिना कोई विशेष अध्ययन किए इनके उत्तर दे सकेगा । प्रश्न इस प्रकार के होंगे कि इनसे विभिन्न विषयों के बारे में अध्यर्थों की सामान्य जागरूकता की परीक्षा होगी, जिसकी सिविल सेवाओं में वृत्ति से प्रासंगिकता रहेगी । इन प्रश्नों से अध्यर्थों की ऐसे सभी मुद्रों की आधारभूत समझ की तथा द्वन्द्युक्त सामाजिक आर्थिक लक्ष्यों, उद्देश्यों और मार्गों के विश्लेषण की तथा उन पर सय कायम करने की योग्यता की परीक्षा हो सकेगी । अध्यर्थों को प्रासंगिक, अर्थपूर्ण और सारगमित उत्तर देने होंगे ।

प्रश्न-पत्र-1

1. आधुनिक भारत का इतिहास एवं भारतीय संस्कृति

आधुनिक भारत के इतिहास के अंतर्गत उनीसवीं शताब्दी के लगभग मध्य से देश का इतिहास होगा एवं इसमें स्वतंत्रता आंदोलन तथा सामाजिक सुधारों का रूप देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्तियों के सम्बन्ध में भी प्रश्न पूछे जाएंगे । भारतीय संस्कृति से सम्बन्धित भाग के अंतर्गत प्राचीन काल से आधुनिक काल तक भारतीय संस्कृति के सभी पहलू होंगे साथ ही साहित्य, कला और स्थापत्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रश्न पूछे जाएंगे ।

2. भारत का भूगोल

इस भाग में भारत के भौतिक, आर्थिक और सामाजिक भूगोल के सम्बन्ध में प्रश्न होंगे ।

3. भारत का संविधान एवं भारतीय राज्य व्यवस्था

इस भाग के अंतर्गत भारत का संविधान तथा साथ ही सांविधिक, विधिक, प्रशासनिक एवं देश में प्रचलित राजनीतिक-प्रशासनिक व्यवस्था से उभरने वाले अन्य मुद्रे होंगे ।

4. समसामयिक राष्ट्रीय मुद्रे एवं सामाजिक प्रासंगिकता से सम्बन्धित विषय

इस भाग का अभिप्राय अभ्यर्थी की समसामयिक राष्ट्रीय मुद्रों एवं वर्तमान भारत के सामाजिक प्रासंगिकता के विषयों के प्रति, जैसे कि नीचे दिए जा रहे हैं, जागरूकता की परीक्षा करना है :

- भारतीय अर्थव्यवस्था, एवं योजना, संसाधनों के जुटाव, संबृद्धि, विकास तथा रोजगार से सम्बन्धित मुद्रे ।
- विकास के लाभों से व्यापक वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक बहिष्करण से उभरने वाले मुद्रे ।
- मानव संसाधन के विकास एवं प्रबंध से सम्बन्धित अन्य मुद्रे ।
- स्वास्थ्य के मुद्रे जिसमें कि लोक स्वास्थ्य प्रबंध, स्वास्थ्य शिक्षा एवं स्वास्थ्य की देखभाल से सम्बन्धित नैतिक सरोकार, चिकित्सकीय अनुसंधान तथा भेषज निर्माण शामिल है ।
- विधि प्रवर्तन, आंतरिक सुरक्षा तथा संबंधित मुद्रे जैसे कि सामुदायिक सामंजस्य का परिक्षण ।
- मानवाधिकारों के अनुरक्षण एवं लोकजीवन में सत्यनिष्ठा समेत सुशासन एवं नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व से संबंधित मुद्रे ।
- पर्यावरण से जुड़े मुद्रे, पारिस्थितिक परिक्षण, प्राकृतिक संसाधनों एवं राष्ट्रीय विरासत का संरक्षण ।

प्रश्न-पत्र-2

1. भारत और विश्व

इस भाग में ऐसे प्रश्न होंगे जिनसे विभिन्न क्षेत्रों में, जैसे कि नीचे दिए जा रहे हैं; भारत-विश्व संबंध के प्रति अभ्यर्थी की जागरूकता की परीक्षा होगी :

भारत के पड़ोसी देशों के साथ और क्षेत्रों में संबंधों पर विशेष अल देते हुए विदेशी मामले ।
सुरक्षा एवं रक्षा संबंधी मामले ।
नाभिकीय नीति, मुद्रे एवं छन्द ।

विदेशों में भारतवांशी (भारतीय डायस्पोरा) और इसका भारत तथा विश्व को योगदान ।

2. भारत की विश्व के साथ पारस्परिक आर्थिक क्रिया

इस भाग में आर्थिक एवं व्यापार के मुद्रों पर जैसे कि, विदेशी व्यापार, विदेशी निवेश; तेल, गैस एवं ऊर्जा प्रवाह से संबंधित आर्थिक एवं राजनय के मुद्रों पर; भारत के अन्य देशों एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ पारस्परिक आर्थिक क्रिया को प्रभावित करने वाले अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन, WIPO आदि पर प्रश्न होंगे ।

3. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी एवं अंतरिक्ष के क्षेत्रों में विकास

इस भाग में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष के क्षेत्रों में हुए विकास एवं कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनोटेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी तथा बौद्धिक सम्पदा अधिकारों से संबंधित मुद्रों की बुनियादी धारणा के प्रति अभ्यर्थी की जागरूकता की परीक्षा के लिए प्रश्न होंगे ।

4. अंतर्राष्ट्रीय मामले एवं संस्थाएं

इस भाग में वैश्विक मामलों की महत्वपूर्ण घटनाओं तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के विषय में प्रश्न होंगे ।

5. सांख्यिकीय विश्लेषण, आलेख एवं रेखा चित्र

इस भाग से अभ्यर्थी सांख्यिकीय, आलेखों एवं रेखा चित्रों के रूप में प्रस्तुत सूचना से निष्कर्ष निकालने और उनका निर्वचन करने की योग्यता की परीक्षा की जाएगी ।

कृषि विज्ञान

प्रश्न-पत्र-1

पारिस्थितिकी एवं मानव के लिए उसकी प्रासंगिकता, प्राकृतिक संसाधन, उनके अनुरक्षण का प्रबंध तथा संरक्षण । सस्य वितरण एवं उत्पादन के कारकों के रूप में भौतिक एवं सामाजिक पर्यावरण । कृषि पारिस्थितिकी, पर्यावरण के संकेतक के रूप में सस्य क्रम । पर्यावरण प्रदूषण एवं फसलों को होने वाले इससे संबंधित खतरे । पशु एवं मान । जलवायु परिवर्तन-अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय एवं भूमंडलीय पहल । ग्रीन हाऊस प्रभाव एवं भूमंडलीय तापन । पारितंत्र विश्लेषण के प्रगत उपकरण-सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणालियाँ ।

देश के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में सस्य क्रम । सस्य क्रम में विस्थापन पर अधिक पैदावार वाली तथा अल्पावधि किस्मों का प्रभाव । विभिन्न सस्यन एवं कृषि प्रणालियों की संकल्पनाएँ । जैव एवं परिशुद्धता कृषि । महत्वपूर्ण अनाज, दलहन, तिलहन, रेशा, शर्करा, वाणिज्यिक एवं चारा फसलों के उत्पादन हेतु पैकेज रीतियाँ ।

विभिन्न प्रकार के वन रोपण जैसे कि सामाजिक वानिकी, कृषि वानिकी एवं प्राकृतिक वनों की मुख्य विशेषताएं तथा विस्तार । वन पादपों का प्रसार । बनोत्पाद । कृषि वानिकी एवं मूल्य परिवर्धन । वनों की वनस्पतियों और जंतुओं का संरक्षण ।

खरपतवार, उनकी विशेषताएं, प्रकोणन तथा विभिन्न फसलों के साथ उनकी संबद्धता; उनका गुणन; खरपतवारों का संबंधी, जैव तथा रासायनिक नियंत्रण ।

मृदा-भौतिकी, रासायनिक तथा जैविक गुणधर्म । मृदा रचना के प्रक्रम तथा कारक । भारत की मृदाएँ । मृदाओं के खनिज तथा कार्बनिक संघटक तथा मृदा उत्पादकता अनुरक्षण में उनकी भूमिका । पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व तथा मृदाओं और पादपों के अन्य लाभकर तत्व । मृदा उर्वरता, मृदा परीक्षण एवं उर्वरक संस्तावना के सिद्धांत । समाकलित पोषकतत्व प्रबंध । जैव उर्वरक । मृदा में नाइट्रोजन की हानि, जलमान धान-मृदा में नाइट्रोजन उपयोग क्षमता । मृदा में नाइट्रोजन योगिकीकरण । फास्फोरस एवं पोटेशियम का दक्ष उपयोग । समस्याजनक मृदाएँ तथा उनका सुधार । ग्रीन हाऊस गैस उत्सर्जन को प्रभावित करने वाले मृदा कारक । मृदा संरक्षण, समाकलित जल-विभाजन प्रबंधन । मृदा अपरदन एवं इसका प्रबंधन । वर्षाधीन कृषि और इसकी समस्याएँ । वर्षा पोषित कृषि क्षेत्रों में कृषि उत्पादन में स्थिरता लाने की प्रौद्योगिकी ।

सस्य उत्पादन से संबंधित जल उपयोग क्षमता, सिंचाई कार्यक्रम के मानदंड, सिंचाई जल की अपवाह हानि को कम करने की विधियाँ तथा साधन । डिप तथा छिकाव द्वारा सिंचाई । जलाकांत मृदाओं से जलनिकास,

सिंचाई जल की गुणवत्ता, मृदा तथा जल प्रदूषण पर औद्योगिक बहिस्मावों का प्रभाव । भारत में सिंचाई परियोजनाएँ ।

फार्म प्रबंधन, विस्तार, महत्व तथा विशेषज्ञाएँ, फार्म आयोजना । संसाधनों का इस्टम उपयोग तथा बजटन । विभिन्न प्रकार की कृषि प्रणालियों का अर्थशास्त्र । विषयन प्रबंधन-विकास की कार्यनीतियाँ, बाजार आसूचना । कीमत में उतार-चढ़ाव एवं उनकी लागत; कृषि अर्थव्यवस्था में सहकारी संस्थाओं की भूमिका; कृषि के प्रकार तथा प्रणालियाँ और उनको प्रभावित करने वाले कारक । कृषि कीमत नीति। फसल बीमा ।

कृषि विस्तार, इसका महत्व और भूमिका, कृषि विस्तार कार्यक्रमों के मूल्यांकन की विधियाँ, सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण तथा छोटे-बड़े और सीमांत कृषकों व भूमिहीन कृषि श्रमिकों की स्थिति । विस्तार कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम । कृषि प्रौद्योगिकी के प्रसार में कृषि विज्ञान केन्द्रों की भूमिका । गैर-सरकारी संगठन तथा ग्रामीण विकास के लिए स्व-सहायता उपागम ।

प्रश्न-पत्र-2

कोशिका संरचना, प्रकार्य एवं कोशिका चक्र । आनुवंशिक उत्पादन का संश्लेषण, संरचना तथा प्रकार्य । आनुवंशिकता के नियम । गुणवत्ता संरचना, गुणसूत्र, विपथन, सहलानन्ता एवं जीन-विनियम एवं पुनर्योजन प्रजनन में उनकी सार्थकता । बहुगुणिता, सुगुणित तथा असुगुणित । उत्परिवर्तन एवं सस्य सुधार में उनकी भूमिका । वंशागतित्व, बंध्यता तथा असंयोज्यता, वर्गीकरण तथा सस्य सुधार में उनका अनुप्रयोग । कोशिका द्रव्यी वंशागति, लिंग सहलान, लिंग प्रभावित तथा लिंग सीमित लक्षण ।

पादप प्रजनन का इतिहास । जनन की विधियाँ, स्वनियेचन तथा संस्करण प्रविधियाँ । सस्य पादपों का उद्गम, विकास एवं उपजाया जाना, उद्गम केन्द्र, समजात श्रेणी का नियम, सस्य आनुवंशिक संसाधन-संरक्षण तथा उत्पादन । बीज प्रजनन के सिद्धांतों का अनुप्रयोग, सस्य पादपों का सुधार । आण्विक सूचक एवं पादप सुधार में उनका अनुप्रयोग । शुद्ध वंशक्रम वरम, वंशावली, समूह तथा पुनरावर्ती वरण, संयोजी क्षमता, पादप प्रजनन में इसका महत्व । संकर ओज एवं उसका उपयोग । कार्य संकरण । रोग एवं पीड़क प्रतिरोध के लिए प्रजनन । अंतरजातीय तथा अंतरावंशीय संकरण की भूमिका । सस्य सुधार में आनुवंशिक इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका । आनुवंशिकतः रूपांतरित सस्य पादप ।

बीज उत्पादन एवं प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियाँ । बीज प्रमाणन, बीज परीक्षण एवं भंडारण । DNA फिंगरप्रिंटिंग एवं बीज पंजीकरण । बीज उत्पादन एवं विषयन में सरकारी एवं निजी क्षेत्रों की भूमिका । बौद्धिक संपदा अधिकार सम्बन्धी मामले ।

पादप पोषण, पोषक तत्वों के अवशेषण, स्थानान्तरण एवं उपापचय के संदर्भ में पादप कार्यिकी के सिद्धांत । मृदा-जलपादप सम्बन्ध ।

प्रक्रिय एवं पादप-वर्णक; प्रकाशसंश्लेषण-आधुनिक संकल्पनाएँ और इसके प्रक्रम को प्रभावित करने वाले कारक, आकर्षी व अनाकर्षी रूपसन; C_3C_4 एवं CAM क्रियाविधियाँ । कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन एवं वसा उपापचय । वृद्धि एवं परिवर्धन; दीप्तिकालिता एवं वसंतीकरण । पादप वृद्धि उत्पादन एवं सस्य उत्पादन में इनकी भूमिका । बीज परिवर्धन एवं अनुकरण की कार्यिकी; प्रसुति । प्रतिबल कार्यिकी-वातप्रवाह, लवण एवं जल प्रतिबल । प्रमुख फल, बागान फसल, सब्जियाँ, मसाले एवं पुष्पी

फसल । प्रमुख बागवानी फसलों की पैकेज रीतियाँ । संरक्षित कृषि एवं उच्च तकनीकी बागवानी । तुड़ाई के बाद की प्रौद्योगिकी एवं फलों व सब्जियों का मूल्यवर्धन । मूसुदर्शनीकरण एवं वाणिज्यिक पुष्पकृषि । औपश्रीय एवं एरोमेटिक पौधे । मानक पायण में फलों व सब्जियों की भूमिका ।

पीड़िकों एवं फसलों, सब्जियों, फलोंदायानों एवं बागान फसलों के रोगों का निदान एवं उनका आर्थिक महत्व । पीड़िकों एवं रोगों का वर्गीकरण एवं उनका प्रवंधन । भंडारण के पीड़िक और उनका प्रवंधन । पीड़िकों एवं रोगों की जीव वैज्ञानिक रोकथाम । जानपरिदिक रोग विज्ञान एवं प्रमुख फसलों की पीड़िकों व रोगों का पूर्वानुमान । पादप संगगेध उपाय । पीड़िक नाशक, उनका सूत्रण एवं कार्यप्रकार ।

भारत में खाद्य उत्पादन एवं उपभोग की प्रवृत्तियाँ । खाद्य सुरक्षा एवं जनसंख्या वृद्धि-दृष्टि 2020 अन्त अधिशंख के कारण । गारीबी एवं अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीतियाँ, अधिग्राहित, वितरण की वाध्यताएँ ।

खाद्यानों की उपलब्धता, खाद्य पर प्रति व्यक्ति व्यय । गरीबों की प्रवृत्तियाँ, जन वितरण प्रणाली तथा गरीबी रेखा के नीचे की जनसंख्या, लक्ष्यान्मुखी जन वितरण प्रणाली (PDS) भूमंडलीकरण के संदर्भ में नीति कार्यान्वयन । प्रक्रम वाध्यताएँ । खाद्य उत्पादन का गारीबी आहार दिशा-निर्देशों एवं खाद्य उपभोग प्रवृत्ति से सम्बन्ध । क्षुधाशमन के लिए खाद्यधारित आहार उपागम । पोषक तत्वों की न्यूनता-सूक्ष्म पोषक तत्व न्यूनता : प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण या प्रोटीन कैलोरी कुपोषण (PEM) या (PCM), महिलाओं और बच्चों की कार्यक्षमता के संदर्भ में सूक्ष्म पोषक तत्व न्यूनता एवं मानव संसाधन विकास । खाद्यान उत्पादकता एवं खाद्य सुरक्षा ।

पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विज्ञान

प्रश्न-पत्र-1

1. पशु पोषण :

- पशु के अंदर खाद्य ऊर्जा का विभाजन । प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष उपायमिति । कार्बन-नाइट्रोजन संतुलन एवं तुलनात्मक वध विधियाँ । रोमंथी पशुओं, सुअरों एवं कुकुटों में खाद्य का ऊर्जामान व्यक्त करने के सिद्धांत । अनुरक्षण, वृद्धि, सार्वता, स्तन्य स्राव तथा अंडा, ऊन एवं मांस उत्पादन के लिए ऊर्जा आवश्यकताएँ ।
- प्रोटीन पोषण में नवीनतम प्रगति । ऊर्जा-प्रोटीन सम्बन्ध । प्रोटीन गुणता का मूल्यांकन । रोमंथी आहार में NPN यौगिकों का प्रयोग । अनुरक्षण, वृद्धि, सार्वता, स्तन्य स्राव तथा अंडा, ऊन एवं मांस उत्पादन के लिए प्रोटीन आवश्यकताएँ ।
- प्रमुख एवं लेश खनिज-उनके स्रोत, शरीर क्रियात्मक प्रकार्य एवं हीनता लक्षण । विषेले खनिज । खनिज अंतःक्रियाएँ । शरीर में वसा-घुलनशील तथा जलघुलनशील खनिजों की भूमिका, उनके स्रोत एवं हीनता लक्षण ।
- आहार संयोजी-कीथेन संदर्भ, प्राबायोटिक, एन्जाइम, ऐन्टिबायोटिक, हार्मोन, ओलिगो शर्कराइड, ऐन्टिऑक्सडेंट, पायसीकारक, संच संदर्भ, उभयरोधी, इत्यादि । हार्मोन एवं ऐन्टिबायोटिक्स जैसे वृद्धिवर्धकों का उपयोग एवं दुष्प्रयोग-नवीनतम संकल्पनाएँ ।

1.5 चारा संरक्षण । आहार का भंडारण एवं आहार अवयव । आहार प्रौद्योगिकी एवं आहार प्रसंस्करण में अभिनव प्रगति । पशु आहार में उपस्थित पोषणरोधी एवं विषैले कारक । आहार विश्लेषण एवं गुणता नियंत्रण । पाचनीयता अभिप्रयोग-प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष एवं सूचक विधियां । चारण पशुओं में आहार ग्रहण प्रागूक्ति ।

1.6 रोमंथी पोषण में हुई प्रगति । पोषक तत्व आवश्यकताएं । संतुलित राशन । बछड़ों, सार्पों, कामकाजी पशुओं एवं प्रजनन सांडों का आहार । दुधारू पशुओं को स्तन्यसाव चक्र की विभिन्न अवस्थाओं के दौरान आहार देने की युक्तियां । दुध संयोजन आहार का प्रभाव । मांस एवं दुध उत्पादन के लिए बकरी/बकरे का आहार । मांस एवं ऊन उत्पादन के लिए भेड़ का आहार ।

1.7 शूकर पोषण । पोषक आवश्यकताएं । विसर्पी, प्रवर्तक, विकासन एवं परिष्कारण राशन । बेचरबी मांस उत्पादन हेतु शूकर-आहार । शूकर के लिए कम लागत के राशन ।

1.8 कुकुट पोषण । कुकुट पोषण के विशिष्ट लक्षण । मांस एवं अंडा उत्पादन हेतु पोषक आवश्यकताएं । अंडे देने वालों एवं ब्लौलरों की विभिन्न श्रेणियों के लिए राशन संरूपण ।

2. पशु शरीर क्रिया विज्ञान :

2.1 रक्त की कार्यिकी एवं इसका परिसंचरण, श्वसन; उत्सर्जन । स्वास्थ्य एवं रोगों में अंतःस्रावी ग्रंथि ।

2.2 रक्त के घटक-गुणधर्म एवं प्रकार्य-रक्त कोशिका रचना-हीमोग्लोबिन संश्लेषण एवं रसायनकी-प्लाज्मा प्रोटीन उत्पादन, वर्गीकरण एवं गुणधर्म, रक्त का स्कंदन; रक्त स्रावी विकार-प्रतिस्कंदक-रक्त समूह-रक्त मात्रा-प्लाज्मा विस्तारक-रक्त में उभयरोधी प्रणाली । जैव रासायनिक परीक्षण एवं रोग-निदान में उनका महत्व ।

2.3 परिसंचरण-हृदय की कार्यिकी, अभिहृदय चक्र, हृदध्वनि, हृदस्पन्द, इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम । हृदय का कार्य और दक्षता-हृदय प्रकार्य में आयनों का प्रभाव-अभिहृद पेशी का उपापचय, हृदय का तंत्रिका-नियमन एवं रासायनिक नियम, हृदय पर ताप एवं तनाब का प्रभाव, रक्त दाब एवं अतिरिक्त दाब, परासरण नियमन, धमनी स्पन्द, परिसंचरण का वाहिका प्रेरक नियमन, स्तब्धता । हृद एवं फुप्फुस परिसंचरण, रक्त मस्तिष्क रोध-मस्तिष्क तरल-पक्षियों में परिसंचरण ।

2.4 श्वसन-श्वसन क्रिया विधि, गैसों का परिवहन एवं विनियम-श्वसन का तंत्रिका नियंत्रण, रसोग्लाही, अल्पआक्सीयता, पक्षियों में श्वसन ।

2.5 उत्सर्जन-बृक्क की संरचना एवं प्रकार्य-मूत्र निर्माण-बृक्क प्रकार्य अध्ययन विधियां-बृक्कीय-अम्ल-क्षार संतुलन नियमन : मूत्र के शरीरक्रियात्मक घटक-बृक्क पात-निश्चेष्ट शिरा रक्ताधि व्य-चूजों में मूत्र स्रवण-स्वेदग्रंथियां एवं उनके प्रकार्य । मूत्रीय दुष्क्रिया के लिए जैवरसायनिक परीक्षण ।

2.6 अंतः स्रावी ग्रंथियां-प्रकार्यात्मक दुष्क्रिया उनके लक्षण एवं निदान । हार्मोनों का संश्लेषण, स्रवण की क्रियाविधि एवं

नियंत्रण-हार्मोनीय-ग्राही-वर्गीकरण एवं प्रकार्य ।

2.7 वृद्धि एवं पशु उत्पादन-प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात् वृद्धि, परिपक्वता, वृद्धिवक्त, वृद्धि के माप, वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक, कन्फार्मेशन, शारीरिक गठन, मांस गुणता ।

2.8 दुध उत्पाद की कार्यिकी/जनन एवं पाचन-स्तन विकास के हार्मोनीय नियंत्रण की वर्तमान स्थिति, दुध स्त्रवन एवं दुध निष्कासन, नर एवं मादा जनन अंग, उनके अवयव एवं प्रकार्य । पाचन अंग एवं उनके प्रकार्य ।

2.9 पर्यावरण कार्यिकी-शरीर क्रियात्मक सम्बन्ध एवं उनका नियमन, अनुकूलन की क्रिया विधि, पशु व्यवहार में शामिल पर्यावरणीय कारक एवं नियात्मक क्रियाविधियां, जलवायु विज्ञान-विभिन्न प्राचल एवं उनका महत्व । पशु परिस्थितिकी । व्यवहार की कार्यिकी । स्वास्थ्य एवं उत्पादन पर तनाव का प्रभाव ।

3. पशु जनन :

बीर्य गुणता संरक्षण एवं कृत्रिम बीर्यरोचन-बीर्य के घटक, स्पर्मेटाजोआ की रचना, स्थिरता बीर्य का भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्म, जीवे एवं पात्रे बीर्य को प्रभावित करने वाले कारक । बीर्य उत्पादन एवं गुणता को प्रभावित करने वाले कारक । संरक्षण, तनुकारकों की रचना, शुक्राण संक्रेषण, तनुकृत बीर्य का परिवहन । गायों, भेड़ों, बकरों, शूकरों एवं कुकुटों में गहन प्रशीतन क्रिया-विधियां । स्त्रीमद की पहचान तथा बेहतर गर्भाधान हेतु बीर्यसेचन का समय । अमद अवस्था एवं पुनरावर्ती प्रजनन ।

4. पशुधन उत्पादन एवं प्रबंध :

4.1 वाणिज्यिक डेरी फार्मिंग-उन्नत देशों के साथ भारत की डेरी फार्मिंग की तुलना । मिश्रित कृषि के अधीन एवं विशिष्ट कृषि के रूप में डेरी उद्योग । आर्थिक डेरी फार्मिंग । डेरी फार्म शुरू करना, पूंजी एवं भूमि आवश्यकताएं, डेरी फार्म का संगठन । डेरी फार्मिंग में अवसर, डेरी पशु की दक्षता को निर्धारित करने वाले कारक । यूथ अभिलांबन, ब्रजटन, दुध उत्पादन की लागत, कीमत निर्धारण नीति कार्मिक प्रवंध । डेरी गोपशुओं के लिए व्यावहारिक एवं किफायती राशन विकसित करना; वर्ष भर हरे चारे की पूर्ति, डेरी फार्म हेतु आहार एवं चारे की आवश्यकताएं । छोटे पशुओं एवं सांडों, बछियों एवं प्रजनन पशुओं के लिए आहार प्रवृत्तियां; छोटे एवं व्यस्क पशुधन आहार की नई प्रवृत्तियां, आहार अभिलांबन ।

4.2 वाणिज्यिक मांस, अंडा एवं ऊन उत्पादन-भेड़, बकरी, शूकर, खरगोश, एवं कुकुट के लिए व्यावहारिक एवं किफायती राशन विकसित करना । चारे, हरे चारे की पूर्ति, छोटे एवं परिपक्व पशुधन के लिए आहार प्रवृत्तियां । उत्पादन बढ़ाने एवं प्रबंधन की नई प्रवृत्तियां । पूंजी एवं भूमि आवश्यकताएं एवं सामाजिक आर्थिक संकल्पना ।

4.3 सूखा, बाढ़ एवं अन्य नैसर्गिक आपदाओं से ग्रस्त पशुओं का आहार एवं उनका प्रबंध ।

5. आनुवंशिकी एवं पशु-प्रजनन :

पशु आनुवंशिकी का इतिहास । सूत्री विभाजन एवं अर्धसूत्री विभाजन : मेंडल की वंशागति; मेंडल की आनुवंशिकी से विचलन; जीन की अभिव्यक्ति; सहलानन्ता एवं जीन-विनियमन; लिंग निर्धारण, लिंग प्रभावित एवं लिंग सीमित लक्षण; रक्त समूह एवं बहुरूपता; गुणसूत्र विपथन; कोशिकाद्वय वंशागति । जीन एवं इसकी संरचना; आनुवंशिक पदार्थ के रूप में DNA; आनुवंशिक कूट एवं प्रोटीन संश्लेषण; पुनर्योगज DNA प्रौद्योगिकी । उत्परिवर्तन, उत्परिवर्तन के प्रकार, उत्परिवर्तन एवं उत्परिवर्तन दर को पहचानने की विधियां । पारजनन ।

5.1 पशु प्रजनन पर अनुप्रयुक्त समष्टि आनुवंशिकी-मात्रात्मक और इसकी तुलना में गुणात्मक विशेषक; हार्डी वीनर्बर्ग नियम; समष्टि और इसकी तुलना में व्यष्टि; जीन एवं जीन प्ररूप बारंबारता; जीन बारंबारता को परिवर्तित करने वाले बल; यादृच्छिक अपसरण एवं लघु समष्टियां; पथ गुणांक का सिद्धांत; अंतःप्रजनन, अंतःप्रजनन गुणांक आकलन की विधियां, अंतःप्रजनन प्रणालियां, प्रभावी समष्टि आकार; विभिन्नता संवितरण; जीन प्ररूप X पर्यावरण सहसंबंध एवं जीन प्ररूप X पर्यावरण अंतःक्रिया; बहु मापों की भूमिका; संबंधियों के बीच समरूपता ।

5.2 प्रजनन तंत्र-पशुधन एवं कुक्कुटों की नस्तें । वंशागतित्व, पुनरावर्तीन्यता एवं आनुवंशिक एवं समलक्षणीय सहसंबंध, उनकी आकलन विधि एवं आकलन परिशुद्धि; वरण के साधन एवं उनकी संगत योग्यताएं; व्यष्टि, वंशावली, कुल एवं कुलांतर्गत वरण; संतति, परीक्षण; वरण विधियां; वरण सूचकों की रचना एवं उनका उपयोग; विभिन्न वरण विधियों द्वारा आनुवंशिक लव्यियों का तुलनात्मक मूल्यांकन; अप्रत्यक्ष वरण एवं सहसंबंधित अनुक्रिया; अंतःप्रजनन, बहिःप्रजनन, अपग्रेडिंग, संकरण एवं प्रजनन संश्लेषण; अंतःप्रजनित साइनों का वाणिज्यिक प्रयोजनों हेतु संकरण; सामान्य एवं विशिष्ट संयोजन योग्यता हेतु वरण; देहली लक्षणों के लिए प्रजनन । सायर इंडेक्स ।

6. विस्तार

विस्तार का आधारसूत्र दर्शन, उद्देश्य, संकल्पना एवं सिद्धांत । किसानों को ग्रामीण दशाओं में शिक्षित करने की विभिन्न विधियां । प्रौद्योगिक पीढ़ी, इसका अंतरण एवं प्रतिपुष्टि । प्रौद्योगिकी अंतरण में समस्याएं एवं कठिनाइयां । ग्रामीण विकास हेतु पशुपालन कार्यक्रम ।

प्रश्न पत्र-2

1. शरीर रचना विज्ञान, भेषज गुण विज्ञान एवं स्वास्थ्य विज्ञान :

1.1 ऊतक विज्ञान एवं उत्तरीय तकनीक : ऊतक प्रक्रमण एवं H.E. अधिरंजन की पैराफीन अंतःस्थापित तकनीक-

हिमीकरण माइक्रोटीमी-सूक्ष्मदर्शिकी-दीप्ति क्षेत्र सूक्ष्मदर्शी एवं इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी । कोशिका की कोशिकाविज्ञान संरचना, कोशिकांग एवं अंतर्वेशन; कोशिका विभाजन-कोशिका प्रकार-ऊतक एवं उनका वर्गीकरण- भूमीय एवं व्यास्तक ऊतक-आंगों का तुलनात्मक ऊतक विज्ञान-संवहनी । तंत्रिका, पाचन, श्वसन, पेशी कंकाली एवं जननमूत्र तंत्र-अंतःस्नावी ग्रंथियां अध्यावरण-संवेदी अंग।

1.2 भ्रूण विज्ञान-पक्षिवर्ग एवं घरेलू स्तनपायियों के विशेष संबंध के साथ कशेरुकियों का भ्रूण विज्ञान-युग्मक जनन-निषेचन-जनन स्तर-गर्भ झिल्ली एवं अपरान्यास-घरेलू स्तनपायियों में अपरा के प्रकार-विरूपताविज्ञान-यमल एवं यमलन-अंगविकास-जनन स्तर व्युत्पन्न-अंतर्वर्ती, मध्यर्चमी एवं बहिर्वर्ती व्युत्पन्न ।

1.3 गो-शारीरिक-क्षेत्रीय शारीरिक : वृषभ के पैरानासीय कोटर-लार्यग्रंथियों की बहिस्तल शारीरिकी । अवनेक्रोटर, जंभिका, चिबुक-कूषिका-मानसिक एवं शूंगी तंत्रिका रोध की क्षेत्रीय शारीरिकी । पराकशेरुक तंत्रिकाओं की क्षेत्रीय शारीरिकी, गुद्ध तंत्रिका, मध्यम तंत्रिका, अंतःप्रकोष्ठिका तंत्रिका एवं बहिःप्रकोष्ठिका तंत्रिका-अंतर्जिधिका बहिर्जिधिका एवं अंगुलि तंत्रिकाएं-कपाल तंत्रिकाएं-अधिदृढ़तानिका संज्ञाहरण में शामिल संरचनाएं-उपरिस्थ लसीका पर्व-वक्षीय, उद्दीय तथा श्रोणीय गुहिका के अंतरांगों की बहिरस्तर शारीरिकी-गतितंत्र की तुलनात्मक विशेषताएं एवं स्तनपायी शरीर की जैवव्यात्रिकी में उनका अनुप्रयोग ।

1.4 कुकुट शारीरिकी-पेशी-कंकाली तंत्र-श्वसन एवं उड़ने के संबंध में प्रकार्यात्मक शारीरिकी, पाचन एवं अंडोत्तादान ।

1.5 भेषज गुण विज्ञान एवं भेषज बलगतिकी के कोशिकीय स्तर । तरलों पर कार्यकारी औषधें एवं विद्युत अपघट्य संतुलन । स्वसंचालित तंत्रिका तंत्र पर कार्यकारी औषधें । संज्ञाहरण की आधुनिक संकलनाएं एवं वियोजी संज्ञाहरण। औटोकॉइड। प्रतिरोगाणु एवं रोगाणु संक्रमण में रसायन चिकित्सा के सिद्धांत । चिकित्साशास्त्र में हामोनों का उपयोग-परजीवी संक्रमणों में रसायन चिकित्सा। पशुओं के खाद्य ऊतकों में औषध एवं आर्थिक सरोकार-अर्बुद रोगों में रसायन चिकित्सा । कीटनाशकों, पौधों, धातुओं, अधातुओं, जंतुविषों एवं कवकविषों के कारण विषालुता ।

1.6 जल, वायु एवं वासस्थान के संबंध के साथ पशु स्वास्थ्य विज्ञान-जल, वायु एवं मृदा प्रदूषण का आकलन-पशु स्वास्थ्य में जलवायु का महत्व-पशु कार्य एवं निष्पादन में पर्यावरण का प्रभाव-पशु कृषि एवं औद्योगीकरण के बीच संबंध-विशेष श्रेणी के घरेलू पशुओं, यथा, सगर्भी गौ एवं शूकरी, दुधारू गाय, ब्रायलर पक्षी के लिए आवास आवश्यकताएं-पशु वासस्थान के संबंध में तनाव, श्रांति एवं उत्पादकता ।

2. पशु रोग :

- 2.1 गोपशु, भेड़ तथा अजा, घोड़ा, शूकर तथा कुकुट के संक्रामक रोगों का रोगकारण, जानपदिक रोग विज्ञान, रोगजनन, लक्षण, मरणोत्तर विक्षिति, निदान एवं नियंत्रण ।
- 2.2 गोपशु, घोड़ा, शूकर एवं कुकुट के उत्पादन रोगों का रोग कारण, जानपदिक रोग विज्ञान, लक्षण, निदान, उपचार ।
- 2.3 घरेलू पशुओं और पक्षियों के हीनता रोग ।
- 2.4 अंतर्घटन, अफरा, प्रवाहिका, अजीर्ण, निर्जलीकरण, आधात, विषाक्तता जैसा अविशिष्ट दशाओं का निदान एवं उपचार ।
- 2.5 तंत्रिका वैज्ञानिक विकारों का निदान एवं उपचार ।
- 2.6 पशुओं के विशिष्ट रोगों के प्रति प्रतिरक्षीकरण के सिद्धांत एवं विधियां यूथ प्रतिरक्षा रोगमुक्त क्षेत्र-“शून्य” रोग संकल्पना रसायन रोग निरोध ।
- 2.7 संज्ञाहरण-स्थातिक क्षेत्रीय एवं सार्वदेहिक-संज्ञाहरण पूर्व औषध प्रदान । अस्थिभंग एवं संधिच्चुति में लक्षण एवं शल्य व्यतिकरण । हर्निया, अवरोध, चतुर्थ आमाशयी विरथापन सिजेरियन शस्त्रकर्म । रोगथिका-छेदन-जननाशन ।
- 2.8 रोग जांच तकनीक-प्रयोगशाला जांच हेतु सामग्री-पशु स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना-रोगमुक्त क्षेत्र ।

3. सार्वजनिक पशु स्वास्थ्य :

- 3.1 पशुजन्य रोग-व्यारोगिकरण, परिभाषा, पशुजन्य रोगों की व्यापकता एवं प्रसार में पशुओं एवं पक्षियों की भूमिका-पेशागत पशुजन्य रोग ।
- 3.2 जानपदिक रोग विज्ञान-सिद्धांत, जानपदिक रोगों विज्ञान संबंधी पदावली की परिभाषा, रोग तथा उनकी रोकथाम के अध्ययन में जानपदिक रोगविज्ञानी उपायों का अनुप्रयोग । वायु, जल तथा खाद्य जनित संक्रमणों के जानपदिक रोगविज्ञानीय लक्षण । OIE विनियम, WTO स्वच्छता एवं पादप-स्वच्छता उपाय ।
- 3.3 पशुचिकित्सा विधिशास्त्र-पशुगुणवता सुधार तथा पशु रोग निवारण के लिए नियम एवं विनियम-पशुजनित एवं पशु उत्पाद जनित रोगों के निवारण हेतु राज्य एवं केन्द्र के नियम-SPCA पशु चिकित्सा-विधिक मामले-प्रमाणपत्र-पशु चिकित्सा विधिक जांच हेतु नमूनों के संग्रहण की सामग्रियां एवं विधियां ।

4. दुध एवं दुधोत्पाद प्रौद्योगिकी :

- 4.1 याजार का दूध : कच्चे दूध की गुणता, परीक्षण एवं कोटि निर्धारण । प्रसंस्करण, परिवेष्टन, भंडारण, वितरण, विपणन, दोष एवं उनकी रोकथाम । निम्नलिखित प्रकार के दूध को बनाना : पाश्चुरीकरण, मानकित, टोन्ड, डबल टोन्ड, निर्जीवाणकृत, समांगीकृत, पुनर्निर्मित पुनर्संयोजित एवं सुवासित दूध । संवर्धित दूध तैयार करना, सर्वधन तथा

उनका प्रबंध, योगर्ट, दही, लस्सी एवं श्रीखंड । सुवासित एवं निर्जीवाणकृत दूध तैयार करना । विधिक मानक । स्वच्छ एवं सुरक्षित दूध तथा दुग्ध संयंत्र उपस्कर हेतु स्वच्छता आवश्यकताएं ।

- 4.2 दुग्ध उत्पाद प्रौद्योगिकी : कच्ची सामग्री का रयन, क्रीम, मक्खन, घी, खोया, छेना, चीज, संघनित, बांगत, शुष्किलत दूध एवं शिशु आहार, आइसक्रीम तथा कुल्फी जैसे दुग्ध उत्पादों का प्रसंस्करण, भंडारण, वितरण एवं विपणन, उपोत्पाद, छेने के पानी के उत्पाद, छाल (बटर मिल्क), लैक्टोज एवं केसीन । दुग्ध उत्पादों का परीक्षण, कोटि-निर्धारण, उन्हें परखना । BIS एवं एगमार्क विनिर्देशन, विधिक मानक, गुणता नियंत्रण दृढ़ पापक गुण । संबेष्टन, प्रसंस्करण एवं संक्रियात्मक नियंत्रण । डंरी उत्पादों का लागत निर्धारण ।

5. मांस स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी :

5.1 मांस स्वास्थ्य विज्ञान

- 5.1.1 खाद्य पशुओं की मृत्यु पूर्व देखभाल एवं पर्याप्त, विसंज्ञा, वध एवं प्रसाधन संक्रिया, वधशाला आवश्यकताएं एवं अधिकाल्प; मांस निरीक्षण प्रक्रियाएं एवं पशुशब्द-मांसखंडों को परखना-पशुशब्द-मांसखंडों का कोटि निर्धारण-पुष्टिकर मांस उत्पादन में पशुचिकित्सकों के कर्तव्य और कार्य ।
- 5.1.2 मांस उत्पादन संभालने की स्वास्थ्यकर विधियां-मांस वा बिंगड़ना एवं इसकी रोकथाम के उपाय-वधोपगत मांस में भौतिक-रासायनिक परिवर्तन एवं इन्हें प्रभावित करने के लिए कारक-गुणता सुधार विधियाँ-मांस में मिलावत एवं डम्पकी पहचान-मांस व्यापार एवं उद्योग में नियामक उपबंध ।

5.2 मांस प्रौद्योगिकी

- 5.2.1 मांस के भौतिक एवं रासायनिक लक्षण-मांस इमलशन-मांसपरीक्षण की विधियाँ-मांस एवं मांस उत्पादन का संसाधन; डिल्बाबंदी, किरणन, संबेष्टन, प्रसंस्करण एवं संयोजन ।
- 5.3 उपोत्पाद-वधशाला उपोत्पाद एवं उनके उपयोग-खाद्य एवं अखाद्य उपोत्पाद-वधशाला उपोत्पाद के समुचित उपयोग के सामाजिक एवं आर्थिक निहितार्थ-खाद्य एवं भैषजिक उपयोग हेतु अंग उत्पाद ।
- 5.4 कुकुट उत्पाद प्रौद्योगिकी-कुकुट मांस के रासायनिक संधटन एवं पोषक मान-वध की देखभाल तथा प्रबंध । वध की तकनीकें, कुकुट मांस एवं उत्पादों का निरीक्षण, परिरक्षण । विधिक एवं BIS मानक । अंडों की संरचना, संधटन एवं पोषक मान । सूक्ष्मजीवी विकृति । परिरक्षण एवं अनुरक्षण । कुकुट मांस, अंडों एवं उत्पादों का विपणन । मूल्य वर्धित मांस उत्पाद ।
- 5.5 खरांगा/फर वाले पशुओं की फार्मिंग-खरगोश मांस उत्पादन । फर एवं उन का निपटान एवं उपयोग तथा अपशिष्ट उपोत्पादों का पुनर्शक्तण । उन का कोटि-निर्धारण ।

नृविज्ञान

प्रश्न-पत्र-1

- 1.1 नृविज्ञान का अर्थ, विषय क्षेत्र एवं विकास ।
- 1.2 अन्य विषयों के साथ संबंध : सामाजिक विज्ञान, व्यवहारप्रक विज्ञान, जीव विज्ञान, आयुर्विज्ञान, भू-विषयक विज्ञान एवं मानविकी ।
- 1.3 नृविज्ञान की प्रमुख शाखाएं, उनका क्षेत्र तथा प्रासंगिकता :
 - (क) सामाजिक-सांस्कृतिक नृविज्ञान ।
 - (ख) जैविक विज्ञान ।
 - (ग) पुरातत्त्व-नृविज्ञान ।
 - (घ) भाषा-नृविज्ञान ।
- 1.4 मानव विकास तथा मनुष्य का आविर्भाव :
 - (क) मानव विकास में जैव एवं सांस्कृतिक कारक;
 - (ख) जैव विकास के सिद्धांत (डार्विन-पूर्व, डार्विन कालीन एवं डार्विनोतत्र);
 - (ग) विकास का संश्लेषणात्मक सिद्धांत; विकासात्मक जीव विज्ञान की पदावली एवं संकल्पनाओं की संक्षिप्त रूपरेखा (डॉल का नियम, कोप का नियम, गॉस का नियम, समांतरवाद, अभिसरण, अनुकूली विकिरण एवं मोजेक विकास)।
- 1.5 नर-वानर की विशेषताएँ: विकासात्मक प्रवृत्ति एवं नर-वानर वर्गीकी; नर-वानर अनुकूलन; (वृक्षीय एवं स्थूलीय) नर-वानर वर्गीकी; नर-वानर व्यवहार, तृतीयक एवं चतुर्थक जीवाशम नर-वानर, जीवित प्रमुख नर-वानर; मनुष्य एवं वानर की तुलनात्मक शरीर-चरचा; नृ संस्थिति के कारण हुए कंकालीय परिवर्तन एवं हल्के निहितार्थ ।
- 1.6 जातिवृत्तीय स्थिति, निम्नलिखित की विशेषताएँ एवं भौगोलिक वितरण :
 - (क) दक्षिण एवं पूर्व अफ्रीका में अतिनूतन अत्यंत नूतन होमिनिड-आस्ट्रेलोपिथेसिन
 - (ख) होमोइरेक्टस : अफ्रीका (पैस्ट्रोपस), यूरोप (होमोइरेक्टस हीडेल बर्जेन्सिस), एशिया होमोइरेक्टस जावानिकस, होमो इरेक्टस पेकाइनेन्सिस)
 - (ग) निन्डरधल मानव-ला-शापेय-ओ-सैंत (बलासिकी प्रकार), माउंट कारमेस (प्रगामी प्रकार)
 - (घ) रोडेसियन मानव ।
 - (घ) होमो-सैपिएन्स-क्रोमैग्नन, ग्रिमाली एवं चांसलीड ।
- 1.7 जीवन के जीववैज्ञानिक आधार : कोशिका, DNA सांचना एवं प्रतिकृति, प्रोटीन संश्लेषण, जीन, उत्परिवर्तन, क्रोमोसोम एवं कोशिका विभाजन ।
- 1.8 (क) पुरातत्त्वविज्ञान के सिद्धांत/कालानुक्रम : सापेक्ष एवं परम काल निर्धारण विधियाँ ।

- (ख) सांस्कृतिक विकास-प्रागैतिहासिक संस्कृति की स्थूल रूपरेखा ।
 - (i) पुरापाषाण
 - (ii) मध्य पाषाण
 - (iii) नव पाषाण
 - (iv) ताप्र पाषाण
 - (v) ताप्र-कांस्य युग
 - (vi) लोह युग ।

- 2.1 संस्कृति का स्वरूप : संस्कृति और सभ्यता की संकल्पना एवं विशेषता; सांस्कृतिक सापेक्षवाद की तुलना में नृजाति केन्द्रिकता ।
- 2.2 समाज का स्वरूप : समाज की संकल्पना; समाज एवं संस्कृति; सामाजिक संस्थाएँ; सामाजिक समूह; एवं सामाजिक स्तरीकरण ।
- 2.3 विवाह : परिभाषा एवं सार्वभौमिकता; विवाह के नियम (अंतर्विवाह, वहिर्विवाह, अनुलोमविवाह, अगम्यगमन निषेध); विवाह के प्रकार (एक विवाह प्रथा, बहु विवाह प्रथा, बहुपति प्रथा, समूह विवाह)। विवाह के प्रकार्य; विवाह विनियम (अधिमान्य, निर्दिष्ट एवं अधिनिषेधक); विवाह भुगतान (वधू धन एवं दहेज) ।
- 2.4 परिवार : परिभाषा एवं सार्वभौमिकता; परिवार, गृहस्थी एवं गृह्य समूह; परिवार के प्रकार्य; परिवार के प्रकार (संरचना, रक्त-संबंध, विवाह, आवास एवं उत्तराधिकार के परिप्रेक्ष्य से); नगरीकरण, औद्योगिकरण एवं नारी अधिकारवादी आंदोलनों में परिवार पर प्रभाव ।
- 2.5 नातेदारी : रक्त संबंध एवं विवाह, संबंध; वंशानुक्रम के सिद्धांत एवं प्रकार (एकरेखीय, द्वैध, द्विपशीय, उभयरेखीय); वंशानुक्रम, समूह के रूप (वंशपंतरा, गोत्र, फ्रेटरी, मोइटी एवं संबंधी); नातेदारी शब्दवली (वर्णनात्मक एवं वार्ताकारक); वंशानुक्रम, वंशानुक्रमण एवं पूरक वंशानुक्रमण; वंशानुक्रमांक एवं सहबंध ।
3. आर्थिक संगठन : अर्थ, क्षेत्र एवं आर्थिक नृविज्ञान की प्रासंगिकता; रूपवारी एवं तत्त्ववादी बहस; उत्पादन, वितरण एवं समुदायों में विनियम (अन्योन्यता, पुनर्वितरण एवं बाजार), शिकार एवं संग्रहण, मत्स्यन, स्थिरेन्सिंग, पशुचारण, उद्यानकृपि एवं कृषि पर निर्बाह; भूमंडलीकरण एवं देशी आर्थिक व्यवस्थाएँ ।
4. राजनैतिक संगठन एवं सामाजिक नियंत्रण :
 - टोली, जनजाति, सरदारी, राज एवं राज्य; सत्ता, प्राधिकार एवं वैधता की संकल्पनाएँ; सरल समाजों में सामाजिक नियंत्रण, विधि एवं न्याय ।
5. धर्म : धर्म के अध्ययन में नृवैज्ञानिक उपागम (विकासात्मक, मनोवैज्ञानिक एवं प्रकार्यात्मक); एकेश्वरवाद; पवित्र एवं अपावन; मिथक एवं कर्मकांड; जनजातीय एवं कृषक

समाजों में धर्म के रूप (जीववाद, जीवात्मवाद, जड़पूजा, प्रकृतिपूजा एवं गणांचहृवाद); धर्म जादू एवं विज्ञान विशिष्ट; जातुई-धार्मिक कार्यकर्ता (पुजारी, शमन, ओद्धा, एंद्रजालिक और डाइन)।

6. नृवैज्ञानिक सिद्धांत :

- (क) ब्लासिकी विकासवाद (टाइलर, मॉर्गन एवं फ्रेजर)
- (ख) ऐतिहासिक विशिष्टतावाद (बोआस); विसरणवाद (ब्रिटिश, जर्मन एवं अमरीकी)
- (ग) प्रकार्यवाद (मैलिनोव्स्की); संरचना-प्रकार्यवाद (रैडकिलफ-ब्राउन)
- (घ) संरचनावाद (लेवी स्ट्राश एवं ई लीश)
- (च) संस्कृति एवं व्यक्तित्व (बेनेडिक्ट, भीड़, लिंटन, कार्डिनर एवं कोर्ग-टु-बुवा)
- (छ) नव-विकासवाद (चिल्ड, क्लाइट, स्ट्रूवर्ड, शाहलिन्स एवं सर्विस)
- (ज) सांस्कृतिक भौतिकवाद (हैरिस)
- (झ) प्रतीकात्मक एवं अर्थनिरूपी सिद्धांत (टर्नर, श्नाइडर एवं गीर्टज)।
- (क) संज्ञानात्मक सिद्धांत (टाइलर कॉकिसन)
- (ख) नृविज्ञान में उत्तर-आधुनिकतावाद

7. संस्कृति, भाषा एवं संचार : भाषा का स्वरूप, उद्गम एवं विशेषताएं; वाचिक एवं अवाचिक संप्रेषण; भाषा प्रयोग के सामाजिक संदर्भ।

8. नृविज्ञान में अनुसंधान पद्धतियां :

- (क) नृविज्ञान में क्षेत्रकार्य परंपरा
- (ख) तकनीक, पद्धति एवं कार्य-विधि के बीच विभेद
- (ग) दत्त संग्रहण के उपकरण : प्रेक्षण, साक्षात्कार, अनुसूचियां, प्रश्नावली, केस अध्ययन, वंशावली, मौखिक इतिवृत्त, सूचना के द्वितीयक स्रोत, सहभागिता पद्धति।
- (घ) दत्त का विश्लेषण, निर्वचन एवं प्रस्तुतीकरण।

9.1 मानव आनुवंशिकी-पद्धति एवं अनुप्रयोग : मनुष्य परिवार अध्ययन में आनुवंशिक सिद्धांतों के अध्ययन की पद्धतियां (वंशावली विश्लेषण, युग्म अध्ययन, पोष्यपुत्र, सह-युग्म पद्धति, कोशिका-जननिक पद्धति, गुणसूत्री एवं केन्द्रक प्ररूप विश्लेषण), जैव रसायनी पद्धतियां, रोधक्षमतात्मक पद्धतियां, D.N.A. प्रौद्योगिकी, एवं पुनर्योगज प्रौद्योगिकियां।

9.2 मनुष्य-परिवार अध्ययन में मेंडेलीय आनुवंशिकी, मनुष्य में एकल उपादान, बहु उपादान, घातक, अवघातक एवं अनेकजीनी वंशागति।

9.3 आनुवंशिक बहुरूपता एवं वरण की संकल्पना, मेंडेलीय जनसंख्या, हार्डी-वीनवर्ग नियम; बारंबारता में कमी

लाने वाले कारण एवं परिवर्तन-उत्परिवर्तन विलान, प्रवासन, वरण, अंतःप्रजनन एवं आनुवंशिक च्युति। समरक्त एवं असमरक्त समागम, आनुवंशिक भार, समरक्त एवं धंगिनी-बंधु विवाहों के आनुवंशिक प्रभाव।

9.4 गुणसूत्र एवं मनुष्य में गुणसूत्री विपथन, क्रियाविधि :

- (क) संछ्यात्मक एवं संरचनात्मक विपथन (अव्यवस्थाएं)
- (ख) लिंग गुणसूत्री विपथन-क्लाइनफेल्टर (xxy), टर्नर (xo), अधिजाया (xxx), अंतर्लिंग एवं अन्य संलक्षणात्मक अव्यवस्थाएं।
- (ग) अलिंग सूत्री विपथन-डाउन संलक्षण, पातों, एडवर्ड एवं क्रिं-दु-शा संलक्षण
- (घ) मानव रोगों में आनुवंशिक अध्यंकन, आनुवंशिक स्क्रीनिंग, आनुवंशिक उपचारोधन, मानव DNA, प्रोफाइलिंग, जीन मैटिंग एवं जीनोम अध्ययन।

9.5 प्रजाति एवं प्रजातिवाद, दूरीक एवं अदूरीक लक्षणों की आकारिकीय विभिन्नताओं का जीववैज्ञानिक आधार। प्रजातीय निकष, आनुवंशिकता एवं पर्यावरण के संबंध में प्रजातीय विशेषक; मनुष्य में प्रजातीय वर्गीकरण, प्रजातीय विभेदन एवं प्रजाति संकरण का जीव वैज्ञानिक आधार।

9.6 आनुवंशिक चिह्न के रूप में आयु, लिंग एवं जनसंख्या विभेद-ABO, Rh रक्तसमूह, HLA Hp, ट्रैन्सफेरिन, Gm, रक्त एन्जाइम। शरीरक्रियात्मक लक्षण-विभिन्न सांस्कृतिक एवं सामाजिक-आर्थिक समूहों में Hb, स्तर, शरीर वसा, स्पंद दर, श्वसन प्रकार्य एवं संवेदी प्रत्यक्षण।

9.7 पारिस्थितिक नृविज्ञान की संकल्पनाएं एवं पद्धतियां। जैव-सांस्कृतिक अनुकूलन-जननिक एवं अजननिक कारक। पर्यावरणीय दबावों के प्रति मनुष्य की शरीरक्रियात्मक अनुक्रियाएं : गर्भ मरुभूमि, शीत उच्च तुंगता जलवायु।

9.8 जानपरिक रोग विज्ञानीय नृविज्ञान : स्वास्थ्य एवं रोग। संक्रामक एवं असंक्रामक रोग। पोषक तत्वों की कमी से संबंधित रोग।

10. मानव वृद्धि एवं विकास की संकल्पना : वृद्धि की अवस्थाएं-प्रसव पूर्व, प्रसव, शिशु, बचपन, विशोरावस्था, परिपक्ववावस्था, जरत्व।

- वृद्धि और विकास को प्रभावित करने वाले कारक : जननिक, पर्यावरणीय, जैव रासायनिक, पोषण संबंधी, सांस्कृतिक एवं सामाजिक-आर्थिक।

- कालप्रभावन एवं जरत्व। सिद्धांत एवं प्रेक्षण-जैविक एवं कालानुक्रमिक दीर्घ आयु। मानवीय शरीर गठन एवं कायप्ररूप। वृद्धि अध्ययन की क्रियाविधियां।

11.1 रजोदर्शन, रजोनिवृत्ति एवं प्रजनन शक्ति की अन्य जैव घटनाओं की प्रासादिकता। प्रजनन शक्ति के प्रतिरूप एवं विभेद।

- 11.2 जनांकिकीय सिद्धांत—जैविक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक ।
- 11.3 बहुप्रजता, प्रजनन शक्ति, जन्मदर एवं मृत्युदर को प्रभावित करने वाले जैविक एवं सामाजिक-आर्थिक कारण ।
12. नृविज्ञान के अनुप्रयोग : खेलों का नृविज्ञान, पोषणात्मक नृविज्ञान, रक्षा एवं अन्य उपकरणों की अभिकल्पना में नृविज्ञान, न्यायालंगिक नृविज्ञान, व्यक्तिगत अभिज्ञान एवं पुनर्उदान की पद्धतियाँ एवं सिद्धांत । अनुप्रयुक्त मानव आनुवंशिकी-पितृत्व निदान, जननिक उपबोधन एवं सुजननिकी, रोगों एवं आयुर्विज्ञान में DNA प्रौद्योगिकी, जनन-जीवविज्ञान में सीरम-आनुवंशिकी तथा कोशिका-आनुवंशिकी ।

प्रश्न-पत्र-II

- 1.1 भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का विकास—प्रारंगतिहासिक (पुरापाषाण, मध्यपाषाण, नवपाषाण तथा नवपाषाण-ताप्रपाषाण)। आद्येतिहासिक (सिंधु सभ्यता) : हड्डप्पा-पूर्व, हड्डप्पाकालीन एवं पश्च-हड्डप्पा संस्कृतियाँ । भारतीय सभ्यता में जनजातीय संस्कृतियों का योगदान ।
- 1.2 शिवालिक एवं नर्मदा द्वीपों के विशेष संदर्भ के साथ भारत से पूरा-नृवैज्ञानिक साक्ष्य (रामापिथकस, शिवापिथेकस एवं नर्मदा मानव) ।
- 1.3 भारत में नृजाति-पुरातत्व विज्ञान : नृजाति-पुरातत्व विज्ञान की संकल्पना : शिकारी, रसदखोजी, मछियारी, पशुचारक एवं कृषक समुदायों एवं कला और शिल्प उत्पादक समुदायों में उत्तरजीवक एवं समांतरक ।
2. भारत की जनांकिकीय परिच्छेदिका—भारतीय जनसंख्या एवं उनके वितरण में नृजातीय एवं भाषायी तत्व। भारतीय जनसंख्या—इसकी संरचना और वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक ।
- 3.1 पारंपरिक भारतीय सामाजिक प्रणाली की संरचना और स्वरूप—वर्णाश्रम, पुरुषार्थ, कर्म, ऋण एवं पुनर्जन्म ।
- 3.2 भारत में जाति व्यवस्था—संरचना एवं विशेषताएं, वर्ण एवं जाति, जाति गतिशीलता, जाति व्यवस्था का भविष्य, जजमानी प्रणाली, जनजाति-जाति सातत्यक ।
- 3.3 पवित्र-मनोग्रंथि एवं प्रकृति-मनुष्य-प्रेतात्मा मनोग्रंथि ।
- 3.4 भारतीय समाज पर बौद्ध धर्म, जैन धर्म, इस्लाम और ईसाई धर्म का प्रभाव ।
4. भारत में नृविज्ञान का आविर्भाव एवं संवृद्धि—18वीं, 19वीं, एवं प्रारंभिक 20वीं शताब्दी के शास्त्रज्ञ-प्रशासकों के योगदान। जनजातीय एवं जातीय अध्ययनों में भारतीय नृवैज्ञानिकों के योगदान ।
- 5.1 भारतीय ग्राम : भारत में ग्राम अध्ययन का महत्व : सामाजिक प्रणाली के रूप में भारतीय ग्राम; बस्ती एवं अंतर्जाति संबंधों के पारम्परिक एवं बदलते प्रतिरूप : भारतीय ग्रामों में कृषिक संबंध : भारतीय ग्रामों पर भूमंडलीकरण का प्रभाव ।
- 5.2 भाषायी एवं आर्थिक अल्पसंख्यक एवं उनकी सामाजिक, राजनैतिक तथा आर्थिक स्थिति ।
- 5.3 भारतीय समाज में सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन की देशीय एवं बहिर्जात प्रक्रियाएं—संस्कृतिकरण, परिच्छापीकरण, आधुनिकीकरण; छोटी एवं बड़ी परम्पराओं का परस्पर-प्रभाव; पंचायतीराज एवं सामाजिक पारिवर्तन; मीडिया एवं सामाजिक परिवर्तन ।
- 6.1 भारत में जनजातीय स्थिति-जैव जननिक परिवर्तितता, जनजातीय जनसंख्या एवं उनके वितरण की भाषायी एवं सामाजिक-आर्थिक विशेषताएं ।
- 6.2 जनजातीय समुदायों की समस्याएं-भूमि संक्रामण, गरीबी, क्रान्तिग्रस्तता, अल्प साक्षरता, अपर्याप्त शैक्षिक सुविधाएं, बेरोजगारी, अल्परोजगारी, स्वास्थ्य तथा पोषण ।
- 6.3 विकास परियोजनाएं एवं जनजातीय स्थानांतरण तथा पुनर्वास समस्याओं पर उनका प्रभाव । वन नीतियों एवं जनजातियों का विकास। जनजातीय जनसंख्या पर नगरीकरण तथा औद्योगिकीकरण का प्रभाव ।
- 7.1 अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के पोषण तथा वंचन की समस्याएं। अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए सांविधानिक रक्षणापाय ।
- 7.2 सामाजिक परिवर्तन तथा समकालीन जनजाति समाज : जनजातियों तथा कमजोर वर्गों पर आधुनिक लोकतांत्रिक संस्थाओं, विकास कार्यक्रमों एवं कल्याण उपायों का प्रभाव ।
- 7.3 नृजातीयता की संकल्पना : नृजातीय द्वन्द्व एवं राजनैतिक विकास : जनजातीय समुदायों के बीच अशांति : क्षेत्रीयतावाद एवं स्वायत्तता की मांग; छद्म जनजातिवाद; औपनिवेशिक एवं स्वातंत्र्योत्तर भारत के दौरान जनजातियों के बीच सामाजिक परिवर्तन ।
- 8.1 जनजातीय समाजों पर हिन्दू धर्म, बौद्ध धर्म, ईसाई धर्म, इस्लाम तथा अन्य धर्मों का प्रभाव ।
- 8.2 जनजाति एवं राष्ट्र राज्य—भारत एवं अन्य देशों में जनजातीय समुदायों का तुलनात्मक अध्ययन ।
- 9.1 जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन का इतिहास, जनजाति नीतियाँ, योजनाएं, जनजातीय विकास के कार्यक्रम एवं उनका कार्यान्वयन। आदिम जनजातीय समूहों (PTGs) की संकल्पना, उनका वितरण, उनके विकास के विशेष कार्यक्रम। जनजातीय विकास में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका ।
- 9.2 जनजातीय एवं ग्रामीण विकास में नृविज्ञान की भूमिका ।
- 9.3 क्षेत्रीयतावाद, सांप्रदायिकता, नृजातीय एवं राजनैतिक आंदोलनों को समझने में नृविज्ञान का योगदान ।

वनस्पति विज्ञान

प्रश्नपत्र-1

1. सूक्ष्मजैविकी एवं पादपरोग विज्ञान :

विषाणु, बाइोइड, जीवाणु, फंगाई एवं माइकोप्लाज्मा संरचना एवं जनन। बहुगुणन। कृषि, उद्योग विकित्सा तथा वायु एवं मृदा एवं जल में प्रदूषण-नियंत्रण में सूक्ष्मजैविकी के अनुप्रयोग। प्रायोन एवं प्रायोन घटना।

विषाणुओं, जीवाणुओं, माइक्रोप्लाज्मा, फंगाई तथा सूक्ष्मजैविकी की प्रतिरोध के आधारिक आधार। परजीविता की कार्यिकी और नियंत्रण के उपाय। कवक आविष्ट। मॉडलन एवं रोग पूर्वानुमान, पादप संग्रहण।

2. क्रियोरोगेम्स :

शैवाल, कवक, साइकन, ग्रायोफाइट, टेरीडोफाइट-संरचना और जनन के विकासात्मक पहलू। भारत में क्रियोरोगेम्स का वितरण और उनका परिस्थितिक एवं आर्थिक महत्व।

3. पुष्पोद्धिति :

अनावृत बीजी : पूर्व अनावृत बीजी की अवधारणा। अनावृतबीजी का छांकिरण और वितरण। साइकैडलीज, गिगोरेजीज, कोर्नीफेरोलीज और नीटेसीज के मुख्य लक्षण, संरचना व जनन। साइकैडोफिलिकैलीज, बैन्टेटेसीज तथा कार्डेटेलीज का सामान्य वर्णन। भूजैवानिक समयमापनी, जीवाशमप्रकार एवं उनके अध्ययन की विधियाँ। आवृतबीजी : वर्गिकी, शारीरिकी, भूजैविज्ञान, परागाणुविज्ञान और जातिवृत्त।

वर्गिकी सोपान, वानस्पतिक नामपद्धति के अंतर्गत्तीय कूट, संख्यात्मक वर्गिकी एवं रसायन-वर्गिकी शारीरिकी, भूजैविज्ञान एवं परागाणु विज्ञान से साक्ष्य।

आवृत बीजियों का उदगम एवं विकास, आवृत बीजियों के वर्गीकरण की विभिन्न प्रणालियों का तुलनात्मक विवरण, आवृत बीजी कुलों का अध्ययन-मैग्नोलिएसी, रैननकूलैसी, ब्रैसीकेसी, रोजेसी, फेबेसी, यूफर्विएसी, मालबेसी, डिप्टेरेकार्पेसी, एपिएसी, एस्क्लेपिडिएसी, बर्बिनेसी, सोलैनेसी, रूबिएसी, कुकुराबिटेली, ऐस्टीरेसी, पोएसी, ओरेकेसी, लिलाइएसी, म्यूजेसी एवं आकिडेसी। रंध एवं उनके प्रकार, ग्रंथीय एवं अग्रंथीय ट्राइकोम, विसंगत द्वितीयक वृद्धि, सी-3 और सी-4 पौधों का शारीर। जाइलम एवं फलोएम विभेदन, काष्ठ शारीर।

नर और मादा युग्मकोइट्टिमिट् का परिवर्धन, परागण, निषेचन। भूजैवोष-इसका परिवर्धन और कार्य। भूजैव परिवर्धन के स्वरूप। बहुभूणता, असंग्रजन, परागाणु विज्ञान के अनुप्रयोग, परागभंडारण एवं टेस्ट ट्यूब निषेचन सहित प्रयोगात्मक भूजैव विज्ञान।

4. पादप संसाधन विकास :

पादप ग्राम्यन एवं परिचय, कृष्ट पौधों का उद्भव, उद्भव संबंधी वैवीलोष के केंद्र, खाद्य, चारा, रेशों, मसालों, पेय पदार्थों, खाद्य तेलों, औषधियों, स्वापकों, कीटनाशियों, इमारती लकड़ी, गोद, रेजिनों तथा रंजकों के स्रोतों के रूप में पौधे, लेटेक्स, सेलुलोस, मंड और उनके उत्पाद। इत्रसाजी। भारत के संदर्भ में नुकुलवनस्पतिकी का महत्व। ऊर्जा वृक्षरोपण, वानस्पतिक उद्यान और पादपालय।

5. आकारजनन :

पूर्ण शक्तता, ध्रुवणता, समर्पित और विभेदन। कोशिका, ऊतक, अंग एवं जीवद्रव्यक संवर्धन। कार्यिक संकर और द्रव्य संकर। माइक्रोप्रोपोगेशन, सोमाक्लोनल विविधता एवं इसका अनुप्रयोग, पराग अग्नित, अम्ब्रियोरेस्क्यु विधियाँ एवं उनके अनुप्रयोग।

प्रश्न पत्र-2

1. कोशिका जैविकी :

कोशिका जैविकी की प्रविधियाँ। प्राक्केंद्रिकी और सुक्केंद्रिकी कोशिकाएँ-संरचनात्मक और परासंरचनात्मक बारीकियाँ। कोशिका बाह्य आधारी अध्यात्री कोशिकाबाह्य आवृद्ध (कोशिका भित्ति) तथा झिल्लियों की संरचना और कार्य-कोशिका आसंजन, झिल्ली अभिगमन तथा आशयी अभिगमन। कोशिका अंगकों (हरित लवक सूक्रकणिकाएँ, इआर, डिक्टियोसोम, राइबोसोम, अंतःकाय, लयनकाय, परओक्सीसोम) की संरचना और कार्य। साइटोस्कलेटन एवं माइक्रोट्यूब्यूल्स, कॉट्क, कॉट्रिक, कॉट्री रंग सम्प्रभु। क्रोमेटिन एवं न्यूक्लियोसोम। कोशिका संकेतन और कोशिकाग्री। संकेत पारक्रमण। समसूत्रन और अर्धसूत्रन विभाजन, कोशिका चक्र का आण्विक आधार। गुणसूत्रों में संबंधात्मक और संरचनात्मक विभिन्नताएँ तथा उनका महत्व। क्रोमेटिन व्यवस्था एवं जीनोम संबोधन, पॉलिटीन गुणसूत्र, बी-गुणसूत्र-संरचना व्यवहार और महत्व।

2. आनुवंशिकी, आण्विक जैविकी और विकास :

आनुवंशिकी का विकास और जीन बनाम युग्मविकल्पी अवधारणा (कूट विकल्पी), परिमाणात्मक आनुवंशिकी तथा बहुकारक। अपूर्ण प्रभाविता, बहुजनिक वंशागति, बहुविकल्पी सहलानता तथा विनिमय-आण्विक मानविच्चित्र (मानविच्चित्र प्रकार्य की अवधारण) सहित जीन मानविच्चित्र की विधियाँ। लिंग गुणसूत्र तथा लिंग सहलान वंशागति, लिंग निर्धारण और लिंग विभेदन का आण्विक आधार। उत्परिवर्तन (जैव रसायनिक और आण्विक आधार) कोशिकाद्रव्यी वंशागति एवं कोशिकाद्रव्यी जीन (नर बंध्यता की आनुवंशिकी सहित)।

न्यूक्लीय अस्त्रों और प्रोटीनों की संरचना तथा संश्लेषण। अनुवंशिक कूट और जीन अभिव्यक्ति का नियमन। जीन नीरवता, बहुजीन कुल, जैव विकास-प्रमाण, क्रियाविधि तथा सिद्धांत। उद्भव तथा विकास में RNA की भूमिका।

3. पादप प्रजनन, जैव प्रोटोगिकी तथा जैव सांख्यिकी :

पादप प्रजनन की विधियाँ-आप्रवेश, चयन तथा संकरण। (वंशावली, प्रतीप संकर, सामूहिक चयन, व्यापक पद्धति) उत्परिवर्तन, बहुगुणिता, नरबंध्यता तथा संकर ओज प्रजनन। पादप प्रजनन में असंगजनन का उपयोग। DNA अनुक्रमण, आनुवंशिक इंजीनियरी-जीन अंतरण की विधियाँ; पारजीनी सस्य एवं जैव सुरक्षा पहलू, पादप प्रजनन में आण्विक चिह्नक का विकास एवं उपयोग। उपकरण एवं तकनीक-प्रोब, दक्षिणी ब्लास्टिंग, DNA फिंगर प्रिंटिंग, PCR एवं FISH। मानक विचलन तथा विचरण गुणांक (सी बी), सार्थकता परीक्षण, (जैड-परीक्षण, टी-परीक्षण तथा काई-वर्ग परीक्षण)। प्रायिकता तथा बंटन (सामान्य, द्विपदी तथा प्लासों बंटन) संबंधन तथा समाश्रयण।

4. शारीर क्रिया विज्ञान तथा जैव रसायनिकी :

जल संबंध, खनिज घोषण तथा आयन अभिगमन, खनिज न्यूनताएँ। प्रकाश संश्लेषण-प्रकाश रसायनिक अभिक्रियाएँ, फोटो फोस्फोरिलेशन एवं कार्बन फिक्सेशन पाथवे, C₃, C₄ और कैम दिशामार्ग। फ्लोएम परिवहन की क्रियाविधि श्वसन (क्रियन सहित अवायुजीवीय और वायुजीवीय)-इलेक्ट्रॉन अभिगमन शृंखला और ऑक्सीकरणी फास्फोरिलेशन फोटो श्वसन, रसोपरासरणी सिद्धांत तथा ATP संश्लेषण। लिपिड

उपापचय, नाईट्रोजन स्थिरीकरण एवं नाईट्रोजन उपापचय । किण्व, सहकिण्व, ऊर्जा अंवरण तथा ऊर्जा संरक्षण । द्वितीयक उपापचयों का महत्व । प्रकाशग्राहियों के रूप में वर्णक (पलैस्टिडियल वर्णक तथा पादप वर्णक), पादप संचलन, दीप्तिकालिता तथा पुष्पन, बसंतीकरण, जीर्णन । वृद्धि पदार्थ—उनकी रासायनिक प्रकृति, कृषि बागवानी में उनकी भूमिका और अनुप्रयोग, वृद्धिसंकेत, वृद्धिगतियाँ । प्रतिबल शारीरिकी (ताप, जल, लवणता, धातु) । फल एवं बीज शारीरिकी । बीजों की प्रसुति, भंडारण तथा उनका अंकुरण । फल का पकना—इसका आण्विक आधार तथा मैनिपुलेशन ।

5. परिस्थितिकी तथा पादप भूगोल :

परितंत्र की संकल्पना, पारिस्थितिक कारक । समुदाय की अवधारणाएँ और गतिकी पादप अनुक्रमण । जीव मंडल की अवधारणा । परितंत्र, संरक्षण । प्रदूषण और उसका नियंत्रण (फाइटोरेमिडिएशन सहित) । पादप सूचक, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम ।

भारत में वनों के प्रारूप—वनों का पारिस्थितिक एवं आर्थिक महत्व । वनरोपण, वनोन्मूलन तथा सामाजिक वानिकी । संकटापन सैध, स्थानिकता, IUCN कोटियाँ, रेड डाटा बुक । जैव विविधता एवं उसका संरक्षण, संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क, जैव विविधता पर सम्मेलन, किसानों के अधिकार एवं बैंद्रिक संपदा अधिकार, संपोषणीय विकास की संकल्पना, जैव-भू-रासायनिक चक्र, भूमंडलीय तापन एवं जलवायु परिवर्तन, संक्रामक जातियाँ, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन, भारत के पादप भूगोलीय क्षेत्र ।

रसायन विज्ञान

प्रश्न-पत्र-1

1. परमाणु संरचना : क्वांटम सिद्धांत, हाइसेन वर्ग का अनिश्चितता सिद्धांत, श्रोडिंगर तरंग समीकरण (काल अनाश्रित, तरंग फलन की व्याख्या, एकल विमोय बॉक्स में कण, क्वांटम संख्याएँ, हाईट्रोजन परमाणु तरंग फलन । S, P और D कक्षकों की आकृति ।

2. रसायन आबंध : आयनी आबंध, आयनी यौगिकों के अभिलक्षण, जालक ऊर्जा, बार्नहैवर चक्र; सहसंयोजक आबंध तथा इसके सामान्य अभिलक्षण । अणुओं में आबंध की ध्रुवणता तथा उसके द्विध्रुव अधूरूण । संयोजी आबंध सिद्धांत, अनुनाद तथा अनुनाद ऊर्जा की अवधारणा । अणु कक्षक सिद्धांत (LCAO पद्धति); H_2^+ , H_2 , He_2^+ से Ne_2 , NO , CO , HF एवं CN । संयोजी आबंध तथा अणुकक्षक सिद्धांतों की तुलना, आबंध कोटि, आबंध सामर्थ्य तथा आबंध लंबाई ।

3. ठोस अवस्था : क्रिस्टल पद्धति, क्रिस्टल फलकों, जालक संरचनाओं तथा यूनिट सेल का स्पष्ट उल्लेख । ब्रेंग का नियम, क्रिस्टल द्वारा X-रे विकर्तन; क्लोज पैकिंग (संसंकुलित रचना), अर्धव्यास अनुपात नियम, सीमांत अर्धव्यास अनुपात मानों के आकलन । $NaCl$, ZnS $CsCl$ । एवं CaF_2 की संरचना । स्टाइकियोमीट्रिक तथा नॉन-स्टाइकियोमीट्रिक दोष, अशुद्धता दोष, अर्द्धचालक ।

4. गैस अवस्था एवं परिवर्तन परिघटना : वास्तविक गैसों की अवस्था का समीकरण, अंतराभूमिक पारस्परिक क्रिया, गैसों का द्रवीकरण

तथा क्रांतिक घटना, मैक्सवेल का गति वितरण, अंतराभूमिक संघट्ट, दीवार पर संघट्ट तथा अभिस्पदन, ऊष्मा चालकता एवं आदर्श गैसों की श्यानता ।

5. द्रव अवस्था : केल्विन समीकरण, पृष्ठ तनाव एवं पृष्ठ ऊर्जा, आर्द्रक एवं संस्पर्श कोण, अंतरापृष्ठीय तनाव एवं कोशिका क्रिया ।

6. ऊष्मागतिकी : कार्य, ऊष्मा तथा आंतरिक ऊर्जा; ऊष्मागतिकी का प्रथम नियम, ऊष्मागतिकी का दूसरा नियम; एंट्रॉपी एक अवस्था फलन के रूप में, विभिन्न प्रक्रमों में एंट्रॉपी परिवर्तन, एंट्रॉपी उत्क्रमणीयता तथा अनुक्रमणीयता, मुक्त ऊर्जा फलन, अवस्था का ऊष्मागतिकी समीकरण, मैक्सवेल संबंध; ताप, आयतन एवं U, H, A, G, Cp एवं Cv, α एवं β की दाब निर्भरता; J-T प्रभाव एवं व्युत्क्रमण ताप; साम्य के लिए निकष, साम्य स्थिरांक तथा ऊष्मागतिकीय राशियों के बीच संबंध, नेस्टर ऊष्मा प्रमेय तथा ऊष्मागतिकी का तीसरा नियम ।

7. प्रावस्था साम्य तथा विलयन : ब्लासियस-ब्लेपिरन समीकरण, शुद्ध पदार्थों के लिए प्रावस्था आरेख; द्विग्राहारी पद्धति में प्रावस्था साम्य, आंशिक मिश्रणीय द्रव-उच्चतर तथा निम्नतर क्रांतिक विलयन ताप; आंशिक मोलर राशियाँ, उनका महत्व तथा निर्धारण; आधिक्य ऊष्मागतिकी फलन और उनका निर्धारण ।

8. विद्युत रसायन : प्रबल विद्युत अपघट्यों का डेबाई हुकेल सिद्धांत एवं विभिन्न साम्य तथा अधिगमन गुणधर्मों के लिए डेबाई हुकेल सीमांत नियम । गेल्वेनिक सेल, सांद्रता सेल; इलेक्ट्रोकेमिकल सीरीज, सेलों के cmf का मापन और उसका अनुप्रयोग; ईधन सेल तथा बैटरीयाँ । इलैक्ट्रोड पर प्रक्रम; अंतरापृष्ठ पर द्विस्तर; चार्ज ट्रांस्फर की दर, विद्युत धारा घनत्व; अतिविभव; वैद्युत विश्लेषण तकनीक; पोलरोग्राफी, एंपरोमिति, आयन वरणात्मक इलैक्ट्रोड एवं उनके उपयोग ।

9. रसायनिक बलगतिकी : अभिक्रिया दर की सांद्रता पर निर्भरता, शून्य, प्रथम, द्वितीय तथा आंशिक कोटि की अभिक्रियाओं के लिए अवकल और समाकल दर समीकरण; उत्क्रम, समान्तर, क्रमागत तथा शृंखला अभिक्रियाओं के दर समीकरण; शाखन शृंखला एवं विस्फोट; दर विश्वरांक पर ताप और दाब का प्रभाव । स्टॉप-फ्लो और रिलेक्सेशन पद्धतियों द्वारा द्रुत अभिक्रियाओं का अध्ययन । संघटन और संक्रमण अवस्था सिद्धांत ।

10. प्रकाश रसायन : प्रकाश का अवशोषण; विभिन्न मार्गों द्वारा उत्तेजित अवस्था का अवसान; हाईट्रोजन और हेलोजनों के मध्य प्रकाश रसायन अभिक्रिया और उनकी क्वांटमी लम्बिति ।

11. पृष्ठीय परिघटना तथा उत्त्योक्तता : ठोस अधिशोषकों पर गैसों और विलयनों का अधिशोषण, लैंगम्पूर तथा B.I.T अधिशोषण रेखा; पृष्ठीय क्षेत्रफल का निर्धारण; विषमांगी उत्प्रेरकों पर अभिक्रिया, अभिलक्षण और क्रियाविधि ।

12. जैव अकार्बनिक रसायन : जैविक तंत्रों में धातु आयन तथा भित्ति के पार आयन गमन (आण्विक क्रियाविधि); आॱ्सीजन अपटेक प्रोटीन, साइटोक्रोम तथा फेरोडेक्सिन ।

13. समन्वय रसायन :

(क) धातु संकुल के आबंध सिद्धांत, संयोजकता आबंध सिद्धांत, क्रिस्टल फील्ड सिद्धांत और उसमें संशोधन, धातु संकुल के चुंबकीय तथा इलेक्ट्रॉनिक स्पेक्ट्रम कर व्याख्या में सिद्धांतों का अनुप्रयोग ।

(ख) समन्वयी यौगिकों में आइसोमेरिज्म । समन्वयी यौगिकों का UPAC नामकरण; 4 तथा 6 समायोजन वाले संकुलों त्रिविम रसायन, किलेट प्रभाव तथा बहुनाभिकीय संकुल; परा-प्रभाव और उसके सिद्धांत; वर्ग समतली संकुल में प्रतिस्थापनिक अभिक्रियाओं की बलगतिकी; संकुलों की तापगतिकी तथा बलगतिकी स्थिरता ।

(ग) मैटल कार्बोनिलों की संश्लेषण संरचना तथा उनकी अभिक्रियात्मकता; कार्बोक्सिलेट एनॉयन, कार्बोनिल हाइड्राइड तथा मैटल नाइट्रोसील यौगिक ।

(घ) एरोमैटिक प्रणाली के संकुलों, मैटल ओलेफिन संकुलों में संश्लेषण, संरचना तथा बंध, एल्काइन तथा सायक्लोपेंटाडायनिक संकुल, समन्वयी असंतुप्तता, आक्सीडेटिव योगात्मक अभिक्रियाएँ, निवेशन अभिक्रियाएँ, प्रवाही अणु और उनका अभिलक्षण, मैटल-मैटल आबंध तथा मैटल परमाणु गुच्छे वाले यौगिक ।

14. भूख्य समूह रसायनिकी : बोरेन, नोराजाइन, फारफेजीन एवं चक्रीय फारफेजीन, सिलिकेट एवं सिलिकॉन, इंटरहैलोजन यौगिक; गंधक-नाइट्रोजन यौगिक, नॉब्युल गैस यौगिक ।

15. F ब्लॉक तत्वों का सामान्य रसायन : लन्थेनाइड एवं एक्टीनाइड; पृथक्करण, आक्सीकरण अवस्थाएँ, चुंबकीय तथा स्पेक्ट्रमी गुणधर्म; लैथनाइड संकुचन ।

प्रश्न पत्र-2

1. विस्थापित सहसंयोजक बंध : एरोमैटिकता, प्रतिएरोमैटिकता; एन्यूलीन, एजुलीन, ट्रोपोलोन्स, फ्ल्यून, सिडनोन ।

2. (क) अभिक्रिया क्रियाविधि : कार्बनिक अभिक्रियाओं की क्रियाविधियों के अध्ययन की सामान्य विधियाँ (गतिक एवं गैर-गतिक दोनों), समस्थानिकी विधि, क्रास-ओवर प्रयोग, मध्यवर्ती ट्रेपिंग, त्रिविम रसायन, मर्क्ययण ऊर्जा, अभिक्रियाओं का ऊपरागतिकी नियंत्रण तथा गतिक नियंत्रण ।

(ख) अभिक्रियाशील मध्यवर्ती: कार्बोनियम आयनों तथा कारबेनायनों, मुक्त मूलकों (फ्री रेडिकल) कार्बोनों बैंजाइनों तथा नाइट्रोनों का उत्पादन, ज्यामिति, स्थिरता तथा अभिक्रिया ।

(ग) प्रतिस्थापन अभिक्रियाएँ: SN_1 , SN_2 एवं SN_3 क्रियाविधियाँ प्रतिवेशी समूह भागीदारी, पाइसेल, प्लूरन, थियोफिन, इंडोन जैसे हेट्रोइक्लिक यौगिकों सहित एरोमैटिक यौगिकों की इलेक्ट्रॉफिलिक तथा न्यूक्लियोफिलिक अभिक्रियाएँ ।

(घ) विलोपन अभिक्रियाएँ: E_1 , E_2 तथा E_{1cb} क्रियाविधियाँ; सेजैफ तथा हॉफमन E_2 अभिक्रियाओं में दिविवन्यास, पाइरोलिटिक SyN विलोपन-चुगीव तथा कोप विलोपन ।

(ड.) संकलन अभिक्रियाएँ: $C=C$ तथा $C=C$ के लिए इलेक्ट्रॉफिलिक संकलन, $C=C$ तथा $C=N$ के लिए न्यूक्लियोफिलिक संकलन, संयुग्मी ओलिफिल्स तथा कार्बोजिल्स ।

(च) अभिक्रियाएँ तथा पुनर्विन्यास : (क) पिनाकोल-पिनाकोलोन, हॉफबेन, बेकमन, बैयर बिलिगर, फेवोस्की, फ्राइस, क्लेसेन, कोप, स्टीवेन्ज तथा वाग्नर-मेरबाइन पुनर्विन्यास ।

(छ) एल्डोल संघनन, क्लैसेन संघनन, डीकमन, परकिन, नोवेनेजेल, विटिंग, क्लिमेंसन, वोल्फ किशनर, केनिजारों तथा फान-रोक्टर अभिक्रियाएँ, स्टॉब बैंजोइन तथा एसिलोइन संघनन, फिशर इंडोल संश्लेषण, स्क्राप, संश्लेषण विश्लेष-नेपिरास्की, सैंडमेयर, टाइमन तथा रेफॉर्मास्की अभिक्रियाँ ।

3. परिरंभीय अभिक्रियाएँ: वर्गीकरण एवं उदाहरण, बुडवर्ड-हॉफमैन नियम-विद्युतचक्रीय अभिक्रियाएँ, चक्री संकलन अभिक्रियाएँ ($2+2$ एवं $4+2$) एवं सिग्मा-अनुरूपी विस्थापन ($1, 3; 3, 3$ तथा $1, 5$) FMO उपागम ।

4. (i) बहुलकों का निर्माण और गुणधर्म : कार्बनिक बहुलक-पोलिएथिलीन, पोलिस्टाइरीन, पोलीविनाइल क्लोराइड, टेफलॉन, नाइलॉन, टेरीलीन, संश्लिष्ट तथा प्राकृतिक रबड़ ।

(ii) जैव बहुलक : प्रोटीन, DNA, RNA की संरचनाएँ ।

5. अभिकारकों के सांश्लेषिक उपयोग: O_3 , O_4 , HIO_4 , CrO_3 , $Pb(OAc)_4$, SeO_2 , NBS , $B2H_6$, Na द्रव अमोनिया, $LiALH_4$, $NabH_4$, n -BuLi एवं MCPBA ।

6. प्रकाश रसायन : साधारण कार्बनिक यौगिकों की प्रकाश रासायनिक अभिक्रियाएँ, उत्तेजित और निम्नतम् अवस्थाएँ, एकक और त्रिक अवस्थाएँ, नारिश टाइप-। और टाइप-॥ अभिक्रियाएँ ।

7. स्पेक्ट्रोमिकी सिद्धांत और संरचना के स्पष्टीकरण में उनका अनुप्रयोग ।

(क) घूर्णी—द्विपरमाणुक अणु, समस्थानिक प्रतिस्थापन तथा घूर्णी स्थिरांक ।

(ख) कांपनिक—द्विपरमाणुक अणु, रैखिक त्रिपरमाणुक अणु बहुपरमाणुक अणुओं में क्रियात्मक समूहों की विशिष्ट आवृत्तियाँ ।

(ग) इलेक्ट्रॉनिक : एक और त्रिक अवस्थाएँ : n II* तथा II—II *संक्रमण, संयुग्मित द्विआबंध तथा संयुग्मित कारबोनिकल में अनुप्रयोग-वुडवर्ड-फीशर नियम; चार्ज अंतवरण स्पेक्ट्रा ।

(घ) नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद (1HNMR) : आधारभूत सिद्धांत; रासायनिक शिप्ट एवं स्पिन-स्पिन अन्योन्य क्रिया एवं कपलिंग स्थिरांक।

(ङ) द्रव्यमान स्पेक्ट्रोमिति : पैरेंट पीक, बेसपीक, मेटास्टेगल पीक, मैक लैफर्टी पुनर्विन्यास ।

सिविल इंजीनियरी

प्रश्न पत्र-1

1. इंजीनियरी यांत्रिकी पदार्थ सामर्थ्य तथा संरचनात्मक विश्लेषण

1.1 इंजीनियरी यांत्रिकी : मात्रक तथा विमाएं, SI मात्रक, सदिश, बल की संकल्पना, कण तथा दृढ़ पिंड संकल्पना, संगामी, असंगामी तथा समतल पर समांतर बल, बल आधूर्ण, मुक्त पिंड आरेख, सप्रतिबंध साम्यावस्था, कल्पित कार्य का सिद्धांत, समतुल्य बल प्रणाली।

प्रथम तथा द्वितीय क्षेत्र आधूर्ण, द्रव्यमान जड़त्व आधूर्ण

स्थैतिक धर्षण :

शुद्धगमिकी तथा गतिकी :

कार्तीय निर्देशांक शुद्धगतिकी समान तथा असमान त्वरण के अधीन गति गुरुत्वाधीन गति । कणगतिकी, संवेग तथा ऊर्जा सिद्धांत, प्रत्यास्थ पिंडों का संघटन दृढ़ पिंडों का धूर्णन ।

1.2 पदार्थ-सामर्थ्य : सरल प्रतिबल तथा विकृति, प्रत्यास्थ स्थिरांक, अक्षतःभारित संपीड़न अपरूपण बल तथा बंकन आधूर्ण, सरलबंकन का सिद्धांत, अनुप्रस्थ काट का अपरूपण प्रतिबल वितरण, समसामर्थ्य धरण ।

धरण विक्षेप : मैकाले विधि, मोर की आधूर्ण क्षेत्र विधि, अनुरूप धरण विधि, एकांक भार विधि, शाफ्ट की ऐंटन, स्तंभों का प्रत्यास्थ स्थायित्व । आयलर, रेनकार्डन तथा सीकेट सूत्र ।

1.3 संरचनात्मक विश्लेषण : कास्टिलियानोस प्रमेय । तथा II, धरण और कील संधियुक्त कैची में प्रयुक्त संगत विकृति की एकांक भार विधि, ढाल विक्षेप, आधूर्ण वितरण ।

वेलन भार और प्रभाग रेखाएँ : धारण के परिच्छेद पर अपरूपण बल तथा बंकन आधूर्ण के लिए प्रभाव रेखाएँ । गतिशील भार प्रणाली द्वारा धरण चक्रमण में अधिकतम अपरूपण बल तथा बंकन आधूर्ण हेतु मानदंड। सरल आलंबित समतल कील संधि युक्त कैची हेतु प्रभाव रेखाएँ ।

डाट : त्रिकोल, द्विकोल तथा आबद्ध डाट-पर्शुका लघीयन एवं तापमान प्रभाग ।

विश्लेषण की आव्यूह विधि : अनिर्धारित धरण तथा दृढ़ दांचों का बल विधि तथा विस्थापन विधि से विश्लेषण ।

धरण और दांचों का प्लास्टिक विश्लेषण : प्लास्टिक बंकन सिद्धांत, प्लास्टिक विश्लेषण, स्थैतिक प्रणाली; यांत्रिकी विधि।

असमित बंकन : जड़त्व आधूर्ण, जड़त्व उत्पाद, उदासीन अक्ष और मुख्य की स्थिति, बंकन प्रतिबल की परिणाम ।

2. संरचनात्मक इस्पात अभिकल्प : इस्पात, कंक्रीट तथा चिनाई संरचना

2.1 संरचनात्मक इस्पात अभिकल्प : संरचनात्मक इस्पात : सुरक्षा गुणक और भार गुणक । कवचित तथा बेल्डिंग जोड़ तथा संयोजन । तनाव तथा संपीड़न इकाइयों का अभिकल्प, संघटित परिच्छेद का धरण कवचित तथा बेल्डिंग प्लेट गर्डर, गैंडी गर्डर, बैटन एवं लॉसिंगयुक्त स्टॉचियन्स ।

2.2 कंक्रीट तथा चिनाई संरचना का अभिकल्प : मिश्र अभिकल्प की संकल्पना, प्रबलित कंक्रीट : कार्यकारी प्रतिबल तथा सीमा अवस्था विधि से अभिकल्प-पुस्तिकाओं की सिफारिशें, बन-वे एवं टू-वे स्लैब की डिजाइन, सोपान स्लैब, आयताकार T एवं L काट के सरल एवं सतत धरण । उत्केन्द्रता सहित अधवा रहित प्रत्यक्ष भार के अंतर्गत संपीड़न इकाइयाँ। विलगित एवं संयुक्त नीव। केंटीलीवर एवं काउंटर फोर्ट प्ररूप ।

प्रतिधारक भित्ति।

जलटंकी : पृथकी पर रखे आयताकार एवं गोलाकार टंकियों की अभिकल्पन आवश्यकताएँ ।

पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट: पूर्व प्रतिबलित के लिए विधियाँ और प्रणालियाँ, स्थिरक स्थान, कार्यकारी प्रतिबल आधारित आनति के लिए परिच्छेद का विश्लेषण और अभिकल्प, पूर्व प्रतिबलित हानि।

3. तरल यांत्रिकी, मुक्त वाहिका प्रवाह एवं द्रवचालित मशीनें

3.1 तरल यांत्रिकी : तरल गुणधर्म तथा तरल गति में उनकी भूमिका, तरल स्थैतिकी जिसमें समतल तथा बक्र सतह पर कार्य करने वाले बल भी शामिल हैं। तरल प्रवाह की शुद्धगतिकी एवं गतिकी: वेंग और त्वरण, सरिता रेखाएँ, सांतत्य समीकरण, अधूर्णी तथा धूर्णी प्रवाह, वेंग विभव एवं सरिता फलन। सांतत्य, संवेग एवं ऊर्जा समीकरण, नेवियर स्टोक्स समीकरण, आयलर गति समीकरण, तरल प्रवाह समस्याओं में अनुप्रयोग, पाइप प्रवाह, स्लूइस गेट, वियर।

3.2 विमीय विश्लेषण एवं समरूपता : बकिंघम Pi-प्रमेय विमारहित प्राचल।

3.3 स्तरीय प्रवाह : समांतर, अचल एवं चल प्लेटों के बीच स्तरीय प्रवाह, द्यूब द्वारा प्रवाह।

3.4 परिसीमा परत : चपटी प्लेट पर स्तरीय एवं विक्षुब्ध परिसीमा परत, स्तरीय उपपरत, मसुण एवं रूक्ष परिसीमाएं, विकर्ष एवं लिफ्ट।

पाइपों द्वारा विक्षुब्ध प्रवाह: विक्षुब्ध प्रवाह के अभिलक्षण, वेग वितरण एवं पाइप धर्षण गुणक की विविधता, जलदाब प्रवणता रेखा तथा पूर्ण ऊर्जा रेखा।

3.5 मुक्त घहिका प्रवाह : समान एवं असमान प्रवाह, आधूर्ण एवं ऊर्जा संतुङ्गि गुणक, विशिष्ट ऊर्जा तथा विशिष्ट बल, क्रांतिक गहराई, तीव्र परिवर्ती प्रवाह, जलोच्चाल, क्रमशः परिवर्मी प्रवाह, पृष्ठ परिच्छेदिका वर्गीकरण, नियंत्रण काट, परिवर्ती प्रवाह समीकरण के समाकलन की सोपान विधि।

3.6 द्रवचालित यंत्र तथा जलशक्ति :

द्रवचालित टर्बाइन, प्रारूप वर्गीकरण, टर्बाइन चयन, निष्पादन प्राचल, नियंत्रण, अभिलक्षण, विशिष्ट गति। जलशक्ति विकास के सिद्धान्त।

4. भू-तकनीकी इंजीनियरी

मृदा के प्रकार एवं संरचना, प्रवणता तथा कण आकार वितरण, गढ़ता सीमाएं।

मृदा जल कोशिकीय तथा संरचनात्मक प्रभावी प्रतिबल तथा रंध्र जल दाब, प्रयोगशाला निर्धारण, रिसन दाब, बालु पंक अवस्था-कर्तन-सामर्थ्य परीक्षण-मोर कूलांब संकल्पना-मृदा संहनन-प्रयोगशाला एवं क्षेत्र परीक्षण। संपीड़यता एवं संपिंडन संकल्पना-संपिंडन सिद्धान्त-संपीड़यता स्थिरण विश्लेषण। भूदाब सिद्धान्त एक प्रतिधारक भित्ति के लिए विश्लेषण, चादरी स्थूलाभित्ति एवं बंधनयुक्त खनन के लिए अनुप्रयोग। मृदा धारण क्षमता-विश्लेषण के उपागम-क्षेत्र परीक्षण-स्थिरण विश्लेषण-भूगमन ढाल का स्थायित्व।

मृदाओं का अवपृष्ठ खनन-विधियाँ।

नींव-संरचना नींव के प्रकार एवं चयन मापदंड-नींव अभिकल्प मापदंड-पाद एवं पाइल प्रतिबल वितरण विश्लेषण, पाइप समूह कार्य-पाइल भार परीक्षण। भूतल सुधार प्रविधियाँ।

प्रश्न पत्र-2

1. निर्माण तकनीकी, उपकरण, योजना और प्रबंध

1.1 निर्माण तकनीकी :

इंजीनियरी सामग्री : निर्माण सामग्री के निर्माण में उनके प्रयोग की दृष्टि से, भौतिक गुणधर्म : पत्थर, ईंट तथा टाइल, चूना, सीमेंट तथा विविध सुखी मसाला एवं कंकीट। लौह सीमेंट के विशिष्ट उपयोग, तंतु प्रबाति C.C., उच्च सामर्थ्य कंकीट। इमारती लकड़ी : गुणधर्म एवं दोष, सामान्य संरक्षण, उपचार।

कम लागत के आवास, जन आवास, उच्च भवनों जैसे विशेष उपयोग हेतु सामग्री उपयोग एवं चयन।

1.2 निर्माण : ईंट, पत्थर, ब्लाकों के उपयोग के चिनाई सिद्धांत-निर्माण विस्तारण एवं सामर्थ्य अभिलक्षण। प्लास्टर, प्लाईटिंग, फ्लारिंग, रूफिंग एवं निर्माण अभिलक्षणों के प्रकार।

भवनों के सामान्य मरम्मत कार्य।

रहिवासों एवं विशेष उपयोग के लिए भवन की कार्यात्मक योजना के सिद्धांत भवन कोड उपबंध। विस्तृत एवं लाभग्राहक आकलन के आधारभूत सिद्धांत-विनिर्देश लेखन एवं दर विश्लेषण-स्थावर।

संपत्ति भूल्यांकन के सिद्धांत।

मृदाबंध के लिए मशीनरी, कंकीटकरण एवं उनका विशिष्ट उपयोग-उपकरण चयन को प्रभावित करने वाले कारक-उपकरणों की प्रचालन लागत।

1.3 निर्माण योजना एवं प्रबंध : निर्माण कार्यकलाप-कार्यक्रम-निर्माण उद्योग का संगठन गुणता आश्वासन सिद्धांत।

नेटवर्क के आधारभूत सिद्धांतों का उपयोग CPM एवं PERT के रूप में विश्लेषण :—

निर्माण मॉनीटरी, लागत इष्टतमीकरण एवं संसाधन नियतन में उनका उपयोग। आर्थिक विश्लेषण एवं विधि के आधारभूत सिद्धांत।

परियोजना लाभदायकता—

वित्तीय आयोजना के बूट उपागम के आधारभूत सिद्धांत सरल टैल नियतीकरण मानदंड।

2. सर्वेक्षण एवं परिवहन इंजीनियरी

2.1 सर्वेक्षण : CE कार्य की दूरी एवं कोण मापने की सामान्य विधियाँ एवं उपकरण, स्लेन टेबल में उनका उपयोग, चक्रम सर्वेक्षण समतलन, त्रिकोण, रूपलेखण एवं रथलाकृतिक मानचित्र, फोटोग्राममिति एवं दूर संवेदन के सामान्य सिद्धांत।

2.2 रेलवे इंजीनियरी :

स्थायी पथ-अवयव, प्रकार एवं उनके प्रकार्य टर्न एवं क्रांसिंग के प्रकार्य एवं अभिकल्प घटक-ट्रैक के भूमितीय अभिकल्प की आवश्यकता-स्टेशन एवं यार्ड का अभिकल्प।

2.3 राजमार्ग इंजीनियरी : राजमार्ग संरखन के सिद्धांत, सड़कों का वर्गीकरण एवं ज्यामितिक अभिकल्प अवयव एवं सड़कों के मानक। नम्ब एवं दृढ़ कुटिटम हेतु कुटिटम संरचना, कुटिटम के अभिकल्प सिद्धांत एवं क्रियापद्धति। प्ररूपी निर्माण विधियाँ एवं स्थायीकृत मृदा, WBM, बिदुमेनी निर्माण एवं CC सड़कों के लिए सामग्री। सड़कों के लिए बहिस्तल एवं अधस्तल अपवाह विन्यास-पुलिया संरचनाएं। कुटिटम विक्षेप एवं उन्हें उपरिशायी द्वारा मजबूती प्रदान करना। यातायात सर्वेक्षण

एवं यातायात आयोजना में उनके अनुप्रयोग-प्रणालित, इंटरसेक्शन एवं घूर्णी आदि के लिए अभिकल्प विशेषताएं-सिगनल अभिकल्प-मानक यातायात चिह्न एवं अंकन ।

3. जल विज्ञान, जल संसाधन एवं इंजीनियरी

3.1 जल विज्ञान : जलीय चक्र, अवक्षेपण, वाष्पीकरण, वाष्पोत्सर्जन, अंतःस्यदन, अधिभार प्रवाह, जलारेख, बाढ़, आवृत्ति विश्लेषण, जलाशय द्वारा बाढ़ अनुशीलन, वाहिका प्रवाह मार्गभिंगमन-मस्किंग विधि ।

3.2 भू-तल प्रवाह : विशिष्ट लम्बि, संचयन गुणांक, पारगम्यता गुणांक, परिरुद्ध तथा अपरिरुद्ध जलप्रवाही स्तर, एकिटार्ड, परिरुद्ध तथा अपरिरुद्ध स्थितियों के अंतर्गत एक कूप के भीतर अरीय प्रवाह ।

3.3 जल संसाधन इंजीनियरी : भू तथा धरातल जल संसाधन, एकल तथा बहुउद्देशीय परियोजनाएं, जलाशय की संचयन क्षमता, जलाशय हानियाँ, जलाशय अवसादन ।

3.4 सिंचाई इंजीनियरी :

- (क) फसलों के लिए जल की आवश्यकता : क्षयी उपयोग, कृति तथा डेल्टा, सिंचाई के तरीके तथा उनकी वक्षताएं ।
- (ख) नहरें : नहर सिंचाई के लिए आवंटन पद्धति, नहर क्षमता, नहर की हानियाँ, मुख्य तथा वितरिका नहरों का संखन-अत्यधिक दक्ष काट, अस्तरित नहरें, उनके डिजाइन, रिजीम सिद्धांत, क्रांतिक अपरूपण प्रतिबल, तल भार ।
- (ग) जल-प्रस्तरा : कारण तथा नियंत्रण, लवणता ।
- (घ) नहर संरचना : अभिकल्प, दाबोच्चता नियमक, नहर प्रपात, जलप्रभावी सेतु, अवनलिका एवं नहर विकास का मापन ।
- (ङ) द्विपरिवर्ती शीर्ष कार्य पारगम्य तथा अपारगम्य नींवों पर वाधिका के सिद्धांत और डिजाइन, खोसला सिद्धांत, ऊर्जा क्षय ।
- (च) संचयन कार्य : बांधों की किस्में, डिजाइन, दृढ़ गुरुत्व के सिद्धांत, स्थायित्व विश्लेषण ।
- (छ) उत्प्लव मार्ग : उत्प्लव मार्ग के प्रकार, ऊर्जा क्षय ।
- (ज) नदी प्रशिक्षण : नदी प्रशिक्षण के उद्देश्य, नदी प्रशिक्षण की विधियाँ ।

4. पर्यावरण इंजीनियरी

4.1 जल पूर्ति : जल मांग की प्रामुखिक, जल की अशुद्धता तथा उसका महत्व, भौतिक, रसायनिक तथा जीवाणु विज्ञान संबंधी विश्लेषण, जल से होने वाली जीवाणुयाँ, पेय जल के लिए मानक ।

4.2 जल का अंतर्ग्रहण : जल उपचार : स्कंदन के सिद्धांत, ऊर्पन तथा सादन, मंददूत, दात्र फिल्टर, ब्लोरीनीकरण, मृदुकरण, स्वाद, गंध तथा लवणता को दूर करना ।

4.3 वाहित मल व्यवस्था : घरेलू तथा औद्योगिक अपशिष्ट, इंजीवात वाहित मल-पृथक और संयुक्त प्रणालियाँ, सीवरों द्वारा बहाव, सीवरों का डिजाइन ।

4.4 सीवेज लक्षण : BOD, COD, ठोस पदार्थ, विलोन ऑक्सीजन, नाइट्रोजन और TOC, सामान्य जल मार्ग तथा भूमि पर निष्कासन के मानक ।

4.5 सीवेज उपचार : कार्यकारी नियम, इकाइयाँ, कोष्ठ, अवसादन टैक, च्वापी फिल्टर, आक्सीकरण पोखर, उत्प्रेरित अवपंक प्रक्रिया, सैटिंग टैक, अवपंक निस्तारण, अवशिष्ट जल का पुनः चालन ।

4.6 ठोस अपशिष्ट : गांवों और शहरों में संग्रहण एवं विस्तारण, दीर्घकालीन कुप्रभावों का प्रबंध ।

5. पर्यावरणीय प्रदूषण : अवलाबत विकास । रेडियोएक्टिव अपशिष्ट एवं निष्कासन, उष्मीय शक्ति संयंत्रों, खानों, नदी घाटी, परियोजनाओं के लिए पर्यावरण संबंधी प्रभाव मूल्यांकन, वायु प्रदूषण, वायु प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम ।

वाणिज्य एवं लेखाविधि

प्रश्न पत्र 1

लेखाकरण एवं वित्त

लेखाकरण, कराधान एवं सेखापरीक्षण

1. वित्तीय लेखाकरण : वित्तीय सूचना प्रणाली के रूप में लेखाकरण ; व्यवहारपरक विज्ञानों का प्रभाव, लेखाकरण मानक, उदाहरणार्थ, मूल्यांकन के लिए लेखाकरण, मालसूचियाँ, अनुसंधान एवं विकास लागतें, दीर्घावधि निर्माण संविदाएं, राजस्व की पहचान, स्थिर परिस्पत्नियाँ, आकस्मिकताएं, विदेशी मुद्रा के लेन-देन, निवेश एवं सरकारी अनुदान, नकदी प्रवाह विवरण, प्रतिशेयर अर्जन ।

बोनस शेयर, राइट शेयर, कर्मचारी स्टाक विकल्प एवं प्रतिभृतियों की वापसी खरीद (बाई-बैक) समेत शेयर पूँजी लेन-देनों का लेखाकरण ।

कंपनी अंतिम लेखे तैयार करना एवं प्रस्तुत करना ।

कंपनियों का समाप्तेन, आमेलन एवं पुनर्निर्माण ।

2. लागत लेखाकरण

लागत लेखाकरण का स्वरूप और कार्य । लागत लेखाकरण प्रणाली का संस्थापन, आय मापन से संबंधित लागत संकल्पनाएं, लाभ आयोजना, लागत नियंत्रण एवं निर्णयन ।

लागत निकालने की विधियाँ : जोख लागत निर्धारण, प्रक्रिया लागत निर्धारण कार्यकलाप आधारित लागत निर्धारण । लाभग आयोजन के उपकरण के रूप में परिमाण-लागत लाभ संबंध ।

कीमत निर्धारण निर्णयों के रूप में व्यापिक विश्लेषण/विपेदक लागत निर्धारण, उत्पाद निर्णय, निर्माण या क्रय निर्णय, बंद करने का निर्णय आदि ; लागत नियंत्रण एवं लागत न्यूनीकरण प्रविधियाँ : योजना एवं नियंत्रण के उपकरण के रूप में बजटन । मानक लागत निर्धारण एवं प्रमाण विश्लेषण, उत्तरदायित्व लेखाकरण एवं प्रभागीय निष्पादन मापन ।

3. कराधान

आयकर : परिभायाएं ; प्रभार का आधार; कुल आय का भाग न घने वाली आय । विभिन्न मदों, अर्धात् वेतन, गृह संरप्ति से आय,

व्यापार या व्यवसाय से प्राप्तियां और लाभ, पूंजीगत प्राप्तियां, अन्य, स्रोतों से आय व निर्धारिती की कुल आय में शामिल अन्य व्यक्तियों की आय। हानियों का समंजन एवं अग्रनयन। आय के सकल योग से कटौतियां।

मूल्य आधारित कर (VAT) एवं सेवा कर से संबंधित प्रमुख विशेषताएं/उपबंध।

4. लेखा परीक्षण

कपनी लेखा परीक्षा : विभाज्य लाभों से संबंधित लेखा परीक्षा, लाभांश, विशेष जांच, कर लेखा परीक्षा। बैंकिंग, बीमा एवं और-लाभ संगठनों की लेखा परीक्षा; पूर्त संस्थाएं/न्यासें/संगठन।

भाग-2

वित्तीय प्रबंध, वित्तीय संस्थान एवं बाजार

1. वित्तीय प्रबंध

वित्त प्रकार्य : वित्तीय प्रबंध का स्वरूप, दायरा एवं लक्ष्य : जोखिम एवं वापसी संबंध। वित्तीय विश्लेषण के उपकरण : अनुपात विश्लेषण, निधि प्रवाह एवं रोकड़ प्रवाह विवरण।

पूंजीगत बजटन निर्णय : प्रक्रिया, विधियां एवं आकलन विधियां। जोखिम एवं अनिश्चितता विश्लेषण एवं विधियां।

पूंजी की लागत : संकल्पना, पूंजी की विशिष्ट लागत एवं तुलित औसत लागत का अभिकलन। इक्विटी पूंजी की लागत निर्धारित करने के उपकरण के रूप में CAPM।

वित्तीयन निर्णय : पूंजी संरचना का सिद्धांत-निवल आय (NI) उपागम। निवल प्रचालन आय (NOI) उपागम, MM उपागम एवं पारंपरिक उपागम।

पूंजी संरचना का अभिकल्पन : लिवरेज के प्रकार (प्रचालन, वित्तीय एवं संयुक्त) EBIT-EPS विश्लेषण एवं अन्य कारक।

लाभांश निर्णय एवं फर्म का मूल्यांकन : वाल्टर का मॉडल, MM थीसिस, गोडन का मॉडल, लिंटनर का मॉडल। लाभांश नीति को प्रभावित करने वाले कारक।

कार्यशील पूंजी प्रबंध : कार्यशील पूंजी आयोजना। कार्यशील पूंजी के निर्धारक। कार्यशील पूंजी के घटक रोकड़, मालसूची एवं प्राप्ति।

विलयनों एवं परिग्रहणों पर एकाग्र कम्पनी पुनर्संरचना (केवल वित्तीय परिप्रेक्ष्य)।

2. वित्तीय बाजार एवं संस्थान

भारतीय वित्तीय व्यवस्था : विहंगावलोकन।

मुद्रा बाजार : सहभागी, संरचना एवं प्रपत्र/वित्तीय बैंक।

बैंकिंग क्षेत्र में सुधार : भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक एवं ऋण नीति। नियमक के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक।

पूंजी बाजार : प्राथमिक एवं द्वितीयक बाजार : वित्तीय बाजार प्रपत्र एवं बनक्रियात्मक ऋण प्रपत्र; नियमक के रूप में वित्तीय सेवाएं : म्यूचुअल फंड्स, जोखिम पूंजी, साथ भान अभिकरण, बीमा एवं IRDA।

प्रश्न पत्र-2

संगठन सिद्धांत एवं व्यवहार, मानव संसाधन प्रबंध एवं औद्योगिक संबंध

संगठन सिद्धांत एवं व्यवहार

1. संगठन सिद्धांत

संगठन का स्वरूप एवं संकल्पना; संगठन के बाह्य परिवेश-प्रौद्योगिकीय, सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं विधिक; सांगठनिक लक्ष्य-प्राथमिक एवं द्वितीयक लक्ष्य, एकल एवं बहुल लक्ष्य; उद्देश्याधारित प्रबंध/संगठन सिद्धांत का विकास : ब्लासिकी, नवकलासिकी एवं प्रणाली उपागम।

संगठन सिद्धांत की आधुनिक संकल्पना ; सांगठनिक अभिकल्प, सांगठनिक संरचना एवं सांगठनिक संस्कृति।

सांगठनिक अभिकल्प : आधारभूत चुनौतियां; पृथकीकरण एवं एकीकरण प्रक्रिया; केंद्रीकरण एवं विकेन्द्रीकरण प्रक्रिया; मानकीकरण/औपचारिकीकरण एवं परस्पर समायोजन।

औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठनों का समन्वय। यांत्रिक एवं सावधान संरचना।

सांगठनिक संरचना का अभिकल्पन-प्राधिकार एवं नियंत्रण; व्यवसाय एवं स्टाफ प्रकार्य, विशेषज्ञता एवं समन्वय।

सांगठनिक संरचना के प्रकार-प्रकार्यात्मक।

आधाती संरचना, परियोजना संरचना। शक्ति का स्वरूप एवं आधार, शक्ति के स्रोत, शक्ति संरचना एवं राजनीति। सांगठनिक अभिकल्प एवं संरचना पर सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव।

सांगठनिक संस्कृति का प्रबंधन।

2. संगठन व्यवहार

अर्थ एवं संकल्पना; संगठनों में व्यक्ति : व्यक्तित्व, सिद्धांत, एवं निर्धारक; प्रत्यक्षण-अर्थ एवं प्रक्रिया। अभिप्रेरण : संकल्पना, सिद्धांत एवं अनुप्रयोग।

नेतृत्व-सिद्धांत एवं शैलियां। कार्यजीवन की गुणता (QWL) : अर्थ एवं निष्पादन पर इसका प्रभाव, इसे बढ़ाने के तरीके। गुणता चक्र (QC) - अर्थ एवं उनका महत्व। संगठनों में द्वन्द्वों का प्रबंध। लेन-देन विश्लेषण, सांगठनिक प्रभावकारिता, परिवर्तन का प्रबंध।

भाग 2

मानव संसाधन प्रबंध एवं औद्योगिक संबंध

मानव संसाधन प्रबंध (HRM)

मानव संसाधन प्रबंध का अर्थ, स्वरूप एवं क्षेत्र, मानव संसाधन आयोजना, जॉब विश्लेषण, जॉब विवरण, जॉब विनिर्देशन, नियोजन प्रक्रिया, चयन प्रक्रिया, अभिमुखीकरण एवं स्थापन, प्रशिक्षण एवं विकास प्रक्रिया, निष्पादन आकलन : एवं 360° फीडबैक, वेतन एवं मजदूरी प्रशासन, जॉब मूल्यांकन, कर्मचारी कल्याण, पदोन्नतियां, स्थानान्तरण एवं पृथक्करण।

2. औद्योगिक संबंध (IR)

औद्योगिक संबंध का अर्थ, स्वरूप, महत्व एवं क्षेत्र, ट्रेड यूनियनों की रचना, ट्रेड यूनियन विधान, भारत में ट्रेड यूनियन आंदोलन, ट्रेड यूनियनों की मान्यता, भारत में ट्रेड यूनियनों की समस्याएं। ट्रेड यूनियन आंदोलन पर उदारीकरण का प्रभाव।

औद्योगिक विवादों का स्वरूप : हड्डाल एवं तालाबंदी, विवाद के कारण, विवादों का निवारण एवं निपटारा। प्रबंधन में कामगारों की सहभागिता : दर्शन, तकाधिर, मौजूदा स्थिति एवं भावी संभावनाएं।

न्यायनिर्णय एवं सामूहिक सौदाकारी

सार्वजनिक उद्यमों में औद्योगिक संबंध, भारतीय उद्योगों में गैर-हाजिरी एवं श्रमिक आवर्त एवं उनके कारण और उपचार।

ILO एवं इसके प्रकार्य।

अर्थशास्त्र

प्रश्न पत्र-1

1. उत्तर व्यष्टि अर्थशास्त्र

- (क) कीमत निर्धारण के मार्शलियन एवं वालयसियम उपागम।
- (ख) वैकल्पिक वितरण सिद्धांत : रिकार्डो, काल्डोर, कलीकी।
- (ग) बाजार संरचना : एकाधिकारी प्रतियोगिता, द्विअधिकार, अल्पाधिकार।
- (घ) आधुनिक कल्याण मानदंड : परेटी हिक्स एवं सितोवस्की, ऐरो का असंभावना प्रमेय, ए. के. सेन का सामाजिक कल्याण फलन।

2. उत्तर समष्टि अर्थशास्त्र

नियोजन आय एवं ब्याज दर निर्धारण के उपागम : क्लासिकी, कोन्स (IS-LM) वक, नवक्लासिकी संश्लेषण एवं नया क्लासिकी, ब्याज दर निर्धारण एवं ब्याज दर संरचना का सिद्धांत।

3. मुद्रा बैंकिंग एवं वित्त :

- (क) मुद्रा की मांग और पूर्ति : मुद्रा का मुद्रा गुणक मात्रा सिद्धांत (फिशर, पीक एवं फ्राइडमैन) तथा कीन का मुद्रा के लिए मांग का सिद्धांत, बंद और खुली अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा प्रबंधन के लक्ष्य एवं साधान। केन्द्रीय बैंक और खजाने के बीच संबंध। मुद्रा की वृद्धि दर पर उच्चतम सीमा का प्रस्ताव।
- (ख) लोक वित्त और बाजार अर्थव्यवस्था में इसकी भूमिका : पूर्ति के स्थिरीकरण में, संसाधनों का विनियान और वितरण और संवृद्धि। सरकारी राजस्व के स्रोत, करों एवं उपदानों के रूप, उनका भार एवं प्रभाव। कराधान की सीमाएं, ऋण, क्राउडिंग आउट प्रभाव एवं ऋण लोन की सीमाएं। लोक व्यय एवं इसके प्रभाव।

4. अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

(क) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के पुराने और नए सिद्धांत :

- (i) तुलनात्मक लाभ,

- (ii) व्यापार शर्तें एवं प्रस्ताव वक,
- (iii) उत्पाद चक्र एवं निर्णायक व्यापार सिद्धांत,
- (iv) "व्यापार, संवृद्धि के चालक के रूप में" और खुली अर्थव्यवस्था में अविकास के सिद्धांत।
- (ख) संरक्षण के स्वरूप : टैरिफ एवं कोटा।
- (ग) भुगतान शेष समायोजन : वैकल्पिक उपागम :

 - (i) कीमत बनाम आय, नियत विनियम दर के अधीन आय के समायोजन।
 - (ii) मिश्रित नीति के सिद्धांत।
 - (iii) पूंजी चलिष्युता के अधीन विनियम दर समायोजन।
 - (iv) विकासशील देशों के लिए तिरती दरें और उनकी विविधा, मुद्रा (करेंसी) बोर्ड।
 - (v) व्यापार नीति एवं विकासशील देश।
 - (vi) BOP खुली अर्थव्यवस्था समष्टि मॉडल में समायोजन तथा नीति समन्वय।
 - (vii) सट्टा।
 - (viii) व्यापार गुट एवं मैट्रिक संघ।
 - (ix) विश्व व्यापार संगठन (WTO) : TRIM, TRIPS, घरेलू उपाय WTO बातचीत के विभिन्न चक्र।

5. संवृद्धि एवं विकास

- (क) (i) संवृद्धि के सिद्धांत : हैरूड का मॉडल।
- (ii) अधिशेष श्रमिक के साथ विकास का ल्यूइस मॉडल।
- (iii) संतुलित एवं असंतुलित संवृद्धि।
- (iv) मानव पूंजी एवं आर्थिक वृद्धि।
- (ख) कम विकसित देशों का आर्थिक विकास का प्रक्रम : आर्थिक विकास एवं संरचना परिवर्तन के विषय में मिडल एवं कुजमेंट्स : कम विकसित देशों के आर्थिक विकास में कृषि की भूमिका।
- (ग) आर्थिक विकास तथा अंतर्राष्ट्रीय एवं निवेश, बहुराष्ट्रीयों की भूमिका।
- (घ) आयोजना एवं आर्थिक विकास : बाजार की बदलती भूमिका एवं आयोजना, निजी-सरकारी साझेदारी।
- (ङ) कल्याण संकेतक एवं वृद्धि के भाष-मानव विकास के सूचक। आधारभूत आवश्यकताओं का उपागम।
- (च) विकास एवं पर्यावरणी धारणीयता-पुनर्नवीकरणीय एवं अपुनर्नवीकरणीय संसाधन, पर्यावरणी अपकर्य अंतर-पीढ़ी इक्विटी विकास।

प्रश्न पत्र-11

1. स्वतंत्रता पूर्व युग में भारतीय अर्थव्यवस्था : भूमि प्रणाली एवं इसके परिवर्तन, कृषि का वाणिज्यीकरण, अपवहन सिद्धांत, अवधंता सिद्धांत एवं समालोचना । निर्माण एवं परिवहन : जूट कपास, रेलवे, मुद्रा एवं साख ।

2. स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय अर्थव्यवस्था :

क. उदारीकरण के पूर्व का युग

- (i) वकील, गाइगिल एवं वी. के. आर. वी. राव के योगदान ।
- (ii) कृषि : भूमि सुधार एवं भूमि पट्टा प्रणाली, हरित क्रांति एवं कृषि में पूँजी निर्माण ।
- (iii) संघटन एवं संवृद्धि में व्यापार प्रवृत्तियां, सरकारी एवं निजी क्षेत्रों की भूमिका, लघु एवं कुटीर उद्योग ।
- (iv) राष्ट्रीय एवं प्रतिव्यक्ति आय : स्वरूप, प्रवृत्तियां, सकल एवं क्षेत्रीय संघटन तथा उनमें परिवर्तन ।
- (v) राष्ट्रीय आय एवं वितरण को निर्धारित करने वाले स्थूल कारक, गरीबी के माप, गरीबी एवं असमानता में प्रवृत्तियां ।

ख. उदारीकरण के पश्चात् का युग

- (i) नया आर्थिक सुधार एवं कृषि : कृषि एवं WTO, खाद्य प्रसंस्करण, उपदान, कृषि कीमतें एवं जन वितरण प्रणाली, कृषि संवृद्धि पर लोक व्यय का समाधान ।
- (ii) नई आर्थिक नीति एवं उद्योग : औद्योगीकरण निजीकरण, विनिवेश की कार्य नीति, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश तथा बहुराष्ट्रीयों की भूमिका ।
- (iii) नई आर्थिक नीति एवं व्यापार : बैंडिंग संपदा अधिकार, TRIPS, TRIMs, GATS तथा new EXIM नीति की विवरण ।
- (iv) नई विनियम दर व्यवस्था : आंशिक एवं पूर्ण परिवर्तनीयता ।
- (v) नई आर्थिक नीति एवं लोक वित्त : राजकोषीय उत्तरदायित्व अधिनियम, बाहराहां वित्त आयोग एवं राजकोषीय संघवाद तथा राजकीयी समेकन ।
- (vi) नई आर्थिक नीति एवं मौद्रिक प्रणाली : नई व्यवस्था में RBI की भूमिका ।
- (vii) आयोजना : केन्द्रीय आयोजना से संकेतिक आयोजना तक, विकेन्द्रीकृत आयोजना और संवृद्धि हेतु बाजार एवं आयोजना के बीच संबंध : 73वां एवं 74वां संविधान संशोधन ।
- (viii) नई आर्थिक नीति एवं रोजगार : रोजगार एवं गरीबी, ग्रामीण मजदूरी, रोजगार सुजन, गरीबी उन्मूलन योजनाएं, नई ग्रामीण रोजगार गरंटी योजना ।

वैद्युत इंजीनियरी

प्रश्न पत्र-1

1. परिपथ-सिद्धांत

वैद्युत अवयव, जाल लेखचित्र, केल्विन धारा नियम, केल्विन बोल्टा नियम, परिपथ विश्लेषण विधियां, नोडीय विश्लेषण; पाश विश्लेषण; आधारभूत जाल प्रमेय तथा अनुप्रयोग; क्षणिका विश्लेषण; RL, RC एवं RLC परिपथ; ज्वायकीय स्थायी अवस्था विश्लेषण; अनुनादी परिपथ; युग्मित परिपथ; संतुलित त्रिकला परिपथ । द्विकारक जाल ।

2. संकेत एवं तंत्र

सतत काल एवं विवक्त-काल संकेतों एवं तंत्र का निरूपण; रैखिक काल निश्चर तंत्र, संवलन आवेग, अनुक्रिया; संवलन एवं अवकल अंतर समीकरणों पर आधारित रैखिक काल निश्चर तंत्रों का समय क्षेत्र विश्लेषण । फूरिए रूपांतर, लेस्लास रूपांतर, जैड-रूपांतर, अंतरण फलन संकेतों का प्रतिचयन एवं उनकी प्रतिप्राप्ति । विवक्त कालतंत्रों के द्वारा तुल्य रूप संकेतों का DFT, FFT संसाधन ।

3. वैद्युत घुम्लकीय सिद्धांत

मैक्सवेल समकरण, परिवद्ध माध्यम में तरंग संचरण । परिसीमा अवस्थाएं, समतल तरंगों का परावर्तन एवं अपवर्तन । संचरण लाइनें, प्रगामी एवं अप्रगामी तरंगे, प्रति बाधा प्रतितुलन, स्मिथ चार्ट ।

4. तुल्य एवं इलेक्ट्रॉनिकी

अभिलक्षण एवं डायोड का तुल्य परिपथ (वृहत एवं लघु संकेत), द्विसंधि ट्रांजिस्टर, संधि क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर एवं धातु ऑक्साइड सामिचालक क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर । डायोड परिपथ : कर्तन, प्रामी, दिष्टकारी । अभिनतिकरण एवं अभिनति स्थायित्व । क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर प्रवर्धक । धारा दर्पण, प्रवर्धक : एकल एवं बहुचरणी, अवकल, संक्रियात्मक, पुनर्निवेश एवं शक्ति । प्रबंधकों का विश्लेषण, प्रबंधकों की आवृत्ति अनुक्रिया । संक्रियात्मक प्रबंधक परिपथ । निरयंदक, ज्वायकीय दोलित्र : दोलन के लिए कसौटी, एकल ट्रांजिस्टरी और संक्रियात्मक प्रवर्धक विन्यास । फलन जनित्र एवं तरंग परिपथ । रैखिक एवं स्थिर विद्युत प्रदाया ।

5. अंकीय इलेक्ट्रॉनिकी

बूलीय बीजावली, बूलीय फलन का न्यूनतमीकरण; तर्कद्वार, अंकीय समाकलित परिपथ कुल, (DTL, TTL, ECL, MOS, CMOS) । संयुक्त परिपथ अंकगणितीय परिपथ, कोड परिवर्तक, मल्टीप्लेक्सर एवं विकोडित्र ।

अनुक्रमिक परिपथ, चर्चानी एवं ध्यानित्र एवं वस्थापन पंजीयक । तुलनित्र, कालनियामक बहुकंपित्र । प्रतिदर्श एवं धारा । परिपथ, तुल्यरूप अंकीय परिवर्तन (ADC) एवं अंकीय तुल्य रूप परिवर्तक (DAC) । सामिचालक स्मृतियां । प्रक्रमित युक्तियों का प्रयोग करते हुए तर्क कार्यान्वयन (ROM, PLA, FPGA) ।

6. ऊर्जा रूपांतरण

वैद्युत यांत्रिकी ऊर्जा रूपांतरण के सिद्धांत : धूर्णित मशीनों में बल आधूरण एवं विद्युत चुंबकीय बल । दि.धा. मशीनें : अभिलक्षण एवं नियामन विश्लेषण, मोटरों का प्रारम्भन एवं गति नियंत्रण । परिणामित्र :

प्रचालन एवं विश्लेषण के सिद्धांत; विनियमन दक्षता; त्रिकला परिणामित्र : त्रिकला प्रेरण मशीनें एवं तुल्यकालिक मशीनें; अभिलक्षण एवं निष्पादन विश्लेषण ; गति नियंत्रण ।

7. शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी एवं विद्युत चालन

सामिचालक शक्ति युक्तियां : डायोड, ट्रांजिस्टर, थाइरिस्टर, ट्रायक, GTO एवं धातु आक्साइड सामिचालक क्षेत्र प्रभाव ट्रांजिस्टर स्थैतिक अभिलक्षण एवं प्रचालन के सिद्धांत, ट्रिगरिंग परिपथ, कला नियंत्रण दिस्ट्रिक्टोरी, सेतु परिवर्तक : पूर्ण नियंत्रित एवं अर्डनियंत्रित थाइरिस्टर चापर एवं प्रतीयकों के सिद्धांत, DC-DC परिवर्तक, स्विच मोड़ इन्वर्टर, (dc एवं ac मोटर चालन के गतिनियंत्रण की आधारभूत संकल्पना, विचरणीय चाल चालन के अनुप्रयोग ।

8. तुल्यरूप संचार

यादृच्छिक वर : संतत, विविक्त; प्रायकिता, प्रायिकता फलन । सांख्यिकीय औसत; प्रायिकता निर्दर्श; यादृच्छिक संकेत एवं रख; सम, रख, रखतुल्य बैंड चौड़ाई, रख सहित संकेत प्रेषण, रख संकेत अनुपात, रैखिक CW मॉडुलन : आयाम-मॉडुलन : द्विसाइड बैंड, द्विसाइड बैंड-एकल चैनल (DSB-SC) एवं एकल बैंड । मॉडुलन एवं विमाडुलन; कला और आवृत्ति मॉडुलन ; कला मॉडुलन एवं आवृत्ति मॉडुलन संकेत, संकीर्ण बैंड आवृत्ति मॉडुलन, आवृत्ति मॉडुलन कला मॉडुलन के लिए जनन एवं संसूचन, विष्ववलन, पूर्व प्रबलन । संवाहक तरंग-मूलन (CWM) तंत्र; परासंस्करण अभिग्राही, आयाम मॉडुलन अभिग्राही, संचार अभिग्राही, आवृत्ति मॉडुलन अभिग्राही, कला पारित लूप, एकल साइड बैंड अभिग्राही, आयाम मॉडुलन एवं आवृत्ति मॉडुलन अभिग्राही के लिए सिग्नल-रख अनुपात गणन ।

प्रश्न पत्र-2

1. नियंत्रण तंत्र

नियंत्रण तंत्र के तत्त्व, खंड आरेख निरूपण; खुला पाश एवं बंदपाश तंत्र, पुनर्निवेश के सिद्धांत एवं अनुप्रयोग । नियंत्रण तंत्र अवयव । रैखिक काल निश्चर तंत्र : काल प्रक्षेत्र एवं रूपांतर प्रक्षेत्र विश्लेषण । स्थायित्व : रात्रथ हरविज कसौटी, पूल बिंदुपथ, बोर्ड आलेख एवं पोलर आलेख, नाइक्विएस्ट कसौटी, अग्रपश्चता प्रतिकारक का अभिकल्पन । सामनुपालिक PI, PID, नियंत्रक, नियंत्रण तंत्रों का अवस्था-विचरणीय निरूपण एवं विश्लेषण ।

2. माइक्रोप्रोसेसर एवं माइक्रोकंप्यूटर :

PC संघटन, CPU, अनुदेश सेट, रजिस्टर सेट, टाइमिंग आरेख, प्रोग्रामन, अंतरानयन, स्मृति, अरापृष्ठान, I/O, अंतरापृष्ठन, प्रोग्रामनीय परिधीय युक्तियां ।

3. मापन एवं मापयंत्रण :

त्रुटि विश्लेषण : धारा, बोल्टता, शक्ति, ऊर्जा, शक्ति गुणक, प्रतिरोध, प्रेरकत्व, धारिता एवं आवृत्ति का मापन, सेतु मापन । सिग्नल अनुकूल परिपथ, इलेक्ट्रॉनिक मापन यंत्र; बहुमापी, कैथोड किरण आसिलोस्कोप, अंकीय बोल्टगामी, आवृत्ति गणित, Qमापी, स्पेक्ट्रम विश्लेषक, विरूपण मापी ट्रांसड्यूसर, ताप वैद्युत युग्म, थर्मिस्टर, रेखीय परिवर्तनीय अवकल ट्रांसड्यूसर, विकृति प्रभावी, दाव विद्युत क्रिस्टल ।

4. शक्तितंत्र : विश्लेषण एवं नियंत्रण :

सिरोपरि संचरण लाइनों तथा केबलों का स्थायी दशा निष्पादन, सक्रिय एवं प्रतिधाती शक्ति अंतरण एवं वितरण के सिद्धांत, प्रति इकाई राशियां, बस प्रवेशयता एवं प्रतिबाधा आव्यूह, लोड प्रवाह; बोल्टता नियंत्रक एवं शक्ति गणक संशोधन; आर्थिक प्रचालन; समर्पित घटक; समर्पित एवं असमर्पित दोष का विश्लेषण । तंत्र स्थायित्व की अवधारणा: स्विंग बक्र एवं समक्षेत्र कसौटी । स्थैतिक बोल्ट एंपियर प्रतिधाती तंत्र । उच्च बोल्टता दिस्ट्रिब्युशन संचरण की मूलभूत अवधारणाएं ।

5. शक्तितंत्र रक्षण :

अतिधारा, अवकल एवं दूरी रक्षण के सिद्धांत । ठोस अवस्था रिले की अवधारणा । परिपथ वियोजक । अभिकलित्र सहायता प्राप्त रक्षण; परिचय, लाइन, बस, जनित्र, परिणामित्र रक्षण, संख्यात्मक रिले एवं रक्षण के लिए अंकीय संकेत रक्षण (DSP) का अनुप्रयोग ।

6. अंकीय संचार :

स्पंद कोड माडुलन, अवकल स्पंद कोड मॉडुलन, डेल्टा मॉडुलन अंकीय विमाडुलन एवं विमाडुलन योजनाएं : आयाम, कला एवं अवृत्ति कुंजीयन योजनाएं । त्रुटि नियंत्रण कूटकरण : त्रुटिसंसूचन एवं संशोधन रैखिक खंड कोड, संवलन कोड । सूचना माप एवं स्रोत कूट करण । आंकड़ा जाल, 7-स्तरीय वास्तुकला ।

भूगोल

प्रश्न पत्र-1

भूगोल के सिद्धांत

प्राकृतिक भूगोल

1. भू-आकृति विज्ञान : भू-आकृति विकास के नियंत्रक कारक; अंतर्जात एवं बहिर्जात बल; भूपर्फटी का उद्गम एवं विकास; भू-चुंबकत्व के मूल सिद्धांत; पृथ्वी के अंतरंग की प्राकृतिक दशाएं;

भू-अभिनति; महाद्वीपीय विस्थापन; समस्थिति; प्लेट विवर्तनिकी; पर्वतोत्पत्ति के संबंध में अभिनव विचार; ज्वालामुखीयता; भूकंप एवं सुनामी; भू-आकृतिक चक्र एवं दृश्यभूमि विकास की संकल्पनाएं; अनाच्छादन कालानुक्रम; जलमार्ग आकृतिविज्ञान; अपरदन पृष्ठ; प्रवणता विकास; अनुप्रयुक्त भू-आकृति विज्ञान, भूजलविज्ञान, आर्थिक भू-विज्ञान एवं पर्यावरण ।

2. जलवायु विज्ञान : विश्व के ताप एवं दाव कटिवंध; पृथ्वी का तापीय बजट; बायुमंडल परिसंचरण, बायुमंडल स्थिरता एवं अनस्थिरता । भूमंडलीय एवं स्थानीय पवन; मानसून एवं जंट प्रवाह; बायु राशि एवं वाताप्रजनन; शीतोष्ण एवं उष्ण-कटिबंधीय चक्रबात; वर्षण के प्रकार एवं वितरण; मोसम एवं जलवायु; कोपेन, थॉर्नवेर एवं त्रेवार्धा का विश्व जलवायु कर्गीकरण; जलीय चक्र; वैश्विक जलवायु परिवर्तन एवं जलवायु परिवर्तन में मानव की भूमिका एवं अनुक्रिया, अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान एवं नगरी जलवायु ।

3. समुद्र विज्ञान : अटलाटिक, हिंद एवं प्रशांत महासागरों की तलीय स्थलाकृति; महासागरों का ताप एवं लवणता; ऊषा एवं लवण बंजट, महासागरी निक्षेप; तरंग, धाराएं एवं ज्वार-भाटा; समुद्री संसाधन : जीवीय, खनिज एवं ऊर्जा संसाधन; प्रवाल मितियां; प्रवाल रिजन; समुद्र तल परिवर्तन; समुद्र नियम एवं समुद्री प्रदुषण ।
4. जीव भूगोल : मृदाओं की उत्पत्ति; मृदाओं का वर्गीकरण एवं वितरण; मृदा परिच्छेदिका; मृदा अपरदन; न्यूनीकरण एवं संरक्षण; पादप एवं जंतुओं के वैशिष्ट्य वितरण को प्रभावित करने वाले कारक; वन अपरोपण की समस्याएं एवं संरक्षण के उपाय; सामाजिक वानिकी; कृषि वानिकी; वन्य जीवन; प्रमुख जीव पूल केंद्र ।
5. पर्यावरणीय भूगोल : पारिस्थितिकी के सिद्धांत; मानव पारिस्थितिक अनुकूलन; पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण पर मानव का प्रभाव; वैशिष्ट्य एवं क्षेत्रीय पारिस्थितिक परिवर्तन एवं असंतुलन; पारितंत्र उनका प्रबंधन एवं संरक्षण; पर्यावरणीय नियमिकरण, प्रबंधन एवं संरक्षण; जैव विविधता एवं संपोषणीय विकास; पर्यावरणीय शिक्षा एवं विधान ।

मानव भूगोल

1. मानव भूगोल में संदर्भ : क्षेत्रीय विभेदन; प्रदेशिक संरेख प्रद्विभाजन एवं द्वैतवाद; पर्यावरणवाद; मात्रात्मक क्रांति अवस्थिति विश्लेषण; उग्रसुधार, व्यावहारिक, मानवीय कल्याण उपागम; भाषाएं, धर्म एवं निरपेक्षीकरण; विश्व सांस्कृतिक प्रदेश; मानव विकास सूचक ।
2. आर्थिक भूगोल : विश्व आर्थिक विकास; माप एवं समस्याएं; विश्व संसाधन एवं उनका वितरण; ऊर्जा संकल्प संवृद्धि की सीमाएं; विश्व कृषि; कृषि प्रदेशों की प्रारूपता कृषि निवेश एवं उत्पादकता; खाद्य एवं पोषण समस्याएं; खाद्य सुरक्षा; दर्भिक्ष; कारण, प्रभाव एवं उपचार; विश्व उद्योग; अवस्थानिक प्रतिरूप एवं समस्याएं; विश्व व्यापार के प्रतिमान ।
3. जनसंख्या एवं बस्ती भूगोल : विश्व जनसंख्या की वृद्धि और वितरण; जनसांख्यिकी गुण; प्रवासन के कारण एवं परिणाम; अतिरेक-अन्त्य एवं अनुकूलतम जनसंख्या की संकल्पनाएं; जनसंख्या के सिद्धांत; विश्व जनसंख्या समस्या और नीतियां; सामाजिक कल्याण एवं जीवन गुणवत्ता; सामाजिक पूँजी के रूप एवं जनसंख्या। ग्रामीण बस्तियों की प्रकार एवं प्रतिरूप; ग्रामीण चस्तियों में पर्यावरणीय मुद्दे; नगरीय बस्तियों का पदानुक्रम; नगरीय आकारिकी; प्रमुख शहर एवं श्रेणी आकार प्रणाली की संकल्पना, नगरों का प्रकारात्मक वर्गीकरण; नगरीय प्रभाव क्षेत्र; प्राम नगर उपांत; अनुषंगी नगर, नगरीकरण की समस्याएं एवं समाधान; नगरों का संपोषणीय विकास ।
4. प्रादेशिक आयोजना : प्रदेश की संकल्पना; प्रदेशों के प्रकार एवं प्रदेशीकरण की विधियां; वृद्धि केन्द्र तथा वृद्धि ध्रुव; प्रादेशिक असंतुलन; प्रादेशिक विकास कार्यनीतियां; प्रादेशिक आयोजना में पर्यावरणीय मुद्दे; संपोषणीय विकास के लिए आयोजना ।

5. मानव भूगोल में मॉडल, सिद्धांत एवं नियम : मानव भूगोल में प्रणाली विश्लेषण; माल्थस का मार्क्स का और जनसांख्यिकीय संक्रमण मॉडल; क्रिस्टावर एवं लॉश का केन्द्रीय स्थान सिद्धांत; पेर्ल एवं बूदेविए; वॉन थूनेन का कृषि अवस्थान मॉडल; वेबर का औद्योगिक अवस्थान मॉडल; ओस्टोव का वृद्धि अवस्था मॉडल; अंतःभूमि एवं वहिःभूमि सिद्धांत; अंतरराष्ट्रीय सीमाएं एवं सीमांत क्षेत्र के नियम ।

प्रश्न पत्र-2

भारत का भूगोल

1. भैतिक विन्यास : पड़ोसी देशों के साथ भारत का अंतरिक्ष संबंध; संरचना एवं उच्चावच; अपवाहतंत्र एवं जल विभाजक; भू-आकृतिक प्रदेश : भारतीय मानसून एवं वर्षा प्रतिरूप उष्णकटिबंधीय चक्रवात एवं पश्चिमी विक्षेप की क्रिया विधि; बाढ़ एवं अनावृष्टि; जलवायवी प्रदेश; प्राकृतिक बनस्पति, मृदा प्रकार एवं उनका वितरण ।
2. संसाधन : भूमि, सतह एवं धौमजल, ऊर्जा, खनिज, जीवीय एवं समुद्री संसाधन; वन एवं वन्य जीवन संसाधन एवं उनका संरक्षण; ऊर्जा संकट ।
3. कृषि : अवसंरचना : सिंचाई, बीज, उर्वरक, विद्युत; संस्थागत कारक: जोत; भू-धारण एवं भूमि सुधार; शस्यन प्रतिरूप, कृषि उत्पादकता, कृषि प्रकर्ष, फसल संयोजन, भूमि क्षमता; कृषि एवं सामाजिक वानिकी; हरित क्रांति एवं इसकी सामाजिक आर्थिक एवं पारिस्थितिक विवक्षा; वर्षाधीन खेती का महत्व; पशुधन संसाधन एवं खेत क्रांति, जल कृषि, रेशम कीटपालन, मधुमक्खीपालन एवं कुकुट पालन; कृषि प्रादेशीकरण; कृषि जलवायवी क्षेत्र; कृषि पारिस्थितिक प्रदेश ।
4. उद्योग : उद्योगों का विकास : कपास, जूट, वस्त्रोद्योग, लोह एवं इस्पात, अलुमिनियम, उर्वरक, कागज, रसायन एवं फार्मास्युटिकल्स, आटोमोबाइल, कुटीर एवं कृषि आश्रित उद्योगों के अवस्थिति कारक; सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित औद्योगिक घराने एवं संकुल; औद्योगिक प्रादेशीकरण; नई औद्योगिक नीतियां; बहुराष्ट्रीय कंपनियां एवं उदारीकरण; विशेष आर्थिक क्षेत्र; पारिस्थितिक पर्यटन समेत पर्यटन ।
5. परिवहन, संचार एवं व्यापार : सड़क, रेलमार्ग जलमार्ग, हवाईमार्ग एवं पाइपलाइन नेटवर्क एवं प्रादेशिक विकास में उनकी पूरक भूमिका; राष्ट्रीय एवं विदेशी व्यापार वाले पत्तनों का बढ़ता महत्व; व्यापार संतुलन; व्यापार नीति; नियंत्रित प्रक्रमण क्षेत्र; संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में आया विकास और अर्थव्यवस्था तथा समाज पर उनका प्रभाव; भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम ।
6. सांस्कृतिक विन्यास : भारतीय समाज का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, भ्रजातीय, भाषिक एवं नृजातीय विविधताएं, धार्मिक अल्पसंख्यक; प्रमुख जनजातियां, जनजातीय क्षेत्र तथा उनकी

समस्याएँ: सांस्कृतिक प्रदेश; जनसंख्या की संवृद्धि, वितरण एवं घनत्व; जनसांख्यिकीय गुण : लिंग अनुपात, आयु संरचना, साक्षरता दर, कार्यबल, निर्भरता अनुपात, आयुकाल; प्रवासन (अंतःप्रादेशिक, प्रदेशांतर तथा अंतर्राष्ट्रीय) एवं इससे जुड़ी समस्याएँ, जनसंख्या समस्याएँ एवं नीतियां; स्वास्थ्य सूचक ।

7. बस्ती : ग्रामीण बस्ती के प्रकार, प्रतिरूप तथा आकारिकी; नारीय विकास; भारतीय शहरों की आकारिकी; भारतीय शहरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; सत्रार एवं महानगरीय प्रदेश; नगर स्वप्रसार; गंदी बस्ती एवं उससे जुड़ी समस्याएँ, नगर आयोजना; नगरीकरण की समस्याएँ एवं उपचार ।

8. प्रादेशिक विकास एवं आयोजना : भारत में प्रादेशिक आयोजना का अनुभव; पंचवर्षीय योजनाएँ; समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम; पंचायती राज एवं विकेंद्रीकृत आयोजना; कमान क्षेत्र विकास; जल विभाजक प्रबंध; पिछड़ा क्षेत्र, महस्थल, अनावृष्टि प्रवण, पहाड़ी, जनजातीय क्षेत्र विकास के लिए आयोजना; बहुस्तरीय योजना; प्रादेशिक योजना एवं द्वीप क्षेत्रों का विकास ।

9. राजनैतिक परिप्रेक्ष्य : भारतीय संघवाद का भौगोलिक आधार; राज्य पुनर्गठन; नए राज्यों का आविभाव; प्रादेशिक चेतना एवं अंतरराज्य मुद्दे; भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा और संबंधित मुद्दे; सीमापार आतंकवाद; वैशिक मामले में भारत की भूमिका; दक्षिण एशिया एवं हिंद महासागर परिमंडल की भू-राजनीति ।

10. समकालीन मुद्दे : परिस्थितिक मुद्दे : पर्यावरणीय संकट : भू-स्खलन, भूकंप, सुनामी, बाढ़ एवं अनावृष्टि, महामारी; पर्यावरणीय प्रदूषण से संबंधित मुद्दे; भूमि उपयोग के प्रतिरूप में बदलाव; पर्यावरणीय प्रभाव आकलन उवं पर्यावरण प्रबंधन के सिद्धांत; जनसंख्या विस्फोट एवं खाद्य सुरक्षा; पर्यावरणीय दिस्तीकरण; धनोमूलन, मरस्थलीकरण एवं मुद्दा अपरदन; कृषि एवं औद्योगिक अशांति की समस्याएँ; आर्थिक विकास में प्रादेशिक असमानताएँ; संपोषणीय वृद्धि एवं विकास की संकल्पना; पर्यावरणीय संचेतना; नदियों का सहवद्धन, भूमंडलीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था ।

टिप्पणी : अध्यार्थियों को इस प्रश्नपत्र में लिए गए विषयों से संगत एक अनिवार्य मानचित्र-आधारित प्रश्न का उत्तर देना अविवाय है ।

भूविज्ञान
प्रश्न पत्र-1

1. सामान्य भूविज्ञान :

सौरतंत्र, उल्कापिंड, पृथ्वी का उद्भव एवं अंतरंग तथा पृथ्वी की आयु, ज्वालामुखी-कारण एवं उत्पाद, ज्वालामुखी पटित्यां, भूकंप-कारण, प्रभाव, भारत के भूकंपी क्षेत्र, द्वीपाभ चाप, खाइयां एवं महासागर मध्य कटक; महाद्वीपीय अपोद्ध; समुद्र अधस्थल विस्तार, स्लेट विवरणिकी; समस्थिति ।

2. भूआकृति विज्ञान एवं सुदूर-संवेदन :

भूआकृति विज्ञान की आधारभूत संकल्पना; अपक्षय एवं मृदानिर्माण; स्थलरूप; ढाल एवं अपवाह; भूआकृतिक चक्र एवं उनकी विवक्षा; आकारिकी एवं इसकी संरचनाओं एवं आरियकी से संबंध; तटीय भूआकृति विज्ञान; खनिज पुर्वक्षण में भूआकृति विज्ञान के अनुप्रयोग, सिविल इंजीनियरी; जल विज्ञान एवं पर्यावरणीय अध्ययन; भारतीय उपमहाद्वीप का भूआकृति विज्ञान। वायव फोटो एवं उनकी विवक्षा-गुण एवं सीमाएँ; विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम; कक्षा परिप्रेक्षण उपग्रह एवं संवेदन प्रणालियां; भारतीय दूर संवेदन उपग्रह, उपग्रह दत्त उत्पाद; भू-विज्ञान में दूर संवेदन के अनुप्रयोग; भौगोलिक सूचना प्रणालियां (GIS) एवं विश्वव्यापी अवस्थन प्रणाली (GIS) - इसका अनुप्रयोग ।

3. संरचनात्मक भूविज्ञान

भूवैज्ञानिक मानचित्र पठन के सिद्धांत, प्रक्षेप आरेख प्रतिबल एवं विकृति दीर्घकृत तथा प्रत्यास्थ, सुधृद्य एवं श्यन पदार्थ के प्रतिबल-विकृति संबंध; विरूपति शैली में विकृति चिह्नक; विरूपण दशाओं के अंतर्गत खनिजों एवं शैलों का व्यवहार; वलन एवं भ्रंश वर्गीकरण एवं यांत्रिकी; दलनों, शल्कनों, सरेरेखों, जोड़ों एवं भ्रशों, विषमविन्यासों का संरचनात्मक विश्लेषण; क्रिस्टलन एवं विरूपण के बीच सम्बन्ध ।

4. जीवाश्म विज्ञान

जाति-परिभाषा एवं नामपद्धित; गुरु जीवाश्म एवं सूक्ष्म जीवाश्म; जीवाश्म संरक्षण की विधियां; विभिन्न प्रकार के सूक्ष्म जीवाश्म; सह संबंध, पेट्रोलियम अन्वेषण, पुराजलवायवी एवं पुरासमुद्रविज्ञानीय अध्ययनों में सूक्ष्म जीवाश्मों का अनुप्रयोग; होमिनिडी एवं किंवडी एवं प्रोबोसीडिया में विकासात्मक प्रवृत्ति; शिवालिक प्राणिजात; गोड़वाना धनस्तिजात एवं प्राणिजात एवं इसका महत्व; सूचक जीवाश्म एवं उनका महत्व ।

5. भारतीय स्तरिकी

स्तरिकी अनुक्रमों का वर्गीकरण : अशमस्तरिक जैवस्तरिक, कालस्तरिक एवं चुम्बकस्तरिक तथा उनका अंतर्संबंध; भारत की कैब्रियनपूर्व शैलों का वितरण एवं वर्गीकरण; प्राणिजात धनस्तिजात एवं आर्थिक महत्व की दृष्टि से भारत की दृश्यजीवी शैलों के स्तरिक वितरण एवं अशपाविज्ञान का अध्ययन; प्रमुख सीमा समस्याएँ-कैब्रियन, कैब्रियन पूर्व, पर्मियन/ट्राईरेसिक, कैटैशियस/तृतीयक एवं प्लायोसिन/प्लास्टोसिन; भूवैज्ञानिक अतीत में भारतीय उपमहाद्वीप में जलवायवी दशाओं, पुराभूगोल एवं अग्नेर सक्रियता का अध्ययन; भारत का स्तरिक ढांचा; हिमालय का उद्भव ।

6. जल भूविज्ञान एवं इंजीनियरी भूविज्ञान

जल वैज्ञानिक चक्र एवं जल का जननिक वर्गीकरण; अवपृष्ठ जल का संचलन; वृहत ज्वार; सरध्नीता, पराक्राम्यता, द्रवचालित

चालकता, परगम्यता एवं संचयन गुणांक, ऐक्विफर वर्गीकरण; शैलों की जलधारी विशेषताएं; भूजल रसायनिकी; लवणजल अंतर्बंधन; कूपों के प्रकार, वर्षजल संग्रहण; शैलों के इंजीनियरी गुण-धर्म; बांधों, सुरांगों, राजमार्गों एवं पुलों के लिए भूवैज्ञानिक अन्वेषण; निर्माण सामग्री के रूप में शैल; भूस्खलन-कारण, रोकथाम एवं पुनर्वासि; भूकंप रोधी संरचनाएं।

प्रश्न पत्र-2

1. खनिज विज्ञान

प्रणालियों एवं समर्पित वर्गों में क्रिस्टलों का वर्गीकरण क्रिस्टल संरचनात्मक संकेतन की अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली क्रिस्टल समर्पिति को निरूपित करने के लिए प्रक्षेप आरेख का प्रयोग; क्रिरण क्रिस्टलिकी के तत्त्व।

शैलकर सिलिकेट खनिज समूहों के भौतिक एवं रासायनिक गुण; सिलिकेट का संरचनात्मक वर्गीकरण; आग्नेय एकायांतरित शैलों के सामान्य खनिज; कार्बोनेट, फास्फेट सल्फाइड एवं हेलाइड समूहों के खनिज; मृतिका खनिज।

सामान्य शैलकर खनिजों के प्रकाशिक गुणधर्म; खनिजों में बहुवर्णता, विलोप कोण, द्विअपवर्तन (डबल रिफैक्शन बाइरिफ्रिंजेंस), यथलम एवं परिक्षेपण।

2. आग्नेय एवं कायांतरित शैलिकी

मैग्मा जनन एवं क्रिस्टलन; ऐल्बाइट-ऐर्नॉर्थाइट का क्रिस्टलन; डायोप्साइड-ऐर्नॉर्थाइट एवं डायोप्साइड-वोलास्टोनाइट-सिलिका प्रणालियां; बॉवेन का अभिक्रिया सिद्धांत; मैग्मीय विभेदन एवं स्वांगीकरण; आग्नेय शैलों के गठन एवं संरचनाओं का शैलजनननिक महत्व; ग्रेनाइट, साइनाइट, डायोराइट, अल्पसिलिक एवं अत्यल्पसिलिक समूहों, चार्नोकाइट, अनॉर्थोसाइट एवं क्षारीय शैलों की शैलवर्णना एवं शैल जनन; कार्बोनेटाइट्स, डेकन ज्वालामुखी शैल-क्षेत्र।

कायांतरण प्ररूप एवं कारक; कायांतरी कोटियां एवं संस्तर; प्रावस्था नियम; प्रारंशिक एवं संरपर्श कायांतरण संलक्षणी; ACF एवं ACF आरेख; कायांतरी शैलों का गठन एवं संरचना; बालुकामय, मृणमय एवं अल्पसिलिक शैलों का कायांतरण; खनिज समुच्चय पश्चगतिक कायांतरण तत्वांतरण एवं ग्रेनाइटीभवन; भारत का मिट्टेटाइट, कणिकाश्म शैल प्रदेश।

3. अवसादी शैलिकी

अवसाद एवं अवसादी शैल निर्माण प्रक्रियाएं, प्रसंघन एवं शिलीभवन, संखंडाशमी एवं असंखंडाशमी शैल-उनका वर्गीकरण, शैलवर्णना एवं निक्षेपण वातावरण; अवसादी संलक्षणी एवं जनक्षेत्र; अवसादी संरचनाएं एवं उनका महत्व; भारी खनिज एवं उनका महत्व; भारत की अवसादी द्रोणियां।

4. आर्थिक भूविज्ञान

अयस्क, अयस्क खनिज एवं गैंग, अयस्क का औसत प्रतिशत, अयस्क निक्षेपों का वर्गीकरण; खनिज निक्षेपों की निर्माण

प्रक्रिया; अयस्क स्थानीकरण के नियंत्रण; अयस्क गठन एवं संरचनाएं; धातु जननिक युग एवं प्रदेश; एल्यूमिनियम, क्रोमियम, ताप्र, स्वर्ण, लोह, लेड, जिक मैग्नीज, टिटेनियम, युरेनियम एवं थेरियम तथा औद्योगिक खनिजों के महत्वपूर्ण भारतीय निक्षेपों का भूविज्ञान; भारत में कोयला एवं भेट्रोलियम निपेश; राष्ट्रीय खनिज नीति; खनिज संसाधनों का संरक्षण एवं उपयोग; समुद्री खनिज संसाधन एवं समुद्र नियम।

5. खनन भूविज्ञान

पूर्वेक्षण की विधियां-भूवैज्ञानिक, भूभौतिक, भूरासायनिक एवं भू-द्वानस्पतिक; प्रतिचयन प्रविधियां, अयस्क निचय प्राक्कलन; धातु अयस्कों, औद्योगिक खनिजों, समुद्री खनिज संसाधनों एवं निर्माण प्रस्तरों के अन्वेषण एवं खनिज की विधियां; खनिज सज्जीकरण एवं अयस्क प्रसाधन।

6. भूरासायनिक एवं पर्यावरणीय भूविज्ञान

तत्वों का अंतरिक्षी बाहुल्य; ग्रहों एवं उल्कापिंडों का संघटन; पृथ्वी की संरचना एवं संघटन एवं तत्वों का वितरण; सेश तत्व; क्रिस्टल रासायनिकी के तत्व-रासायनिक आवधं, समन्वय संघया, समाकृतिकरता एवं बहरूपता; प्रांगभिक उभ्यागतिकी।

प्राकृतिक संकट-बाद, दृहत क्षरण, तटीय संकट, भूकंप एवं ज्वालामुखीय सक्रियता तथा न्यूनीकरण; नगरीकरण, खनन औद्योगिक एवं रेडियोसक्रिय अपरद निपटान, उर्धरक प्रयोग, खनन अपरद एवं फ्लाई ऐश सन्निक्षेपण के पर्यावरणीय प्रभाव; भौम एवं भू-पृष्ठ जल प्रदूषण, समुद्री प्रदूषण; पर्यावरण संरक्षण- भारत में विधायी उपाय; समुद्र तल परिवर्तन-कारण एवं प्रभाव।

इतिहास

प्रश्न पत्र-1

1. स्रोत :

पुरातात्त्विक स्रोत :

अन्वेषण, उत्खनन, पुरालेखविद्या, मुद्राशास्त्र, स्मारक।

साहित्यिक स्रोत :

स्वदेशी : प्राथमिक एवं द्वितीयक; कविता, विज्ञान साहित्य, साहित्य, क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, धार्मिक साहित्य।

विदेशी वर्णन : यूनानी, चीनी एवं अरब लेखक

2. प्रागौतिहास एवं आद्य इतिहास :

भौगोलिक कारक। शिकार एवं संग्रहण (पुरापाण एवं मध्यपाण युग); कृषि का आरंभ (नवपाण एवं ताप्रपाण युग)।

3. सिंधु घाटी सभ्यता :

उदम, काल, विस्तार, विशेषताएं, पतन, अस्तित्व एवं महत्व, कला एवं स्थापत्य ।

4. महापाषाणयुगीन संस्कृतियाँ :

सिंधु से बाहर पश्चुचारण एवं कृषि संस्कृतियों का विस्तार, सामुदायिक जीवन का विकास, बस्तियाँ, कृषि का विकास, शिल्पकर्म, मृदभांड एवं लोह उद्योग ।

5. आर्य एवं वैदिक काल :

भारत में आर्यों का प्रसार ।

वैदिक काल : धार्मिक एवं दार्शनिक साहित्य; ऋग्वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक हुए रूपांतरण; राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन; वैदिक युग का महत्व; राजतंत्र एवं वर्ण व्यवस्था का क्रम विकास ।

6. महाजनपद काल :

महाजनपदों का निर्माण : गणतंत्रीय एवं राजतंत्रीय; नगर केंद्रों का उद्भव; व्यापार मार्ग; आर्थिक विकास टंकण (सिक्का ढलाई); जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म का प्रसार; मगधों एवं नंदों का उद्भव । ईरानी एवं नंदों का उद्भव ।

7. मौर्य साम्राज्य :

मौर्य साम्राज्य की भौंव, चंद्रगुप्त, कौटिल्य और अर्थशास्त्र; अशोक; धर्म की संकल्पना; धर्मादेश; राज्य व्यवस्था; प्रशासन; अर्थव्यवस्था; कला, स्थापत्य एवं मूर्तिशिल्प; विदेशी संपर्क; धर्म का प्रसार; साहित्य ।

साम्राज्य का विघटन; तुंग एवं कण्व ।

8. उत्तर मौर्य काल (भारत-यूनानी, शक, कुषाण, पश्चिमी क्षत्रिय) :

बाहरी विश्व से संपर्क; नगर-केंद्रों का विकास, अर्थ-व्यवस्था, टंकण, धर्मों का विकास, महायान, सामाजिक दशाएं, कला, स्थापत्य, संस्कृति, साहित्य एवं विज्ञान ।

9. प्रारंभिक राज्य एवं समाज; पूर्वी भारत, दक्षन एवं दक्षिण भारत में :

खारखेल, सातवाहन, संगमकालीन तमिल राज्य; प्रशासन, अर्थ-व्यवस्था, भूमि, अनुदान, नगर केंद्रों का पतन, भारतीय सामंतशाही, जाति प्रथा, स्त्री की स्थिति, शिक्षा एवं शैक्षिक संस्थाएं; नालंदा, विक्रमशिला एवं बल्लभी, साहित्य, विज्ञान साहित्य, कला एवं स्थापत्य ।

10. गुप्त वंश, वाकाटक एवं वर्धन वंश :

राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन, आर्थिक दशाएं, गुप्तकालीन टंकण, भूमि अनुदान, नगर केंद्रों का पतन, भारतीय सामंतशाही, जाति प्रथा, स्त्री की स्थिति, शिक्षा एवं शैक्षिक संस्थाएं; नालंदा, विक्रमशिला एवं बल्लभी, साहित्य, विज्ञान साहित्य, कला एवं स्थापत्य ।

11. गुप्तकालीन क्षेत्रीय राज्य :

कदंबवंश, पल्लववंश, बदमी का चालुक्यवंश; राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन, व्यापारिक श्रेणियाँ, साहित्य; वैश्णव एवं शैव धर्मों का विकास । तमिल भक्ति आंदोलन, शंकराचार्य; देवांत; मंदिर संस्थाएं एवं मंदिर स्थापत्य; पाल वंश, सेन

वंश, राद्रकूट वंश, परमार वंश, राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन; सांस्कृतिक पक्ष । सिंध के अरब विजेता; अलबरूनी, कल्याण का चालुक्य वंश, चोल वंश, होयसल वंश, पांड्य वंश; राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन; स्थानीय शासन; कला एवं स्थापत्य का विकास, धार्मिक संप्रदाय, मंदिर एवं मठ संस्थाएं, अग्रहार वंश, शिक्षा एवं साहित्य, अर्थ-व्यवस्था एवं समाज ।

12. प्रारंभिक भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के प्रतिपाद्य :

भापाएं एवं मूलग्रन्थ, कला एवं स्थापत्य के क्रम विकास के प्रमुख चरण, प्रमुख दार्शनिक चिंतक एवं शखाएं, विज्ञान एवं गणित के क्षेत्र में विचार ।

13. प्रारंभिक मध्यकालीन भारत, 750-1200

- राज्य व्यवस्था: उत्तरी भारत एवं प्रायद्वीप में प्रमुख राजनैतिक घटनाक्रम, राजपूतों का उद्गम एवं उदय
- चोल वंश: प्रशासन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं समाज
- भारतीय सामंतशाही
- बृंज अर्थ-व्यवस्था एवं नगरीय बस्तियाँ
- व्यापार एवं वाणिज्य
- समाज: ब्राह्मण की स्थिति एवं नई सामाजिक व्यवस्था
- स्त्री की स्थिति
- भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ।

14. भारत की सांस्कृतिक परापरा 750-1200

- र्दर्शन: शंकराचार्य एवं वेदांत, रामानुज एवं विशिष्टाद्वैत, मध्य एवं ब्रह्म-मीमांसा ।
- धर्म: धर्म के स्वरूप एवं विशेषताएं, तमिल भक्ति, संप्रदाय, भक्ति का विकास, इस्लाम एवं भारत में इसका आगमन, सूफी मत ।
- साहित्य: संस्कृत साहित्य, तमिल साहित्य का विकास, नवविकासशील भाषाओं का साहित्य, कल्हण की "राजतरंगिनी", अलबरूनी का "इंडिया" ।
- कला एवं स्थापत्य: मंदिर स्थापत्य, मूर्तिशिल्प, चित्रकला ।

15. तैदहवीं शताब्दी

- दिल्ली सल्तनत की स्थापना: गौरी के आक्रमण-गौरी की सफलता के पीछे कारक
- आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिणाम
- दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं प्रारंभिक तुर्क सुल्तान
- सुदृढ़ीकरण: इल्तुतमिश और बलबन का शासन ।

16. चौदहवीं शताब्दी

- खिलजी शासन
- अलाउद्दीन खिलजी: विजय एवं क्षेत्र-प्रसार, कृषि एवं आर्थिक उपाय

- मुहम्मद तुगलक : प्रमुख प्रकल्प, कृषि उपाय, मुहम्मद तुगलक की अफसरशाही
- फिरोज तुगलक : कृषि उपाय, सिविल इंजीनियरी एवं लोक निर्माण में उपलब्धियां, दिल्ली सल्तनत का पतन, विदेशी संपर्क एवं इन्वेटूटा का वर्णन ।

17. तेरहवीं एवं छौदहवीं शताब्दी का समाज, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था

- समाज : ग्रामीण समाज की रचना, शासी वर्ग, नगर निवासी, स्त्री, धार्मिक वर्ग, सल्तनत के अंतर्गत जाति एवं दास प्रथा, भक्ति आन्दोलन, सूफी आन्दोलन
- संस्कृति : फारसी साहित्य, उत्तर भारत की क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, दक्षिण भारत की भाषाओं का साहित्य, सल्तनत स्थापत्य एवं नए स्थापत्य रूप, चित्रकला, सम्मिश्र संस्कृति का विकास
- अर्थव्यवस्था : कृषि उत्पादन, नगरीय अर्थव्यवस्था एवं कृषीतर उत्पादन का उद्भव, व्यापार एवं वाणिज्य ।

18. पंद्रहवीं एवं प्रारंभिक सोलहवीं शताब्दी-राजनैतिक घटनाक्रम एवं अर्थव्यवस्था

- प्रांतीय राजवंशों का उदय : बंगल, कश्मीर (जैनुल आवदीन), गुजरात, मालवा, बहमनी
- विजयनगर साम्राज्य
- लोदीवंश
- मुगल साम्राज्य, पहला चरण : बाबर एवं हुमायूँ
- सूर साम्राज्य : शेरशाह का प्रशासन
- पुर्तगाली औपनिवेशिक प्रतिष्ठान ।

19. पंद्रहवीं एवं प्रारंभिक सोलहवीं शताब्दी : समाज एवं संस्कृति

- क्षेत्रीय सांस्कृतिक विशिष्टताएं
- साहित्यक परम्पराएं
- प्रांतीय स्थापत्य
- विजयनगर साम्राज्य का समाज, संस्कृति, साहित्य और कला ।

20. अकब्बर

- विजय एवं साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण
- जाहीर एवं मनसब व्यवस्था की स्थापना
- राजपूत नीति
- धार्मिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण का विकास, सुलह-ए-कुल का सिद्धांत एवं धार्मिक नीति
- कला एवं प्रौद्योगिकी को राज-दरबारी संरक्षण ।

21. सत्रहवीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य

- जहांगीर, शाहजहां एवं औरंगजेब की प्रमुख प्रशासनिक नीतियां
- साम्राज्य एवं जर्मांदार
- जहांगीर, शाहजहां एवं औरंगजेब की धार्मिक नीतियां

- मुगल राज्य का स्वरूप
- उत्तर सत्रहवीं शताब्दी का संकट एवं विद्रोह
- अहोम साम्राज्य
- शिवाजी एवं प्रारंभिक मराठा राज्य ।

22. सोलहवीं एवं सत्रहवीं शताब्दी में अर्थव्यवस्था एवं समाज

- जनसंख्या, कृषि उत्पादन, शिल्प उत्पादन
- नगर, डच, अंग्रेजी एवं फ्रांसीसी कंपनियों के माध्यम से यूरोप के साथ वाणिज्य : "व्यापार क्रांति"
- भारतीय व्यापारी वर्ग, बैंकिंग, बीमा एवं ऋण प्रणालियां
- किसानों की दशा, स्थितियों की दशा
- सिख समुदाय एवं खालसा पंथ का विकास ।

23. मुगल साम्राज्यकालीन संस्कृति

- फारसी इतिहास एवं अन्य साहित्य
- हिन्दी उवं अन्य धार्मिक साहित्य
- मुगल स्थापत्य
- मुगल चित्रकला
- प्रांतीय स्थापत्य एवं चित्रकला
- शास्त्रीय संगीत
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ।

24. अठारहवीं शताब्दी

- मुगल साम्राज्य के पतन के कारक
- क्षेत्रीय सामंत देश : निजाम का दकन, बंगल, अवध
- पेशवा के अधीन मराठा उत्कर्ष
- मराठा राजकोशीय एवं वित्तीय व्यवस्था
- अफगान शक्ति का उदय, पानीपत का युद्ध-1761
- ब्रिटिश विजय की पूर्व संध्या में राजनीति, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था की स्थिति ।

प्रश्न-पत्र 2

1. भारत में यूरोप का प्रदेश

प्रारंभिक यूरोपीय बस्तियां; पुर्तगाली एवं डच, अंग्रेजी एवं फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनियां; आधिपत्य के लिए उनके युद्ध; कर्नाटक युद्ध; बंगल-अंग्रेजों एवं बंगल के नवाब के बीच संघर्ष; सिराज और अंग्रेज, प्लासी का युद्ध; प्लासी का महत्व ।

2. भारत में ब्रिटिश प्रसार

बंगल-मीर जाफर एवं मीर कासिम; बक्सर का युद्ध; मैसूर; मराठा; तीन अंग्रेज-मराठा युद्ध; पंजाब ।

3. ब्रिटिश राज की प्रारंभिक संरचना

प्रारंभिक प्रशासनिक संरचना : द्वैधशासन से प्रत्यक्ष नियंत्रक तक; रेग्युलेटिंग एक्ट (1773); पिटस इंडिया एक्ट (1784); चाटर एक्ट (1833); मुक्त व्यापार का स्वर एवं ब्रिटिश औपनिवेशक शासन का बदलता स्वरूप; अंग्रेजी उपयोगितावादी और भारत ।

4. ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का आर्थिक प्रभाव
 - (क) ब्रिटिश भारत में भूमि-राजस्व बंदोबस्त; स्थायी बंदोबस्त; रैयतवारी बंदोबस्त; महालवारी बंदोबस्त; राजस्व प्रबंध का आर्थिक प्रभाव; कृषि का वाणिज्यीकरण; भूमिहीन कृषि श्रमिकों का उदय; ग्रामीण समाज का परिक्षण।
 - (ख) पारंपरिक व्यापार एवं वाणिज्य का विस्थापन; अनौद्योगिकरण; पारंपरिक शिल्प की अवनति; धन का अपवाह; भारत का आर्थिक रूपांतरण; टेलीग्राफ एवं डाक सेवाओं समेत रेल पथ एवं संचार जाल; ग्रामीण भीती प्रदेश में दुर्भिक्ष एवं गरीबी; यूरोपीय व्यापार उद्यम एवं इसकी सीमाएं।
5. सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास

स्वदेशी शिक्षा की स्थिति; इसका विस्थापन; प्राच्यविद्-आंगलविद् विवाद; भारत में पश्चिमी शिक्षा का प्रादर्शीव; प्रेस, साहित्य एवं लोकमत का उदय; आधुनिक मातृभाषा साहित्य का उदय; विज्ञान की प्रगति; भारत में क्रिश्चियन मिशनरी के कार्यकलाप।
6. बंगाल एवं अन्य क्षेत्रों में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन

राममोहन राय, बाबू आंदोलन; देवेन्द्रनाथ टैगोर; ईश्वरचंद्र विद्यासागर; युका बंगाल आंदोलन; दयानन्द सरस्वती; भारत में सती, विध्वा विवाह, बाल विवाह, आदि समेत सामाजिक सुधार आंदोलन; आधुनिक भारत के विकास में भारतीय पुनर्जागरण का योगदान; इस्लामी पुनरुद्धार वृत्ति-फराईजी एवं बहाबी आंदोलन।
7. ब्रिटिश शासन के प्रति भारत की अनुक्रिया

रंगपुर द्वीप (1783), कोल विद्रोह (1832), मालाबार में मोपला विद्रोह (1841-1920), सन्थाल हुल (1855), नील विद्रोह (1859-60), दक्षन विप्लव (1875), एवं मुंडा विद्रोह उल्जुलान (1899-1900) समेत 18वीं एवं 19वीं शताब्दी में हुए किसान आंदोलन एवं जनजातीय विप्लव; 1857 का महाविद्रोह-उद्गम, स्वरूप, असफलता के कारण, परिणाम; पश्च 1857 काल में किसान विप्लव के स्वरूप में बदलाव; 1920 और 1930 के दशकों में हुए किसान आंदोलन।
8. भारतीय राष्ट्रवाद के जन्म के कारक; संघों की राजनीति; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बुनियाद; कांग्रेस के जन्म के संबंध में सेफ्टी वाल्व का पक्ष; प्रारंभिक कांग्रेस के कार्यक्रम एवं लक्ष्य; प्रारंभिक कांग्रेस नेतृत्व की सामाजिक रचना; नरम दल एवं गरम दल; बंगाल का विभाजन (1505); बंगाल में स्वदेशी आंदोलन; स्वदेशी आंदोलन के आर्थिक एवं राजनैतिक परिप्रेक्ष्य; भारत में क्रांतिकारी उग्रपंथ का आरंभ।
9. गांधी का उदय; गांधी के राष्ट्रवाद का स्वरूप; गांधी का जनाकरण; रीलेट सल्याग्रह; खिलाफत आंदोलन; असहयोग आंदोलन; असहयोग आंदोलन समाप्त होने के बाद से सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रारंभ होने तक की राष्ट्रीय

- राजनीति; सविनय अवज्ञा आंदोलन के दो चरण; साइमन कमिशन; नेहरू रिपोर्ट; गोलमेज परिषद; राष्ट्रवाद और किसान आंदोलन; राष्ट्रवाद एवं आंग्लवाद; महिला एवं भारतीय युवा तथा भारतीय राजनीति में छात्र (1885-1947); 1937 का चुनाव तथा मंत्रालयों का गठन; क्रिप्स मिशन; भारत छोड़ो आंदोलन; वैरेल योजना; कैबिनेट मिशन।
10. औपनिवेशिक भारत में 1858 और 1935 के बीच सांविधानिक घटनाक्रम।
11. राष्ट्रीय आंदोलन की अन्य कहियाँ

क्रांतिकारी : बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र, यू.पी., मद्रास प्रदेश, भारत से बाहर। वामपक्ष; कांग्रेस के अंदर का वामपक्ष; जवाहर लाल नेहरू, सुभाषचन्द्र बोस, कांग्रेस समाजवादी पार्टी, भारतीय काम्युनिस्ट पार्टी, अन्य वामपक्ष।
12. अलगाववाद की राजनीति; मुस्लिम लीग; हिन्दू महासभा सांप्रदायिकता एवं विभाजन की राजनीति; सत्ता का हस्तांतरण; स्वतंत्रता।
13. एक राष्ट्र के रूप में सुदृढ़ीकरण; नेहरू की विदेश नीति भारत और उसके पड़ोसी (1947-1964) राज्यों का भाषावाद पुनर्जागरण (1935-1947); क्षेत्रीयतावाद एवं क्षेत्रीय असमानता; भारतीय रियासतों का एकीकरण; निर्वाचन की राजनीति में रियासतों के नरेश (प्रिंस); राष्ट्रीय भाषा का प्रश्न।
14. 1947 के बाद जाति एवं नृजातित्व; उत्तर औपनिवेशिक निर्वाचन-राजनीति में पिछड़ी जातियाँ एवं जनजातियाँ; दलित आंदोलन।
15. आर्थिक विकास एवं राजनीति परिवर्तन; भूमि सुधार; योजना एवं ग्रामीण पुनर्जन्म की राजनीति; उत्तर औपनिवेशिक भारत में पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण नीति; विज्ञान की तरक्की।
16. प्रबोध एवं आधुनिक विचार
 - (i) प्रबोध के प्रमुख विचार : कांट रूसो
 - (ii) उपनिवेशों में प्रबोध-प्रसार
 - (iii) समाजवादी विचारों का उदय (मार्क्स तक); मार्क्स के समाजवाद का प्रसार
17. आधुनिक राजनीति के मूल स्रोत
 - (i) यूरोपीय राज्य प्रणाली
 - (ii) अमेरिकी क्रांति एवं संविधान
 - (iii) फ्रांसीसी क्रांति एवं उसके परिणाम, 1789-1815
 - (iv) अब्राहम लिंकन के संदर्भ के साथ अमरीकी सिविल युद्ध एवं दासता का उन्मूलन
 - (v) ब्रिटिश गणतंत्रात्मक राजनीति, 1815-1850; संसदीय सुधार, मुक्त व्यापारी, चार्टरवादी।

18. औद्योगिकीकरण

- (i) अंग्रेजी औद्योगिक क्रांति : कारण एवं समाज पर प्रभाव
- (ii) अन्य देशों में औद्योगिकीकरण : यू.एस.ए., जर्मनी, रूस, जापान
- (iii) औद्योगिकीकरण एवं भूमंडलीकरण ।

19. राष्ट्र राज्य प्रणाली

- (i) 19वीं शताब्दी में राष्ट्रवाद का उदय
- (ii) राष्ट्रवाद : जर्मनी और इटली में राज्य निर्माण
- (iii) पूरे विश्व में राष्ट्रीयता के आविर्भाव के समक्ष साम्राज्यों का विघ्टन ।

20. साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद

- (i) दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया
- (ii) लातीनी अमरीका एवं दक्षिणी अफ्रीका
- (iii) आस्ट्रेलिया
- (iv) साम्राज्यवाद एवं मुक्त व्यापार : नवसाम्राज्यवाद का उदय ।

21. क्रांति एवं प्रतिक्रांति

- (i) 19वीं शताब्दी यूरोपीय क्रांतियां
- (ii) 1917-1921 की रूसी क्रांति
- (iii) फासीवाद प्रतिक्रांति, इटली एवं जर्मनी
- (iv) 1949 की चीनी क्रांति ।

22. विश्व युद्ध

- (i) संपूर्ण युद्ध के रूप में प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध: समाजीय निहितार्थ
- (ii) प्रथम विश्व युद्ध : कारण एवं परिणाम
- (iii) द्वितीय विश्व युद्ध : कारण एवं परिणाम ।

23. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का विश्व

- (i) दो शक्तियों का आविर्भाव
- (ii) तृतीय विश्व एवं गुटनिरपेक्षता का आविर्भाव
- (iii) संयुक्त राष्ट्र संघ एवं वैश्विक विवाद ।

24. औपनिवेशक शासन से मुक्ति

- (i) लातीनी अमरीका-बोलीवर
- (ii) अरब विश्व-पिश्र
- (iii) अफ्रीका रंगभेद से गणतंत्र तक
- (iv) दक्षिण पूर्व एशिया-वियतनाम ।

25. विं-औपनिवेशीकरण एवं अल्पविकास

- (i) विकास के बाधक कारक : लातीनी, अमरीका, अफ्रीका

26. यूरोप का एकीकरण

- (i) युद्धोत्तर स्थापनाएं : NATO एवं यूरोपीय समुदाय (यूरोपियन कम्युनिटी)
- (ii) यूरोपीय समुदाय (यूरोपियन कम्युनिटी) का सुदृढ़ीकरण एवं प्रसार

(iii) यूरोपियाई संघ ।

- 27. सोवियत यूनियन का विघ्टन एवं एक धूम्रीय विश्व का उदय
 - (i) सोवियत साम्यवाद एवं सोवियत यूनियन को निपात तक पहुंचाने वाले कारक, 1985-1991
 - (ii) पूर्वी यूरोप में राजनैतिक परिवर्तन 1989-2001
 - (iii) शीत युद्ध का अंत एवं अकेली महाशक्ति के रूप में US का उत्कर्ष ।

विधि

प्रश्न-पत्र 1

सांविधिक एवं प्रशासनिक विधि :

1. संविधान एवं संविधानवाद; संविधान के सुस्पष्ट लक्षण ।
2. मूल अधिकार-लोकहित याचिका, विधिक सहायता, विधिक सेवा प्राधिकरण ।
3. मूल अधिकार-निनेशक तत्व तथा मूल कर्तव्यों के बीच संबंध ।
4. राष्ट्रपति की संवैधानिक स्थिति तथा मंत्रिपरिषद् के साथ संबंध ।
5. राज्यपाल तथा उसकी शक्तियां ।
6. उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय :
 - (क) नियुक्ति तथा स्थानांतरण ।
 - (ख) शक्तियां, कार्य एवं अधिकारिता ।
7. कैंद्र, राज्य एवं स्थानीय निकाय;
 - (क) संघ तथा राज्यों के बीच विधायी शक्तियों का वितरण ।
 - (ख) स्थानीय निकाय ।
 - (ग) संघ, राज्यों तथा स्थानीय निकायों के बीच प्रशासनिक संबंध ।
 - (घ) सर्वोपरि अधिकार-राज्य संपत्ति-सामान्य संपत्ति-समुदाय संपत्ति ।
8. विधायी शक्तियों, विशेषाधिकार एवं उन्मुक्ति ।
9. संघ एवं राज्य के अधीन सेवाएँ :
 - (क) भर्ती एवं सेवा शर्तें : सांविधानिक सुरक्षा; प्रशासनिक अधिकरण ।
 - (ख) संघ लोक सेवा आयोग एवं लोक सेवा आयोग-शक्ति एवं कार्य ।
 - (ग) निवाचन आयोग-शक्ति एवं कार्य ।
10. आपात् उपबंध ।
11. संविधान संशोधन ।
12. नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत-आविर्भूत होती प्रवृत्तियाँ एवं न्यायिक उपागम ।
13. प्रत्यायोजित विधान एवं इसकी सांविधानिकता ।
14. शक्तियों एवं सांविधानिक शासन का पृथक्करण ।
15. प्रशासनिक कार्रवाई का न्यायिक पुनर्विलोकन ।
16. ओम्ब्राइसमैन : लोकायुक्त, लोकपाल आदि ।

अंतर्राष्ट्रीय विधि :

1. अंतर्राष्ट्रीय विधि की प्रकृति तथा परिभाषा
2. अंतर्राष्ट्रीय विधि तथा राष्ट्रीय विधि के बीच संबंध ।
3. राज्य मान्यता तथा राज्य उत्तराधिकार ।
4. समुद्र नियम : अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग, क्षेत्रीय समुद्र, समीपस्थ परिक्षेत्र, महाद्वीपीय उपतट, अनन्य आर्थिक परिक्षेत्र तथा महासमुद्र ।
5. व्यक्ति : राष्ट्रीयता, राज्यहीनता-मानवाधिकार तथा उनके प्रवर्तन के लिए उपलब्ध प्रक्रियाएं ।
6. राज्यों की क्षेत्रीय अधिकारिता-प्रत्यवर्ण तथा शरण ।
7. संधियां : निर्माण, उपयोजन, पर्यावरण और आरक्षण ।
8. संयुक्त राष्ट्र : इसके प्रमुख अंग, शक्तियां कृत्य और सुधार ।
9. विवादों का शांतिपूर्ण निपटारा : विभिन्न तरीके ।
10. बल का विधिपूर्ण आश्रय : आक्रमण, आत्मरक्षा, हस्तक्षेप ।
11. अंतर्राष्ट्रीय मानवादी विधि के मूल सिद्धांत-अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं समकालीन विकास ।
12. परमाणु अस्त्रों के प्रयोग की वैधता; परमाणु अस्त्रों के परीक्षण पर रोक - परमाणवीय अप्रसार संधि, सी.टी.बी.टी. ।
13. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, राज्यप्रवर्तित आतंकवाद, अपहरण, अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ।
14. नए अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक आदेश तथा मौद्रिक विधि, डब्ल्यू टी ओ, टीआरआईपीएस, जीएटीटी, आईएमएफ, विश्व वैंक ।
15. मानव पर्यावरण का संरक्षण तथा सुधार—अंतर्राष्ट्रीय प्रनाली ।

प्रश्न पत्र-II

अपराध विधि

1. आपराधिक दायित्व के सामान्य सिद्धांत; आपराधिक मनःस्थिति तथा आपराधिक कार्य । सांविधिक अपराधों में आपराधिक मनःस्थिति ।
2. दंड के प्रकार एवं नई प्रवृत्तियाँ जैसे कि मृत्यु दंड उन्मूलन
3. तैयारियां तथा आपराधिक प्रयास
4. सामान्य अपराध
5. संयुक्त तथा रचनात्मक दायित्व
6. दुष्प्रेरण
7. आपराधिक षड्यंत्र
8. राज्य के प्रति अपराध
9. लोक शांति के प्रति अपराध
10. मानव शरीर के प्रति अपराध
11. संपत्ति के प्रति अपराध
12. स्त्री के प्रति अपराध
13. मानहानि

प्रस्तावाचार निरोधक अधिनियम, 1988

15. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 एवं उत्तरवर्ती विधायी विकास
16. अभिवचन सौदा ।

अपकृत्य विधि

1. प्रकृति तथा परिभाषा
2. त्रुटि तथा कठोर दायित्व पर आधारित दायित्व; आत्मतिव दायित्व ।
3. प्रतिनिधिक दायित्व, राज्य दायित्व सहित
4. सामान्य प्रतिरक्षा
5. संयुक्त अपकृत्य कर्ता
6. उपचार
7. उपेक्षा
8. मानहानि
9. उत्पात (न्यूसेंस)
10. षड्यंत्र
11. अप्राधिकृत बंदीकरण
12. विद्वेषपूर्ण अभियोजन
13. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 ।

संविदा विधि और वाणिज्यिक विधि

1. संविदा का स्वरूप और निर्माण/ई संविदा
2. खतंत्र सम्पत्ति को दूषित करने वाले कारक
3. शून्य शून्यकरणीय, अवैध तथा अप्रवर्तनीय करार
4. संविदा का पालन तथा उन्मोचन
5. संविदाकल्प
6. संविदा भंग के परिणाम
7. क्षतिपूर्ति, गारंटी एवं बीमा संविदा
8. अभिकरण संविदा
9. माल की बिक्री तथा अवक्रय (हायर परचेज)
10. भार्टेशारी का निर्माण तथा विघटन
11. परकाम्य लिखत अधिनियम, 1881
12. माध्यस्थप तथा सुलह अधिनियम, 1996
13. मानक रूप संविदा ।

समकालीन विधिक विकास

1. लोकहित याचिका
2. बौद्धिक संपदा अधिकार-संकल्पना, प्रकार/संभावनाएं ।
3. सूचना प्रौद्योगिकी विधि, जिसमें साइबर विधियां शामिल हैं, संकल्पना, प्रयोजन/संभावनाएं ।
4. प्रतियोगिता विधि संकल्पना, प्रयोग/संभावनाएं ।
5. वैकल्पिक विवाद समाधान-संकल्पना, प्रकार/संभावनाएं ।
6. पर्यावरणीय विधि से संबंधित प्रमुख कानून ।
7. सूचना का अधिकार अधिनियम ।
8. संचार माध्यमों (मीडिया) द्वारा विचारण ।

निष्पत्तिखित भाषाओं का साहित्य

नोट :

- (1) उम्मीदवार को संबद्ध भाषा में कुछ या सभी प्रश्नों के उत्तर देने पड़ सकते हैं ।
- (2) सांविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं के संबंध में लिपियां वही होंगी जो प्रधान परीक्षा से संबद्ध परिशिष्ट I के खण्ड II (ख) में दर्शाई गई हैं ।
- (3) उम्मीदवार ध्यान दें कि जिन प्रश्नों के उत्तर किसी विशिष्ट भाषा में नहीं देने हैं उनके उत्तरों को लिखने के लिए वे उसी माध्यम को अपनाएं जोकि उन्होंने निबंध, सामान्य अध्ययन तथा वैकल्पिक विषयों के लिए चुना है ।

अरबी

प्रश्न पत्र-1

उत्तर अरबी में लिखने होंगे

खण्ड-क

1. (क) अरबी भाषा का उद्भव और विकास रूपरेखा ।
- (ख) अरबी भाषा के व्याकरण, छन्द विधान और अलंकार विधान की प्रमुख विशेषताएं ।
- (ग) अरबी में संक्षिप्त निबंध ।

खण्ड-ख

2. साहित्य का इतिहास और साहित्यिक आलोचना : सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, कलासिकी साहित्य, साहित्यिक आन्दोलन, आधुनिक प्रवृत्तियां, आधुनिक गद्य उद्भव और विकास : नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध ।

प्रश्न पत्र-2

इस प्रश्नपत्र में निर्धारित मूल पाद्य पुस्तकों का अध्ययन अपेक्षित होगा इसका प्रारूप इस प्रकार तैयार किया जाएगा जिससे अध्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके । (उत्तर अरबी में लिखने होंगे) ।

खण्ड-क

कठिन

1. इमराउल कायस : किंका नवके मिन ज़िकरा हवीबिन वा मजिल (संपूर्ण) अस मौलाकातस सबा ।
2. हसन बिन धबीस : लिलाही दरू इजवेतिन नदमतुहुन (संपूर्ण) दीवान हसन बिन धबीत ।
3. जरीर : हय्यू उमामता बजूकुरू अहदान मद से जल्वास सिफाही वा दामि यातिन बिकला तक नख्तु अदब : अरबी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ।
4. फर्जदाक : हजल लजी तारिफूल बधा-ओ-बातुहु (संपूर्ण) मजमुआतुन मिनान नज्म-ए-वान नस्त्र, जामिया सलाफिया, वाराणसी ।

5. अल मुतानब्बी : या उख्ता खैर-ए-अरबीन या विंता खैर-ए-अरबीन

से

अकमाहुल फिकरू-बैनल जिज-ए-बत्ताबी तक नुख्तातुल अदब, अरबी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ।

6. अबुल अला उम्मारी अला की सबील माजदी भा अना फाइलू ।

से

वा या नफसू जिद्दी इन्ना दहसकी हजीलू तक मजमुआतुल मिनान नज्म-ए-वान नस्त्र, जामिया सलाफिया, वाराणसी ।

7. शैकी : बुलीदल शुदा फल्केनतु दिवाऊ

से

मलतारा इला दिनकल फुकारा सलामुन मीला या गांदी (संपूर्ण) शैकिवात ।

8. हाफिज इन्नाहीम : राबातू लिमाफ्सी फताहस्तु हस्ती (संपूर्ण) मुख्यतुल अदब ।

9. ईस्या अबू मादी : दमातुन खारसजो (संपूर्ण) तुलतारत खैर-बल-अरबी ।

बल हार्दिय, एम. एम. बदवी ।

खण्ड-ख

(क) लेखक

लेखक	पुस्तकें	पाठ
1. ईबुल मुकाफका	कालिलाह-वा-दिमाह	असद आइ बल ताऊर
2. अल-जाहिज	मुख्यारत मिन अदाबिल	वरब बरिलूम हकीम (संपूर्ण) भाग-2,
		एम. ए. हसन अली नदवी द्वारा ।
3. इन खल्दून	मुकद्दमा	बराउन फित तामील (संपूर्ण)
4. महमूद तैमूर	कलार रावी	अम मुतावली (संपूर्ण)
5. तौफीकुल हकीम	मसराहियत	सिहल मुन्ताहिरा (संपूर्ण)
6. अब्बास महमूद	बकगद मूल्तारत मिन अदाबिल वरब-2	आसीदिक (संपूर्ण)

(ख) भारतीय लेखकों का अध्ययन

1. मुलाम अली बाजाद विलगरानो
2. शाह बलूल्लाह देहलवी
3. जुल्फीकार अली देवबंदी
4. अब्बुल अजीब मैमन
5. सैयद अकुल इसन अली हसनी नदवी

असमिया

प्रश्न-पत्र-॥

उत्तर असमिया में लिखने होंगे

खंड-क

भाषा

(क) असमिया भाषा के उद्गम और विकास का इतिहास—भारतीय आर्य भाषाओं में उसका स्थान—इसके इतिहास के विभिन्न काल-खंड

(ख) असमिया गद्य का विकास।

(ग) असमिया भाषा के स्वर और व्यंजन—प्रचीन भारतीय आर्यों से चली आ रही असमिया पर बालाघाट के साथ स्वनिक परिवर्तन के नियम।

(घ) असमिया शब्दावली एवं इसके स्रोत।

(ङ) भाषा का रूप विज्ञान—क्रिय रूप—पूर्वाश्रयी निर्देशन एवं अधिकपदीय पर प्रत्यय।

(च) बोलीगत वैविध्य—मानक बोलचाल एवं विशेष रूप से कामरूपी बोली।

(छ) उन्नीसवीं शताब्दी तक विभिन्न युगों में असमिया लिपियों का विकास।

खंड-ख

साहित्यिक आलोचना और साहित्यिक इतिहास

(क) साहित्यिक आलोचना के सिद्धांत, नई समीक्षा।

(ख) विभिन्न साहित्यिक विधाएं।

(ग) असमिया में साहित्यिक रूपों का विकास।

(घ) असमिया में साहित्यिक आलोचना का विकास।

(ङ) चर्यारीतों के काल से असमिया साहित्य के इतिहास की विलक्षण प्रारंभिक प्रवृत्तियां और उनकी सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : आदि असमिया शंकरदेव से महले-शंकरदेव-के बाद-आधुनिक काल (ब्रिटिश आगमन के बाद से) स्वातंत्र्योत्तर काल। वैष्णव काल, गोनाकी एवं स्वातंत्र्योत्तर काल पर विशेष बल दिया जाना है।

प्रश्न-पत्र-॥

इस प्रश्न-पत्र में निर्धारित मूल पाद्य-पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनसे अध्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके। उत्तर असमिया में लिखने होंगे।

खंड-क

रामायण (केवल अयोध्या कांड) माधव कंदली द्वारा

पारिजात-हरण शंकरदेव द्वारा

रासक्रीड़ा शंकरदेव द्वारा (कीर्तन घोष से)

बराहीत माधवदेव द्वारा

राजसूय माधवदेव द्वारा

कथा-भागवत (पुस्तक 1 एवं 2) बैकुण्ठनाथ भट्टाचार्य द्वारा

गुरु चरित-कथा (केवल शंकरदेव का भाग)–संपादक : महेश्वर नियोग।

खंड-ख

मोर जीवन स्मरण लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ द्वारा

कृपाबार बराबरुआ काकतर तोपोला लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ द्वारा

प्रतिमा चन्द्र कुमार अगरवाला

गांवबूढ़ा पद्मनाथ गोहेन बरुआ द्वारा

मनोमती रजनीकांत बोरदोलोई द्वारा

पुरणी असमिया साहित्य बानीकांत काकती द्वारा

कारिआंग लिगिरी ज्योति प्रसाद अगरवाला द्वारा

जीबनार बातत बीना बरुआ (विरिचि कुमार बरुआ द्वारा)

मृत्युत्रज्येष्ठ बीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य द्वारा

सप्राट नवकांत बरुआ द्वारा।

बांगला

प्रश्न-पत्र-॥

भाषा और साहित्य का इतिहास—उत्तर बांगला में लिखने होंगे खंड-क

बांगला भाषा के इतिहास के विषय

- आद्य भारोपीय से बांगला तक का कालानुक्रमिक विकास (शाखाओं सहित बंशवृक्ष एवं अनुमानित तिथियां)।
- बांगला इतिहास के विभिन्न चरण (प्राचीन, मध्य एवं नवीन) एवं उनकी भाषा विज्ञान-संबंधी विशिष्टताएं।
- बांगला की नीतियां एवं उनके विभेदक लक्षण।
- बांगला शब्दावली के तत्त्व।
- बांगला गद्य-साहित्य के रूप-साधु एवं पतित।
- अपिनिहिति (विप्रकर्ष), अभिश्रुति (उस्लाइट), मूर्धन्यीभवन (प्रतिवेष्टन), नासिक्यीभवन (अनुनासिकृत), समीभवन (समीकरण), सादृश्य (एनेलोजी), स्वरागम (स्वर सिन्नवेश), आदि स्वरागम, मध्य स्वरागम अथवा स्वर भक्ति, अंत्य स्वरागम, स्वर संगति (वावल हार्मनी), वाई-श्रुति एवं डब्ल्यू-श्रुति।
- मानकीकरण की समस्याएं तथा वर्ण माला और वर्तनी तथा लिप्यंतरण और रोमनीकरण का सुधार।
- आधुनिक बांगला का स्वनिमविज्ञान, रूपविज्ञान और वाक्य विन्यास। (आधुनिक बांगला की घनियों, समुच्चयबोधक, शब्द रचनाएं, समास, मूल वाक्य अभिरचना)।

खंड-ख

बांगला साहित्य के इतिहास के विषय

- बांगला साहित्य का काल विभाजन : प्राचीन एवं मध्यकालीन बांगला।
- आधुनिक तथा पूर्व-आधुनिक-पूर्व बांगला साहित्य के बीच अंतर से संबंधित विषय।
- बांगला साहित्य में आधुनिकता के अध्युदय के आधार तथा कारण।

4. विभिन्न मध्यकालीन बांगला रूपों का विकास : मंगल काव्य, दैर्घ्याव गीतिकाव्य, रूपांतरित आख्यान (ग्रामायण, महाभारत, भागवत) एवं धार्मिक जीवनचरित ।
5. मध्यकालीन बांगला साहित्य में धर्म निरपेक्षता का स्वरूप ।
6. उन्नीसवीं शताब्दी के बांगला काव्य में आख्यानक एवं गीतिका व्याप्तक प्रवृत्तियां ।
7. गद्य का विकास ।
8. बांगला नाटक साहित्य (उन्नीसवीं शताब्दी, टैगोर, 1944 के उपरांत के बांगला नाटक) ।
9. टैगोर एवं टैगोरोसर ।
10. कथा साहित्य प्रमुख लेखक : बंकिमचंद्र, टैगोर, शरतचंद्र, विभूतिभूषण, ताराशंकर, माणिक ।
11. नारी एवं बांगला साहित्य : सर्जक एवं सुजित ।

प्रश्न-पत्र-II

विस्तृत अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तकें—उत्तर बांगला में लिखने होंगे

खंड-क

1. दैर्घ्याव पदावली : (कलकत्ता विश्वविद्यालय) विद्यापति, चंडीदास, ज्ञानदास, गोविन्ददास एवं बलरामदास की कविताएं।
2. चंडीमंगल : मुकुन्द द्वारा कालकेतु व्रतान्त्र, (साहित्य अकादमी)।
3. चेतन्य अरितायूत : मध्य लीला, कृष्णदास कविराज रचित (साहित्य अकादमी)।
4. मेधनादवध काव्य : मधुसूदन दत्त रचित।
5. कपालकुण्डला : बंकिमचन्द्र चटर्जी रचित।
6. समय एवं बंगदेशीर कृषक : बंकिमचन्द्र चटर्जी रचित।
7. सोनार तारी : रवीन्द्रनाथ टैगोर रचित।
8. छिन पश्चावली : रवीन्द्रनाथ टैगोर रचित।

खंड-ख

9. रवत कर्णी : रवीन्द्रनाथ टैगोर रचित।
10. नब्बजातक : रवीन्द्रनाथ टैगोर रचित।
11. गृहदाह : शारदचन्द्र चटर्जी रचित।
12. प्रबंध संग्रह : भाग 1, प्रथम चौधरी रचित।
13. अरण्यक : विभूतिभूषण बनर्जी रचित।
14. कहानियां : माणिक बंद्योपाध्याय रचित। अताशी मामी, प्रागेतिहासिक, होलुद-पोरा, सरीसृप, हारनेर, नटजमाई, छोटो-बोकुलपुरेर, जात्री, कुष्ठरोगीर बौजू, जाके धुश दिते होय।
15. श्रेष्ठ कविता : जीवनाचंद दास रचित।
16. जानौरी : सीतानाथ भादुडी रचित।
17. इंद्रजीत : बादल सरकार रचित।

बोडो

प्रश्न-पत्र-I

बोडो भाषा एवं साहित्य का इतिहास
(उत्तर बोडो भाषा में ही लिखें)

खंड-क

बोडो भाषा का इतिहास

1. स्वदेश, भाषा परिवार, इसकी वर्तमान स्थिति एवं असमी के साथ इसका पारस्परिक संपर्क।
2. (क) स्वनिम : स्वर तथा व्यंजन स्वनिम। (ख) व्यनियां।
3. रूपविज्ञान : लिंग, कारक एवं विभक्तियां, बहुवचन प्रत्यय, व्युत्पन्न, क्रियार्थिक प्रत्यय।
4. शब्द समूह एवं इनके घोटा।
5. वाक्य विन्यास : वाक्यों के प्रकार, शब्द क्रम।
6. प्रारम्भ से बोडो भाषा को लिखने में प्रयुक्त लिपि का इतिहास।

खंड-ख

बोडो साहित्य का इतिहास :

1. बोडो लोक साहित्य का सामान्य परिचय।
2. धर्म प्रचारकों का योगदान।
3. बोडो साहित्य का काल विभाजन।
4. विभिन्न विधाओं का आलोचनात्मक विश्लेषण (काव्य, उपन्यास, लघु-कथा तथा नाटक)।
5. अनुवाद साहित्य।

प्रश्न-पत्र-II

इस प्रश्न-पत्र में निर्धारित पाद्य-पुस्तकों का मूल अध्ययन अपेक्षित होगा और परीक्षा में उम्मीदवार की आलोचनात्मक योग्यता को जांचने वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।
(उत्तर बोडो भाषा में ही लिखें)

खंड-क

बोडो भाषा का इतिहास :

- (क) खोन्थई-मेरथई (मादाराम ब्रह्मा तथा रूपनाथ ब्रह्मा द्वारा संपादित)
- (ख) हथोरखो-हला (प्रमोदचन्द्र ब्रह्मा द्वारा संपादित)
- (ग) बोरोनी गुडी सिव्वार्ब अरोज : मादाराम ब्रह्मा द्वारा
- (घ) राजा नीलांबर-द्वेरेन्द्र नाथ बासुमतारी
- (ङ) बिबार (गद्य खंड) (सतीशचन्द्र बासुमतारी द्वारा संपादित)

खंड-ख

- (क) गिर्बी बिठाई (आइडा नवी) : बिहुराम बोडो
- (ख) रादाब : समर बहा चौधरी
- (ग) ओखरंग गोगसे नंगोऊ : ब्रजेन्द्र कुमार ब्रह्मा
- (घ) बैसागु अर्व हरिमू : लक्षेश्वर ब्रह्मा
- (ङ) ग्वादाम बोडो : मनोरंजन लहारी
- (च) जुजैनी ओर : चितरंजन मुखारी

(छ) म्बीहूर : धरानिधर चारी
 (ज) होर बड़ी रव्वम्सी : कमल कुमार ब्रह्मा
 (झ) जओलिया दीवान : मंगल संह होजावरी
 (ज) हागरा गुदुनीम्बी : नीलकमल ब्रह्मा।

चीनी

प्रश्न-पत्र-१

इस प्रश्न-पत्र प्रारंभिक रूपम्बारों से यह अपेक्षा की जाएगी कि उन्हें मानक चीनी भाषा और इसकी विशेषताओं का अच्छा ज्ञान हो जिससे उनकी अधिव्यक्तिगत सांगठनिक क्षमताओं का परीक्षण हो सके। सभी प्रश्नों के उत्तर (चीनी से अंग्रेजी में अनुवाद के प्रश्न को छाड़कर) चीनी भाषा में देने होंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खंड-क

- किसी सामयिक विषय पर लगभग 500 चीनी अक्षरों में निबंध लेखन।
- अनुवाद
 - चीनी से अंग्रेजी भाषा में
 - अंग्रेजी से चीनी भाषा में
- वाक्यगत और व्याकरणिक प्रयोग।

खंड-ख

- चीनी भाषा में मुहावरों और लोकांकितयों की व्याख्या।
- चीनी भाषा का विकास।
- बोधनलक्षण।

प्रश्न-पत्र-२

इस प्रश्न पत्र में अध्यर्थी से अपेक्षा की जाएगी कि उसे चीन संबंधी अध्ययन का अच्छा ज्ञान हो और इसका प्रारूप इस प्रकार तैयार किया जाएगा जिससे अध्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके। सभी प्रश्नों के उत्तर चीनी में लिखने होंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खंड-क

- आधुनिक चीनी इतिहास (1919 से अब तक) की प्रमुख घटनाओं से संबंधित विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणियां।
- मुक्ति पूर्व काल (1919-1949) की प्रमुख साहित्यिक कृतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन :
 - लाओं शी - फोर जैनरेशन्स-रिक्षा पुलर।
 - बा जिन - फैमिल।
 - लू शुन - मेडिसिन, मैडमैस डायरी, दि
 - टू स्टोरी आफ आह क्यू।
 - मिडनाईट।
 - कोल्स रिप्लाई (में मेई डे दिहुआ), बेगर क्रिगाई आई लव दिस लैंड (वो अई झे तुदी), ओल्ड मैन (लाओरेन)।
 - गुओ मोरओ - दि गॉडेसेज।
 - चीनी समाज के विकास में दर्शन और धर्म की भूमिका।

खंड-ख

- 1979 के बाद सामाजिक-आर्थिक/राजनीतिक/शैक्षिक/खेल-कूट। वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय विकास।
- उत्तर-मुक्ति काल (1949 से अब तक) की प्रमुख साहित्यिक कृतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन।
- गूहुआ, दि टाइन काल्ड हिविस्कम (फुरोड़ज्ञन)
- चेन राड, टिल दि मिडिल एज (रैन दाओ झोड़इनियान)
- लियू शिनकू, दि क्लास-इन चार्ज (बैन झुरेन)
- ल्यू याओ, दि ह्यूमन एकिजस्टैंस (रेनशैंग)
- आई विवंग, फिश फौसिल, दि मिर, दि गार्डनस झीम, दि हन्टर हू इयू बर्ड्स
- शू-तिंग, मदरलैंड, माई बिलब्ड मदरलैंड।

डोगरी

प्रश्न-पत्र-१

डोगरी भाषा एवं साहित्य का इतिहास

(उत्तर डोगरी भाषा में लिखे जाएं)

खंड-क

डोगरी भाषा का इतिहास :

- डोगरी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास : विभिन्न अवस्थाओं में।
- डोगरी एवं इसकी बोलियां भाषाई सीमाएं।
- डोगरी भाषा के विशिष्ट लक्षण।
- डोगरी भाषा की संरचना।

(क) ध्वनि संरचना।

खंडीय स्वर : एवं व्यंजन

अखंडीय : दीर्घता, बलाधात, नसिक्यरंजन, सुर एवं संधि

(ख) डोगरी का पदरचना विज्ञान।

(i) रूप रचना वर्ग : लिंग, वचन, कारक, पुरुष, काल एवं वाच्य।

(ii) शब्द निर्माण : उपसार्ग, मध्यप्रत्ययों तथा प्रत्ययों का उपयोग।

(iii) शब्द समूह : तत्सम, तद्भव, विदेशीय एवं देशज।

(ग) वाक्य संरचना : सर्वांग वाक्य—उनके प्रकार तथा अवयव, डोगरी वाक्यविन्यास में अन्वय तथा अन्विति।

5. डोगरी भाषा एवं लिपि : डोगरे/डोगरा अक्षर, देवनागरी तथा फारसी।

खंड-ख

डोगरी साहित्य का इतिहास :

- स्वतंत्रता-पूर्व डोगरी साहित्य का सर्व त विवरण : पद्ध एवं गद्ध।
- आधुनिक डोगरी काव्य का विकास तथा डोगरी काव्य के मुख्य ज्ञान।
- परी लघुकथा का विकास ग प्रमुख लघु-कथा खक।

4. डोगरी उपन्यास का विकास, मुख्य-रूज्ञान तथा डोगरी उपन्यासकारों का योगदान ।
5. डोगरी नाटक का विकास तथा प्रमुख नाटककारों का योगदान ।
6. डोगरी गद्य का विकास : निबंध, संस्मरण एवं यात्रावृत ।
7. डोगरी लोक साहित्य का परिचय-लोकार्थीत, लोक कथाएं तथा लोक गाथाएं ।

प्रश्न-पत्र-II

डोगरी साहित्य का पाठालोचन

(उत्तर डोगरी में लिखे जाएं)

खण्ड-क

पद्ध

1. आजादी पैहले दी डोगरी कविता
निम्नलिखित कवि :—
देखी दित्ता लक्खू, गंगा राम, रामधन, हरदत्त, पहाड़ी गाधी बाबा कांशी राम तथा परमानंद अलमस्त ।
2. आधुनिक डोगरी कविता, आजादी बाद दी डोगरी कविता
निम्नलिखित कवि :—
किशन स्मैलपुरी, तारा स्मैलपुरी, मोहन लाल सपोलिया, यश शर्मा, के. एस. मधुकर, पद्मा सच्चरेवा, जितेन्द्र ऊधमपुरी, चरण सिंह तथा प्रकाश प्रेमी।
3. शीराज़ा डोगरी सं. 102, ग़ज़ल अंक
निम्नलिखित शायर :—
राम लाल शर्मा, वेद पाल दीप, एन. डी. जाम्बाल, शिव राम दीप, अश्विनी मगोत्रा तथा बीरेन्द्र क्षेसर
4. शीराज़ा डोगरी सं. 107, ग़ज़ल अंक
निम्नलिखित कवि :—
आर. एन. शास्त्री, जितेन्द्र ऊधमपुरी, चंपा शर्मा तथा दर्शन दर्शन
5. शम्भूनाथ शर्मा द्वारा रचित 'रामायण' (महाकाव्य) (अयोध्या काण्ड तक) ।
6. दीनू भाई पन्त द्वारा रचित 'बीर गुलाब' (खण्ड काव्य) ।

खण्ड-ख

गद्ध

1. अजबणी डोगरी कहानी
निम्नलिखित लघु कथा लेखक :—
मदन मोहन शर्मा, नरेन्द्र खजूरिया तथा बी.पी. साठे ।
2. अजकणी डोगरी कहानी भाग-II
निम्नलिखित लघु कथा लेखक :—
वेद राही, नरसिंह देव जम्बाल, ओम गोस्वामी, छत्रपाल, ललित मगोत्रा, चमन अरोड़ा तथा रतन केसर ।
3. कथा कुंज भाग-II
निम्नलिखित कथा लेखक :—
ओम विद्यार्थी, चम्पा शर्मा तथा कृष्ण शर्मा ।
4. बंधु शर्मा द्वारा रचित 'मील पत्थर' (लघु कथा संग्रह) ।
5. देश बंधु डोगरा नूतन द्वारा रचित 'कैदी' (उपन्यास) ।

6. ओ.पी. शर्मा सारथी द्वारा रचित 'नंगा रुक्ख' (उपन्यास) ।

7. मोहन सिंह द्वारा रचित 'न्या' (नाटक) ।

8. सतरंग (एकांकी नाटक संग्रह)

निम्नलिखित नाटककार :—

विश्वनाथ खजूरिया, राम नाथ शास्त्री, जितेन्द्र शर्मा, ललित मगोत्रा तथा मदन मोहन शर्मा ।

9. डोगरी ललित निबंध

निम्नलिखित लेखक :—

विश्वनाथ खजूरिया, नारायण मिश्रा, बालकृष्ण शास्त्री, विश्वनाथ, श्याम लाल शर्मा, लक्ष्मी नारायण, डी.सी. प्रशान्त, वेद घई, कुवरं वियोगी ।

अंग्रेजी

इस पाद्यक्रम के दो प्रश्न-पत्र होंगे । इसमें निर्धारित पाद्यपुस्तकों में से निम्नलिखित अवधि के अंग्रेजी साहित्य का मूल अध्ययन अपेक्षित होगा । जिससे उम्मीदवार की समीक्षा-क्षमता की जाँच हो सके ।

प्रश्न-पत्र I : 1600-1990

प्रश्न-पत्र II : 1900-1990

प्रत्येक प्रश्न-पत्र में दो प्रश्न अनिवार्य होंगे :

(क) एक लघु-टिप्पण प्रश्न सामान्य अध्ययन से संबंधित विषय पर होगा; और

(ख) गद्य तथा पद्ध दोनों के अनदेखे उद्धरणों का आलोचनात्मक विश्लेषण होगा ।

प्रश्न-पत्र-I

उत्तर अंग्रेजी में लिखने होंगे

विस्तृत अध्ययन के लिए पाठ नीचे दिए गए हैं । अध्यर्थियों से निम्नलिखित विषयों तथा घटनाओं के विस्तृत ज्ञान की अपेक्षा की जाएगी : दि निरेसा; एलिजाबेथ एण्ड जेकोबियन इम्प्रेस, बेटाफिजीकल पोयटी; दि एपिड एण्ड दि-मोक एपिक; नवबलासिकीवाद; सैटायर; दि रोमान्टिक मूवमेंट; दि राइज आफ दि नावेल; दि विक्टोरियन एज ।

खण्ड-क

1. विलियम शेक्सपियर : किंगलियर और दि टैम्पैस्ट ।

2. जान डन-निम्नलिखित कविताएं :

1. केनोनाईजेशन

2. डेथ बी नाट प्राउड

3. दि गुड भोरी

ऑन हिज मिस्ट्रेस गोइंग टु बेड
दि रैलिक ।

3. जान मिल्टन-पैराडाइज लॉस्ट I, II, IV, IX

4. अलेक्जेंडर पोप-दि रेप आफ दि लॉक ।

5. विलियम वर्डस्वर्थ-निम्नलिखित कविताएं :

-ओड आन ईंटिमेशंस ऑफ इमोर्टैलिटी

-टिंटन एवं श्री योअर्स शी ग्रियू

-शी ड्वेल्ट अमंग अनंट्रोडन वेज

-माइकेल

- रेजोल्यूशन एण्ड इंडिपेंडेन्स
- दि वर्ल्ड इज टू मच विद अस
- मिल्टन दात शुड्स बी लिविंग एट दिस आवर
- अपॉन, बेस्टमिस्टर ब्रिज
- 6. अल्फ्रेड टेनीसन : इन मेमोरियम
- 7. हैनरिक इब्सेन : ए हॉल्स हाउस

खण्ड-ख

1. जोनाथन स्विफ्ट - गलिवर्स ट्रेवल्स
2. जैन ऑस्टन - प्राइड एण्ड प्रेजुडिस
3. हेनरी फील्डिंग - टॉग जॉन्स
4. चार्ल्स डिकन्स - हाई टाइम्स
5. जार्ज इलियट - दि मिल आन दि फूलोस
6. टामस हार्डी - टेस ऑफ दि अर्बरविल्स
7. मार्क ट्वेन - दि एडवेंचर्स ऑफ हकलबैरी फिन

प्रश्न पत्र II

उत्तर अंग्रेजी में लिखने होंगे

विस्तृत अध्ययन के लिए पाठ नीचे दिए गए हैं। अध्यर्थियों से निम्नलिखित विषयों और आन्दोलनों का यथेष्ट ज्ञान भी अपेक्षित होगा :—

आधुनिकतावाद; पोयद्स ऑफ दि थर्टीज; दी स्टीम-ऑफ-कांशसनेस नावेल; एब्सर्ह ड्वामा; उपनिवेशवाद तथा उत्तर-उपनिवेशवाद; अंग्रेजी में भारतीय लेखन; साहित्य में मार्कसवादी, मनोविशलेषणात्मक और नारीवादी दृष्टियां, उत्तर-आधुनिकतावाद।

खण्ड-क

1. विलियम कटलर यीट्स-निम्नलिखित कविताएं :

- ईस्टर 1916
- दि सैकंड कमिंग
- ए प्रेयर फार माई डाटर
- सेर्लिंग टू बाइजेटियम
- दि टॉवर
- अमंग स्कूल चिल्ड्रन
- लीडा एण्ड दि स्थान
- मेरु
- लेपिस लेजुली
- द सैकेन्ड कमिंग
- बाईजेटियम

2. टी. एस. इलियट-निम्नलिखित कविताएं :

- दि लव सोंग ऑफ जे अल्फ्रे प्रूफ्राक
- जर्नी ऑप दि मेजाइ
- बर्न्ट नार्टन

3. डब्ल्यू एच. आडेन-निम्नलिखित कविताएं :

- यार्टीशन
- म्यूजी दे व्यू आर्ट्स
- इन मेमोरी ऑफ डब्ल्यू बी. यीट्स
- से यूअर स्लीपिंग हैड, माई लव
- दि अननोन सिटिजन

- कॉन्डिसर
- मुंडस एट इन्फेन्स
- दि शील्ड ऑफ एकिलीज़
- सैपटेम्बर 1, 1939
- पेटीशन
- 4. जॉन असबोर्न : लुक बैक इन एंगर
- 5. सेम्बुअल बैकेट : बेटिंग फार गोडो
- 6. फिलिप लारकिन : निम्नलिखित कविताएं
- नैकस्ट
- एसीज़
- डिसैज्यान्स
- आपटरनून्स
- डेज
- मिस्टर ब्लीनी
- 7. ए. के. रामनुजन-निम्नलिखित कविताएं :

- लुकिंग फार ए कजन आन ए स्विंग
- ए रिवर
- ऑफ मदर्स, अमंग अदर थिंग्स
- लव पोयम फार ए वाईफ-।
- स्माल-स्केल रिप्लैक्शन्स
- आन ए ग्रेट हाऊस
- ओविचुएरी

(ये सभी कविताएं आर पार्थसारथी द्वारा सम्पादित तथा आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित दसवीं-बीसवीं शताब्दी के भारतीय कविताओं के संग्रह में उपलब्ध हैं)।

खण्ड-ख

1. जोसफ कोनरेड : लार्ड जिम
2. जेम्स ज्वायस : पोट्रेट आफ दि आर्टिस्ट एज ए यंग मैन
3. डी. एच. लारेस : सन्स एण्ड लवर्स
4. ई. एम. पोस्टर : ए पैसेज टू इंडिया
5. वर्जीनिया बूल्फ़ : मिसेज डेलोवे
6. राजा राव : कांथापुरा
7. चौ. एस. नायपाल : ए हाऊस फार मिस्टर बिस्वास।

फ्रेंच

प्रश्न पत्र 1

फ्रेंच से अंग्रेजी में अनुवाद के प्रश्न को छोड़कर उत्तर फ्रेंच में लिखने होंगे

खण्ड-क

1. फ्रेंच साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां
 - (क) बलासिकीवाद
 - (ख) स्वच्छन्दतावाद
 - (ग) यथार्थवाद

2. फ्रांस में कला

(क) स्वच्छन्दतावाद
(ख) यथार्थवाद
(ग) प्रभाववाद

3. पांचवा गणतंत्र

(क) द 'गॉल एवं' पांचवां गणतंत्र
(ख) मई-1968
(ग) पांपिदु
(घ) गिस्लार्ड द' स्टैंग
(ड) मित्रां
(च) शिरॉक

4. अनुवाद : फ्रेंच से अंग्रेजी में (सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक प्रकृति के दो उद्धरणों का अनुवाद-प्रत्येक उद्धरण दो सौ शब्दों का)।

खण्ड-ख

1. फ्रेंच साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

(क) प्रतीकावाद
(ख) अतियथार्थवाद
(ग) एब्सर्ड का रागमंच

2. फ्रांस में कला

(क) अतियथार्थवाद
(ख) घनवाद
(ग) अमूर्त चित्रकला

3. पांचवा गणतंत्र

(क) फ्रांस में राजनीतिक दल
(ख) पांचवें गणतंत्र में राष्ट्रपति का स्थान एवं उसकी भूमिका
(ग) सरकार
(घ) संसद
(ड) सीनेट

4. अनुवाद : अंग्रेजी से फ्रेंच में (सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक प्रकृति के दो उद्धरणों का अनुवाद-प्रत्येक उद्धरण दो सौ शब्दों का)।

प्रश्न पत्र 2

खण्ड-क

(उत्तर फ्रेंच में लिखने होंगे)

इस प्रश्न पत्र में निम्नलिखित पाद्यपुस्तकों का गहन अध्ययन अपेक्षित है। प्रश्न इस तरह तैयार किए जाएंगे कि अध्यर्थियों की आलोचनात्मक योग्यता को जाँचा जा सके।

1. 17वीं शताब्दी

(क) कोर्नेल : ल सीद
(ख) रासिन : आंद्रोमाक
(ग) मोलियर : ला आब्र

2. 18वीं शताब्दी

चू मार्श : ल मारिज द फिगैरो

3. 19वीं शताब्दी

(क) लामार्टीन : लिलेक सबलो
(ख) विक्टर ह्यूगो : ल कांशियेंस, एल आवे प्रिस एली द में, दे ल ओब
(ग) विक्टोर ह्यूगो : हरनानी
(घ) मुसे : सिवनी, लन्दी द देसांब्र
(ड) मेरीमे : कोलोब
(च) बाल्जाक : यूजेनी ग्रांदे
(छ) फ्लाबेयर : मदाम बावेरी
(ज) बादलेय : ल दन्विसेशो ओ, बयाज, टिक्कीलमों ला एल्ब्रास
(झ) रिबो : लोदार्म द्यू थाल
(ट) लर्टन : चांसो द, ओतम, मों रेव फमिलिये, इल एल्यैयर दामों कैर

खण्ड-ख

4. 20वीं शताब्दी

(क) एपोलिनेयर : न्वी रेनान, लो पो मिराबो
(ख) जाक प्रेवर : पुर फैर लो पोत्रों द आंद अन्वासो बार्बरा
(ग) पॉल एलुवार : लिवर्टे
(घ) पॉल बेलेरी : से पा, ल फिलैस
(ड) आन्द्रे गीद : ल सिंकेनी पास्तोरेल
(च) कामू : ला इतरांजर
(छ) सार्व : से मैन साल्स
(ज) आइनेस्की : राइनोसिरोस

फ्रेंकोफोनी

(क) जेराई बेसेत : ला लायब्रेर
(ख) आनन्द देवी : लो बाद द द्रोपदी
(ग) शेख हमीदु काने : ला आपेत आंबीग
(घ) अब्सल्तीफ लांबी : पोयम ए आं प्रोस

1. ला आर्ब आ पोयम्स (ला. एन्तरों दु मोन)

2. ले रेव विसेनो यूरिर र्यूर ल पेज (ला. एन्तरों दु मोन)

5. समकालीन विषय पर सामान्य प्रकृति का निबन्ध।

जर्मन

प्रश्न पत्र 1

(उत्तर जर्मन भाषा में लिखने होंगे)

खण्ड-क

1. भाषा की संरचना :

अध्यर्थियों से शब्दक्रम, वाक्य रचना तथा शब्दार्थ विज्ञान जैसे विशिष्ट पहलुओं के संर्व में, जर्मन व्याकरण के सम्बन्ध ज्ञान की अपेक्षा की जाती है।

2. जर्मन भाषा में लिखना :

अध्यर्थियों से अपेक्षा की जाती है कि सामान्य प्रकार के समकालीन विषय पर निबंध लिखते समय ये दिखलाएं के जर्मन भाषा में लिखी जाने वाली अधिक्षिकत की तकीकों पर उनका अधिकार है।

खण्ड-ख

1. एक सामान्य विषय पर लिखे पाठ का अंग्रेजी से जर्मन में अनुवाद ।

2. निम्नलिखित विषयों के विशेष संदर्भ में जर्मनी का अठारहवीं सदी से लेकर वर्तमान समय तक का सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास :

- (क) जर्मन समाज और सांस्कृति पर बोधन का प्रभाव
- (ख) जर्मनी पर प्रविष्टियां संस्कृति का प्रभाव
- (ग) वाइमार गणराज्य में हुए सांस्कृतिक वाद-विवाद
- (घ) जर्मनी में राष्ट्रीय समाजवाद के अधीन संस्कृति की आवधारणा
- (ङ) 1945 के बाद से जर्मन साहित्य धाराओं तथा संस्कृतियों का विकास
- (च) जर्मनी का पुनर्जीकरण और सांस्कृतिक विविधता की समस्याएं
- (छ) यूरोपीय संघ में जर्मन भाषा तथा साहित्य की भूमिका और प्राप्तिकर्ता ।

प्रश्न पत्र-2

(उत्तर जर्मन में लिखने होंगे)

खण्ड क

1. 19वीं शताब्दी से आज तक के जर्मन साहित्य का विकास :

अध्यर्थियों को प्रमुख प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि लेखकों और उनकी महत्वपूर्ण कृतियों की जानकारी होनी चाहिए। इसके अंतर्गत केवल लेखकों और उनकी कृतियों की जानकारी प्राप्त करने पर जोर नहीं दिया जाता, बल्कि अध्यर्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह किसी साहित्यिक काल की विशेषताओं को प्रतिनिधि रचनाओं के आधार पर पहचाने।

2. साहित्यिक विधाओं का अध्ययन :

अध्यर्थियों को रोमान, लैंबेल, नाटक, गाथागीत, शोकगीत, प्रयाणगीत, युद्धगीत, कुरवेशिष्ट जैसी विभिन्न विधाओं की महत्वपूर्ण विशेषताओं का हानि होना चाहिए।

खण्ड-ख

1. साहित्यिक व्याख्याओं के प्रत्यक्ष ज्ञान : अध्यर्थियों को साहित्य के आलोचनात्मक ज्ञान के विभिन्न दृष्टिकोणों की जानकारी होनी चाहिए।

2. द्युनी हुई कृतियों का अध्ययन :

- (क) गोएं-हाई लॉडेन डेस जुगेन बर्थर
- (ख) शिलत-मारिया स्टुअर्ट
- (ग) ईशनडोर्फ-गोडिश्टे
- (घ) गोटफ्रीड कैलर : किलडॉर माशर ल्यूटे
- (ङ) टॉनस यान-हाई बरटोरटन कोफे
- (च) फात्स काफ्का-बोर डेस गोसेज
- (छ) फ्रीटिग्यु डल्ट्सैट-डाइ फिजीकर
- (ज) मैक्स फ्रिस्ट-एंडोर

(झ) हैनरिख बोल-डाइ बेरलोरीन एहरे डेर क्लैथरिन ब्यु

(ञ) इनेबोरा बैखमन-एलेस (जैस डैम ऐस्लबेंड : डास डाइबिस जार)

(ट) रोज ऑस्मलेंडर-गोडिश्टे

(ठ) क्रिस्ट्र बोल्फ-डेर गेट्रेटे हिम्बेल

(ड) युटर ग्रास-जुंडा जोगन

गुजराती

प्रश्न पत्र-1

(उत्तर गुजराती में लिखने होंगे)

खण्ड क

गुजराती भाषा का स्वरूप तथा इतिहास

1. गुजराती भाषा का इतिहास : आधुनिक भारतीय आर्य भाषा के पिछले एक हजार वर्ष के विशेष संदर्भ में।

2. गुजराती भाषा की महत्वपूर्ण विशेषताएं : स्वनिम विज्ञान, स्वप्न विज्ञान तथा वाक्य विज्ञान।

3. प्रमुख व्यालियां : सूरती, पाटी, चरोती तथा सौराष्ट्री।

गुजराती साहित्य का इतिहास मध्ययुगीन

4. जैन परम्परा

5. धक्कित परम्परा : सागृ तथा निर्गुण (ज्ञानमार्गी)

6. गैर-सम्प्रदायवादी परम्परा (लौकिक परम्परा)

आधुनिक

7. सुधारक युग

8. पांडित युग

9. गांधी युग

10. अनुगांधी युग

11. आधुनिक युग

खण्ड ख

साहित्यिक स्वरूप (निम्नलिखित साहित्यिक स्वरूपों की प्रमुख विशेषताएं, इतिहास और विकास)

(क) मध्ययुग

1. द्रुतान्त : रास, आख्यान तथा पद्यवार्ता

2. गीतिकाव्य : पद

(ख) लोक साहित्य

3. भवाई

(ग) आधुनिक

4. कथा साहित्य : उपन्यास तथा कहानी

5. नाटक

6. साहित्यिक निबंध

7. गीतिकाव्य

(घ) आलोचना

8. गुजराती की सैद्धांतिक आलोचना का इतिहास

9. लोक परम्परा में नवीनतम अनुसंधान

प्रश्न पत्र-2

(उत्तर गुजराती में लिखने होंगे)

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाद्यपुस्तकों का मूल अध्ययन अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिससे उम्मीदवार की समीक्षा क्षमता की जांच हो सके।

खण्ड क

1. प्रथ्ययग

- (i) वसंतविलास फागु-अज्ञातकृत
- (ii) कादम्बरी-भालण
- (iii) मुदामा चरित्र-प्रेमानंद
- (iv) चंद्रचंद्रावतीनी वार्ता : शामल
- (v) अखेगीता-अखो

2. सुधारक युग तथा पड़ित युग

- (vi) मारी हकीकत-नर्मदाशंकर दवे
- (vii) फरवरस्वरी-दलपतराम
- (viii) सरस्वतीचंद्र भाग 1- योवर्धनराम त्रिपाठी
- (ix) पूर्वालाप-‘कांत’ (मणिशंकर रत्नाली भट्ट)
- (x) राइनो पर्वत-रमणभाई नीलकंठ

खण्ड-ख

1. गांधी युग तथा अनुगांधी युग

- (i) हिन्द स्वराज-मोहनदास कर्मचंद गांधी
- (ii) पाटणी व्रभुता-कन्हैयलाला मुंशी
- (iii) काव्यनी शक्ति-रामनारायण विश्वनाथ पाठक
- (iv) सौराष्ट्रनी रसधार-भाग 1 झवेरचंद मेघाणी
- (v) मानवीनी भवाई-पन्नालाल पटेल
- (vi) ध्वनि-राजेन्द्र शाह

2. आधुनिक युग

- (vii) सत्यपदी-उमाशंकर जोशी
- (viii) जननिके-सुरेश जोशी
- (ix) अवश्यामा-रितान्तु यशवंश

हिन्दी

प्रश्न पत्र-1

(उत्तर हिन्दी में लिखने होंगे)

भाग क

1. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास

- (i) अपध्रंश, अबहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप।
- (ii) प्रथ्यकाल में छंज और अवधि का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
- (iii) सिद्धनाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीष आदि कवियों और दक्षिणी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप।
- (iv) उनोसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास।
- (v) हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण।

(vi) स्वर्दंशता आन्दोलन के दौरान राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिन्दी का विकास।

(vii) भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।

(viii) हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास।

(ix) हिन्दी की प्रमुख बोलियां और उनका परस्पर संबंध।

(x) नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएं और उनके सुधार के प्रयास तथा मानस हिन्दी का स्वरूप।

(xi) मानक हिन्दी का व्याकरणिक संरचना।

भाग ख

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य की ग्रामांगिकता और यहत्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा।

हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियां :-

(क) आदिकाल : सिद्ध, नाथ और राजो साहित्य प्रमुख कवि : चंद्रवरदाई, खुसरो, हेमचन्द, विद्यापित

(ख) भवित काल : संत काव्य धारा सूफी काव्यधारा, कृष्ण भवितधारा और राम भवितधारा

प्रमुख कवि : कबीर, जायसी, सूर और तुलसी

(ग) रीतिकाल : रीतिकाल, रीतिबद्धकाव्य, रीतिमुक्त काव्य प्रमुख कवि : केशव, विहारी, पदमाकर और धनानंद

(घ) आधुनिक काल :

क. नश्तागरण, गद का विकास, भारतेन्दु मंडल

ख. प्रमुख सेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र

ग. आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियां छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता नवगीत, सभाकालीन कविता और जननादी कविता।

प्रमुख कवि :

सैधार्थसारण गुरु, जयशंकर “प्रसाद” सूर्यकान्त त्रिपाठी “निराला”, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह, “दिनकर”, सच्चिदानंद वाल्यायन “अज्ञेय”, गजानन माधव, मुकित बोध, नागर्जुन।

3. कथा साहित्य

(क) उपन्यास और वधार्थवाद

(ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास

(ग) प्रमुख उपन्यासकार

प्रेमचंद, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी

(घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास

(ङ) प्रमुख कहानीकार

प्रेमचंद, जयशंकर “प्रसाद”, सच्चिदानंद वाल्यायन “अज्ञेय”, मोहन राकेश और कृष्ण सोबती।

नाटक और रंगमंच

(क) हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास।

(ख) प्रमुख नाटककार : भरतेन्दु, जयशंकर “प्रसाद”, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार चर्मा, मोहन राकेश।

(ग) हिन्दी रंगमंच का विकास।

आलोचना :

(क) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रणालिकादी, मैत्रोविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा।

(ख) प्रमुख आलोचक

रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र।

हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ :

ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत।

प्रश्न पत्र-2

(उत्तर हिन्दी में लिखने होंगे)

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाद्य पुस्तकों को पढ़ना अनिवार्य होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें अन्यर्थी की आलोचनात्मक क्षमता की परीक्षा हो सके।

भाग क

- कवीर : कवीर ग्रन्थावली (आरंभिक 100 पद) संपादक : श्याम सुन्दरदास
- सूरदास: भ्रंगरीत सार (आरंभिक 100 पद) संपादक : रामचंद्र शुक्ल
- तुलसीदास: रामचरित मानस (सुन्दर काण्ड) कवितावली (उत्तर काण्ड)
- जायसी : पदमावत (सिंहलद्वीप खण्ड और नागमती वियोग खण्ड) संपादक : श्याम सुन्दरदास
- बिहारी : बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 पद) संपादक : जगन्नाथ दास रत्नाकर
- मैथिलिशरण गुप्त : भारत भारती
- जयशंकर “प्रसाद” : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग)
- सूर्यकांत त्रिपाठी “निराला” : राग-विराग (राम की शक्ति पूजी और कुकरमुत्ता) संपादक : राम विलास शर्मा
- रामधारी सिंह “दिनकर” : कुरुक्षेत्र
- अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (“असाध्य वीणा”)
- मुक्तिबोध : ब्रह्मराजस
- नागर्जुन : बादल को धिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।

भाग ख

- भारतेन्दु, भारत दुर्दशा
- मोहन राकेश, आशाद का एक दिन
- रामचंद्र शुक्ल, कवितामणि (भाग-1) (कविता क्या है श्रद्धा और भक्ति)
- निबंध निलय, संपादक, डा. सत्येन्द्र

बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचंद, गुलाब राय, हंजारी प्रसाद त्रिवेदी, राम विलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेर नाथ राय

- प्रेमचंद, गोदान, ‘प्रेमचंद की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ’, संपादक, अमृत राय/मंजूसा-प्रेमचंद की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ संपादक, अमृत राय
- प्रसाद, स्कंदगुप्त
- यशपाल, दिव्या
- फणीश्वरनाथ रेणु, मैला आंचल
- मनू भण्डारी, महाभोज
- एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ) संपादक : राजेन्द्र यादव।

कन्ड

प्रश्न पत्र-1

(उत्तर कन्ड में लिखने होंगे)

खण्ड कं

(क) कन्ड भाषा का इतिहास

भाषा क्या है? भाषा की सामान्य विशेषताएँ।

द्रविड़ भाषा परिवार और इसके विशिष्ट लक्षण : कन्ड भाषा की प्राचीनता। उसके विकास के विभिन्न चरण : कन्ड भाषा की बोलियाँ : क्षेत्रीय और सामाजिक। कन्ड भाषा के विकास के विभिन्न पहलू : स्वनिमिक और अर्थगत परिवर्तन। भाषा आदान।

(ख) कन्ड साहित्य का इतिहास

प्राचीन कन्ड साहित्य : प्रभाव और प्रवृत्तियाँ। निम्नलिखित कवियों का अध्ययन :

पंपा, जन, नागचंद्र, : पंपा से रत्नाकर वर्णा तक इन निर्दिष्ट कवियों का विषय वस्तु, रूप विधान और अभिव्यंजना की दृष्टि से अध्ययन।

मध्ययुगी कन्ड साहित्य : प्रभाव और प्रवृत्तियाँ।

वचन साहित्य : बासवना अवक महारेवी।

मध्ययुगीन कवि : हरिहर राघवंक, कुमारव्यास।

दारा साहित्य : पुरन्दर और कनक।

संगतया : रत्नाकर वर्णा

(ग) आधुनिक कन्ड साहित्य : प्रभाव प्रवृत्तियाँ और विचार-धाराएँ। नवोदय, प्रगतिशील, नव्य, दलित और बन्द्य।

खण्ड-11

(क) काव्यशास्त्र और साहित्यक आलोचना

कविता की परिभाषा और संकल्पनाएँ : शब्द, अर्थ, अलंकार, रीति, रस, ध्वनि, औचित्य।

रस सूत्र की व्याख्याएँ।

साहित्यिक आलोचना की आधुनिक प्रवृत्तियाँ :

रूपवादी, एतिहासिक, माक्सिवादी, नारीवादी,

उत्तर-औपनिवेशिक आलोचना।

(ख) कर्नाटक का सांस्कृतिक इतिहास

कर्नाटक की संस्कृति में राजवंशों का योगदान : साहित्यिक संदर्भ में द्वारामी और कल्याणी के चालुक्यों, राष्ट्रकुटों, हौशल्या और विजयनगर के शासकों का योगदान ।
कर्नाटक के प्रमुख धर्म और उनका सांस्कृतिक योगदान
कर्नाटक की कलाएँ : साहित्यिक संदर्भ में मूर्तिकला,
चासुकला, चित्रकला, संगीत, नृत्य ।
कर्नाटक का एकीकरण और कन्नड़ साहित्य पर इसका प्रभाव ।

प्रश्न पत्र-2

(उत्तर कन्नड़ में लिखने होंगे)

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाद्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिससे उम्मीदवारों की आलोचनात्मक सोचता की परीक्षा हो सके ।

खण्ड क

प्राचीन कन्नड़ साहित्य

1. पंपा का विक्रमार्जुन विजय (सर्ग 12 तथा 13), (मैसूर विश्वविद्यालय प्रकाशन) ।

2. बद्रधारने (सुकृमारस्वामैया काथे, विद्युत्चोरन काथे) ।

(ख) प्रथ्ययुगीन कन्नड़ साहित्य

1. अचन काम्पत, 'संपादक: के. मास्लसिद्धप्पा, के. आर. नागराज' (बंगलौर विश्वविद्यालय, प्रकाशन) ।
2. जनप्रिय कनकसम्पूर्ति, संपादक : डी. जवारे गौड़ा' (कन्नड एंड कल्चर डायरेक्टरीट, बंगलौर) ।
3. नवियनाना रागाले, संपादक : डी. एन. श्रीकातैय (ता. वै. म. स्मारक ग्रंथ माले, मैसूर) ।
4. कृमारब्धास भारत : कर्ण पर्व (मैसूर विश्वविद्यालय) ।
5. भारतेश वैथव संग्रह, संपादक : ता. सु. शाम राष्ट्र (मैसूर विश्वविद्यालय) ।

खण्ड ख

आधुनिक कन्नड़ साहित्य

1. क्लाव्य : होसगन्नड़ कविते, संपादक : जी. एच. नायक (कन्नड साहित्य परिषाक्तु, बंगलौर) ।

2. उपन्यास : बैलाल जीव-शिवराम कारंत (माधवी-अनुपमा निरंजन औडालाल-देवानुरु महादेव) ।

3. कहानी : कन्नड सन्म काथेगालु, संपादक : जी. एच. नायक (साहित्य अकादमी, नई दिल्ली) ।

4. चाटक : शुद्र तपस्वी-कुवेम्बु ।
तुगलक-गिरीश कर्नाड

5. विचार साहित्य : देवरू-ए, एन. मूर्ति राष्ट्र (प्रकाशक : डी.वी. के. मूर्ति, मैसूर)

(ख) लोक साहित्य

1. जनपद स्वरूप-डा. एच.एम. नायक (ता. वै. म. स्मारक ग्रंथ माले, मैसूर)

2. जनपद गीतांजलि : संपादक : डी. जवारे गौड़ा (प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली) ।

3. कन्नड जनपद कार्थगालु-संपादक : जे.एस. परमशिवैया (मैसूर विश्वविद्यालय) ।
4. बीड़ि मक्कालु बैलेडो : संपादक : कालेगौड़ा नागवारा (प्रकाशक : बंगलौर विश्वविद्यालय) ।
5. सविरद ओगातुगालु-संपादक : एस. जी. इमगापुर ।

कश्मीरी

प्रश्न पत्र-1

(उत्तर कश्मीरी में लिखने होंगे)

खण्ड क

1. कश्मीरी भाषा के वंशानुगत संबंध : विभिन्न सिद्धांत
2. घटना क्षेत्र तथा बोलियां (भौगोलिक/सामाजिक)
3. स्थनिय विज्ञान तथा व्याकरण :
(i) स्वर व व्यंजन व्यवस्था
(ii) विभिन्न कारक विभक्तियों सहित संज्ञाएँ तथा सर्वनाम
(iii) क्रियाएँ : विभिन्न प्रकार एवं काल ।
4. वाक्य संरचना :
(i) साधारण, कर्तृवाच्य व घोषणात्मक कथन ।
(ii) समन्वय
(iii) सापेक्षीकरण ।

खण्ड ख

1. 14वीं शताब्दी में कश्मीरी साहित्य :
(सामाजिक-सांस्कृतिक तथा बैद्धिक पृष्ठभूमि; लाल दयाद तथा शेईखुल आलम के विशेष संदर्भ सहित
2. उन्नीसवीं शताब्दी का कश्मीरी साहित्य (विभिन्न विधाओं का विकास : वत्सन; गजल तथा मथनवी)
3. बीसवीं शताब्दी के पूर्वांद में कश्मीरी साहित्य (महजूर तथा आजाद के विशेष संदर्भ सहित; विभिन्न साहित्यिक प्रभाव)
4. आधुनिक कश्मीरी साहित्य (कहानी, चाटक, उपन्यास, तथा नज्म के विकास के विशेष संदर्भ सहित) ।

प्रश्न पत्र-2

(उत्तर कश्मीरी में लिखने होंगे)

खण्ड क

1. उन्नीसवीं शताब्दी तक के कश्मीरी काव्य का गहन अध्ययन :
(i) लाल दयाद
(ii) शेईखुल आलम
(iii) हज्बा खातून
2. कश्मीरी काव्य : 19वीं शताब्दी
(i) महमूद गामी (वत्सन)
(ii) मकबूल शाह (गुलरेज)
(iii) रसूल मीर (गजलें)
(iv) अब्दुल अहम नदीम (नात)
(v) कृष्णजू राजदान (शिव लगुन)
(vi) (सूफी कवि) (पाद्य पुस्तक संगलाब-प्रकाशन-कश्मीरी विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय)

3. बोसर्वी शताब्दी का कश्मीरी काव्य (पाद्य पुस्तक "आजिय काशिर शथरी" प्रकाशन—कश्मीरी विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय !)
4. साहित्यिक समालोचना तथा अनुसंधान कार्य : विकास एवं विभिन्न प्रवृत्तियाँ ।

खण्ड ख

1. कश्मीरी कहानियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन ।
 - (i) अफसाना असुहु, प्रकाशन: कश्मीरी विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय ।
 - (ii) "काशुर अफसाना अज", प्रकाशन: साहित्य अकादमी
 - (iii) हमासर काशुर अफसाना, प्रकाशन: साहित्य अकादमी केवल निम्नलिखित कहानी लेखक :

अख्तर मोहिं-उमीन, अमीन कामिल, हरिकृष्ण कौल, हृदय कौल भारती, बंसी निर्देश, गुलशन माजिद ।
2. कश्मीरी उपन्यास ।
 - (i) जी. एन. गोहर का मुजरिम
 - (ii) मारून-इवानइस्लाम (टॉलस्टाय की दृ ढेश ऑफ इवान इस्लाम का कश्मीरी अनुवाद) कश्मीरी विभाग द्वारा प्रकाशित ।
3. कश्मीरी नाटक ।
 - (i) हरिकृष्ण कौल का नाटक करिव बांद
 - (ii) ऑफ एंगी जाटुक, सेवा भोतीलाल कीमू, साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित ।
 - (iii) राजि इंडिपेंस अनु. नजी. मुनाबर, साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित ।
4. कश्मीरी लोक साहित्य ।
 - (i) काशुर लुकि थियेटर लेखक-मोहम्मद सुधान भगत-प्रकाशन, कश्मीरी विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय ।
 - (ii) काशिरी लुकी बीथ (सभी अंक) जम्मू एवं कश्मीर सांस्कृतिक अकादमी द्वारा प्रकाशित ।

कोंकणी

प्रश्न पत्र-1

(उत्तर कोंकणी में लिखने होंगे)

खण्ड क

कोंकणी भाषा का इतिहास :

- (1) भाषा का इतिहास और विकास तथा इस पर यहाँ वाले प्रभाव ।
- (2) कोंकणी भाषा के मुख्य रूप तथा उनकी भाषाई विशेषताएँ ।
- (3) कोंकणी भाषा में आकरण तथा शब्दकोष संबंधी कार्यकारक, क्रिया विशेषण, अव्यय तथा वाच्य के अध्ययन सहित ।
- (4) पुरानी मानक कोंकणी, नयी मानक कोंकणी तथा मानकीकरण की समस्याएँ ।

खण्ड ख

कोंकणी साहित्य का इतिहास :

उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाएगी की वे कोंकणी साहित्य तथा उसकी सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से भली-भांति परिवर्त हों तथा इससे उठने वाली समस्याओं तथा मुद्दों पर विचार करने में सक्षम हों ।

(1) कोंकणी साहित्य का इतिहास—प्राचीनतम संपादित स्रोत से लेकर वर्तमान काल तक तथा मुख्य कृतियों, सेषकों और आंदोलनों सहित ।

- (i) कोंकणी साहित्य के उत्तरोत्तर निर्माण की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि ।
- (ii) आदिकाल से आधुनिक काल तक कोंकणी साहित्य पर यहाँ वाले भारतीय और यारवास्य प्रभाव ।
- (iii) विभिन्न क्षेत्रों और साहित्यिक विधाओं में उभरने वाली आधुनिक प्रवृत्तियाँ—कोंकणी स्रोत साहित्य के अध्ययन सहित ।

प्रश्न पत्र-2

(उत्तर कोंकणी में लिखने होंगे)

कोंकणी साहित्य की घूलशठ

विषयक सवालोचना

यह प्रश्न-पत्र इस प्रकार तैयार किया जाएगा कि उम्मीदवार की आलोचना तथा विश्लेषण क्षमता की जांच हो सके ।

उम्मीदवारों से कोंकणी साहित्य के विस्तृत परिचय की अपेक्षा की जाएगी और देखा जाएगा कि उन्होंने निम्नलिखित पाद्य-पुस्तकों को मूल में पढ़ा है अथवा नहीं ।

खण्ड ख—गद्य

1. (क) कोंकणी मनसांगोत्री (गद्य के अलावा) प्रो. ओलिविन्हो गोम्प हारा संपादित ।

(ख) ओल्ह कोंकणी लैंग्वेज एंड लिटेरेचर, दी चोर्चुगोंक रोल : प्रो. ओलिविन्हो गोम्प हारा संपादित ।

2. (क) ओट्टो डेन्व्यरक : ए. बी. डॉ. कुनू का उपन्यास ।

(ख) बडोल आनी वरेप : एंटीनियों पटेरा का उपन्यास ।

(ग) डेवार्थे चुरुपेन : बी. बी. पी. सल्दाना का उपन्यास ।

3. (क) वज्रितिखानी- शेनांय गौडम-बाथ :

(शांतराम थडे बल्खलिकर हारा संपादित संग्रह) ।

(ख) कोंकणी ललित निवंध : इवां वरेंकर हारा संपादित निवंध संग्रह ।

(ग) हीन दशकम : चंद्रकांत केणि हारा संपादित संग्रह ।

4. (क) डिमांड़ : पुंडलीक नाइक का नाटक ।

(ख) कादम्बिनी : ए. मिसलेनी आज घार्डन प्रोजेक्ट : प्रो. ओ. बी. एफ. गोम्प तथा श्रीमती पी. एस. तदकोदकर हारा संपादित ।

(ग) रथा त जे ओ घुडियो । श्रीमती जयंती नाइक ।

खण्ड ख—गद्य

1. (क) इवांगि मोरी-एहुआडों बुंगे डिसूजा हारा रचित काव्य ।

(ख) अळखंचम यज्जदान : लुईस मेस्केरेनहास ।

2. (क) घोडडे राशाण : आर. फै. राश हारा संपादित ।

(ख) रलाहार I एंड II व्हेलेक्शन आफ पोयस्स : आर. बी. पंडित हारा संपादित ।

3. (क) जब्दों जुयो-योथम्स-मनोहर एल. सरदेसाई ।
- (ख) कनादी माटी कोंकणी कवि : प्रताप नाईक द्वारा संपादित कविता संग्रह ।
4. (क) अद्वितीय कल्ले : पांडुरंग भंगुई द्वारा रचित कविताएं
- (ख) यमन : माधव बोरकर द्वारा रचित कविताएं ।

मैथिली

प्रश्न पत्र-I

मैथिली भाषा एवं साहित्य का इतिहास
उत्तर मैथिली में लिखने होंगे

खण्ड-क

मैथिली भाषा का इतिहास

1. भारोपीय भाषा-परिवार में मैथिली का स्थान ।
2. मैथिली भाषा का उद्भव और विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ट, मैथिली) ।
3. मैथिली भाषा का कालिक विभाजन (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल) ।
4. मैथिली एवं इसकी विभिन्न उपभाषाएं ।
5. मैथिली एवं अन्य पूर्वाञ्चलीय भाषाओं में संबंध (बंगला, असमिया, डिङ्गा) ।
6. तिरहुता लिपि का उद्भव और विकास ।
7. मैथिली में सर्वनाम और क्रियापद ।

खण्ड-ख

मैथिली भाषा का इतिहास :

1. मैथिली साहित्य की पृष्ठभूमि (धार्मिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक) ।
2. मैथिली साहित्य का काल-विभाजन ।
3. प्राक्-विद्यापति साहित्य ।
4. विद्यापति और उनकी परम्परा ।
5. मध्यकालीन मैथिली नाटक (कीर्तनिया नाटक, अंकीया नाटक, नेपाल में रचित मैथिली नाटक) ।
6. मैथिली लोकसाहित्य (लोकगाथा, लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा) ।
7. आधुनिक युग में विभिन्न साहित्यिक विधाओं का विकास
 - (क) प्रबंधकाव्य
 - (ख) मुक्तकाव्य
 - (ग) उपन्यास
 - (घ) कथा
 - (ड.) नाटक

- (च) निबंध
- (छ) समीक्षा
- (ज) संस्मरण
- (झ) अनुवाद
8. मैथिली यत्र-पत्रिकाओं का विकास ।

प्रश्न पत्र-II

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित यूल पाद्य-पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनसे अभ्यर्थी की आस्लोचनात्मक क्षमता की परीक्षा हो सके ।

खण्ड-क

1. विद्यापति गीतशती-प्रकाशक-साहित्य अकादमी, नई दिल्ली (गीतसंख्या 1 से 50 तक) ।
2. गोविन्ददास भजनावली-प्रकाशक-मैथिली अकादमी, पटना (गीतसंख्या 1 से 50 तक) ।
3. कृष्णजन्म-मन्त्रोप ।
4. मिथिलाभाषा गमायण-चन्द्र झा (सुन्दरकाण्ड मात्र) ।
5. रमेश्वरचरित मिथिला गमायण-लालदास (बालकाण्ड मात्र) ।
6. कीचकवध-तंत्रनाथ झा
7. दत्त-बती-सुरेश झा 'सुमन' (प्रथम और द्वितीय संग मात्र) ।
8. चित्रा-यात्री
9. समकालीन मैथिली कविता-प्रकाशक-साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ।

खण्ड-ख

10. वर्णरत्नाकार-ज्योतिरीश्वर (द्वितीय कल्लोल मात्र) ।
11. खट्टर कक्षाक तरंग-हरिमोहन झा ।
12. लोरिक-विजय-मणिपदम ।
13. पृथ्वीपुत्र-ललित ।
14. भफाइत चाहक जिनगी-सुधांशु 'शेखर' चौधरी ।
15. कृति राजकमल-प्रकाशक-मैथिली अकादमी, पटना (आरम्भ से दस कथा तक) ।
16. कथा-संग्रह-प्रकाशक-मैथिली अकादमी, पटना ।

मलयालम

प्रश्न पत्र-I

उत्तर मलयालम में लिखने होंगे

खण्ड-क

1. मलयालम भाषा की प्रारंभिक अवस्था :
- 1.1. विभिन्न सिद्धांत : प्राक् द्रविड़ियन, तमिल, संस्कृत से उद्भव ।

- 1.2 तमिल तथा मलयालम का संबंध ए, आर. राजराज वर्मा के छ: लक्षण (नया) ।
- 1.3 पाटदू संप्रदाय-परिभाषा, रामचरितम, परवर्ती पाटदू कृतियां-निराणम कृतियां तथा कृष्ण गाथा ।
2. निम्नलिखित की भाषाई विशेषताएँ :-

 - 2.1 मणिप्रवालम-परिभाषा । मणि प्रवालम में लिखी प्रारंभिक कृतियों की भाषा-चम्पू, सर्देशकाव्य, चन्द्रोत्सव, छुट-पुट कृतियां, परिवर्ती मणिप्रवाल कृतियां-मध्ययुगीन चम्पू एवं आटट कथा ।
 - 2.2 लोक गाथा-दक्षिणी तथा उत्तरी गाथाएं, माम्पिला गीत ।
 - 2.3 प्रारंभिक मलयालम गद्य-भाषा कौटलीयम, ब्रह्मांड पुराणम अटट-प्रकारम, क्रम दीपिका तथा नम्बियानं तमिल ।
 3. मलयालम का भानकीकरण

 - 3.1 पाणा, किलिपाट्टू तथा तुल्लल की भाषा की विशेषताएँ ।
 - 3.2 स्वदेशी तथा यूरोपीय मिशनरियों का मलयालम को योगदान ।
 - 3.3 समकालीन मलयालम की विशेषताएँ : प्रशासनिक भाषा के रूप में मलयालम । विज्ञान तथा ग्रैड्योगिकी साहित्य की भाषा-जन की भाषा ।

खंड-ख

साहित्य का इतिहास

4. प्राचीन तथा मध्ययुगीन साहित्य :

 - 4.1 पाटदू-राम चरितम, निराणम कृतियाँ एवं कृष्ण गाथा ।
 - 4.2 मणिप्रवालम-आटट कथा, चंपू आदि प्रारंभिक तथा मध्ययुगीन मणिप्रवाल कृतियाँ ।
 - 4.3 लोक साहित्य ।
 - 4.4 किलिपाट्टू, तुल्लल तथा महाकाव्य ।

5. आधुनिक साहित्य-कविता

 - 5.1 वैष्णविं कवि तथा समकालीन कवि ।
 - 5.2 स्वच्छन्तावाद का आगमन-कवियत्र का काव्य-आशान, उल्लूर तथा चल्लतौल ।
 - 5.3 कवित्रय के बाद की कविता ।
 - 5.4. मलयालम कविता में आधुनिकतावाद ।

6. आधुनिक साहित्य-गद्य

 - 6.1 नाटक
 - 6.2 उपन्यास
 - 6.3 लघु कथा
 - 6.4 जीवनी, यात्रा वर्णन, निबंध और समालोचना ।

प्रश्न पत्र-II

उत्तर मलयालम में लिखने होंगे

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाटदू युस्तकों का मूल अध्ययन अपेक्षित होगा और परीक्षा में उम्मीदवार की आलोचनात्मक क्षमता को जांचने वाले प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खंड-क

भाग-1

1. रामचरितम-पटलम - । ।
2. कण्णशश रामायणम्-बालाकण्डम प्रथम 25 पद्य ।
3. उण्णुनैलि संदेशम्-पूर्व भागम् 25 श्लोक, प्रस्तावना सहित ।
4. महाभारतम् : किलिपाट्टू-भीष्म पर्वम् ।

भाग-2

- 2.1 कुमारन् आशन-चिंता अवस्थित्याय सीता
- 2.2 वेलोपिल्ली-कुटियोधिकल
- 2.3 जी. शंकर कुरुप-पेरुन्तच्चन
- 2.4 एन. वी. कृष्ण वारियार-तिर्विदिपिले पाटदू

भाग-3

- 3.1 ओ. एन. वी.-भूमिकारु चरम् गीतिम्
- 3.2 अय्यप्पा पणिकर-कुरुक्षेत्रम्
- 3.3 आविकट्टम पंडते मेशांति
- 3.4 आटहूर अटहूर रवि वर्मा-मेघरूप

खंड-ख

भाग-4

- 4.1 ओ. चंतु मेनन इंदुलेखा
- 4.2 तकषि-चैम्पीन
- 4.3 ओ. वी. विजयन-खसकिकन्ते इतिहासम्

भाग-5

- 5.1 एम. टी. वासुदेवन नायर-वानप्रस्थम (संग्रह)
- 5.2 एन. एस. माधवन-हिंगिता (संग्रह)
- 5.3 सी. जे. थामस-1128-इल क्राइम 27

भाग-6

- 6.1 कुटिकृष्णमारार-भारत पर्यटनम्
- 6.2 एम. के. सानू-नक्षत्रंगलुटे स्नेहभाजनम्
- 6.3 वी. टी. भट्टाचारिपाद-कण्णीरूप किनावुम

मणिपुरी

प्रश्न पत्र-II

उत्तर मणिपुरी में लिखने होंगे

खण्ड-क

भाषा

(क) मणिपुरी भाषा की सामान्य विशेषताएं और उसके विकास का इतिहास, उत्तर-पूर्वी भारत की तिब्बती-बर्मी भाषाओं के बीच मणिपुरी भाषा का महत्व तथा स्थान, मणिपुरी भाषा के अध्ययन में नवीनतम विकास, प्राचीन मणिपुरी लिपि का अध्ययन और विकास।

(ख) मणिपुरी भाषा की महत्वपूर्ण विशेषताएं :—

(i) स्वर विज्ञान : स्वनिम (फोनोम), स्वर, व्यंजन, संयोजन, स्वरक, व्यंजन समूह और इनका प्रादुर्भाव-अक्षर-इसकी संरचना, स्वरूप तथा प्रकार।

(ii) रूप विज्ञान : शब्द श्रेणी, धातु तथा इसके प्रकार, प्रत्यय और इसके प्रकार, व्याकरणिक श्रेणियाँ-लिंग, संख्या, पुरुष, कारक, काल और इनके विभिन्न पक्ष। संयोजन की प्रक्रिया (समास और संधि)।

(iii) वाक्य विन्यास : शब्द क्रम, वाक्यों के प्रकार, वाक्यांश और उप-वाक्यों का गठन।

भाग-ख

(क) मणिपुरी साहित्य का इतिहास :

आरंभिक काल : (सत्रहवीं शताब्दी तक) सामाजिक तथा सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, विषयवस्तु, कार्य की शैली तथा रीति।

मध्यकाल : (अठारहवीं तथा उन्नीसवीं शताब्दी) सामाजिक धार्मिक तथा राजनीतिक पृष्ठभूमि, विषयवस्तु, कार्य की शैली तथा रीति।

आधुनिक काल : प्रमुख साहित्यिक रूपों का विकास—विषयवस्तु, रीति और शैली में परिवर्तन।

(ख) मणिपुरी लोक साहित्य :

दंतकथा, लोक कथा, लोक गीत, गाथा, लोकोवित तथा पहेली।

(ग) मणिपुरी संस्कृति के विभिन्न पक्ष :

हिन्दू पूर्व मणिपुरी आस्था, हिन्दुत्वा आगमन और समन्वयवाद की प्रक्रिया, प्रदर्शन कला—लाई हरोवा, महारस, स्वदेशी खेल—सगोल कांगजेर्ई, खोंग कांगजेर्ई कांग।

प्रश्न पत्र-II

उत्तर मणिपुरी में लिखने होंगे

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाद्य पुस्तकों का मूल अध्ययन अपेक्षित है और प्रश्नों का स्वरूप ऐसा होगा जिससे अध्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके।

भाग-क

प्राचीन तथा मध्यकालीन मणिपुरी साहित्य

(क) प्राचीन मणिपुरी साहित्य

1. ओ. भोगेश्वर सिंह (सं.)	नुमित कप्पा
2. एम. गौराचंद्र सिंह (सं.)	थृवनथवा हिरण
3. एन. खेलचंद्र सिंह (सं.)	नैथिंगकांग फम्बल काबा
4. एम. चंद्र सिंह (सं.)	पथोचबी खोंगल

(ख) मध्यकालीन मणिपुरी साहित्य

1. एम. चंद्र सिंह (सं.)	समसोक गांवा
2. आर. के. स्नेहल सिंह (सं.)	रामायण आदि कांड
3. एन. खेलचंद्र सिंह (सं.)	धनंजय लाइब्रू निंगबा
4. ओ. भोगेश्वर सिंह (सं.)	चंद्रकीर्ति जिला चंगबा

भाग-ख

आधुनिक मणिपुरी साहित्य

(क) कविता तथा महाकाव्य

(1) कविता

(ख) मणिपुरी शेरेंग (प्रकाशन) मणिपुरी साहित्य परिषद् 1988 (सं.)

1. ख. चोबा सिंह	पी थदोई, लैमगी चेकला आमदा लोकटक
2. डॉ. एल. कमल सिंह	निर्जनता, निरब राजनी कमाल्दा नॉगमलखोडा
3. ए. मीना केतन सिंह	इंगागी नॉग ममग लेकाई थम्बल सतले
4. एल. समरेन्द्र सिंह	मणिपुर, लमंगनबा
5. ई. नीलकांत सिंह	तंगखुल हुई
6. श्री बीरेन	अनौवा थंगलाबा जिबा
7. थ. इबोपिशाक	

(ग) कान्ती शेरेंग (प्रकाशन) मणिपुर विश्वविद्यालय 1988 (सं.)

1. डॉ. एल. कमल सिंह	बिस्वा-प्रेम
2. श्री बीरेन	चफट्रबा लेइगी येन
3. थ. इबोपिशाक	नरक षाताल पृथ्वी

महाकाव्य

1. ए. दोरेन्द्र नीत सिंह	कांसा बोचा
2. एच. अंगनधल सिंह	खंबा-थोइबी शेरेंग (सन-सेनबा, लैई लंगबा, रामू खोंगी विचार)

(III) नाटक

1. एस. ललिता सिंह अरेष्या मारुप
2. जी. सी. टोंगब्रा मैट्रिक पास
3. ए. समरेन्द्र जज सहेब की इमांग

(ख) उपन्यास, कहानी तथा गद्य :

(I) उपन्यास

1. डॉ. एल. कमल सिंह माधवी
2. एच. अंगनधर्म सिंह जहेरा
3. एच. गुण सिंह लापन
4. पाला मीटर्ड इम्पाल आमासुंग मैगी इशिंग,

नुंगसोतकी फिल्म

(II) कहानी

(क) काम्बी वरिष्ठ (प्रकाशन) मणिपुर विश्वविद्यालय 1997 (सं.)

1. आर. के. शीतलजीत सिंह कमला कमला
2. एस. के. बिनोदिनी सिंह आइगी थाउद्रबा हीट्प लालू
3. ख. प्रकाश वेनम शारेंग

(ख) परिषद की खांगतलाबा वरिष्ठ (प्रकाशन) मणिपुरी साहित्य परिषद् 1994 (सं.)

1. एस. नीलबिर शास्त्री लोखात्पा
2. आर. के. इलंगवा करिंगी

(ग) अनींखा मणिपुर वरिष्ठ (प्रकाशन)–दि कल्चरल फोरम मणिपुर 1992 (सं.)

1. एन. कुंमोहन सिंह इजात तनबा
2. ई. दीनमणि नंगथक खोंगनांग

(III) गद्य

(क) खारेंगी सकलोन (झूयू पार्ट) (प्रकाशन)–दि कल्चरल फोरम मणिपुर 1992 (सं.)

1. चौबा सिंह : खांबा-थोइबिंगी वारी अमासुंग महकाव्य

(ख) कांची खारेंग (प्रकाशन)–मणिपुर विश्वविद्यालय 1998 (सं.)

1. बी. मणिसन शास्त्री फाजबा
2. च. मणिहर सिंह ल्ताई-हरौबा

(ग) अपुनबा खारेंग (प्रकाशन)–मणिपुर विश्वविद्यालय 1996 (सं.)

1. च. पिशक सिंह समाज अमासुंग संस्कृति
2. एम. के. बिनोदिनी थोइबिंदु वेरेहोइदा

3. एरकि न्यूटन कलगी महोसा (आई. आर. बाबू द्वारा अनुदित)

(घ) मणिपुर वारेंग (प्रकाशन)–दि कल्चरल फोरम मणिपुर 1999 (सं.)

1. एम. कृष्णमोहन सिंह लान मराठी

प्रश्न पत्र-I

उत्तर मराठी में लिखने होंगे

खण्ड-क

(भाषा और लोक विद्या)

(क) भाषा का स्वरूप और कार्य

(मराठी के संदर्भ में)

भाषा-संकेतन प्रणाली के रूप में : लेंगुइ और परौत, अधारभूत कार्य, काव्यात्मक भाषा, मात्रक भाषा तथा बोलियां, सामाजिक प्राचल के अनुसार भाषाई-परिवर्तन तेरहवाँ तथा सत्रहवाँ शताब्दी में मराठी की भाषाई विशेषताएं

(ख) मराठी की बोलियां

अहिराणी, बरहदी, डांगी

(ग) मराठी व्याकरण

शब्द-भेद (पार्ट्स आफ स्पीच), कारक व्यवस्था (केस सिस्टम), प्रयोग विचार (वाच्य)

(घ) लोक विद्या के स्वरूप और प्रकार

(मराठी के विशेष संदर्भ में) लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य खण्ड-ख

(साहित्य का इतिहास और साहित्यिक आलोचना)

(क) मराठी साहित्य का इतिहास

1. प्रारंभ से 1818 ई. तक : महानुभव लेखक, वरकारी, कवि, पंडित कवि, शाहिस, बाखर साहित्य के विशेष संदर्भ में।

2. 1850 ई. से 1990 तक : काव्य, कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी), नाटक और प्रमुख साहित्य धाराओं के विशेष संदर्भ में तथा रोमांटिक, यशस्वीवादी, आधुनिकतावादी, दलित, ग्रामीण और नारीवादी आंदोलनों के विकास के विशेष संदर्भ में।

(ख) साहित्यिक आलोचना

1. साहित्य का स्वरूप और कार्य।
2. साहित्य का भूल्यांकन।
3. आलोचना का स्वरूप, प्रयोजन और प्रक्रिया।
4. साहित्य, संस्कृति और समाज।

प्रश्न पत्र-II

उत्तर पराठी में लिखने होंगे

निर्धारित साहित्यिक रचनाओं का मूल पाठ विषयक अध्ययन

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाठ्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और इनमें अभ्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता को जांचने वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड-क

(काव्य)

- (1) "सृति स्थल"
- (2) महात्मा जोतिबा फुले : "शोतकारियाचा आसुद", "सार्वजनिक सत्यर्थ"
- (3) एस. वी. केतकर ; "ब्राह्मण कन्या"
- (4) पी. के. अत्रे : "शास्त्रांग नमस्कार"
- (5) शरच्छंद मुकितबोध : "जाना हे बोलातु जेथे"
- (6) अद्धव शैलके : "शीलन"
- (7) बाबू राब बागुल : "जेव्हा भी जात चोरली होती"
- (8) गौरी देशपांडे : "एकेक पान गालाव्या"
- (9) पी आई सोनकाम्बले "आठवनीन्चे पक्षी"

खण्ड-क

(गद्य)

- (1) नामदेवान्वी अभंगवाणी
सम्पा-इनामदार, रेलेकर, मिराजकर,
माडर्न बुक डिपो, पुणे
- (2) "फेजान"
- सम्पा-एम. एन. अदवन्त
साहित्य प्रसाद केन्द्र, नागपुर
- (3) दमयन्ती स्वयंवर
द्वारा रघुनाथ पांडित
- (4) बालकविंची कविता
द्वारा-बालकवि
- (5) विशासा
द्वारा-कुसुमग्रज
- (6) मृदंध
द्वारा-विन्दा करन्दीकर
- (7) जाहिरनामा
द्वारा-नारायण सुर्व
- (8) संघ्या कालचे कविता
द्वारा-ग्रेस
- (9) यां सरेत जीव रमात नाही
द्वारा-नामदेव ढसाल

नेपाली

प्रश्न पत्र-1

उत्तर नेपाली में लिखने होंगे

खण्ड-क

1. नई भारतीय आर्य भाषा के रूप में नेपाली भाषा के उद्भव और विकास का इतिहास ।

2. नेपाली व्याकरण और स्वनिम विज्ञान के मूल सिद्धांत :

- (i) संज्ञा रूप और कोटियां : लिंग, वचन, कारक, विशेषण, सर्वनाम, अव्यय ।
- (ii) क्रिया रूप और कोटियां : काल, पक्ष, वाच्य, धातु, प्रत्यय ।
- (iii) नेपाली स्वर और व्यंजन ।
3. नेपाली भाषा की प्रमुख बोलियाँ ।
4. नेपाली आंदोलन (जैसे हलन्त बहिष्कार, ज्ञारोवाद आदि) के विशेष संदर्भ में नेपाली का मानकीकरण तथा आधुनिकीकरण ।
5. भारत में नेपाली भाषा का शिक्षण-सामाजिक सांस्कृतिक पक्षों के विशेष संदर्भ में इसका इतिहास और विकास ।

खण्ड-ख

1. भारत में विकास के विशेष संदर्भ में नेपाली साहित्य का इतिहास ।
2. साहित्य की मूल अवधारणाएं तथा सिद्धांत : काव्य/साहित्य, काव्य प्रयोजन साहित्यिक विधाएं, शब्द शक्ति, रस, अलंकार, त्रासदी, कामदी, सौंदर्यशास्त्र, शौली-विज्ञान ।
3. प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ तथा आंदोलन-स्वच्छांदतावाद, यथार्थवाद, अस्तित्ववाद, आयमिक आंदोलन, समकालीन नेपाली लेखन, उत्तर-आधुनिकतावाद ।
4. नेपाली लोक साहित्य (केवल निम्नलिखित लोक स्वरूप)-सवाई, झाव्योरी सेलो सौंगनी, लहरी ।

प्रश्न पत्र-2

उत्तर नेपाली में लिखने होंगे

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाठ्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और इसका प्रारूप इस प्रकार तैयार किया जाएगा जिससे अभ्यर्थी को आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके ।

खण्ड-क

1. सांता ज्ञानिल दास उदय लहरी
2. लेखनाथ पोडायल तरुण तापसी

(केवल III, V, VI, XII, XV, XVIII विश्राम)

3. आगम सिंह गिरि—जालेको प्रतिक्रिया : रोयको प्रतिष्ठानि (केवल निम्नलिखित कविताएं-प्रसादको, चिच्चाहतसंग ब्यूझेको एक रात, छोरोलई, जालेको प्रतिक्रिया : रोयको प्रतिष्ठानि, हमरो आकाशमणी पानी हुन्छा उन्यालो, तिहार)।
4. हरिमक्त कल्पाल—यो जिन्दगी खाई के जिन्दगी : (केवल निम्नलिखित कविताएं-जीवन; एक दृष्टि, यो जिन्दगी खाई के जिन्दगी, आकाश तारा के तारा, हमिलाई निरधो नासमझा, खाई मन्याता याहां, आत्मानुतिको बलिदान को।)
5. बालकृष्णसाना—प्रह्लाद
6. मनबहादुर मुखिया-अंध्यारोमा बांचनेहारू (केवल निम्नलिखित एकाकी—“अंध्यारोमा बांचनेहारू”, “सुस्करो”)।

खण्ड-ख

1. इंद्र सुन्दास—सहारा
2. लिलबहादुर छेत्री—झाहपुत्र को छेउछाक
3. रूप नारायण सिन्हा—कथा नवरत्न (केवल निम्नलिखित कहानियां-बिटेका कुरा, जिम्मेवारी कास्को, धनमतिको सिनेमा-स्वप्न, विघ्वस्त जीवन)।
4. इंद्रबहादुर राय—बिपना कटियथा : (केवल निम्नलिखित कहानियां-रातभरि हुरि चलयो, जयमया अफूमत्र लेखमणी अईपुग, भागी, घोप बाबू, छुट्याइयो।)
5. सानू लामा—कथा संपद (केवल निम्नलिखित कहानियां-स्वास्ती मांछे, खानी तरमा एक दिन फुखाले गौन छाइयो, असिनाको मांछे।)
6. लक्ष्मी प्रसाद देवकोटा—लक्ष्मी निबंध संग्रह (केवल निम्नलिखित निबंध-श्री गणेशाय नमः, नेपाली साहित्य को इतिहासभा, सर्वत्रेषु पुरुष, कल्पना, कला रा जीवन, यथा बुद्धिमान की गुरु)
7. रामाकृष्ण शर्मा—दासगोरखा (केवल निम्नलिखित निबंध-कवि, समाज रा साहित्य, साहित्य मा सापेक्षता, साहित्यिक रुचिको प्रौढता; नेपाली साहित्य की प्रगती।)

उडिया

प्रश्न पत्र-१

उत्तर उडिया में लिखने होंगे

खण्ड-क

उडिया भाषा का इतिहास

- (i) उडिया भाषा का उद्भव और विकास, उडिया भाषा पर ऑस्ट्रिक, द्राविड़, फारसी-अरबी तथा अंग्रेजी का प्रभाव।

- (ii) स्वनिकी तथा स्वनिम विज्ञान : स्वर, व्यंजन, उडिया घनियों में परिवर्तन के सिद्धांत।
- (iii) रूप विज्ञान : रूपिम (निर्बाध, परिवर्द्ध, समाप्त और सम्पूर्ण), व्युत्पति परक तथा विपक्ति प्रधान प्रत्यय, कारक विपक्ति, क्रिया संयोजन।
- (iv) काव्य रचना : वाक्यों के प्रकार और इनका रूपान्तरण, वाक्यों की संरचना।
- (v) शब्दार्थ विज्ञान : शब्दार्थ, शिष्टोक्ति में परिवर्तन के विभिन्न प्रकार।
- (vi) वर्तनी, व्याकारणिक प्रयोग तथा वाक्यों की संरचना में सामान्य अशुद्धियाँ।
- (vii) उडिया भाषा में भेत्रीय भिन्नताएं (पश्चिमी, दक्षिणी और उत्तरी उडिया) तथा बोलियां (भाती और देसिया)।

खण्ड-ख

उडिया साहित्य का इतिहास

- (i) विभिन्न कालों में उडिया साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनीतिक)।
- (ii) प्राचीन महाकाव्य, अलंकृत काव्य तथा पदावलियाँ।
- (iii) उडिया साहित्य का विशिष्ट संरचनात्मक स्वरूप (कोइली, चौतिसा, पोई, चोपदी, चम्पू)।
- (iv) काट्य, नाटक, कहानी, उपन्यास, निर्बंध तथा साहित्यिक समालोचना की आधुनिक प्रवृत्तियाँ।

प्रश्न पत्र-२

उत्तर उडिया में लिखने होंगे

पाद्यपुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन

इस प्रश्न पत्र में मूल पाद्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा तथा अभ्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा ली जाएगी।

खण्ड-क

काव्य

(प्राचीन)

1. सरल दास : शान्ति पर्व—महाभारत से
2. जगनाथ दास : भागवत, ग्वाहरवा० स्कंथ जादू अवधूत सम्बाद

(मध्यकालीन)

3. दीनाकृष्ण दास : राख कल्लोल—(16 तथा 34 छंद)
4. उचेन्द्र भांजा : लावण्यवती—(1 तथा 2 छंद)

(आधुनिक)

5. राधानाथ राय : चंद्रभागा
6. मायाधर मानसिंह : जीवन वित्ता
7. सचिदामन्द राउतराय : कविता-1962
8. रामाकान्त रथ : सत्तम श्रह्णु

खण्ड-३

नाटक

9. मनोरंजन दास : काठ घोड़ा
10. विजय मिश्रा : ताता निरंजन

उपन्यास

11. फकीर मोहन सेनापति : छप्पा अथगुन्थ
12. गोनीनाथ मोहन्ती : दानापानी

कहानी

13. सुरेन्द्र मोहन्ती : मरलारा मृत्यु
14. मनोज दास : लक्ष्मीश अभिसार

निबंध

15. चितरंजन दास : तरंग-आं-ताद्वित (प्रथम पांच निबंध)
16. चंद्र शेखर रथ : मन सत्यधर्म काहूदी (प्रथम पांच निबंध)

पाली

प्रश्न पत्र-1

पाली भाषा

कृपया ध्यान दें :- सभी प्रश्नों के उत्तर पाली भाषा में देवनागरी अथवा रोमन लिपि में लिखने होंगे ।

खण्ड-४

1. पाली का उद्भव और उद्भव-स्थल तथा इसकी विशेषताएं ।

2. पाली व्याकरण - (i) पाली व्याकरण की परिभाषिक शब्दावली-अक्षर, सरा, व्यंजन, निर्गति, नाम सब्वनाम, आख्यात, उपसंग, निपात, अव्यय, (ii) कारक, (iii) समास, (iv) संधि, (v) तद्वित (अपच्च बोधक और अधिकारबोधक-पच्चय) । (vi) निम्नलिखित शब्दों के व्युद्धपतिमूल : बुद्धो, भिक्खु, समन्वे सत्पा, धम्मो, लताय, पुरिसानम, तुम्हे अम्हेमी, मुनिना, रत्तीसु फलाय, अद्ठीस, रन्म, संघो ।

3. पाली से अंग्रेजी में दो अनदेखे उधरणों का अनुवाद ।

खण्ड-५

4. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर 300 शब्दों का निबंध :

- (क) भगवाबुद्धो
- (ख) तिलकबण्णम्
- (ग) अरियो अठगिको मग्गो
- (घ) चत्तारि अरियसच्चानि

(ड.) कमवादी

- (च) पतिच्चसमुप्पादो
- (छ) निव्वानम् परमम् सुखम्
- (ज) तिपिटकम्
- (झ) धम्मपदम्
- (ज) मञ्ज्ञामा-पतिपदा

5. पाली उद्धरणों का सार ।

6. पाली काव्य की पाली भाषा में व्याख्या ।

7. निम्नलिखित अविकारी (अव्यय एवं निपात) का अर्थ और अभ्यर्थी द्वारा पाली वाक्यों में उनका प्रयोग :

- (1) अथ, (2) अन्तरा, (3) अद्वा, (4) कदा, (5) कित्तावता, (6) अहीरतम्, (7) दिवा, (8) यथा, (9) चे, (10) सेय्याभीदम्, (11) बिना, (12) कुदाचनम्, (13) सद्दिम, (14) अंतरेन, (15) खो, (16) मा, (17) एवम् (18) एत्थ, (19) किर, (20) पन ।

प्रश्न पत्र-2

पाली साहित्य

कृपया ध्यान दें :- इसमें दो प्रश्न अनिवार्य होंगे जिनके उत्तर पाली में देवनागरी अथवा रोमन लिपि में देने होंगे शेष प्रश्नों के उत्तर या तो पाली अथवा उम्मीदवार द्वारा चुने हुए परीक्षा माध्यम में लिखने होंगे ।

खण्ड-क

- (i) पाली स्त्रोतों से बुद्ध का जीवन वृत्त और उपदेश ।

(ii) निम्नलिखित पुस्तकों और लेखकों के संदर्भ में पाली साहित्य का इतिहास-प्रामाणिक और अप्रामाणिक :

महावग, चुल्लवाण, पातिमोक्ष, दीद्य-निकाय, धम्मपद, जातक, थेरगाथा, धेरीगाथा, दीपवंश, महावंश, दठवंश, शासनवंश, मिलिनन्दपण्ह, पेटकोपडेस, नेटिट्पकरण, बुद्धुदत, बुद्धघोस और धम्मपाल ।

खण्ड-ख

1. निम्नलिखित निर्धारित पाठों में से मूल पाठ विषयक प्रश्न, आलोचनात्मक टिप्पणियां तथा सटिप्पण अनुवाद संबंधी प्रश्न पूछे जाएं :-

- (i) दीघ-निकाय (केवल सामत्रफल-सुत्त)

- (ii) सुत्त-निपात (केवल खग विसणि-सुत्त और घनिय-सुत्त)

- (iii) धम्मपद (केवल पहले पांच खग)

- (iv) मिलिनन्दपण्ह (केवल लखण-पण्ह)

- (v) महावंश (केवल तत्त्व संगीती)

- (vi) अधिधम्मत्थ-संघ (पहला, दूसरा और छठा पाठ)

- (vii) पाली छंदविधान-बुत्तोदय-अनुद्धुम, इंदवजिरा, उपेन्दवजिरा, बसंत तिलका, मालिनी, सिखरिणी, उपजति, तोटक, दोधक, बसद्ध

(viii) पाली अलंकार विधान (सुबोधालंकार-यमक, अनुप्यास, रूपक, उपमा, अतिसयुक्ति, व्यतिरेक, निदस्सना, अत्थंतरन्यास, दीपक, दिट्ठत) ।

2. निर्धारित पाठों में से बौद्ध दर्शन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ ।
3. निर्धारित पाठों में से पाली काव्य की व्याख्या ।

फारसी

प्रश्न पत्र-1

प्रश्न पत्र में दो प्रश्न अनिवार्य होंगे जिनका उत्तर फारसी में देना होगा । शेष प्रश्नों का उत्तर या तो फारसी में अथवा उम्मीदवार द्वारा परीक्षा के लिए चुने गए भाषा माध्यम में देना होगा ।

खंड-क

1. (क) फारसी भाषा के उद्भव और विकास का वर्धन ।
(इसका उत्तर फारसी में देना होगा) ।

(ख) अनुप्रयुक्त व्याकरण, अलंकार, छंदशास्त्र, प्रायः प्रयुक्त होने वाले मुहावरे और लोकोक्तियाँ ।

(i) व्याकरण : इस्म और उसके प्रकार, जमीर-ए-मुतासिल और मनुफासिल, मुराकाबी-तोशीफी, मुराकब-ए-इज़फी, इस्मी-इशारा, मुश्फरून ईलाह, फेल और इसके प्रकार, काल, गरदान, एकवचन और बहुवचन, जुम्ले और उनके प्रकार ।

(ii) अलंकार-विधान : तजनीस, इश्तिकाक, लुजुम-मा-ला-यालजुम, सयाकतुल आदाद, कल्ब, तारसी, इस्तिआरा, मारातुन नक्सीर, लफ-ओं नश, इहाम, हुस्न-ए-तालील, ताजाहुली-अरेफानेह, तलमीह, तनसीकवस सिफत ।

(iii) छंदविधान : बाहरी-मुजाह, रामल, मुताकारीब, ताविल, हजाज कामिल ।

खंड-ख

1. इरान और भारत में फारसी साहित्य का इतिहास, साहित्यिक आलोचना और शैली, कलासिकी और आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव, नाटक, उपन्यास, कहानी सहित आधुनिक साहित्यिक विधाओं का विकास ।

2. फारसी में संक्षिप्त निबंध 250 शब्दों में (इसका उत्तर फारसी में देना होगा) ।

प्रश्न पत्र-2

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन अपेक्षित होगा और इसमें ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिससे अध्यर्थी की आलोचनात्मक क्षमता की परीक्षा हो सके । दो अनिवार्य प्रश्न होंगे—जो गद्य और पद्य में मूल पाठों में एक-एक होंगे जिनके उत्तर फारसी में देने होंगे । शेष प्रश्नों के उत्तर या तो फारसी में देने होंगे अथवा उम्मीदवार द्वारा परीक्षा के लिए चुने गए भाषा माध्यम में देने होंगे ।

खंड-क

गद्य

1. निज़मी आरजी सम्रांदी : चहार मकाला :

- (i) दाबीरी
- (ii) शायरी

2. काबुस/बी, वश्मगौर : काबुसनामा :

- (i) दार शिनाख्त-ए-हफ-ए-पीदार-वा-मादर
- (ii) दार बिशी जुस्तान अज सुखानदानी
- (iii) दार तालिब इल्मी वा फकीह वा फुकाहा

3. शादी शीराजी : गुलिस्तां

- (i) दार ताशीर-ए-सुहबत

4. मो. अवफी : जावामियुल हिकायतः

- (i) पहली दस हिदायतें

5. जियाउद्दीन बर्नी : तारीख-ए-फिरोज़शाही

- (i) वसाया-ए-सुल्तान बलबन बे फरजंद-ए-बुजुर्न

6. अबुल फ़ज़ल : आइन-ए-अकबरी

- (i) आईल-ख़ज़ीना-ए-आबदि

- (ii) आईन-ए-शबिस्तान-ए-इकबाल

- (iii) आईन-ए-मिज़ल दार युरीशहा

- (iv) आईन-ए-चिराग आफरेज़ी

7. सादिक-ए-हिदायत :

- (i) दरा अकुल

- (ii) गिरदाब

8. मो. हिजाजी :

- (i) खुदकुशी

- (ii) पेजेशक-ए-चश्म

खंड-ख

काव्य

1. फिरदौसी : शाहनामा

- (i) रुस्तम-ओ-सोहराब

2. ख्याम : रुबाइयाँ

- (रदीफ़ अलीफ़ और बे)

3. शादी शिराजी : बुस्तन

- दार अदल-ओ-तदबीर-ओ-राइ

4. अमीर ख्यामरो : मजमुआ-ए-दीवान-ए-ख्यामरो (रदीफ़ दाल)

5. मौलाना रूम : मथनवी मनावी (दफ्तर दव्यम का प्रथम भाग)

6. हाफिज़ (रदीफ़ अलीफ़ और दाल)

7. उर्फी शिराजी : कासायद

- (i) इकबाल-ए-करम मिग़माद अरबाबी-हिमाय रा ।

- (ii) हर खुस्ता जाने कि वा कशीर दार आगद ।
- (iii) शबाह-ए-ईद के दार तकया गाह-ए-नज़-ओ नईम ।

8. गालिव : गजलियात (रदीफ अलीफ)

9. बहार मशहदी :

- (i) जुगहद-ए-ज़ंग
- (ii) शुकुत-ए-शाब
- (iii) दमावानदीये
- (iv) दुखतर-ए-बसरा

10. फुरुग-ए-फसल्खाजाद :

- (i) दार-बरावर-ए-खुदा
- (ii) दिव-ए-शाब

11. निमायुशिज

- (i) ब्यू
- (ii) खार-कन

टिप्पणी : गद्य और पद्य के पाठों की व्याख्या फारसी में करना अनिवार्य है ।

पंजाबी

प्रश्न पत्र-1

उत्तर पंजाबी में गुरमुखी लिपि में लिखने होंगे

भाग-क

- (क) पंजाबी भाषा का उद्भव : विकास के विभिन्न चरण और पंजाबी भाषा में नूतन विकास : पंजाबी रस्त विज्ञान की विशेषताएं तथा इसकी तानों का अध्ययन : रस्त एवं व्यंजन का वर्गीकरण ।
- (ख) पंजाबी रूप विज्ञान : वचन-लिंग प्रणाली (सर्जीव एवं असर्जीव) । उपसर्ग, प्रत्यय एवं वर्तमानों की विभिन्न कोटियाँ । पंजाबी शब्द-रचना : तत्सम, तद्भव रूप : वाक्य विन्यास, पंजाबी में कर्ता एवं कर्म का अभिप्रायः, संज्ञा एवं क्रिया पदबंध ।
- (ग) भाषा एवं श्लोली : श्लोली एवं व्यक्ति श्लोली का अभिप्रायः : पंजाबी की प्रमुख श्लोलियाँ : पोथोहारी, माझी, दोआबी, मालवी, पुआधि : सामाजिक स्तरोकरण के आधार पर श्लोक, परिकर्तन की विधिवाच्यता, तानों के विशेष संदर्भ में विभिन्न श्लोलियों के विशिष्ट लक्षण । भाषा एवं लिपि: गुरमुखी का उद्भव और विकास : पंजाबी के लिए गुरमुखी की उपयुक्तता ।
- (घ) शास्त्रीय पुष्टभूषि : नाथ जोगी सहित ।
- मध्यकालीन साहित्य : गुरमत, सूफी, किस्सा एवं वार, जनमसाखियाँ।
- भाग-ख
- (क) आधुनिक प्रकृतियाँ : रहस्यवादी, स्वच्छंदतावादी, प्रगतीवादी

एवं नव-रहस्यवादी (वीर सिंह, पूरण सिंह, मोहन सिंह, अमृता प्रीतम, बाबा बलवंत, प्रीतम सिंह, सफीर, जे.एस. नेही)

प्रयोगवादी : (जसकीर सिंह अहलूवालिया, रविन्द्र रवि, अजायब कमल) ।

सौंदर्यवादी : (हरभजन सिंह, तारा सिंह) ।

नव-प्रगतिवादी : (पाशा, जगतार, पातर) ।

(ख) लोक साहित्य : लोक गीत, लोक कथाएं, पहेलियाँ, कहावतें ।

महाकाव्य : (वीर सिंह, अवतार सिंह आजाद, मोहन सिंह)

गीतिकाव्य : (गल, सूफी और आधुनिक गीतिकार-मोहन रिह, अमृता प्रीतम, शिवकुमार, हरभजन सिंह) ।

(ग) नाटक : (आई. सी. नंदा, हरचरण सिंह, बलवंत गार्गी, एस. एस. सेखों, चरण दास सिद्ध) ।

उपन्यास : (वीर सिंह, नानक सिंह, जसवंत सिंह कैवल, करतार सिंह दुग्धल, सुखबीर, गुरदयाल सिंह, दलीप कौर दिवाणा, स्वर्ण चंदन) ।

कहानी : (सुजान सिंह, के. एस. विर्क, प्रेम प्रकाश, वरयाम संधु) ।

(घ) सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रभाव : संस्कृत, फारसी और परिचयी ।

निबंध : (पूरण सिंह, तेजा सिंह, गुरबख्श सिंह) ।

साहित्यिक आलोचना : (एस. एस. शेखों, अतर सिंह, बिशन सिंह, हरभजन सिंह, नजमे हुसैन सैयद) ।

प्रश्न पत्र-2

उत्तर पंजाबी में गुरमुखी लिपि में लिखने होंगे

इस प्रश्नपत्र में निर्धारित मूल पाद्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और इसका प्रारूप इस प्रकार तैयार किया जाएगा जिससे अध्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके ।

भाग-क

(क) शेख फरीद : आदि ग्रन्थ में सम्मिलित संपूर्ण वाणी ।

(ख) गुरु नानक : जप जी, बारामाह, आसा दी वार ।

(ग) बुल्ले शाह : काफियाँ ।

(घ) बारिस शाह : हीर ।

भाग-ख

(क) शाह मोहम्मद : जंग सिधान ते फिरागियान

धनी राय चात्रिक (कथि) : चंदम वारी, सूफी खात, नवांजहाँ ।

(ख) नानक सिंह (उपन्यासकार) : चिट्ठा लद्दू, पवित्र पापी, एक मयान दो तलवाराँ ।

(ग) गुरबख्श सिंह (निबंधकार) : जिम्मगी दी रास, नवाँ

शिवाला, मेरियां अभूल यादां ।

बलराज साहनी (यात्रा-विवरण) : मेरा रूसी सफरनामा, मेरा पाकिस्तानी सफरनामा ।

(घ) बलवंत गार्गी (नाटककार) : लोहा कुट्ट, धूनी दी अग, सुल्तान रजिया ।

संत सिंह सेखों (आलोचक) : साहित्यार्थ प्रसिद्ध पंजाबी कवि, पंजाबी काव शिरोमणि ।

रूसी

प्रश्न पत्र 1

रूसी से अंग्रेजी में अनुवाद के प्रश्न को छोड़कर सभी उत्तर रूसी में लिखने होंगे

भाषा तथा संस्कृति

खंड क

I. आधुनिक रूसी भाषा :

छवनी विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान, कोश विज्ञान, कोश रचना और अर्थ विज्ञान, भाषा विज्ञान ।

II. रूसी से अंग्रेजी में तथा अंग्रेजी से रूसी भाषा में अनुवाद ।

खंड ख

1. रूसी संघ का सामाजिक, राजनैतिक तथा आर्थिक विकास : सन् 1812 का देशभक्तिपूर्ण युद्ध, अक्टूबर क्रांति, पेरेस्त्रोइका और ग्लेसनोत, यू. एस. एस. आर का विघटन, रूसी संघ की क्षेत्रीय और सांस्कृतिक भिन्नताएं ।

सामान्य विषयों पर निबंध ।

प्रश्न पत्र II

उत्तर रूसी में लिखने होंगे

(साहित्य)

खंड क

साहित्यिक इतिहास तथा साहित्यिक आलोचना :

साहित्यिक आन्दोलन, भावुकतावाद, रोमांसवाद, प्रकृतिवाद, यथार्थवाद, आलोचनात्मक यथार्थवाद, समाजवाद, परकाल्यवाद, प्रतीकवाद, भविष्यवाद, साहित्यिक विधाओं का उद्भव और विकास, लोक साहित्य, गीत और कविताएं ।

ए. एस. पुश्कन, एम. यू. लरमोन्तोव, अलेक्जेंडर ब्लाक, इज्जेनिन, वी. मायकोवस्की, अन्ना अखमतोवा । महागाथा-एल. एन. टालस्टाय, एम. शोलोखोव । कहानी, उपन्यासिका, उपन्यास-पुश्कन, लरमोन्तोव, एन. बी. गोगोल, एस. श्वेद्रिन, आई. गोन्चारोक आई. तर्जीनेव, एफ. एम. दोस्तोवस्की, एल. एन. टालस्टाय, ए. पी. चेखोव, एम. गोर्की, एम. शोलोखोव, आई. बुनिन, ई. जेमियातिन, बोरिस पास्तेरनकक, ए. सोलझेनित्सीन, एम. बुलाकोव, चिंगीज, आसूत्नातोव, वलेन्तीन, वी. शुक्लिन । आलोचना - बेलिन्सकी, दोब्रोल्यूबोव, चेर्नीशेव्स्की, पिसारेव ।

नाटक : चेखोव, गोगोल । सामाजिक-राजनैतिक आन्दोलनों का साहित्य पर प्रभाव ।

खंड ख

इस खंड में निर्धारित मूल पाद्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और इसका प्रारूप इस प्रकार तैयार किया जाएगा जिससे अध्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके :—

1. ए. एस. पुश्कन	इन्जीन ओनिजित
2. एम. यू. लरमोन्तोव	हीरो आफ आवर टाइम्स
3. एन. बी. गोगोल	रेविजोर
4. आई. एस. तर्जीनेव	फादर्स एंड संस
5. एफ. एम. दोस्तोवस्की	क्राइम एंड पनिशमेंट
6. एल. एन. टालस्टाय	1. वार एंड पीस 2. रेजरेक्शन
7. ए. पी. चेखोव	1. तोस्का 2. स्मर्ट चिनोवनिका 3. कमीलियन
8. ए. एम. गोर्की	मदर
9. ए. ब्लॉक	दि ट्रेल्व
10. बी. बी. मायकोवस्की	1. क्लाउड-इन पैट्रस 2. गुड
11. एम. शोलोखोव	फेट ऑफ ए मैन
12. बी. पास्तेरनक	डाक्टर जिवागो
13. सोलझेनित्सीन	वन डे इन दि लाइफ ऑफ इवानदोनिसोविच
14. बी. रस्पूतीन	ज़िवी आई पोम्नी
15. चिंगीज आसूत्नातोव	बैली पोरोखोव
16. बी. शुक्लिन	शुदिक

संस्कृत

प्रश्न पत्र 1

तीन प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दिया जाना चाहिए । शेष प्रश्नों के उत्तर या तो संस्कृत में अथवा उप्पीदवार द्वारा परीक्षा के लिए चुने गये भाषा माध्यम में दिए जाने चाहिए ।

खण्ड क

- संज्ञा, संधि, कारक, समास, कर्त्तरि और कर्मणी वाच्य (वाच्य प्रयोग) पर विशेष बल देते हुए व्याकरण की प्रमुख विशेषताएं ।
(इसका उत्तर संस्कृत में देना होगा)
- (क) वैदिक संस्कृत भाषा की मुख्य विशेषताएं ।
(ख) शास्त्रीय संस्कृत भाषा के प्रमुख लक्षण ।
(ग) भाषा वैज्ञानिक अध्ययन में संस्कृत का योगदान ।

3. सामान्य ज्ञान :

- (क) संस्कृत का साहित्यिक इतिहास ।
- (ख) साहित्यिक आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।
- (ग) रामायण ।
- (घ) महाभारत ।
- (ङ) साहित्यिक विधाओं का उद्भव और विकास ।

महाकाव्य

रूपक (नाटक)

कथा

आख्यायिका

चम्पू

खण्ड काव्य

मुक्तक काव्य

खण्ड ख

4. भारतीय संस्कृति का सार, निम्नलिखित पर बल देते हुए :

- (क) पुरुषार्थ
- (ख) संस्कार
- (ग) वर्णाश्रम व्यवस्था
- (घ) कला और ललित कला
- (ङ) तकनीकी विज्ञान

5. भारतीय दर्शन की प्रवृत्तियाँ

- (क) मीमांसा
- (ख) वेदांत
- (ग) न्याय
- (घ) वैशेषिक
- (ङ) सांख्य
- (च) योग
- (छ) बुद्ध
- (ज) जैन
- (झ) चार्वाक

6. संक्षिप्त निबंध (संस्कृत में)

7. अनदेखा पाठांश और प्रश्न (इसका उत्तर संस्कृत में देना होगा) ।

प्रश्न पत्र-2

वर्ग 4 के प्रश्न का उत्तर केवल संस्कृत में देना होगा । वर्ग 1, 2 और 3 के प्रश्नों के उत्तर या तो संस्कृत में अथवा उम्मीदवार द्वारा चुने गये भाषा माध्यम में देने होंगे ।

खण्ड क

निम्नलिखित समुच्चयों का सामान्य अध्ययन :-

वर्ग-1

- (क) रघुवंशम्-कालिदास
- (ख) कुमारसंभवम्-कालिदास
- (ग) किरातार्जुनीयम्-भारति
- (घ) शिशुपालवधम्-माघ
- (ङ) नैषध चरितम्-श्रीहर्ष
- (च) कादम्बीर-बाणभट्ट
- (छ) दशकुमार चरितम्-दण्डी
- (ज) शिवराज्योदयम्-एस. बी. वारनेकर

वर्ग-2

- (क) ईशावास्योपनिषद
- (ख) भगवद्गीता
- (ग) बालभीकि रामायण का सुंदरकांड
- (घ) कौटिल्य का अर्थशास्त्र

वर्ग-3

- (क) स्वप्नवासवदत्तम्-भास
- (ख) अभिज्ञान शाकुन्तलम्-कालिदास
- (ग) मृच्छकटिकम्-शूद्रक
- (घ) मुद्राराक्षसम्-विशाखदत्त
- (ङ) उत्तररामचरितम्-भवभूति
- (च) रत्नाकरी-श्रीहर्षवर्धन
- (छ) वेणीसंहारम्-भट्टनारायण

वर्ग-4

निम्नलिखित पर संस्कृत में संक्षिप्त टिप्पणियाँ :

- (क) मेघदूतम्-कालिदास
- (ख) नीतिशतकम्-भर्तुहरि
- (ग) पंचतंत्र
- (घ) राजतरंगिणी-कलहण
- (ङ) हर्षचरितम्-बाणभट्ट
- (च) अमरुकशतकम्-अमरुक
- (छ) गीत गोविंदम्-जयदेव

खण्ड-ख

इस खण्ड में निम्नलिखित चुनी हुई पाद्य सामग्रियों का मौलिक अध्ययन अपेक्षित होगा :—

(वर्ग 1 और 2 से प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत में देने होंगे। वर्ग 3 एवं 4 के प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में अथवा उम्मीदवार द्वारा चुने गये भाषा पाठ्यपत्र में देने होंगे।)

वर्ग-1

- (क) रघुवंशम्-सर्ग 1, श्लोक 1 से 10
- (ख) कुमारसंभवम्-सर्ग 1, श्लोक 1 से 10
- (ग) किरातार्जुनीयम्-सर्ग 1, श्लोक 1 से 10

वर्ग-2

- (क) ईशावास्यापनिषद्-श्लोक 1, 2, 4, 6, 7, 15 और 18
- (ख) भगवद्-गीता अध्याय- II-श्लोक 13 से 25
- (ग) बाल्मीकि का सुंदरकांड सर्ग 15, श्लोक 15 से 30
(गीता प्रेस संस्करण)

वर्ग-3

- (क) मेघदूतम्-श्लोक 1 से 10
- (ख) नीतिशतकम्-श्लोक 1 से 10
- (डी. डी. कौशाम्बी द्वारा सम्पादित, भारतीय विद्या भवन प्रकाशन)
- (ग) कादम्बरी-शुकनासोपदेश (केवल)

वर्ग-4

- (क) स्वप्नवासवदूतम्-अंक VI
- (ख) अभिज्ञानशकुन्तलम्-अंक IV श्लोक 15 से 30 (एम.आर. काले संस्करण)
- (ग) उत्तरामचरितम्-अंक 1, श्लोक 31 से 47 (एम.आर. काले संस्करण)।

संताली

प्रश्न पत्र-1

(उत्तर संताली में लिखने होंगे)

खंड-क

भाग-I संताली भाषा का इतिहास

1. प्रमुख आस्ट्रिक भाषा परिवार, आस्ट्रिक भाषाओं की संख्या तथा क्षेत्र विस्तार।
2. संताली की व्याकरणिक संरचना।
3. संताली भाषा की महत्वपूर्ण विशेषताएँ:—
ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, अनुवाद विज्ञान तथा कोश विज्ञान।
4. संताली भाषा का अन्य भाषाओं का प्रभाव।
5. संताली भाषा पर मानकीकरण।

भाग-II संताली साहित्य का इतिहास

1. संताली साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।
 - (क) आदिकाल सन् 1854 ई. के पूर्व का साहित्य।
 - (ख) मिशनरी काल सन् 1855 ई. से सन् 1889 ई. तक का साहित्य।
 - (ग) मध्य काल सन् 1890 से सन् 1946 ई. तक का साहित्य।
 - (घ) आधुनिक काल सन् 1947 ई. से अब तक का साहित्य।

2. संताली साहित्य के इतिहास में लेखन की परम्परा।

खण्ड-ख

साहित्यिक स्वरूप :— निम्नलिखित साहित्यिक स्वरूपों की प्रमुख विशेषताएँ, इतिहास और विकास

भाग-I संताली में लोक साहित्य : गीत, कथा, गाथा, लोकोक्तियाँ, मुहावरे, पहेलियाँ एवं कुदुम।

भाग-II संताली में शिष्ट साहित्य

1. पद साहित्य का विकास एवं प्रमुख कवि।
2. गद्य साहित्य का विकास एवं प्रमुख लेखक :
 - (क) उपन्यास एवं प्रमुख उपन्यासकार।
 - (ख) कहानी एवं प्रमुख कहानीकार।
 - (ग) नाटक एवं प्रमुख नाटककार।
 - (घ) आलोचना एवं प्रमुख आलोचक।
 - (ड.) ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतान्त आदि-प्रमुख लेखक।

संताली साहित्यकार :

श्याम सुन्दर हेम्ब्रम, पं. रघुनाथ मुरम, बाड़हा बेसरा, साधु रामचौद मुरम, नायारण सोरेन 'तोड़ेसुतोम', सारदा प्रसाद किरकू, रघुनाथ दुड़ू, कालीपद सोरेन, साकला सोरेन, दिगम्बर, हाँसदा, आदित्य मित्र 'संताली', बाबूलाल मुरम 'आदिवासी', यदुमनी बेसरा, अर्जुन हेम्ब्रम, कृष्ण चन्द्र दुड़ू, रूप चाँद हाँसदा, कलेन्द्र नाथ माण्डी, महादेव हाँसदा, गौर चन्द्र मुरम, ठाकुर प्रसाद मुरम, हर प्रसाद मुरम, उदय नाथ मांझी, परिमल हेम्ब्रम, धीरेन्द्र नाथ बारके, श्याम चरण हेम्ब्रम, दमयन्ती बेसरा, टी. के. रापाज, बोयहा विश्वनाथ दुड़ू।

भाग-III संताली में सांस्कृतिक विरासत :

रीति रिवाज, पर्व-त्योहार एवं संस्कार (जन्म, विवाह एवं मृत्यु)।

संताली

प्रश्न पत्र-II

(उत्तर संताली में लिखने होंगे)

खण्ड-क

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाद्य पुस्तकों का मूल अध्ययन आवश्यक है। परीक्षा में उम्मीदवार की आलोचनात्मक क्षमता को जांचने वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

भाग-I प्राचीन साहित्य

गद्य

- खेरवाल बोंसा धोरेम पुथी-मांझी रामदास दुड़ू
“रसिका”।
- मारे हापडामको रेबांक काथा-एल.ओ. स्क्रैपसर्लॉड।
- जोमसिम बिन्नी लिटा-मंगल चन्द्र तुइकूलुमाड., सोरेन।
- माराड. बुरु बिनती-कानाइलाल दुड़ू।

पद्य

- काराम सेरेब-नुनकू सोरेन।
- देवी दासांय सेरेत्र-मानिन्द हांसबा।
- होड सेरेब-डबलि. बी. अबीर।
- बाहा सेरेत्र-बलराम दुड़ू।
- दोड सेरेत्र-पदमश्री भागवत मुरमू ठाकुर।
- होर सेरेत्र-रघुनाथ मुरमू।
- सोरांस सेरेत्र-बाबूलाल मुरमू ‘आदिवासी’।
- मोडे सिव मोडे त्रिदा-रूप चाँद हाँसदा।
- जुडासी माडवा लातार-तेज नारायण मुरमू।

खण्ड-ख

आधुनिक साहित्य

भाग-I कविता

- ओनोडहें बाहाय डालवाक्-पाडल जुझार सोरेन।
- असाड बिनती-नारायण सोरेन ‘तोड़े सुताम’।
- चांद माला-गोरा चांद दुड़ू।
- अनतो बाहा माला-आदित्य मित्र ‘संताली’।
- तिरयी तेताड.-हरिहर हाँसदा।
- सिसिरजोन राड़-ठाकुर प्रसाद मुरमू।

भाग-II उपन्यास

- हाडमावाक्भातो-आर. कार्सटियार्स (अनुवादक-आर.आर. किस्कू रापाज)।
- सानू साती-चन्द्र मोहन हाँसदा।
- आतू ओडाके-डोमन हाँसदा।
- ओजोस गाडा ढिप रे-नाथनियल मुरमू।

भाग-III कहानी

- नियोन गाडा-रूपचाँद हाँसदा; एवं यदुमनी बेसरा।

2. माया जाल-डोमन साहू ‘समीर’ एवं पदमश्री भागवत मुरमू ‘ठाकुर’।

भाग-IV नाटक

- खेरवाड़ बिर-पं. रघुनाथ मुरमू।
- जुरी खातिर-डा. कृष्ण चन्द्र दुड़ू।
- बिरसा बिर-रविलाला दुड़ू।

भाग-V जीवन साहित्य

- संताल को रेन मायाड. गोहाको-डा. विश्वनाथ हाँसदा।

सिन्धी

प्रश्न पत्र-I

(उत्तर सिन्धी अरबी अथवा देवनागरी लिपि में लिखना होगा)

खण्ड-क

- (क) सिन्धी भाषा का उद्भव और विकास-विभिन्न विद्वानों के मत।
- (ख) स्वर विज्ञान, आकृति विज्ञान एवं वाक्य विन्यास के साथ सिन्धी भाषा के संबंध सहित सिन्धी की महत्वपूर्ण भाषा वैज्ञानिक विशेषताएं।
- (ग) सिन्धी भाषा की प्रमुख बोलियां।
- (घ) विभाजन के पहले और विभाजन के बाद की अवधियों में सिन्धी शब्दावली और उनके विकास के चरण।
- (ङ.) सिन्धी की विभिन्न लेखन प्रणालियाँ (लिपियाँ) का ऐतिहासिक अध्ययन।
- (च) विभाजन के बाद अन्य भाषाओं और सामाजिक स्थितियों के प्रभाव के चलते भारत में सिन्धी भाषा की संरचना में परिवर्तन।

खण्ड-ख

- विभिन्न युगों के सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ में सिन्धी-साहित्य :
- (क) लोक साहित्य समेत सन् 1350 ई. तक का प्रारम्भिक मध्यकालीन साहित्य।
- (ख) सन् 1350 ई. से 1850 ई. तक का परवती मध्यकालीन साहित्य।
- (ग) सन् 1850 ई. से 1947 ई. तक का पुनर्जागरण काल।
- (घ) आधुनिक काल सन् 1947 ई. से आगे।

(आधुनिक सिन्धी साहित्य की साहित्यिक विधाएं और कविता, नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध, साहित्यिक आलोचना, जीवनी, आत्मकथा, संस्परण और यात्रा विवरणों में प्रयोग)

प्रश्न पत्र-II

(उत्तर सिन्धी, अरबी अथवा देवनागरी लिपि में लिखना होगा)

इस प्रश्न-पत्र में निर्धारित मूल पाद्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और इसका प्रारूप इस प्रकार तैयार किया जाएगा जिस अभ्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके।

खण्ड-क

इस खंड में पाद्य पुस्तकों की सप्रसंग व्याख्याएं और आलोचनात्मक विश्लेषण होंगे।

I. काव्य

- (क) “शाह जो चूण्डा शायर”, संपादक : एच. आई. सदरानगणी; साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित (प्रथम सौ पृष्ठ)।
- (ख) “साचल जो चूण्ड कलाम” संपादक : कल्याण बी. अडवाणी; साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित (सिर्फ कापिस)।
- (ग) “सामी-ए-जा चंद श्लोक”; संपादक : बी.एच. नागराणी; साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित (प्रथम सौ पृष्ठ)।
- (घ) “शायर-ए-बेवास”; किशिनचंद बेवास (सिर्फ सामुद्दी सिपुन भाग)।
- (ड.) “रौशन छंवरो”; नारायण श्याम।
- (च) “विरहंगे खानपोई जी सिन्धी शायर जी चूण्ड”; संपादक : एच.आई. सदरानगणी; साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित।

II. नाटक

- (क) “बेहतरीन सिन्धी नाटक” (एकांकी) एम. ख्याल द्वारा संपादित; गुजरात सिन्धी अकादमी द्वारा प्रकाशित।
- “काको कालूमल” (पूर्णावधि नाटक) : मदन जुमाणी।

खण्ड-ख

इस खंड में पाद्य पुस्तकों की सप्रसंग व्याख्याएं और आलोचनात्मक विश्लेषण होंगे।

- (क) पांडीअरा बालार खान विछड़या (उपन्यास) गोविन्द माल्ही।
- (ख) सृत दीन्हण (उपन्यास) : कृशिन सतवाणी।
- (ग) चूण्ड सिन्धी कहानियां (कहानियां) भाग-III; संप्रादक : प्रेम प्रकाश; साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित।
- (घ) “बंधन” (कहानियां) सुन्दरी उत्तमचंदानी।
- (ड.) “बेहतरीन सिन्धी मजमून” (निबंध); संप्रादक : हीरो ठाकुर; गुजरात सिन्धी अकादमी द्वारा प्रकाशित।
- (च) “सिन्धी तनकीद” (आलोचना); संप्रादक : वासवानी; साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित।
- (छ) “मुमहीनजी हयाती-ए-जा-सोना रूपा वर्का” (आत्मकथा); पोपाटी हीरानंदानी।
- (ज) “हा. चोइथ्रम गिडवानी” (जीवनी); विष्णु शर्मा।

तमिल

प्रश्न पत्र-1

उत्तर तमिल में लिखने होंगे

खंड-क

भाग-1 : तमिल भाषा का इतिहास

प्रमुख भारतीय भाषा परिवार-भारतीय भाषाओं में, विशेषकर द्रविड़ परिवार में तमिल का स्थान-द्रविड़ भाषाओं की संख्या तथा क्षेत्र विस्तार।

संगम साहित्य की भाषा-मध्यकालीन तमिल : पल्लव युग की भाषा के संदर्भ-संज्ञा, क्रिया, विशेषण तथा क्रिया विशेषण का ऐतिहासिक अध्ययन-तमिल में काल सूचक प्रत्यय तथा कारक चिह्न।

तमिल भाषा में अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण-स्क्रीन तथा सामाजिक बोलियां-तमिल में लेखन की भाषा और बोलचाल की भाषा में अंतर।

भाग-2 : तमिल साहित्य का इतिहास

तोलकाप्पियम-संगम साहित्य-अकम और पुरम की काव्य विधाएं-संगम साहित्य की पंथनिरपेक्ष विशेषताएं-नीतिपरक साहित्य का विकास; सिलप्पिदिकारम और मणिमेखलै।

भाग-3 : भक्ति साहित्य (आलवार और नायनमार) - आलवारों के साहित्य में सखी भाव (ब्राइडल मिस्टिरिज) -छुटपुट साहित्यिक विधाएं (तट्टु, उला, परणि, कुरवंजि)।

आधुनिक तमिल साहित्य के विकास के सामाजिक कारक: उपन्यास, कहानी और आधुनिक कविता-आधुनिक लेखन पर विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं का प्रभाव।

खण्ड-ख

भाग-1 : तमिल के अध्ययन में नई प्रवृत्तियां

समालोचना के उपागम: सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, ऐतिहासिक तथा नैतिक-समालोचना का प्रयोग-साहित्य के विविध उपादान: उल्लूरै (लक्षण), इरैच्चि, तोणम (मिथक), (ओतुरुवगम) (कथा रूपक), अंगदम (व्यांग्य), मेयप्पादु, पडियम (बिंब), कुरियीदु (प्रतीक), इरुण्मै (अनेकार्थकता)-तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा-तुलनात्मक साहित्य के सिद्धांत।

भाग-2 : तमिल में लोक साहित्य

गाथाएं, गीत, लोकोक्तियां और पहेलियां-तमिल लोक गाथाओं का समाज वैज्ञानिक अध्ययन। अनुवाद की उपयोगिता-तमिल की कृतियों का अन्य भाषाओं में अनुवाद-तमिल में पत्रकारिता का विकास।

भाग-3 : तमिल की सांस्कृतिक विरासत

प्रेम और युद्ध की अवधारणा-अरम की अवधारणा-प्राचीन तमिलों द्वारा युद्ध में अपनाई गई नैतिक सेवा। पांचों लिणे क्षेत्रों की प्रथाएं, विश्वास, रीति-रिवाज तथा उपासना विधि।

उत्तर-संगम साहित्य में अधिव्यक्त सांस्कृतिक परिवर्तन-मध्यकाल में सांस्कृतिक सम्मिश्रण (जैन तथा बौद्ध)। पल्लव, परवर्ती चौल तथा नायक के विभिन्न युगों में कलाओं और

वास्तुकला का विकास। तमिल समाज पर विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक आंदोलनों का प्रभाव। समकालीन तमिल समाज के सांस्कृतिक परिवर्तन में जन माध्यमों की भूमिका।

तमिल

प्रश्न पत्र 2

उत्तर तमिल में लिखने होंगे

इस प्रश्न-पत्र में निर्धारित पाठ्यपुस्तकों का मूल अध्ययन आवश्यक है। परीक्षा में उम्मीदवार की आलोचनात्मक क्षमता को जांचने वाले प्रश्न पूछे जाएं।

खण्ड क

भाग-1 : प्राचीन साहित्य

- (1) कुरुन्तोकै (1 से 25 तक कविताएं)
- (2) पुरनानूरु (182 से 200 तक कविताएं)
- (3) तिरुक्कुरुल (तोरुल पाल: अरसियतुम अमैच्चियतुम) (इरैमाट्चि से अवेअंजामै तक)

भाग-2 : महाकाव्य

- (1) सिलप्पिदिकारम (मदुरै कांडम)
- (2) कंब रामायणम् (कुंभकर्ण वदै पडलम)

भाग-3 : भक्ति साहित्य

- (1) तिरुवाचक 'र' म : नीत्तल विण्णप्पम
- (2) विरुप्पावे (सभी-पद)

खण्ड ख

आधुनिक साहित्य

भाग-1 : कविता

- (1) भारतियार : कण्णन पाटु
- (2) भारती दासन : कुटुम्ब विलक्कु
- (3) ना. कामरासन : करूप्पु मलरकल

गद्य

- (1) मु. वरदराजनार : अरसुम अरसियतुम
- (2) सी. एन अण्णादुरै : ऐ, तालन्द तमिलगम।

भाग-2 : उपन्यास, कहानी और नाटक

- (1) अकिलन : चित्तिरप्पावै
- (2) जयकांतन : गुरुपीडम

भाग-3 : लोक साहित्य

- (1) मनुप्पाट्टन कहतै : न. वानमामलै (सं.)
प्रकाशन : मदुरै कामरज विश्वविद्यालय, मदुरै
- (2) मलैयर्लवि : कि.वा. जगन्नाथन (सं.)
प्रकाशन : सरस्वती महल, तंजाऊर

तेलुगु

उत्तर तेलुगु में लिखने होंगे

खण्ड-क : भाषा

1. द्रविड़ भाषाओं में तेलुगु का स्थान और इसकी प्राचीनता-तेलुगु, तेलुगु और आंध्र का व्युत्पत्ति-आधारित इतिहास।

2. आद्य-द्रविड़ से प्राचीन तेलुगु तक और प्राचीन तेलुगु से आधुनिक तेलुगु तक स्वर-विज्ञानीय, रूपविज्ञानीय, व्याकरणिक और वाक्यगत स्तरों में मुख्य भाषायी परिवर्तन।

3. कलासिकी तेलुगु की तुलना में बोलचाल की व्यावहारिक तेलुगु का विकास-औपचारिक और कार्यात्मक दृष्टि से तेलुगु भाषा की व्याख्या।

4. तेलुगु भाषा पर अन्य भाषाओं का प्रभाव।

5. तेलुगु भाषा का आधुनिकीकरण :

(क) भाषायी तथा साहित्यिक आंदोलन और तेलुगु भाषा के आधुनिकीकरण में उनकी भूमिका।

(ख) तेलुगु भाषा के आधुनिकीकरण में प्रचार माध्यमों की भूमिका (अखबार, रेडियो, टेलिविजन आदि)।

(ग) वैज्ञानिक और तकनीकी सहित विभिन्न विमशों के बीच तेलुगु भाषा में नये शब्द गढ़ते समय पारिभाषिकी और क्रियाविधि से संबंधित समस्याएं।

6. तेलुगु भाषा की बोलियां-प्रादेशिक और सामाजिक भिन्नताएं तथा मानकीकरण की समस्याएं।

7. वाक्य-विन्यास-तेलुगु वाक्यों के प्रमुख विभाजन सरल, प्रिश्नित और संयुक्त वाक्य-संज्ञा और क्रिया-विधेयन-नामिकीकरण और संबंधीकरण की प्रक्रियाएं-प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रस्तुतीकरण-परिवर्तन प्रक्रियाएं।

8. अनुवाद-की समस्याएं-सांस्कृतिक, सामाजिक और मुहावरा-संबंधी अनुवाद की विधियाँ-अनुवाद के क्षेत्र में विभिन्न दृष्टिकोण-साहित्यक तथा अन्य प्रकार के अनुवाद-अनुवाद के विभिन्न उपयोग।

खण्ड ख : साहित्य

1. नान्य-पूर्व काल में साहित्य-मार्ग और देसी कविता।
2. नान्य-काल+आंध्र महाभारत की ऐतिहासिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि।
3. शेष कवि और उनका योगदान-द्विपाद, सातक, रागद, उदाहरण।
4. रिक्कन और तेलुगु साहित्य में तिक्कन का स्थान।
5. एरेना और उनकी साहित्यिक रचनाएं-नवन सोमन और काव्य के प्रति उनका नया दृष्टिकोण।
6. श्रीनाथ और पोतन-उनकी रचनाएं तथा योगदान।
7. तेलुगु साहित्य में भक्ति कवि-तल्लपक अन्नामैया, रामदासु त्यागैया।
8. प्रबंधों का विकास-काव्य और प्रबंध।
9. तेलुगु साहित्य की दक्खिनी विचारधारा-रघुनाथ नायक, चेमाकुर वेंकटकवि और महिला कवि-साहित्य-रूप जैसे यक्षगान, गद्य और पदकविता।
10. आधुनिक तेलुगु साहित्य और साहित्य-रूप-उपन्यास, कहानी, नाटक, नाटिका और काव्य रूप।
11. साहित्यिक आंदोलन : सुधार आंदोलन, राष्ट्रवाद, नवकलासिकीवाद, स्वच्छन्दतावाद और प्रगतिवादी, क्रांतिकारी आंदोलन।
12. दिग्म्बरकाबुलु, नारीवादी और दलित साहित्य।

13. लोकसाहित्य के प्रमुख विभाजन-लोक कलाओं का प्रस्तुतीकरण ।

प्रश्न पत्र 2

उत्तर तेलुगु में लिखने होंगे

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाद्य पुस्तकों का अध्ययन अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिससे अध्यर्थी की निम्नलिखित विषयों से सम्बन्धित आलोचनात्मक क्षमता की जांच हो सके :—

(i) सौंदर्यपरक दृष्टिकोण-रस, ध्वनि, वक्त्रोक्ति और औचित्य-रूप संबंधी और संरचनात्मक-बिम्ब योजना और प्रतीकवाद ।
 (ii) समाज शास्त्रीय, ऐतिहासिक, आदर्शवादी और मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण ।

खण्ड क

- नान्य-दुष्प्रांत चरित (आदि पर्व चौथा सर्ग छंद 5-109)
- तिक्कन-श्री कृष्ण रायबरामु (उद्योग पर्व-तीसरा सर्ग छंद 1-144)
- श्रीनाथ-गुना निधि कथा (कासी खण्डम-चौथा सर्ग छंद 76-133)
- पिंगली सुरन-सुगति सलिनुलकथा (कलापुर्णोदयामु-चौथा सर्ग छंद 60-142)
- मोल्ला-रामायनामु (अवतारिक सहित बाल कांड)
- कसुल मुरुधोत्तम कवि-आंध्र नायक सतकामु ।

खण्ड ख

- गुर्जद अप्पा राव-अनिमुत्थालु (कहानियां)
- विश्वनाथ सत्यनारायण-आंध्र प्रशस्ति
- देवुलापल्लि कृष्ण शास्त्री-कृष्णापक्षम (उर्वशी और प्रवसम को छोड़कर)
- श्री श्री-महाप्रस्थानम्
- जशुवा-गब्बिलम (भाग-1)
- श्री नारायण रेहदी-कर्तृरवसन्ता रायालु
- कनुपरति वरलक्ष्मा-शारदा लेखालु (भाग-1)
- आत्रेय-एन. जी. ओ.
- रच कौड़ विश्वनाथ शास्त्री-अल्पजीवी

उर्दू

प्रश्न पत्र 1

उत्तर उर्दू में लिखने होंगे

खण्ड क

उर्दू भाषा का विकास

(क) भारतीय-आर्य भाषा का विकास

- प्राचीन भारतीय-आर्य
- मध्ययुगीय भारतीय-आर्य
- अर्वाचीन भारतीय-आर्य

(ख) पश्चिमी हिन्दी तथा इसकी बोलियां, जैसे ब्रजभाषा, खड़ी बोली, हरियाणवी, कन्नौजी, बुंदेली ।

उर्दू भाषा के उद्भव से संबंधित सिद्धांत ।

(ग) दिक्षिणी उर्दू-उद्भव और विकास-इसकी महत्वपूर्ण भाषा मूलक विशेषताएं ।

(घ) उर्दू भाषा के सामाजिक और सांस्कृतिक आधार और उनके विभेदक लक्षण : लिपि, स्वर विज्ञान, आकृति विज्ञान, शब्द भंडार ।

खण्ड ख

(क) विभिन्न विधाएं और उनका विकास : (i) कविता : गजल, मसनवी, कसिदा, मर्सिया, रुबाई, जदीद जम्म ।

(ii) गद्य : उपन्यास, कहानी, दास्तान, नाटक, इंशाइया, खुतूत, जीवनी

निम्नलिखित की महत्वपूर्ण विशेषताएं

(i) दिक्षिणी, दिल्ली और लखनऊ शाखाएं

(ii) सर सैयद आन्दोलन, स्व-छंदतावादी आन्दोलन, प्रगतिशील आन्दोलन, आधुनिकतावाद ।

(ग) साहित्यिक आलोचना और उसका विकास : हाली, शिवली, कलीमुद्रीन अहमद, एहतेशाम हुसैन, आले अहमद सुरुर ।

(घ) निबन्ध लेखन (साहित्यिक और कल्पनाप्रधान विषयों पर)

प्रश्न पत्र 2

उत्तर उर्दू में लिखने होंगे

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल पाद्य पुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और इसका प्रारूप इस प्रकार तैयार किया जाएगा जिससे अध्यर्थी की आलोचनात्मक योग्यता की परीक्षा हो सके ।

खण्ड क

1. मीर अम्मान	बागोबहार
2. गालिब	इन्तिखाह ए-खुल-ए गालिब
3. मुहम्मद हुसैन आजाद	नैरंग-ए-ख्याल
4. प्रेमचंद	गोदान
5. राजेन्द्र सिंह बेदी	अपने दुख मुझे दे दो
6. अबुल कलाम आजाद	गुबार-ए-खातिर

खण्ड ख

1. मीर	इन्तिखान-ए-मीर
2. मीर हसन	(सम्पादक : अब्दुल हक)
3. गालिब	सहस्ल बयां
4. इकबाल	दीवान-ए-गालिब
5. फिराक	बाल-ए-जिबरैल
6. फैज	गुल-ए-नगमा
7. अखतरसलिमान	दस्त-ए-सबा
	विंत-ए-लम्हात

प्रबंध

अध्यर्थी को प्रबंध की विज्ञान और कला के रूप में संकल्पना और विकास का अध्ययन करना चाहिए और प्रबंध के उपर्याप्त विवारकों के योगदान को आत्मसात करना चाहिए तथा कायंनीतिक एवं प्रचालनात्मक

परिवेश को दृष्टिगत रखते हुए इसकी संकल्पनाओं को वास्तविक शासन एवं व्यवसाय निर्णयन में प्रयोग में लाना चाहिए।

प्रश्न पत्र-1

1. प्रबंधकीय कार्य एवं प्रक्रिया :

प्रबंध की संकल्पना एवं आधार, प्रबंध चिंतन का विकास ; प्रबंधकीय कार्य-आयोजना, संगठन, नियंत्रण; निर्णयन; प्रबंधक की भूमिका, प्रबंधकीय कौशल; उद्यमवृत्ति; नवप्रवर्तन प्रबंध; विश्वव्यापी वातावरण में प्रबंध, नमय प्रणाली प्रबंधन; सामाजिक उत्तरदायित्व एवं प्रबंधकीय आचारनीति; प्रक्रिया एवं ग्राहक अभिविन्यास; प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष मूल्य शृंखला पर प्रबंधकीय प्रक्रियाएं।

2. संगठनात्मक व्यवहार एवं अभिकल्प :

संगठनात्मक व्यवहार का संकल्पनात्मक निर्दर्श; व्यष्टि प्रक्रियाएं-व्यक्तित्व, मूल्य एवं अभिवृत्ति, प्रत्यक्षण, अभिप्रेरण, अधिगम एवं पुनर्वर्तन, कार्य तनाव एवं तनाव प्रबंधन; संगठन व्यवहार की गतिकी-सत्ता एवं राजनीति, दृढ़ एवं वार्ता, नेतृत्व प्रक्रिया एवं शैलियां, संप्रेषण; संगठनात्मक प्रक्रियाएं-निर्णयन, कृत्यक अभिकल्प; सांगठनिक अभिकल्प के कलासिकी, नवकलासिकी एवं आपात उपायम; संगठनात्मक सिद्धांत एवं अभिकल्प-संगठनात्मक संस्कृति, सांस्कृतिक अनेकता प्रबंधन, संगठन अधिगम; संगठनात्मक परिवर्तन एवं विकास; ज्ञान आधारित उद्यम-प्रणालियां एवं प्रक्रियाएं; जालतंत्रिक एवं आभासी संगठन।

3. मानव संसाधन प्रबंध :

मानव संसाधन की चुनौतियां; मानव संसाधन प्रबंध के कार्य; मानव संसाधन प्रबंध की भावी चुनौतियां; मानव संसाधनों का कार्यनीतिक प्रबंध; मानव संसाधन आयोजना; कृत्यक विश्लेषण; कृत्यक मूल्यांकन; भर्ती एवं चयन; प्रशिक्षण एवं विकास, पदोन्नति एवं स्थानांतरण; निष्पादन प्रबंध; प्रतिकर प्रबंध एवं लाभ; कर्मचारी मनोबल एवं उत्पादकता; संगठनात्मक वातावरण एवं औद्योगिक संबंध प्रबंध; मानव संसाधन लेखाकरण एवं लेखा परीक्षा; मानव संसाधन सूचना प्रणाली; अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंध।

4. प्रबंधकों के लिए लेखाकरण :

वित्तीय लेखाकरण-संकल्पना, महत्व एवं क्षेत्र, सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांत, तुलनपत्र के विश्लेषण एवं व्यवसाय आय मापन के विशेष संदर्भ में वित्तीय विवरणों को तैयार करना, सामग्री सूची मूल्यांकन एवं मूल्यहास, वित्तीय विवरण विश्लेषण, निधि प्रवाह विश्लेषण, नकदी प्रवाह विवरण, प्रबंध लेखाकरण-संकल्पना, आवश्यकता, महत्व एवं क्षेत्र; लागत लेखाकरण-अभिलेख एवं प्रक्रियाएं, लागत लेजर एवं नियंत्रण लेखाएं, वित्तीय एवं लागत लेखाओं के बीच समाधान एवं समाकलन; ऊपरी लागत एवं नियंत्रण, कृत्यक एवं प्रक्रिया लागत अंकलन, बजट एवं बजटीय

नियंत्रण, निष्पादन बजटन, शून्यधारित बजटन, संगत लागत-आंकलन, एवं निर्णयन लागत-आंकलन; मानक लागत-आंकलन एवं प्रसरण विश्लेषण, सीमांत लागत एवं निर्माण लागत आंकलन, आकलन एवं अवशेषण लागत-आंकलन।

5. वित्तीय प्रबंध :

वित्त कार्य के लक्ष्य; मूल्य एवं प्रति लाभ की संकल्पनाएं; बांडों एवं शेरों का मूल्यांकन; कार्यशील पूँजी का प्रबंध; प्रावकलन एवं वित्तीयन; नकदी, प्राप्तों, सामग्रीसूची एवं चालू देयताओं का प्रबंधन; पूँजी लागत; पूँजी बजटन; वित्तीय एवं प्रचालन लेवरेज; पूँजी संरचना अभिकल्प; सिद्धांत एवं व्यवहार; शेयरधारक मूल्य सूचन; लाभांश नीति निगम वित्तीय नीति एवं कार्यनीति, निगम कुकीं एवं पुनर्संरचना कार्यनीति प्रबंध; पूँजी एवं मुद्रा बाजार; संस्थाएं एवं प्रपत्र; पट्टे पर देना, किराया खरीद एवं जोखम पूँजी; पूँजी बाजार विनियमन; जोखिम एवं प्रतिलाभ : पोर्टफोलियो सिद्धांत ; CAPM; APT ; वित्तीय व्युत्पन्न ; विकल्प फ्यूचर्स, स्वैप; वित्तीय क्षेत्रक में अभिनव सुधार।

6. विपणन प्रबंध :

संकल्पना, विकास एवं क्षेत्र; विपणन कार्यनीति सूचीकरण एवं विपणन योजना के घटक; बाजार का खंडीकरण एवं लक्ष्य-न्युचन; पण्य का अवस्थान एवं विभेदन; प्रतियोगिता विश्लेषण; उपभोक्ता बाजार विश्लेषण; औद्योगिक क्रेता व्यवहार; बाजार अनुसंधान; उत्पाद कार्यनीति; कीमत निर्धारण कार्यनीतिया; विपणन सारणियों का अभिकल्पन एवं प्रबंधन; एकीकृत विपणन संचार; ग्राहक संतोष का निर्माण, मूल्य एवं प्रतिधारण; सेवाएं एवं अ-लाभ विपणन; विपणन में आचार, ग्राहक सुरक्षा, इंटरनेट विपणन, खुदरा प्रबंध; ग्राहक संबंध प्रबंध; साकल्यवादी विपणन की संकल्पना।

प्रश्न पत्र-2

निर्णयन की परिमाणात्मक प्रविधियाँ :

वर्णनात्मक सांख्यिकी-सारणीबद्ध, आलेखीय एवं सांख्यिक विधियाँ, प्रायिकता का विषय प्रवेश, असंतत एवं संतत प्रायिकता बंटन, आनुमानिक सांख्यिकी-प्रतिदर्शी बंटन, केन्द्रीय सीमा प्रमेय, माध्यों एवं अनुपातों के बीच अंतर के लिए परिकल्पना परीक्षण, समस्त प्रसारणों के बारे में अनुमान, काई-स्क्वैयर एवं ANOVA, सरल सहसंबंध एवं समाश्रयण, कालश्रेणी एवं पूर्वानुमान, निर्णय सिद्धांत, सूचकांक; रैखिक प्रोग्रामन-समस्या सूचीकरण, प्रसमुच्चय विधि एवं आलेखीय हल, सुप्राहिता विश्लेषण।

2. उत्पादन एवं व्यापार प्रबंध :

व्यापार प्रबंध के मूलभूत सिद्धांत; उत्पादनार्थ आयोजना, समस्त उत्पादन आयोजना, क्षमता आयोजना, संयंत्र अभिकल्प : प्रक्रिया आयोजना, संयंत्र आकार एवं व्यापार मान, सुविधाओं का प्रबंधन; लाईन संतुलन; उपकरण प्रतिस्थापन एवं अनुरक्षण; उत्पादन नियंत्रण, पूर्ति शृंखला

प्रबंधन- विक्रेता मूल्यांकन एवं लेखापरीक्षा; गुणता प्रबंधन; सांख्यिकीय प्रक्रिया नियंत्रण, घट सिग्मा, निर्माण प्रणालियों में नम्यता एवं स्फूर्ति; विश्व श्रेणी का निर्माण; परियोजना प्रबंधन संकल्पनाएं, अनुसंधान एवं विकास प्रबंध, सेवा व्यापार प्रबंध; सामग्री प्रबंधन की भूमिका एवं महत्व, मूल्य विश्लेषण, निर्माण अथवा क्रय निर्णय; सामग्री सूची नियंत्रण, अधिकतम खुदरा कीमत; अपशेष प्रबंधन।

3. प्रबंध सूचना प्रणाली :

सूचना प्रणाली का संकल्पनात्मक आधार; सूचना सिद्धांत; सूचना संसाधन प्रबंध; सूचना प्रणाली प्रकार; प्रणाली विकास-प्रणाली एवं अधिकल्प विहांगावलोकन; प्रणाली विकास प्रबंध जीवन-चक्र, ऑनलाइन एवं वितरित परिवेशों के लिए अधिकल्पन; परियोजना कार्यान्वयन एवं नियंत्रण; सूचना प्रौद्योगिकी की प्रवृत्तियां; आँकड़ा संसाधन प्रबंधन-आँकड़ा आयोजना; DDS एवं RDBMS; उद्यम संसाधन आयोजना (ERP), विशेषज्ञ प्रणाली, E-विजनेस आर्किटेक्चर, ई-गवर्नेंस, सूचना प्रणाली आयोजना, सूचना प्रणाली में नम्यता; उपयोक्ता संबद्धता; सूचना प्रणाली का मूल्यांकन।

4. सरकार व्यवसाय अंतराष्ट्रीय :

व्यवसाय में राज्य की सहभागिता, भारत में सरकार, व्यवसाय एवं विभिन्न वाणिज्य मंडलों तथा उद्योग के बीच अन्योन्य क्रिया; लघु उद्योगों के प्रति सरकार की नीति; नए उद्यम की स्थापना हेतु सरकार की अनुमति; जन वितरण प्रणाली; कीमत एवं वितरण पर सरकारी नियंत्रण; उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (CPA) एवं उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण में स्वैच्छिक संस्थाओं की भूमिका; सरकार की नई औद्योगिक नीति; उदारीकरण अ-विनियमन एवं निजीकरण; भारतीय योजना प्रणाली; पिछड़े क्षेत्रों के विकास के संबंध में सरकारी नीति; पर्यावरण संरक्षण हेतु व्यवसाय एवं सरकार के दायित्व; निगम अभिशासन; साइबर विधियां।

5. कार्यनीतिक प्रबंध :

अध्ययन क्षेत्र के रूप में व्यवसाय नीति; कार्यनीतिक प्रबंध का स्वरूप एवं विषय क्षेत्र, सामरिक आशय, दृष्टि, उद्देश्य एवं नीतियां; कार्यनीतिक आयोजना प्रक्रिया एवं कार्यान्वयन; परिवेशीय विश्लेषण एवं आंतरिक विश्लेषण, SWOT विश्लेषण; कार्यनीतिक विश्लेषण हेतु उपकरण एवं प्रविधियां-प्रभाव आव्यूह : अनुभव वक्त, BCG आव्यूह, GEC बहुलक, उद्योग विश्लेषण, मूल्य शृंखला की संकल्पना; व्यवसाय प्रतिष्ठान की कार्यनीतिक परिच्छेदिका; प्रतियोगिता विश्लेषण हेतु ढांचा; व्यवसाय प्रतिष्ठान का प्रतियोगी लाभ; वर्गीय प्रतियोगी कार्यनीतियां; विकास कार्यनीति-विस्तार, समाकलन एवं विशाखन; क्रोड़ सक्षमता की संकल्पना, कार्यनीतिक नम्यता; कार्यनीति पुनराविस्कार; कार्यनीति एवं संरचना; मुख्य कार्यपालक एवं परिषद् टर्न राउड़।

प्रबंधन; प्रबंधन एवं कार्यनीतिक परिवर्तन; कार्यनीतिक सहबंध; विलयन एवं अधिग्रहण; भारतीय संदर्भ में कार्यनीति एवं निगम विकास।

6.

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय :

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश : माल एवं सेवाओं में व्यापार के बहलते संघटन; भारत का विदेशी व्यापार; नीति एवं प्रवृत्तियां; अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का वित्त पोषण; क्षेत्रीय अधिक सहयोग; FTA; सेवा प्रतिष्ठानों का अंतर्राष्ट्रीयकरण; अंतर्राष्ट्रीय उत्पादन; अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों में व्यवसाय प्रबंध; अंतर्राष्ट्रीय कराधान; विश्वव्यापी प्रतियोगिता एवं प्रौद्योगिकीय विकास; विश्वव्यापी ई-व्यवसाय; विश्वव्यापी सांगठनिक संरचना अधिकल्पन एवं नियंत्रण; बहुसांस्कृतिक प्रबंध; विश्वव्यापी व्यवसाय कार्यनीति; विश्वव्यापी विषयन कार्यनीति; निर्यात प्रबंध; निर्यात आयात प्रक्रियाएं; संयुक्त उपक्रम; विदेशी निवेश; विदेशी प्रत्यक्ष निवेश एवं विदेशी पोर्टफोलियो निवेश; सीमापार विलयन एवं अधिग्रहण; विदेशी मुद्रा जोखिम उद्भासन प्रबंध; विश्व वित्तीय बाजार एवं अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, बाह्य ऋण प्रबंधन; देश जोखिम विश्लेषण।

गणित

प्रश्नपत्र-1

1. रैखिक बीजगणित :

R एवं C सदिश समष्टियाँ, रैखिक आश्रितता एवं स्वतंत्रता, उपसमित्याँ, आधार, विमा, रैखिक रूपांतरण, कोटि एवं शून्यता, रैखिक रूपांतरण का आव्यूह।

आव्यूहों की बीजावली, पंक्ति एवं स्तंभ समानयन; सोपानक रूप, सर्वांगसमता एवं समरूपता, आव्यूह की कोटि, आव्यूह का व्युत्क्रम, रैखिक समीकरण प्रणाली का हल, अभिलक्षणिक मान एवं अभिलक्षणिक सदिश, अभिलक्षणिक बहुपद, केले-हैमिल्टन प्रमेय, समिति, विषय समिति, हर्मिटी, विषय हर्मिटी, लार्बिक एवं ऐकिक आव्यूह एवं उनके अभिलक्षणिक मान।

2. कलन :

वास्तविक संख्याएँ, वास्तविक चर के फलन, सीमा, सांतत्य, अवकलनीयता, माध्यमान प्रमेय, शेषफलों के साथ टेलर का प्रमेय, अनिर्धारित रूप, उच्चिष्ठ एवं अत्यिष्ठ, अनंतस्पर्शी, ब्रह्म अनुरेखण, दो या तीन चरों के फलन : सीमा, सांतत्य, आशिक अवकलज, उच्चिष्ठ एवं अत्यिष्ठ, लाग्रांज की गुणक विधि, जैकोबी। निश्चित समाकलों की रीमान परिभाषा, अनिश्चित समाकल, अनंत (इन्फिनिट एवं इंप्रॉपर) अवकल, द्विधा एवं त्रिधा समाकल (केवल मूल्यांकन प्रविधियाँ), क्षेत्र, पृष्ठ एवं आयतन।

3. विश्लेषिक ज्यामिति :

त्रिविमाओं में कार्तीय एवं ध्रुवीय निर्देशांक, त्रि-चरों में द्वितीय घात समीकरण, विहित रूपों में लघुकरण, सरल रेखाएँ, दो विषमतत्त्वीय रेखाओं के बीच की लघुतम दूरी, समतल, गोलक, शंकु, बेलन, परवलपज, दीर्घवृत्तज, एक या दो पृष्ठी अतिपरवलयज एवं उनके गुणधर्म।

4. साधारण अवकल समीकरण :

अवकल समीकरणों का संरूपण, प्रथम कोटि एवं प्रथम घात का समीकरण, समाकलन गुणक, लंबकोणीय गणित, प्रथम घात का नहीं

किंतु प्रथम कोटि का समीकरण, कलेरो का समीकरण, विचित्र हल ।। नियत गुणांक वाले द्वितीय एवं उच्चतर कोटि के रैखिक समीकरण, पूरक फलन, विशेष समाकल एवं व्यापक हल । चर गुणांक वाले द्वितीय कोटि के रैखिक समीकरण, आयलर-कौशी समीकरण, प्राचल विचरण विधि का प्रयोग कर पूर्ण हल का निर्धारण जब एक हल ज्ञात हो ।

लाप्सास एवं व्युक्तम् लाप्लास रूपांतर, एवं उनके गुणधर्म, प्रारंभक फलनों के लाप्लास रूपांतर, नियत गुणांक वाले द्वितीय कोटि रैखिक समीकरणों के लिए प्रारंभिक मान समस्याओं पर अनुप्रयोग ।

5. गतिकी एवं स्थैतिकी :

ऋजुरेखीय गति, सरल आवर्तगति, समतल में गति, प्रक्षेप्य (प्रोजेक्टाइल), व्युवरोध गति, कार्य एवं ऊर्जा, ऊर्जा का संरक्षण केपलर नियम, केंद्रीय बल के अंतर्गत की कक्षाएं (कण निकाय का संतुलन, कार्य एवं स्थितिज ऊर्जा घर्षण, साधारण कटनरी, कलिप्त कार्य का सिद्धांत, संतुलन का स्थायित्व, तीन विमाओं में बल संतुलन ।

6. सदिश विश्लेषण :

अदिश और सदिश क्षेत्र, अदिश चर के सदिश क्षेत्र का अवकलन, कार्तीय एवं बेलनाकार निर्देशांकों में प्रवणता, अपसरण एवं कर्ल, उच्चतर कोटि अवकलन, सदिश तत्समक एवं सदिश समीकरण ।

ज्यामिति अनुप्रयोग : आकाश में वक्र, वक्रता एवं ऐरन, सेरेट-फ्रेनेट के सूत ।

गैस एवं स्टोक्स प्रमेय, ग्रीन के तत्समक ।

प्रश्न पत्र-2

1. बीजगणित :

समूह, उपसमूह, चक्रीय समूह, सहसमुच्चय, लाग्रांज प्रमेय, प्रसामान्य उपसमूह, विभाग समूह, समूहों की समाकारिता, आधारी तुल्याकारिता प्रमेय, क्रमचय समूह, केली प्रमेय ।

बलय, उपबलय एवं गुणजावली, बलयों की समाकारिता, पूर्णांकीय प्रांत, मुख्य गुणजावली प्रांत, यूक्लिडीय प्रांत एवं अद्वितीय गुणनखंडन प्रांत, क्षेत्र क्षेत्र विभाग क्षेत्र ।

2. वास्तविक विश्लेषण :

न्यूनतम उपरिसीमा गुणधर्म वाले क्रमित क्षेत्र के रूप में वास्तविक संख्या निकाय, अनुक्रम, अनुक्रम सीमा, कौशी अनुक्रम, वास्तविक रेखा की पूर्णता, श्रेणी एवं इसका अभिसरण, वास्तविक एवं सम्मिश्र पदों की श्रेणियों का निरपेक्ष तथा सप्रतिबंध अभिसरण, श्रेणी का पुनर्विन्यास ।

फलनों का सांतत्य एवं एक समान सांतत्य, संहत समुच्चयों पर सांतत्य फलनों के गुणधर्म ।

रीमान समाकल, अनंत समाकल, समाकलन-गणित के मूल प्रमेय । फलनों के अनुक्रमों तथा श्रेणियों के लिए एक-समान अभिसरण, सांतत्य, अवकलनीयता एवं समाकलनीयता, अनेक (दो या तीन) चरों के फलनों के आंशिक अवकलज, उच्चिष्ठ एवं अल्पिष्ठ ।

3. सम्मिश्र विश्लेषण :

विश्लेषिक फलन, कौशी-रीमान समीकरण, कौशी प्रमेय, कौशी का समाकल सूत्र, विश्लेषिक फलन का घात श्रेणी प्रिलेपण, टेलर श्रेणी, विचित्रताएं, लोरा श्रेणी, कौशी अवशेष प्रमेय, कन्दूर समाकलन ।

4. रैखिक प्रोग्रामन :

रैखिक प्रोग्रामन समस्याएं, आधारी हल, आधारी सुसंगत हल एवं इष्टतम हल, हलों की आलेखी विधि एवं एकधा विधि, द्वैतता । परिवहन तथा नियतन समस्याएं ।

5. आंशिक अवकल समीकरण :

तीन विमाओं में पृष्ठकुल एवं आंशिक अवकल समीकरण संरूपण, प्रथम कोटि के रैखिक कल्प आंशिक अवकल समीकरणों के हल, कौशी अभिलक्षण विधि, नियत गुणांकों वाले द्वितीय कोटि के रैखिक आंशिक अवकल समीकरण, विहित रूप, कॉपित तंतु का समीकरण, ताप समीकरण, लाप्लास समीकरण एवं उनके हल ।

6. संख्यात्मक विश्लेषण एवं कम्प्यूटर प्रोग्रामन :

संख्यात्मक विधियां द्विविभाजन द्वारा एक चर के बीजगणितीय तथा अबीजीय समीकरणों का हल, रेगुला फाल्स तथा न्यूटन-राफसन विधियां, गाउसीय निराकरण एवं गाउस-जॉर्डन (प्रत्यक्ष), गाउस-सीडेल (पुनरावर्ती) विधियां द्वारा रैखिक समीकरण निकाय का हल । न्यूटन का (अग्र तथा पश्च) अंतर्वेशन, लाग्रांज का अंतर्वेशन ।

संख्यात्मक समाकलन : समलंबी नियम, सिंप्सन नियम, गाउसीय क्षेत्रकलन सूत्र ।

साधारण अवकल समीकरणों का संख्यात्मक हल : आयलर तथा संगा-कट्ट विधियां ।

कम्प्यूटर प्रोग्रामन : द्विआधारी पद्धति, अंकों पर गणितीय तथा तर्कसंगत संक्रियाएं, अष्ट आधारी तथा बोडस आधारी पद्धतियां, दशमलव पद्धति से एवं दशमलव पद्धति में रूपांतरण, द्विआधारी संख्याओं की बीजावली ।

कम्प्यूटर प्रणाली के तत्व तथा भेमरी की संकल्पना, आधारी तर्कसंगत द्वारा तथा सत्य सारणियां बूलीय बीजावली, प्रसामान्य रूप ।

अचिह्नित पूर्णांकों, चिह्नित पूर्णांकों एवं वास्तविक, द्विपरिशुद्धता वास्तविक तथा दीर्घ पूर्णांकों का निरूपण ।

संख्यात्मक विश्लेषण समस्याओं के हल के लिए कलनविधि और प्रवाह संपत्रि

7. यांत्रिकी एवं तरल गतिकी :

व्यापीकृत निर्देशांक, डीएलबर्ट सिद्धांत एवं लाग्रांज समीकरण, हैमिल्टन समीकरण, जड़त्व आधूर्ण, दो विमाओं में दृढ़ पिंडों की गति ।

सांतत्य समीकरण, अश्यान प्रवाह के लिए आयलर का गति समीकरण, प्रवाह रेखाएं, कण का पथ, विभव प्रवाह, द्विविमीय तथा अक्षतः सममित गति, उद्गम तथा अभिगम, भ्रमिल गति, श्यान तरल के लिए नैवियर-स्टोक समीकरण ।

यांत्रिक इंजीनियरी

प्रश्न पत्र-1

1. यांत्रिकी :

1.1 दृढ़ पिंडों की यांत्रिकी

आकाश में साम्यावस्था का समीकरण एवं इसका अनुप्रयोग, क्षेत्रफल के प्रथम एवं द्वितीय घर्षण की सरल समस्याएँ, समतल गति के लिए कणों की शुद्धगतिकी, प्रारंभिक कण गतिकी ।

1.2 विश्वपर्णीय पिंडों की यांत्रिकी

व्यापीकृत हुक का नियम एवं इसका अनुप्रयोग, अक्षीय प्रतिबल पर अभिकल्प समस्याएँ, अपरूपण प्रतिबल एवं आधारक प्रतिबल, गतिका भारण के लिए सामग्री के गुण, दंड में बंकन अपरूपण एवं प्रतिबल, मुख्य प्रतिबलों एवं विकृतियों का निर्धारण-विश्लेषण एवं आलेखी, संयुक्त एवं मिश्रित प्रतिबल, द्विअक्षीय प्रतिबल-तनु मिश्रित दाव भाण्ड, गतिक भार के लिए पदार्थ व्यवहार एवं अभिकल्प कारक, केवल बंकन एवं मरोड़ी भार के लिए गोल शैफ्ट का अभिकल्प स्थैतिक निर्धारी समस्याओं के लिए दंड का विक्षेप, भंग के सिद्धांत ।

2. इंजीनियरी पदार्थ :

ठोसों की आधारभूत संकल्पनाएँ एवं संरचना, सामान्य लोह एवं अलोह पदार्थ एवं उनके अनुप्रयोग, स्टीलों का ताप उपचार, अधातु-प्लास्टिक, सेरेमिक, समिश्र पदार्थ एवं नैनोपदार्थ ।

3. यंत्रों का सिद्धांत :

समरल-क्रियाविधियों का शुद्धगतिक एवं गतिक विश्लेषण। कैम, गियर एवं अधिचक्रिक गियरमालाएँ, गतिपालक चक्र, अधिनियंत्रक, दृढ़ घूर्णकों का संतुलन, एकल एवं बहुसिलिंडरी इंजन, यांत्रिकतंत्र का रैखिक कंपन विश्लेषण (एकल स्वातंत्र्य कोटि), क्रांतिक चाल एवं शैफ्ट का आवर्तन ।

4. निर्माण का विज्ञान :

4.1 निर्माण प्रक्रम :

यंत्र औजार इंजीनियरी-व्यापारी बल विश्लेषण, टेलर का औजार आयु समीकरण, रूढ़ मशीनन, NC एवं CNC मशीनन प्रक्रम, जिग एवं स्थायिक ।

अरुद़ मशीनन-EDM, ECM, पराश्रव्य, जल प्रधार मशीनन, इत्यादि लेजर एवं प्लाज्मा के अनुप्रयोग, ऊर्जा दर अवकलन ।

रूपण एवं बेल्डन प्रक्रम-मानक प्रक्रम ।

मापिकी-अन्वायोजनाएँ एवं सहिष्णुताओं की संकल्पना, औजार एवं प्रमाप, तुलनित्र, लंबाई का निरीक्षण, स्थिति, परिच्छेदिका एवं पृष्ठ संपूर्ति ।

4.2 निर्माण प्रबंध :

तंत्र अभिकल्प : फैक्टरी अवस्थिति-सरल OR मॉडल, संयंत्र अभिन्यास-पद्धति आधारित, इंजीनियरी आर्थिक विश्लेषण एवं भंग के अनुप्रयोग-उत्पादा वरण, प्रक्रम वरण एवं क्षमता आयोजना के लिए

विश्लेषण भी, पूर्व निर्धारित समय मानक ।

प्रणाली आयोजना : समाश्रयण एवं अपघटन पर आधारित पूर्वकथन विधियाँ, बहु मॉडल एवं प्रासंभाव्य समन्वयोजन रेखा का अभिकल्प एवं संतुलन, सामग्री सूची प्रबंध-आदेश काल एवं आदेश मात्रा निर्धारण के लिए प्रायिकतात्मक सामग्री सूची मॉडल, JIT प्रणाली, युक्तिमय उद्गमीकरण, अंतर-संयंत्र संभारतंत्र ।

तंत्र संक्रिया एवं नियंत्रण :

कृत्यकशाला के लिए अनुसूचक कलन विधि, उत्पाद एवं प्रक्रम गुणता नियंत्रण के लिए सांख्यिकीय विधियों का अनुप्रयोग, माध्य, परास, दूषित प्रतिशतता, दोषों की संख्या एवं प्रति यूनिट दोष के लिए नियंत्रण चार्ट अनुप्रयोग, गुणता लागत प्रणालियाँ, संसाधन, संगठन एवं परियोजना जोखिम का प्रबंधन ।

प्रणाली सुधार : कुल गुणता प्रबंध, नम्य, कृश एवं दक्ष संगठनों का विकास एवं प्रबंधन जैसी प्रणालियों का कार्यान्वयन ।

प्रश्न पत्र-2

1. उष्मागतिकी, गैस गतिकी एवं दर्कों यंत्र :

1.1 उष्मागतिकी के प्रथम नियम एवं द्वितीय नियम की आधारभूत संकल्पनाएँ, ऐन्ट्रॉपी एवं प्रतिक्रमणीयता की संकल्पना, उपलब्धता एवं अनुपलब्धता तथा अप्रतिक्रमणीयता ।

1.2 तरलों का वर्गीकरण एवं गुणधर्म, असंपीड़य एवं संपीड़य तरल प्रवाह, गैक संख्या का प्रभाव एवं संपीड़यता, सातत्य संवेग एवं ऊर्जा समीकरण, प्रसामान्य एवं तिर्यक प्रधात, एक विमीय समरेंट्रॉपी प्रवाह, तरलों का नलिका में घर्षण एवं ऊर्जाअंतरण के साथ प्रवाह ।

1.3 पंखों, ब्लौअरों एवं संपीड़ित्रों से प्रवाह, अक्षीय एवं अपकोंद्री प्रवाह विनायास, पंखों एवं संपीड़ित्रों का अभिकल्प, संपीड़नों और टरबाइन, सोपानी की सरल समस्याएँ विवृत एवं संवृत चक्र गैस टरबाइन, गैस टरबाइन में किया गया कार्य, पुनःताप एवं पुनर्जनन ।

2. ऊष्मा अंतरण :

2.1 चालन ऊष्मा अंतरण-सामान्य चालन समीकरण-लाप्लास, प्वासों एवं फूरिए समीकरण, चालन का फूरिए नियम, सरल भित्ति ठोस एवं खोखले बेलन तथा गोलकों पर लगा एक विमीय स्थायी दशा ऊष्मा चालन ।

2.2 संवहन ऊष्मा अंतरण-न्यूटन का संवहन नियम, मुक्त एवं प्रणोदित संवहन, चपटे तल पर असंपीड़य तरल के स्तरीय एवं विक्षुब्ध प्रवाह के दौरान ऊष्मा अंतरण, नसेल्ट संख्या, जलगतिक एवं ऊष्मीय सीमांतपरत एवं उनकी मोटाई की संकल्पनाएँ, प्रांटल संख्या, ऊष्मा एवं संवेग अंतरण के बीच अनुरूपता-रेनॉल्ड्स कोलबर्न, प्रांटल अनुरूपताएँ, क्षैतिज नलिकाओं से स्तरीय एवं विक्षुब्ध प्रवाह के दौरान ऊष्मा अंतरण, क्षैतिज एवं ऊर्ध्वाधर तलों से मुक्त संवहन ।

2.3 कृष्णिका विकिरण-आधारभूत विकिरण नियम, जैसे कि, स्टीफेन बोल्ट्जमैन, प्लांक वितरण, वीन विस्थापन, आदि ।

2.4 आधारभूत ऊष्मा विनियमित्र विश्लेषण, ऊष्मा विनियमित्रों का वर्गीकरण ।

3. अंतर्दहन इंजिन :

3.1. वार्गिकरण, संक्रिया के ऊष्मागतिक चक्र, भंग शक्ति, सूचित शक्ति, यांत्रिक दक्षता, ऊष्मा समयोजन चादर, निष्पादन अभिक्षण का निर्वचन, पेट्रोल, गैस एवं डीजल इंजिन ।

3.2. SI एवं CI इंजिनों में दहन, सामान्य एवं असामान्य दहन, अपस्फोटन पर कार्यशील प्राचलों का प्रभाव, अपस्फोटन का न्यूनीकरण, SI एवं CI इंजिनों के लिए दहन प्रकोष्ठ के प्रकार, योजक, उत्पर्जन ।

3.3. अंतर्दहन इंजिनों की विभिन्न प्रणालियाँ-ईंधन, स्नेहन, शीतन एवं संचरण प्रणालियाँ, अंतर्दहन इंजिनों में विकल्पी ईंधन ।

4. भाष्य इंजीनियरी :

4.1. भाष्य जनन-आशोधित रैकिन चक्र विश्लेषण, आधुनिक भाष्य बॉयलर, क्रॉटिक एवं अधिक्रॉटिक दाबों पर भाष्य, प्रवात उपस्कर, प्राकृतिक एवं क्रित्रिम प्रवात, बॉयलर ईंधन, ठोस, द्रव एवं गैसीय ईंधन, भाष्य टरबाइन-सिद्धांत, प्रकार, संयोजन, आवेग एवं प्रतिक्रिया टरबाइन, अक्षीय प्रणोद ।

4.2. भाष्य तुंड-अभिसारी एवं अपसारी तुंड में भाष्य का प्रवाह, आर्द्ध, संतुल्प एवं अधितप्त जैसी विभिन्न प्रारम्भिक भाष्य दशाओं के साथ, अधिकतम निस्सरण के लिए कंठ पर दाब, पश्चदाब विचरण का प्रभाव, तुंडों में भाष्य अधिसंतृप्त प्रवाह, विलसन रेखा ।

4.3. आंतरिक एवं बाह्य अप्रतिक्रम्यता के साथ रैकिन चक्र, पुनर्स्ताप गुणक, पुनर्स्तापन एवं पुनर्जनन, अधिनियंत्रण विधियाँ, पश्च दाब एवं उपनिकासन टरबाइन ।

4.4. भाष्य शक्ति संयंत्र-संयुक्त चक्र शक्ति जनन, ऊष्मा पुनःप्राप्ति भाष्य जनित्र (HRSG) तप्त एवं अतप्त, सहजनन संयंत्र ।

5. प्रशीतन एवं वातानुकूलन :

5.1. वाष्प संगीड़न प्रशीतन चक्र-p-H एवं T-s आरेखों पर चक्र, पर्यावरण अनुकूली प्रशीतक द्रव्य-R 134 a, R 123, वाष्पित्र द्रवणित्र, प्रसरण साधन जैसे तंत्र सरल वाष्प अवशोषण तंत्र ।

5.2. आर्द्धतापिति-गुणधर्म, प्रक्रम, लेखाचित्र, संवेद्य तापन एवं शीतन, आर्द्धकरण एवं अनार्द्धकरण प्रभावी तापक्रम, वातानुकूलन भार परिकलन, सरल वाहिनी अधिकल्प ।

चिकित्सा विज्ञान

प्रश्न पत्र-1

1. भानव शरीर :

उपरि एवं अधोशाखाओं, स्कंधसंधियों, कूलहे एवं कलाई में रक्त एवं तंत्रिका संभरण समेत अनुप्रयुक्त शरीर ।

स्कल्पशारीर, स्कल्पसंभरण एवं जिह्वा का लिंगीय अपवाह, थायरॉइड, स्तन ग्रंथि, जठर, यकृत, प्रॉस्टेट, जननग्रंथि एवं गर्भशय ।

डायाफ्राम, पेरीनियम एवं वंक्षणप्रदेश का अनुप्रयुक्त शरीर ।

बृद्धक, मूत्राशय, गर्भाशय नलिकाओं, शुक्रवाहिकाओं का रोगलक्षण शरीर ।

भूषणविज्ञान : अपरा एवं अपरा रोध । हृदय, आंत्र, वृद्धक, गर्भाशय, डिबग्राथि, वृषण का विकास एवं उनकी सामान्य जन्मजात असामान्यताएं ।

केन्द्रीय एवं परिसरीय स्वसंचालित तंत्रिका तंत्र :

मास्तिष्क के निलयों, प्रमस्तिकमेरु द्रव के परिप्रेमण का सकल एवं रोगलक्षण शरीर, तंत्रिका मार्ग एवं त्वचीय संवेदन, श्रवण एवं दृष्टि विक्षित, कपाल तंत्रिकाएं, वितरण एवं रोगलाक्षणिक महत्व, स्वसंचालित तंत्रिका तंत्र के अवयव ।

2. भानव शरीर क्रिया विज्ञान :

अवेग का चालन एवं संचरण, संकुचन की क्रियाविधि, तंत्रिका-पेशीय संचरण, प्रतिवर्त, संतुलन नियंत्रण, संस्थिति एवं पेशी-तान, अवरोही मार्ग, अनुमस्तिक के कार्य, आधारी गंडिकाएं, निद्रा एवं चेतना का क्रियाविज्ञान ।

अंतःस्थावी तंत्र : हामोन क्रिया की क्रियाविधि, रचना, स्ववण, परिवहन, उपापचय, पैक्रियाज एवं पीयूष ग्रंथि के कार्य एवं स्ववण नियमन ।

जनन तंत्र का क्रिया विज्ञान : आर्तवचक्र, स्तन्यस्त्रवण, सगर्भता

रक्त : विकास, नियमन एवं रक्त कोशिकाओं का परिणाम ।

हृदवाहिका, हृदनिस्पादन, रक्तदाब, हृदवाहिका कार्य का नियमन ।

3. जैव रसायन :

अंगकार्य परीक्षण-यकृत, वृद्धक, थायरॉइड ।

प्रोटीन संश्लेषण ।

विटामिन एवं खनिज ।

निर्बन्धन विखंड दैर्घ्य बहुरूपता (RFLP)

पॉलीमेरेज श्रृंखला प्रतिक्रिया (PCR)

रेडियो-इम्यूनोऐसे (RIA)

4. विकृति विज्ञान :

थोथ एवं विरोहण, वृद्धि विक्षेप एवं कैन्सर रहयूमैटिक एवं इस्कीमिक हृदय रोग एवं डायबिटीज मेलिटस का विकृतिजनन एवं ऊतकविकृति विज्ञान ।

सुदम्य, दुर्दम, प्राथमिक एवं विक्षेपी दुर्दमता में विभेदन, श्वसनीजन्य कार्सिनोमा का विकृतिजनन एवं ऊतकविकृति विज्ञान, स्तन कार्सिनोमा, मुख कैन्सर, ग्रीष्मा कैन्सर, ल्यूकीमिया, यकृत सिरोसिस, स्त्रवकवृद्धकशोथ, यक्षमा तीव्र अस्थिमज्जाशोथ का हेतु, विकृतिजनन एवं ऊतक विकृति विज्ञान ।

5. सूक्ष्म जैविकी :

देहद्रवी एवं कोशिका माध्यमित रोगक्षमता ।

निम्नलिखित रोगकारक एवं उनका प्रयोगशाला निदान :

- मैनिंगोकॉक्कस, सालमोनेला

- शिंगेला, हर्पोज, डेंगू, पोलियो

-HIV/AIDS, मलेरिया, ई-हिस्टोलिटिका, गियाडिया

-कैंडिडा, क्रिप्टोकॉक्कस, ऐस्पर्जिलस

6. घेषजगुण विज्ञान :

निम्नलिखित औषधों के कार्य की क्रियाविधि एवं पार्श्वप्रभाव :

-ऐन्टिपायरेटिक्स एवं एनालजेसिक्स, ऐन्टिबायोटिक्स, ऐन्टिमलेरिया, ऐन्टिकालाजार, ऐन्टिडायबेटिक्स

-ऐन्टिहायपरटोनेशिव, ऐन्टिडायप्रोटिक्स, सामान्य एवं हृद वासोडिलेटर्स, ऐन्टिवाइरल, ऐन्टिपैरासिटिक, ऐन्टिफंगल, ऐन्टिफंगल, इम्यूनोसप्रेशैट्स

-ऐन्टिकैंसर

7. न्याय संबंधी औषध एवं विषविज्ञान :

क्षति एवं घावों की न्याय संबंधी परीक्षा, रक्त एवं शुक्र धब्बों की परीक्षा, विषाक्तता, शामक अतिमात्रा, फांसी, ढूबना, तलना, DNA एवं फिगरप्रिंट अध्ययन ।

प्रश्न पत्र-2

1. सामान्य कार्यचिकित्सा :

टेनेस, रैबीज, AIDS, डॅग्यू, काला-आजार, जापानी ऐस्पेफेलाइटिस का हेतु, रोग लक्षण विशेषताएं, निदान एवं प्रबंधन (निवारण सहित) के सिद्धांत ।

निम्नलिखित के हेतु, रोगलक्षण विशेषताएं, निदान एवं प्रबंधन के सिद्धांत—

इस्कीमिक हृदय रोग, फुफ्फुस अन्तः शल्यता

श्वसनी अस्थमा

फुफ्फुसावरणी निःसरण, यक्षमा, अपावशोषण संलक्षण, अन्तः पेटिक रोग, विषाणुज यकृतशोथ एवं यकृत सिरोसिस ।

स्तवकवृक्कशोथ एवं गोणिकावृक्कशोथ, वृक्कपात, अपवृक्कीय संलक्षण, वृक्कवाहिका अतिरिक्तदाब, डायबिटीज मेलिटस के उपद्रव, स्कंदनविकार, त्यूकीमिया, अव-एवं-अति-थायरॉइडिज्म, मेनिन्जायिटिस एवं एन्सेफेलाइटिस ।

चिकित्सकीय समस्याओं में इमेजिंग, अल्ट्रासाउंड, ईको, कार्डियोग्राम, CT स्कैन, MRI.

चिन्ता एवं अवसाद मनोविक्षिप्त एवं विर्खोडित-मनस्कता तथा ECT

2. बालरोग विज्ञान :

रोगप्रतिरोधीकरण, बेबी-फ्रैंडली अस्पताल, जन्मजात श्याव हृदय रोग श्वसन विक्षीभ संलक्षण, श्वसनी-फुफ्फुसशोथ, प्रमस्तिक्षीय नवजात काम्पला, IMNCI वर्गीकरण एवं प्रबंधन, PEM कोटिकरण एवं प्रबंध । ARI एवं पांच वर्ष से छोटे शिशुओं की प्रवाहिका एवं उसका प्रबंध ।

3. त्वचा विज्ञान :

स्टोरिएसिस, एलर्जिक डमेटाइटिस, स्केबीज, एक्जीमा, विटिलिगो, स्टोवन, जानमन संलक्षण, लाइकेन प्लेनेस ।

4. सामान्य शल्य चिकित्सा :

खंडतालु खंडोष की रोगलक्षण विशेषता, कारण एवं प्रबंध के सिद्धांत ।

स्वरवंशीय अर्बुद, मुख एवं ईसोफेगस अर्बुद । परिधीय धमनी रोग, वेरिकोज थेस, महाधमनी संकुचन थायराइड, अधिवृक्क ग्रैंथि के अर्बुद

फोड़ा, कैंसर, स्तन का तंतुग्रैंथि अर्बुद एवं ग्रैंथिलता पेष्टिक अल्सर रक्तस्त्राव, आंत्र यक्षमा, अल्सरेटिव कोलाइटिस, जठर कैंसर वृक्क मास, प्रोस्टेट कैंसर

हीमोथेरैक्स, पित्ताशय, घुक्क, यूटर एवं भूत्राशय की पथरी । रेक्टम, एनस, एनल कैनल, पित्ताशय एवं पित्ताहिनी की शल्य दशाओं का प्रबंध

स्पलीनोपेगैली, कालीसिस्टाइटिस, पोर्टल अतिरक्तदाब, यकृत फोड़ा, पेरिटोनाइटिस, पैंक्रियाज शीर्ष कार्सिनोमा ।

रीढ़ विभंग, कोली विभंग एवं अस्थि द्यूम्बर एंडोस्कोपी लैप्रोस्कोपिक सर्जरी ।

5. प्रसूति विज्ञान एवं परिवार नियोजन समेत स्वी रोग विज्ञान

सगर्भता का निदान प्रसव प्रबंध, तृतीय चरण के उपद्रव, प्रसवपूर्ण एवं प्रसवेतर रक्त स्त्राव, नवजात का पुनरुज्जीवन, असामान्य स्थिति एवं कठिन प्रसव का प्रबंध, कालपूर्व (प्रसव) नवजात का प्रबंध । अरक्तता का निदान एवं प्रबंध ।

सगर्भता का प्रोएक्टरीप्स्या एवं टाक्सीमिया, रजोनिवृत्युतर संलक्षण का प्रबंध । इंट्रा-यूटेरीन युक्तियां, गोलियां, द्यूबैटोमी एवं वैसेक्टोमी ।

सगर्भता का चिकित्सकीय समापन जिसमें विधिक पहलू शामिल हैं । ग्रीवा कैंसर ।

ल्यूकेरिया, श्रोणि वेदना, वंध्यता, डिसफंक्शनल यूटेरीन, रक्तस्त्राव (DUB), अमीनोरिया, यूटरस का तंतुपेशी अर्बुद एवं प्रेश ।

6. समुदाय कार्यचिकित्सा (निवारक एवं सामाजिक कार्य चिकित्सा)

सिद्धांत, प्रणाली, उपाग्रम एवं जानपादिक रोग विज्ञान का भाष्य, पोषण, पोषण संबंधी रोग/विकार एवं पोषण कार्यक्रम । स्वास्थ्य उच्चना संग्रहण, विश्लेषण, एवं प्रस्तुति ।

निम्नलिखित के नियंत्रण/उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों के उद्देश्य, घटक एवं कांतिक विश्लेषण :

मलेरिया, काला आजार, फाइलेरिया एवं यक्षमा; HIV/AIDS, यौन संक्रमित रोग एवं डॅग्यू स्वास्थ्य देखभाल प्रदाय प्रणाली का क्रांतिक मूल्यांकन

स्वास्थ्य प्रबंधन एवं प्रशासन : तकनीक, साधन, कार्यक्रम कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन

जनन एवं शिशु स्वास्थ्य के उद्देश्य, घटक, लक्ष्य एवं स्थिति, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन एवं सहस्त्राब्दी विकास लक्ष्य ।

अस्पताल एवं औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंध ।

दर्शन शास्त्र

प्रश्न पत्र-1

दर्शन का इतिहास एवं समस्याएँ :

- प्लेटो एवं अरस्तू : प्रत्यय; द्रव्य; आकार एवं पुदगल; कार्यकारण-भाव; वास्तविकता एवं शक्यता ।
- तर्कबुद्धिवाद (देकार्त, स्पिनोजा, लीबनिज) : देकार्त की पद्धति एवं असेदिष्य ज्ञान; द्रव्य; परमात्मा; मन-शरीर द्वैतवाद; नियतत्ववाद एवं स्वातन्त्र्य ।
- इद्रियानुभव (लॉक, बर्कले, ह्यम); ज्ञान का सिद्धांत; द्रव्य एवं गुण; आत्मा एवं परमात्मा; संशयवाद ।
- कांट : संश्लेषात्मक प्राग्नुभविक निर्णय की संभवता; दिक एवं काल; पदार्थ; तर्कबुद्धि प्रत्यय; विप्रतिषेध; परमात्मा के अस्तित्व के प्रमाणों की मीमांसा ।
- हीलेग : द्वांटात्मक प्रणाली; परमप्रत्यवाद ।
- मूर, रसेल एवं पूर्ववर्ती विटोन्स्टीन; सामान्य बुद्धि का मंडन; प्रत्ययवाद का खंडन; तार्किक परमाणवाद; तार्किक रचना; अपूर्ण प्रतीक; अर्थ का चित्र सिद्धांत; उक्ति एवं प्रदर्शन ।
- तार्किक प्रत्यक्षवाद; अर्थ का सत्यापन सिद्धांत; तत्त्वमीमांसा का अस्वीकार; अनिवार्य प्रतिसिद्धि का भाषिक सिद्धांत ।
- उत्तरवर्ती विटोन्स्टीन : अर्थ एवं प्रयोग; भाषा-खेल; व्यक्ति भाषा की मीमांसा ।
- संवृतिशास्त्र (हर्सल); प्रणाली; सार सिद्धांत; मनोविज्ञानपरता का परिहार ।
- अस्तित्वपरकातवाद (कीर्कार्द, सार्व, हीडेगर); अस्तित्व एवं सार; वरण, उत्तरदायित्व एवं प्रामाणिक अस्तित्व; विश्वनिषत एवं कालसत्ता ।
- क्वाइन एवं स्ट्रासन : इद्रियानुभववाद की मीमांसा; मूल विशिष्ट एवं व्यक्ति का सिद्धांत ।
- चार्वाक : ज्ञान का सिद्धांत; अतीर्त्रिय सत्त्वों का अस्वीकार ।
- जैनदर्शन संप्रदाय; सत्ता का सिद्धांत; सप्तभंगी न्याय; बंधन एवं मुक्ति ।
- बौद्धदर्शन संप्रदाय; प्रतीत्यसमुत्पाद; क्षणिकवाद, नैरात्यवाद ।
- न्याय-वैशेषिक : पदार्थ सिद्धांत; आभास सिद्धांत; प्रणाम सिद्धांत; आत्मा, मुक्ति; परमात्मा; परमात्मा के अस्तित्व के प्रणाम; कार्यकारण-भाव का सिद्धांत, सृष्टि का परमाणुवादी सिद्धांत ।
- सांख्य : प्रकृति; पुरुष; कार्यकारण-भाव; मुक्ति ।
- योग : चित्त; चित्तवृत्ति; व्यत्येश; समाधि; कैवल्य ।
- मीमांसा; ज्ञान का सिद्धांत ।
- वेदांत संप्रदाय : ब्रह्मन; ईश्वर; आत्मन; जीव; जगत; माया; अविद्या; अध्यास; मोक्ष; अपृथक सिद्धि; पंचविधभेद ।
- अरविन्द : विकास, प्रतिविकास; पूर्ण योग ।

प्रश्न पत्र-2

सामाजिक-राजनैतिक दर्शन

- सामाजिक एवं राजनैतिक आदर्श; समानता, न्याय, स्वतंत्रता ।
- प्रभुसत्ता : आस्टिन बोदौ, जास्की, कौटिल्य ।
- व्यक्ति एवं राज्य : अधिकार; कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व ।
- शासन के प्रकार : राजतंत्र; धर्मतंत्र एवं लोकतंत्र ।
- राजनैतिक विचारधाराएँ; अराजकतावाद; मार्क्सवाद एवं समाजवाद ।
- मानववाद; धर्मनिरपेक्षतावाद; बहुसंस्कृतिवाद ।
- अपराध एवं दंड : भ्रष्टाचार, व्यापक हिंसा, जातिसंहार, प्राणदंड ।
- विकास एवं सामाजिक उन्नति ।
- लिंग भेद : स्त्रीभूषण हत्या, भूमि एवं संपत्ति अधिकार; सशक्तिकरण ।
- जाति भेद : गांधी एवं अम्बेडकर ।

धर्म दर्शन

- ईश्वर की धारणा ; गुण; मनुष्य एवं विश्व से संबंध (भारतीय एवं पाश्चात्य) ।
- ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण और उसकी मीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य) ।
- अशुभ की समस्या ।
- आत्मा : अमरता; पुनर्जन्म एवं मुक्ति ।
- तर्कबुद्धि, श्रुति एवं आस्था ।
- धार्मिक अनुभव : प्रकृति एवं वस्तु (भारतीय एवं पाश्चात्य) ।
- ईश्वर रहित धर्म ।
- धर्म एवं नैतिकता ।
- धार्मिक शुचिता एवं परम सत्यता की समस्या ।
- धार्मिक भाषा की प्रकृति : सादृश्यमूलक एवं प्रतीकात्मक; संज्ञानवादी एवं निस्संज्ञानवादी ।

भौतिकी

प्रश्न पत्र-1

1. (क) कण यांत्रिकी

गतिनियम, उर्जा एवं संवेग का संरक्षण, घूर्णी फ्रेम पर अनुप्रयोग, अपकेंद्री एवं केन्द्रियालिस त्वरण; केन्द्रीय बल के अंतर्गत गति; कोणीय संवेग का संरक्षण, केप्लर नियम, क्षेत्र एवं विभव; गोलीय पिंडों के कारण गुरुत्व क्षेत्र एवं विभव; गौस एवं च्वासों समीकरण, गुरुत्व स्वरूप; द्विपिंड समस्या; समानीत द्रव्यमान; रदरफोर्ड; प्रकीर्णन; द्रव्यमान केन्द्र एवं प्रयोगशाला संर्दर्भ फ्रेम ।

(ख) दृढ़ पिण्डों की यांत्रिकी

कणनिकाय; द्रव्यमान केन्द्र, कोणीय संबंध, गति समीकरण; ऊर्जा, संबंध एवं कोणीय संबंध के संरक्षण प्रमेय; प्रत्यारथ एवं अप्रत्यारथ संघटन; दृढ़ पिण्ड; स्वतंत्र कोटियां, आयलर प्रमेय, कोणीय वेग, कोणीय संबंध, जड़त्व आधूर्ण, समान्तर एवं अभिलम्ब अक्षों के प्रमेय, घूर्णन हेतु गति का समीकरण; अण्डिक घूर्णन (दृढ़ पिण्डों के रूप में); द्वि- एवं त्रि-परमाणिक अणु, पुरस्सरण गति, प्रभि, घूर्णक्षरस्थापी ।

(ग) संतत माध्यमों की यांत्रिकी

प्रत्यास्थापा, हुक का नियम एवं यमदैशिक ठोसों के प्रत्यास्थापक तथा उनके अंतसंबंध; प्रवाह रेखा (स्तरीय) प्रवाह, श्यानता, प्यायज समीकरण, बरनूली समीकरण, स्टोक नियम एवं उनके अनुप्रयोग ।

(घ) विशिष्ट आपेक्षिकता

माइकल्सन-मोर्ले प्रयोग एवं इसकी विवक्षाएं; लॉरेंज रूपांतरण-दैर्घ्य-संकुचन, कालवृद्धि, अपेक्षिकीय वेगों का योग, विपथन तथा डाप्लर प्रभाव, द्रव्यमान-ऊर्जा संबंध, क्षय प्रक्रिया से सरल अनुप्रयोग; चतुर्विंशीय संबंध सदिश; भौतिकी के समीकरणों के सहप्रसरण ।

2. तरंग एवं प्रकाशिकी

(क) तरंग

सरल आवर्त गति, अवर्गित दोलन, प्रणोदित दोलन तथा अनुनाद; विस्पन्द; तंतु में स्थिर तरंगें; स्पंदन तथा तरंग संचायिकाएं; प्रावस्था तथा समूह वेग; हाईगेन के सिद्धांत से परावर्तन तथा अपवर्तन ।

(ख) ज्यामितीय प्रकाशिकी

फरमैट के सिद्धांत से परावर्तन तथा अपवर्तन के नियम, उपाधीय प्रकाशिकी में आव्यूह पद्धति—पतले लेंस के सूत्र, स्पिंद तल, दो पतले लेंसों की प्रणाली, वर्ण तथा गोलीय विपथन ।

(ग) व्यतिकरण

प्रकाश का व्यतिकरण—यंग का प्रयोग, न्यूटन वलय, तनु फिल्मों द्वारा व्यतिकरण, माइकल्सन व्यतिकरणमापी; विविध किरणपुंज व्यतिकरण एवं फैब्री-पेरेट व्यतिकरणमापी ।

(घ) विवर्तन

फ्रान्होलफर विवर्तन—एकल रेखाछिद्द, विवर्तन ग्रेटिंग, विभेदन क्षमता, वित्तीय द्वारका द्वारा विवर्तन तथा वायवीय पैटर्न, फ्रेसनेल विवर्तन; अर्द्ध आवर्तन जोन एवं जोन प्लेट, वृत्तीय द्वारक ।

(ङ.) धूवीकरण एवं आधुनिक प्रकाशिकी

रेखीय तथा वृत्तीय धूवीकरण प्रकाश का उत्पादन तथा अभिज्ञान; द्विअपवर्तन, चतुर्थांदश तरंग प्लेट; प्रकाशीय सक्रियता; रेशा प्रकाशिकी के सिद्धांत, क्षीणन; स्टेप इंडेक्स तथा परवलयिक इंडेक्स तंतुओं में स्पंद परिक्षेपण; पदार्थ परिक्षेपण, एकल रूप रेशा; लेसर-आइनस्टान ए तथा बी गुणांक, रूबी एवं हीलियम नियान लेसर; लेसर प्रकाश की विशेषताएं-स्थानिक तथा कालिक संबद्धता; लेसर किरण पुंजों का फोकसन; लेसर क्रिया के लिए त्रि-स्तरीय योजना; होलीग्राफी एवं सरल अनुप्रयोग ।

3. विद्युत एवं चुम्बकत्व

(क) स्थिर वैद्युत एवं स्थिर चुम्बकीय

स्थिर वैद्युत में लाप्लास एवं प्वासों समीकरण एवं उनके अनुप्रयोग; आवेश निकाय की ऊर्जा, अदिश विभव का बहुध्रुव प्रसार; प्रतिबिम्ब विधि एवं उसका अनुप्रयोग; द्विध्रुव के कारण विभव एवं क्षेत्र, बाह्य क्षेत्र में द्विध्रुव पर बल एवं बल आधूर्ण; परावैद्युत ध्रुवण; परिसीमा-मान समस्या का हल—एक समान वैद्युत क्षेत्र में चालन एवं परवैद्युत गोलक; चुम्बकीय कोश, एकसमान चुम्बकित बोलक, चुम्बकीय पदार्थ, रैथिल्य, ऊर्जाज्ञा ।

(ख) धारा विद्युत

किरचॉफ नियम एवं उनके अनुप्रयोग; बायो-सवार्ट नियम, ऐम्पियर नियम, फाराडे नियम, लैंज नियम; स्व एवं अन्योन्य प्रेरकत्व; प्रत्यावर्ती धारा (AC) परिपथ में माध्य एवं वार्मामाध्य मूल (rms) मान, RL एवं C घटक वाले DC एवं AC—परिपथ; श्रेणीबद्ध एवं समानांतर अनुवाद; गुणता कारक; परिणामित्र के सिद्धांत ।

(ग) विद्युत चुम्बकीय तरंगें एवं कृष्णिका विकिरण

विस्थापन धारा एवं मैक्सवेल के समीकरण; निर्वात में तरंग समीकरण, प्वाइंटिंग प्रमेय; सदिश एवं अदिश विभव; विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र प्रदिश, मैक्सवेल समीकरणों का सहप्रसरण; समदैशिक परावैद्युत में तरंग समीकरण, दो परावैद्युतों की परिसीमा पर परावर्तन; तथा अपवर्तन; फ्रेसनल संबंध; पूर्ण आंतरिक परावर्तन; प्रसामान्य एवं असंगत वर्ण विक्षेपण; रेले प्रकीर्णन; कृष्णिका विकिरण एवं प्लैक विकिरण नियम, स्टीफन—बोल्टजमैन नियम, वियेन विस्थापन नियम एवं रेले-जीन्स नियम ।

4. तापीय एवं सांख्यिकीय भौतिकी

(क) उष्मागतिकी

उष्मागतिकी का नियम, उत्क्रम्य तथा अप्रतिक्रम्य पक्रम, एन्ट्रोपी, समतापी, रुद्धोष्म, समदाब, समआयतन पक्रम एवं एन्ट्रोपी परिवर्तन; ओटो एवं डीजल इंजिन, गिर्ब ग्रावस्था नियम एवं रासायनिक विभव, वास्तविक गैस अवस्था के लिए वांडरवाल्स समीकरण, क्रॉटिक स्थिसंक, अण्डिक वेग का मैक्सवेल बोल्टजमान वितरण, परिवहन परिघटना, समविभाजन एवं चैरियल प्रमेय; ठोसों की विशिष्ट उष्मा के ड्यूलां-पेती, आइस्टाइन, एवं डेवी सिद्धांत; मैक्सवेल संबंध एवं अनुप्रयोग; बलासियस बलपरान समीकरण, रुद्धोष्म विचुंबकन, जूल केल्विन प्रपाव एवं गैसों का द्रवण ।

(ख) सांख्यिकीय भौतिकी

स्थूल एवं सूक्ष्म अवस्थाएं, सांख्यिकीय बंटन, मैक्सवेल—बोल्टजतान, बोस—आइस्टाइन एवं फर्मी-दिसक बंटन, गैसों की विशिष्ट ऊष्मा एवं कृष्णिका विकिरण में अनुप्रयोग; नकारात्मक ताप की संकल्पना ।

प्रश्न पत्र-2

1. क्वांटम यांत्रिकी

कण तरंग द्वैता, श्रोडिंगर समीकरण एवं प्रत्याशामान; अनिश्चितता सिद्धांत, मुक्तकण, बाक्स में कण, परिमित क्षूप में कण के लिए एक विमीय श्रोडिंगर समीकरण का हल (गाउसीय तरंग—वेस्टन), रैखिक

आवर्ती लोलक; पग-विभव द्वारा एवं आयताकार रोधिका द्वारा परावर्तन एवं संचरण; त्रिविमीय बास्क्स में कण अवस्थाओं का धनत्व, धातुओं का मुक्त इलेक्ट्रॉन सिद्धांत, कोणीय संवेग, हाइड्रोजेन परमाणु, अर्द्धप्रचक्रण कण, पाउली प्रचक्रण आवृद्धों के गुणधर्म ।

2. परमाणिक एवं आणिक भौतिकी

स्टर्न-गलोक प्रयोग, इलेक्ट्रॉन प्रचक्रण, हाइड्रोजेन परमाणु की सूक्ष्म संरचना; L-S युग्मन, J-J युग्मन, परमाणु अवस्था का स्पेक्ट्रमी संकेतन, जीमान प्रभाव, फैंक कंडेन सिद्धांत एवं अनुप्रयोग; द्विपरमाणुक निकअणु के धूर्णी, कांपनिक एवं इलेक्ट्रॉस्पेक्ट्रों का प्राथमिक सिद्धांत; रमन प्रभाव एवं आणिक संरचना; सेसर रमन स्पेक्ट्रमिकी; खगोलिकी में उदासीन हाइड्रोजेन परमाणु, आणिक हाइड्रोजेन एवं आणिक हाइड्रोजेन आयन का महत्व; प्रतिदीप्ति एवं स्फुरदीप्ति; NMR एवं EPR का प्राथमिक सिद्धांत एवं अनुप्रयोग, लैम्ब्सुति की प्राथमिक धारणा एवं इसका महत्व ।

3. नाभिकीय एवं कण भौतिकी

मूलभूत नाभिकीय गुणधर्म-आकार, बंधन ऊर्जा, कोणीय संवेग, समता, चुंबकीय आधूर्ण; अर्द्ध-आनुभाविक द्रव्यमान सूत्र एवं अनुप्रयोग, द्रव्यमान परवलय; धूयटेरेन की मूल अवस्था, चुम्बकीय आधूर्ण एवं अकेंद्रीय बल; नाभिकीय बलों का मेसान सिद्धांत, नाभिकीय बलों की प्रमुख विशेषताएं; नाभिक का कोश माडल-सफलताएं एवं सीमाएं; बीटाहास में समता का उल्लंघन; गामा हास एवं आंतरिक रूपांतरण, मासबौर स्पेक्ट्रमिकी की प्राथमिक धारणा; नाभिकीय अधिक्रियाओं का Q मान; नाभिकीय विखंडन एवं संलयन, ताराओं में ऊर्जा उत्पादन; नाभिकीय रियेक्टर ।

मूल कणों का वर्गीकरण एवं उनकी अन्यदोन्यक्रियाएं; संरक्षण नियम; हैंडोंनों की क्वार्क संरचना; क्षीण वैद्युत एवं प्रबल अन्योन्य क्रिया का क्षेत्र, क्वांटा; बलों के एकीकरण की प्राथमिक धारणा; न्यूट्रिनों की भौतिकी ।

4. ठोस अवस्था भौतिकी, यंत्र एवं इलेक्ट्रॉनिकी

पदार्थ की क्रिस्टलीय एवं अक्रिस्टलीय संरचना; विभिन्न क्रिस्टल निकाय, आकाशी समूह; क्रिस्टल संरचना निर्धारण की विधियां; X-किरण विवर्तन; क्रमवीक्षण एवं संचरण इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी; ठोसों का पद्धति सिद्धांत चालक, विद्युतरोधी एवं अर्द्धचालक; ठोसों के तापीय गुणधर्म, विशिष्ट ऊष्मा, डेवी सिद्धांत; चुम्बकत्व; प्रति, अनु एवं लोह चुम्बकत्व; अतिचालकता के अवयव; माइस्टर प्रभाव; जोसेफरन संधि एवं अनुप्रयोग; उच्च तापक्रम अतिचालकता की प्राथमिक धारणा । नैज एवं बाह्य अर्द्धचालक; p-n-p एवं n-p-n ड्रॉजिस्टर, प्रवर्धक एवं दोलित्र, सॉक्रियात्वक प्रवर्धक; FET, JFET एवं MOSFET; अंकीय इलेक्ट्रॉनिकी-बूलीय तत्समक, डी मार्गन नियम, तर्क द्वारा एवं सत्य सारणियां; सरल तर्क परिपथ, ऊष्म प्रतिरोधी, सौर सेल; माइक्रोप्रोसेसर एवं अंकीय कंप्यूटरों के मूल सिद्धांत ।

राजनीति विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध

प्रश्न पत्र-1

राजनैतिक सिद्धांत एवं भारतीय राजनीति

- राजनैतिक सिद्धांत : अर्थ एवं उपायम ।

- राज्य के सिद्धांत : उदारवादी, नवउदारवादी, मार्क्सवादी, बहुवादी, पश्च-उपनिवेशी एवं नार अधिकारवादी ।
- न्याय : गॉल के न्याय के सिद्धांत के विशेष संदर्भ में न्याय के संप्रत्यय एवं इसके समुदायवादी समालोचक ।
- समानता : सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक; समानता एवं स्वतंत्रता के बीच संबंध; सकारात्मक कार्य ।
- अधिकार : अर्थ एवं सिद्धांत; विभिन्न प्रकार के अधिकार; मानवाधिकार की संकल्पना ।
- लोकतंत्र : क्लासिकी एवं समयकालीन सिद्धांत; लोकतंत्र के विभिन्न मॉडल-प्रतिनिधिक, सहभागी एवं विमर्शी ।
- शक्ति, प्राधान्य विचारधारा एवं वैधता की संकल्पना ।
- राजनैतिक विचारधाराएं : उरारवाद, समाजवाद, मार्क्सवाद, फांसीवाद, गांधीवाद एवं नारी-अधिकारवाद ।
- भारतीय राजनैतिक चिन्तन : धर्मशास्त्र, अर्धशास्त्र एवं बौद्ध परम्पराएं; सर सैयद अहमद खान, श्री अरविंद, एम. के. गांधी, बी. आर. अब्देकर, एम. एन. राय ।
- पश्चत्य राजनैतिक चिन्तन : प्लेटो अरस्ट्र, मैकियावेली, हाब्स, लॉक, जॉन. एस. मिल, मार्क्स, ग्राम्स्की, हाना आरेन्ट ।

भारतीय शासन एवं राजनीतिक

- भारतीय राष्ट्रवाद;
- (क) भारत के स्वाधीनता संग्राम की राजनैतिक कार्यनीतियां; संविधानवाद से जन सत्याग्रह, असहयोग, सविनय अवज्ञा एवं भारत छोड़ो; उग्रवादी एवं क्रांतिकारी आंदोलन, किसान एवं कामगार आंदोलन ।
- (ख) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के परिप्रेक्ष्य : उदारवादी, समाजवादी एवं मार्क्सवादी; उग्र मानवतावादी एवं दलित ।
- भारत के संविधान का निर्माण : ब्रिटिस शासन का रिक्त; विभिन्न सामाजिक एवं राजनैतिक परिप्रेक्ष्य ।
- भारत के संविधान की प्रमुख विशेषताएं : प्रस्तावना, मौलिक अधिकार तथा कर्तव्य नीति निर्देशक सिद्धांत, संसदीय प्रणाली एवं संशोधन प्रक्रिया; न्यायिक पुनर्विलोकन एवं मूल संरचना सिद्धांत ।
- (क) संघ सरकार के प्रधान अंग : कार्यपालिका, विधायिका एवं सर्वोच्च न्यायालय की विचारित भूमिका एवं वास्तविक कार्य-प्रणाली ।
- (ख) राज्य सरकार के प्रधान अंग : कार्यपालिका, विधायिका एवं उच्च न्यायालयों की विचारित भूमिका एवं वास्तविक कार्य-प्रणाली ।
- आधारिक लोकतंत्र : पंचायती राज एवं नगर शासन; 73वें एवं 74वें संशोधनों का महत्व ; आधारिक आंदोलन ।
- सांविधिक संस्थाएं/आयोग : निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, वित्त आयोग, संघ लोक सेवा आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजातियां आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजातियां आयोग ।

महिला आयोग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ।

7. संघरण्य पद्धति : सांविधानिक उपबंध, केन्द्र राज्य संबंधों का बदलता स्वरूप, एकीकरणवादी प्रवृत्तियां एवं क्षेत्रीय आकांक्षाएं; अंतर-राज्य विवाद ।
8. योजना एवं आर्थिक विकास : नेहरूवादी एवं गांधीवादी परिप्रेक्ष्य, योजना की भूमिका एवं निजी क्षेत्र, हरित क्रांति भूमि सुधार एवं कृषि संबंध, उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार ।
9. भारतीय राजनीति में जाति, धर्म एवं नृजातीयता ।
10. दल प्रणाली : राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय राजनैतिक दल, दलों के वैचारिक एवं सामाजिक आधार, बहुदलीय राजनीति के स्वरूप, दबाव समूह, निर्वाचिक आचरण की प्रवृत्तियां, विधायकों के बदलते सामाजिक-आर्थिक स्वरूप ।
11. सामाजिक आंदोलन : नागरिक स्वतंत्रताएं एवं मानवाधिकार आंदोलन; महिला आंदोलन, पर्यावरण आंदोलन ।

प्रश्न-पत्र 2

तुलनात्मक राजनीति तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध

तुलनात्मक राजनैतिक विश्लेषण एवं अंतर्राष्ट्रीय राजनीति

1. तुलनात्मक राजनीति : स्वरूप एवं प्रमुख उपागम : राजनैतिक अर्थव्यवस्था एवं राजनैतिक समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य : तुलनात्मक प्रक्रिया की सीमाएं ।
2. तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में राज्य; पुंजीवादी एवं समाजवादी अर्थव्यवस्थाओं में राज्य के बदलते स्वरूप एवं उनकी विशेषताएं तथा उन्नत औद्योगिक एवं विकासशील समाज ।
3. राजनैतिक प्रतिनिधान एवं सहभागिता: उन्नत औद्योगिक एवं विकासशील सभाओं में राजनैतिक दल, दबाव समूह एवं सामाजिक आंदोलन ।
4. भूमंडलीकरण : विकसित एवं विकासशील समाजों से प्राप्त अनुक्रियाएं ।
5. अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन के उपागम : आदर्शवादी, यथार्थवादी, मार्क्सवादी, प्रकार्यवादी एवं प्रणाली सिद्धांत ।
6. अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में आधारभूत संकल्पनाएं : राष्ट्रीय हित, सुरक्षा एवं शक्ति; शक्ति संतुलन एवं प्रतिरोध; पर-राष्ट्रीय कर्ता एवं सामूहिक सुरक्षा; विश्व पूंजीवादी अर्थव्यवस्था एवं भूमंडलीकरण ।
7. बदलती अंतर्राष्ट्रीय राजनीति व्यवस्था :
 - (क) महाशक्तियों का उदय : कार्यनीतिक एवं वैचारिक द्विधुरोयता, शास्त्रीकरण की होड़ एवं शीत युद्ध; नाभिकीय खतरा ।
8. अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था का उद्भव : ब्रेटनवुड से विश्व व्यापार संगठन तक । समाजवादी अर्थव्यवस्थाएं तथा पारस्परिक आर्थिक सहायता परिषद (CMEA); नव अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था की तृतीय विश्व की मांग; विश्व अर्थव्यवस्था का भूमंडलीकरण ।
9. संयुक्त राष्ट्र : विचारित भूमिका एवं वास्तविक लेखा-जोखा;

विशेषीकृत संयुक्त राष्ट्र अभिकरण-सश्य एवं कार्यकरण; संयुक्त राष्ट्र सुधारों की आवश्यकता ।

10. विश्व राजनीति का क्षेत्रीयकरण : EU, ASEAN, APEC, SAARC, NAFTA ।
11. समकालीन वैश्विक सरोकार : सोकांत्र, मानवाधिकार, पर्यावरण, लिंग न्याय, आंतकवाद, नाभिकीय प्रसार ।

भारत तथा विश्व

1. भारत की विदेश नीति : विदेश नीति के निर्धारक, नीति निर्माण की संस्थाएं; निरंतरता एवं परिवर्तन ।
2. गुट निरपेक्षता आंदोलन को भारत का योगदान : विभिन्न चरण; वर्तमान भूमिका ।
3. भारत और दक्षिण एशिया :
 - (क) क्षेत्रीय सहयोग : SAARC—पिछले निष्पादन एवं भावी प्रत्याशाएं ।
 - (ख) दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र के रूप में ।

(ग) भारत की "पूर्व अभिमुख" नीति ।

(घ) क्षेत्रीय सहयोग की बाधाएं : नदी जल विवाद; अवैध सीमा पार उत्पावासन; नृजातीय दूंद एवं उपस्थ्व; सीमा विवाद ।

4. भारत एवं वैश्विक दक्षिण : अप्रीनीका एवं लातानी अमेरिका के साथ संबंध; एनआईआईओ एवं डब्ल्यूटीओ वार्ताओं के लिए आवश्यक नेतृत्व की भूमिका ।

5. भारत एवं वैश्विक शक्ति केन्द्र : संयुक्त राज्य अमेरिका; यूरोप संघ (ईयू); जापान, चीन और रूस ।

6. भारत एवं संयुक्त राष्ट्र प्रणाली : संयुक्त राष्ट्र शान्ति अनुरक्षण में भूमिका; सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यता की मांग ।

7. भारत एवं नाभिकीय प्रश्न : बदलते प्रत्यक्षण एवं नीति ।

8. भारतीय विदेश नीति में हाल के विकास : अफगानिस्तान में हाल के संकट पर भारत की स्थिति; इराक एवं पश्चिम एशिया; यूएस एवं इजराइल के साथ बढ़ते संबंध; नई विश्व व्यवस्था की दृष्टि ।

मनोविज्ञान

प्रश्न पत्र-I

मनोविज्ञान के आधार

1. परिचय :

मनोविज्ञान की परिभाषा : मनोविज्ञान का ऐतिहासिक पूर्ववृत्त एवं 21वीं शताब्दी में प्रवृत्तियाँ। मनोविज्ञान एवं वैज्ञानिक पद्धति, मनोविज्ञान का अन्य सामाजिक और प्राकृतिक विज्ञानों से संबंध; सामाजिक समस्याओं में मनोविज्ञान का अनुप्रयोग ।

2. मनोविज्ञान की पद्धति :

अनुसंधान के प्रकार-वर्णनात्मक, मूल्यांकनी, नैदानिक एवं पूर्वानुमानिक । अनुसंधान पद्धति; प्रेक्षण, सर्वेक्षण, व्यक्ति अध्ययन एवं प्रयोग; प्रयोगात्मक तथा अप्रयोगात्मक अभिकल्प की विशेषताएं । परीक्षण सदृश अभिकल्प; केन्द्रीय समूह चर्चा, विचारावेश, आधार सिद्धांत उपगम ।

3. अनुसंधान प्रणालियाँ :

मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में मुख्य चरण (समस्या कथन, प्रावकल्पना निरूपण, अनुसंधान अभिकल्प, प्रतिचयन, आंकड़ा संग्रह के उपकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या तथा विवरण लेखन)। मूल के विरुद्ध अनुप्रयुक्त अनुसंधान, आंकड़ा संग्रह की विधियाँ (साक्षात्कार, प्रेक्षण, प्रश्नावली), अनुसंधान अभिकल्प (कार्योत्तर एवं प्रयोगात्मक) सांखियकी प्रविधियों का अनुप्रयोग (टी-परीक्षण, द्विमार्गी एनोवा, सहसंबंध, समाश्रयण एवं फैक्टर विश्लेषण), मद अनुक्रिया सिद्धांत।

4. मानव व्यवहार का विकास :

बुद्धि एवं विकास; विकास के सिद्धांत, मानव व्यवहार को निर्धारित करने वाले आनुवंशिक एवं पर्यावरणीय कारकों की भूमिका; समाजीकरण में सांस्कृतिक प्रभाव; जीवन विस्तृति विकास; अभिलक्षण; विकासात्मक कार्य; जीवन विस्तृति के प्रमुख चरणों में मनोविज्ञानिक स्वास्थ्य का संवर्धन।

5. संवेदन, अवधान और प्रत्यक्षण :

संवेदन : सीमा की संकल्पना, निरपेक्ष एवं न्यूनतम बोध-भेद देहली, संकेत उपलंभन एवं सतर्कता; अवधान को प्रभावित करने वाले कारक जिसमें विन्यास एवं उद्दीपन अभिलक्षण शामिल हैं। प्रत्यक्षण की परिभाषा और संकल्पना, प्रत्यक्षण में जैविक कारक; प्रात्यक्षिक संगठन-पूर्व अनुभवों का प्रभाव; प्रात्यक्षिक रक्षा-सांतरण एवं गहनता प्रत्यक्ष को प्रभावित करने वाले कारक, आमाप आकलन एवं प्रात्यक्षिक तत्परता। प्रत्यक्षण की सुग्राहता, अंतीन्द्रिय प्रत्यक्षण, संस्कृति एवं प्रत्यक्षण, अवसीम प्रत्यक्षण।

6. अधिगम :

अधिगम की संकल्पना तथा सिद्धांत (व्यवहारवादी, गेस्टाल्टवादी एवं सूचना प्रक्रमण मॉडल)। विलोप, विभेद एवं सामान्यीकरण की प्रक्रियाएं; कार्यक्रमबद्ध अधिगम, प्रायिकता अधिगम, आत्म अनुदेशात्मक अधिगम; प्रबलीकरण की संकपनाएं, प्रकार एवं सारणियाँ; पलायन, परिहार एवं दण्ड, प्रतिरूपण एवं सामाजिक अधिगम।

7. स्मृति :

संकेतन एवं स्मरण; अल्पावधि स्मृति, दीर्घावधि स्मृति, संवेदी स्मृति प्रतिमापरक स्मृति, अनुसरण स्मृति, मल्टिस्टोर मॉडल, प्रक्रमण के स्तर; संगठन एवं स्मृति सुधार की स्मरणजनक तकनीकें; विस्मरण के सिद्धांत; क्षय व्यक्तिकरण एवं प्रत्यानयन विफलन; अधिस्मृति; स्मृतिलोप आधातोत्तर एवं अभिघातपूर्वी।

8. चिंतन एवं समस्या समाधान :

पियाजे का संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत; संकल्पना निर्माण प्रक्रम; सूचना प्रक्रमण तर्क एवं समस्या समाधान, समस्या समाधान में सहायक एवं बाधाकारी कारक, समस्या समाधान की विधियाँ: सूजनात्मक चिंतन एवं सूजनात्मकता का प्रतिपोषण; निर्णयन एवं प्रधिनिर्णय को प्रभावित करने वाले कारक; अभिनव प्रवित्तियाँ।

9. अभिप्रेरण तथा संवेदग :

अभिप्रेरण संयोग के मनोवैज्ञानिक एवं शरीरक्रियात्मक आधार, अभिप्रेरण तथा संवेदग का मापन; अभिप्रेरण एवं संवेदग का व्यवहार पर प्रभाव; बाहर एवं अंतर अभिप्रेरण; अंतर अभिप्रेरण को प्रभावित करने वाले कारक; संवेदगत्मक सक्षमता एवं संबंधित मुद्दे।

10. बुद्धि एवं अभिक्षमता :

बुद्धि एवं अभिक्षमता की संकल्पना, बुद्धि का स्वरूप एवं

सिद्धांत-स्पृश्यरैमैन, थर्सटन, गलफोर्ड बर्नार्न, स्टेशनबर्ग एवं जे. पी. दास; संवेदगात्मक बुद्धि, सामाजिक बुद्धि, बुद्धि एवं अभिक्षमता का मापन, बुद्धिलब्धि की संकल्पना, विचलन बुद्धिलब्धि, बुद्धिलब्धि स्थिरता; बहु बुद्धि का मापन; तरल बुद्धि एवं क्रिस्टलित बुद्धि।

11. व्यक्तित्व :

व्यक्तित्व की संकल्पना तथा परिभाषा; व्यक्तित्व के सिद्धांत (मनोविश्लेषणात्मक, सामाजिक-सांस्कृतिक, अंतरैयविक्तिक, विकासात्मक, मानवतावादी, व्यवहारवादी विशेष गुण एवं जाति उपागम); व्यक्तित्व का मापन (प्रक्षेपी परीक्षण, पैसिल-पैपर परीक्षण); व्यक्तित्व के प्रति भारतीय दृष्टिकोण; व्यक्तित्व विकास हेतु प्रशिक्षण। नवीनतम उपागम जैसे कि बिंग-5 फैक्टर सिद्धांत; विभिन्न परंपराओं में स्व का बोध।

12. अभिवृत्तियाँ, मूल्य एवं अधिरूपियाँ :

अभिवृत्तियाँ, मूल्यों एवं अभिरूपियों की परिभाषाएं; अभिवृत्तियों के घटक; अभिवृत्तियों का निर्माण एवं अनुरक्षण; अभिवृत्तियों, मूल्यों एवं अभिरूपियों का मापन। अभिवृत्ति परिवर्तन के सिद्धांत, मूल्य प्रतिपोषण की विधियाँ। रुद्ध धारणाओं एवं पूर्वाग्रहों का निर्माण, अन्य के व्यवहार को बदलना, गुणारोप के सिद्धांत, अभिनव प्रवृत्तियाँ।

13. भाषा एवं संज्ञापन :

मानव भाषा-गुण, संरचना एवं भाषागत सोपान; भाषा अर्जन-पूर्वानुकूलता, क्रांतिक अवधि, प्रावकल्पना; भाषा विकास के सिद्धांत (स्कीनर, चोम्स्की); संज्ञापन की प्रक्रिया एवं प्रकार; प्रभावपूर्ण संज्ञापन एवं प्रशिक्षण।

14. आधुनिक समकालीन मनोविज्ञान में मुद्दे एवं परिप्रेक्ष्य:

मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षण में कम्प्यूटर अनुप्रयोग; कृत्रिम बुद्धि; साइकोसाइबरनेटिक्स; चेतना-नींद-जागरण कार्यक्रमों का अध्ययन; स्वप्न उद्दीपनवंचन, ध्यान, हिप्नोटिक/औषध प्रेरित दशाएँ; अंतीन्द्रिय प्रत्यक्षण; अंतीन्द्रिय प्रत्यक्षण मिथ्याभास अध्ययन।

प्रश्न-पत्र II

मनोविज्ञान : विषय और अनुप्रयोग

1. व्यक्तिगत विभिन्नताओं का वैज्ञानिक मापन :

व्यक्तिगत विभिन्नताओं का सवरूप, मानकीकृत मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की विशेषताएँ और संरचना, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के प्रकार; मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के उपयोग, दुर्लप्योग तथा सीमाएँ। मनोवैज्ञानिक परीक्षाओं के प्रयोग में नीतिपरक विषय।

2. मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य तथा मानसिक विकार :

स्वास्थ्य-अस्वास्थ्य की संकल्पना, सकारात्मक स्वास्थ्य, कल्प्याण, मानसिक विकार (चिंता, विकार, मनःस्थिति विकार, सीजोफ्रेनियाँ तथा भ्रमिक विकार, व्यक्तित्व विकार, तात्त्विक दुर्व्यवहार विकार) मानसिक विकारों के कारक तत्व, सकारात्मक स्वास्थ्य, कल्प्याण, जीवनशैली तथा जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले कारक।

3. चिकित्सात्मक उपागम :

मनोगतिक चिकित्साएँ। व्यवहार चिकित्साएँ; रोगी केन्द्रित

चिकित्साएँ, संज्ञानात्मक चिकित्साएँ । देशी चिकित्साएँ (योग, ध्यान) जैव पुनर्निवेश चिकित्सा । मानसिक रुग्णता की रोकथाम तथा पुनर्स्थापना । क्रमिक स्वास्थ्य प्रतिपोषण ।

4. कार्यात्मक मनोविज्ञान तथा संगठनात्मक व्यवहार :

कार्मिक चयन तथा प्रशिक्षण । उद्योग में मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का उपयोग । प्रशिक्षण तथा मानव संसाधन विकास । कार्य-अभिप्रेरण सिद्धांत हर्ज वर्ग, मास्टो, एडम ईक्विटी सिद्धांत, पोर्टर एवं लावलर, ब्रुम; नेप्य तथा सहभागी प्रबंधन । विज्ञापन तथा विपणन । दबाव एवं इराका प्रबंधन; अप्रदक्षता शास्त्र, उपभोक्ता मनोविज्ञान, प्रबंधकीय प्रभाविता, रूपांतर एवं नेतृत्व, संवेदनशीलता प्रशिक्षण, संगठनों में शक्ति एवं राजनीति ।

5. शैक्षिक क्षेत्र में मनोविज्ञान का अनुप्रयोग :

अध्यापन-अध्ययन प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में मनोवैज्ञानिक सिद्धांत । अध्ययन शैलियाँ । प्रदत्त मदक, अध्ययन-हेतु-अक्षम और उनका प्रशिक्षण । स्मृति शक्ति बढ़ाने तथा बेहतर शैक्षणिक उपलब्धि के लिए प्रशिक्षण । व्यक्तित्व विकास तथा मूल्य शिक्षा । शैक्षिक, व्यावसायिक मार्गदर्शन तथा जीविकोपा जैन परामर्श । शैक्षिक संस्थाओं में मनोवैज्ञानिक परीक्षण । मार्गदर्शन कार्यक्रमों में प्रभावी कार्यनीतियाँ ।

6. सामुदायिक मनोविज्ञान

सामुदायिक मनोविज्ञान के प्ररिभाषा और संकल्पना । सामाजिक कार्यकलाप में छोटे समूहों की उप-प्रोत्तियाँ । सामाजिक चेतना की जागृति और सामाजिक समस्याओं को सुलझाने की कार्यवाही । सामाजिक परिवर्तन के लिए सामूहिक निर्णय लेना और नेतृत्व प्रदान करना । सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रभावी कार्य नीतियाँ ।

7. पुनर्वास मनोविज्ञान

प्राथमिक, माध्यमिक तथा तृतीयक निवारण का कार्यक्रम । मनोवैज्ञानिकों की धूमिका-शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक रूप से चुनौती प्राप्त व्यक्तियों, जैसे वृद्ध व्यक्तियों, के पुनर्वासन के लिए सेवाओं का आयोजन । पदार्थ दुरुपयोग, किशोर अपराध, आपराधिक व्यवहार से पीड़ित व्यक्तियों का पुनर्वास । हिंसा के शिकार व्यक्तियों का पुनर्वास । HIV/AIDS रोगियों का पुनर्वास । सामाजिक अभिकरणों की भूमिका ।

8. सुविधावंचित समूहों पर मनोविज्ञान का अनुप्रयोग

सुविधावंचित, चांचित की संकल्पनाएँ, सुविधावंचित तथा चांचित समूहों के सामाजिक, धौतिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक परिणाम । सुविधावंचितों का विकास की ओर शिक्षण तथा अभिप्रेरण । सापेक्ष एवं दीर्घकालिक व्यवहार ।

9. सामाजिक एकीकरण की मनोवैज्ञानिक समस्या

सामाजिक एकीकरण की संकल्पना । जाति, वर्ग, धर्म, भाषा विवादों और पुरुषांग की समस्या । अंतसमूह तथा बहिसमूह के बीच पूर्वांग्रह का स्वरूप तथा अभिव्यक्ति । ऐसे विवादों और पूर्वांग्रहों के कारक तत्व । विवादों और पूर्वांग्रहों से निपटने के लिए मनोवैज्ञानिक नीतियाँ । सामाजिक एकीकरण पाने के उपाय ।

10. सूचना प्रौद्योगिकी और जनसंचार में मनोविज्ञान का अनुप्रयोग

सूचना प्रौद्योगिकी और जन-संचार-गूंज का वर्तमान परिदृश्य और

मनोवैज्ञानिकों की भूमिका । सूचना प्रौद्योगिकी और जन-संचार क्षेत्र में कार्य के लिए मनोवैज्ञान व्यवसायियों का चयन और प्रशिक्षण । सूचना प्रौद्योगिकी और जन-संचार माध्यम से दूरदर्शन विषय । ई-कॉमर्स के द्वारा उद्यमशीलता । बहुस्तरीय विपणन, दूरस्थ का प्रभाव एवं सूचना प्रौद्योगिकी और जन-संचार के द्वारा मूल्य प्रतिपोषण । सूचना प्रौद्योगिकी में अधिनव विकास के मनोवैज्ञानिक परिणाम ।

11. मनोविज्ञान तथा आर्थिक विकास

उपलब्धि, अभिप्रेरण तथा आर्थिक विकास । उद्यमशील व्यवहार की विशेषताएँ । उद्यमशीलता तथा आर्थिक विकास के लिए लोगों का अभिप्रेरण तथा प्रशिक्षण । उपभोक्ता अधिकार तथा उपभोक्ता संचेतना । महिला उद्यमियों समेत युवाओं में उद्यमशीलता के संवर्धन के लिए सरकारी नीतियाँ ।

12. पर्यावरण तथा संबद्ध-क्षेत्रों में मनोविज्ञान का अनुप्रयोग

पर्यावरणीय मनोविज्ञान व्यवहार के लिए रक्षा कार्मिकों के लिए मनोवैज्ञानिक परिषदों की रचना । सकारात्मक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए रक्षा कार्मिकों के साथ कार्य करने के लिए मनोवैज्ञानिकों का प्रशिक्षण; रक्षा में मानव-इंजीनियरी ।

13. मनोविज्ञान के अन्य अनुप्रयोग

(क) सैन्य मनोविज्ञान

चयन, प्रशिक्षण, परामर्श में प्रयोग के लिए रक्षा कार्मिकों के लिए मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की रचना; सकारात्मक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए रक्षा कार्मिकों के साथ कार्य करने के लिए मनोवैज्ञानिकों का प्रशिक्षण; रक्षा में मानव-इंजीनियरी ।

(ख) खेल मनोविज्ञान

एथलीटों एवं खेलों के निष्पादन में सुधार में मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप; व्यायिक एवं टीम खेलों में भाग लेने वाले व्यक्ति ।

(ग) समाजोन्मुख एवं समाजविरोधी व्यवहार पर संचार माध्यमों का प्रभाव,

(घ) आतंकवाद का मनोविज्ञान ।

14. लिंग का मनोविज्ञान

भेदभाव के मुद्दे, विविधता का प्रबंधन; ग्लोब सीरिंग प्रभाव, स्वतः साधक विविध्योक्ति, नारी एवं भारतीय समाज ।

लोक प्रशासन

प्रशन पत्र-1

प्रशासनिक सिद्धांत

1. प्रस्तावना

लोक प्रशासन का अर्थ, विस्तार तथा महत्व, विल्सन के दृष्टिकोण से लोक प्रशासन विषय का विकास तथा इसकी वर्तमान स्थिति; नया लोक प्रशासन, लोक विकल्प उपाय, उदारीकरण की चुनौतियाँ, निजीकरण भूमिकाएँ; अच्छा अभिशासन अवधारणा तथा अनुप्रयोग; नया लोक प्रबंध ।

2. प्रशासनिक वित्तन

वैज्ञानिक प्रबंध और वैज्ञानिक प्रबंध आंदोलन, कलासिकी सिद्धांत, वेबर का नौकरशाही मॉडल, उसकी आलोचना और वेबर पश्चात् का विकास, गतिशील प्रशासन (मेवों पार्कर फॉले) मानव संबंध स्कूल (एल्टोन मेयो तथा अन्य); कार्यपालिका के कार्य (सी आई बर्नार्ड), साइमन निर्णयन सिद्धांत, भागीदारी प्रबंध (मैक ग्रेगर, आर लिकर्ट, सी आर्जीरिस)।

3. प्रशासनिक व्यवहार

निर्णयन प्रक्रिया एवं तकनीक, संचार, मनोबल, प्रेरणा सिद्धांत-अंतर्वस्तु, प्रक्रिया एवं समकालीन; नेतृत्व सिद्धांत; पारंपरिक एवं आधुनिक।

4. संगठन

सिद्धांत-प्रणाली, प्रसंगिकता, संरचना एवं रूप, मंत्रालय तथा विभाग, निगम, कंपनियां, बोर्ड तथा आयोग-तदर्थ तथा परामर्शदाता निकाय मुख्यालय तथा क्षेत्रीय संबंध; नियामक प्राधिकारी; लोक-निजी भागीदारी।

5. उत्तरदायित्व तथा नियंत्रण

उत्तरदायित्व और नियंत्रण की संकल्पनाएं, प्रशासन पर विधायी, कार्यकारी और न्यायिक नियंत्रण। नागरिक तथा प्रशासन, मीकेड्या की भूमिका, हित समूह, स्वैच्छिक संगठन, सिविल समाज, नागरिकों का अधिकार-पत्र (चार्टर)। सूचना का अधिकार, सामाजिक लेखा परीक्षा।

6. प्रशासनिक कानून :

अर्थ, विस्तार और महत्व, प्रशासनिक विधि पर Dicey, प्रत्यायोजित विधान प्रशासनिक अधिकरण।

7. तुलनात्मक लोक प्रशासन :

प्रशासनिक प्रणालियों पर प्रभाव डालने वाले ऐतिहासिक एवं समाज वैज्ञानिक कारक; विभिन्न देशों में प्रशासन एवं राजनीति; तुलनात्मक लोक प्रशासन की अद्यतन स्थिति; पारिस्थितिकी एवं प्रशासन; रिंगियन मॉडल एवं उनके आलोचक।

8. विकास गतिकी :

विकास की संकल्पना; विकास प्रशासन की बदलती परिच्छेदिका; विकास विरोधी अभिधारण; नौकरशाही एवं विकास; शक्तिशाली राज्य बनाम बाजार विवाद; विकासशील देशों में प्रशासन पर उदारीकरण का प्रभाव; महिला एवं विकास स्वसहायता समूह आंदोलन।

9. कार्यिक प्रशासन :

मानव संसाधन विकास का महत्व, भर्ती प्रशिक्षण, जीविका विकास, हैसियत वर्गीकरण, अनुशासन, निष्पादन मूल्यांकन, पदोन्नति, वेतन तथा सेवा शर्त, नियोक्ता-कर्मचारी संबंध, शिकायत निवारण क्रिया विधि, आचरण संहिता, प्रशासनिक आचार-नीति।

10. लोकनीति :

नीति निर्माण के माडल एवं उनके आलोचक; संप्रत्ययीकरण की प्रक्रियाएं, आयोजना, कार्यान्वयन, मनीटरन, मूल्यांकन एवं पुनरीक्षा एवं उनकी सीमाएं; राज्य सिद्धांत एवं लोकनीति सूत्रण।

11. प्रशासनिक सुधार तकनीकें :

संगठन एवं पद्धति, कार्य अध्ययन एवं कार्य प्रबंधन, ई-गवर्नेंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी; प्रबंधन सहायता उपकरण जैसे कि नेटवर्क विश्लेषण, MIS, PERT, CPM

12. वित्तीय प्रशासन :

वित्तीय तथा राजकोषीय नीतियां, लोक उधार ग्रहण तथा लोक ऋण। बजट प्रकार एवं रूप बजट-प्रक्रिया, वित्तीय जबाबदेही, लेखा तथा लेखा परीक्षा।

प्रश्न पत्र-2

भारतीय प्रशासन

1. भारतीय प्रशासन का विकास :

कौटिल्य का अर्थशास्त्र; मुगल प्रशासन; राजनीति एवं प्रशासन में ब्रिटिश शासन का रिक्त लोक सेवाओं का भारतीयकरण, राजस्व प्रशासन, जिला प्रशासन, स्थानीय स्वशासन।

2. सरकार का दार्शनिक एवं सांविधानिक ढाचा :

प्रमुख विशेषताएं एवं मूल्य आधारिकाएं; संविधानवाद; राजनैतिक संस्कृति; नौकरशाही एवं लोकतंत्र; नौकरशाही एवं विकास।

3. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम :

आधुनिक भारत में सार्वजनिक क्षेत्र; सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के रूप; स्वायत्ता, जबाबदेही एवं नियंत्रण की समस्याएं; उदारीकरण एवं निजीकरण का प्रभाव।

4. संघ सरकार एवं प्रशासन :

कार्यपालिका, संसद, विधायिका-संरचना, कार्य, कार्य प्रक्रियाएं; हाल की प्रवृत्तियां; अंतर-शासकीय संबंध; कैबिनेट सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय; केन्द्रीय सचिवालय; मंत्रालय एवं विभाग; बोर्ड, आयोग, संबद्ध कार्यालय; क्षेत्र संगठन।

5. योजनाएं एवं प्राथमिकताएं :

योजना मशीनरी; योजना आयोग एवं राष्ट्रीय विकास परिषद की भूमिका, रचना एवं कार्य; संकेतात्मक आयोजना; संघ एवं राज्य स्तर पर योजना निर्माण प्रक्रिया संविधान संशोधन (1992) एवं आर्थिक विकास तथा सामाजिक न्याय हेतु विकेन्द्रीकरण आयोजना।

6. राज्य सरकार एवं प्रशासन :

संघ-राज्य प्रशासनिक, विधायी एवं वित्तीय संबंध; वित्त आयोग की भूमिका; राज्यपाल; मुख्यमंत्री, मौत्रिपरिषद; मुख्य सचिव; राज्य सचिवालय; निदेशालय।

7. स्वतंत्रता के बाद से जिला प्रशासन :

कलेक्टर की बदलती भूमिका; संघ-राज्य-स्थानीय संबंध; विकास प्रबंध एवं विधि एवं अन्य प्रशासन के विध्यर्थ; जिला प्रशासन एवं लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण।

8. सिविल सेवाएं :

सांविधानिक स्थिति; संरचना, भर्ती, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण;

सुशासन के पहल; आचरण संहिता एवं अनुशासन; कर्मचारी संघ; राजनीतिक अधिकार; शिक्षायत निवारण क्रियाविधि; सिविल सेवा की तटस्थिता; सिविल सेवा सक्रियतावाद।

9. वित्तीय प्रबंध

राजनीतिक उपकरण के रूप में बजट; लोक व्यय पर संसदीय नियंत्रण; मौद्रिक एवं राजकोषीय क्षेत्र में वित्त मंत्रालय की भूमिका; लेखाकार तकनीक; लेखापरीक्षा; लेखा महानियंत्रक एवं भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की भूमिका।

10. स्वतंत्रता के बाद से हुए प्रशासनिक सुधार

प्रमुख सरोकार; महत्वपूर्ण समितियां एवं आयोग; वित्तीय प्रबंध एवं मानव संसाधन विकास में हुए सुधार; कार्यान्वयन की समस्याएं।

11. ग्रामीण विकास

स्वतंत्रता के बाद से संस्थान एवं अधिकरण; ग्रामीण विकास कार्यक्रम, फोकस एवं कार्यनीतियां; विकेन्द्रीकरण पंचायती राज; 73वां संविधान संशोधन।

12. नगरीय स्थानीय शासन

नगरपालिका शासन; मुख्य विशेषताएं, संरचना, वित्त एवं समस्या क्षेत्र, 74वां संविधान संशोधन; विश्वव्यापी स्थानीय विवाद; नया स्थानिकतावाद; विकास गतिकी; नगर प्रबंध के विशेष संदर्भ में राजनीतिक एवं प्रशासन।

13. कानून व्यवस्था प्रशासन

ब्रिटिश रिक्ष; राष्ट्रीय पुलिस आयोग; जांच अधिकरण; विधि व्यवस्था बनाए रखने तथा उपलब्ध एवं आतंकवाद का सामना करने में पैरामिलिट्री बलों समेत केन्द्रीय एवं राज्य अधिकरणों की भूमिका; राजनीतिक एवं प्रशासन का अपराधीकरण; पुलिस लोक संबंध; पुलिस में सुधार।

14. भारतीय प्रशासन में महत्वपूर्ण मुद्दे

लोक सेवा में मूल्य; नियमक आयोग; राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग; बहुदलीय शासन प्रणाली में प्रशासन की समस्याएं; नागरिक प्रशासन अंतराफलक; भ्रष्टाचार एवं प्रशासन; विपदा प्रबंधन।

समाज शास्त्र

प्रश्न पत्र-1

समाजशास्त्र के मूलभूत सिद्धांत

1. समाजशास्त्र : विद्या शाखा

- (क) यूरोप में आधुनिकता एवं सामाजिक परिवर्तन तथा समाजशास्त्र का आविर्भाव।
- (ख) समाजशास्त्र का विषय-क्षेत्र एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों से इसकी तुलना।
- (ग) समाजशास्त्र एवं सामान्य बोध।

2. समाजशास्त्र विज्ञान के रूप में

- (क) विज्ञान, वैज्ञानिक पद्धति एवं समीक्षा
- (ख) अनुसंधान क्रियाविधि के प्रमुख सैद्धांतिक तत्त्व

(ग) प्रत्यक्षवाद एवं इसकी समीक्षा

(घ) तथ्य, मूल्य एवं उद्देश्यपरकता

(ङ.) अ-प्रत्यक्षवादी क्रियाविधियाँ

3. अनुसंधान पद्धतियां एवं विश्लेषण

(क) गुणात्मक एवं मात्रात्मक पद्धतियाँ

(ख) दत्त संग्रहण की तकनीक

(ग) परिवर्त, प्रतिचयन प्रावकल्पना, विश्वसनीयता एवं वैधता।

4. समाजशास्त्री चिंतक

(क) कार्लमार्क्स : ऐतिहासिक भौतिकवाद, उत्पादन विधि, विसंबंधन, वर्ग संघर्ष।

(ख) इमाइल दुर्खीम : श्रम विभाजन, सामाजिक तथ्य, आत्महत्या धर्म एवं समाज।

(ग) मैक्स वेबर : सामाजिक क्रिया, आदर्श प्ररूप, सत्ता, अधिकारी तंत्र, प्रोटेस्टैंट नीतिशास्त्र और पूँजीवाद की भावना।

(घ) तालकॉट पर्सन्स : सामाजिक व्यवस्था, प्रतिरूप परिवर्त।

(ङ.) रॉबर्ट के मर्टन : अव्यक्त तथा अभिव्यक्त प्रकार्य, अनुरूपता एवं विसामान्यता, संदर्भ समूह

(च) मीड : आत्म एवं तादात्म्य

5. स्तरीकरण एवं गतिशीलता

(क) संकल्पनाएं-समानता, असमानता, अधिक्रम, अपवर्जन, गरीबी एवं वंचन।

(ख) सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धांत-संरचनात्मक प्रकार्यवादी सिद्धांत, मार्क्सवादी सिद्धांत, वेबर का सिद्धांत।

(ग) आयाम-वर्ग, स्थिति समूहों, लिंग, नृजातीयता एवं प्रजाति का सामाजिक स्तरीकरण।

(घ) सामाजिक गतिशीलता-खुली एवं बंद व्यवस्थाएं, गतिशीलता के प्रकार, गतिशीलता के स्रोत एवं कारण।

6. कार्य एवं आर्थिक जीवन

(क) विभिन्न प्रकार के समाजों में कार्य का सामाजिक संगठन-दास समाज, सामंती समाज, औद्योगिक/पूँजीवादी समाज।

(ख) कार्य का औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन।

(ग) श्रम एवं समाज

7. राजनीति एवं समाज

(क) सत्ता के समाजशास्त्रीय सिद्धांत।

(ख) सत्ता प्रवर्जन, अधिकारीतंत्र, दबाव समूह, राजनैतिक दल।

(ग) राष्ट्र, राज्य, नागरिकता, लोकतंत्र, सिविल समाज, विचार धारा।

(घ) विरोध, आंदोलन, सामाजिक आंदोलन, सामूहिक क्रिया, क्रांति ।

8. धर्म एवं समाज

(क) धर्म के समाजशास्त्रीय सिद्धांत ।
 (ख) धार्मिक कर्म के प्रकार : जीववाद, एकतत्त्ववाद, बहुतत्त्ववाद पंथ, उपासना पद्धतियाँ ।
 (ग) आधुनिक समाज में धर्म : धर्म एवं विज्ञान, धर्मनिरपेक्षीकरण, धार्मिक पुनःप्रवर्तनवाद, मूलतत्त्ववाद ।

9. नातेदारी की व्यवस्थाएँ

(क) परिवार, गृहस्थी, विवाह ।
 (ख) परिवार के प्रकार एवं रूप ।
 (ग) वंश एवं वंशानुक्रम ।
 (घ) पितृतंत्र एवं श्रम लिंगाधारित विभाजन ।
 (ङ) समसामयिक प्रवृत्तियाँ ।

10. आधुनिक समाज में सामाजिक परिवर्तन

(क) सामाजिक परिवर्तन के समाजशास्त्रीय सिद्धांत ।
 (ख) विकास एवं पराश्रितता ।
 (ग) सामाजिक परिवर्तन के कारक ।
 (घ) शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन ।
 (ङ) विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक परिवर्तन ।

प्रश्न पत्र-II

भारतीय समाज : संरचना एवं परिवर्तन

क. भारतीय समाज का परिचय

(i) भारतीय समाज के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य
 (क) भारतीय विद्या (जी. एस. धुर्यो) ।
 (ख) संरचनात्मक प्रकार्यवाद (एम. एन. श्रीनिवास) ।
 (ग) मार्क्सवादी समाजशास्त्र (ए. आर. देसाई) ।
 (ii) भारतीय समाज पर औपनिवेशिक शासन का प्रभाव
 (क) भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि ।
 (ख) भारतीय परंपरा का आधुनिकीकरण ।
 (ग) औपनिवेशिक काल के दौरान विरोध एवं आंदोलन ।
 (घ) सामाजिक सुधार ।

ख. सामाजिक संरचना

(i) ग्रामीण एवं कृषिक सामाजिक संरचना
 (क) भारतीय ग्राम का विचार एवं ग्राम अध्ययन ।
 (ख) कृषिक सामाजिक संरचना-पट्टेदारी प्रणाली का विकास, भूमि सुधार ।

(ii) जाति व्यवस्था

(क) जाति व्यवस्था के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य-(जी. एस. धुर्यो, एम. एन. श्रीनिवास, लुई द्यूमां, आन्द्रे बेतेय) ।

(ख) जाति व्यवस्था के अभिलक्षण ।

(ग) अस्युश्यता-रूप एवं परिप्रेक्ष्य ।

(iii) भारत में जनजातीय समुदाय

(क) परिभाषीय समस्याएँ ।

(ख) भौगोलिक विस्तार ।

(ग) औपनिवेशिक नीतियाँ एवं जनजातियाँ ।

(घ) एकीकरण एवं स्वायत्त्व के मुद्दे ।

(iv) भारत में सामाजिक वर्ग

(क) कृषिक वर्ग संरचना ।

(ख) औद्योगिक वर्ग संरचना ।

(ग) भारत में मध्यम वर्ग ।

(v) भारत में नातेदारी की व्यवस्थाएँ

(क) भारत में वंश एवं वंशानुक्रम ।

(ख) नातेदारी व्यवस्थाओं के प्रकार ।

(ग) भारत में परिवार एवं विवाह ।

(घ) परिवार घरेलू आयाम ।

(ङ) पितृतंत्र, हकदारी एवं श्रम का लिंगाधारित विभाजन ।

(vi) धर्म एवं समाज

(क) भारत में धार्मिक समुदाय

(ख) धार्मिक अल्पसंख्यकों की समस्याएँ ।

ग. भारत में सामाजिक परिवर्तन

(i) भारत में सामाजिक परिवर्तन की दृष्टियाँ

(क) विकास आयोजना एवं मिश्रित अर्थव्यवस्था का विचार ।

(ख) संविधान, विधि एवं सामाजिक परिवर्तन ।

(ग) शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन ।

(ii) भारत में ग्रामीण एवं कृषिक रूपांतरण

(क) ग्रामीण विकास कार्यक्रम, समुदाय विकास कार्यक्रम, सहकारी संस्थाएँ, गरीबी उन्मूलन योजनाएँ ।

(ख) हरित क्रांति एवं सामाजिक परिवर्तन ।

(ग) भारतीय कृषि में उत्पादन की बदलती विधियाँ ।

(घ) ग्रामीण मजदूर, बैंधुआ एवं प्रवासन की समस्याएँ ।

(iii) भारत में औद्योगिकीकरण एवं नगरीकरण

(क) भारत में आधुनिक उद्योग का विकास ।

- (ख) भारत में नगरीय बस्तियों की वृद्धि ।
- (ग) श्रमिक वर्ग : संरचना, वृद्धि, वर्ग संघटन ।
- (घ) अनौपचारिक क्षेत्रक, बाल श्रमिक ।
- (ङ) नगरीय क्षेत्रों में गंदी बस्ती एवं वंचन ।
- (iv) राजनीति एवं समाज
- (क) राष्ट्र, लोकतंत्र एवं नागरिकता ।
- (ख) राजनैतिक दल, दबाव समूह, सामाजिक एवं राजनैतिक प्रवरजन ।
- (ग) क्षेत्रीयतावाद एवं सत्ता का विकेन्द्रीयकरण ।
- (घ) धर्मनिरपेक्षीकरण ।
- (v) आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन
- (क) कृषक एवं किसान आंदोलन ।
- (ख) महिला आंदोलन ।
- (ग) पिछड़ा वर्ग एवं दलित आंदोलन ।
- (घ) पर्यावरणीय आंदोलन ।
- (ङ) नृजातीयता एवं अभिज्ञान आंदोलन ।
- (vi) जनसंख्या गतिकी
- (क) जनसंख्या आकार, वृद्धि संघटन एवं वितरण ।
- (ख) जनसंख्या वृद्धि के घटक : जन्म, मृत्यु, प्रवासन ।
- (ग) जनसंख्या नीति एवं परिवार नियोजन ।
- (घ) उभरते हुए मुद्दे : कालप्रभावन, तिंग अनुपात, बाल एवं शिशु मृत्युदर, जनन स्वास्थ्य ।
- (vii) सामाजिक रूपांतरण की चुनौतियाँ
- (क) विकास का संकट : विस्थापन, पर्यावरणीय समस्याएं एवं संपोषणीयता ।
- (ख) गरीबी, वंचन एवं असमानताएं।
- (ग) स्त्रियों के प्रति हिंसा ।
- (घ) जाति द्वन्द्व ।
- (ङ) नृजातीय द्वन्द्व, सांप्रदायिकता, धार्मिक पुनःप्रवर्तनवाद ।
- (च) असाक्षरता तथा शिक्षा में असमानताएं ।

सांख्यिकी

प्रश्न पत्र-1

प्रायिकता

प्रतिदर्श समष्टि एवं अनुवृत्त, प्रायिकता माप एवं प्रायिकता समष्टि, मेयफलन के रूप में यादृच्छिक चर, यादृच्छिक चर का बंटन फलन, असंतत एवं संतत-प्ररूप यादृच्छिकचर, प्रायिकता द्रव्यमान फलन, प्रायिकता घनत्व-फलन, सदिशमान यादृच्छिचर, उपांत एवं सप्रतिबंध बंटन, अनुवृत्तों का एवं यादृच्छिक चरों का

प्रसंभाव्य स्वातंत्र्य, यादृच्छिक चर की प्रत्याशा एवं आधूर्ण, सप्रतिबंध प्रत्याशा, यादृच्छिक चर का p/h माध्य में, एवं लगभग हर जगह, उनका निकर्ष एवं अंतसंबंध, शेबीशेव असमिका तथा छिशिन का बृहद् संख्याओं का दुर्बल नियम, बृहद् संख्याओं का प्रबल नियम एवं कोल्मोगोरोफ प्रमेय, प्रायिकता जनन पुलन, आधूर्ण जनन फलन, अभिलक्षण फलन, प्रतिलोमन प्रमेय, केंद्रीय सीमा प्रमेय के लिंडरवर्ग एवं लेबी प्ररूप, मानक असंतत एवं संतत प्रायिकता बंटन ।

सांख्यिकीय अनुमिति

संगति, अनभिनतता, दक्षता, पूर्णता, सहायक आँकड़े, गुणखंडन-प्रमेय, बंटन चरघाताकी कुल और इसके गुणधर्म, एकसमान अल्पतम-प्रसरण अनभिनत (UMVU) आकलन, राब-ब्लैकवेल एवं लेहमैन-शीफ प्रमेय, एकल प्राचल के लिए क्रोमर-राव असमिका, आधूर्ण विधियों द्वारा आकलन, अधिकतम संभाविता, अल्पतम वर्ग, न्यूनतम काई-वर्ग एवं रूपांतरित न्यूनतम काई-वर्ग, अधिकतम संभाविता एवं अन्य आकलकों के गुणधर्म, उपगामी दक्षता, पूर्व एवं पश्च बंटन, हानि फलन, जोखिम फलन तथा अल्पमहिष्ठ आकलक, बेज आकलक अयादृच्छिकीकृत तथा यादृच्छिकीकृत परीक्षण, क्रांतिक फलन, MP परीक्षण, नेमैन-पिअर्सन प्रमेयिका, UMPU परीक्षण, एकदिष्ट संभाविता अनुपात, समरूप एवं अनभिनत परीक्षण, एकल प्राचल के लिए UMPU परीक्षण, संभाविता अनुपात परीक्षण एवं इसका उपगामी बंटन । विश्वास्यता परिबंध एवं परीक्षणों के साथ इसका संबंध ।

समंजन-सुष्ठुता एवं इसकी संगति के लिए कोल्मोगोरोफ परीक्षण, चिह्न परीक्षण एवं इसका इष्टमत्व । विलकॉक्सन चिह्नित-कोटि परीक्षण एवं इसकी संगति, कोल्मोगोरोफ-स्मिरनोफ ट्रि-प्रतिदर्श परीक्षण, रन परीक्षण, विलकॉक्सन-मैन विटनी परीक्षण एवं माध्यिका परीक्षण, उनकी संगति तथा उपगामी प्रसामान्यता ।

बाल्ड का SPRT एवं इसके गुणधर्म, बर्नूली, च्वासों, प्रसामान्य एवं चरघाताकी बंटनों के लिए प्राचलों के बारे में परीक्षणों के लिए OC एवं ANS फलन । बाल्ड का मूल तत्समक ।

रैखिक अनुमिति एवं बहुचर विश्लेषण

रैखिक सांख्यिकीय निर्दर्श, न्यूनतमवर्ग सिद्धांत एवं प्रसरण विश्लेषण, मॉस-मारकोफ सिद्धांत, प्रसामान्य समीकरण, न्यूनतमवर्ग आंकलन एवं उनकी परिशुद्धता, एकमार्गी, द्विमार्गी एवं त्रिमार्गी वर्गीकृत न्यास में न्यूनतमवर्ग सिद्धांत पर आधारित अंतराल आकल तथा सार्थकता परीक्षण, समाश्रयण, विश्लेषण रैखिक समाश्रयण वक्ररेखी समाश्रयण एवं लांबिक बहुपद, बहुसमाश्रयण, बहु एवं आशिक सहसंबंध, प्रसरण एवं सहप्रसारण घटक आकलन, बहुचर प्रसामान्य बंटन, महलनोबिस¹² एवं हॉटेलिंग¹³ आँकड़े तथा उनका अनुप्रयोग एवं गुणधर्म, विविक्तकर विश्लेषण, विहित सहसंबंध, मुख्य घटक विश्लेषण ।

प्रतिचयन सिद्धांत एवं प्रयोग अधिकल्प

स्थिर-समविष्ट एवं अधि-समष्टि उपगामों की रूपरेखा, परिमित समष्टि प्रतिचयन के विविक्तकारी लक्षण, प्रायिकता प्रतिचयन अभिकल्प, प्रतिस्थापन के साथ या उसके बिना सरल यादृच्छिक प्रतिचयन, स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन, क्रमबद्ध प्रतिचयन एवं इसकी क्षमता, गुच्छ प्रतिचयन, द्विचरण एवं बहुचरण प्रतिचयन, एक या दो सहायक चर शामिल करते हुए आंकलन की अनुपात एवं समाश्रयण विधियाँ, द्विप्रावस्था प्रतिचयन,

प्रतिस्थापन के साथ या उसके बिना आमाप आनुपातिक प्रायिकता, हैंसेन-हरविट्ज एवं हॉरविट्ज-थॉम्पसन आंकलन, हॉरविट्ज-थॉम्पसन, आंकलन के संदर्भ में इधेतर प्रसरण आंकलन, अप्रतिचयन त्रुटियाँ। नियम प्रभाव निर्दर्श (द्विमार्गी वर्गीकरण) यांच्छिक एवं मिश्रित प्रभाव निर्दर्श (प्रतिसेल समान प्रेक्षण के साथ द्विमार्गी वर्गीकरण) CRD, RBD, LSD एवं उनके विश्लेषण, अपूर्ण छलांक अभिकल्प, लांबिकता एवं संतुलन की संकल्पनाएं, BIBD, अप्राप्त क्षेत्रक प्रविधि, बहु-उत्पादनी प्रयोग तथा बहु-उत्पादनी प्रयोग में 2^n एवं 3^2 संकरण, विभक्त क्षेत्र एवं सरल जालक अभिकल्पना, आंकड़ा रूपांतरण डंकन का बहुपरासी परीक्षण।

प्रश्न पत्र-II

I. औद्योगिक सांख्यिकी

प्रक्रिया एवं उत्पाद नियंत्रण, नियंत्रण, चार्टों का सामान्य सिद्धांत, चरों एवं गुणों के लिए विभिन्न प्रकार के नियंत्रण चार्ट, X, R, s, p, np एवं C-चार्ट, संचयी योग चार्ट। गुणों के लिए एक्शन, द्विश-बहुक एवं अनुक्रमिक प्रतिचयन योजनाएं, OC, ASN, AOQ एवं ATI वक्र, उत्पादक एवं उपभोक्ता जोखिम की संकल्पनाएं, AQL, LT/RD एवं AOQL चरों के लिए प्रतिचयन योजना, डॉज-रोमिंग सारणियों वज्र प्रयोग।

विश्वास्यता की संकल्पना, विफलता दर एवं क्षिप्रास्यता फलन, श्रेणियों, समांतर प्रणालियों एवं अन्य सरल विन्यासों की विश्वास्यता, नवीकरण घनत्व एवं नवीकरण फलन, विफलता प्रतिदर्श : चरघातांकी, योबुल, प्रसामान्य, लॉग प्रसामान्य।

आयु परीक्षण में समस्याएं, चरघतांकी निर्देशों के लिए खंडवर्जित एवं रूपित प्रयोग।

II. इष्टतमीकरण प्रविधियाँ

संक्रिया विज्ञान में विभिन्न प्रकार के निर्दर्श, उनकी रचना एवं हल की सामान्य विधियाँ, अनुकर एवं मॉटे-कालों विधियाँ, रैखिक प्रोग्रामन (LP) समस्या का सूक्षीकरण, सरल LP निर्दर्श एवं इसका असूखीय हल, प्रसमुच्चय प्रक्रिया, कृत्रिम चरों के साथ M-प्रविधि एवं द्विशस्था विधि, LP का हैथ प्रिद्धांत एवं इसकी आर्थिक विवक्षा, सुग्राहिता विश्लेषण, परिवहन एवं नियन्त्रण समस्या, आयतीत खेल, दो-व्यक्ति शून्य योग खेल, हल विधियाँ (आलेखीय एवं बीजीय)।

हासशील एवं विकृत मदों का प्रतिस्थापन, समूह एवं व्यांक प्रतिस्थापन नीतियाँ, वैज्ञानिक सामग्री-सूची प्रबंधन की संकल्पना एवं सामग्री सूची समस्याओं की विश्लेषी संरचना, अग्रता काल के साथ या उसके बिना निर्धारणात्मक एवं प्रसंभाव्य मांगों के साथ सरल निर्दर्श डैम प्ररूप के विशेष संदर्भ के साथ भंडारण निर्दर्श।

सामांगी विविक्त काल मार्कोंव श्रृंखलाएं, संक्रमण प्रायिकता आव्यूह, अवस्थाओं एवं अभ्यन्तप्राप्तमेयों का वर्गीकरण, सामांगी सतत काल, मार्कोंव श्रृंखला, च्वासों प्रक्रिया, पंक्ति सिद्धांत के तत्त्व, एवं M/M¹, M/M/K, G/M/1 एवं M/G/1 पंक्तियाँ।

कंप्यूटरों पर SPSS जैसे जाने माने सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर पैकेजों का प्रयोग कर सांख्यिकीय समस्याओं के हल प्राप्त करना।

III. मात्रात्मक अर्थशास्त्र एवं राजकीय आंकड़े

प्रवृत्ति निर्धारण, मौसमी एवं चक्रीय घटक, बॉक्स-जैकिंग विधि,

अनुपनत श्रेणी परीक्षण, AZRIMA निर्दर्श एवं स्वसमाश्रयी तथा गतिमान माध्य घटकों का क्रम निर्धारण, पूर्वानुमान। सामान्यतः प्रयुक्त सूचकांक-लास्पियर, पाशे एवं फिशर के आदर्श सूचकांक, श्रृंखला आधार सूचकांक, सूचकांकों के उपयोग और सीमाएं, थोक कीमतों, उपभोक्ता कीमतों, कृषि उत्पादन एवं औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक, सूचकांकों के लिए परीक्षण-आनुपातिकता, काल-विपर्यय, उत्पादन उत्क्रमण एवं वृत्तीय।

सामान्य रैखिक निर्दर्श, साधारण न्यूनतम वर्ग एवं सामान्यीकृत न्यूनतम वर्ग, प्राक्कलन विधियाँ, बहुसंखेता की समस्या, बहुसंखेता के परिणाम एवं हल, स्वसहबंध एवं इसका परिणाम, विक्षेभों की विषम विचालिता एवं इसका परीक्षण, विक्षेभों के स्वातंत्र्य का परीक्षण, संरचना की संकल्पना एवं युगपत समीकरण निर्दर्श, अभिनिर्धरण समस्या-अभिज्ञेयता की कोटी एवं क्रम प्रतिबंध, प्राक्कलन की द्विप्रावस्था न्यूनतम वर्ग विधि।

भारत में जनसंख्या, कृषि, औद्योगिक उत्पादन एवं कीमतों के संबंध में वर्तमान राजकीय सांख्यिकीय प्रणाली, राजकीय आंकड़े ग्रहण की विधियाँ, उनकी विश्वनीयता एवं सीमाएं, ऐसे आंकड़ों वाले मुख्य प्रकाशन, आंकड़ों के संग्रहण के लिए जिम्मेदार विभिन्न राजकीय अभिकरण एवं उनके प्रमुख कार्य।

IV. जनसांख्यिकी एवं मनोमिति

जनगणना, पंजीकरण, एवं अन्य सर्वेक्षणों से जनसांख्यिकीय आंकड़े, उनकी सीमाएं एवं उपयोग, व्याख्या, जन्म मरण दरों और अनुपातों की रचना एवं उपयोग, जननसंक्षमता की माप, जनन दरें, रुग्णता दर मानकीकृत मृत्यु दर, पूर्ण एवं संक्षिप्त व्यय सारणियाँ, जन्म मरण आंकड़े एवं जनगणना विवरणियों से व्यय सारणियों की रचना, व्यय सारणियों के उपयोग, वृद्धिघात एवं अन्य जनसंख्या वृद्धि वक्र, वृद्धि घात वक्र संरजन, जनसंख्या प्रक्षेप, स्थिर जनसंख्या, स्थिरकल्प जनसंख्या, जनसांख्यिकीय प्राचलों के आकलन में ग्रन्थिधियाँ, मृत्यु के कारण के आधार पर मानक वर्गीकरण, स्वास्थ्य सर्वेक्षण एवं अस्पताल आंकड़ों का उपयोग।

मापनियों एवं परिक्षणों के मानकीकरण की विधियाँ, Z समंक, मानक समंक, T-समंक, शततमक समंक, बुद्धि लब्धि एवं इसका मापन एवं उपयोग, परीक्षण समंकों की वैधता एवं विश्वसनीयता एवं इसका निर्धारण, मनोमिति में उपादान विश्लेषण एवं पथविश्लेषण का उपयोग।

प्राणी विज्ञान

प्रश्न पत्र-1

1. अरज्जुकी और रज्जुकी

(क) विभिन्न फाइलों का उपयोग तक वर्गीकरण एवं संबंध; एसीलोमेट्री और सीलोमेट्री; प्रोटोस्टोम और ड्यूट्रोस्टोम, बाइलेटरोलिया और रेडियटा, प्रैटिस्टोम पैराजोआ, ओनिकोफोरा तथा हेमिकॉरडाटा का स्थान; समिति।

(ख) प्रोटोजोआ : गमन, पोषण तथा जनन, लिंग पैरामीशियम, मॉनोसिस्टस प्लान्जोडियम तथा लीशभेनिया के सामान्य लक्षण एवं जीवन-वृत्त।

(ग) पोरिफेरा : कंकाल, नालतंत्र तथा जनन ।

(घ) नीडोरिया : बहुरूपता, रक्षा संरचनाएं तथा उनकी क्रियाविधि, प्रवाल पित्तियां और उनका निर्माण, मेटाजेनेसिस, औबीलिया औरीलिया के सामान्य लक्षण एवं जीवन-वृत्त ।

(ङ) प्लैटिहेल्मथीज़ : परजीवी अनुकूलन : फैसिओला तथा टीनिया के सामान्य लक्षण एवं जीवन-वृत्त तथा उनके रोगजनक लक्षण ।

(च) नेमेटहेल्मेथीज़ : एस्केरिस एवं बुचेरेरिया के सामान्य लक्षण, जीवन वृत्त तथा परजीवी अनुकूलन ।

(छ) एनेलीडा : सीलोम और विखडता, पॉलीकीटों में जीवन-विधियां, नेरीस (नीएंथीस), केंचुआ (फेरिटिमा) तथा जोंक के सामान्य लक्षण तथा जीवन-वृत्त ।

(ज) आर्थोपोडा : क्रास्टेशिया में डिबप्रकार और परजीविता, आर्थोपोडा (झींग, तिलचट्टा तथा बिचू) में दृष्टि और श्वसन, कीटों (तिलचट्टा, मच्छर, मक्खी, मधुमक्खी तथा तितली) में मुखांगों का रूपांतरण, कीटों में कायांतरण तथा इसका हार्मोनी नियमन, दीमकों तथा मधुमक्खियों का सामाजिक व्यवहार ।

(झ) मोलस्का : अशन, श्वसन, गमन, लैमेलिडेन्स, पाइला, तथा सीपिया के सामान्य लक्षण एवं जीवन वृत्त, गैस्ट्रोपोडों में ऐंठन तथा अव्यावर्तन ।

(ञ) एकाइनोडर्मेटा : अशन, श्वसन, गमन, डिम्ब प्रकार, एस्ट्रीरियस के सामान्य लक्षण तथा जीवन-वृत्त ।

(ट) प्रोटोकर्डेटा : रन्धुकियों का उद्भव, ब्रैकियोस्टोमा तथा हर्डमानिया के सामान्य लक्षण तथा जीवन-वृत्त ।

(ठ) पाइसीज़ : श्वसन गमन तथा प्रवासन ।

(ड) एम्फिबिया: चतुष्पादों का उद्भव, जनकीय देखभाल, शावकातरण ।

(ढ) रेप्टीलिया वर्ग : सरीसूपों की उत्पत्ति, करोटि के प्रकार, स्फेनोडोन तथा मगरमच्छों का स्थान ।

(ण) एवीज़; पक्षियों का उद्भव, उद्डयन-अनुकूलन तथा प्रवासन ।

(त) मैमेलिया : स्तनधारियों का उद्भव, दंतविन्यास, अंडा देने वाले स्तनधारियों, कोष्ठधारी, स्तनधारियों, जलीय स्तनधारियों तथा प्राइमेटों के सामान्य लक्षण, अंतःस्वाची ग्रीथियां (पीयूष ग्रीथि, अवटु ग्रीथि, परावटु ग्रीथि, अधिवृक्क ग्रीथि, अग्नाशय, जनन ग्रीथि) तथा उसमें अंतर्संबंध ।

(थ) कशोरुकी प्राणियों के विभिन्न तंत्रों का तुलनात्मक, कार्यात्मक शरीर (अध्यावरण तथा इसके व्युत्पाद, अंतःकंकाल, चलन अंग, पाचन तंत्र, श्वसन तंत्र, हृदय तथा महाधमनी चापों सहित परिसंचारी तंत्र, मूत्र-जनन तंत्र, मरिटिक तथा ज्ञानेन्द्रियां (आंख तथा नाक) ।

2. पारिस्थितिकी

(क) जीवमंडल : जीवमंडल की संकल्पना; बायोम, जैवभूरसायन चक्र, ग्रीन हाउस प्रभाव सहित वातावरण में मानव प्रेरित परिवर्तन, पारिस्थितिक अनुक्रम, जीवोम तथा ईकोटोन, सामुदायिक पारिस्थितिक ।

(ख) परितंत्र की संकल्पना, पारितंत्र की संरचना एवं कार्य, पारितंत्र के प्रकार, पारिस्थितिक अनुक्रम, पारिस्थितिक अनुकूलन ।

(ग) समष्टि, विशेषताएं, समष्टि गतिकी, समष्टि स्थिरीकरण ।

(घ) प्राकृतिक संसाधनों का जैव विविधता एवं विविधता संरक्षण ।

(ङ) भारत का वन्य जीवन ।

(च) संपोषणीय विकास के लिए सुदूर सुग्राहीकरण ।

(छ) पर्यावरणीय जैवनियोंकरण, प्रदूषण, तथा जीवमंडल पर इसके प्रभाव एवं उसकी रोकथाम ।

3. जीव पारिस्थितिकी

(क) व्यवहार : संवेदी नियन्दन, प्रतिसंवेदिता चिह्न उद्दीपन, सीखना एवं सृष्टि, वृत्ति, अप्यास, प्रानुकूलन, अध्यंकन ।

(ख) चालन में हार्मोनों की भूमिका, संचेतन प्रसार में फीरोमोनों की भूमिका; गोपकता, परभक्षी पहचान, परभक्षी तौर तरीके, प्राइमेटों में सामाजिक सोपान, कीटों में सामाजिक संगठन ।

(ग) अभिविन्यास, संचालन, अभिग्रह, जैविकलय, जैविक नियतकालिकता, ज्वारीय, ऋतुपरक तथा दिवसप्रायलय ।

(घ) यौन छन्द, स्वार्थपरता, नातेदारी एवं परोपकारिता समेत प्राणी-व्यवहार के अध्ययन की विधियां ।

4. आर्थिक प्राणि विज्ञान

(क) मधुमक्खी पालन, रेशमकीट पालन, लाखकीट पालन, शफरी संवर्ध, सीपी पालन, झींगा पालन, कृमि संवर्ध ।

(ख) प्रमुख संक्रामक एवं संचरणीय रोग (मलोरिया, फाइलोरिया, क्षय रोग, हैंजा तथा एड्स), उनके वाहक, रोगण तथा रोकथाम ।

(ग) पशुओं तथा मरुशियों के रोग, उनके रोगाणु (हेलमिन्थस) तथा वाहक (चिंचडी कुटकी, टेबेनस, स्टोमोकिसस) ।

(घ) गने के पीडक (पाइरिला परपुसिएला), तिलहन का पीडक (ऐकिया जनाटा) तथा चावल का पीडक (सिटोफिलस औरिजे) ।

(ङ) परजीवी जंतु ।

(च) चिकित्सकीय जैव प्रौद्योगिकी, मानव आनुवंशिक रोग एवं आनुवंशिक काउंसलिंग, जीन चिकित्सा ।

(छ) विधि जैव प्रौद्योगिकी ।

5. जैव सांख्यिकी

प्रयोगों की अधिकल्पना; निरकरणी परिकल्पना ; सह-संबंध, समान्वयण, केन्द्रीय प्रवृत्ति का वितरण एवं मापन, काई-स्कवेयर, विद्योर्थी-टेस्ट, एफ-टेस्ट (एकमार्गी तथा द्विमार्गी एफ-टेस्ट)

6. उपकरणीय पद्धति

(क) स्पेक्ट्रमी प्रकाशमापित्र प्रावस्था विपर्यास एवं प्रतिदीपि सूक्ष्म दर्शिकी, रेडियोएक्टिव अनुरोधक, हृत अपकोंडिन, जेल एलेक्ट्रोफोरेसिस, PCR, ALISA, FISH एवं गुणसूत्रपरिणिय ।

(ख) इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी (TEM, SEM) ।

प्रश्न पत्र - 2

1. कोशिका जीव विज्ञान

(क) कोशिका तथा इसके कोशिकांगों (केंद्रक, प्लाजमा, डिल्ली, माइटोकॉर्डिया, गॉल्जीकाय, अंतर्र्व्यी जालिका, राइबोसोम तथा लाइसोसोम्स) की संरचना एवं कार्य, कोशिका-विभाजन (समसूत्री तथा अर्द्धसूत्री), समसूत्री तर्कु तथा समसूत्री तंत्र, गुणसूत्र गति । क्रोमोसोम प्रकार पॉलिट्रीन एवं लैब्रेश, क्रोमैटिन की व्यवस्था, कोशिकाचक्र नियमन ।

(ख) न्यूक्लीइक अम्ल सांस्थितिकी, DNA अनुकल्प, DNA प्रतिकृति अनुलेखन, RNA प्रक्रमण, स्थानांतरण, प्रोटीन बलन एवं परिवहन ।

2. आनुवंशिकी

(क) जीन की आधुनिक संकल्पना, विभावत जीन, जीन नियमन, आनुवांशिक-कूट ।

(ख) लिंग गुणसूत्र एवं उनका विकास, ड्यूसोफिला तथा मानव में लिंग-निर्धारण ।

(ग) वंशागति के मेंडलीय नियम, पुनर्योजन, सहलगनता, बहुयुगम, विकल्पी, रक्त समूहों की आनुवंशिकी, वंशावली विश्लेषण, मानव में वंशागत रोग ।

(घ) उत्परिवर्तन तथा उत्परिवर्तजनन ।

(ङ) पुनर्योज DNA प्रौद्योगिकी, वाहकों के रूप में प्लैजिमिड्स, कॉसमिड्स, कृत्रिम गुणसूत्र, पारजीनी, DNA ब्लोनिंग तथा पूर्ण ब्लोनिंग (सिद्धांत तथा क्रिया पद्धति) ।

(च) प्रोकैरियारेट्स तथा यूकैरियरेट्स में जीन नियमन तथा जीन अभिव्यक्ति ।

(छ) संकेत अणु, कोशिका मृत्यु, संकेतन पथ में दोष तथा परिणाम ।

(ज) RFLP, RAPD एवं AFLP तथा फिगरप्रिंटिंग में अनुप्रयोग, राइबोजाइम प्रौद्योगिकी, मानव जीनोम परियोजना, जीनोमिक्स एवं प्रोटोमिक्स ।

3. विकास

(क) जीवन के उद्भव के सिद्धांत ।

(ख) विकास के सिद्धांत; प्राकृतिक वरण, विकासात्पक प्रतिरूप, आण्विक ड्राइव, अनुहरण, विभिन्नता, पृथक्करण एवं जाति उद्भवन ।

(ग) जीवाशम आंकड़ों के प्रयोग से घोड़े, हाथी तथा मानव का विकास ।

(घ) हार्डी-बीनवर्ग नियम ।

(ङ) महाद्विपीय विस्थापन तथा प्राणियों का वितरण ।

4. वर्गीकरण-विज्ञान

(क) प्राणिविज्ञानिक नामावली, अंतर्राष्ट्रीय नियम, क्लैडिस्टिक्स, आण्विक वर्गीकी एवं जैव विविधता ।

5. जैव रसायन

(क) कार्बोहाइड्रेटों, वसाओं, वसाअम्लों एवं कोलस्ट्रोल, प्रोटीनों एवं अमीनोअम्लों, न्यूक्लिइक अम्लों की संरचना एवं भूमिका । बायो एनजेंटिक्स ।

(ख) ग्लाइकोसिस तथा क्रब्स चक्र, ऑक्सीकरण तथा अपचयन, ऑक्सीकरणी फास्फोरिलेशन, ऊर्जा संरक्षण तथा विपोचन, ATP चक्र, चक्रीय AMP-एसकी संरचना तथा भूमिका ।

(ग) हार्मोन वर्गीकरण (स्टेरोइड तथा पेट्राइड हार्मोन), जैव संश्लेषण तथा कार्य ।

(घ) एंजाइम : क्रिया के प्रकार तथा क्रिया विधियां ।

(ङ) विटामिन तथा को-एंजाइम ।

(च) इम्यूनोग्लोब्यूलिन एवं रोधक्षमता ।

6. कार्यिकी (स्तनधारियों के विशेष संदर्भ में)

(क) रक्त की संघटना तथा रचक, मानव में रक्त समूह तथा RH कारक, स्कंदन के कारक तथा क्रिया विधि, लोह उपापचय, अम्ल क्षारक साम्य, तापनियमन, प्रतिस्कंदक ।

(ख) हीमोग्लोबिन : रचना प्रकार एवं ऑक्सीजन तथा कार्बनडाईऑक्साइड परिवहन में भूमिका ।

(ग) पाचन एवं अवशोषण : पाचन में लार ग्रंथियों, यकृत, अग्न्याशय तथा आंत्र ग्रंथियों की भूमिका ।

(घ) उत्सर्जन : नेफ्रान तथा मूत्र विरचन का नियमन; परसरण नियमन एवं उत्सर्जी उत्पाद ।

(ङ) पेशी : प्रकार, कंकाल पेशियों की संकुचन की क्रिया विधि, पेशियों पर व्यायाम का प्रभाव ।

(च) न्यूरॉन : तंत्रिका आवेग-उसका चालन तथा अंतर्ग्रथनी संचरण: न्यूरोट्रांसमीटर ।

(छ) मानव में दृष्टि, श्रवण तथा घ्राणबोध ।

(ज) जनन की कार्यिकी, मानव में यौवनारंभ एवं रजोनिवृति ।

7. परिवर्धन जीवविज्ञान

(क) युग्मक जनन; शुक्र जनन; शुक्र की रचना, मैमेलियन शुक्र की पात्रे एवं जीवे धारिता । अंड जनन, पूर्ण शक्तता, निषेचन, मार्फोजेनेसिस एवं मार्फोजेन, ब्लास्टोजेनेसिस, श्रीर अक्ष रचना की स्थापना, फेट मानचित्र, मेडक एवं चूजे में गेट्स्टुलेशन, चूजे में विकासाधीन जीन, अंगातरक जीन, आंख एवं हड्डय का विकास, स्तनियों में अपरा ।

(ख) कोशिका वंश परंपरा, कोशिका-कोशिका अन्योन्य क्रिया, आनुवांशिक एवं प्रेरित विरूपजनकता, एंफिबीया में कायांतरण के नियंत्रण में वायरोविसन की भूमिका, शावकीजनन एवं चिरप्रूणता, कोशिका मृत्यु, कालप्रभावन ।

(ग) मानव में विकासीय जीन, पात्रे निषेचन एवं श्रूण अंतरण, क्लोनिंग ।

(घ) स्ट्रेमकोशिका: श्वोत, प्रकार एवं मानव कल्पाण में उनका उपयोग ।

(ङ) जाति आवर्तन नियम ।

परिशिष्ट-2

सिविल सेवा परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त व्यूहारा :-

1. भारतीय प्रशासनिक सेवा .—(क) नियुक्तियां परिवीक्षा के आधार पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी भर्तु कुछ शर्तों के अनुसार बढ़ाया भी जा सकेगा । सफल उम्मीदवार की परिवीक्षा की अवधि में केन्द्रीय सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी ।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण सन्तोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकूशल होने की संभावना न हो, तो सरकार तत्काल सेवामुक्त कर सकती है । या यथास्थिति उसे स्थाई पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है । जिस पर उसका पुनर्ग्रहणाधिकार है अथवा होगा: बशर्ते कि उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले उस पर लागू नियमों के अंतर्गत पुनर्ग्रहणाधिकार निलंबित न कर दिया गया हो ।

(ग) परिवीक्षा अवधि के संतोषजनक रूप से पूरा होने पर सरकार अधिकारी को सेवा में स्थाई कर सकती है यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न हो तो सरकार उसे भी सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना उचित समझे कुछ शर्तों के साथ बढ़ा सकती है ।

(घ) भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अंतर्गत भारत में या विदेश में किसी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं ।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के विभिन्न ग्रेडों से संबद्ध पे बैण्ड तथा ग्रेड पे :

कनिष्ठ वेतनमान

पे बैण्ड-3 15600-39100 रु. + 5400/- रु. ग्रेड पे

वरिष्ठ वेतनमान

(i) वरिष्ठ समय वेतनमान

पे बैण्ड-3 : 15600-39100 रु. + 6600 रु. ग्रेड पे (पदोन्नति पर वेतन निर्धारण के समय दो अतिरिक्त वेतनवृद्धियां प्रदान की जाएंगी) ।

(ii) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :

पे बैण्ड-3 रु. 15000-39100 + 7600/- रु. ग्रेड पे (पदोन्नति पर वेतन निर्धारण के समय दो अतिरिक्त वेतनवृद्धियां प्रदान की जाएंगी ।

(iii) चयन ग्रेड :

पे बैण्ड-4 रु. 37400-67000 + 8700/- रु. ग्रेड पे (पदोन्नति के समय पे बैण्ड के न्यूनतम पर दो अतिरिक्त वेतनवृद्धियां तथा ग्रेड पे प्रदान की जाएंगी ।

अधिसमय वेतनमान :

पे बैण्ड-4 : 37400-67000 रु. + 10,000 रु. ग्रेड पे

अधिसमय से ऊपर के वेतनमान

(i) उच्च प्रशासनिक ग्रेड वेतनमान

67000 रु. (3 प्रतिशत की दर से वेतनवृद्धि) -- 79000, ग्रेड पे - शून्य

(ii) शीर्ष वेतनमान

80000 रु. (नियत). ग्रेड पे-शून्य ।

मंहगाई भत्ता अखिल भारतीय सेवाएं (मंहगाई भत्ता) नियम, 1972 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेगा ।

परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा कनिष्ठ समय वेतनमान में प्रारंभ होगी और परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को समय वेतनमान में वेतन वृद्धि या पेंशन, छुट्टी के लिए गिनने की अनुमति होगी ।

(च) भविष्य निधि.—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी समय-समय पर संशोधित अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं ।

(छ) छुट्टी.—भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी समय-समय पर संशोधित अखिल भारतीय सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1955 द्वारा शासित होते हैं ।

(ज) डाक्टरी परिचर्या.—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी समय-समय पर संशोधित अखिल भारतीय सेवा (डाक्टरी परिचर्या) नियमावली, 1954 के अंतर्गत प्राप्त डाक्टरी परिचर्या की सुविधाएं पाने का हक है ।

(झ) सेवानिवृत्ति लाभ.—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी समय-समय पर संशोधित अखिल भारतीय सेवा, मृत्यु व सेवानिवृत्ति लाभ नियमावली, 1958 द्वारा शासित होते हैं ।

2. भारतीय विदेश सेवा.—(क) नियुक्त परिवीक्षा पर की जाएंगी जिसकी अवधि 2 वर्ष होगी जिसे बढ़ाया जा सकता है । सफल उम्मीदवारों को भारत में लगभग 18 मास तक रहना होगा । इसके बाद उन्हें तृतीय सचिव या उप-कौसिल बनाकर विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों में भेज दिया जाएगा । प्रशिक्षण की अवधि में परिवीक्षाधीन अधिकारियों की एक या अधिक विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी और इसके बाद ही वे सेवा में स्थायी हो सकेंगे ।

(ख) सरकार के लिए संतोषजनक रूप से परिवीक्षा के समाप्त होने और निर्धारित परीक्षाएं पास करने पर ही परिवीक्षाधीन अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी किया जाएगा । परन्तु यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे सेवा-मुक्त कर सकती है या परिवीक्षा अधिकों को जितना उचित समझे बढ़ा सकती है या यदि उसका कोई मूल पद (सब्सटेंटिव पोस्ट) हो तो उस पर वापस भेज सकती है ।

(ग) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो तो उसे देखते हुए उसके विदेश सेवा के लिए उपयुक्त होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है या यदि उसके कोई मूल पद हो तो उस पर वापस भेज सकती है ।

(घ) पूर्व संशोधित वेतनमान : कनिष्ठ वेतनमान 8000-275-13500 रुपये भारतीय विदेश सेवा में नियुक्त अधिकारी वरिष्ठ वेतनमान (10650-325-15850 रुपये) और कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (12750-375-16500 रुपये) में क्रमशः 4 वर्ष और 9 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद नियुक्ति के पात्र होंगे ।

इसके अतिरिक्त, चयन ग्रेड, सुपर टाइम ग्रेड और 15100 रुपये और 26000 रुपये के बीच, उच्च वेतनमान वाले कुछ पद हैं जिसमें भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी पदान्वति के पात्र हैं ।

(ङ) परिवीक्षा अधिकों में परिवीक्षाधीन अधिकारी को इस प्रकार वेतनमान मिलेगा :

पहले वर्ष 8000 रुपये प्रति मास

दूसरे वर्ष 8275 रुपये प्रति मास

टिप्पणी 1 : परिवीक्षाधीन अधिकारी की परिवीक्षा पर बिताई गई अधिक समय वेतनमान में वेतन वृद्धि या पेंशन के लिए गिनने की अनुमति होगी ।

टिप्पणी 2 : परिवीक्षाधीन अधिकारी को परिवीक्षा अधिक समय में वेतन वृद्धि तभी मिलेगी जब वह निर्धारित परीक्षाएं (यदि कोई हों) पास कर लेगा और सरकार को संतोषप्रद प्रगति करके दिखाएगा । विभागीय परीक्षाएं पास करके अग्रिम वेतन वृद्धियां भी अर्जित की जा सकती हैं ।

टिप्पणी 3 : परिवीक्षा के तौर पर नियुक्ति से पूर्व सार्वाधिक पद के अतिरिक्त मूल रूप से स्थायी पद पर रहने वाले सरकारी कर्मचारी का वेतन एफ आर 22-बी (1) के उपबंधों के अनुसार विनियमित किया जाएगा ।

(च) भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी से भारत में या भारत के बाहर किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं ।

(छ) विदेश में सेवा करते समय भारतीय विदेश सेवा से अधिकारियों को उनकी हैसियत के अनुसार विदेश भत्ते मिलेंगे जिससे कि वे नौकर-चाकरों और जीवन निर्वाह के खर्चों को पूरा कर सकें और आतिथ्य (एंटरटेन्मेंट) संबंधी अपनी विशेष जिम्मेदारियों को भी निभा सकें । इसके अतिरिक्त विदेश में सेवा करते समय भारतीय सेवा के अधिकारियों को निम्नलिखित रियायतें भी मिलेंगी :—

(1) हैसियत अनुसार निःशुल्क सज्जित आवास ।

- (2) सहायता प्राप्त चिकित्सा परिचर्या योजना के अंतर्गत चिकित्सा परिचर्या की सुविधाएं ।
- (3) विदेश में नियुक्त होने पर छुट्टी पर भारत आने के लिए वापसी हवाई यात्रा का किराया जो अधिक से अधिक 2/3 वर्षों के सामान्य समय में एक बार उसकी और आश्रित परिवारिक सदस्यों को दिया जाएगा; इसके अतिरिक्त अधिकारी को पूरी सेवा अधिक में दो बार उसे स्वयं को और परिवार सदस्यों की व्यक्तिगत तथा परिवारिक संकट के कारण भारत आने का एक तरफा संकटकालीन हवाई यात्रा किराया दिया जाएगा ।
- (4) भारत में पढ़ने वाले 6 से 22 वर्ष तक की आयु वाले बच्चों के लिए वर्ष में एक बार छुट्टियों में माता-पिता से मिलने के लिए वापसी हवाई यात्रा किराया कुछ शर्तों के अधीन दिया जाएगा ।
- (5) अधिकारी के सेवा स्थान पर अध्ययनरत 5 से 20 वर्ष तक की आयु वाले अधिक से अधिक दो बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता यदि ऐसा कोई विद्यालय विदेश मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त हो ।

(ज) समय-समय पर संशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1972 कुछ तरसीमों के साथ इस सेवा के सदस्यों पर लागू होंगी । विदेश सेवा के लिए भारतीय विदेश सेवा अधिकारियों को भारतीय विदेश सेवा (पी.एल.सी.ए.) नियमावली, 1961 के अंतर्गत विदेश में की गई कार्यशील सेवा के काल के लिए अतिरिक्त छुट्टियां मिलेंगी जो के सि.से. (छुट्टी) नियमावली, 1972 के अंतर्गत मिलने वाली अर्जित छुट्टियों के 50 प्रतिशत तक होंगी ।

(झ) भविष्य निधि : भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी सामान्य भविष्य निधि केन्द्रीय सेवा नियमावली, 1960 द्वारा शासित है ।

(ज) सेवानिवृत्ति लाभ : प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी केन्द्रीय सिविल (पेंशन) नियमावली, 1972 द्वारा शासित होते हैं ।

(ट) भारत में रहते समय अधिकारियों को रियायतें मिलेंगी जो उनके समकक्ष या समान हैसियत वाले अन्य सरकारी कर्मचारियों को मिलती हैं ।

3. भारतीय पुलिस सेवा :

(क) नियुक्त परिवीक्षा पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी उसे कुछ शर्तों पर बढ़ाया भी जा सकेगा । सफल उम्मीदवारों की परिवीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णय अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से विहित प्रशिक्षण लेना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी ।

(ख) और (ग) जैसा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के खंड (ख) और (ग) में दिया गया है ।

(घ) भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अंतर्गत भारत में या विदेशों में किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं ।

(उ) वेतनमान :—

रैंक	समय-वेतनमान	वेतनमान		संशोधन पूर्व
		संशोधित वेतनमान	ग्रेड पे	
पुस्तिस अधीक्षक	कनिष्ठ वेतनमान	15,600-39,100 रु.	5400 रु.	8,000-275-13,500 रु.
	वरिष्ठ वेतनमान	15,600-39,100 रु.	6600 रु.	10,000-325-15,200 रु.
	कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	15,600-39,100 रु.	7600 रु.	12,000-375-16,500 रु.
	चयन ग्रेड	37,400-67,000 रु.	8700 रु.	14,300-400-18,300 रु.
उप-महानिरीक्षक	सुपर समय वेतनमान	37,400-67,000 रु.	8900 रु.	16,400-450-20,000 रु.
महानिरीक्षक	सुपर समय वेतनमान	37,400-67,000 रु.	10,000 रु.	18,400-500-22,400 रु.
अपर महानिदेशक	सुपर समय वेतनमान से ऊपर	37,400-67,000 रु.	12,000 रु.	22,400-525-24,500 रु.
महानिदेशक	सुपर समय वेतनमान से ऊपर	उ.प.-ग्रे. 75500- 80,000 रु. (3 प्रतिशत की दर से वेतनवृद्धि) 80,000 रु. (नियत)	शून्य	24,050-650-26,000 रु. 26,000 रु. (नियत)

महांगाई भत्ता अखिल भारतीय सेवाएं (महांगाई भत्ता) नियम, 1972 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समाय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेगा।

परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा कनिष्ठ समय वेतनमान में प्रारंभ होगी और परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को समय वेतनमान में वेतन वृद्धि या पेंशन, छुट्टी के लिए गिनने की अनुमति होगी।

(च) से (झ) जैसा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के छंड (च), (छ), (ज) और (झ) में दिया गया है।

4. भारतीय डाक तार सेवा तथा वित्त सेवा

(क) नियुक्ति परिवीक्षा पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष बुनियादी पाठ्यक्रम सहित, की होगी परन्तु यह अवधि बदाई भी जा सकती है, यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी ने निर्धारित परिक्षाएं पास करके अपने को स्थायी किए जाने के योग्य सिद्ध न किया हो।

(ख) यदि सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक हो, उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है अथवा जैसा भी मामला हो, सेवा में अपनी नियुक्ति से पूर्व नियमों के अधीन जिस स्थाई पद पर उसका पुनर्ग्रहण अधिकार होगा, उस पद पर उसका परावर्तन कर दिया जायेगा।

(ग) परिवीक्षा की अवधि समाप्त/मुक्त होने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा से मुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना उचित

समझे बद्ध सकती है अथवा स्थाई पद पर, यदि कोई हो, उसका प्रत्यावर्तन कर सकती है।

(घ) भारतीय डाक एवं तार लेखा और वित्त सेवा ग्रुप "क" के अलग-अलग किए जाने की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए, सेवा के गठन में परिवर्तन हो सकता है और इस सेवा के लिए चुना गया कोई उम्मीदवार इस तरह के परिवर्तनों के परिणाम के आधार पर क्षतिपूर्ति का कोई दावा नहीं कर पाएगा और उसे या तो डाक विभाग के अलग किए गए लेखा कार्यालय में अथवा दूरसंचार विभाग में कार्य करना पड़ेगा और सेवा की आवश्यकताओं के अनुरूप अपेक्षित होने पर, अन्ततः उसी संवर्ग में मिलाना होगा जिस संवर्ग के अलग किए गए लेखा कार्यालय में केन्द्रीय सरकार के अंतर्गत के पद हों।

(ङ) दूरसंचार विभाग को दूरसंचार विभाग/टेलीकॉम सेवा विभाग/टेलीकॉम प्रचालन विभाग में विभाजित किया गया। टेलीकॉम सेवा विभाग तथा टेलीकॉम प्रचालन विभाग को 1-10-2000 से अब नियमित कर दिया गया है। टेलीकॉम सेवा विभाग/टेलीकॉम प्रचालन विभाग में कार्यत भारतीय डाक तार लेखा और वित्त सेवा, ग्रुप "क" के कई अधिकारियों को नियमित निकाय (भारत संचार निगम लिमिटेड) में बिना किसी प्रतिनियुक्ति भर्ती के सुविचारित प्रतिनियुक्ति आधार पर स्थानांतरित कर दिया गया है। भारतीय डाक तार लेखा और वित्त सेवा के कुछ अधिकारी अभी भी दूरसंचार विभाग में हैं। डाक विभाग उन घटक विभागों में से एक है जो (सेवाओं द्वारा) भारतीय डाक तथा दूरसंचार लेखा एवं वित्त सेवा ग्रुप 'क' भर्ती नियमावली, 2001 के अनुसार शासित होते हैं, टेलीकॉम सेवा विभाग तथा टेलीकॉम प्रचालन विभाग के नियमीकरण के बाद भी दूरसंचार विभाग तथा डाक विभाग के पदों पर भर्ती संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाएगी।

(च) भारतीय डाक तार तथा वित्त सेवा पर भारत के किसी भी भाग में सेवा का एक निश्चित उत्तरदायित्व है।

(छ) भारतीय डाक तार तथा वित्त सेवा का पूर्व संशोधित वेतनमान :—

- (1) कनिष्ठ वेतनमान — रु. 8000-275-13500
- (2) वरिष्ठ वेतनमान — रु. 10000-325-15200
- (3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (साधारण) —
रु. 12000-325-16500
- (4) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड) —
रु. 14300-400-18300
- (5) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड — रु. 18400-500-22400
- (6) वरिष्ठ उप-महानिदेशक (एफ) — रु. 22400-525-24500
और
- (7) सलाहकार (वित्त) — रु. 22400-600-26000

(ज) जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर सांख्यिक पद के अतिरिक्त किसी स्थायी पद पर नियुक्त हो उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

(५) भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा

(क) नियुक्ति परिवीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है। यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी ने निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके, अपने को पक्का किए जाने योग्य सिद्ध न किया हो। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति खत्म कर दी जाएगी अथवा, जैसा भी मामला हो, सेवा में अपनी नियुक्ति से पूर्व नियमों के अधीन जिस स्थाई पद पर उसका पुनर्ग्रहन अधिकार होगा, उस पद पर उनका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ख) यदि यथास्थिति सरकार या नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण सन्तोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की सम्भावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है अथवा जैसा भी मामला हो सेवा में अपनी नियुक्ति से पूर्व नियमों के अधीन जिस स्थाई पद पर उसका पुनर्ग्रहन अधिकार होगा, उस पद पर उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ग) परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने पर यथास्थिति सरकार या नियंत्रक और महालेखापरीक्षक अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती/सकता है या यदि यथास्थिति सरकार या नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोष हो तो उसे या तो सेवा से मुक्त कर सकती/सकता है, या उसकी परिवीक्षा की अवधि को, जितना उचित समझे बढ़ा सकती/सकता है, परन्तु अस्थाई रूप से खाली जागहों पर कोई नई नियुक्तियों के संबंध में स्थाई करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(घ) लेखापरीक्षा में लेखा सेवा से अलग किए जाने की संभावना और अन्य सुधारों को ध्यान में रखते हुए भारतीय लेखा परीक्षाओं और

लेखा सेवा में परिवर्तन हो सकता है और कोई उम्मीदवार जो इस सेवा के लिए चुना जाए इस परिवर्तन से होने वाले परिणाम के आधार पर कोई दावा नहीं करेगा और उसे अलग किए गए केन्द्रीय/राज्य सरकार और नियंत्रक और महालेखापरीक्षक के अंतर्गत सांख्यिक लेखा परीक्षा कार्यालय में काम करना पड़ेगा और केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के अंतर्गत अलग किए गए लेखा कार्यालयों के संबंध में अंतिम रूप में रहना पड़ेगा।

(ङ.) भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के अधिकारियों से भारत में कहीं भी सेवा ली जा सकती है और उन्हें क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) पर भारत के बाहर भी भेजा जा सकता है।

(च) वेतनमान

पद का नाम	संशोधित वेतन छांचा		
	पे बैण्ड का नाम	वेतनमान	तदनुसूती ग्रेड पे
कनिष्ठ समय वेतनमान	पीबी-3	15600-39100	5400
वरिष्ठ समय वेतनमान	पीबी-3	15600-39100	6600
कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	पीबी-3	15600-39100	7600
कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड का गैर कार्यात्मक चयन ग्रेड	पीबी-4	37400-67000	8700
वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	पीबी-4	37400-67000	10000
प्रधान महालेखा परीक्षक/महानिदेशक ग्रेड वेतन वृद्धि	उच्च	67000-(3 % की दर से वार्षिक वेतन वृद्धि)	शून्य
अपर उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक प्रशासनिक ग्रेड + वेतनमान	उच्च	75500-(3 % की दर से वार्षिक वेतन वृद्धि)	शून्य
उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक वेतनमान (नियत)	शीर्ष वेतनमान	80000	शून्य

टिप्पणी 1 : परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के समय वेतनमान में कम से कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतनवृद्धि के प्रयोजन से उसकी सेवा कार्यग्रहण की तारीख से गिरी जाएगी।

टिप्पणी 2 : परिवीक्षाधीन अधिकारियों की पहली वेतनवृद्धि विभागीय परीक्षा के भाग I के उत्तीर्ण कर लेने की तारीख अथवा एक वर्ष की सेवा पूरी कर लेने की तारीख इनमें से जो भी पहले हो उसे स्वीकृत की जा सकती है। दूसरी वेतनवृद्धि विभागीय परीक्षा के भाग II के उत्तीर्ण कर लेने की तारीख अथवा दो वर्ष की सेवा पूरी कर लेने की तारीख इनमें

से जो भी पहले हो वैसे स्वीकृत की जा सकती है; वेतनमान को रु. 8825 प्रति माह तक कर लेने वाली तीसरी वेतन वृद्धि 3 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने की तारीख और परिवीक्षा की निर्दिष्ट अवधि को संतोषजनक ढंग से अथवा अन्य निर्धारित शर्तों को पूरा करने पर ही स्वीकृत की जाएगी।

टिप्पणी 3 : जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर सावधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थायी पद पर नियुक्त हो उसका वेतन मूल नियम, 22ख(1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

टिप्पणी 4 : भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा के अधिकारियों पर भारत में कहीं पर भी या विदेशों में सेवा करने का विनिश्चय दायित्व है।

6. भारतीय राजस्व सेवा पूर्व संशोधित वेतनमान (सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'क'

सहायक आयुक्त, सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रु. 8000-275-13500

उत्पादुक, सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रु. 10000-325-15200

संयुक्त आयुक्त, सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रु. 12000-375-16500

अतिरिक्त आयुक्त, सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रु. 14300-400-18300

आयुक्त सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रु. 18400-500-22400

मुख्य आयुक्त, सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रु. 22400-525-24500

(क) नियुक्तियां 2 वर्ष के लिए परिवीक्षा के आधार पर की जाएंगी। किन्तु यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी निर्धारित विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण करके स्थायीकरण का हकदार नहीं हो जाता तो उक्त अवधि को भी बढ़ाया जा सकता है। दो वर्ष की अवधि में विभागीय प्रतियोगिताओं को उत्तीर्ण न कर लेने पर नियुक्ति रद्द भी की जा सकती है अथवा, जैसा भी मामला हो, सेवा में अपनी नियुक्ति से पूर्व नियमों के अधीन जिस स्थाई पद पर उसका पुनर्ग्रहण अधिकार है, उस पद पर उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण संतोषजनक नहीं है तो सरकार उसे तुरंत सेवामुक्त कर सकती है अथवा, जैसा भी मामला हो, सेवा में अपनी नियुक्ति से पूर्व नियमों के अधीन जिस स्थाई पद पर उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ग) परिवीक्षाधीन अधिकारी का परिवीक्षाकाल पूर्ण होने पर सरकार उनकी नियुक्ति को स्थायी कर सकती है अथवा यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक नहीं रहा है तो सरकार या तो उसे सेवामुक्त कर सकती है अथवा परिवीक्षाधीन काल में अपनी इच्छानुसार वृद्धि कर सकती है अथवा स्थाई पद पर, यदि कोई हो, उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है। किन्तु अस्थाई रिक्तियों पर नियुक्ति किये जाने पर स्थायीकरण संबंधी उसका कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

(घ) भारतीय राजस्व सेवा सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'क' के अधिकारी को भारत के किसी भी भाग में सेवा करनी होगी। तथा भारत में ही 'फील्ड सर्विस' करनी होगी।

टिप्पणी 1 : परिवीक्षाधीन अधिकारी को आरम्भ में रु. 8000-275-13500 के समय वेतनमान में न्यूनतम वेतन मिलेगा तथा वार्षिक वृद्धि के लिए अपने सेवा काल को वह कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से माना जाएगा।

टिप्पणी 2 : जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर भारतीय राजस्व सेवा सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'क' में नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर सर्वाधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर नियुक्त किया गया हो तो उसका वेतन मूल नियम 22ख (1) के व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

टिप्पणी 3 : परिवीक्षा अवधि के दौरान अधिकारी को प्रशिक्षण निदेशालय (सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क), नई दिल्ली में एक विभागीय प्रशिक्षण और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में फाउण्डेशन कोर्स प्रशिक्षण लेना होगा। उसे विभागीय परीक्षा के भाग I और भाग II उत्तीर्ण करने होंगे। परिवीक्षाधीन अधिकारी की वेतनवृद्धि निम्नानुसार नियमित होगी :

रु. 8275 तक बढ़ाने वाली पहली वेतनवृद्धि विभागीय परीक्षा के दो भागों में से एक उत्तीर्ण कर लेने की तारीख अथवा एक वर्ष की सेवा पूरी न कर लेने की तारीख से या एक वर्ष की सेवा पूरी करने पर, इसमें जो भी पहले हो, स्वीकृत की जाएगी, वेतन को 8550 रुपये तक बढ़ाने वाली दूसरी वेतनवृद्धि उक्त परीक्षा का दूसरा भाग उत्तीर्ण करने की तारीख से या दो वर्ष की सेवा पूरी करने पर (इसमें जो भी पहले हो), स्वीकृत की जाएगी, किन्तु 8825 रुपये तक बढ़ाने वाली तीसरी वेतनवृद्धि तभी दी जाएगी जब तीन वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो तथा परिवीक्षा के लिए निर्धारित अवधि में परिवीक्षा पूरी कर ली हो और सरकार द्वारा यदि कोई अन्य शर्त विहित की जाये तो वह पूरी कर ली हो।

टिप्पणी 4 : परिवीक्षाधीन अधिकारी को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारतीय राजस्व सेवा सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'क' के गठन में समय-समय पर भारत सरकार द्वारा आवश्यक समझकर किये जाने वाले प्रत्येक परिवर्तन के अधीन होगी और इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप उन्हें किसी प्रकार का मुआवजा नहीं दिया जायेगा।

7. भारतीय रक्षा लेखा सेवा

(1) वेतनमान :

(क) कनिष्ठ समय वेतनमान (रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक एवं समकक्ष) 8000-275-13500 रु. (संशोधन पूर्वी)/15600-39100 रु. + 5400 (ग्रेड पे) (संशोधित)

(ख) परिष्ठ समय वेतनमान (रक्षा लेखा उप नियंत्रक एवं समकक्ष) 10000-325-15200 रु. (संशोधन पूर्वी)/15600-39100 रु. + 6600 रु. (ग्रेड पे) (संशोधित)

(ग) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक एवं समकक्ष) 12000-375-16500 रु. (संशोधन पूर्वी)/15600-39100 रु. + 7600 रु. (ग्रेड पे) (संशोधित)

(घ) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड) (रक्षा लेखा अपर नियंत्रण एवं समकक्ष) 14000-400-18300 रु. (संशोधन पूर्व)/37400 67000 रु. + 8700 (ग्रेड पे) (संशोधित)

(ङ) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रक्षा लेखा नियंत्रक एवं समकक्ष) 18400-500-22400 रु. (संशोधन पूर्व)/37400-67000 रु. + 10000 रु. (ग्रेड पे) (संशोधित)

(च) रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक एवं समकक्ष 22400-525-24500 रु. (संशोधन पूर्व)/67000-79000 रु. (संशोधित)

(छ) रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक एवं समकक्ष 24500-650-26000 रु. (संशोधन पूर्व)/75000 रु. (3% की दर से वार्षिक वेतन वृद्धि) 80000 रु. (संशोधित)

(ज) रक्षा लेखा महानियंत्रक (विभाग का प्रमुख) 26000 रु. नियत (संशोधनपूर्व)/80000 रु. नियत (संशोधित)।

(झ) रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक/वित्त लेखा तथा लेखा (फैक्ट्री) सहायक नियंत्रक के रूप मेंपर तैनात

(2) परिवीक्षाधीन अधिकारी का वेतन रु. 8000-275-13500 के समय वेतनमान के न्यूनतम से शुरू होगा

(3) नियुक्तियों दो वर्षों की अवधि को परिवीक्षा के आधार पर होंगी जिसके दौरान परिवीक्षाधीनों को निर्धारित विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण करके स्थायीकरण के लिए अहंता प्राप्त करनी होगी। यदि आवश्यक हुआ तो इस अवधि को सरकार चार वर्ष तक के लिए आगे बढ़ा सकती है। परिवीक्षा पास करने में लगातार असफल होने पर (जिसमें बढ़ाई गई अवधि शामिल है) सेवा समाप्त कर दी जाएगी। दो वर्ष की सामान्य अवधि के बाद परिवीक्षाकाल को बढ़ाया जाना वरिष्ठता क्रम को निश्चित रूप से प्रभावित करेगा। इसके अलावा यदि कोई परिवीक्षाधीन परिवीक्षाधी के दौरान भारतीय रक्षा लेखा सेवा में किसी भी प्रकार से अनुपयुक्त पाया जाता है, तो उसकी सेवाएं सरकार द्वारा बिना किसी सूचना के समाप्त की जा सकती हैं। नियुक्ति भारतीय रक्षा लेखा सेवा के संविधान में किसी भी परिवर्तन की शर्त पर होंगी जो भारत सरकार के विवेक पर होगा और आप इस तरह के परिवर्तन के परिणाम से हुई किसी भी क्षतिपूर्ति के दावे के हकदार नहीं होंगे।

(4) आयोग द्वारा किसी भी वर्ष में आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर कनिष्ठ समय वेतनमान में पदों पर भर्ती किये गये व्यक्तियों की वरिष्ठता उक्त विषय पर नियमों और आदेशों के तथा प्रतियोगिता परीक्षा में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अनुसंशित योग्यता क्रम के आधार पर निर्धारित की जाएगी। बशर्ते कि पहले वे चयन के आधार पर नियुक्त परिवीक्षाधीनों का रैंक बाद के चयन के आधार पर नियुक्त व्यक्ति से श्रेणी में ऊपर होगा।

(5) भारतीय रक्षा लेखा सेवा में नियुक्ति की स्वीकृति में भारत में और इसके बाहर क्षेत्रीय सेवा तथा देश के किसी भाग में सेवा के लिए निश्चित रूप से दायित्व निहित है।

(6) परिवीक्षा के दौरान अधिकारियों को तीन चरणों में प्रशिक्षण दिया जाएगा (1) लाल बहादुर शास्त्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी में बुनियादी पाठ्यक्रम, (अवधि तीन माह), (2) राष्ट्रीय वित्त प्रबन्धन संस्थान, फरीदाबाद में एम.बी.ए. (वित्त) प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम (अवधि दस माह), (3) राष्ट्रीय रक्षा वित्त प्रबन्धन अकादमी, पुणे में विभागीय प्रशिक्षण (अवधि दस माह)।

(7) प्रशिक्षण अवधि समाप्त कर लेने पर अधिकारियों को निम्नलिखित संगठनों में से किसी भी एक संगठन में सहायक रक्षा लेखा नियंत्रक/सहायक वित्त एवं लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) के रूप में नियुक्त किया जाएगा :—

- (1) प्रधान नियंत्रक/रक्षा लेखा नियंत्रक (आर्मी कमांडस)
- (2) प्रधान नियंत्रक/रक्षा लेखा नियंत्रक (एयर फोर्स)
- (3) प्रधान रक्षा लेखा नियंत्रक (नेवी)
- (4) प्रधान नियंत्रक/रक्षा लेखा नियंत्रक (पैशन)
- (5) प्रधान लेखा नियंत्रक (आयुध फैक्ट्रीज)
- (6) प्रधान नियंत्रक/रक्षा लेखा नियंत्रक (अनुसंधान और विकास)
- (7) रक्षा लेखा नियंत्रक (सीमा सङ्क)
- (8) एकीकृत वित्त सलाहकार (आर्मी/नेवी/एयरफोर्स/सीमा सङ्क)

8. भारतीय राजस्व सेवा, आयकर ग्रुप 'क'

(क) नियुक्ति परिवीक्षा के आधार पर की जायेगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी, परन्तु यह अवधि बढ़ाई जा सकती है। यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके अपने आपको स्थाई किये जाने याँच्य सिद्ध न कर सके, यदि कोई अधिकारी 3 वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार असफल होता जा रहा हो तो उसकी नियुक्ति खत्म कर दी जाएगी अथवा स्थाई पद पर, यदि कोई हो, उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ख) यदि सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक हो या तो उसे देखते हुए उसका कार्य कुशल होने की संभावना न होकर सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है अथवा स्थाई पद पर, यदि कोई हो, उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ग) परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थाई कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना समझे बढ़ा सकती है परन्तु अस्थायी रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के संबंध में स्थाई करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्तियां करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी है तो वह अधिकारी ऊपर के खंडों में उल्लिखित सरकार की कोई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है ।

(ङ) पूर्व संशोधित वेतनमान :

- (1) आयकर सहायक आयुक्त ग्रुप 'क'—कनिष्ठ वेतनमान—रु. 8000-275-13500
- (2) आयकर उपायुक्त/आयकर उपनिदेशक वरिष्ठ वेतनमान—रु. 10000-325-15200
- (3) आयकर सहायक आयुक्त/आयकर संयुक्त निदेशक वेतनमान—रु. 12000-375-16500
- (4) आयकर अपर आयुक्त वेतनमान—रु. 14300-400-18300
- (5) आयकर आयुक्त वेतनमान—रु. 18400-500-22400
- (6) प्रधान आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक वेतनमान—रु. 22400-525-24500

परिवीक्षाधीन अवधि में अधिकारी को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी तथा राष्ट्रीय प्रत्यक्षकर अकादमी, नागपुर में प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा । मसूरी में शिक्षण समाप्त होने पर उसे पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा पास करनी होगी । इसके अतिरिक्त परिवीक्षाधीन अवधि में विभागीय परीक्षा भी पास करनी होगी । एक वर्ष की सेवा समाप्ति पर वेतन बढ़ाकर 8275 रु. कर दिया जाएगा । केवल विभागीय परीक्षा पास कर लेने से वेतन बढ़ाकर 8275 रु. कर दिया जाएगा । 8550 रु. के स्तर के ऊपर के वेतन तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक कि उस अधिकारी की सेवा का स्थायीकरण न हो जाए तथा 3 वर्ष की सेवा पूरी न हो चुकी हो या दूसरी ऐसी शर्तों के अधीन होगा जो आवश्यक समझी जायें ।

यदि वह अकादमी की पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा पास नहीं कर लेता तो एक वर्ष के लिए उसकी वेतनवृद्धि स्थगित कर दी जाएगी अथवा उस तारीख तक जब कि विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे दूसरी वेतनवृद्धि मिलने वाली हो और उन दोनों में से जो भी अधिक पहले पढ़े तब तक स्थगित रहेगी ।

बुनियादी पाठ्यक्रम में तथा राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी, नागपुर में संचालित व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए वरियताक्रम का परस्पर निर्धारण परीक्षार्थियों के प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा तथा इन निष्पादनों के आधार पर दिए गए स्तर को इन वाक्ययांशों के रूप में निर्दिष्ट किया जाएगा—सिविल सेवा परीक्षा (76.67 प्रतिशत), बुनियादी पाठ्यक्रम (8.33 प्रतिशत) तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण (15 प्रतिशत) ।

टिप्पणी :—परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भली-भांति समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा भारतीय राजस्व सेवा ग्रुप 1 के गठन में किए जाने वाले किसी भी ऐसे परिवर्तन से प्रभावित हो सकेंगी जो कि समय-समय पर उचित समझे जाने के बाद भारत सरकार

द्वारा किया जाएगा और वे उस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप प्रतिकार का दावा नहीं कर सकेंगे ।

9. भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप "क" (प्रशासन)

(क) चुने गए उम्मीदवारों को 2 वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रखा जाएगा । महानिदेशक, आयुध कारखाना/अध्यक्ष आयुध कारखाना बोर्ड की अनुसंशा पर परिवीक्षा की अवधि सरकार द्वारा घटाई या बढ़ाई जा सकती है और परिवीक्षाधीन उम्मीदवार को सरकार द्वारा यथा-निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और सरकार द्वारा निर्धारित विभागीय तथा भाषा परीक्षण उत्तीर्ण करते होंगे । भाषा परीक्षण हिन्दी में परीक्षण होगा ।

परिवीक्षा की अवधि के समाप्त पर सरकार अधिकारी की नियुक्ति स्थाई करेगी । किन्तु यदि परिवीक्षा की अवधि के दौरान या उसके अन्त में उसका आचरण सरकार की राय में असन्तोषजनक हो तो सरकार उसे या तो कार्यमुक्त करेगी या उसकी परिवीक्षा की अवधि को यथापेक्षित बढ़ाएगी ।

(ख) 1. चुने हुए उम्मीदवारों को आवश्यकता पड़ने पर प्रशिक्षण पर बिताई अवधि सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए सशस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारी के रूप में सेवा करनी पड़ेगी gkshafdurqkrz;g gsfd (i) उसे नियुक्ति की तारीख के 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से सेवा नहीं करनी होगी, और (ii) उसे साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में सेवा नहीं करनी होगी ।

2. उम्मीदवार पर यथा संशोधित सा.का.नि. सं. 92, दिनांक 9-3-1957, के अधीन प्रकाशित सिविलियन संबंधी रक्षा सेवा (फील्ड लाइबिलिटी) नियमावली, 1957 भी लागू होगा । उनकी इन नियमों में निर्धारित विकित्सा मानक के अनुसार परीक्षा की जाएगी ।

(ग) लागू वेतन की निम्नलिखित दरें हैं :—

कनिष्ठ समय वेतनमान—15600-39100 रु., ग्रेड पे 5400

वरिष्ठ समय वेतनमान—15600-39100 रु., ग्रेड पे 6600

वरिष्ठ समय वेतनमान (गैर-कार्यात्मक) 15600-39100 रु., ग्रेड पे 7600

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (कार्यात्मक) 37400-367000 रु., ग्रेड पे 8700

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 37400-67000 रु., ग्रेड पे 10000

वरिष्ठ महाप्रबन्धक/वरिष्ठ उप-महानिदेशक/उच्च प्रशासनिक ग्रेड-67400-79000 रु.

अपर महानिदेशक आयुध कारखाना/सदस्य (आयुध कारखाना बोर्ड) 75500-80000 रु.

महानिदेशक आयुध कारखाना/अध्यक्ष आयुध कारखाना बोर्ड 80000 रु. (नियत)

महानिदेशक आयुध कारखाना

अध्यक्ष, आयुध कारखाना बोर्ड रु. 26000 (नियत)

टिप्पणी :—उस सरकारी कर्मचारी का वेतन नियम के अधीन विनियमित किया जाएगा जिसने परिवीक्षाधीन के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले मूल रूप में आवधिक पद के अलावा कोई स्थायी पद को धारण किया ।

(घ) परिवीक्षा 15600-39100 रु. ग्रेड मे 5400 रु. के निर्धारित वेतनमान मे वेतन आहरित करेंगे। परिवीक्षा अधिकारी के दौरान उन्हें फाउण्डेशनल कोर्स मे विभाग की विभिन्न शाखाओं, राष्ट्रीय रक्षा उत्पादन अकादमी, अलक्षारी, नागपुर और/या लाल बहादुर शास्त्री प्रशासनिक अकादमी, मंसूरी मे प्रशिक्षण प्राप्त करना अपेक्षित होगा।

(ङ) परिक्षार्थी को प्रशिक्षण/परिवीक्षा अधिकारी के दौरान उनके प्रशिक्षण पर हुए सम्पूर्ण व्यय और उनको किए हुए अन्य भुगतानों की राशि वापिस करनी होगी, बशर्ते वह अपने प्रशिक्षण/परिवीक्षा की समाप्ति की तारीख से पांच वर्ष की अधिकारी के भीतर सेवा से त्यागपत्र देने की इच्छा व्यक्त करता/करती है अथवा बशर्ते वह प्रशिक्षण/परिवीक्षा से नाम वापिस ले लेता है/ ले लेती है। परिवीक्षार्थी को नियुक्ति के समय इस आशय का एक बंधपत्र देना होगा।

(च) भारतीय आयुध कारखाना सेवा-समूह 'क' मे 9 (ग) मे दर्शाए गए पद या ग्रेड या समय वेतनमान शामिल है और अधिकारियों की निम्नलिखित श्रेणियां शामिल हैं नाम्रता: :-

- (1) इंजीनियर (यांत्रिकी/वैद्युत/इलैक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार/सिविल)
- (2) रसायन इंजीनियरी
- (3) धात्विक इंजीनियरी
- (4) चमड़ा प्रैंटोग्राफीविद्
- (5) वस्त्र तकनीकीकार
- (6) प्रशासनिक अधिकारी

टिप्पणी 1.—प्रशासनिक अधिकारी सामान्यतया सिविल सेवा परीक्षा (सी एस ई) के माध्यम से भर्ती किए जाते हैं। क्रम सं. (i) मे दिए गए इंजीनियर इंजीनियरी सेवा परीक्षा (ई एस ई) के माध्यम से भर्ती किए जाते हैं। क्रम सं. (ii) मे (v) तक को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित विशेषज्ञ परीक्षा तथा/अथवा साक्षात्कार के माध्यम से भर्ती किया जाता है।

10. भारतीय डाक सेवा ग्रुप 'क'

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को इस विभाग मे प्रशिक्षण लेना होगा जिसकी अवधि, आमतौर पर दो वर्ष से अधिक नहीं होगी। इस अवधि मे इन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।

(ख) यदि सरकार की राय मे, किसी प्रशिक्षणाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है अथवा स्थाई पद पर यदि कोई है, उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ग) निर्धारित प्रशिक्षण को संतोषप्रद ढंग से पूरा करने पर तथा निर्धारित विभागीय परीक्षण पास करने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है, या यदि सरकार उन्हे या तो सेवामुक्त कर सकती है। या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना उचित समझ बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा मे नियुक्तियां करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी ऊपर के खंडों मे उल्लिखित सरकार की कोई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) पूर्व संशोधित वेतनमान :

- (1) कनिष्ठ समय वेतनमान-रु. 8000-275-13500
- (2) वरिष्ठ समय वेतनमान-रु. 10000-325-15200
- (3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड वेतनमान रु. 12000-375-16500
- (4) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड)-
वेतनमान-रु. 14300-400-18300

- (5) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड वेतनमान-रु. 18400-500-22400
- (6) वरिष्ठ उप महानिदेशक मुख्य महा पोस्टमास्टर वेतनमान-रु. 22400-525-24500
- (7) प्रधान मुख्य महा पोस्टमास्टर : वेतनमान-रु. 22400-600-26000
- (8) डाक सेवा बोर्ड के सदस्य : वेतनमान-रु. 24050-600-26000

(च) जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर आवधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थाई पद पर नियुक्त था उसका वेतन मूल नियम 22(ख)(1) की अवस्थाओं के अधीन नियमित होगा।

(छ) परिवीक्षाधीन अधिकारियों को यह भली-भांति समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा भारतीय डाक सेवा के गठन के लिए किए जाने वाले किसी भी ऐसे परिवर्तन मे प्रभावित हो सकेगी जो कि समय-समय पर उचित समझे जाने के बाद, भारत सरकार द्वारा किया जाएगा और वे इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप प्रतिकर का दावा नहीं कर सकेंगे।

(ज) कनिष्ठ समय वेतनमान मे सीधी भर्ती की अधिकारियों की परस्पर वरिष्ठता निर्धारित करते समय, सीधी भर्ती के उम्मीदवारों द्वारा सिविल सेवा परीक्षा मे तथा परिवीक्षा प्रशिक्षण मे उनके द्वारा प्राप्त अकों को ध्यान मे रखा जाएगा।

(झ) भारतीय डाक सेवा के अधिकारियों को सरकार द्वारा यथा अपेक्षित सेना डाक सेवा मे भारत अथवा विदेश मे कार्य करना होगा।

(ञ) इस समय सेवा मे इस समय रु. 24050-650-26000 के ग्रेड मे 3 पद, रु. 22400-600-26000 के ग्रेड मे 20 पद, रु. 18400-500-22400 के ग्रेड मे 58 पद तथा रु. 14300-400-18300 रु./12000-375-16500 (गैर-कार्यात्मक चयन ग्रेड तथा कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड) के ग्रेड मे 91 पद हैं।

11. भारतीय सिविल लेखा सेवा ग्रुप 'क'

(क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा के आधार पर की जाएगी किन्तु यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी ने स्थायीकरण के लिए निर्धारित विभागीय परीक्षा पास कर अहता प्राप्त नहीं की तो वह अवधि बढ़ाई जा सकती है। तीन वर्ष की अवधि मे विभागीय परीक्षाओं मे बार-बार असफल रहने पर नियुक्तियां समाप्त की जाएंगी।

(ख) यदि सरकार की राय मे, किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है अथवा स्थाई पद पर, यदि कोई है, उसका (प्रत्यावर्तन) किया जा सकता है।

(ग) परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर सरकार अधिकारी को उसके नियुक्ति पर स्थाई कर सकती है। यदि सरकार की राय मे, उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त

कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि को जितना उचित समझ बढ़ा सकती है। परन्तु अस्थायी रिक्तियों पर की गई नियुक्तियों के संबंध में स्थायीकरण का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(घ) परिवीक्षाधीन अधिकारियों को यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि नियुक्ति भारतीय सिविल लेखा सेवा के गठन में किए गए ऐसे परिवर्तनों के अधीन होगी जो समय-समय पर भारत सरकार द्वारा ठीक समझे जाएं और ऐसे परिवर्तनों के परिणामस्वरूप वे किसी प्रतिकार का दावा नहीं करेंगे।

(ङ) वेतनमान :—

क्र. सं	पद	पे बैंड/ वेतनमान का नाम	तदनुरूपी पे बैंड/वेतनमान का नाम	ग्रेड पे वेतनमान
1. लेखा (नियंत्र)	शीर्ष	80000 (नियंत्र)	शून्य वेतनमान	
2. अपर लेखा महानियंत्रक	उच्चतर प्रशा. ग्रेड+	75500-(3% की दर से वेतनमान वार्षिक वेतन वृद्धि 80000	शून्य	
3. प्रधान मुख्य लेखा नियंत्रक	उच्च प्रशासनिक ग्रेड वेतनमान	67000-(3% की दर से वार्षिक वेतन वृद्धि) 79000	शून्य	
4. वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (संयुक्त लेखा महा नियंत्रक/लेखा मुख्य नियंत्रक)	पी.बी.-4	37400-67000	10000	
5. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड चयन (उप लेखा महानियंत्रक/ लेखा नियंत्रक)	पी.बी.-4	37400-67000	8700	
6. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (उप लेखा महानियंत्रक/लेखा नियंत्रक)	पी.बी.-3	15600-39100	7600	
7. वरिष्ठ समय वेतनमान (सहायक लेखा महानियंत्रक/लेखा उप-नियंत्रक)	पी.बी.-3	15600-39100	6600	
8. कनिष्ठ समय वेतनमान (सहायक लेखा नियंत्रक)	पी.बी.-3	15600-39100	5400	

टिप्पणी 1.—परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा भारतीय सिविल लेखा सेवा के समय वेतनमान में कम से कम वेतन से आरम्भ होगी और वेतनवृद्धि के प्रयोजनार्थ वह उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से गिनी जायेगी।

टिप्पणी 2.—परिवीक्षाधीन अधिकारियों को रु. 8000 की स्टेज से ऊपर वेतन की अनुमति तब तक नहीं दी जायेगी जब तक वे समय-समय पर निर्धारित किए नियमों के अनुसार विभागीय परीक्षा पास नहीं कर लेते हैं।

टिप्पणी 3.—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले अधीक्षक पद से अतिरिक्त अन्य स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर रहा हो उसका वेतन मूल नियम 22(ख)(1) में दिए गए उपर्युक्तों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

12. भारतीय रेलवे यातायात सेवा ग्रुप 'क'
13. भारतीय रेलवे लेखा सेवा ग्रुप 'क'
14. भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा ग्रुप 'क'
15. रेलवे सुरक्षा बल ग्रुप 'क'

(क) परिवीक्षा भारतीय रेलवे लेखा सेवा (भा.रेल.से.) और भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (भा.रेका.से.) के अलावा इन सेवाओं के भर्ती किए गए उम्मीदवार तीन वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। इस दौरान उम्मीदवारों को दो वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा उनकी कार्यकारी पद पर परिवीक्षा के दौरान कम से कम एक वर्ष के लिए नियुक्ति की जाएगी। यदि किसी मामले में संतोषजनक रूप से प्रशिक्षण पूरा न करने के कारण प्रशिक्षण की अवधि बढ़ाई जाती है तो उसके अनुसार परिवीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ा दी जाएगी। इसके अलावा यदि कार्यकारी पद पर परिवीक्षा के आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि के दौरान कार्य संतोषजनक नहीं पाया जाता है तो सरकार जितना उचित समझे परिवीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

किन्तु भारतीय रेलवे लेखा सेवा और भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा में भर्ती किए गए उम्मीदवारों की नियुक्ति दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर की जाएगी जिसके दौरान उनको प्रशिक्षण दिया जाएगा। यदि प्रशिक्षण के संतोषजनक रूप से पूरा न होने पर किसी रिस्ति में प्रशिक्षण की अवधि को बढ़ा दिया जाता है तो उसके अनुसार परिवीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ा दी जायेगी।

(ख) प्रशिक्षण—सभी परिवीक्षाधीन अधिकारियों को विशिष्ट सेवाओं/पदों के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अनुसार दो वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा। यह प्रशिक्षण ऐसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से लेना होगा तथा उन्हें ऐसी परीक्षाओं को उत्तीर्ण करना होगा जो इस अवधि पर सरकार समय-समय पर निर्धारित करे।

(ग) नियुक्ति की समाप्ति—(1) परिवीक्षा की अवधि के दौरान परिवीक्षाधीन अधिकारी की नियुक्ति में दोनों पक्षों में से किसी भी पक्ष की ओर से तीन महीने का लिखित नोटिस देकर समाप्त की जा सकती है किन्तु इस प्रकार के नोटिस की आवश्यकता संविधान के अनुच्छेद 311 के खंड (2) के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही के कारण सेवा में बख्खास्तगी या सेवा से हटा दिए जाने और मानसिक या शरीरिक असमर्थता से संबंधित मामलों में नहीं होगी। किन्तु सरकार को सेवा समाप्त करने का अधिकार होगा।

(2) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण संतोषजनक न हो अथवा ऐसा प्रतीत होता हो कि उसके सक्षम बनने की संभावना न हो तो सरकार उसे तुरन्त सेवामुक्त कर सकती है अथवा स्थाई पद पर यदि कोई है, उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(3) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर भी सेवा समाप्त की जा सकती है। परीक्षा की अवधि में अनुमोदित स्तर की हिन्दी परीक्षा उत्तीर्ण न करने पर भी सेवा समाप्त की जा सकेगी।

(घ) स्थायीकरण—परिवीक्षा की अवधि संतोषजनक रूप से पूरा कर लेने और निर्धारित सभी विभागीय और हिन्दी परीक्षाओं के उत्तीर्ण कर लेने पर यदि सब प्रकार से नियुक्ति के लिए विचार कर लिए जाते हैं तो परिवीक्षाधीन अधिकारियों को सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में स्थायी किया जायेगा।

(ङ) पूर्व संशोधित वेतनमान

भारतीय रेलवे यातायात सेवा/भारतीय रेलवे लेखा सेवा/भारतीय रेलवे कार्यिक सेवा

(1) कनिष्ठ वेतनमान-रु. 8000-225-13500

(2) वरिष्ठ वेतनमान-रु. 10000-325-15200

(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु. 12000-375-16500

(4) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-रु. 18400-500-22400

इसके अतिरिक्त रु. 18300 और रु. 26000 के बीच कुछ पद सुपर टाइम वेतनमान वाले पद हैं, उनके लिए उपयुक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं।

रेलवे सुरक्षा बल पूर्व संशोधित

(1) कनिष्ठ वेतनमान-रु. 8000-275-13500

(2) वरिष्ठ वेतनमान-रु. 10000-325-15200

(3) वरिष्ठ कमांडेंट (मुख्यालय) रु. 12000-375-16500

(4) उप महानिरीक्षक-रु. 16400-450-20000

(5) महानिरीक्षक-रु. 18400-500-22400

(6) महानिदेशक-रु. 24050-650-26000

परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम से प्रारंभ होगी और उन्हें परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को समय वेतनमान में छुट्टी, पैंशन व वेतन वृद्धियों के लिए गिनने की अनुमति होगी।

महंगाई भत्ता और अन्य भत्ते भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेंगे।

परिवीक्षा की अवधि में विभागीय तथा अन्य परिक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर वेतन-वृद्धियों को रोका या स्थगित किया जा सकता है।

(च) प्रशिक्षण की लागत की वापसी—यदि किसी कारणवश कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण या परिवीक्षा से अलग होना चाहता है जिसके बारे में सरकार यह समझे कि वे उसके नियंत्रण के भीतर हैं तो उसे अपने प्रशिक्षण का सारा खर्च और परिवीक्षाधीन अवधि में किए गए अन्य प्रकार की रकमों को वापस करना पड़ेगा। इस प्रयोजन के लिए परिवेक्षकों से एक बंध-पत्र की अपेक्षा की जाएगी जिसकी एक प्रति उनके नियुक्त प्रसाव के बाद संलग्न की जाएगी।

(छ) छुट्टी—उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी लेने के पात्र होंगे।

(ज) डाक्टरी चिकित्सा सहायता—(1) अधिकारी समय-समय पर लागू नियमावली के अनुसार डाक्टरी चिकित्सा सहायता और उपचार के पात्र होंगे।

(2) पास तथा विशेषाधिकार टिकट—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमावली के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास तथा विशेषाधिकार टिकट प्राप्त के पात्र होंगे।

(झ) भविष्य निधी तथा पैंशन—उक्त सेवा में भर्ती किए गए उम्मीदवार रेलवे पैंशन नियमों द्वारा शासित होंगे तथा उस निधि के समय-समय पर लागू नियमों के अधीन राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-अंशदायी) में योगदान करेंगे।

(ज) उक्त सेवा के पद पर भर्ती किए गए उम्मीदवारों को भारत या भारत के बाहर किसी भी रेलवे या परियोजना में कार्य करना पड़ सकता है।

टिप्पणी :—रेलवे सुरक्षा बल में भर्ती किए गए उम्मीदवार इसके अतिरिक्त रेलवे सुरक्षा बल अधिनियम, 1957 तथा रेसु. बल नियमावली 1959 में नियम उपबंधों द्वारा भी शासित होंगे।

16. भारतीय रक्षा सम्पदा सेवा युपु “क”

(क) (1) नियुक्ति के लिए चुना गया उम्मीदवार परिवीक्षा पर रखा जाएगा जिसकी अवधि आमतौर पर 2 वर्ष से अधिक नहीं होगी। इस अवधि में सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा।

(2) जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले अवधि के पद के अतिरिक्त अन्य स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य करता था उसका वेतन मूल नियम 22(ख) (1) में दिए गए उपबंधों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ख) परिवीक्षा की अवधि में उम्मीदवारों को निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।

(ग) (1) यदि सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो तो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे सेवामुक्त कर सकती है, परन्तु सेवामुक्ति का आदेश देने से पहले, उसे सेवामुक्ति के कारणों से अवगत कराया जाएगा और लिखकर “कारण बताओ” का अवसर भी दिया जाएगा।

(2) यदि परिवीक्षा-अवधि की समाप्ति पर अधिकारी ने ऊपर पैरा (ख) में उल्लिखित विभागीय परीक्षा पास न की हो तो सरकार अपने विकेंगे से या तो उसे सेवामुक्त कर सकती है या यदि मामले की परिस्थितियों को देखते हुए, उसकी परिवीक्षा-अवधि बढ़ाती आवश्यक हो तो वह जितना उचित समझे, परिवीक्षा-अवधि बढ़ा सकती है।

(3) परिवीक्षा-अवधि के समाप्त होने पर सरकारी अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा-अवधि को जितना समझे, बढ़ा सकती है। परिवीक्षा-अवधि में ऐसे आदेश पारित या बढ़ाये जा सकते हैं, परन्तु सेवामुक्ति का आदेश देने से पहले, अधिकारी को सेवामुक्ति के कारण से अवगत कराया जाएगा और लिखकर “कारण बताओ” का अवसर भी दिया जाएगा।

(घ) इस सेवा के सदस्य को उसकी परिवीक्षा-अवधि में वार्षिक वेतन-वृद्धि तय हो जाने पर भी, तब तक नहीं मिलेगी जब तक वह विभागीय परीक्षा पास नहीं कर लेगा । जो वृद्धि इस प्रकार नहीं मिली होगी वह विभागीय परीक्षा पास करने की तारीख से मिल जाएगी ।

(ङ.) यदि कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी राष्ट्रीय प्रत्यक्षकर अकादमी, नागपुर, तथा एस.वी.पी. राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद की पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा पास नहीं करता है तो जिस तारीख को उसे पहली वेतनवृद्धि प्राप्त होगी उस तारीख से एक वर्ष के लिए स्थगित कर दी जाएगी अथवा विभागीय नियमों के अंतर्गत उसे जब दूसरी वेतनवृद्धि प्राप्त होने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी ।

(च) पूर्व संशोधित वेतनमान निम्न प्रकार है :—

रक्षा संपदा के महानिदेशक रु. 26000 (नियत)

प्रधान निदेशक तथा समकक्ष पद, उच्च प्रशासनिक ग्रेड 22400-525-24500 रुपए

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 18400-500-22400 रुपए

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड) 14300-400-18300 रुपए

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सामान्य) 12000-375-16500 रुपए

वरिष्ठ समय वेतनमान 10000-325-15200 रुपए

कनिष्ठ समय वेतनमान 8000-275-13500 रुपए

(छ) (i) कनिष्ठ समय वेतनमान में, अधिकारी सामान्यतः छावनी अधिनियम, 2006/रक्षा सम्पदा अधिकारी/स्टाफ नियुक्तियां आदि के अंतर्गत अधिसूचित छावनियों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किए जाएंगे ।

(ii) वरिष्ठ समय वेतनमान में, अधिकारी या तो परिमण्डल के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों/रक्षा सम्पदा अधिकारियों के रूप में या स्टाफ नियुक्तियों आदि में नियुक्त किए जाएंगे ।

(ज) कनिष्ठ समय वेतनमान से उच्च वेतनमान में सभी पदोन्नतियां समय-समय पर यथा संशोधित भारतीय रक्षा सम्पदा सेवा नियमावली, 1995 के अनुसार की जाएंगी ।

(झ) भारतीय रक्षा सम्पदा सेवा के अधिकारियों से भारत के किसी भाग में सेवा ली जा सकती है और साथ ही फौल्ड सर्विस के लिए उन्हें भारत के किसी भाग में भेजा जा सकता है ।

(ज) इस सेवा में नियुक्त किए गए उम्मीदवार को समय-समय पर संशोधित भारतीय रक्षा सम्पदा सेवा ग्रुप 'क' नियमावली, 1985 द्वारा शासित किया जाएगा ।

17. भारतीय सूचना सेवा, कनिष्ठ ग्रेड (ग्रुप 'क')

(क) "भारतीय सूचना सेवा में समस्त भारत के पद शामिल हैं, जिसमें सूचना और प्रसारण मंत्रालय/रक्षा मंत्रालय (जन संपर्क निदेशालय) के विभिन्न माध्यम संगठनों (जैसे कि प्रेस सूचना बूरो, दूरदर्शन, आकाशवाणी विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, केंद्र प्रचार निदेशालय, आदि) के विदेशों में कुछ पदों सहित पद सम्मिलित हैं, जिनके लिए प्रबंध कुशलता और जानकारी तथा सरकार के लिए तथा सरकार की ओर से इसका प्रसार करने की क्षमता अपेक्षित है ताकि सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों और जन साधारण के सामाजिक तथा आर्थिक उत्थान के लिए उनके कार्यान्वयन के बारे में विभिन्न माध्यमों से जनता को शिक्षित, प्रेरित

और सूचित किया जा सके । केंद्रीय सूचना सेवा जो 1 मार्च, 1960 को गठित की गई थी, का नाम सन् 1987 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 153 दिनांक 7-3-1987 द्वारा बदल कर भारतीय सूचना सेवा कर दिया गया है ।

टिप्पणी : आकाशवाणी तथा दूरदर्शन में भारतीय सूचना सेवा संबंधी पदों का जारी रखा जाना, प्रसार भारती अधिनियम के अनुसार में सरकार द्वारा बनाए जाने वाले नियमों तथा विनियमों के अध्याधीन है ।"

(ख) उक्त सेवा में संप्रति निम्नलिखित ग्रेड है :—

ग्रेड	वेतनमान
1	2
भारतीय सूचना सेवा ग्रेड 'क'	
(1) उच्चतर ग्रेड	26000 (नियत) रुपए
(2) चयन ग्रेड	22400-525-24500 रुपए
(3) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	18400-500-22400 रुपए
(4) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (नान-फंक्शनल)	14300-400-18300 रुपए
(5) चयन ग्रेड	
(6) वरिष्ठ ग्रेड	12000-375-16500 रुपए
(7) कनिष्ठ ग्रेड	10000-325-15200 रुपए
	8000-275-13500 रुपए

(ग) "ग्रेड में इन रिक्तियां तथा उच्चतर ग्रेड, चयन ग्रेड, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड, कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड तथा वरिष्ठ ग्रेडों में रिक्तियां अगले न्यून ग्रेड में पदशारी अधिकारियों में से चयन द्वारा पदोन्नति से भरी जाएंगी ।"

(घ) (1) कनिष्ठ वेतनमान के सीधी भर्ती वालों को दो वर्ष परिवीक्षा पर रहना होगा । परिवीक्षा के दौरान उन्हें भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली में 11 महीने की अवधि के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा । प्रशिक्षण की अवधि तथा स्वरूप में सरकार द्वारा परिवर्तन किया जा सकता है । प्रशिक्षण के दौरान उन्हें विभागीय परीक्षण (परिक्षणों) को उत्तीर्ण करना होगा, प्रशिक्षण की अवधि के दौरान विभागीय परीक्षण (परिक्षणों) को उत्तीर्ण नहीं करने पर उम्मीदवार सेवा से कार्यान्वयन अथवा स्थायी पद यदि कोई हो, जिस पर उसका पुनर्ग्रहणाधिकार हो तो प्रवर्तित किया जा सकता है ।

(2) परिवीक्षा की अवधि के समाप्त होने पर सरकार लागू नियमों के अनुसार सीधी भर्ती द्वारा किए गए अधिकारियों को उनकी नियुक्तियों में स्थायी कर सकते हैं । यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक हो तो उसे सेवा से हटा दिया जाएगा या उसकी परिवीक्षा अवधि को सरकार जितना उचित समझेगी बढ़ा देगी । यदि उसका कार्य या आचरण ऐसा हो जिसे देखते हुए ऐसा जान पड़े कि उसके कार्य कुशल होने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल सेवा से हटा सकती है ।

(3) परिवीक्षाधीन अधिकारी ग्रेड-II के समय वेतनमान के निम्नतम स्तर प्रारम्भ करेंगे और सेवा में उनकी प्रवेश की तारीख से वेतनवृद्धि के लिए उनकी सेवा की गिनती होगी ।

(ङ.) सरकार किसी भी अधिकारी को सूचना और प्रसारण मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय (जन संपर्क निदेशालय) के अधीन किसी संगठन में क्षेत्रगत पद पर काम करने को कह सकती है ।

(च) जहां तक छुट्टी, पेंशन और सेवा की अन्य शर्तों का संबंध

है भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों को समूह 'क' तथा समूह 'ख' के अन्य अधिकारियों के समान माना जाएगा।

18. भारतीय कार्पोरेट विधि सेवा- (क) नियुक्तियां परिवीक्षा के आधार पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी परंतु कुछ शर्तों के अनुसार बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवार को परिवीक्षा की अवधि में केन्द्रीय सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार तत्काल सेवामुक्त कर सकती है या यथास्थित उसे स्थाई पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है। जिस पर उसका पुनर्ग्रहणाधिकार है अथवा होगा; बशर्ते कि उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले उस पर लागू नियमों के अंतर्गत पुनर्ग्रहणाधिकार निलंबित न कर दिया गया हो।

(ग) परिवीक्षा अवधि के असंतोषजनक रूप से पूरा होने पर सरकार अधिकारी को सेवा में स्थाई कर सकती है, यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न हो तो सरकार उसे भी सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना उचित समझे कुछ शर्तों के साथ बढ़ा सकती है।

(घ) भारतीय कार्पोरेट विधि सेवा से संबंधित प्रत्येक अधिकारी को केन्द्र सरकार के अंतर्गत भारत में या भारत से बाहर कहीं भी सेवा करने के लिए कहा जा सकता है।

(ङ) वेतनमान :-

(i) कनिष्ठ समय वेतनमान : 8000-275-13,500 रुपए
(पूर्व संशोधित)

- (ii) वरिष्ठ समय वेतनमान : 10,000-325-15,200 रुपए
(पूर्व संशोधित)
- (iii) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड : 12,000-375-16,500 रुपए
(पूर्व संशोधित)
- (iv) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड : (नान फैक्शनल सेलेक्शन ग्रेड) : 14,300-400-18,300 रुपए (पूर्व संशोधित)
- (v) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड : 18,400-500-22,400 रुपए
(पूर्व संशोधित)
- (vi) उच्च प्रशासनिक ग्रेड : 22,400-24,500 रुपए
(पूर्व संशोधित)

महंगाई भत्ता केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेगा।

परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा कनिष्ठ समय वेतनमान में आरंभ होगी तथा परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को समय वेतनमान में वृद्धि या पेशन छुट्टी के लिए गिनने की अनुमति होगी।

(च) सेवा के सदस्यों की सेवा शर्तों का विनियमन भारतीय कार्पोरेट विधि सेवा नियम, 2008 के अनुपालन में किया जाएगा। ऐसे मामले जिनके लिए भारतीय कार्पोरेट विधि सेवा नियम, 2008 में कोई प्रावधान नहीं किया गया है, के संबंध में सेवा के सदस्यों की सेवा शर्तों वैसी ही होंगी जैसी केन्द्रीय सिविल सेवा समूह 'क' अधिकारियों पर समय-समय पर लागू होती हैं।

19. सशास्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा, अनुभाग अधिकारी ग्रेड, ग्रुप 'ख'

(क) सशास्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में इस समय निम्नलिखि पांच ग्रेड हैं :-

क्रम सं.	ग्रेड	पे बैंड/वेतनमान का नाम	तदनुरूपी में पे बैंड/वेतनमान	तदनुरूपी ग्रेड पे
1.	प्रधान निदेशक (ग्रुप-क)	पी.बी-4	37400-67000 संशोधन पूर्व (18400-500-22400 रु.)	10000
2.	निदेशक (ग्रुप-क)	पी.बी-4	37400-67000 संशोधन पूर्व (14300-400-18300 रु.)	8700
3.	संयुक्त निदेशक (ग्रुप-क)	पी.बी-3	15600-39100 संशोधन पूर्व (12000-375-16500 रु.)	7600
4.	उप निदेशक (ग्रुप-क)	पी.बी-3	15600-39100 संशोधन पूर्व (10000-325-15200 रु.)	6600
5.	अनुभाग अधिकारी (ग्रुप-ख अराजपत्रित)	पी.बी-2	(i) 9300-34800 (आरभिक नियुक्ति पर) संशोधन पूर्व (7500-250-12000 रु.)	4800
6.	सहायक (ग्रुप-ख अराजपत्रित)	पी.बी-2	(ii) 15600-39100, संशोधन पूर्व (8000-275-13500 रु.) 5400 (गैर-4 वर्ष की अनुमोदित सेवा पूरी करने पर गैर-कार्यात्मक वेतनमान/ग्रेड पे, सतर्कता निर्बाधन के अधीन) ग्रेड पे)	4800
			(iii) 9300-34800 संशोधन पूर्व (6500-200-10500 रु.)	4600

उपर्युक्त सेवा एकीकृत मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय (सेना, नौसेना और वायुसेना) और अन्तर्र-सेवा संगठन, रक्षा मंत्रालय की आवश्यकता पूरी करती है। प्रत्यक्ष भर्ती के बिना अनुभाग अधिकारी ग्रेड और सहायक ग्रेड के लिए की जाती है।

(ख) सीधी भर्ती बाले व्यक्ति अनुभाग अधिकारी ग्रेड में 2 वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। इस अवधि में उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित कोई भी प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा अथवा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखाने अथवा परिक्षाओं में उत्तीर्ण न हो पाने के फलस्वरूप परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा-मुक्त कर दिया जाएगा अथवा स्थायी पद पर यदि कोई है, उसका प्रयावर्तन किया जा सकता है।

(ग) परिवीक्षा की अवधि समाप्त होने पर सरकार चाहे तो संबंधित अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थाई कर दे अथवा यदि उसका कार्य या आचरण सरकार की राय में संतोषजनक न रहा हो तो उसे सेवा मुक्त कर दे या परिवीक्षा की अवधि उतने काल तक के लिए आगे बढ़ा दे जितना सरकार उचित समझे ।

(घ) अदि नियुक्तियां करने की शक्तियां सरकार द्वारा किसी अधिकारी को प्रत्यायोजित की जाएं तो वह अधिकारी उपर्युक्त खंडों में वर्णित सरकार की शक्तियों में से किसी का भी प्रयोग कर सकता है ।

(ङ.) सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा रक्षा मंत्रालय अन्त-सेना संगठनों में अनुभाग अधिकारी सामान्यतः अनुभागों के प्रमुख होंगे जबकि उप-निदेशक एक या अधिक अनुभागों के कार्य प्रभारी होंगे ।

(च) अनुभाग अधिकारी समय-समय पर तत्संबंधी लागू नियमों के अनुसार उप-निदेशक ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे ।

(छ) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा के उप-निदेशक समय-समय पर तत्संबंधी लागू नियमों के अनुसार उक्त सेवा के संयुक्त निदेशक ग्रेड में तथा प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति के पात्र होंगे ।

(ज) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा के संयुक्त निदेशक सेवा के निदेशक के पद पर और अन्य प्रशासनिक पदों के लिए समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार सेना में नियुक्ति के पात्र होंगे ।

(झ) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में निदेशक से ऊपर के स्तर के प्रधान निदेशक [ग्रुप 'क', पी बी-4 (37400-67000), ग्रेड पे 10000 रु, संशोधन पूर्व (18400-500-22400 रु.)] के तीन पद हैं। ये तीन पद तीन वर्ष की अनुमोदित सेवा वाले निदेशकों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाने हैं।

(ज) जहां तक सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा के अधिकारियों की छुट्टी, पेंशन तथा सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है वे समय-समय पर रक्षा सेवाओं के व्यय में से वेतन पाने वाले अधिकारियों के लिए लागू नियमों, विनियमों तथा आदेशों द्वारा शासित होंगे ।

20. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, दमन और दीव और दादरा और नागर हवेली सिविल सेवा समूह-ख

(क) दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्तियों की जाएंगी जिसे सक्षम प्राधिकारी के विवेक से बढ़ाया जा सकता है । परिवीक्षा पर नियुक्ति किए गए अधिकारियों को ऐसे प्रशिक्षण पर जाना आवश्यक होगा और ऐसे परीक्षण पास करने होंगे जिन्हें केन्द्र सरकार निर्धारित करे ।

(ख) यदि सरकार की राय में, परिवीक्षा पर सेवा के लिए नियुक्ति किए गए अधिकारी का कार्य या व्यवहार असन्तोषजनक पाया जाता है या यह दर्शाता है कि वह निपुण सरकारी कर्मचारी बनने में सक्षम नहीं है, तो केन्द्र सरकार बिना कोई कारण बताए अविलम्ब उसे सेवामुक्त कर सकती है ।

(ग) जिस अधिकारी की परिवीक्षावधि सन्तोषजनक तरीके से पूरी कर लेने के बारे में घोषणा कर दी जाती है, तो उसे सेवा में स्थायी किया जाएगा । तथापि, केन्द्र सरकार की राय में, उसका कार्य या व्यवहार असन्तोषजनक पाया जाता है, केन्द्र सरकार या तो उसे सेवामुक्त कर सकती है या ऐसी आगे की अवधि के लिए उसका परिवीक्षा काल बढ़ा सकती है, जैसा भी वह उचित समझे ।

(घ) ग्रेड और वेतनमान :

क्रम सेवा का ग्रेड सं	पे बैंड/ वेतनमान	तदनुरूपी पे बैंड/वेतनमान	तदनुरूप ग्रेड पे
1. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-I (ग्रुप-क)	पी बी-4	37,400-67,000	8700
2. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-II (ग्रुप-क)	पी बी-3	15,600-39,100	7600
3. चयन ग्रेड-III	पी बी-3	15,600-39,100	6600
4. एंट्री ग्रेड (ग्रुप-ख), पी बी-2 पी बी-3	(i) 93,00-34,800 (आरंभिक नियुक्ति पर) (ii) 15,600-39,100 (4 वर्ष की अनुमोदित सेवा पूरी करने पर, सतर्कता एवं सत्यनिष्ठा निर्बाधन के अध्यधीन)	4800 5400	

प्रतियोगी परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए गए अधिकारी, सेवा एंट्री ग्रेड में नियुक्त होने पर, उपर्युक्त ग्रेड में प्रारंभिक नियुक्ति हेतु निर्धारित न्यूनतम वेतनमान में वेतन आहरित करेंगे :

बशर्ते कि अदि सेवा में नियुक्ति होने से पहले वह केन्द्र सरकार या राज्य सरकार के अंतर्गत कालावधि पद के अलावा अन्य पद पर है तो उसका वेतनमान आधारभूत नियमों के प्रावधानों के तहत निर्धारित किया जाएगा ।

(ङ) सेवा के अधिकारी केन्द्र सरकार द्वारा, समय-समय पर निर्धारित की गई दरों पर महांगाई वेतन, महांगाई भत्ता, नगर प्रतिपूरक भत्ता, गृह किराया भत्ता और ऐसे ही अन्य भत्तों के हकदार होंगे ।

(च) सेवा के लिए नियुक्ति किए गए अधिकारी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, दमन और दीव और दादरा और नागर हवेली सिविल सेवा नियमावली, 2003 के प्रावधानों द्वारा शासित होंगे और इन नियमों को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से समय-समय पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी अन्य विनियमों या निर्देशों का पालन करेंगे । वे मामले जो विशेष रूप से उपर्युक्त नियमों, विनियमों या आदेशों से शासित नहीं होते हैं वे संघ के मामले के साथ जुड़े सेवा से सदृश अधिकारियों के लिए लागू नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे ।

21. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह, लक्ष्मीप, दमन दीव, दादर और नागर हवेली पुलिस सेवा-समूह-ख

(क) दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्तियां की जाएंगी जिसे सक्षम प्राधिकारी के विवेक से बढ़ाया जा सकता है। परिवीक्षा पर नियुक्त किए गए अध्ययनों को ऐसे प्रशिक्षण पर जाना आवश्यक होगा और ऐसे परीक्षण पास करने होंगे जिन्हें केन्द्र सरकार निर्धारित करे।

(ख) यदि सरकार की राय में, परिवीक्षा पर सेवा के लिए नियुक्त किए गए अधिकारी का कार्य या व्यवहार असन्तोषजनक पाया जाता है या यह दर्शाता है कि वह नियुक्त सरकारी कर्मचारी बनने में सक्षम नहीं है, तो केन्द्र सरकार बिना कोई कारण बताए अविलम्ब उसे सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) जिस अधिकारी की परिवीक्षावधि सन्तोषजनक तरीके से पूरी कर लेने के बारे में घोषणा कर दी जाती है, तो उसे सेवा में स्थायी किया जाएगा। तथापि, केन्द्र सरकार की राय में, उसका कार्य या व्यवहार असन्तोषजनक पाया जाता है, केन्द्र सरकार या तो उसे सेवामुक्त कर सकती है या ऐसी आगे की अवधि के लिए उसका परिवीक्षा काल बढ़ा सकती है, जैसा भी वह उचित समझे।

(घ) ग्रेड और वेतनमान :

क्रम सेवा का ग्रेड सं. का नाम	पे बैंड/ वेतनमान का नाम	तदनुरूपी पे बैंड/वेतनमान	तदनुरूपी ग्रेड पे
1. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-1 (ग्रुप-क)	पी बी-4	37,400-67,000	8700
2. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-11 (ग्रुप-क)	पी बी-3	15,600-39,100	7600
3. चयन ग्रेड-1 (ग्रुप-क)	पी बी-3	15,600-39,100	6600
4. एंट्री ग्रेड (ग्रुप-ख)	पी बी-2 (प्रारंभिक नियुक्ति पर)	(i) 93,00-34,800 (ii) 15,600-39,100 (4 वर्ष की अनुमोदित सेवा पूरी होने पर, सतर्कता और सत्यनिष्ठा निर्बाधन के अध्यधीन)	4800 5400

प्रतियोगी परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए गए अधिकारी, सेवा की एंट्री ग्रेड में नियुक्त होने पर, उपर्युक्त ग्रेड में प्रारंभिक नियुक्ति हेतु निर्धारित न्यूनतम वेतनमान में वेतन आहरित करेंगे :

बशर्ते कि यदि सेवा में नियुक्त होने से पहले वह केन्द्र सरकार या राज्य सरकार के अंतर्गत कालावधि पद के अलावा अन्य पद पर है तो उसका वेतनमान आधारभूत नियमों के प्रावधानों के तहत निर्धारित किया जाएगा।

(ड) सेवा के अधिकारी केन्द्र सरकार द्वारा, समय-समय पर निर्धारित की गई दरों पर महांगाई वेतन, महांगाई भत्ता, नगर प्रतिपूरक भत्ता, गृह किराया भत्ता और ऐसे ही अन्य भर्तों के हकदार होंगे।

(च) सेवा के लिए नियुक्त किए गए अधिकारी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्ष्मीप, दमन और दीव और दादरा और नागर हवेली पुलिस सेवा नियमावली, 2003 के प्रावधानों द्वारा शासित होंगे और इन नियमों को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से समय-समय पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी अन्य विनियमों या निर्देशों का पालन करेंगे। वे मामले जो विशेष रूप से उपर्युक्त नियमों, विनियमों या आदेशों से शासित नहीं होते हैं वे संघ के मामलों के साथ जुड़े सेवा में सदृश अधिकारियों के लिए लागू नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे।

22. पांडिचेरी सिविल सेवा, ग्रुप 'ख'

(क) नियुक्तियां दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा के आधार पर की जाएंगी जिनमें सक्षम अधिकारी के विवेक पर वृद्धि भी हो सकती है। परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए उम्मीदवारों को ऐसे प्रशिक्षण पाना होगा और ऐसा विभागीय परीक्षण मास क्रमाना होगा जो पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक निर्धारित करें।

(ख) प्रशासक की राय में यदि परिवीक्षा पर चल रहे अधिकारी का कार्य या आचरण सन्तोषजनक है या ऐसा आभास देता है कि उनके सक्षम बन जाने की संभावना नहीं है तो प्रशासक उसको उसी समय सेवामुक्त कर सकता है अथवा स्थाई पद पर यदि कोई है, उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ग) जिस अधिकारी के बारे में अपनी परिवीक्षा की अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर लेने की घोषणा कर दी जाती है तो उसे उक्त सेवा में स्थायी किया जा सकता है। प्रशासक की राय में यदि उनका कार्य या आचरण असन्तोषजनक है तो प्रशासक उसे या तो सेवामुक्त कर सकता है या उसकी परिवीक्षा की अवधि उतने समय के लिए और आगे बढ़ा सकता है जितना वह ठीक समझे।

(घ) प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त व्यक्तियों को सेवा से नियुक्त होने पर वेतनमान (₹. 6,500-200-10,500) का न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।

(ड) पूर्व संशोधित वेतनमान :-

(1) प्रारंभिक नियुक्ति पर	₹. 6,500-200-10,500
(2) चार वर्ष की रेजिडेंसी अपेक्षा पूरी करने पर	₹. 8,000-275-13,500
(3) आठ वर्ष की रेजिडेंसी अपेक्षा पूरी करने पर	₹. 10,000-325-15,200
(4) बारह वर्ष की रेजिडेंसी अपेक्षा पूरी करने पर	₹. 12,000-375-16,500
(5) 18 वर्ष की रेजिडेंसी अपेक्षा पूरी करने पर	₹. 14,300-400-18,300

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति की सेवा में नियुक्त कर केवल वेतन का एंट्री ग्रेड वेतनमान प्राप्त होगा किन्तु यदि वह सेवा से नियुक्ति से पहले मूल रूप से आवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परिवीक्षा की

अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22 (ख) (1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतनवृद्धि मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

इस सेवा के अधिकारी भारतीय प्रशासनिक सेवा (पदोन्ति द्वारा नियुक्ति) विनियमावली, 1955 के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ वेतनमान के पदों पर पदोन्ति के पात्र होंगे।

(ज्ञ) इस सेवा के अधिकारी पांडिचेरी सिविल सेवा नियमावली, 1967 तथा इन नियमों के कार्यान्वयन करने के लिए प्रशासन द्वारा जारी किए गए अनुदेशों द्वारा शासित होंगे।

23. पांडिचेरी पुलिस सेवा-ग्रुप 'ख'

(क) नियुक्तियां दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा के आधार पर की जाएंगी जिसमें सक्षम अधिकारी द्वारा विवेक पर वृद्धि भी हो सकती है। परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण पाना होगा और ऐसा विभागीय परीक्षण पास करना होगा जो पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक निर्धारित करें।

(ख) प्रशासक की राय में यदि परिवीक्षा पर चल रहे अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक है या ऐसा आभास देता है कि उनके सक्षम बन जाने की संभावना नहीं है तो प्रशासक उसको उसी समय सेवामुक्त कर सकता है अथवा स्थायी पद पर यदि कोई है, उसका प्रत्यावर्तन किया जा सकता है।

(ग) जिस अधिकारी के बारे में अपनी परिवीक्षा की अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर लेने की घोषणा कर दी जाती है तो उसे उक्त सेवा में स्थायी किया जा सकता है प्रशासक की राय में यदि उनका कार्य या आचरण असंतोषजनक है तो प्रशासक उसे या तो सेवामुक्त कर सकता है अथवा उसकी परिवीक्षा की अवधि उतने समय के लिए और आगे बढ़ा सकता है जितनी वह ठीक समझे।

(घ) उक्त सेवा में संबोधित अधिकारी को संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी में कहाँ भी कार्य करना पड़ सकता है।

(ङ) पूर्व संशोधित वेतनमान :-

(i) ग्रेड-1 (चयन ग्रेड) रु. 10,000-325-15,200

(ii) ग्रेड-11 (प्रवेश ग्रेड) रु. 6,500-200-10,500

प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती हुआ कोई व्यक्ति उक्त सेवा में नियुक्त होने पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त करेगा :

किन्तु उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले यदि आवधिक पद के अलावा किसी अन्य स्थायी पद पर मूल रूप से नियुक्त रहा हो तो सेवा में उसकी परिवीक्षा की अवधि के दौरान उसका वेतन "मूल नियमावली" के नियम 22-ख उप-नियम (1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा। उक्त सेवा में नियुक्त अन्य व्यक्तियों के मामले में वेतन तथा वेतनवृद्धि मूल नियमावली के अनुसार विनियमित होंगी।

(च) उक्त सेवा के अधिकारी पांडिचेरी पुलिस सेवा नियम, 1972 के साथ-साथ प्रशासक द्वारा बनाए गए अन्य ऐसे विनियम या इन नियमों को लागू करने के उद्देश्य से जारी किए गए आदेश लागू होंगे।

टिप्पणी:- सहभागी सेवाओं के कर्तव्यों की प्रकृति में अधिकारी द्वारा धारित पद के अनुसार परिवर्तन हो सकता है, अर्थात्, अधिकारी द्वारा धारित विभिन्न पदों के लिए सौंपे गए कार्य अलग-अलग हैं।

परिशिष्ट-3

उम्मीदवारों वे शारीरिक परीक्षण संबंधी विनियम

उम्मीदवारों की सुविधा तथा उनके अपेक्षित शारीरिक मानक होने की संभावना सुनिश्चित करने के लिए ये विनियम प्रकाशित किए जा रहे हैं। ये विनियम चिकित्सा परीक्षकों का भी मार्गदर्शन करेंगे।

टिप्पणी I : शारीरिक रूप से विकलांग वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा करते सम्म चिकित्सा बोर्ड शारीरिक रूप से विकलांग वर्ग के अंतर्गत आरक्षण प्राप्त करने के लिए पात्रता मापदण्ड ध्यान में रखेंगे, शारीरिक रूप से विकलांग कोटा वही रहेगा जैसा कि विकलांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण तथा पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 के संगत प्रावधानों के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है।

टिप्पणी II : यह भी कि सरकार विकलांग उम्मीदवारों को विनिर्दिष्ट प्रपत्र में विकलांगता प्रमाण-पत्र जारी करने तथा इन विनियमों के अनुरूप शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों की नियमित चिकित्सा जांच करने हेतु विशेष चिकित्सा बोर्ड (बोर्डों) / अपीलीय चिकित्सा बोर्ड का गठन भी कर सकती है।

टिप्पणी III : उम्मीदवार केवल उन्हीं पदों पर चयन/नियुक्ति के लिए पात्र होंगे जो केन्द्र सरकार की सेवाओं में, शारीरिक विकलांगों के लिए आरक्षण तथा रियायतों की विवरणिक। में उनके लिए उपयुक्त निर्धारित किए गए हैं।

2. (क) भारत सरकार को स्वास्थ्य बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

विभिन्न सेवाओं का वर्गीकरण द्वे श्रेणियों 'तकनीकी' तथा 'गैर-तकनीकी' के अधीन इस प्रकार होगा :-

(क) तकनीकी

(1) भारतीय रेलवे यातायात सेवा।

(2) भारतीय पुलिस सेवा तथा अन्य केन्द्रीय पुलिस सेवा ग्रुप 'क' और 'ख'।

(3) रेलवे सुरक्षाबल ग्रुप 'क'।

(ख) गैर-तकनीकी

भा. प्र. से. भा., चि. से. भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा, भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद), भारतीय सिविल लेखा सेवा, भारतीय रेल लेखा सेवा, भारतीय रेलवे कर्मिक सेवा, भारतीय रक्षा लेखा सेवा, भारतीय राजस्व सेवा (आई.टी.), भारतीय आयुध सेवा ग्रुप 'क' भारतीय डाक सेवा, भारतीय रक्षा संपदा सेवा ग्रुप 'क', भारतीय डाक-तार लेखा और वित्त सेवा, ग्रुप 'क' के पद और अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं के ग्रुप 'क' तथा 'ख' के पद।

1. नियुक्ति के योग्य उहराये जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2(क) भारत के अध्यर्थियों (एंग्लो इंडियन जाति सहित) की आयु-सीमा, ऊँचाई और छाती की माप के सह संबंध के मामले में यह मेडिकल बोर्ड पर छोड़ दिया गया है कि अध्यर्थियों की जांच में दिशा-निर्देश के लिए कौन-सा सह संबंध ऑकड़ सर्वाधिक उपयुक्त होगा। यदि ऊँचाई, वजन और छाती की माप में कोई विसंगति होती है, तो अध्यर्थी को बोर्ड द्वारा उपयुक्त अथवा अनुपयुक्त घोषित किए जाने से पूर्व जांच और छाती के एकसरे जांच हेतु उसे अस्पताल में भर्ती किया जाना चाहिए।

केवल उन उम्मीदवारों की छाती का एकसरे किया जाएगा जिन्हें चिकित्सा परीक्षण के भाग-2 के लिए मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए जाएंगे।

(ख) निश्चित सेवाओं के लिए कद और छाती के धेरे का कम से कम माप नीचे दिया जाता है जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

सेवा का नाम	कद	छाती का पूरा धेरा	छाती का फैलाव (फुलाकर)
(1)	(2)	(3)	(4)
(1) भारतीय रेल (यातायात सेवा)	152 सें. सी. +150 सें. मी.	*84 सें. मी. (पुरुषों के लिए)	5 सें. मी. (महिलाओं के लिए)
(2) भारतीय पुलिस सेवा, रेलवे सुरक्षा बल	165 सें. मी. 150 सें. मी.	84 सें. मी. (पुरुषों के लिए)	5 सें. मी. (महिलाओं के लिए)
गुप 'क' तथा अन्य केन्द्रीय पुलिस सेवा			
गुप 'क' और 'ख'			

*अनुसूचित जनजातियों के और ऐसी जातियों जैसे गोरखा, गढ़वाली, असमिया, कमायू, नागा जनजातियों आदि से संबंधित उम्मीदवारों जिनकी औसत लम्बाई दूसरों से प्रकटतः कम होती है के मामले में, न्यूनतम निर्धारित कद की लम्बाई में छूट दी जा सकेगी।

भारतीय पुलिस सेवा गुप 'क' एवं 'ख' पुलिस सेवा और रेलवे सुरक्षा बल गुप 'क' के पदों की पुलिस सेवा हेतु अनुसूचित जनजातियों।

**और गोरखा, गढ़वाली, असमिया, कमायू, नागा जैसी जातियों से संबद्ध उम्मीदवारों के मामले में छूट देकर निम्नलिखित न्यूनतम ऊँचाई मानक लागू है :

पुरुष 160 सें. मी.
महिला 145 सें. मी.

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में नाप जाएगा :-

वह अपने जूते उत्तर देगा और उसे मापदण्ड (स्टैंड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाए पड़ियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडलियां, नितम्ब और कंधे माप-दण्ड के साथ लगे रहेंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स ऑफ द हैड लेबल) हारिंग्टन बार (आड़ फूड) के नीचे आ जाए कद सेटीमीटरों और आधे सेटीमीटरों में नाप जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है :-

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों, उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों फीते को छाती के गिर्द इस तरह से लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका किनारा असफलक शोल्डर ब्लेड के निम्न कोणों (इफीरियर एंकल्स) से लगा रहे और वह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिंग्टन प्लेन) में रहे फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें लटका रहने दिया जाएगा, किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे के ऊपर या कंधे नीचे की ओर न किए जाएं जिससे कि फीता न हिले तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93.5 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेटीमीटर से कम के भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

टिप्पणी :- अंतिम निर्णय लेने से पहले उम्मीदवारों की ऊँचाई और छाती दो बार नापनी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम के फ्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(i) सामान्य : उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी जिसका उद्देश्य किसी बीमारी अथवा अपसामन्यता का पता लगाना होगा। उम्मीदवार यदि आंख, पलकों की ऐसी रुग्ण दशा से पीड़ित हो अथवा इस प्रकार की संसक्त संरचना रखता हो जो उसे सेवा के लिए अयोग्य बनाती हो या भविष्य में बना सकती हो तो उसे अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि तीक्ष्णता : दृष्टि की तीक्ष्णता के निर्धारण की परीक्षा में दो परीक्षण सम्मिलित होंगे-एक दूर दृष्टि के लिए तथा दूसरा निकट दृष्टि के लिए प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

(ख) चश्मे के बिना नजर (नैकेड आई विजन) की कोई उच्चतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी किन्तु प्रत्येक केस में मैडिकल बोर्ड या अन्य मैडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (वेसिक इफार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :-

सेवा का वर्ग			
(शोधित दृष्टि)		(शोधित दृष्टि)	
(1)	(2)	(3)	(4)
1. दूरदृष्टि 6/6	या 6/9 6/12 या 6/9	6/6 या 6/9	6/18 से शून्य या 6/12
2. निकट जो 2** दृष्टि	जे 2**	जे 1**	जे 3 से शून्य **
3. सुधार के मान्य प्रकार	एनक	एनक 10 एल *रेडियल कैरेयटेपी **	
4. अपवर्क्ष दोषी की पान्य सीमाएं	+4.00 डी (सिलेन्डरस सहित)-गैर विकृतिजन्य निकट दृष्टि (मायोपिया) +4.00 जी सिलेन्डरस सहित (हाइपरमैट्रोपिया)	कोई नहीं, बल्कि गैरविकृतिजन्य निकट दृष्टिदोष रहित	
5. अपेक्षित रंग दृष्टि	उच्च श्रेणी	निम्न श्रेणी	
6. आवश्यक द्वितीय दृष्टि	हाँ	नहीं	

*नेत्र विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को भेजने के लिए।

**रेलवे सेवाओं अर्थात् भा. रे. ल. से., भा. रे. का. से. रेलवे सुरक्षा बल के लिए निकट दृष्टि बेहतर दृष्टि में जे 1 तथा खराब दृष्टि में जे 2 है।

(घ) (1) उपर्युक्त तकनीकी सेवाओं और लोक सुरक्षा से संबंधित अन्य सेवाओं के संबंध में मायोपिया (सिलिंडर मिलाकर) कुल 4.00 डी से अधिक नहीं हो। हाईपरमैट्रोपिया (सिलिंडर मिलाकर) कुल +4.00 डिग्री से अधिक नहीं होना चाहिए:

किन्तु शर्त यह है कि यदि 'तकनीकी' के रूप में वर्गीकृत सेवाओं (रेल मंत्रालय के अधीन सेवाओं को छोड़कर) से संबद्ध उम्मीदवार हाई मायोपिया के आधार पर अयोग्य पाया जाए तो वह मामला तीन दृष्टि विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को भेजा जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि क्या निकट दृष्टि रोगात्मक है अथवा नहीं। यदि यह मामला रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह दृष्टि संबंधी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता है।

(2) मायोपिया फंडिस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए, और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो जोकि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ.) दृष्टि क्षेत्र—सभी सेवाओं के लिए सम्मुख विधि (कंफ्रेंशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तो तब दृष्टि क्षेत्र को पैरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रत्तौंधी (नाईट ल्नाइंडनेस) —साधारणतया रत्तौंधी दो प्रकार की होती है। (1) विटामिन (ए) की कमी होने के कारण और (2) रेटिना के शारीरिक रोग के कारण जिसकी आम बजह रेटी नॉटिस पिगमेटोस होती है। उपर्युक्त (1) में फंडसी की स्थिति असामान्य होती है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' खाने से ठांक हो जाती है। ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है। अधिकांश मामलों में कवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। श्रेणी के लोग प्रौढ़ होते हैं और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होते हैं। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति संबंध में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अंधेरा अनुकूलन इस परीक्षा से स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए विशेषतया जब फंडस न हो तो इलेक्ट्रो-रेटिनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है इन दोनों जांचों का अंधेरा अनुकूलन और रेटिनोग्राफी में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है। और इसलिए साधारण चिकित्सक जांच से इसका पता लगाना संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों का ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिए कि बताएं कि रत्तौंधी के लिए उन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएं क्या हैं और उनकी इयूटी किस तरह की होगी।

रेलवे सेवाओं के लिए (भा. रे. या. से., भा. रे. ले. से. भा. रे. का. से., तथा रेलवे सुरक्षा बल) —रत्तौंधी का परीक्षण नियमित कार्य के रूप में नहीं बल्कि विशेष मामलों में किए जाने की आवश्यकता है। रत्तौंधी अंधेरा अनुकूलन की जांच हेतु कोई मानक परीक्षण निर्धारित नहीं किया गया है। चिकित्सा बोर्ड को ऐसे स्थूल परीक्षणों का, यथा कम की हुई रोशनी में अंधेरे कमरे में उम्मीदवार से विभिन्न वस्तुओं की पहचान करवाकर जब वह उसमें 20 से 30 मिनट तक रह लें, दृष्टि तीक्ष्णता की रिकार्ड करने का, तात्कालिक प्रबन्ध करने का स्वयंवेकाधिकार देना चाहिए। उम्मीदवार के वक्तव्य पर हमेशा भरोसा नहीं करना चाहिए परन्तु उन पर उचित ध्यान देना चाहिए।

(छ) कलर विजन—उपर्युक्त तकनीकी सेवाओं के संबंध में कलर विजन की जांच जरूरी है। जहाँ तक गैर-तकनीकी सेवाओं/पदों का संबंध है सम्बद्ध मंत्रालय/विभाग को पैडिकल बोर्ड को सूचना देनी होगी कि उम्मीदवार जो सेवा चाहता है उसके लिए कलर विजन परीक्षा होनी चाहिए या नहीं।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए जो लैंटर्न एपर्चर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. सैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट	16 फीट
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1.3 मि. मीटर	13 मि. मीटर
3. उद्भासन काल	5 सैकण्ड	5 सैकण्ड

भारतीय पुलिस सेवा तथा अन्य गृप 'क' तथा 'ख' पुलिस सेवाएं भारतीय रेल यातायात सेवा, रेलवे सुरक्षा बल के गृप 'क' पद और लोक बचाव से संबंधित अन्य सेवाओं के लिए विजन के उच्चतर ग्रेड आवश्यक हैं। किन्तु दूसरी सेवाओं के लिए कलर विजन के लोअर ग्रेड को पर्याप्त मान लिया जाए।

लाल संकेत, हरे संकेत और पीला रंग को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इश्तहार की प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें अच्छी रोशनी में और एंड्रीज प्रीज जैसी उपर्युक्त लैटर्न की रोशनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए विश्वसनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों में से किसी भी एक की जांच को साधारणतया तथा पर्याप्त समझा जा सकता है लेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात में संबंधित सेवाओं के लिए लैटर्न जांच करना लाजमी है। शक वाले मामलों में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए तथापि भारतीय रेल यातायात सेवा और रेलवे सुरक्षा बल में गृप 'क' के पदों में नियुक्त हेतु उम्मीदवारों के कलर विजन के परीक्षा के लिए एशियरा प्लेट और एडिक की हरी लैटर्न दोनों का प्रयोग किया जाएगा।

(ज) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आक्यूलर कंडीशन)।

(1) आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन त्रुटि (प्रोट्रेसिव रिफ्रेक्टिव एर) की, जिसके परिमाणस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो अयोग्य कारण समझना चाहिए।

(2) भैंगापन (स्किरेंट) तकनीकी सेवाओं में जहां द्विने (वाईनोकूलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर पर होने पर भी भैंगापन की अयोग्यता का कारण समझना चाहिए, दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भैंगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए। रेलवे तकनीकी सेवा के लिए वाईनोकूलर दृष्टि अनिवार्य है।

(3) यदि किसी व्यक्ति की एक आंख हो अथवा यदि एक आंख की दृष्टि की सामान्य हो और दूसरी आंख भी मन्द दृष्टि हो अथवा असामान्य दृष्टि हो तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहराई बोध है त्रिविम दृष्टि का अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई सिविल पदों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुशंसित कर सकता है बशर्ते कि सामान्य आंख :-

(1) की दूरी 6/6 और निकट की दृष्टि जे/1 चरमा लगाकर

अथवा उसके बिना हो, बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मेरिडियन में त्रुटी 4 डायोप्ट्रिज से अधिक नहीं।

(2) की दृष्टि का दूसरा क्षेत्र हो।

(3) की सामान्य, रंग दृष्टि, जहां अपेक्षित हों।

बशर्ते कि बोर्ड का यह समाधान हो जाने पर कि उम्मीदवार प्रश्नाधीन कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलाप का निष्पादन कर सकता है।

दृष्टि तीक्ष्णता संबंधी उपरोक्त छूट प्राप्त नामक "तकनीकी" रूप के वर्गीकृत पदों/सेवाओं के लिए उम्मीदवार पर लागू नहीं होंगे। संबद्ध मंत्रालय/विभाग की चिकित्सा बोर्ड को यह सूचित करना होगा कि उम्मीदवार "तकनीकी" पद के लिए है अथवा नहीं।

(4) कोन्ट्रेक्ट लैंस उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कोन्ट्रेक्ट लैंस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी। यह आवश्यक है कि आँख की जांच करते समय दूर की नजर के लिए टाईप किए हुए अक्षरों को उद्भापन 15 फीट की ऊंचाई के प्रकाश से हो।

विशेष नेत्र बोर्ड के लिए दिशनिर्देश

आँखों की जांच के लिए विशेष नेत्र बोर्ड में 3 नेत्र विशेषज्ञ होंगे।

(क) उन मामलों में, जिनमें चिकित्सा बोर्ड ने दृष्टि क्षमता को निर्धारित सामान्य सीमा के अंतर्गत पाया है किन्तु उन्हें किसी ऐसी आणिक और प्रगामी बीमारी का संदेह है जो दृष्टि क्षमता को हानि पहुंचा सकती है, उन्हें ऐसे मामले को प्रथम चिकित्सा बोर्ड के भाग के रूप में विशेष नेत्र चिकित्सा बोर्ड के पास भेज देना चाहिए।

(ख) आँखों की किसी भी प्रकार की शाल्य चिकित्सा से संबंधित मामले, आई.ओ.एल. अपवर्तक (रिफ्रेक्टिव) कार्नियल शाल्य चिकित्सा, रंग दोष के संदिग्ध मामलों को विशेष नेत्र चिकित्सा बोर्ड को भेजा जाना चाहिए।

(ग) उन मामलों में, जहां उम्मीदवार उच्च निकट दृष्टि (मायोमिया) अथवा उच्च दूरदृष्टि दोष (हाइपर मैट्रिपिया) से पीड़ित पाया जाता है तो केन्द्रीय स्थायी चिकित्सा बोर्ड/राज्य चिकित्सा बोर्ड को तत्काल ऐसे मामलों को अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक /ए.एम.ओ. द्वारा गठित 3 नेत्र विशेषज्ञों के एक विशेष नेत्र चिकित्सा बोर्ड, जिसका अध्यक्ष अस्पताल के नेत्र चिकित्सा विभाग का अध्यक्ष अथवा वरिष्ठतम नेत्र चिकित्सा विशेषज्ञ हो; के पास भेज देना चाहिए। नेत्र विशेषज्ञ/चिकित्सा अधिकारी, जिसने प्रारंभिक नेत्र जांच की है, विशेष नेत्र चिकित्सा बोर्ड का सदस्य नहीं हो सकता।

विशेष चिकित्सा बोर्ड द्वारा उक्त जांच अधिमानत: उसी दिन की जानी चाहिए। किन्तु यदि केन्द्रीय स्थायी चिकित्सा बोर्ड/राज्य चिकित्सा बोर्ड द्वारा की गई चिकित्सा जांच के दिन 3 नेत्र विशेषज्ञों वाले विशेष चिकित्सा बोर्ड की बैठक सम्भव नहीं है तो विशेष बोर्ड की बैठक शीघ्रतांशीघ्र आयोतिज की जानी चाहिए।

विशेष नेत्र बोर्ड अपने निर्णय पर पहुंचने से पहले विस्तृत जांच करेगी।

चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट तब तक पूर्ण नहीं भानी जाएगी जब तक कि ऐसे मामलों में, जो विशेष चिकित्सा बोर्ड को भेजे गए हों, विशेष चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट भी उससे शामिल न हो।

माधूली अक्षमता के कारण अयोग्य पाए गए मामलों पर रिपोर्ट देने संबंधी दिशानिर्देश

निम्नस्तरीय दृष्टि तीक्ष्णता और अवसामान्य रंग दृष्टि संबंधी अक्षमता के मामलों में किसी व्यक्ति को अयोग्य घोषित करने से पहले बोर्ड द्वारा परीक्षण को 15 मिनट बाद पुनः दोहराया जाएगा।

7. ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टालिक प्रेशर के आंकलन की कामचलाऊ विधि नीचे दी जाती है :-

(1) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+ आयु होता है।

(2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर आंकलन करने के लिए 110 में आधी आयु जोड़ देने का तरीका विल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :- सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. के ऊपर के सिस्टालिक प्रेशर की ओर 90 एम. एम. से ऊपर डायस्टालिक प्रेशर को संस्थित मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर में वृद्धि थोड़े समय रहती है या उसका कारण कोई कायिक (आर्गनिक) बीमारी है। ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्सरे और विद्युत हृदय लेखी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक) परीक्षाएं और उक्त यूरिया निकार (किलयरेंस) की जांच भी नियमित रूप से की जानी चाहिए फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दबाव) लेने का तरीका :

नियमित पारे वाले दबावांतरमापी का भर्कीमेनोमीटर किस्म का उपकरण (इनस्टू मेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दबाव नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी भुजा शिथिल और आराम से ही कुछ हारिंजेटल स्थिति में रोगी के पाश्वर पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए। भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रखकर और इसके नीचे किनारे की कोहनी के जोड़ में एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पटुटी को फैलाकर समान रूप से लौटाना चाहिए, ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के पोड़ पर प्रकट धम्भी (ब्रेकियल आर्टों) को दबा-दबा कर ढूँढ़ा जाता है और तब उसके ऊपर बीचों-बीच स्टैथस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम एवं जो हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा

निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है सिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियाँ तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हल्की हुई सी लुप्त प्रायः हो जायें वह डायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिए क्योंकि कफ के लाल्ज समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करना जरूरी हो तो कफ में पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद में ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निर्विचात स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं, दबाव गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गेप" से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। अब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रसायनिक जांच द्वारा शक्तकर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलूओं की समीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्योतक चिह्नों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार की ग्लूकोस मेह (ग्लाइकोसुरिया) सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पायें तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोस अमधुमेही (नान-डायबिटिक) हो और बोर्ड केस को मैडीसिन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञों के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शूगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षण जरूरी समझेगा, करेगी और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट या अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिनों तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. यदि जांच परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हप्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर से आरोग्यता का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर प्रसूति की तारीख के 6 हप्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए :-

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेषण करना चाहिए :-

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए यदि सुनने की खराबी का इलाज शाल्य किया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो तो रेलवे सेवाओं के मामलों में यह प्रावधान लागू नहीं होगा चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्गदर्शक जानकारी दी जाती है :

(1) एक कान में प्रकट अथवा यदि उच्च फ्रिक्वेंसी में बहिर-पूर्ण बहारापन दूसरा कान पन 30 डेसीबल तक हो गैर-

(1) सामान्य होगा ।

(2) दोनों कानों में बहरेपन का प्रत्यक्ष घोष, जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ संभव हो ।

(3) सेंट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिम्पोनिक मेम्ब्रेन में छिद्र ।

(4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड कैविटी से सब-नार्मल श्रवण ।

(5) बहते रहने वाला कान आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन वाला ।

(6) नासापाट की हड्डी संबंधी विरुपताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक एलर्जिक दशा ।

तकनीकी काम के लिए योग्य ।

यदि 1000 से 4000 तक की स्पीकर फ्रिक्वेंसी में बहरापन 30 डैसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य ।

(1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिम्पोनिक मेम्ब्रेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य । कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4 (2) के अधीन विचार किया जा सकता है ।

(2) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर ही आयोग्य ।

(3) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र पर अस्थायी रूप से अयोग्य ।

(1) किसी एक कान से सामान्य रूप से एक ओर से भास्टायड कैविटी से सुनाई देता हो । दूसरे कान में सब-नार्मल श्रवण वाले कान मास्टायड, कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य ।

(2) दोनों ओर से मास्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डैसिबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कार्यों के लिए योग्य ।

तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य ।

(1) प्रत्येक मामले की परिस्थिति के अनुसार निर्णय किया जाएगा ।

(2) यदि लक्षणों सहित नासापाट अफसरण विद्यमान होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य ।

(7) टांसिल्स और/अथवा स्वर यंत्र (लैरिंग्स) के लिए प्रवाहक दशा ।

(1) टांसिल और/अथवा स्वर यंत्र की जीर्ण प्रवाहक दशा योग्य ।

(2) यदि आवाज में अत्याधिक कक्षाता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य ।

(i) हल्का दयूमर अस्थायी रूप से अयोग्य ।

(ii) दुर्लभ दयूमर-अयोग्य

(9) आस्टोकिलरीसिस श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डैसिबल के अन्दर होने पर योग्य ।

(10) कान, नाक, अथवा गले के जन्मजात दोष ।

(1) यदि कामकाज में बाधक न हो तो योग्य ।

(2) भारी जो मात्रा में कलाहट हो तो अयोग्य ।

(11) नेजल पॉली (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो ।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा) ।

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या केफड़ा ठीक है या नहीं ।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं ।

(च) उसके रक्त-चाप है या नहीं ।

(छ) उसके हाईड्रोसिल बढ़ी हुई बैरिकोसिल बैरिकाजशिरा (बेन) या बवासीर है या नहीं ।

(ज) उसके अंगों, हाथों पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रथि भली-भांति स्वतंत्र रूप से हिलती है या नहीं ।

(झ) उसे कोई अस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं ।

(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं ।

(ट) उसमें किसी उग्र या पुरानी बीमारी के निशान हैं या नहीं उससे कमज़ोर गठन का पता लगे ।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं ।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं ।

11. हृदय तथा फेफड़ों की किन्हीं ऐसी असामान्यताओं का पता लगाने, जिन्हें सामान्य शारीरिक परीक्षण के आधार पर नहीं देखा जा सकता है, के लिए उम्मीदवारों की छाती का रेडियोग्राफी परीक्षण उस समय किया जाएगा जब उसे संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वैयक्तिक परीक्षण के लिए बुलाया जाएगा ।

उम्मीदवार की शारीरिक योग्यता के बारे में केन्द्रीय स्थायी चिकित्सा बोर्ड (संबंधित उम्मीदवार की चिकित्सा परीक्षा करने वाले) के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा ।

सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के संबंध में जहां कहीं संदेह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किए जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है, जैसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक त्रुटि अथवा विपणन (एवरेशन) से पीड़ित होने का संदेह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल के किसी मनोविकार विज्ञान/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है ।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाये । मैडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख कर देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण इयूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं ।"

12. मैडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार रुपये 100.00 का अपील शुल्क जमा करना होता है । यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापिस मिलेगा जो अपीलिय स्वास्थ्य बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जाएंगे । शेष दूसरों के मामलों में यह जब्त कर लिया जाएगा । यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने योग्य होने के दावे के समर्थन में स्वास्थ्यता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं । उम्मीदवार को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिनों के अन्दर अपीलें करनी चाहिए । अन्यथा अपीलिय मैडिकल बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए उनके अनुरोध पर कोई विचार नहीं होगा । अपीलिय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगी और इसका खर्च उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा । स्वास्थ्य परीक्षा के संबंध में की जाने वाली यात्राओं के लिए कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा । अपीलों को निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीली स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबन्ध के लिए कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाएगी ।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मैडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैण्डर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए ।

किसी ऐसे व्यक्ति को पश्चिम सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपार्टिंग अधारिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इनर्फिमिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो ।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मैडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेशन या अदायगियों को रोकना है साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहां प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा रोध हो तो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो ।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डॉक्टर को मैडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जाए ।

भारतीय रक्षा लेखा सेवा (इंडियन डिफेंस अकाउन्ट्स सर्विस) उम्मीदवार को भारत में और भारत के बाहर क्षेत्रा सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी ऐसे उम्मीदवार के मामले में मैडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप में रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं ।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए ।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो भोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं । किन्तु डाक्टरी बोर्ड के द्वारा खराबी बताई हो उनका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता ।

ऐसे मामलों में जहां डाक्टरी बोर्ड का यह विचार है कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-छोटी खराबी चिकित्सा (औषधि या शल्य) द्वारा हूर हो सकती है वहां डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए । नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई अपत्ति नहीं है और जब यह खराबी हूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है ।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दोबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया छह महीने से ज्यादा नहीं होनी चाहिए । निश्चित अवधि के बाद जब दोबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए ।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा:

अपनी मैडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए । नीचे दिए गए नोट में निम्नलिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए:

1. अपना पूरा नाम लिखें..... (साफ अक्षरों में)

2. (क) अपनी आयु और जन्म का स्थान बताएं

(ख) क्या आप अनुसूचित जनजाति या गोरखा, गढवाली, असमिया, नागालैण्ड जनजाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं ? जिसका औसतन कद दूसरों से कम होता है "हां" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। उत्तर "हां" में हो तो उस जाति का नाम बताएं।

3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रूक-रूक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार प्रथियां (ग्लैंडस) का बढ़ना या इसमें पीप पड़ना, निरन्तर थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़ों की बीमारी, मुर्छा के दौरे, रूमटिज्म, एपेंडिसाईटिस हुआ है।

या,

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना जिसके कारण शैय्या पर लेटे रहना पड़ा है और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है।

4. आपको चेचक का टीका आखिरी बार कब लगा था।

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण में किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई।

6. आपके परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे दें:-

यदि पिताजी जीवित हों तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय और मृत्यु का कारण	पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई हों, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था
1	2	3	
आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी मृत्यु के समय आयु और मृत्यु का कारण	यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य को अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई हों, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था
1.			
2.			
3.			

आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

8. यदि ऊपर के प्रश्न पर उत्तर हां में हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?
9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?
10. कब और कहां मेडिकल हुआ?
11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो।

12. उपयुक्त सभी उत्तर मेरी सर्वोत्तम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सत्य तथा सही हैं तथा मैं अपने द्वारा दी गई किसी सूचना में कोई विकृति या किसी संगत जानकारी को छुपाने के लिए कानून के अंतर्गत किसी भी कार्रवाई का भागी हुंगा। इन्हीं सूचनाएं देना या किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाना अयोग्यता मानी जाएगी और मुझे सरकार के अंतर्गत नियुक्ति के लिए अयोग्य माना जाएगा। मेरे सेवाकाल के दौरान किसी भी समय ऐसी कोई जानकारी मिलती है कि मैंने कोई गलत सूचना दी है या किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाया है तो मेरी सेवाएं रद्द कर दी जाएंगी।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर.....

मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए.....

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर.....

प्रपत्र

(बी) शारीरिक जांच (अध्यर्थी का नाम) के संबंध में मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास : उत्तम.....

साधारण..... अधम.....

पोषण : दुबला..... औसत.....

मोटा..... ऊँचाई: (बिना जूते के).....

वजन..... सर्वाधिक वजन.....

वजन में कब.....

हाल में कोई परिवर्तन.....

तापमान.....

छाती की माप : (1) छाती फुलाकर

(2) छाती फुलाए बिना

2. त्वचा: कोई स्पष्ट रोग.....

3. आँख :

(1) कोई रोग.....

(2) रत्तौंधी.....

(3) वर्ण दृष्टि दोष.....

(4) दृष्टि दूरी.....

(5) विजुअल एक्यूटी.....

(6) फन्डस जांच.....

एक्यूटी ऑफ विजन	नगन आँख	कॉच की शक्ति
	चंशमा के साथ	स्फेरिकल, सिलिंड्रिकल-एक्सिस
1	2	3
दूर दृष्टि		

दायी आँख-
बांयी आँख-

निकट दृष्टि

दायी आँख-
बांयी आँख-

हाइपरमेट्रोपिया (स्पष्ट)

दायी आँख-
बांयी आँख-

4. कान..... जांच..... श्रवण:
 दायां कान.....
 बायां कान.....

5. ग्रीथयाँ..... थायरॉयड.....

6. दांतों की स्थिति

7. श्वसन तंत्रः क्या शारीरिक जांच में श्वसन अंगों में कोई असामान्य बात दिखाई दी है.....
 यदि हाँ, तो पूर्ण विवरण दें.....

8. परिसंचरण तंत्रः
 (क) हृदयः कोई आंगनिक लेजन.....
 स्थायी गति..... 25 बार कूदने के बाद.....
 कूदने के 2 मिनट के बाद.....

(ख) रक्तचापः
 सिस्टोलिक..... डायस्टोलिक.....

9. पेंडुः माप..... टेंडरनेस.....
 हार्निंगा.....

(क) पैल्पेबल यकृत..... ल्सीहा.....
 वृक्क..... द्यूमर.....
 हेमरोयड्स..... फिस्टूला.....

10. स्नायुतंत्रः स्नायु संबंधी अथवा मानसिक निःशक्तता

11. लोको मोटर सिस्टमः कोई असामान्यता

12. जेनाइटो यूरिनरी सिस्टमः हाइड्रोसिल, वेरिकोसील इत्यादि के कोई प्रमाणः

मूत्र विश्लेषणः
 (क) दिखने में कैसा है.....
 (ख) विशेष समूह.....
 (ग) एल्ब्यूमेन.....
 (घ) शर्करा.....
 (ङ) कास्ट्रस.....
 (च) कोशिकाएँ.....

13. अध्यर्थी जिस सेवा का है, उसमें कर्तव्य निर्वहन हेतु अयोग्य घोषित किए जाने का कोई कारण अध्यर्थी के स्वास्थ्य में है? टिप्पणीः महिला अध्यर्थी के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह या अधिक अवधि से गर्भवती है, तो उसे विनियम 9 द्वारा अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

14. (i) सेवा का नामक बताएँ जिसके लिए अध्यर्थी की जांच की गई हैः
 (क) भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा भारतीय विदेश सेवा
 (ख) भारतीय आरक्षी सेवा, केन्द्रीय आरक्षी सेवा समूह 'क' और 'ख' रेलवे सुरक्षा बल और दिल्ली एवं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह आरक्षी सेवा (विशेषकर ऊँचाई, छाती की माप, आँखों की दृष्टि, वर्णाधता और लोकोमोटिव सिस्टम देखें)

(ii) क्या उसे निम्नलिखित सेवाओं में सक्षम एवं निरन्तर रूप से अपना कर्तव्य निर्वहन करने के लिए हर तरह से योग्य पाया गया हैः

(क) भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा भारतीय विदेश सेवा
 (ख) भारतीय आरक्षी सेवा समूह 'क' और 'ख' रेलवे सुरक्षा बल तथा दिल्ली एवं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह आरक्षी सेवा (विशेषकर ऊँचाई, छाती की माप, आँखों की दृष्टि, वर्णाधता और लोकोमोटिव सिस्टम देखें)

(ग) भारतीय रेलवे यातायात सेवा
 (विशेषकर ऊँचाई, छाती, आँखों की दृष्टि, वर्णाधता देखें)

(घ) अन्य केन्द्रीय सेवाएँ, समूह 'क'/'ख'

(iii) क्या अध्यर्थी फील्ड सेवा के लिए योग्य है?

टिप्पणी 1: बोर्ड को अपने जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

(i) स्वस्थ
 (ii) के कारण अस्वस्थ
 (iii) के कारण अस्थायी रूप से अस्वस्थ।

(iv) केवल शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित विनिर्दिष्ट रिकितयों के लिए उपयुक्त।

टिप्पणी 2: उम्मीदवार की छाती का एक्स-रे परीक्षण नहीं किया गया है, इस कारण उपर्युक्त निष्कर्ष अंतिम नहीं है और छाती के एक्स-रे परीक्षण की रिपोर्ट के अध्यधीन है।

स्थान :	अध्यक्ष
हस्ताक्षर :	सदस्य
दिनांक :	सदस्य
	मेडिकल बोर्ड की मुहर

प्रपत्र-II

उम्मीदवार का कथन/घोषणा

1. अपना नाम लिखें:
 (बड़े अक्षरों में)

2. रोल नम्बरः

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

15. छाती की एक्स-रे जांच

टिप्पणीः बोर्ड को अपने निष्कर्ष निम्नलिखित तीन श्रेणियों में से एक के अंतर्गत दर्ज करने चाहिए :—

(i) योग्य
 (ii) के कारण अयोग्य
 (iii) के कारण अस्थायी रूप से अयोग्य

(iv) केवल शारीरिक रूप से निःशक्त व्यक्तियों के लिए आरक्षित विनिर्दिष्ट रिकित के लिए योग्य

स्थानः

हस्ताक्षर

अध्यक्ष

सदस्य

सदस्य

तारीखः

मेडिकल बोर्ड की मुहर

परिशिष्ट-4

क्रम संख्या	सेवा का नाम	श्रेणी (श्रेणियां) जिसके लिए पहचान की गई	*कार्यात्मक वर्गीकरण	*शारीरिक अपेक्षाएं
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	भारतीय प्रशासनिक सेवा	(i) लोकोमोटर, अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	बीए, ओएल और बीएच, एम डब्ल्यू सी बी पी डी	एस, एसटी, डब्ल्यू, एसई एच, आर डब्ल्यूटी
2.	भारतीय विदेश सेवा	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल आर डब्ल्यूसी, एम एफ, एल बी एलएच	एस, एसटी, डब्ल्यू एस
3.	भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क शूप 'क') (i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) श्रवण बाधित	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओएल ओए एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बीएन, एल, एस ई, एमएफ, आर डब्ल्यू, एच, सी
4.	भारतीय डाक-तार लेखा और वित्त सेवा शूप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएल, बी एल एल बी एन एच	एस, डब्ल्यू एसई आर डब्ल्यू, सी
5.	भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा शूप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल एलबी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बीएन, एसई, आरडब्ल्यू, एच, सी
6.	भारतीय रक्षा लेखा सेवा शूप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल एचएच एलबी	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, एसई, आर डब्ल्यू, सी
7.	भारतीय राजस्व सेवा (आयकर), शूप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू एसई, आर डब्ल्यू, सी
8.	भारतीय आयुध कारखाना सेवा, शूप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल एलबी पीडी	एस, एसटी, डब्ल्यू, एसई, आर डब्ल्यू, सी
9.	भारतीय डाक सेवा शूप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल बी, एलबी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, आर डब्ल्यू, एसई एच, सी
10.	भारतीय सिविल लेखा सेवा शूप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल एलबी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू एसई, आर डब्ल्यू, एच, सी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
11.	भारतीय रेलवे लेखा सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल एलवी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, एसई, आर डब्ल्यू, एच सी
12.	भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल बी एलवी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, एसई, आर डब्ल्यू, एच, सी
13.	भारतीय रक्षा संपदा सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) नेत्रहीनता या आत्म दृष्टि (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल एलवी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, एम एफ, पी पी, केसी, एस ई, आर डब्ल्यू, एच, सी
14.	भारतीय सूचना सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल बी, एलवी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, एसई, आर डब्ल्यू, एच, सी
15.	भारतीय व्यापार सेवा ग्रुप 'क' (ग्रेड-3)	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल एलवी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, एम एफ, एसई, आर डब्ल्यू, एच, सी
16.	भारतीय कारपोरेट विधि सेवा ग्रुप 'क'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल एलवी एचएच	एसटी, आर डब्ल्यू, एसई, एस, बी, एनएच
17.	सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा ग्रुप 'ख' (अनुभाग अधिकारी ग्रेड)	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल एलवी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, एम एफ एस ई, आर डब्ल्यू, एच, सी
18.	दिल्ली अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमण एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली सिविल सेवा ग्रुप 'ख'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) दृष्टि बाधित (iii) श्रवण बाधित	ओए, ओएल, ओएएल, बीएल एलवी एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, एसई, आर डब्ल्यू, एम एफ, एच, सी
19.	दिल्ली अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमण एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली पुलिस सेवा ग्रुप 'ख'	(i) लोकोमोटर अक्षमता (ii) श्रवण बाधित	ओएल एचएच	एस, एसटी, डब्ल्यू, बी एन, पी पी, केसी, एम एफ, एसई, आर डब्ल्यू, एच, सी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
20. पांडिचेरी सिविल सेवा	(मुप 'ख')	(i) लोकोमोटर अक्षमता	ओए, ओएल, ओएल, बीएल, एल वी	एस, एसटी, डब्ल्यू, एसई, आर डब्ल्यू, एच, सी
अक्षमता की श्रेणियाँ		(ii) दृष्टि बाधित	एलवी	
उप-श्रेणियाँ		(iii) श्रवण बाधित	एचएच	
		ओएच, बीएच, एचएच	अस्थि विकलांग दृष्टि बाधित श्रवण बाधित	
		बी एल (BL)	दोनों गैर प्रभावित लोकिन भुजाएं नहीं	
शारीरिक अपेक्षाएं		बीए (BA)		
		बीएलए (BLA)	दोनों भुजाएं प्रभावित	
		ओएल (OL)	दोनों पैर तथा दोनों भुजाएं प्रभावित	
		ओए (OA)	एक पैर प्रभावित	
		ओएएल (OAL)	एक भुजा प्रभावित	
		एमडब्ल्यू (MW)	एक भुजा और एक पैर प्रभावित	
		बी (B)	मांसपेशीय दुर्बलता तथा सीमित शारीरिक शक्ति	
		एलवी (LV)	नेत्रहीन	
		एच (H)	आंशिक दृष्टि	
			सुनना	
शारीरिक अपेक्षाएं		एमएफ (MF)	हाथ (अंगुलियों से) द्वारा निष्पादित किए जाने वाले कार्य ।	
		पीपी (PP)	खींच कर तथा धक्के द्वारा किए जाने वाले कार्य ।	
		एल (L)	उत्थापन (लिफ्टिंग) द्वारा किए जाने वाले कार्य ।	
		केसी (KC)	घुटने के बल बैठकर तथा क्राउंचिंग द्वारा किए जाने वाले कार्य ।	
		बीएन (BN)	झुककर किए जाने वाले कार्य ।	
		एस (S)	बैठकर (बैंच या कुर्सी पर) किए जाने वाले कार्य ।	
		एसटी (ST)	खड़े होकर किए जाने वाले कार्य ।	
		डब्ल्यू (W)	चलते हुए किए जाने वाले कार्य ।	
		एसई (SE)	देख कर किए जाने वाले कार्य ।	
		एच (H)	सुनकर या थोल कर किए जाने वाले कार्य ।	
		आर डब्ल्यू (RW)	पढ़कर तथा लिखकर किए जाने वाले कार्य ।	
		सी (C)	वार्तालाप ।	

**MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES
AND PENSIONS**
(Department of Personnel and Training)
NOTIFICATION
New Delhi, the 2nd January, 2010
RULES

F. No. 13018/22/2009-AIS(I).—The rules for a competitive examination—Civil Services Examination—to be held by the Union Public Service Commission in 2010 for the purpose of filling vacancies in the following services/posts are, with the concurrence of the Ministries concerned and the Comptroller and Auditor General of India in respect of the Indian Audit and Accounts Service, published for general information:—

- (i) The Indian Administrative Service.
- (ii) The Indian Foreign Service.
- (iii) The Indian Police Service.
- (iv) The Indian P&T Accounts and Finance Service, Group 'A'.
- (v) The Indian Audit and Accounts Service, Group 'A'.
- (vi) Indian Revenue Service (Customs & Central Excise) Gr. "A".
- (vii) The Indian Defence Accounts Service, Group 'A'.
- (viii) The Indian Revenue Service, (I.T.) Group 'A'.
- (ix) The Indian Ordnance Factories Service, Group 'A'. (Asstt. Works Manager—Administration).
- (x) The Indian Postal Service, Group 'A'.
- (xi) The Indian Civil Accounts Service, Group 'A'.
- (xii) The Indian Railway Traffic Service, Group 'A'.
- (xiii) The Indian Railway Accounts Service, Group 'A'.
- (xiv) The Indian Railway Personnel Service, Group 'A'.
- (xv) Post of Assistant Security Officer, Group 'A' in Railway Protection Force.
- (xvi) The Indian Defence Estates Service, Group 'A'.
- (xvii) The Indian Information Service, Junior Grade Group 'A'.
- (xviii) Indian Trade Service, Group 'A' (Gr. III).
- (xix) Indian Corporate Law Service, Group 'A'.
- (xx) Armed Forces Headquarters Civil Service, Group 'B' (Section Officer's Grade).
- (xxi) Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman & Diu and Dadra & Nagar Haveli Civil Service, Group 'B'.
- (xxii) Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman & Diu and Dadra & Nagar Haveli Police Service, Group 'B'.
- (xxiii) Pondicherry Civil Service, Group 'B'.
- (xxiv) Pondicherry Police Service, Group 'B'.

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the Preliminary and Main Examinations will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate shall be required to indicate in his/her application form for the Main Examination his/her order of preferences for various services/posts for which he/she would like to be considered for appointment in case he/she is recommended for appointment by Union Public Service Commission.

A candidate who wishes to be considered for IAS/IPS shall be required to indicate in his/her application form for the Main Examination his/ her order of preferences for various State cadres for which he/she would like to be considered for allotment in case he/she is appointed to the IAS/IPS.

Note—I.—The candidate is advised to be very careful while indicating preferences for various services/posts. In this connection, attention is also invited to rule 19 of the Rules. The candidate is also advised to indicate all the services/posts in the order of preference in his/her application form. In case he/she does not give any preference for any services/posts, it will be assumed that he/she has no specific preference for those services. If he/she is not allotted to any one of the services/posts for which he/she has indicated preference, he/she shall be allotted to any of the remaining services/posts in which there are vacancies after allocation of all the candidates who can be allocated to services/posts in accordance with their preferences.

Note II.—The candidates are advised to visit DOP & T's website www.persmin.nic.in for information/details about service allocation/cadre allotment.

3. The number of vacancies to be filled on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and Physically disabled categories in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. Every candidate appearing at the examination who is otherwise eligible, shall be permitted four attempts at the examination:

Provided that this restriction on the number of attempts will not apply in the case of Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates who are otherwise eligible:

Provided further that the number of attempts permissible to candidates belonging to Other Backward Classes, who are otherwise eligible, shall be seven. The relaxation will be available to the candidates who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates:

Provided further that a physically handicapped will get as many attempts as are available to other non-physically

handicapped candidates of his or her community, subject to the condition that a physically handicapped candidate belonging to the General Category shall be eligible for seven attempts. The relaxation will be available to the physically handicapped candidates who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.

Note :—

- (I) An attempt at a Preliminary Examination shall be deemed to be an attempt at the Examination.
- (II) If a candidate actually appears in any one paper in the Preliminary Examination, he/she shall be deemed to have made an attempt at the Examination.
- (III) Notwithstanding the disqualification/cancellation of candidature, the fact of appearance of the candidate at the examination will count as an attempt.

5. (1) For the Indian Administrative Service and Indian Police Service, a candidate must be a citizen of India.

- (2) For other Services, a candidate must be either—
 - (a) a citizen of India, or
 - (b) a subject of Nepal, or
 - (c) a subject of Bhutan, or
 - (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
 - (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma (Myanmar), Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia or Vietnam with the intention of permanently settling in India :

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India :

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him/her by the Government of India.

6. (a) A candidate must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on the 1st of August, 2010 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1980 and not later than 1st August, 1989.

(b) The upper age-limit prescribed above will be relaxable :

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years in the case of

candidates belonging to Other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates;

- (iii) up to a maximum of five years if a candidate had ordinarily been domiciled in the State of Jammu and Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989;
- (iv) up to a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (v) up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 2010 and have been released;
 - (a) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August, 2010) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency; or
 - (b) on account of physical disability attributable to Military Service; or
 - (c) on invalidment.
- (vi) up to a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 2010 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (vii) upto a maximum of 10 years in the case of blind, deaf-mute and Orthopaedically handicapped persons.

Note I :—Candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who are also covered under any other clauses of Rule 6(b) above, viz. those coming under the category of Ex-servicemen, persons domiciled in the State of J & K, blind, deaf-mute and orthopaedically handicapped etc. will be eligible for grant of cumulative age-relaxation under both the categories.

Note II :—The term Ex-servicemen will apply to the persons who are defined as Ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

Note III :—The age concession under Rule 6(b)(v) and (vi) will not be admissible to Ex-servicemen and Commissioned

Officers including ECOs/SSCOs, who are released on own request.

Note IV :—Notwithstanding the provision of age-relaxation under Rule 6(b)(vii) above, a physically disabled candidate will be considered to be eligible for appointment only if he/she (after such physical examination as the Government or appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found to satisfy the requirements of physical and medical standards for the concerned Services/Posts to be allocated to the physically disabled candidates by the Government.

Save as provided above, the age limits prescribed can in no case be relaxed.

The date of birth, accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate. These certificates are required to be submitted only at the time of applying for the Civil Services (Main) Examination. No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, Service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the Instruction include the alternative certificates mentioned above.

Note 1 :—Candidate should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/Secondary Examination certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission, and no subsequent request for its change will be considered or granted.

Note 2 :—Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the Commission for the purpose of admission to an Examination, no change will be allowed subsequently or at any other Examination of the Commission on any grounds whatsoever.

7. A candidate must hold a degree of any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

Note 1 :—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will also be eligible for admission to the Preliminary Examination.

All candidates who are declared qualified by the Commission for taking the Civil Services (Main) Examination

will be required to produce proof of passing the requisite examination along with their application for the Main Examination failing which such candidates will not be admitted to the Main Examination.

Note II :—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the foregoing qualification as a qualified candidate provided that he has passed examination conducted by other institution the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note III :—Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degree would also be eligible for admission to the examination.

Note IV :—Candidates who have passed the final professional M.B.B.S or any other Medical Examination but have not completed their internship by the time of submission of their applications for the Civil Services (Main) Examination, will be provisionally admitted to the Examination provided they submit along with their application a copy of certificate from the concerned authority of the University/Institution that they had passed the requisite final professional medical examination. In such cases, the candidates will be required to produce at the time of their interview original degree or a certificate from the concerned competent authority of the University/Institution that they had completed all requirements (including completion of internship) for the award of the Degree.

8. A candidate who is appointed to the Indian Administrative Service or the Indian Foreign Service on the results of an earlier examination and continues to be a member of that service will not be eligible to compete at this examination.

In case such a candidate is appointed to the IAS/IFS after the Preliminary Examination of Civil Services Examination, 2010 is over and he/she continues to be a member of that service, he/she shall not be eligible to appear in the Civil Services (Main) Examination, 2009 notwithstanding his/her having qualified in the Preliminary Examination, 2010.

Also provided that if such a candidate is appointed to IAS/IFS after the commencement of the Civil Services (Main) Examination, 2010 but before the result thereof and continues to be a member of that service, he/she shall not be considered for appointment to any service/post on the basis of the result of this examination viz. Civil Services Examination, 2010.

9. Candidates must pay the fees prescribed in the Commission's Notice.

10. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work charged employee, other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the

Examination. Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their applications will be liable to be rejected/candidature will be liable to be cancelled.

11. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the Examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission viz. Preliminary Examination, Main (Written) Examination and Interview Test will be purely provisional, subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after the Preliminary Examination, Main (Written) Examination and interview Test, it is found that they do not fulfil any of the eligibility conditions, their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

12. No candidate will be admitted to the Preliminary/ Main Examination unless he holds a certificate of admission for the Examination.

13. No request for withdrawal of candidature received from a candidate after he has submitted his application will be entertained under any circumstances.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—

- (i) Obtaining support for his candidature by the following means, namely:—
 - (a) offering illegal gratification to; or
 - (b) applying pressure on; or
 - (c) blackmailing, or threatening to blackmail any person connected with the conduct of the examination; or
 - (ii) impersonation; or
 - (iii) procuring impersonation by any person; or
 - (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
 - (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
 - (vi) resorting to the following means in connection with his candidature for the examination, namely:—
 - (a) obtaining copy of question paper through improper means;
 - (b) finding out the particulars of the persons connected with secret work relating to the examination;
 - (c) influencing the examiners; or
 - (vii) using unfair means during the examination; or
 - (viii) writing obscene matter or drawing obscene sketches in the scripts; or

- (ix) misbehaving in the examination hall including tearing of the scripts, provoking fellow examinees to boycott examination, creating a disorderly scene and the like; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) being in possession of or using any mobile phone, pager or any electronic equipment or device or any other equipment capable of being used as a communication device during the examination; or
- (xii) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination; or
- (xiii) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses; may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable:—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; and/or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period:—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules:

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after:—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed to him into consideration.

15. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the Preliminary Examination as may be fixed by the Commission at their discretion shall be admitted to the Main Examination; and candidates who obtain such minimum qualifying marks in the Main Examination (Written) as may be fixed by the Commission at their discretion shall be summoned by them for an interview for personality test:

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes or Other Backward Classes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards in the Preliminary Examination as well as Main Examination (Written) if the

Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up vacancies reserved for them.

16. (1) After interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the Main Examination. Thereafter, the Commission shall, for the purpose of recommending candidates against unreserved vacancies, fix a qualifying mark (hereinafter referred to as general qualifying standard) with reference to the number of unreserved vacancies to be filled up on the basis of the Main Examination. For the purpose of recommending reserved category candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes against reserved vacancies, the Commission may relax the general qualifying standard with reference to number of reserved vacancies to be filled up in each of these categories on the basis of the Main Examination :

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have not availed themselves of any of the concessions or relaxations in the eligibility or the selection criteria, at any stage of the examination and who after taking into account the general qualifying standards are found fit for recommendation by the Commission shall not be recommended against the vacancies reserved for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and the Other Backward Classes.

(2) While making service allocation, the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes or Other Backward Classes recommended against unreserved vacancies may be adjusted against reserved vacancies by the Govt. If by this process they get a service of higher choice in the order of their preference.

(3) The Commission may further lower the qualifying standards to take care of any shortfall of candidates for appointment against unreserved vacancies and any surplus of candidates against reserved vacancies arising out of the provisions of this rule, the Commission may make the recommendations in the manner prescribed in sub-rules (4) and (5).

(4) While recommending the candidates, the Commission shall, in the first instance, take into account the total number of vacancies in all categories. This total number of recommended candidates shall be reduced by the number of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes who acquire the merit at or above the fixed general qualifying standard without availing themselves of any concession or relaxation in the eligibility or selection criteria in terms of the proviso to sub-rule (1). Along with this list of recommended candidates, the Commission shall also declare a consolidated reserve list of candidates which will include candidates from general and reserved categories ranking in order of merit below the last recommended candidate under each category. The number

of candidates in each of these categories will be equal to the number of reserved category candidates who were included in the first list without availing of any relaxation or concession in eligibility or selection criteria as per proviso to sub-rule (1). Amongst the reserved categories, the number of candidates from each of the Scheduled Caste, the Scheduled Tribe and Other Backward Class categories in the reserve list will be equal to the respective number of vacancies reduced initially in each category.

5. The candidates recommended in terms of the provisions of sub-rule (4), shall be allocated by the Government to the services and where certain vacancies still remain to be filled up, the Government may forward a requisition to the Commission requiring it to recommend, in order of merit, from the reserve list, the same number of candidates as requisitioned for the purpose of filling up the unfilled vacancies in each category.

17. The minimum qualifying marks as specified under rules 15 and 16 may be relaxable at the discretion of the Commission in favour of physically handicapped candidates in order to fill up the vacancies reserved for them :

Provided that where a physically handicapped candidate obtains the minimum qualifying marks in his own merit in the requisite number for General, or the Scheduled Caste or the Scheduled Tribe or Other Backward Class category candidates, then, the extra physically handicapped candidates, i.e., more than the number of vacancies reserved for them shall be recommended by the Commission on the relaxed standards and consequential amendments in the rules will be notified in due course.

18. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the results.

19. (i) Due consideration will be given at the time of making allocation on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various services at the time of his application. The appointment to various services will also be governed by the Rules/Regulations in force as applicable to the respective Services at the time of appointment.

(ii) The cadre allotment to candidates' appointment to IAS/IPS will be governed by the policy of cadre allotment in force at the time of allotment of cadre. Due consideration will be given at the time of making allocation on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various cadres at the time of his application.

20. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Service.

21. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with

the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Any candidate called for the Personality Test by the Commission may be required to undergo medical examination. No fee shall be payable to the Medical Board by the candidate for the medical examination except in the case of appeal :

Provided further that Government may constitute a special Medical Board with experts in the area for conducting the medical examination of physically disabled candidates.

Note :—In order to prevent disappointment, candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services Personnel, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

22. The eligibility for availing reservation against the vacancies reserved for the physically disabled persons shall be the same as prescribed in "The Persons with Disability (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995" :

Provided further that the physically disabled candidates shall also be required to meet special eligibility criteria in terms of physical requirements/functional classification (abilities/disabilities) consistent with requirements of the identified service/post as may be prescribed by its cadre controlling authority. A list of Services identified suitable for Physically Disabled Category along with the physical requirements and functional classifications.

The physical requirement and functional classification can, for example, be one or more of the following :

CODE PHYSICAL REQUIREMENTS

- MF 1. Work performed by manipulation by fingers.
- PP 2. Work performed by pulling and pushing.
- L 3. Work performed by lifting.
- KC 4. Work performed by kneeling and crouching.
- BN 5. Work performed by bending.
- S 6. Work performed by sitting (on bench or chair).
- ST 7. Work performed by standing.
- W 8. Work performed by walking.
- SE 9. Work performed by seeing.
- H 10. Work performed by hearing/speaking.
- RW 11. Work performed by reading and writing.
- C 12. Communication.

CODE FUNCTIONAL CLASSIFICATION

BL 1. both legs affected but not arms.

SA 2. both arms affected

a. impaired reach.

b. weakness of grip.

c. ataxic

BLA 3. both legs and both arms affected.

OL 4. one leg affected (R or L)

a. impaired reach.

b. weakness of grip.

c. ataxic.

OA 5. one arm affected (R or L)

a. impaired reach.

b. weakness of grip.

c. ataxic.

OAL 6. One arm and one leg affected

MW 7. muscular weakness

B 8. Blind

LV 9. Low Vision

H 10. Hering

Note : The above lists is subject of revision.

23. No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to Service :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

24. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to take after entry into service.

25. Brief particulars relating to the Services/Posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix II.

R. K. GUPTA, Dy. Secy.

APPENDIX I

SECTION I

PLAN OF EXAMINATION

The competitive examination comprises two successive stages :

- (i) Civil Services Preliminary Examination (Objective Type) for the selection of candidates for Main Examination; and

(ii) Civil Services (Main) Examination (Written and Interview) for the selection of candidates for the various Services and posts.

2. The Preliminary Examination will consist of two papers of Objective type (multiple choice questions) and carry a maximum of 450 marks in the subjects set out in sub-section (A) of Section II. This examination is meant to serve as a screening test only; the marks obtained in the Preliminary Examination by the candidates who are declared qualified for admission to the Main Examination will not be counted for determining their final order of merit. The number of candidates to be admitted to the Main Examination will be about twelve to thirteen times the total approximate number of vacancies to be filled in the year in the various Services and Posts. Only those candidates who are declared by the Commission to have qualified in the Preliminary Examination in a year will be eligible for admission to the Main Examination of that year provided they are otherwise eligible for admission, to the Main Examination.

Note : There will be penalty (Negative Marking) for wrong answers marked by a Candidate in the Objective Type Question Papers :

(i) There are four alternatives for the answers to every question. For each question for which a wrong answer has been given by the candidate, one-third (0.33) of the marks assigned to that question will be deducted as penalty.

(ii) If a candidate gives more than one answer, it will be treated as a wrong answer even if one of the given answers happen to be correct and there will be same penalty as above for that question.

(iii) If a question is left blank i.e. no answer is given by the candidate, there will be no penalty for that question."

3. The Main Examination will consist of written examination and an interview test. The written examination will consist of 9 papers of conventional essay type in the subjects set out in sub-section (B) of Section II. Also see Note (ii) under para 1 of Section II(B).

4. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written part of the Main Examination as may be fixed by the Commission at their discretion, shall be summoned by them for an interview for a Personality Test vide sub-section 'C' of Section II. However, the papers on Indian languages and English will be of qualifying nature. Also see Note (ii) under para 1 of Section II(B). The marks obtained in these papers will not be counted for ranking. The number of candidates to be summoned for interview will be about twice the number of vacancies to be filled. The interview will carry 300 marks (with no minimum qualifying marks).

Marks thus obtained by the candidates in the Main Examination (written part as well as interview) would

determine their final ranking. Candidates will be allotted to the various Services keeping in view their ranks in the examination and the preferences expressed by them for the various Services and posts.

SECTION II

Scheme and subjects for the Preliminary and Main Examination.

A. PRELIMINARY EXAMINATION :

The examination will consist of two papers :

Paper I—General Studies Paper 150 marks

Paper II—One subject to be selected from the list of optional subjects set out in para 2 below. 300 marks

Total : 450 marks

2. List of Optional Subjects for Preliminary Examination :

- (i) Agriculture
- (ii) Animal Husbandry and Veterinary Science
- (iii) Botany
- (iv) Chemistry
- (v) Civil Engineering
- (vi) Commerce
- (vii) Economics
- (viii) Electrical Engineering
- (ix) Geography
- (x) Geology
- (xi) Indian History
- (xii) Law
- (xiii) Mathematics
- (xiv) Mechanical Engineering
- (xv) Medical Science
- (xvi) Philosophy
- (xvii) Physics
- (xviii) Political Science
- (xix) Psychology
- (xx) Public Administration
- (xxi) Sociology
- (xxii) Statistics
- (xxiii) Zoology

NOTE :

- (i) Both the question papers will be of the objective type (multiple choice questions).
- (ii) The question papers will be set both in Hindi and English.
- (iii) The course content of the syllabi for the optional subjects will be of the degree level.

Details of the syllabi are indicated in Part A of Section III.

(iv) Each paper will be of two hours duration. Blind candidates will, however, be allowed an extra time of twenty minutes at each paper.

B. MAIN EXAMINATION :

The written examination will consist of the following papers :—

Paper I—One of the Indian Language to be selected by the candidate from the languages included in the Eighth Schedule to the Constitution.	300 Marks
Paper II—English	300 Marks
Paper III—Essay	200 Marks
Papers—General Studies	300 Marks
IV and V	for each paper
Papers VI, VII, VIII and IX.—Anytwo subjects to be selected from the list of the optional subjects set out in para 2 below. Each subject will have two papers.	300 Marks for each paper

Interview Test will carry 300 Marks.

NOTE:

- (i) The papers on Indian Languages and English will be of Matriculation or equivalent standard and will be of qualifying nature. The marks obtained in these papers will not be counted for ranking.
- (ii) Evaluation of the papers, namely, 'Essay', 'General Studies' and Optional Subjects of all the candidates would be done simultaneously along with evaluation of their qualifying papers on 'Indian Languages' and 'English' but the papers on 'Essay'. General Studies and Optional Subjects of only such candidates will be taken cognizance of as attain such minimum standard as may be fixed by the Commission at their discretion for the qualifying papers on 'Indian Language' and 'English' and therefore, the marks in 'Essay' 'General Studies and Optional subjects' will not be disclosed to those candidates who fail to obtain such minimum qualifying standard in 'Indian Language' and 'English.'
- (iii) The Paper I on Indian Languages will not, however, be compulsory for candidates hailing from the North-Eastern States of Arunachal Pradesh, Manipur, Meghalaya, Mizoram and Nagaland and also for candidates hailing from the State of Sikkim.

(iv) For the Language papers, the scripts to be used by the candidates will be as under :—

Language	Script
Assamese	Assamese
Bengali	Bengali
Gujarati	Gujarati
Hindi	Devanagari
Kannada	Kannada
Kashmiri	Persian
Konkani	Devanagari
Malayalam	Malayalam
Manipuri	Bengali
Marathi	Devanagari
Nepali	Devanagari
Oriya	Oriya
Punjabi	Gurumukhi
Sanskrit	Devanagari
Sindhi	Devanagari or Arabic
Tamil	Tamil
Telugu	Telugu
Urdu	Persian
Bodo	Devanagari
Dogri	Devanagari
Maithilli	Devanagari
Santali	Devanagari or Olchiki

Note : For Santali language, question paper will be printed in Devanagari script; but candidates will be free to answer either in Devanagari script or in Olchiki.

2. List of optional subjects for Main Examination :

- (i) Agriculture
- (ii) Animal Husbandry and Veterinary Science
- (iii) Anthropology
- (iv) Botany
- (v) Chemistry
- (vi) Civil Engineering
- (vii) Commerce and Accountancy
- (viii) Economics
- (ix) Electrical Engineering
- (x) Geography
- (xi) Geology
- (xii) History
- (xiii) Law
- (xiv) Management
- (xv) Mathematics
- (xvi) Mechanical Engineering
- (xvii) Medical Science
- (xviii) Philosophy
- (xix) Physics

- (xx) Political Science and International Relations
- (xxi) Psychology
- (xxii) Public Administration
- (xxiii) Sociology
- (xxiv) Statistics
- (xxv) Zoology
- (xxvi) Literature of one of the following languages : Arabic, Assamese, Bengali, Bodo, Chinese, Dogari, English, French, German, Gujarati, Hindi, Kannada, Kashmiri, Konkani, Maithili, Malayalam, Manipuri, Marathi, Nepali, Oriya, Pali, Persian, Punjabi, Russian, Sanskrit, Santali, Sindhi, Tamil, Telugu, Urdu.

NOTE:

- (i) Candidates will not be allowed to offer the following combinations of subjects :
 - (a) Political Science & International Relations and Public Administration;
 - (b) Commerce & Accountancy and Management;
 - (c) Anthropology and Sociology;
 - (d) Mathematics and Statistics;
 - (e) Agriculture and Animal Husbandry & Veterinary Science;
 - (f) Management and Public Administration;
 - (g) Of the Engineering subjects viz., Civil Engineering, Electrical Engineering and Mechanical Engineering—not more than one subject;
 - (h) Animal Husbandry & Veterinary Science and Medical Science.
- (ii) The question papers for the examination will be of conventional (essay) type.
- (iii) Each paper will be of three hours duration. Blind candidates will, however, be allowed an extra time of thirty minutes at each paper.
- (iv) Candidates will have the option to answer all the question papers, except the language papers, viz., Papers I and II above, in any one of the languages included in the Eighth Schedule to the Constitution or in English.
- (v) Candidates exercising the option to answer Papers III to IX in any one of the languages included in the Eighth Schedule to the Constitution may, if they so desire, give English version within brackets of only the description of the technical terms, if any, in addition to the version in the language opted by them.

Candidates should, however, note that if they misuse the above rule, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to them and in extreme cases, their script(s) will not be valued for being in an unauthorised medium.

- (vi) The question papers other than language papers will be set both in Hindi and English.
- (vii) The details of the syllabi are set out in Part B of Section III.

General Instructions (Preliminary as well as Main Examination)

(i) Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them. However, blind candidates will be allowed to write the examination with the help of a scribe.

(ii) An extra time of twenty minutes per hour shall be permitted for the candidates with locomotor disability and cerebral palsy where dominant (writing) extremity is affected to the extent of slowing the performance of function (minimum of 40% impairment) in the Civil Services (Main) Examination only. However, no scribe shall be permitted to such candidates.

Note (1) : The eligibility conditions of a scribe, his/her conduct inside the examination hall and the manner in which and extent to which he/she can help the blind candidate in writing the Civil Services Examination shall be governed by the instructions issued by the UPSC in this regard. Violation of all or any of the said instructions shall entail the cancellation of the candidature of the blind candidate in addition to any other action that the UPSC may take against the scribe.

Note (2) : For purpose of these rules the candidate shall be deemed to be a blind candidate if the percentage of visual impairment is Forty per cent (40%) or more. The criteria for determining the percentage of visual impairment shall be as follows :

	All with corrections		Percentage
	Better eye	Worse eye	
I	2	3	4
Category O	6/9—6/18	6/24 to 6/36	20%
Category I	6/18—6/36	6/60 to nil	40%
Category II	6/60—4/60 or field of vision 10—20°	3/60 to nil	75%
Category III	3/60—1/60 or field of vision 10°	F.C. at 1 ft to nil	100%
Category IV	F.C. at 1 ft to nil field of vision 100°	F.C. at 1 ft to nil field of vision 100°	100%
One eyed person	6/6	F.C. at 1 ft to nil	30%

Note (3) : For availing of the concession admissible to a blind candidate, the candidate concerned shall produce a certificate in the prescribed proforma from a Medical Board

constituted by the Central/State Governments alongwith their application for the Main Examination.

Note (4) : The concession admissible to blind candidates shall not be admissible to those suffering from Myopia.

(ii) The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

(iii) If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

(iv) Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

(v) Credit will be given for orderly, effective, and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

(vi) In the question papers, wherever required, SI units will be used.

(vii) Candidates should use only International form of Indian numerals (i.e. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

(viii) Candidates will be allowed the use of Scientific (Non-Programmable type) Calculators at the conventional (Essay) type examination of UPSC. Programmable type calculators will however not be allowed and the use of such calculators shall tantamount to resorting to unfair means by the candidates. Loaning or interchanging of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not therefore bring the same inside the Examination Hall.

C. Interview Test

The candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career. He will be asked questions on matters of general interest. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for a career in public service by a Board of competent and unbiased observers. The test is intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also social traits and his interest in current affairs. Some of the qualities to be judged are mental alertness, critical powers of assimilation, clear and logical exposition, balance of judgement, variety and depth of interest, ability for social cohesion and leadership, intellectual and moral integrity.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross-examination but of a natural, though directed and purposive conversation which is intended to reveal the mental qualities of the candidate.

3. The interview test is not intended to be a test either of the specialised or general knowledge of the candidates which has been already tested through their written papers.

Candidates are expected to have taken an intelligent interest not only in their special subjects of academic study but also in the events which are happening around them both within and outside their own State or Country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated youth.

SECTION III

SYLLABI FOR THE EXAMINATION

NOTE : Candidates are advised to go through the Syllabus published in this Section for the Preliminary Examination and the Main Examination, as periodic revision of syllabus has been done in several subjects.

PART A—PRELIMINARY EXAMINATION

COMPULSORY SUBJECT

General Studies

General Science.

Current events of national and international importance.

History of India and Indian National Movement.

Indian and World Geography.

Indian Polity and Economy.

General Mental Ability

Questions on General Science will cover General appreciation and understanding of science including matters of everyday observation and experience, as may be expected of a well educated person who has not made a special study of any particular scientific discipline. In current events, knowledge of significant national and international events will be tested. In History of India, emphasis will be on broad general understanding of the subject in its social, economic and political aspects. Questions on the Indian National Movement will relate to the nature and character of the nineteenth century resurgence, growth of nationalism and attainment of Independence. In Geography, emphasis will be on Geography of India. Questions on the Geography of India will relate to physical, social and economic Geography of the country, including the main features of Indian agricultural and natural resources. Questions on Indian Polity and Economy will test knowledge of the country's political system and Constitution of India, Panchayati Raj, Social Systems and economic developments in India. On general mental ability, the candidates will be tested on reasoning and analytical abilities.

OPTIONAL SUBJECTS FOR PRELIMINARY

EXAMINATION

AGRICULTURE

Agriculture, its importance in national economy. Factors determining agro-ecological zones and geographical distribution of crop plants.

Importance of crop plants, cultural practices for cereal, pulses, oilseed, fibre, sugar, tuber and fodder crops and scientific basis for these crop rotations, multiple and relay cropping, intercropping and mixed cropping.

Soil as medium of plant growth and its composition, mineral and organic constituents of the soil and their role in crop production; chemical, physical and microbiological properties of soils. Essential plant nutrients (macro and micro)—their functions, occurrence, cycling in soils. Principles of soil fertility, and its evaluation for judicious fertilizer use. Organic manures and bio-fertilizers, inorganic fertilizers, integrated nutrient management.

Principles of plant physiology with reference to plant nutrition, absorption, translocation and metabolism of nutrients.

Diagnosis of nutrient deficiencies and their amelioration, photosynthesis and respiration, growth and development, auxins and hormones in plant growth.

Cell and cell organelles. Cell division. Reproductive cycle. Principles of genetics, gene-interaction, sex determination, linkage and recombination, mutation, extrachromosomal inheritance, polyploidy. Origin and domestication of crop plants. Genetic resources—conservation and utilization. Floral biology in relation to selfing and crossing. Genetic basis of plant breeding, pureline selection, mass selection, male sterility and incompatibility and their use in plant breeding. Pedigree selection, back-cross method of selection. Heterosis and its exploitation. Development of hybrids, composites and synthetics, Important varieties, hybrids, composites and synthetics of major crops. Seeds and seed-production techniques.

Important fruit and vegetable crops of India, method of propagation—sexual and asexual. Package and practices and their scientific basis. Crop rotation, intercropping, companion crops, role of fruits and vegetables in human nutrition, post-harvest handling and processing of fruits and vegetables. Landscaping and ornamental horticulture, commercial floriculture. Medicinal and aromatic plants.

Serious pests and diseases affecting major crops. Principles of control of crop pests and diseases, integrated management. Proper use and maintenance of plant protection equipment.

Principles of economics as applied to agriculture. Farm planning and optimum resource—use efficiency and maximising income and employment. Farm systems and their spatial distribution, their significant roles in regional economic development.

ANIMAL HUSBANDRY AND VETERINARY SCIENCE

Animal Husbandry

1. **General** : Role of Livestock in Indian Economy and human health. Mixed farming. Agroclimatic zones and livestock distribution. Socio-economic aspects of livestock enterprise with special reference to women.

2. **Genetics and Breeding** : Principle of genetics, chemical nature of DNA and RNA and their models and

functions. Recombinant DNA technology. Transgenic animals. Multiple ovulation and embryo-transfer. Cytogenetics. Immunogenetics and biochemicals polymorphism and their application in animal improvement. Gene actions. Systems and strategies for improvement of livestock for milk, meat, wool production and draught and poultry for eggs and meat. Breeding animals for disease resistance. Breeds of livestock, poultry and rabbits.

3. **Nutrition** : Role of nutrition in animal health and production. Classification of feeds. Proximate composition of feeds. Feeding standards. Computation of rations. Ruminant-nutrition. Concepts of total digestible nutrients and starch equivalent systems. Significance of energy determinations. Conservation of feeds and fodder and utilization of agrobyproducts. Feed supplements and additives. Nutrition deficiencies and their management.

4. **Management** : System of housing and management of livestock, poultry and rabbits. Farm records. Economics of livestock, poultry and rabbit farming. Clean milk production. Veterinary hygiene with reference to water, air and habitation. Sources of water and standards of potable water. Purification of water. Air changes and thermal comfort. Drainage systems and effluent disposal. Biogas.

5. **Animal Production** : (a) Artificial insemination, fertility and sterility. Reproductive physiology, semen—characteristics and preservation. Sterility—its causes and remedies.

(b) Meat, eggs and wool production. Methods of slaughter of meat animals, meat inspection, judgment, carcass characteristics, adulteration and its detection processing and preservation. Meat products, quality control and nutritive value, by-products. Physiology of egg production, nutritive value, grading of eggs preservation and marketing. Types of wool, grading and marketing.

6. **Veterinary Science** : (i) Major contagious diseases affecting cattle, buffaloes, horses, sheep and goats, pig, poultry/rabbits and pet animals—Etiology, symptoms, pathogenicity diagnosis, treatment and control of major bacterial viral, rickettsial and parasitic infections.

(ii) Description, symptoms, diagnosis and treatment of the following:—

- (a) Production diseases of milch animals, pig and poultry.
- (b) Deficiency diseases of domestic livestock and birds.
- (c) Poisonings due to infected/contaminated foods and feeds, chemicals and drugs.

7. **Principles of immunization and vaccination** : Different types of immunity, antigens and antibodies. Methods of immunization. Breakdown of immunity, Vaccines and their use in animals. Zoonoses, Foodborne infections and intoxications, occupation hazards.

8. (a) Poisons used for killing animals—euthanasia.
- (b) Drugs used for increasing production/ performance efficiency and their adverse effects.
- (c) Drugs used to tranquilize wild animals as well as animals in captivity.
- (d) Quarantine measures in India and Abroad. Act, Rules and Regulations.

9. Dairy Science : Physico—chemical and nutritional properties of milk.

Quality assessment of milk and milk products. Common tests and legal standards.

Cleaning and sanitization of dairy equipment. Milk collections, chilling, transportation processing, packaging, storage and distribution. Manufacture of market milk, cream, butter, cheese, ice-cream, condensed and dried milk, by products and Indian Milk products.

Unit operations in dairy plant.

Role of micro-organisms in quality of milk and milk products.

Physiology of milk secretion.

BOTANY

1. **CELL BIOLOGY** :—Structure and function of cell wall (extracellular matrix or ECM), cell membrane and cell organelles. Nucleus, nucleolus. Nuclear Pore Complex (NPC), chromosome and nucleosome. Mitosis, meiosis, molecular control involving checkpoints in cell division cycle. Differentiation, cellular senescence.
2. **GENETICS, MOLECULAR BIOLOGY AND BIOTECHNOLOGY** :—Laws of inheritance. Concept of gene and allelomorph. Linkage, crossing over and gene mapping. Structural and numerical changes in chromosomes and gene mutations, sex determination and differentiation. Structure and synthesis of nucleic acids and proteins. Genetic code. Regulation of gene expression. Genetic engineering and crop improvement. Protoplast, cell, tissue and organ cultures. Somatic hybridization. Biofertilizers and biopesticides. Biotechnology in agri-horticulture, medicine and industry.
3. **TISSUE SYSTEMS** :—Origin, development, structure and function of primary and secondary tissues.
4. **PLANT DIVERSITY AND SYSTEMATICS** :—Structure and function of plant forms from evolutionary aspect (viruses to Angiosperms including fossils). Principles of nomenclature, classification and identification of plants. Modern approaches in plant taxonomy. Recent classification of living organisms into three groups (bacteria, archaea and eukarya).
5. **PLANT PHYSIOLOGY** :—Water relations. Mineral nutrition. Photosynthesis. Respiration. Nitrogen

metabolism. Enzymes and coenzymes. Dynamics of growth, growth movements, growth substances, photomorphogenesis. Secondary metabolites. Isotopes in biological studies. Physiology of flowering.

6. **METHODS OF REPRODUCTION AND SEED BIOLOGY** :—Vegetative, asexual and sexual methods of reproduction. Pollination and fertilization. Sexual incompatibility. Development, structure, dormancy and germination of seed.
7. **PLANT PATHOLOGY** :—Diseases of rice, wheat, sugarcane, potato, mustard, groundnut and cotton crops. Factors affecting infection (host factors, pathogen factors, biotic factors like rhizosphere and phyllosphere organisms). Chemical, biological and genetic methods of disease control (including transgenic plants).
8. **PLANT AND ENVIRONMENT** :—Biotic and abiotic components. Ecological adaptation. Types of vegetational zones and forests of India. Deforestation, afforestation, social forestry and plant introduction. Soil erosion, wasteland, reclamation. Environmental pollution and its control (including phytoremediation). Bioindicators. Global warming.
9. **BIODIVERSITY, PLANT GENETIC RESOURCES** :—Methods of conservation of plant genetic resources and its importance. Convention of Biological Diversity (CBD). Endangered, threatened and endemic taxa. Role of cell/tissue culture in propagation and enrichment of genetic diversity. Plants as sources of food, fodder, forage, fibres, oils, drugs, wood and timber, paper, rubber, beverages, spices, essential oils and resins, gums, dyes, insecticides, pesticides and ornamentation. Biomass as a source of energy.
10. **ORIGIN OF LIFE AND EVOLUTION** :—Basic concepts of origin of earth and origin of life. Theories of organic evolution, molecular basis of evolution.

CHEMISTRY

SECTION A (Inorganic Chemistry)

- 1.1 **ATOMIC STRUCTURE** :—Schrodinger wave equation, significance of ψ^1 and ψ^2 , quantum numbers and their significance, radial and angular probability, shapes of orbitals, relative energies of atomic orbitals as a function of atomic number. Electronic configurations of elements; Aufbau principle, Hund's multiplicity rule, Pauli exclusion principle.
- 1.2 **CHEMICAL PERIODICITY** :—Periodic classification of elements, salient characteristics of s, p, d and f block elements. Periodic trends of atomic radii, ionic radii, ionisation potential, electron affinity and electronegativity in the periodic table.
- 1.3 **CHEMICAL BONDING** :—Types of bonding, overlap of atomic orbitals, sigma and pi bonds, hydrogen and metallic bonds. Shapes of molecules, bond order, bond

length, V.S.E.P.R. theory and bond angles. The concept of hybridization and shapes of molecules and ions.

1.4 OXIDATION STATES AND OXIDATION NUMBER:—Oxidation and reduction, oxidation numbers, common redox reactions, ionic equations. Balancing of equations for oxidation and reduction reactions.

1.5 ACIDS AND BASES:—Bronsted and Lewis theories of acids and bases. Hard and soft acids and bases. HSAB principle, relative strengths of acids and bases and the effect of substituents and solvents on their strength.

1.6 CHEMISTRY OF ELEMENTS—

(i) **Hydrogen** :—Its unique position in the periodic table, isotopes, ortho and para hydrogen, industrial production, heavy water.

(ii) **Chemistry of s and p block elements** :—Electronic configuration, general characteristic properties, inert pair effect, allotropy and catenation. Special emphasis on solutions of alkali and alkaline earth metals in liquid ammonia. Preparation, properties and structures of boric acid, borates, boron nitrides, borohydride (diborane), carboranes, oxides and oxyacids of nitrogen, phosphorus, sulphur and chlorine; interhalogen compounds, polyhalide ions, pseudohalogens, fluorocarbons and basic properties of halogens. Chemical reactivity of noble gases, preparation, structure and bonding of noble gas compounds.

(iii) **Chemistry of d block elements** :—Transition metals including lanthanides, general characteristic properties, oxidation states, magnetic behaviour, colour. First row transition metals and general properties of their compounds (oxides, halides and sulphides); lanthanide contraction.

1.7 EXTRACTION OF METALS:—Principles of extraction of metals as illustrated by sodium, magnesium, aluminium, iron, nickel, copper, silver and gold.

1.8 NUCLEAR CHEMISTRY:—Nuclear reactions; mass defect and binding energy, nuclear fission and fusion. Nuclear reactors; radioisotopes and their applications.

1.9 COORDINATION COMPOUNDS:—Nomenclature, isomerism and theories of coordination compounds and their role in nature and medicine.

1.10 POLLUTION AND ITS CONTROL:—Air pollution, types of air pollutants; control of air and water pollution; radioactive pollution.

SECTION—B (Organic Chemistry)

2.1 BONDING AND SHAPES OF ORGANIC MOLECULES:—Electronegativity, electron displacements — inductive, mesomeric and hyperconjugative effects; bond polarity and bond polarizability, dipole moments of organic molecules.

hydrogen bond; effects of solvent and structure on dissociation constants of acids and bases; bond formation, fission of covalent bonds; homolysis and heterolysis; reaction intermediates — carbonations, carbanions, free radicals and carbenes : generation, geometry and stability; nucleophiles and electrophiles.

2.2 CHEMISTRY OF ALIPHATIC COMPOUNDS:—Nomenclature; alkanes — synthesis, reactions (free radical halogenation) — reactivity and selectivity, sulphonation — detergents; cycloalkanes — Baeyer's strain theory; alkenes and alkynes — synthesis, electrophilic addition reactions, Markownikov's rule, peroxide effect, 1, 3—dipolar addition; nucleophilic addition to electron-deficient alkenes; polymerisation; relative acidity; synthesis and reactions of alkyl halides, alkanols, alkanals, alkanones, alkanoic acids, esters, amides, nitriles, amines, acid anhydrides, α, β —unsaturated ketones, ethers and nitro compounds.

2.3 STEREOCHEMISTRY OF CARBON COMPOUNDS:—Elements of symmetry, chiral and achiral compounds. Fischer projection formulae; optical isomerism of lactic and tartaric acids, enantiomerism and diastereoisomerism; configuration (relative and absolute); conformations of alkanes upto four carbons, cyclohexane and dimethylcyclohexanes — their potential energy. **D**, **L** and **R**, **S**-notations of compounds containing chiral centres; projection formulae — Fischer, Newman and Sawhorse — of compounds containing two adjacent chiral centres: meso and dl-isomers, erythro and threo isomers; racemization and resolution; examples of homotopic, enantiotopic and diastereotopic atoms and groups in organic compounds; geometrical isomers; **E** and **Z** notations. Stereochemistry of SN1, SN2, E1 and E2 reactions.

2.4 ORGANOMETALLIC COMPOUNDS:—Preparation and synthetic uses of Grignard reagents, alkyl lithium compounds.

2.5 ACTIVE METHYLENE COMPOUNDS:—Diethyl malonate, ethyl acetoacetate, ethyl cyanoacetate — applications in organic synthesis; tautomerism (ketoenol).

2.6 CHEMISTRY OF AROMATIC COMPOUNDS:—Aromaticity; Hückel's rule; electrophilic aromatic substitution — nitration, sulphonation, halogenation (nuclear and side chain), Friedel-Crafts alkylation and acylation; substituent effect; chemistry and reactivity of aromatic halides, phenols, nitro-, diazo, diazonium and sulphonic acid derivatives; benzene reactions.

2.7 CHEMISTRY OF BIOMOLECULES:—(i) **Carbohydrates** : Classification, reactions, structure of glucose, **D**, **L**-configuration, osazone formation;

fructose and sucrose; step-up and step-down of aldoses and ketoses, and their interconversions.

(ii) **Amino Acids:** Essential amino acids; zwitterions, isoelectric point; polypeptides; proteins; methods of synthesis of α amino acids.

(iii) Elementary idea of oils, fats, soaps and detergents.

2.8 **BASIC PRINCIPLES AND APPLICATIONS** :—Of UV, visible IR and NMR spectroscopy of simple organic molecules.

SECTION—C (Physical Chemistry)

3.1 **GASEOUS STATE** :—Deviation of real gases from the equation of state for an ideal gas, Van der Waals and Virial equation of state, critical phenomena, principle of corresponding states, equation for reduced state. Liquification of gases, distribution of molecular speed, collisions between molecules in a gas; mean free path; specific heat of gases.

3.2 **THERMODYNAMICS** :—(i) **First law and its applications** :—Thermodynamic systems, states and processes, work, heat and internal energy, zeroth law of thermodynamics, various types of work done on a system in reversible and irreversible processes. Calorimetry and thermochemistry, enthalpy and enthalpy changes in various physical and chemical processes, Joule-Thomson effect, inversion temperature. Heat capacities and temperature dependence of enthalpy and energy changes.

(ii) **Second law and its applications** :—Spontaneity of a process, entropy and entropy changes in various processes, free energy functions, criteria for equilibrium, relation between equilibrium constant and thermodynamic quantities.

3.3 **PHASE RULE AND ITS APPLICATIONS** :—Equilibrium between liquid, solid and vapours of a pure substance, Clausius-Clapeyron equation and its applications. Number of components, phases and degrees of freedom; phase rule and its applications; simple systems with one (water and sulphur) and two components (lead-silver, salt hydrates). Distribution law, its modifications, limitations and applications.

3.4 **SOLUTIONS** :—Solubility and its temperature dependence, partially miscible liquids, upper and lower critical solution temperatures, vapour pressures of liquids over their mixtures, Raoult's and Henry's laws, fractional and steam distillations.

3.5 **COLLIGATIVE PROPERTIES** :—Dilute solutions and colligative properties, determination of molecular weights using colligative properties.

3.6 **ELECTROCHEMISTRY** :—Ions in solutions, ionic equilibria, dissociation constants of acids and bases, hydrolysis, pH and buffers, theory of indicators and

acid-base titrations. Conductivity of ionic solutions, its variation with concentration, Ostwald's dilution law, Kohlrausch law and its application. Transport number and its determination. Faraday's laws of electrolysis, galvanic cells and measurements of their e.m.f., cell reactions, standard cell, standard reduction potential, Nernst equation, relation between thermodynamic quantities and cell e.m.f., fuel cells, potentiometric titrations.

3.7 **CHEMICAL KINETICS** :—Rate of chemical reaction and its dependence on concentrations of the reactants, rate constant and order of reaction and their experimental determination; differential and integral rate equations for first and second order reaction, half-life periods; temperature dependence of rate constant and Arrhenius parameters; elementary ideas regarding collision and transition state theory.

3.8 **PHOTOCHEMISTRY** :—Absorption of light, laws of photochemistry, quantum yield, the excited state and its decay by radiative, non-radiative and chemical pathways; simple photochemical reactions.

3.9 **CATALYSIS** :—Homogeneous and heterogeneous catalysis and their characteristics, mechanism of heterogeneous catalysis; enzyme catalysed reactions (Michaelis-Menten mechanism).

3.10 **COLLOIDS** :—The colloidal state, preparation and purification of colloids and their characteristic properties; lyophilic and lyophobic colloids and coagulation; protection of colloids; gels, emulsions, surfactants and micelles.

CIVIL ENGINEERING

PART A

1. ENGINEERING MECHANICS

Units and Dimensions, SI Units, Vectors, Concept of Force, Concept of particle and rigid body. Concurrent, non-concurrent and parallel forces in a plane, moment of force and Varignon's theorem, free body diagram, conditions of equilibrium, Principle of virtual work, equivalent force system. First and Second Moments of area, Mass moment of Inertia. Static Friction Inclined plane and bearings.

Kinematics and Kinetics : Kinematics in cartesian and polar co-ordinates, motion under uniform and non-uniform acceleration, motion under gravity. Kinetics of particle Momentum and Energy principles, D'Alembert's Principle, Collision of elastic bodies, rotation of rigid bodies, simple harmonic motion.

2. STRENGTH OF MATERIALS

Simple Stress and Strain, Elastic constants, axially loaded compression members, Shear force and bending

moment, theory of simple bending, Shear Stress distribution across cross section, Beams of uniform strength, Leaf spring. Strain Energy in direct stress, bending and shear.

Deflection of beams :

Macaulay's method, Mohr's moment area method, Conjugate beam method, unit load method. Torsion of Shafts, Transmission of power, Closecoiled helical springs, Elastic stability of columns : Euler's Rankine's and Secant formulae. Principal stresses and strains in two dimensions, Mohr's Circle. Theories of Elastic Failure, Thin and Thick cylinders: Stresses due to internal, and external pressures—Lame's equations.

3. STRUCTURAL ANALYSIS : Analysis of pin jointed plane trusses, deflection in trusses. Three hinged and two hinged arches, rib shortening, temperature effects, influence lines in arches. Analysis of Propped cantilevers, fixed beams, continuous beams and rigid frames. Slopedeflection, moment distribution, Kani's method and Matrix method : Force and Displacement Methods. Rolling loads and influence lines for determinate beams and pin jointed trusses.

PART B

Geotechnical Engineering :—Types of soil, field identification and classification, phase relationships, consistency limits, particle size distribution, classification of soil, structure and clay mineralogy.

Capillary water and structural water, effective stress and pore water pressure, Darcy's Law, factors affecting permeability, determination of permeability, permeability of stratified soil deposits.

Seepage pressure, quick sand condition, compressibility and consolidation, Terzaghi's theory of one dimensional consolidation, consolidation test. Compaction of soil, optimum moisture content, Proctor Density.

Subsurface exploration, methods of boring, sampling, types of sampler, field tests.

Shear strength of soils, Mohr-Coulomb failure theory, shear tests.

Earth pressure at rest, active and passive pressures, Rankine's theory, Coulomb's wedge theory, earth pressure on retaining wall.

Bearing capacity, Terzaghi and other important theories, net and gross bearing pressure, immediate and consolidation settlement.

Load carrying capacity of pile groups.

Stability of slope—Conventional method of slices, stability numbers.

Transportation Engineering

Highway alignment, choice of layout and capacity of highways, location survey, geometric design of highways—various elements, curves, grade separation and segregation of traffic, inter-section design, highway materials and testing sub-grade and pavement components, types of pavements, road drainage, elements of airport engineering.

Railway engineering—elements of permanent track—rails, sleepers, ballast and rail fastenings, tractive resistance, elements of geometric design—gradients and grade compensation on curves, cant, transition curves and vertical curves, stresses in railway tracks, points and crossings, signalling and interlocking, maintenance of railway track. Culverts and small bridges.

PART C

Fluid Mechanics : Fluid properties, fluid statics, forces on plane and curved surfaces, stability of floating and submerged bodies.

Kinematics : Velocity, streamlines, continuity equation, accelerations irrotational and rotational flow, velocity potential and stream functions, flownet, separation.

Dynamics : Euler's equation along streamline, control volume equation, continuity, momentum, energy and moment of momentum equation from control volume equation, applications to pipe flow, moving vanes, moment of momentum, Dimensional analysis.

Boundary layer on a flat plate, drag and lift on bodies. Laminar and Turbulent Flows. Laminar and turbulent flow through pipes, friction factor variation, pipe networks, water hammer, and surge tanks.

4. OPEN CHANNEL FLOW : Energy and momentum correction factors, uniform and non-uniform flows, specific energy and specific force, critical depth, friction factors and roughness co-efficients, flow in transitions, free overfall, weirs, hydraulic jump, surges, gradually varied flow equations, surface profiles, moving hydraulic jump.

PART D

Environmental Engineering :

Water supply : Estimation of surface and sub-surface water resources, predicting demand for water, impurities of water and their significance, physical, chemical and bacteriological analysis, water-borne diseases, standards for potable water.

Intake of water : pumping and gravity schemes, water treatment : principles of coagulation, flocculation and sedimentation; slow-, rapid-, pressure-, filters; chlorination, softening, removal of taste, odour and salinity.

Water storage and distribution : Storage and balancing reservoir types, location and capacity. Distribution systems: layout, hydraulics of pipelines, pipe fittings, valves including check and pressure reducing valves, meters, analysis of distribution systems, leak detection, maintenance of distribution systems, pumping stations and their operations.

Sewerage systems : Domestic and industrial wastes, storm sewage—separate and combined systems, flow through sewers, design of sewers, sewer appurtenances, manholes, inlets, junctions, siphon. Plumbing in Public buildings.

Sewage characterisation : BOD, COD, solids, dissolved oxygen, nitrogen and TOC. Standards of disposal in normal water course and on land.

Sewage treatment : Working principles, units,

chambers, sedimentation tank, trickling filters, oxidation ponds, activated sludge process, septic tank, disposal of sludge, recycling of waste water.

Construction Management :

Elements and principles of Activity on Arrow (AOA) and Activity on Node (AON) network and work breakdown structure. Interfaces. Ladder networks. Activity time. Time computations and Floats. ATC and PTC trade-off. Work study and sampling. Scheduling principles—Material schedules. ABC and EOQ analysis of inventory. Budgeting with barcharts. Working capital. PERT, probability of completion.

Elements of Engineering Economics, methods of appraisal, present worth, annual cost, benefit-cost, incremental analysis. Economy of scale and size. Choosing between alternatives including levels of investments. Project profitability.

COMMERCE

Part-I (Accounting and Auditing)

Nature, Scope and Objectives of Accounting—Accounting as an Information System—Users of Accounting Information.

Generally Accepted Principles of Accounting—The Accounting Equation—Accrual Concept—Other concepts and Conventions—Distinction between capital and revenue expenditure. Accounting Standards and their application—Accounting standards relating to fixed assets, depreciation, inventory, recognition of revenue.

Final Accounts of Sole Proprietors, Partnership Firms and Limited Companies—Statutory Provisions—Reserves, Provisions and Funds.

Final Accounts of not-for profit organisations.

Accounting problems related to admission and retirement of a partner and dissolution of a firm.

Accounting for shares and debentures—Accounting Treatment of convertible debentures.

Analysis and Interpretation of Financial Statements, Ratio analysis and interpretation. Ratios relating to short-term liquidity, long-term solvency and profitability—Importance of the rate of return on investment (ROI) in evaluating the overall performance of a business entity—Cash-flow statement and statement of source and Application of Funds—Societal obligations of Accounting.

AUDITING

- Nature, objectives and basic principles of auditing.
- Techniques of Auditing—physical verification, examination of documents and voicing direct confirmation, analytical review.
- Planning an audit, audit programmes, working paper, audit process.
- Evaluation of internal controls.
- Test checking and sampling.

—Broad outlines of company audit.

—Audit of non-corporate enterprises.

—Internal and management audit.

Part-II Business Organisation

Distinctive features of different forms of business organisation.

Sole Proprietor.

Partnership—characteristics, Registration, partnership deed, rights and duties, retirement, dissolution.

Joint Stock Company—Concept, characteristic, types.

Cooperative and State ownership forms of organisations.

Types of securities and methods of their issue.

Economic functions of the capital market, stock exchanges.

Mutual Funds, controls and regulations of capital market.

Business Combination : Control of Monopolies. Problems of modernisation—industrial enterprises. Social Responsibility of business.

Foreign trade—Procedure and financing of import and export trade. Incentives for export promotion. Financing of foreign trade.

Insurance—Principles and practice of Life, Fire, Marine and General Insurance.

MANAGEMENT

Management functions—Planning—strategies. Organising—levels of authority, Staffing, Line function and staff function. Leadership. Communication, Motivation.

Directing—Principles, Strategies.

Coordination—Concept, types, methods.

Control—Principles, performance standards, corrective action.

Salary and wage administration—Job evaluation.

Organisation Structure—Centralisation and decentralisation—Delegation of authority—Span of control—Management by Objectives and Management by Exception.

Management of change : Crisis Management.

Office Management—Scope and principles : systems and routines : handling of records—modern aids to Office management : office equipment and machines : Automation and Personal computers.

Impact of Organisation and Methods (O & M).

Company Law

Joint stock companies—Incorporation, documents and formalities—Doctrine of indoor management and constructive notice.

Duties and powers of the board of directors of a company.

Accounts and audit of companies.

Company Secretary—role and functions—qualifications for appointment.

ECONOMICS

Part-I : General Economics

(1) **Micro-Economics** : (a) Production : Agents of Production : Costs and Supply : Isoquants; (b) Consumption and Demand : Elasticity concept; (c) Market Structures and concepts of equilibrium; (d) Determination of prices; (e) Components and Theories of Distribution; (f) Elementary concepts of Welfare economics : Parceto-optimality-Private and social products—consumers surplus.

(2) **Macro-Economics** : (a) National Income concepts; (b) Determinants of National Income Employment (c) Determinants of consumption, savings and Investment. (d) Rate of Interest and its determination (e) Interest and profit.

(3) **Money, Banking and Public Finance** : (a) Concepts of Money and measures of money supply ; velocity of money (b) Banks and credit creation : Banks and portfolio management (c) Central Bank and control over money supply. (d) Determination of the price level. (e) Inflation, its causes and remedies. (1) Public Finance—Budget—Taxes, and non-tax revenues—types of Budget deficits.

(4) **International Economics** : (1) Theories of International Trade—comparative costs—Heckscher-Ohlin-Gains from Trade-Terms of Trade.

(2) Free Trade and Protection.

(3) Balance of Payments Accounts and Adjustment.

(4) Exchange Rate under free exchange markets.

(5) Evolution of the International Monetary Systems and World Trading order—Gold Standard—the Bretton Woods system—

IMF and the World Bank and their associates—

Floating rates—GATT and WTO

(5) **Growth and Development** : (1) Meaning and measurement of growth; Growth, distribution and welfare; (2) Characteristics of underdevelopment; (3) Stages of Development; (4) Source of growth—capital, Human capital, population, productivity, Trade and aid, non-economic factors, growth strategies; (5) Planning in a mixed economy—Indicative planning—Planning and growth.

(6) **Economic Statistics**: Types of averages—measures of dispersion—correlation—Index numbers; types, uses and limitations.

Part-II : Indian Economics

I. Main features; Geographic size—Endowment of natural resources, Population; size, composition quality and growth trend—Occupational distribution—Effects of British

Rule with reference to Drain theory and Laissez Faire policy.

2. Major problems, their dimensions, nature and broad causes; Mass poverty—unemployment and its types—Economic effects of population pressure—Inequality and types thereof—Low productivity and low per capita income, Rural-urban disparities—Foreign Trade and payments imbalances. Balance of Payments and External Debt—Inflation, and parallel economy and its effects—Fiscal deficits.

3. Growth in income and employment since Independence—Rate, Pattern, Sectoral trends—Distributional Change—Regional disparities.

4. Economic Planning in India : Major controversies on planning in India—Alternative strategies—goals and achievements, shortfalls of different plans—planning and the Market.

5. Broad Fiscal, monetary, industrial, trade and agricultural policies—objectives, rationale, constraints and effects.

ELECTRICAL ENGINEERING

Electrical Circuits—Theory and Applications :

Circuit components, network graphs, KCL, KVL; circuit analysis methods : nodal analysis, mesh analysis; basic network theorems and applications; transient analysis : RL, RC and RLC circuits; sinusoidal steady state analysis; resonant circuits and applications; coupled circuits and applications; balanced 3-phase circuits. Two port networks, driving point and transfer functions; poles and zeros of network functions.

Signals and Systems :

Representation of continuous-time and discrete-time signals & systems; LTI systems; convolution; impulse response; time-domain analysis of LTI systems based on convolution and differential/difference equations. Fourier transform, Laplace transform, Z-transform, Transfer function. Sampling and recovery of signals.

Control Systems :

Elements of control systems; block-diagram representations; open-loop & closed-loop systems; principles and applications of feed-back. LTI systems : time domain and transform domain analysis. Stability : Routh Hurwitz criterion, root-loci, Nyquist's criterion Bode-plots, Design of lead-lag compensators; Proportional; PI, PID controllers.

E-M Theory :

Electro-static and magneto-static fields; Maxwell's equations; e.m. waves and wave equations; wave propagation and antennas; transmission lines; micro-wave resonators, cavities and wave guides.

Electrical Engineering Materials :

Electrical/electronic behaviour of materials : conductivity; free-electrons and band-theory; intrinsic and extrinsic semiconductor, p-n junction; solar cells, super-conductivity.

Dielectric behaviour of materials : polarization phenomena; piezo-electric phenomena. Magnetic materials : behaviour and application.

Analog Electronics :

Diode circuits : Rectifiers, filters, clipping and clamping, zener diode and voltage regulation. Bipolar and field effect transistors (BJT, JFET and MOSFET) : Characteristics, biasing and small signal equivalent circuits. Basic amplifier circuits; differential amplifier circuits. Amplifiers : analysis, frequency response. Principles of feed-back; OPAMP circuits; filters; oscillators.

Digital Electronics :

Boolean algebra; minimisation of Boolean functions; logic gates; digital IC families (DTL, TTL, ECL, MOS, CMOS). Combinational circuits : arithmetic circuits, code converters, multiplexers and decoders. Sequential circuits : latches and flip-flops, counters and shift-registers. Comparators, timers, multivibrators. Sample and hold circuits; ADCs and DACs. Semi-conductor memories.

Communication Systems :

Fourier analysis of signals : amplitude, phase and power spectrum, auto-correlation and cross-correlation and their Fourier transforms. Analog modulation systems : amplitude and angle modulation and demodulation systems, spectral analysis; superheterodyne receivers. Pulse code modulation (PCM), differential PCM, delta modulation. Digital modulation schemes : amplitude, phase and frequency shift keying schemes (ASK, PSK, FSK). Multiplexing : time-division, frequency-division. Additive Gaussian noise : characterization using correlation, probability density function, power spectral density, Signal-to-noise ratio calculations for AM and FM. Elements of digital communication systems : source coding, channel coding; digital modulation & demodulation. Elements of Information theory, channel capacity. Elements of satellite and mobile communication; principles of television engineering; radar engineering and radio aids to navigation.

Computers and Microprocessors :

Computer organization : number representation and arithmetic, functional organization, machine instructions, addressing modes, ALU, hardwired and microprogrammed control, memory organization. Elements of microprocessors: 8-bit microprocessors-architecture, instruction set, assembly level programming, memory, I/O interfacing, microcontrollers and applications.

Measurement and Instrumentation :

Error analysis; measurement of current voltage, power, energy, power-factor, resistance, inductance, capacitance and frequency; bridge measurements. Electronic measuring instruments : multimeter, CRO, digital voltmeter, frequency counter, Q-meter, spectrum-analyser, distortion-meter. Transducers : thermocouple, thermistor, LVDT, strain-guages,

piezo-electric crystal. Use of transducers in measurements of non-electrical quantities. Data acquisition systems.

Energy Conversion :

Single-phase transformer : equivalent circuit, phasor-diagram, tests, regulation and efficiency; three-phase transformer; auto transformer. Principles of energy conversion-d.c. generators and motors : performance characteristics, starting and speed control, armature reaction and commutation; three-phase induction motor : performance characteristics, starting and speed control. Single-phase induction motor. Synchronous generators : performance characteristics, regulation, parallel operation. Synchronous motors: starting characteristics, applications; synchronous condenser. FHP motors, permanent magnet and stepper motors, brushless d.c. motors, single-phase motors.

Power Systems :

Electric power generation : thermal, hydro, nuclear. Transmission line parameters : steady-state performance of overhead transmission lines and cables. Distribution systems : insulators, bundle conductors, corona and radio interference effects; per-unit quantities; bus admittance and impedance matrices; load flow; voltage control and power factor correction. Economic operation. Principles of overcurrent, differential and distance protection; solid state relays, circuit breakers, concept of system stability. HVDC transmission.

Power Electronics and Electric Drives :

Semi conductor power devices : diode, transistor, thyristor, triac, GTO and MOSFET, static characteristics, principles of operation; triggering circuits; phase controlled rectifiers; bridge converters—fully controlled and half controlled; principles of thyristor chopper and inverter. Basic concept of speed control of dc and ac motor drives.

Elements of IC Fabrication Technology :

Overview of IC Technology. Unit steps used in IC fabrication : wafer cleaning, photo-lithography, wet and dry etching, oxidation, diffusion, ion-implantation, CVD and LPCVD techniques for deposition of poly-silicon, silicon, silicon-nitride and silicon dioxide; metallisation and passivation.

GEOGRAPHY

Section A—Physical Geography

- (i) GEOMORPHOLOGY : Origin of the earth; Geological Time Scale; Interior of the earth; Types and characteristics of rocks; Folding and Faulting; Volcanoes; Earthquakes; Weathering; Landforms caused by fluvial, aeolian and glacial actions.
- (ii) CLIMATOLOGY : Structure and composition of atmosphere; Temperature; Pressure belts and Wind systems; Clouds and rainfall types; Cyclones and anti-cyclones; Major climatic types.
- (iii) OCEANOGRAPHY : Ocean relief; Temperature;

Salinity; Ocean deposits; Ocean currents, El Nino and La Nino; Waves and tides.

(iv) **BIOGEOGRAPHY** : Origin and types of soils; Major biomes of the world; Ecosystem and food chain; Environmental degradation and conservation.

Section B—Human Geography

(i) **MAN AND ENVIRONMENT RELATIONSHIP**: Growth and Development of Human Geography; Concepts of Determinism and Possibilism.

(ii) **POPULATION**: Races of mankind and tribes; growth and distribution of world population; migration; population problems of developed and developing countries.

(iii) **ECONOMIC ACTIVITIES** : Food gathering and hunting; pastoral herding; fishing and forestry; Types of agriculture-shifting, subsistence, commercial and plantation; Mining; Power; Manufacturing, locational factors of textile, iron and steel, sugar and fertilizer industries; Tertiary activities-trade, transport, communication and services.

(iv) **SETTLEMENTS** : Origin, types and patterns of rural settlements; Processes of urbanization; morphology and functional classification of towns; million-cities and mega-cities.

Section C—Geography of the World

- (i) Major Natural Regions; Characteristics, Economic base and human adaptation.
- (ii) Regional Geography of Developed Countries : Canada, U.S.A., Western Europe, Russia, Japan, Australia and New Zealand.
- (iii) Regional Geography of Developing Countries : S.E. Asia, S.W. Asia, China, Southern Africa and Brazil.
- (iv) Regional Geography of South Asia.

Section D—Geography of India

- (i) PHYSICAL SETTING : Landforms, drainage, climate, soils and natural vegetation.
- (ii) ECONOMIC BASE : Minerals and energy resources, aquatic resources, forest resources; irrigation, agriculture and industries; trade and commerce.
- (iii) POPULATION : Growth, distribution and density; demographic characteristics.
- (iv) Environmental problems, developmental issues and regional planning.

Section E—Geographical Thought

- (i) ANCIENT PERIOD : Contributions of Indians, Greeks, Romans and Arabs.
- (ii) PRE-MODERN PERIOD : Contributions of Verenius, Kant, Humboldt and Ritter.

- (iii) MODERN PERIOD : Dichotomy of determinism and possibilism; contributions of Ratzel, Semple, Huntington and La Blache.
- (iv) RECENT PERIOD : Quantitative Revolution; Radicalism; Behaviouralism and Humanism.

Section F—Techniques of Geographical Analysis

- (i) MAPS : Scale types and uses.
- (ii) DIAGRAMS : Types and uses.
- (iii) PROJECTIONS : Types, characteristics and uses.
- (iv) REMOTE SENSING AND GEOGRAPHICAL INFORMATION SYSTEM (GIS) : Aerial photographs and imagery, GIS.

GEOLOGY

PART-I

(a) **General Geology** : Solar system. The Earth : its origin, age and internal constitution. Volcanoes—types, distribution, geological effects and products. Earthquakes—intensity, magnitude, distribution, causes and effects. Elementary ideas about isostasy, geosynclines, mountain building, continental drift, seafloor spreading and plate tectonics.

(b) **Geomorphology** : Basic concepts. External and internal processes. Rock weathering. Cycle of erosion. Fluvial landforms and drainage patterns. Landforms of aeolian, marine, glacial and 'Karst' landscapes. Elements of Remote Sensing.

(c) **Structural and Field Geology** : Primary and secondary structures. Dip and strike of beds. Unconformities. Study of folds, joints, faults, foliation and lineations. Overthrusts and nappe structures. Stages of rock deformation. Construction of block diagrams. Stereographic and equal-area nets. Solution of simple problems by stereographic net.

Topographic maps and their interpretation. Use of clinometer compass in the field. Measurements of bed, foliation, folds, joints, faults and lineations in the field. Principles of geological mapping. Effects of topography on outcrops. Drawing of sections.

PART-II

(a) **Crystallography** : Elements of crystal structure. Laws of crystallography. Symmetry elements of normal classes of seven crystal systems.

Properties and interaction of light and crystalline matter. Petrological microscope and accessories. Construction and use of Nicol prism. Pleochroism, double refraction, extinction angle, birefringence and twinning in crystals. Isotropic, uniaxial and biaxial minerals.

(b) Mineralogy : Physical, chemical and optical properties of the following common rock forming minerals quartz, feldspar, mica, pyroxene, amphibole, olivine, garnet, chlorite carbonates, aluminosilicates. Structure of silicates and crystal chemistry of minerals, Gemstones.

(c) **Economic Geology** : Ore, ore mineral and gangue. Classification of ore deposits. Important processes of their

formation. Occurrence, origin and distribution in India of the ores of aluminium, chromium, copper, gold, lead, zinc, iron, manganese and radioactive elements. Deposits of minerals used as abrasives, refractories and in ceramics, deposits of coal and petroleum. Elements of prospecting for mineral deposits.

PART III

(a) **Igneous Petrology** : Origin of magma and formation of igneous rocks. Bowen's reaction principle. Crystallisation of binary systems. Classification of igneous rocks. Textures and structures of igneous rocks. Composition, origin and mode of occurrence of granite, syenite, diorite, mafic and ultramafic groups, anorthosites and alkaline rocks.

(b) **Sedimentary Petrology** : Sedimentary process and products. Classification of sedimentary rocks. Sedimentary structures. Residual deposits—their mode of formation, characteristics and types. Clastic deposits—their classification, mineral composition and texture. Elementary ideas about the origin and characteristics of quartz arenites, arkoses and greywackes. Siliceous and calcareous deposits of chemical and organic origin.

(c) **Metamorphic Petrology** : Types and factors of metamorphism. Zones, grades and facies of metamorphism. Regional and contact metamorphism. Textures and structures of metamorphic rocks. Metamorphism of argillaceous, arenaceous, calcareous and basic rocks. Metasomatism.

PART IV

(a) **Palaeontology** : Habits and habitats of animals. Fossils and fossilization. Modes of preservation. Application of fossils, Study of morphology and geological history of Foraminiferida, Brachiopoda, Bivalvia, Gastropoda, Cephalopoda, Trilobita, Echinoidea and Anthozoa.

Mammals of Siwalik Group. A brief study of Gondwana flora.

(b) **Stratigraphy and Geology of India** : Fundamental laws of stratigraphy. Stratigraphic classification—lithostratigraphic, biostratigraphic and chronostratigraphic. Geological time scale.

Physiographic divisions and outline of stratigraphy of India. Brief study of Dharwar, Vindhyan, and Gondwana Supergroups and Siwalik Group with reference to their major subdivisions, lithology, fossils, areal distribution and economic importance.

INDIAN HISTORY

Section A

1. Prehistoric cultures in India.
2. Indus Civilization. Origins. The Mature Phase; extent, society, economy and culture. Contacts with other cultures. Problems of decline.

3. Geographical distribution and characteristics of pastoral and farming communities outside the Indus region, from the neolithic to early iron phases.
4. Vedic society. The Vedic texts; change from Rigvedic to later Vedic phases. Religion; Upanishadic thought. Political and social organisation; evolution of monarchy and varna system.
5. State formation and urbanization, from the mahajanapadas to the Nandas. Jainism and Buddhism. Factors for the spread of Buddhism.
6. The Mauryan Empire. Chandragupta; Megasthenes. Asoka and his inscriptions; his dharma, administration, culture and art. The Arthashastra.
7. Post-Mauryan India, BC 200-AD 300. Society; Evolution of jatis. The Satavahanas and state formation in Peninsula. Sangam texts and society. Indo-Greeks, Sakas, Parthians, Kushanas, Kanishka. Contacts with the outside world. Religion: Saivism, Bhagavatism, Hinayana and Mahayana Buddhism; Jainism; Culture and art.
8. The Guptas and their successors (to c. 750 AD). Changes in political organisation of empire. Economy and society. Literature and science. Arts.

Section B

9. Early Medieval India. Major dynasties; the Chola Empire. Agrarian and political structures. The Rajputras. Extent of social mobility. Position of women. The Arabs in Sind and the Ghaznavides.
10. Cultural trends, 750-1200. Religious conditions; importance of temples and monastic institutions; Sankaracharya; Islam; Sufism. Literature and Science. Alberuni's "India". Art and Architecture.
- 11-12. Thirteenth and fourteenth Centuries ; Ghorian invasions causes and consequences. Delhi Sultante under the "Slave" Rulers. Alauddin Khilji: Conquests; administrative, agrarian and economic measures. Muhammad Tughlug's innovations. Firuz Tughluq and the decline of the Delhi Sultante. Growth of commerce and urbanization. Mystic movements in Hinduism and Islam. Literature. Architecture. Technological changes.
13. The fifteenth and early 16th Century ; major Provincial dynasties; Vijayanagara Empire. The Lodis. First phase of the Mughal Empire : Babur, Humayun. The Sur empire and administration. The Portuguese. Monotheistic movements : Kabir, Guru Nanak and Sikhism; Bhakti. Growth of regional literatures. Art and Culture.
- 14-15. The Mughal Empire, 1556—1707. Akbar: conquests, administrative measures, jagir and mansab system; policy of sulh-i-kul. Jahangir, Shahjahan and

Aurangzeb : expansion in the Deccan; religious policies, Shivaji.

Culture : Persian and regional literatures, religious thought : Abul Fazl; Maharashtra dharma, Painting. Architecture.

Economy : Conditions of peasants and artisans, growth in trade; commerce with Europe. Social stratification and status of women.

16. Decline of Mughal Empire, 1707-61. Causes behind decline. Maratha power under the Peshwas. Regional states. The Afghans. Major elements of composite culture. Sawai Jai Singh, astronomer. Rise of Urdu language.

Section C

17. British Expansion : The Camatic Wars, Conquest of Bengal. Mysore and its resistance to British expansion : The three Anglo-Maratha Wars. Early structure of British Raj : Regulating and Pitt's India Acts.

18. Economic Impact of the British Raj : Drain of Wealth (Tribute); land revenue settlements (zamindari, ryotwari, mahalwari); Deindustrialisation; Railways and commercialisation of agriculture; Growth of landless labour.

19. Cultural Encounter and Social Changes : Introduction of western education and modern ideas. Indian Renaissance social and religious reforms movements; growth of Indian middle class; The Press and its impact : rise of modern literature in Indian Languages. Social reforms measures before 1857.

20. Resistance to British rule : Early uprisings; The 1857 Revolt—causes, nature, course and consequences.

21. Indian Freedom Struggle—the first phase : Growth of national consciousness; Formation of Associations; Establishment of Indian National Congress and its Moderate phase;—Economic Nationalism; Swadeshi Movement; The growth of "Extremism" and the 1907 split in Congress; The Act of 1909—the policy of Divide and Rule; Congress-League Pact of 1916.

22. Gandhi and his thought; Gandhian techniques of mass mobilisation—Khilafat and Non-Cooperation Movement, Civil Disobedience and Quit India Movement; Other strands in the National Movement—Revolutionaries, the Left, Subhas Chandra Bose and the Indian National Army.

23. Separatist Trends in Indian Nationalist Politics—The Muslim League and the Hindu Mahasabha; The post-1945 developments; Partition and Independence.

24. Indian independence to 1964. A parliamentary, secular, democratic republic (the 1950 constitution). Jawaharlal Nehru's vision of a developed, socialist

society, Planning and state-controlled industrialization. Agrarian reforms. Foreign policy of Non-alignment and Chinese aggression.

LAW

I Jurisprudence

1. Nature and concept of law.
2. Schools of Jurisprudence : Analytical, Historical, Philosophical, Sociological and Natural.
3. Administration of Justice : Theories of punishment.
4. Source of Law : Customs, Precedent and Legislation.
5. A few basic Legal concepts :
 - (i) Rights and Duties.
 - (ii) Legal Personality.
 - (iii) Ownership and Possession.

II. Constitutional Law of India

1. Salient features of the Indian Constitution.
2. Preamble.
3. Fundamental Rights, Directive Principles and Fundamental Duties.
4. Constitutional position and powers of President and Governors.
5. Supreme Court and High Courts : Jurisdiction, powers, appointment and transfer of Judges.
6. Union Public Service Commission and State Public Service Commissions : Powers and functions.
7. Distribution of Legislative and Administrative Powers between the Union and the States.
8. Emergency Provisions.
9. Amendment of the Constitution.

III. International Law

1. Nature and definition of International Law;
2. Sources : Treaty, Custom, General Principles of Law recognized by civilized nations, and subsidiary means of determination of law;
3. State Recognition and State Succession;
4. The United Nations, its objectives, purpose and Principal Organs; Constitution, role and jurisdiction of International Court of Justice.
5. Protection of Human Rights :
 - (i) Provisions in the UN Charter.
 - (ii) Universal Declaration of Human Rights, 1948.
 - (iii) International Covenant of Civil and Political Rights, 1966.
 - (iv) International Covenant on Economic, Social and Cultural Rights, 1966.

IV. Torts

1. Nature and definition of tort;
2. Liability based on fault and strict liability;
3. Vicarious Liability including State Liability;
4. Joint tort-feasors;
5. Negligence;
6. Defamation;
7. Conspiracy;
8. Nuisance;
9. False imprisonment;
10. Malicious Prosecution.

V. Criminal Law

1. General Principles of criminal liability : Mens rea and actus reus;
2. Preparation and criminal attempts;
3. General exceptions;
4. Joint and constructive liability;
5. Abetment;
6. Criminal Conspiracy;
7. Sedition;
8. Murder and culpable homicide;
9. Theft : extortion, robbery and dacoity;
10. Misappropriation and Criminal breach of trust.

VI. Law of Contract

1. Definition of contract;
2. Basic elements of contract : Offer, acceptance, consideration, contractual capacity;
3. Factors vitiating consent;
4. Void, Voidable, illegal and unenforceable agreements;
5. Wagering agreements;
6. Contingent contracts;
7. Performance of contracts;
8. Dissolution of contractual obligations : frustration of contracts;
9. Quasi-contracts;
10. Remedies for breach of contract.

MATHEMATICS

1. Algebra: Elements of Set Theory; Algebra of Real and Complex numbers including DeMoivre's Theorem; Polynomials and Polynomial Equations, Relations between Co-efficients and Roots, Symmetric functions of roots;

Elements of Group Theory; Sub-groups, Cyclic groups, permutation groups and their elementary properties.

Rings, Integral Domains and Fields and their elementary properties.

2. Vector Spaces and Matrices : Vector Space, Linear Dependence and Independence. Sub-spaces. Basis and Dimensions. Finite Dimensional Vector Spaces. Linear Transformation of a Finite dimensional Vector Space, Matrix Representation. Singular and Non-singular Transformations. Rank and Nullity.

Matrices : Addition, Multiplication, Determinants of a Matrix, Properties of Determinants of order 'n' Inverse of a Matrix, Cramer's rule.

3. Geometry and Vectors : Analytic Geometry of straight lines and conics in Cartesian and Polar coordinates; Three Dimensional geometry for planes, straight lines, sphere, cone and cylinder. Addition, Subtraction and Products of Vectors and Simple applications to geometry.

4. Calculus : Functions, Sequences, Series, Limits, Continuity, Derivatives. Application of Derivatives : Rates of change, Tangents, Normals, Maxima, Minima, Rolle's Theorem, Mean Value Theorems of Lagrange and Cauchy, Asymptotes, Curvature. methods of finding indefinite integrals, Definite Integrals, Fundamental Theorem of Integral Calculus. Application of definite integrals to area, length of a plane curve, Volume and Surfaces of revolution.

5. Ordinary Differential Equations : Order and Degree of a Differential Equation, First Order Differential Equations, Singular solution, Geometrical interpretation, Second order equations with constant co-efficients.

6. Mechanics : Concepts of particles; Lamina; Rigid Body; Displacement; Force; Mass; Weight; Motion; Velocity; Speed; Acceleration; Parallelogram of forces; Parallelogram of velocity, acceleration; resultant; equilibrium of coplanar forces; Moments; Couple; Friction; Centre of mass, Gravity; Laws of motion; Motion of a particle in a straight line; Simple Harmonic Motion; Motion under conservative forces; Motion under gravity; Projectile; Escape velocity; Motion of artificial satellites.

7. Elements of Computer Programming : Binary system, Octal and Hexadecimal systems. Conversion to and from Decimal systems. Codes, Bits, Bytes and Words. Memory of a computer, Arithmetic and Logical operations on numbers. Precisions, AND, OR, XOR, NOT and Shift/Rotate operators. Algorithms and Flow Charts.

MECHANICAL ENGINEERING**Statics :**

Simple application of equilibrium equations.

Dynamics :

Simple applications of equations of motion work, energy and power.

Theory of Machines :

Simple examples of kinematic chains and their

inversions. Different types of gears, bearings, governors, flywheels and their functions.

• Static and dynamic balancing of grid rotors.

Simple vibrations analysis of bars and shafts.

Linear automatic control systems.

Mechanics of Solids :

Stress, strain and Hooke's Law. Shear and bending moments in beams. Simple bending and torsion of beams, springs and thin walled cylinders. Elementary concepts of elastic stability, mechanical properties and material testing.

Manufacturing Science :

Mechanics of metal cutting, tool life, economics of machining, cutting tool materials. Basic types of machine tool and their processes. Automatic machine tools, transfer lines. Metal forming processes and machines—shearing, drawing, spinning, rolling, forging, extrusion. Types of casting and welding methods. Powder metallurgy and processing of plastics.

Manufacturing Management :

Methods and time study, motion economy and work space design, operation and flow process charts. Cost estimation, break-even analysis. Location and layout of plants, material handling. Capital budgeting. Job shop and mass production, scheduling, despatching, Routing Inventory.

Thermodynamics :

Basic concepts, definitions and laws, heat, work and temperature, Zeroth law, temperature scales, behaviour of pure substances, equations of state, first law and its corollaries, second law and its corollaries, analysis of air standard power cycles. Carnot, Otto, Diesel, Brayton cycles, vapour power cycles. Rankine reheat and regenerative cycles, Refrigeration cycles—Ben Coleman. Vapour absorption and Vapour compression cycle analysis, open and closed cycle gas turbine with intercooling, reheating Energy Conversion.

Flow of steam through nozzles, critical pressure ratio, shock formation and its effect, Steam Generators, mountings and accessories. Impulse and reaction turbines, elements and layout of thermal power plants.

Hydraulic turbines and pumps, specific speed, layout of hydraulic power plants.

Introduction to nuclear reactors and power plants handling of nuclear waste.

Refrigeration and Air Conditioning :

Refrigeration equipment and operation and maintenance, refrigerants, principles of air conditioning, psychrometric chart, comfort zones, humidification and dehumidification.

Fluid Mechanics :

Hydrostatics, continuity equation, Bernoulli's theorem, flow through pipes, discharge measurement, laminar and turbulent flow, boundary layer concept.

MEDICAL SCIENCE

Human Anatomy

General principles and basic structural concept of Gross Anatomy of hip joint, heart, stomach, lungs, spleen kidneys, uterus, ovary and adrenal glands.

Histological features of parotid gland, bronchi, testis, skin, bone and thyroid gland.

Gross anatomy of thalamus, internal capsule, cerebrum, including their blood supply; functional localisation in cerebral cortex, cerebellum, spinal cord, eye, ear, throat, cranial nerves.

Embryology of vertebral column, respiratory system and their congenital anomalies.

Human Physiology and Biochemistry

Neurophysiology : Sensory receptors, reticular formation, cerebellum and basal ganglia.

Reproduction : Regulation of functions of male and female gonads.

Cardiovascular System : Mechanical and electrical properties of heart including E.C.G.; regulation of cardiovascular functions.

G. I. system : Bilirubin metabolism, liver function tests.

Haematology : Haemoglobin synthesis, abnormal hemoglobins.

Respiration : Regulation of respiration. Digestion and absorption of fats. Metabolism of carbohydrates.

Renal Physiology : Tubular function, regulation of pH.

Nucleic acids : R.N.A., D.N.A., genetic code and protein synthesis.

Pathology and Microbiology

Principles of inflammation, Principles of carcinogenesis and tumour spread, Coronary heart disease, Infective diseases of liver and gall bladder, Pathogenesis of tuberculosis, Immune system, Immunological and serological tests for collagen vascular disease.

Histological diagnosis by fluorescent microscopy.

Etiology and laboratory diagnosis of diseases caused by *Salmonella*, *Vibrio*, *Meningococcus* and hepatitis virus.

Life cycle and laboratory diagnosis of *Entamoeba*; histolytica, malarial parasite *Ascaris*.

Medicine

Protein energy malnutrition.

Medical management of :

Coma, cerebro-vascular accidents, status asthmaticus, cardio pulmonary arrest, status epilepticus, acute renal failure.

Clinical features, etiology and treatment of : Coronary heart disease, Rheumatic heart disease, Pneumonia. Cirrhosis of liver amoebic liver abscess, Peptic ulcer, Pyelonephritis. Leprosy, Rheumatoid arthritis, Diabetes mellitus, Poliomyelitis, Meningitis, Schizophrenia.

Surgery

Principles of surgical management of severely injured and process of fracture healing. Malignant tumours of stomach and their surgical management.

Signs symptoms, investigation and management of fractures of femur. Principles of pre-operative and post-operative care.

Clinical manifestations, Investigations and management of :—

Hydrocephalus, Buerger's disease, Appendicitis, benign prostatic hypertrophy, spina bifida, bronchogenic carcinoma, carcinoma breast, carcinoma colon.

Clinical manifestations, investigations and surgical management of : Intestinal obstruction, acute urinary retention, spinal injury, haemorrhagic shock, pneumothorax, pericardial tamponade, haematemesis.

Preventive and Social Medicine

Principles of epidemiology, health care delivery.

Concept and general principles of prevention of disease and promotion of health.

National health programmes, effects of environmental pollution on health, concept of balanced diet, family planning methods.

PHILOSOPHY**Section A : Problems of Philosophy**

1. Substance and Attributes : Aristotle. Descartes. Locke, Berkeley's criticism. Nyaya-Vaisesika, Buddhist criticism of Pudgala.
2. God, Soul and the World : Thomas Aquinas, St. Augustine. Spinoza, Descartes, Nyaya-Vaisesika, Sankara, Ramanuja.
3. Universals : Realism and Nominalism (Plato, Aristotle, Berkeley's criticism of abstract ideas, Nyaya-Vaisesika, Buddhism).
4. Bases of Knowledge : Pramanavada in Carvaka, Nyaya-Vaisesika, Buddhism, Advaita, Vedanta.
5. Truth and Error : Correspondence Theory, Coherence Theory, Pragmatic Theory, Khyativada (Anyathakhyati, Akhyati, Anirvacaniyakhyati).
6. Matter and Mind : Descartes, Spinoza, Leibnitz, Berkeley.

Section B : Logic

1. Truth and Validity.
2. Classification of sentences : Traditional and Modern.
3. Syllogism : Figures and Moods, Rules of syllogism (General and special) validation by Venn Diagrammes; Formal Fallacies.
4. Sentential Calculus : Symbolisation; Truth-Functions and their interdefinability; Truth Tables; Formal Proof.

Section C : Ethics

1. Statement of fact and statement of value.
2. Right and Good; Teleology and Deontology.
3. Psychological Hedonism.
4. Utilitarianism (Bentham; J.S. Mill).
5. Kantian Ethics.
6. Problem of the freedom of will.
7. Moral Judgements : Descriptivism, Prescriptivism, Emotivism.
8. Niskamakrama : Sthitaprajna.
9. Jaina Ethics.
10. Four Noble Truths and Eight fold Path in Buddhism.
11. Gandhian Ethics : Satya, Ahimsa, Ends and Means.

PHYSICS**1. Mechanics and Waves**

Dimensional analysis. Newton's laws of motion and applications, variable mass systems, projectiles. Rotational dynamics—kinetic energy, angular momentum, theorems of moment of inertia and calculations in simple cases. Conservative forces, frictional forces. Gravitational potential and intensity due to spherical objects. Central forces, Kepler's problem, escape velocity and artificial satellites (including GPS). Streamline motion, viscosity, Poiseuille's equation. Applications of Bernoulli's equation and Stokes' law.

Special relativity and Lorentz transformation—length contraction, time dilation, mass-energy relation.

Simple harmonic motion, lissajous figures. Damped oscillation, forced oscillation and resonance. Beats. Phase and group velocities. Stationary waves, vibration of strings and air columns, longitudinal waves in solids. Doppler effect. Ultrasonics and applications.

2. Geometrical and Physical Optics

Laws of reflection and refraction from Fermat's principle. Matrix method in paraxial optics—thin lens formula, nodal planes, system of two thin lenses. Chromatic and spherical aberrations. Simple optical instruments—magnifier, eyepieces, telescopes and microscopes.

Huygens' principle—reflection and refraction of waves. Interference of light—Young's experiment, Newton's rings, interference by thin films. Michelson interferometer. Fraunhofer diffraction—single slit, double slit, diffraction grating, resolving power. Fresnel diffraction—half-period zones and zone plate. Production and detection of linearly, circularly and elliptically polarised light. Double refraction, quarter-wave plates and half-wave plates. Polarizing sheets. Optical activity and applications. Raman and Rayleigh scattering and applications.

Elements of fibre optics—attenuation; pulse dispersion in step index and parabolic index fibres; material dispersion. Lasers, characteristics of laser light—spatial and temporal coherence. Focussing of laser beams and applications.

3. Heat and Thermodynamics

Thermal equilibrium and temperature. The zeroth law of thermodynamics. Heat and the first law of thermodynamics. Efficiency of Carnot engines. Entropy and the second law of thermodynamics. Kinetic theory and the equation of state of an ideal gas. Mean free path, distribution of molecular speeds and energies. Transport phenomena. Andrew's experiments—van der Waals equation and applications. Joule-Kelvin effect and applications. Brownian motion. Thermodynamic potentials—Maxwell relations. Phase transitions. Kirchhoff's laws. Black-body radiation—Stefan-Boltzmann law, spectral radiancy, Wien displacement law, application to the cosmic microwave background radiation, Planck radiation law.

4. Electricity and Magnetism

Electric charge, Coulomb's law, electric field, Gauss' law. Electric potential, van de Graaff accelerator. Capacitors, dielectrics and polarization. Ohm's law, Kirchhoff's first and second rules, resistors in series and parallel, applications to two-loop circuits. Magnetic field—Gauss' law for magnetism, atomic and nuclear magnetism, magnetic susceptibility, classification of magnetic materials. Circulating charges, cyclotron, synchrotron. Hall effect. Biot-Savart law, Ampere's law, Faraday's law of induction, Lenz' law. Inductance. Alternating current circuits—RC, LR, single-loop LRC circuits, impedance, resonance, power in AC circuits. displacement current, Maxwell's equations (MKS units), electromagnetic waves, energy, transport and poynting vector.

5. Atomic and Nuclear Physics

Photoelectric effect, Einstein's photon theory. Bohr's theory of hydrogen atom. Stern-Gerlach experiment, quantisation of angular momentum, electron spin. Pauli exclusion principle and applications. Zeeman effect. X-ray spectrum, Bragg's law, Bohr's theory of the Mosley plot. Compton effect, Compton wave length. Wave nature of matter, de Broglie wavelength, wave-particle duality. Heisenberg's uncertainty relationships. Schrödinger's equation—eigenvalues and eigenfunctions of (i) particle in a box, (ii) simple harmonic oscillator and (iii) hydrogen atom. Potential step and barrier penetration. Natural and artificial radioactivity.

Binding energy of nuclei, nuclear fission and fusion. Classification of elementary particles and their interactions.

6. Electronics

Diodes in half-wave and full-wave rectification, qualitative ideas of semiconductors, p type and n type semiconductors, junction diode, Zener diode, transistors, binary numbers, Logic gates and truth tables. Elements of microprocessors and computers.

POLITICAL SCIENCE

Section A

1. **Political Science:** Nature & scope of the discipline, relationship with allied disciplines like History, Economics, Philosophy, Sociology, Psychology.

2. **Meaning of Politics :** Approaches to the study of politics.

3. **Key Concepts :** State, Society, Sovereignty, Power, Citizenship, Nation, Global order and imperialism.

4. **Political Ideas :** Rights, Liberty, Equality, Justice, Rule of Law, Civil Society, Swaraj, Revolution, Democratic Participation.

5. **Democracy :** Meaning and Theories of Democracy, Electoral system, Forms of Representation and Participation, Political accountability.

6. **Political Ideologies :** Liberalism, Neoliberalism, Marxism, Socialism, Fascism, Gandhism.

7. **Party System and political process :** Theories of Party System, National and regional parties, Political Parties in the Third World. Patterns of coalition politics, interest and pressure groups.

8. **Forms of Government :** Parliamentary and Presidential. Federal and Unitary Modes of decentralisation.

9. **Bureaucracy Concept :** Theories, Weber and critiques of Bureaucracy.

10. **Theories of Development :** Meaning and various approaches, Concept and Theories of under development debates in the Third World.

11. **Social Movements :** Meaning, Theories and forms, Role of Environmental Feminist Peasant and workers movements, Role of Non-Governmental organisation.

12. **Nationalism and Internationalism.**

13. **Major theories of International Relations :** Realist Marxist, Systems & Decision making and Game theory.

14. **State and the Global Order :** neo-Liberalism, globalisation, structural adjustment, regional economic integration, Nature and Impact of globalisation.

Section B

INDIAN GOVERNMENT AND POLITICS

1. Approaches to the Study of Governments :

Comparative historical, legal, institutional, Political economy and Political sociology, approaches.

2. Classification of Political Systems : Democratic and Authoritarian, characteristics of political systems in the third world.**3. Typologies of Constitutions :** Basic features of these constitutions & Governments : including U.K., U.S.A., France, Germany, China and South Africa.**4. Constitutional Development :** In India during British Rule—A historical perspective.**5. Constituent Assembly :** Philosophical and socio-economic dimensions, salient features of the Indian Constitution.**6. Nature of Indian Federalism :** Centre-state relations, legislative, administrative, financial and political; politics of regional move and National Integration.**7. Fundamental Rights :** Constitutional provisions and political dynamics, Judicial Interpretations and socio-political realities; Fundamental duties.**8. The Union Executive :** President, Prime Minister and the Council of Ministers, Constitutional provisions & framework and political trends.**9. Parliament :** powers and functions of the Lok Sabha & Rajya Sabha; Parliamentary committees; Functioning of the Parliamentary System in India.**10. The Judiciary :** The Supreme Court, Judicial Review, Judicial Activism, Public Interest litigation; Judicial Reforms.**11. The State Executive :** Governor, Chief Minister and the Council of Ministers; Constitutional provisions and political trends.**12. Indian Party System :** Evolution and contemporary trends; coalition Governments at the Centre and States, pressure groups in Indian politics.**13. The Interaction of Government & Scientific & Technology Business :** Previous and now their inter-relationship and changing roles in society, elites, Role of pressure groups-class and voluntary associations in society.**14. Local Government & Politics :** Panchayati Raj and Municipal Government, structure, Powers & functions. Political realities, Significance of 73rd and 74th Amendments, role of women in panchayats.**15. Bureaucracy and Development :** Post-colonial India; Its changing role in the context of liberalisation, bureaucratic accountability.**16. Challenges to Indian Democracy :**

(a) Communalism, Regionalism, Violence, criminalisation and Corruption.

(b) Regional disparities, environmental degradation, illiteracy, Mass poverty, Population, growth, caste oppressions and socio-economic inequalities among backward classes.

PSYCHOLOGY

1. Introduction to Psychology : Concept and definition of psychology. Nature and Scope. Branches of psychology. Application of psychology to society and social problems.**2. Methods in Psychology :** Characteristics of psychological studies. Observation. Survey method. Clinical and case study method. Experimental method. Application of the method.**3. Quantitative Analysis :** Measures of central tendency and dispersion. Correlation. Levels of measurement. Reliability and validity. Application in test construction.**4. Physiological Psychology :** Structure of neuron, nerve impulses, synapse and neuro-transmitters. Central and peripheral nervous system—Structure and neural control of behaviour. Hemispheric specialisation. Endocrine system and hormonal control of behaviour. Application of hemispheric knowledge to diagnostic purposes.**5. Development of Human Behaviour :** Individual Differences : Heredity and environment. Life span development. Role of early experience and mastering of developmental tasks. Sensitive or critical periods of development in human life cycle and its application.**6. Perception :** Perceptual processes. Perceptual organisation. Perception of form, colour, depth and time. Perceptual readiness and constancy. Role of motivation, social and cultural factors in perception. Application of knowledge of perception to skill development (e.g. for certain jobs like that of driving, airline pilots etc.).**7. Learning :** Classical conditioning and operant conditioning. Modeling and observational learning. Transfer of training. Learning and motivation. Application of the above to the improvement of academic performance in education.**8. Memory :** Physiological basis of memory. Memory and forgetting. Measurement of memory (Recall, Recognition, Relearning). Short-term and long-term memory. Theories of forgetting (Decay and Interference theories and Repressive forgetting). Application of Mnemonic devices etc. to improving memory.**9. Cognition and Language :** Concept of formation. Nature and development of thinking. Language and thought and Acquisition of language. Problem solving. Creative thinking and its applications.

10. Intelligence and Aptitude : Definition and concept. Theories and models of Intelligence. Measurement of intelligence and aptitude. Exceptional intelligence. Mental retardation. Concepts of multiple, emotional and artificial intelligence and their application.

11. Motivation and Emotion : Definition and concept of instinct, needs, drives and motives. Theories of motivation and their application (drive reduction theory, Maslow's motivational hierarchy). Social motivation : Achievement, power, affiliation motives and influence of early experiences. Physiological basis of emotion. Theories of emotion (James-Lange and Cannon-Bard theories, cognitive physiological theory).

12. Personality : Concepts and Definition of personality. Study of personality (Trait, type and electric approaches). Development of personality (Freud, Erikson, Biological and socio-cultural determinants). Measurement of Personality (projective tests, pencil-paper tests). Application of personality profiles in fitting a person to a job.

13. Adjustment and Stress : Concept and definition. Factors affecting adjustment (frustration and conflict). Sources of stress and reactions to stress. Coping with stress. Application of stress management techniques.

14. Social Behaviour : Socio-cultural factors and behaviour. Development of attitudes, stereotypes and prejudice. Measurement of attitudes (Thurstone, Likert attitude scales and Bogardus Social Distance scale). Strategies for reducing prejudice and changing attitude. Person perception, implicit personality theory and integrating impressions. Application of person perception to impression management.

15. Application of Psychology : Health and mental health (yoga, meditation and relaxation therapies). Education (Programmed learning, self instructional learning and learning styles). Community (self help through group cohesiveness and leadership). Industry (Assessment center approach in selection, recruitment and training). Environment (man-nature interaction, personal space concept, pollution reduction). Information Technology (Application to commercial, educational and health areas).

PUBLIC ADMINISTRATION

1. Introduction : Meaning, scope and significance. Evolution and status of discipline. Comparative Public Administration and Development Administration. Public and Private Administration; State versus market debate. New Public Administration. New Public Management perspective.

2. Basic concepts and principles : Organisation, Hierarchy, Unit of command, Span of control; Authority and Responsibility, Co-ordination, Centralization and Decentralization, Delegation Supervision; Line and Staff.

3. Theories of Administration : Scientific Management (Taylor and the Scientific Management Movement),

Classical Theory (Fayol, Urwick, Gulick and others), Bureaucratic Theory (Weber and his critics). Ideas of Mary Parker Follett and C.I. Barnard; Human Relations School (Elton Mayo and others) Behavioral Approach and Systems approach.

4. Administrative Behaviour : Decision Making with special reference to H. Simon; communication and control, Leadership theories. Theories of motivation (Maslow and Hezberg).

5. Accountability and Control : The concepts of Accountability and control. Legislative executive and judicial control. Citizen and Administration : Role of Civil Society, People's participation and Right to Information.

6. Administrative Systems : Comparative Administrative features of USA, Great Britain, France and Japan.

7. Personnel Administration : Role of Civil Service in developing societies; Position Classification, Recruitment, Training; Promotion; Pay and Service condition. Relations with the Political Executive; Administrative Ethics.

8. Financial Administration : Budget, Concepts and forms. Formulation and execution of budget. Deficit Financing Public debt. Accounts and Audit.

9. Union Government and Administration In India : British legacy; Constitutional context of Indian Administration; The President; Prime Minister and the Council of Ministers; Central Secretariat; Cabinet Secretariat; Prime Minister's Office, Planning Commission; Finance Commission; Election Commission; Comptroller and Auditor-General of India; Public Enterprises, Patterns, role, performance and impact of liberalisation.

10. Civil Services in India : Recruitment of All India and Central Services; Union Public Service Commission; Training of Civil Servants. Generalists and Specialist. Minister—Civil Servant relationship.

11. State and District Administration : Governor, Chief Minister, Secretariat; Chief Secretary; Directorates, District Collector: Changing role.

12. Local Government : Panchayati Raj and Urban Local Government : Main features, structures, finance and problem areas. 73rd and 74th Constitutional Amendments.

SOCIOLOGY

UNIT 1: Basic Concepts :

Society, community, association, institution, Culture—culture change, diffusion, Cultural lag, Cultural relativism, ethnocentrism, acculturation.

Social Groups—primary, secondary and reference groups.

Social structure, social system, social action.

Status and role, role conflict role set.

Norms and values—conformity and deviance, Law and Customs.

Socio-cultural processes :

Socialisation, assimilation, integration, cooperation, competition, conflict, accommodation, social distance, relative deprivation.

UNIT II : Marriage, Family and Kinship :

Marriage : types and forms, marriage as contract, and as a sacrament.

Family : types, functions and changes.

Kinship : terms and usages, rules of residence, descent, inheritance.

UNIT III : Social Stratification :

Forms and functions; Caste and Class. Jajmani system, Purity and pollution, dominant caste, sanskritisation.

UNIT IV : Types of Society :

Tribal, agrarian, industrial and post-industrial.

UNIT V : Economy and Society :

Man, nature and social production, economic systems of simple and complex societies, non-economic determinants of economic behaviour, market (free) economy and controlled (planned) economy.

UNIT VI : Industrial and Urban Society :

Rural—Urban Continuum urban growth and urbanisation—town, city and metropolis; basic features of industrial society impact of automation of society; industrialisation and environment.

UNIT VII : Social Demography :

Population size, growth, composition and distribution in India; components of population growth—births, deaths and migration; causes and consequences of population growth; population and social development; population policy.

UNIT VIII : Political Processes :

Power, authority and legitimacy; political socialisation; political modernisation, pressure groups; caste and politics.

UNIT IX : Weaker Sections and Minorities :

Social justice - Equal opportunity and special opportunity; protective discrimination; constitutional safeguards.

UNIT X : Social Change :

Theories of change; factors of change; science, technology and change. Social movements - Peasant Movement, Women's Movement, Backward Caste Movement, Dalit Movement.

STATISTICS**Probability**

Random experiment, sample space, event, algebra of events, probability on a discrete sample space, basic theorems

of probability and simple examples based thereon, conditional probability of an event, independent events, Bayes' theorem and its application, discrete and continuous random variables and their distributions, expectation, moments, moment generating function, joint distribution of two or more random variables, marginal and conditional distributions, independence of random variables, covariance, correlation coefficient, distribution of a function of random variables, Bernoulli, binomial, geometric, negative binomial, hypergeometric, Poisson, multinomial, uniform, beta, exponential, gamma, Cauchy, normal, lognormal and bivariate normal distributions, real-life situations where these distributions provide appropriate models, Chebyshev's inequality, weak law of large numbers and central limit theorem for independent and identically distributed random variables with finite variance and their simple applications.

Statistical Methods

Concept of a statistical population and a sample, types of data, presentation and summarization of data, measures of central tendency, dispersion, skewness and kurtosis, measures of association and contingency, correlation, rank correlation, intraclass correlation, correlation ratio, simple and multiple linear regression, multiple and partial correlations (involving three variables only), curve-fitting and principle of least squares, concepts of random sample, parameter and statistic, Z , X^2 , t and F statistics and their properties and applications, distributions of sample range and median (for continuous distributions only), censored sampling (concept and illustrations).

Statistical Inference

Unbiasedness, consistency, efficiency, sufficiency, completeness, minimum variance unbiased estimation, Rao-Blackwell theorem, Lehmann-Scheffe theorem, Cramer-Rao inequality and minimum variance bound estimator, moments, maximum likelihood, least squares and minimum chisquare methods of estimation, properties of maximum likelihood and other estimators, idea of a random interval, confidence intervals for the parameters of standard distributions, shortest confidence intervals, large-sample confidence intervals.

Simple and composite hypotheses, two kinds of errors, level of significance, size and power of a test, desirable properties of a good test, most powerful test, Neyman-Pearson lemma and its use in simple examples, uniformly most powerful test, likelihood ratio test and its properties and applications.

Chi-square test, sign test, Wald-Wolfowitz runs test, run test for randomness, median test, Wilcoxon test and Wilcoxon-Mann-Whitney test.

Wald's sequential probability ratio test, OC and ASN functions, application to binomial and normal distributions.

Loss function, risk function, minimax and Bayes rules.

Sampling Theory and Design of Experiments

Complete enumeration vs. sampling, need for sampling, basic concepts in sampling, designing large-scale sample

surveys, sampling and non-sampling errors, simple random sampling, properties of a good estimator, estimation of sample size, stratified random sampling, systematic sampling, cluster sampling, ratio and regression methods of estimation under simple and stratified random sampling, double sampling for ratio and regression methods of estimation, two-stage sampling with equal-size first-stage units.

Analysis of variance with equal number of observations per cell in one, two and three-way classifications, analysis of covariance in one and two-way classifications, basic principles of experimental designs, completely randomized design, randomized block design, latin square design, missing plot technique, 2^n factorial design, total and partial confounding, 3^2 factorial experiments, split-plot design and balanced incomplete block design.

ZOOLOGY

I. Cell structure and function :

- (a) Prokaryote and eukaryote.
- (b) Structure of animal cell, structure and functions of cell organelles.
- (c) Cell cycle-mitosis, meiosis.
- (d) Structure and contents of nucleus including nuclear membrane, structure of chromosome and gene, chemistry of genetic components.
- (e) Mendel's laws of inheritance, linkage and genetic recombination; cytoplasmic inheritance.
- (f) Function of gene : replication, transcription and translation; mutations (Spontaneous and artificial); Recombinant DNA : principle and application.
- (g) Sex determination in *Drosophila* and man; sex linkage in man.

II. Systematics :

- (a) Classification of non-chordates (up to sub-classes) and chordates (up to orders) giving general features and evolutionary relationship of the following phyla:

Protozoa, Porifera, Coelenterata, Platyhelminthes, Nemathelminthes, Annelida, Arthropoda, Mollusca, Echinodermata, Minor phyla (Bryozoa, Phoronida and Chaetognatha) and Hemichordata.

- (b) Structure, reproduction and life history of the following types :

Amoeba, Monocystis, Plasmodium, Paramaecium, Sycon, Hydra, Obelia, Fasciola, Taenia, Ascaris, Neanthes, Pheretima, Hirudinia, Palaemon, Buthus, Perlplaneta, Lamellidens, Pila, Asterias and Balanoglossus.

- (c) Classification of chordates (up to orders), giving general features and evolutionary relationship, of

the following : Protochordata; Agnatha; Gnathostomata—Pisces, Amphibia, Reptilia, Aves and Mammalia.

- (d) Comparative functional anatomy of the following based on type animals (*Scoliodon, Rana, Calotes, Columba and Oryctolagus*) : integument and its derivatives, endoskeleton, digestive system, respiratory system, circulatory system including heart and aortic arches, urinogenital system; brain and sense organs (eye and ear); endocrine glands and other hormone producing structures, (pituitary, thyroid, parathyroid, adrenal, pancreas, gonads) their function.

III. Vertebrate Physiology and Biochemistry :

- (a) Chemical composition of protoplasm; nature and function of enzymes, vitamins, their sources and role; colloids and hydrogen ion concentration; biological oxidation, electron transport and role of ATP, energetics, glycolysis, citric acid cycle; vertebrate hormones; their type, sources and functions; pheromones and their role.
- (b) Neuron and nerve impulse—conduction and transmission across synapses; neurotransmitters and their role, including acetyl cholinesterase activity.
- (c) Homoeostasis, osmoregulation, active transport and ion pump.
- (d) Composition of carbohydrates, fats, lipids and proteins; steroids.

IV. Embryology :

- (a) Gametogenesis, fertilization, cleavage; gastrulation in frog and chick.
- (b) Metamorphosis in frog and retrogressive metamorphosis in ascidian; extra-embryonic membranes in chick and mammal; placentation in mammals; Biogenetic law.

V. Evolution :

- (a) Origin of life; principles, theories and evidences of evolution; species concept.
- (b) Zoogeographical realms, insular fauna; geological eras.
- (c) Evolution of man, evolutionary status of man.

VI. Ecology, Wildlife and Ethology :

- (a) Abiotic and biotic factors; concept of ecosystem, food chain and energy flow; adaptation of aquatic, terrestrial and aerial fauna; intra and inter-specific animal relationships; environmental pollution : types, sources, causes, control and prevention.
- (b) Wildlife of India; endangered species of India; sanctuaries and national parks of India.
- (c) Biological rhythms.

VII. Economic Zoology :

- (a) Beneficial and harmful insects including insect vectors of human diseases.
- (b) Industrial fish, prawn and molluscs of India.
- (c) Non-poisonous and poisonous snakes of India.
- (d) Venomous animals—centipede, wasp, honey bee.
- (e) Diseases caused by aberrant chromosomes/genes in man; genetic counselling; DNA as a tool for forensic investigation.

Part B—Main Examination

The main Examination is intended to assess the overall intellectual traits and depth of understanding of candidates rather than merely the range of their information and memory. Total number of questions in the question papers of optional subjects will be eight. All questions will carry equal marks. Each paper will be divided into two parts, viz. Part A and Part B, each part containing four questions. Out of eight questions, five questions are to be attempted. One question in each part will be compulsory. Candidates will be required to answer three more questions out of the remaining six questions, taking at least one question from each Part. In this way, at least two questions will be attempted from each Part i.e. one compulsory question plus one more.

The scope of the syllabus for optional subject papers for the examination is broadly of the honours degree level i.e. a level higher than the bachelors degree and lower than the masters degree. In the case of Engineering, Medical Science and law, the level corresponds to the bachelors degree.

COMPULSORY SUBJECTS**English and Indian Languages**

The aim of the paper is to test the candidate's ability to read and understand serious discursive prose, and to express his ideas clearly and correctly, in English and Indian language concerned.

The pattern of questions would be broadly as follows:—

English—

- (i) Comprehension of given passages
- (ii) Precis Writing
- (iii) Usage and Vocabulary
- (iv) Short Essay.

Indian Languages :—

- (i) Comprehension of given passages
- (ii) Precis Writing
- (iii) Usage and Vocabulary

(iv) Short Essay

- (v) Translation from English to the Indian languages and vice-versa.

Note 1.— The papers on Indian Languages and English will be of Matriculation or Equivalent standard and will be of qualifying nature only. The marks obtained in these papers will not be counted for ranking.

Note 2.— The candidates will have to answer the English and Indian Languages papers in English and the respective Indian Language (except where translation is involved).

ESSAY

Candidates will be required to write an essay on a specific topic. The choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

GENERAL STUDIES**General Guidelines :**

The nature and standard of questions in the General Studies papers will be such that a well-educated person will be able to answer them without any specialized study. The questions will be such as to test a candidate's general awareness of a variety of subjects, which will have relevance for a career in Civil Services. The questions are likely to test the candidate's basic understanding of all relevant issues, and ability to analyze, and take a view on conflicting socio-economic goals, objectives and demands. The candidates must give relevant, meaningful and succinct answers.

PAPER-I**1. History of Modern India and Indian Culture**

The History of Modern India will cover history of the country from about the middle of the nineteenth century and would also include questions on important personalities who shaped the freedom movement and social reforms. The part relating to Indian Culture will cover all aspects of Indian culture from the ancient to modern times as well as principal features of literature, arts and architecture.

2. Geography of India

In this part, questions will be on the physical, economic and social geography of India.

3. Constitution of India and Indian Polity

This part will include questions on the Constitution of India, as well as all constitutional, legal, administrative and other issues emerging from the politico-administrative system prevalent in the country.

4. Current National Issues and Topics of Social Relevance

This part is intended to test the Candidate's awareness of current national issues and topics of social relevance in the present-day India, such as the following :

- (i) The Indian economy and issues relating to planning, mobilization of resources, growth, development and employment.
- (ii) Issues arising from the social and economic exclusion of large sections from the benefits of development.
- (iii) Other issues relating to the development and management of human resource.
- (iv) Health issues including the management of Public Health, Health education and ethical concerns regarding health-care, medical research and pharmaceuticals.
- (v) Law enforcement, internal security and related issues such as the preservation of communal harmony.
- (vi) Issues relating to good governance and accountability to the citizens including the maintenance of human rights, and of probity in public life.
- (vii) Environmental issues, ecological preservation, conservation of natural resources and national heritage.

PAPER-II

1. India and the World

This part will include questions to test candidate's awareness of India's relationship with the world in various spheres such as the following :

Foreign Affairs with special emphasis on India's relations with neighbouring countries and in the region.

Security and defence related matters.

Nuclear policy, issues, and conflicts. The Indian Diaspora and its contribution to India and the world.

2. India's Economic Interaction with the World

In this part, questions will be on economic and trade issues such as foreign trade, foreign investments; economic and diplomacy issues relating to oil, gas and energy flows; the role and functions of I.M.F., World Bank, W.T.O. WIPO etc. which influence India's economic interaction with other countries and international institutions.

3. Developments In the field of Science & Technology, IT and Space

In this part, questions will test the candidate's awareness of the developments in the field of science and technology, information technology, space and basic ideas about computers, robotics, nanotechnology, biotechnology and related issues regarding intellectual property rights.

4. International Affairs and Institutions

This part will include questions on important events in world affairs and on international institutions.

5. Statistical analysis, graphs and diagrams

This part will test the candidate's ability to draw conclusions from information presented in statistical, graphical or diagrammatical form and to interpret them.

AGRICULTURE

PAPER-I

Ecology and its relevance to man, natural resources, their sustainable management and conservation. Physical and social environment as factors of crop distribution and production. Agro ecology; cropping pattern as indicators of environments. Environmental pollution and associated hazards to crops, animals and humans. Climate change—International conventions and global initiatives. Green house effect and global warming. Advance tools for ecosystem analysis—Remote Sensing (RS) and Geographic Information Systems (GIS).

Cropping patterns in different agro-climatic zones of the country. Impact of high-yielding and short-duration varieties on shifts in cropping patterns. Concepts of various cropping, and farming systems. Organic and Precision farming. Package of practices for production of important cereals, pulses, oil seeds, fibres, sugar, commercial and fodder crops.

Important features, and scope of various types of forestry plantations such as social forestry, agro-forestry, and natural forests : Propagation of forest plants. Forest products. Agro-forestry and value addition. Conservation of forest flora and fauna.

Weeds, their characteristics, dissemination and association with various crops; their multiplicities; cultural, biological, and chemical control of weeds.

Soil—physical, chemical and biological properties. Processes and factors of soil formation. Soils of India. Mineral and organic constituents of soils and their role in maintaining soil productivity. Essential plant nutrients and other beneficial elements in soils and plants. Principles of soil fertility, soil testing and fertiliser recommendations, integrated nutrient management Biofertilizers. Losses of nitrogen in soil, nitrogen-use efficiency in submerged rice soils, nitrogen fixation in soils. Efficient phosphorus and potassium use. Problem soils and their reclamation. Soil factors affecting green house gas emission.

Soil conservation, integrated watershed management. Soil erosion and its management. Dry land agriculture and its problems. Technology for stabilising agriculture production in rain fed areas.

Water-use efficiency in relation to crop production, criteria for scheduling irrigations, ways and means of reducing run-off losses of irrigation water. Rainwater harvesting. Drip and sprinkler irrigation. Drainage of water-logged soils, quality of irrigation water, effect of industrial effluents on soil and water pollution. Irrigation projects in India.

Farm management, scope, importance and characteristics, farm planning. Optimum resource use and budgeting. Economics of different types of farming systems. Marketing management strategies for development, market intelligence. Price fluctuations and their cost; role of co-operatives in agricultural economy; types and systems of farming and factors affecting them. Agricultural price policy. Crop Insurance.

Agricultural extension, its importance and role, methods of evaluation of extension programmes, socio-economic survey and status of big, small and marginal farmers and landless agricultural labourers; Training programmes for extension workers. Role of Krishi Vigyan Kendra's (KVK) in dissemination of Agricultural technologies. Non-Government Organisation (NGO) and self-help group approach for rural development.

PAPER-II

Cell structure, function and cell cycle. Synthesis, structure and function of genetic material. Laws of heredity. Chromosome structure, chromosomal aberrations, linkage and cross-over, and their significance in recombination breeding. Polyploidy, euploids and aneuploids. Mutation—and their role in crop improvement. Heritability, sterility and incompatibility, classification and their application in crop improvement. Cytoplasmic inheritance, sex-linked, sex-influenced and sex-limited characters.

History of plant breeding. Modes of reproduction, selfing and crossing techniques. Origin, evolution and domestication of crop plants, center of origin, law of homologous series, crop genetic resources—conservation and utilization. Application of principles of plant breeding, improvement of crop plants. Molecular markers and their application in plant improvement. Pure-line selection, pedigree, mass and recurrent selections, combining ability, its significance in plant breeding. Heterosis and its exploitation. Somatic hybridization. Breeding for disease and pest resistance. Role of interspecific and intergeneric hybridization. Role of genetic engineering and biotechnology in crop improvement. Genetically modified crop plants. .

Seed production and processing technologies. Seed certification, Seed testing and storage. DNA finger printing and seed registration. Role of public and private sectors in seed production, and marketing. Intellectual Property Rights (IPR) issues, WTO issues and its impact on Agriculture.

Principles of Plant Physiology with reference to plant nutrition, absorption, translocation and metabolism of nutrients. Soil-water-plant relationship.

Enzymes and plant pigments; photosynthesis—modern concepts and factors affecting the process, aerobic and anaerobic respiration; C₃, C₄ and CAM mechanisms. Carbohydrate, protein and fat metabolism. Growth and development; photoperiodism and vernalization. Plant growth substances and their role in crop production. Physiology of

seed development and germination; dormancy. Stress physiology—draught, salt and water stress.

Major fruits, plantation crops, vegetables, spices and flower crops. Package practices of major horticultural crops. Protected cultivation and high tech horticulture. Post-harvest technology and value addition of fruits and vegetables. Landscaping and commercial floriculture. Medicinal and aromatic plants. Role of fruits and vegetables in human nutrition.

Diagnosis of pests and diseases of field crops, vegetables, orchard and plantation crops and their economic importance. Classification of pests and diseases and their management. Integrated pest and diseases management. Storage pests and their management. Biological control of pests and diseases. Epidemiology and forecasting of major crop pests and diseases. Plant quarantine measures. Pesticides, their formulation and modes of action.

Food production and consumption trends in India. Food security and growing population—vision 2020. Reasons for grain surplus. National and International food policies. Production, procurement, distribution constraints. Availability of foodgrains, per capita expenditure on food. Trends in poverty, Public Distribution System and Below Poverty Line population, Targeted Public Distribution System (PDS), policy implementation in context to globalization. Processing constraints. Relation of food production to National Dietary Guidelines and food consumption pattern. Food based dietary approaches to eliminate hunger. Nutrient deficiency—Micro nutrient deficiency : Protein Energy Malnutrition or Protein Calorie Malnutrition (PEM or PCM), Micro nutrient deficiency and HRD in context of work capacity of women and children. Food grain productivity and food security.

ANIMAL HUSBANDRY AND VETERINARY SCIENCE

PAPER-I

I. Animal Nutrition :

- 1.1 Partitioning of food energy within the animal. Direct and indirect calorimetry. Carbon—nitrogen balance and comparative slaughter methods. Systems for expressing energy value of foods in ruminants, pigs and poultry. Energy requirements for maintenance, growth, pregnancy, lactation, egg, wool, and meat production.
- 1.2 Latest advances in protein nutrition. Energy protein inter-relationships. Evaluation of protein quality. Use of NPN compounds in ruminant diets. Protein requirements for maintenance, growth, pregnancy, lactation, egg, wool and meat production.
- 1.3 Major and trace minerals—Their sources, physiological functions and deficiency symptoms. Toxic minerals. Mineral interactions. Role of fat-soluble and water-soluble vitamins in the body, their sources and deficiency symptoms.

1.4 Feed additives—methane inhibitors, probiotics, enzymes, antibiotics, hormones, oligosaccharides, antioxidants, emulsifiers, mould inhibitors, buffers etc. Use and abuse of growth promoters like hormones and antibiotics—latest concepts.

1.5 Conservation of fodders. Storage of feeds and feed ingredients. Recent advances in feed technology and feed processing. Anti-nutritional and toxic factors present in livestock feeds. Feed analysis and quality control. Digestibility trials—direct, indirect and indicator methods. Predicting feed intake in grazing animals.

1.6 Advances in ruminant nutrition. Nutrient requirements. Balanced rations. Feeding of calves, pregnant, work animals and breeding bulls. Strategies for feeding milch animals during different stages of lactation cycle. Effect of feeding on milk composition. Feeding of goats for meat and milk production. Feeding of sheep for meat and wool production.

1.7 Swine Nutrition. Nutrient requirements. Creep, starter, grower and finisher rations. Feeding of pigs for lean meat production. Low cost rations for swine.

1.8 Poultry nutrition. Special features of poultry nutrition. Nutrient requirements for meat and egg production. Formulation of rations for different classes of layers and broilers.

2. Animal Physiology :

2.1 Physiology of blood and its circulation, respiration; excretion. Endocrine glands in health and disease.

2.2 Blood constituents.—Properties and functions—blood cell formation—Haemoglobin synthesis and chemistry—plasma proteins production, classification and properties, coagulation of blood; Haemorrhagic disorders—anti-coagulants—blood groups—Blood volume—Plasma expanders—Buffer systems in blood. Biochemical tests and their significance in disease diagnosis.

2.3 Circulation.—Physiology of heart, cardiac cycle, heart sounds, heart beat, electrocardiograms. Work and efficiency of heart—effect of ions on heart function—metabolism of cardiac muscle, nervous and chemical regulation of heart, effect of temperature and stress on heart, blood pressure and hypertension, osmotic regulation, arterial pulse, vasomotor regulation of circulation, shock. Coronary and pulmonary circulation, Blood-Brain barrier Cerebrospinal fluid—circulation in birds.

2.4 Respiration.—Mechanism of respiration, Transport and exchange of gases—neural control of respiration—Chemo-receptors—hypoxia—respiration in birds.

2.5 Excretion.—Structure and function of kidney—formation of urine—methods of studying renal function—renal regulation of acid-base balance : physiological constituents of urine—renal failure—passive venous congestion—Urinary secretion in chicken—Sweat glands and their function. Biochemical test for urinary dysfunction.

2.6 Endocrine glands.—Functional disorders—their symptoms and diagnosis. Synthesis of hormones, mechanism and control of secretion—hormonal receptors—classification and function.

2.7 Growth and Animal Production.—Prenatal and postnatal growth, maturation, growth curves, measures of growth, factors affecting growth, conformation, body composition, meat quality.

2.8 Physiology of Milk Production, Reproduction and Digestion.—Current status of hormonal control of mammary development, milk secretion and milk ejection. Male and Female reproductive organs, their components and functions. Digestive organs and their functions.

2.9 Environmental Physiology.—Physiological relations and their regulation; mechanisms of adaptation, environmental factors and regulatory mechanisms involved in animal behaviour, climatology—various parameters and their importance. Animal ecology. Physiology of behaviour. Effect of stress on health and production.

3. Animal Reproduction :

Semen quality.—Preservation and Artificial Insemination—Components of semen, composition of spermatozoa, chemical and physical properties of ejaculated semen, factors affecting semen in vivo and in vitro. Factors affecting semen production and quality, preservation, composition of diluents, sperm concentration, transport of diluted semen. Deep freezing techniques in cows, sheep, goats, swine and poultry. Detection of oestrus and time of insemination for better conception. Anoestrus and repeat breeding.

4. Livestock Production and Management :

4.1 Commercial Dairy Farming.—Comparison of dairy farming in India with advanced countries. Dairying under mixed farming and as specialized farming, economic dairy farming. Starting of a dairy farm, Capital and land requirement, organization of the dairy farm. Opportunities in dairy farming, factors determining the efficiency of dairy animal. Heard recording, budgeting cost of milk production, pricing policy; Personnel Management. Developing Practical and Economic rations for dairy cattle; supply of greens throughout the year, feed and fodder requirements of Dairy Farm. Feeding regimes for young stock and bulls, heifers and breeding animals; new trends in feeding young and adult stock; Feeding records.

4.2 Commercial meat, egg and wool production.—Development of practical and economic rations for sheep, goats, pigs, rabbits and poultry. Supply of greens, fodder, feeding regimes for young and mature stock. New trends in enhancing production and

management. Capital and land requirements and socio-economic concept.

4.3 Feeding and management of animals under drought, flood and other natural calamities.

5. Genetics and Animal Breeding :

5.1 History of animal genetics. Mitosis and Meiosis : Mendelian inheritance; deviations to Mendelian genetics; Expression of genes; Linkage and crossing over; Sex determination, sex influenced and sex limited characters; Blood groups and polymorphism; Chromosome aberrations; Cytoplasmic inheritance, Gene and its structure; DNA as a genetic material; Genetic code and protein synthesis; Recombinant DNA technology. Mutations, types of mutations, methods for detecting mutations and mutation rate, Transgenesis.

5.2 Population Genetics applied to Animal Breeding— Quantitative Vs. Qualitative traits; Hardy Weinberg Law; Population Vs. Individual; Gene and genotypic frequency; Forces changing gene frequency; Random drift and small populations; Theory of path coefficient; Inbreeding, methods of estimating inbreeding coefficient, systems of inbreeding; Effective population size; Breeding value, estimation of breeding value, dominance and epistatic deviation; Partitioning of variation; Genotype X environment correlation and genotype X environment interaction; role of multiple measurements; Resemblance between relatives.

5.3 Breeding Systems.—Breeds of livestock and Poultry. Heritability, repeatability and genetic and phenotypic correlations, their methods of estimation and precision of estimates; Aids to selection and their relative merits; Individual, pedigree, family and within family selection; Pregnancy testing; Methods of selection; Construction of selection indices and their uses; Comparative evaluation of genetic gains through various selection methods; Indirect selection and correlated response; Inbreeding, out breeding, upgrading, cross-breeding and synthesis of breeds; Crossing of inbred lines for commercial production; Selection for general and specific combining ability; Breeding for threshold characters. Sire index.

6. Extension :

Basic philosophy, objectives, concept and principles of extension. Different Methods adopted to educate farmers under rural conditions. Generation of technology, its transfer and feedback. Problems and constraints in transfer of technology. Animal husbandry programmes for rural development.

PAPER—II

1. Anatomy, Pharmacology and Hygiene :

1.1 Histology and Histological Techniques : Paraffin embedding technique of tissue processing and H.E.

staining—Freezing microtomy—Microscopy Bright field microscope and electron microscope. Cytology—structure of cell organelles and inclusions; cell division-cell types—Tissues and their classification—embryonic and adult tissues—Comparative histology of organs—Vascular, Nervous, digestive, respiratory, musculo-skeletal and urogenital systems—Endocrine glands—Integuments—sense organs.

1.2 Embryology.—Embryology of vertebrates with special reference to aves and domestic mammals gametogenesis-fertilization-germ layers-foetal membranes and placentation-types of placenta in domestic mammals-Teratology-twins and twinning-organogenesis-germ layer derivatives-endodermal, mesodermal and ectodermal derivatives.

1.3 Bovine Anatomy.—Regional Anatomy : Paranasal sinuses of OX—surface anatomy of salivary glands. Regional anatomy of infraorbital, maxillary, mandibuloalveolar, mental and cornual nerve block. Regional anatomy of paravertebral nerves, pudendal nerve, median, ulnar and radial nerves-tibial, fibular and digital nerves—Cranial nerves-structures involved in epidural anaesthesia-superficial lymph nodes-surface anatomy of visceral organs of thoracic, abdominal and pelvic cavities-comparative-features of locomotor apparatus and their application in the biomechanics of mammalian body.

1.4 Anatomy of Fowl.—Musculo-skeletal system—functional anatomy in relation to respiration and flying, digestion and egg production.

1.5 Pharmacology and therapeutics drugs.—Cellular level of pharmacodynamics and pharmacokinetics. Drugs acting on fluids and electrolyte balance. Drugs acting on Autonomic nervous system. Modern concepts of anaesthesia and dissociative anaesthetics. Autocoids. Antimicrobials and principles of chemotherapy in microbial infections. Use of hormones in therapeutics—chemotherapy of parasitic infections. Drug and economic concerns in the Edible tissues of animals—chemotherapy of Neoplastic diseases. Toxicity due to “insecticides, plants, metals, non-metals, zootoxins and mycotoxins”.

1.6 Veterinary Hygiene with reference to water, air and habitation.—Assessment of pollution of water, air and soil—Importance of climate in animal health—effect of environment on animal function and performance relationship between industrialisation and animal agriculture—animal housing requirements for specific categories of domestic animals viz. pregnant cows and sows, milking cows, broiler birds—stress, strain and productivity in relation to animal habitation.

2. Animal Diseases :

- 2.1 Etiology, epidemiology pathogenesis, symptoms, post-mortem lesions, diagnosis, and control of infectious diseases of cattle, sheep and goat, horses, pigs and poultry.
- 2.2 Etiology, epidemiology, symptoms, diagnosis, treatment of production diseases of cattle, horse, pig and poultry.
- 2.3 Deficiency diseases of domestic animals and birds.
- 2.4 Diagnosis and treatment of non-specific conditions like impaction, Bloat, Diarrhoea, Indigestion, dehydration, stroke, poisoning.
- 2.5 Diagnosis and treatment of neurological disorders.
- 2.6 Principles and methods of immunisation of animals against specific diseases—hard immunity—disease free zones—‘zero’ disease concept—chemoprophylaxis.
- 2.7 Anaesthesia.—local, regional and general preanaesthetic medication. Symptoms and surgical interference in fractures and dislocation. Hernia, choking abdominal displacement—Caesarian operations. Rumenotomy—Castrations.
- 2.8 Disease Investigation techniques.—Materials for laboratory investigation—Establishment. Animal Health Centres—Disease free zone.

Veterinary Public Health :

- 3.1 Zoonoses.—Classification, definition, role of animals and birds in prevalence and transmission of zoonotic diseases—occupational zoonotic diseases.
- 3.2 Epidemiology.—Principle, definition of epidemiological terms, application of epidemiological measures in the study of diseases and disease control. Epidemiological features of air, water and food borne infections. OIE regulation, WTO, sanitary and phytosanitary measures.
- 3.3 Veterinary Jurisprudence.—Rules and Regulations for improvement of animal quality and prevention of animal diseases—State and Central Rules for prevention of animal and animal product borne diseases—S.P. C.A.—Veterolegal cases—Certificates—Materials and Methods of collection of samples for veterolegal investigation.

4. Milk and Milk Products Technology :

- 4.1 Market Milk.—Quality, testing and grading of raw milk. Processing, packaging, storing, distribution, marketing defects and their control. Preparation of the following milks: Pasteurized, standardized, toned, double toned, sterilized, homogenized, reconstituted, recombined and flavoured milks. Preparation of

cultured milks, cultures and their management, yoghurt, Dahi, Lassi and Srikhand. Preparation of flavoured and sterilized milks. Legal standards. Sanitation requirement for clean and safe milk and for the milk plant equipment.

- 4.2 Milk Products Technology.—Selection of raw materials, processing, storing, distributing and marketing milk products such as Cream, Butter, Ghee, Khoa, Channa, Cheese, condensed, evaporated, dried milk and baby food, Ice cream and Kulfi; by-products, whey products, butter milk, lactose and casein. Testing, grading, judging milk products—BIS and Agmark specifications, legal standards, quality control nutritive properties. Packaging processing and operational control. Costing of dairy products.

5. Meat Hygiene and Technology :**5.1 Meat Hygiene**

- 5.1.1 Ante mortem care and management of food animals, stunning, slaughter and dressing operations; abattoir requirements and designs; Meat inspection procedures and judgement of carcass meat cuts—grading of carcass meat cuts—duties and functions of Veterinarians in wholesome meat production.
- 5.1.2 Hygienic methods of handling production of meat.—Spoilage of meat and control measures—Post-slaughter physicochemical changes in meat and factors that influence them—Quality improvement methods—Adulteration of meat and detection—Regulatory provisions in Meat trade and Industry.

5.2 Meat Technology

- 5.2.1 Physical and chemical characteristics of meat.—Meat emulsions—Methods of preservation of meat—Curing, canning, irradiation, packaging of meat and meat products, processing and formulations.
- 5.3 By-products.—Slaughter house by-products and their utilisation—Edible and inedible by products—Social and economic implications of proper utilisation of slaughter house by-products—Organ products for food and pharmaceuticals.
- 5.4 Poultry Products Technology.—Chemical composition and nutritive value of poultry meat, pre-slaughter care and management. Slaughtering techniques, inspection, preservation of poultry meat and products. Legal and BIS standards.

Structure composition and nutritive value of eggs. Microbial spoilage. Preservation and maintenance. Marketing of poultry meat, eggs and products.

- 5.5 Rabbit/Fur Animal farming.—Rabbit meat production. Disposal and utilization of fur and wool and recycling of waste by products. Grading of wool.

ANTHROPOLOGY

PAPER-I

- 1.1 Meaning, Scope and development of Anthropology.
- 1.2 Relationships with other disciplines : Social Sciences, behavioural Sciences, Life Sciences, Medical Sciences, Earth Sciences and Humanities.
- 1.3 Main branches of Anthropology, their scope and relevance.
 - (a) Social-cultural Anthropology.
 - (b) Biological Anthropology.
 - (c) Archaeological Anthropology.
 - (d) Linguistic Anthropology.
- 1.4 Human Evolution and emergence of Man :
 - (a) Biological and Cultural factors in human evolution.
 - (b) Theories of Organic Evolution (Pre-Darwinian, Darwinian and Post-Darwinian).
 - (c) Synthetic theory of evolution; Brief outline of terms and concepts of evolutionary biology (Doll's rule, Cope's rule, Gause's rule, parallelism, convergence, adaptive radiation, and mosaic evolution).
- 1.5 Characteristics of Primates; Evolutionary Trend and Primate Taxonomy; Primate Adaptations; (Arboreal and Terrestrial) Primate Taxonomy; Primate Behaviour; Tertiary and Quaternary fossil primates; Living Major Primates; Comparative Anatomy of Man and Apes; Skeletal changes due to erect posture and its implications.
- 1.6 Phylogenetic status, characteristics and geographical distribution of the following :
 - (a) Plio-preleistocene hominids in South and East Africa—Australopithecines.
 - (b) Homo erectus : Africa (Paranthropus), Europe (Homo erectus (heidelbergensis)), Asia (Homo erectus javanicus, Homo erectus pekinensis).
 - (c) Neanderthal man—La-chapelle-aux-saints (Classical type), Mt. Carmel (Progressive type).
 - (d) Rhodesian man.
 - (e) Homo sapiens—Cromagnon, Grimaldi and Chancelade.
- 1.7 The biological basis of Life : The Cell, DNA structure and replication, Protein Synthesis, Gene, Mutation, Chromosomes, and Cell Division.
- 1.8 (a) Principles of Prehistoric Archaeology. Chronology : Relative and Absolute Dating methods.

- (b) Cultural Evolution—Broad Outlines of Prehistoric cultures :
 - (i) Paleolithic
 - (ii) Mesolithic
 - (iii) Neolithic
 - (iv) Chalcolithic
 - (v) Copper-Bronze Age
 - (vi) Iron Age
- 2.1 The Nature of Culture : The concept and Characteristics of culture and civilization; Ethnocentrism vis-a-vis cultural Relativism.
- 2.2 The Nature of Society : Concept of Society; Society and Culture; Social Institution; Social groups; and Social stratification.
- 2.3 Marriage : Definition and universality; Laws of marriage (endogamy, exogamy, hypergamy, hypogamy, incest taboo); Type of marriage (monogamy, polygamy, polyandry, group marriage). Functions of marriage; Marriage regulations (preferential, prescriptive and proscriptive); Marriage payments (bride wealth and dowry).
- 2.4 Family : Definition and universality; Family, household and domestic groups; functions of family; Types of family (from the perspectives of structure, blood relation, marriage, residence and succession); Impact of urbanization, industrialization and feminist movements on family.
- 2.5 Kinship : Consanguinity and Affinity; Principles and types of descent (Unilineal, Double, Bilateral Ambilineal); Forms of descent groups (lineage, clan, phratry, moiety and kindred); Kinship terminology (descriptive and classificatory); Descent, Filiation and Complimentary Filiation; Decent and Alliance.
3. Economic Organization : Meaning, scope and relevance of economic anthropology; Formalist and Substantivist debate; Principles governing production, distribution and exchange (reciprocity, redistribution and market), in communities, subsisting on hunting and gathering, fishing, swiddening, pastoralism, horticulture, and agriculture; globalization and indigenous economic systems.
4. Political Organization and Social Control : Band, tribe, chiefdom, kingdom and state; concepts of power, authority and legitimacy; social control, law and justice in simple societies.
5. Religion : Anthropological approaches to the study of religion (evolutionary, psychological and functional); monotheism and polytheism; sacred and profane; myths and rituals; forms of religion in tribal and peasant societies (animism, animatism, fetishism,

naturism and totemism); religion, magic and science distinguished; magico-religious functionaries (priest, shaman, medicine man, sorcerer and witch).

6. Anthropological theories :

- (a) Classical evolutionism (Tylor, Morgan and Frazer)
- (b) Historical particularism (Boas) Diffusionism (British, German and American)
- (c) Functionalism (Malinowski); Structural—Functionism (Radcliffe-Brown)
- (d) Structuralism (L'evi-Strauss and E. Leach)
- (e) Culture and personality (Benedict, Mead, Linton, Kardiner and Cora-du Bois).
- (f) Neo—evolutionism (Childe, White, Steward, Sahlins and Service)
- (g) Cultural materialism (Harris)
- (h) Symbolic and interpretive theories (Turner, Schneider and Geertz)
- (i) Cognitive theories (Tyler, Conklin)
- (j) Post-modernism in anthropology.

7. Culture, language and communication :

Nature, origin and characteristics of language; verbal and non-verbal communication; social context of language use.

8. Research methods in anthropology :

- (a) Fieldwork tradition in anthropology
- (b) Distinction between technique, method and methodology
- (c) Tools of data collection : observation, interview, schedules, questionnaire, case study, genealogy, life-history, oral history, secondary sources of information, participatory methods.
- (d) Analysis, interpretation and presentation of data.

9.1 Human Genetics : Methods and Application : Methods for study of genetic principles in man-family study (pedigree analysis, twin study, foster child, co-twin method, cytogenetic method, chromosomal and karyo-type analysis), biochemical methods, immunological methods, D.N.A. technology and recombinant technologies.

9.2 Mendelian genetics in man-family study, single factor, multifactor, lethal, sub-lethal and polygenic inheritance in man.

9.3 Concept of genetic polymorphism and selection, Mendelian population, Hardy-Weinberg law; causes and changes which bring down frequency-mutation, isolation, migration, selection, inbreeding and genetic drift. Consanguineous and non-consanguineous mating, genetic load, genetic effect of consanguineous and cousin marriages.

9.4 Chromosomes and chromosomal aberrations in man, methodology.

- (a) Numerical and structural aberrations (disorders).
- (b) Sex chromosomal aberration- Klinefelter (XXY), Turner (XO), Super female (XXX), intersex and other syndromic disorders.
- (c) Autosomal aberrations- Down syndrome, Patau, Edward and Cri-du-chat syndromes.
- (d) Genetic imprints in human disease, genetic screening, genetic counseling, human DNA profiling, gene mapping and genome study.

9.5 Race and racism, biological basis of morphological variation of non-metric and characters. Racial criteria, racial traits in relation to heredity and environment; biological basis of racial classification, racial differentiation and race crossing in man.

9.6 Age, sex and population variation as genetic marker : ABO, Rh blood groups, HLA Hp, transferring, Gm, blood enzymes. Physiological characteristics-Hb level, body fat, pulse rate, respiratory functions and sensory perceptions in different cultural and socio-economic groups.

9.7 Concepts and methods of Ecological Anthropology : Bio-cultural Adaptations-Genetic and Non-genetic factors. Man's physiological responses to environmental stresses: hot desert, cold, high altitude climate.

9.8 Epidemiological Anthropology : Health and disease. Infectious and non-infectious diseases. Nutritional deficiency related diseases.

10. Concept of human growth and development : Stages of growth- pre-natal, natal, infant, childhood, adolescence, maturity, senescence.

—Factors affecting growth and development genetic, environmental, biochemical, nutritional, cultural and socio-economic.

—Ageing and senescence. Theories and observations

—Biological and chronological longevity. Human physique and somatotypes. Methodologies for growth studies.

11.1 Relevance of menarche, menopause and other bioevents to fertility. Fertility patterns and differentials.

11.2 Demographic theories-biological, social and cultural.

11.3 Biological and socio-ecological factors influencing fecundity, fertility, natality and mortality.

12. Applications of Anthropology : Anthropology of sports, Nutritional anthropology, Anthropology in designing of defence and other equipments, Forensic Anthropology, Methods and principles of personal

identification and reconstruction, Applied human genetics—Paternity diagnosis, genetic counseling and eugenics, DNA technology in diseases and medicine, serogenetics and cytogenetics in reproductive biology.

PAPER-II

- 1.1 **Evolution of the Indian Culture and Civilization**—Prehistoric (Paleolithic, Mesolithic Neolithic and Neolithic-Chalcolithic), Protohistoric (Indus Civilization). Pre-Harappan, Harappan and post-Harappan cultures. Contributions of the tribal cultures to Indian civilization.
- 1.2 **Palaeo**—Anthropological evidences from India with special reference to Siwaliks and Narmada basin (*Ramapithecus, Sivapithecus and Narmada Man*).
- 1.3 **Ethno-archaeology in India**: The concept of ethno-archaeology; Survivals and Parallels among the hunting, foraging, fishing, pastoral and peasant communities including arts and crafts producing communities.
2. **Demographic profile of India**—Ethnic and linguistic elements in the Indian population and their distribution. Indian population—factors influencing its structure and growth.
 - 3.1 The structure and nature of traditional Indian social system—Varnashram, Purushartha, Karma, Rina and Rebirth.
 - 3.2 **Caste system in India**—Structure and characteristics Varna and caste, Theories of origin of caste system, Dominant caste, Caste mobility, Future of caste system, Jajmani system. Tribe-case continuum.
 - 3.3 Sacred Complex and Nature-Man-Spirit Complex.
 - 3.4. Impact of Buddhism, Jainism, Islam and Christianity of Indian society.
 4. Emergence, growth and development in India—Contributions of the 18th, 19th and early 20th Century scholar-administrators. Contributions of Indian anthropologists to tribal and caste studies.
 - 5.1 **Indian Village**—Significance of village study in India; India village as a social system; Traditional and changing patterns of settlement and inter-caste relations; Agrarian relations in Indian villages; Impact of globalization on Indian villages.
 - 5.2 Linguistic and religious minorities and their social, political and economic status.
 - 5.3 Indigenous and exogenous processes of socio-cultural change in Indian society: Sanskritization, Westernization, Modernization; Inter-play of little and great traditions; Panchayati Raj and social change; Media and Social change.
 - 6.1 **Tribal situation in India**—Bio-genetic variability,

linguistic and socio-economic characteristics of the tribal populations and their distribution.

- 6.2 **Problems of the tribal Communities**—Land alienation, poverty, indebtedness, low literacy, poor educational facilities, unemployment, under employment, health and nutrition.
- 6.3 Developmental projects and their impact on tribal displacement and problems of rehabilitation. Development of forest policy and tribals. Impact of urbanisation and industrialization on tribal populations.
- 7.1 **Problems of exploitation and deprivation of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes**. Constitutional safeguards for Scheduled Tribes and Scheduled Castes.
- 7.2 **Social change and contemporary tribal societies** : Impact of modern democratic institutions, development programmes and welfare measures on tribals and weaker sections.
- 7.3 The concept of ethnicity; Ethnic conflicts and political developments; Unrest among tribal communities; Regionalism and demand for autonomy; Pseudo-tribalism. Social change among the tribes during colonial and post-Independent India.
- 8.1 Impact of Hinduism, Buddhism, Christianity, Islam and other religions on tribal societies.
- 8.2 **Tribe and nation state**—a comparative study of tribal communities in India and other countries.
- 9.1 History of administration of tribal areas, tribal policies, plans, programmes of tribal development and their implementation. The concept of PTGs (Primitive Tribal Groups), their distribution, special programmes for their development. Role of N.G.O.s in tribal development.
- 9.2 Role of anthropology in tribal and rural development.
- 9.3 Contributions of anthropology to the understanding of regionalism, communalism and ethnic and political movements.

BOTANY

PAPER-I

I. Microbiology and Plant Pathology :

Structure and reproduction/multiplication of viruses, viroids, bacteria, fungi and mycoplasma; Applications of microbiology in agriculture, industry, medicine and in control of soil and water pollution; Prion and Prion hypothesis.

Important crop diseases caused by viruses, bacteria, mycoplasma, fungi and nematodes; Modes of infection and dissemination; Molecular basis of infection and disease resistance/defence; Physiology of parasitism and control measures. Fungal toxins. Modelling and disease forecasting; Plant quarantine.

2. Cryptogams :

Algae, fungi, lichens, bryophytes, pteridophytes—structure and reproduction from evolutionary viewpoint; Distribution of Cryptogams in India and their ecological and economic importance.

3. Phanerogams :

Gymnosperms : Concept of Progymnosperms. Classification and distribution of gymnosperms. Salient features of Cycadales, Ginkgoales, Coniferales and Gnetales, their structure and reproduction. General account of Cycadofilicales, Bennettitales and Cordaitales; Geological time scale; Type of fossils and their study techniques.

Angiosperms : Systematics, anatomy, embryology, palynology and phylogeny.

Taxonomic hierarchy; International Code of Botanical Nomenclature; Numerical taxonomy and chemotaxonomy; Evidence from anatomy, embryology and palynology.

Origin and evolution of angiosperms; Comparative account of various systems of classification of angiosperms; Study of angiospermic families—Mangnoliaceae, Ranunculaceae, Brassicaceae, Rosaceae, Fabaceae, Euphorbiaceae, Malvaceae, Dipterocarpaceae, Apiaceae, Asclepiadaceae, Verbenaceae, Solanaceae, Rubiaceae, Cucurbitaceae, Asteraceae, Poaceae, Arecaceae, Liliaceae, Musaceae and Orchidaceae.

Stomata and their types; Glandular and non-glandular trichomes; Unusual secondary growth; Anatomy of C₃ and C₄ plants; Xylem and phloem differentiation; Wood anatomy.

Development of male and female gametophytes, pollination, fertilization; Endosperm—its development and function. Patterns of embryo development; Polyembryony, apomixes; Applications of palynology; Experimental embryology including pollen storage and test-tube fertilization.

4. Plant Resource Development :

Domestication and introduction of plants; Origin of cultivated plants, Vavilov's centres of origin. Plants as sources for food, fodder, fibres, spices, beverages, edible oils, drugs, narcotics, insecticides, timber, gums, resins and dyes; latex, cellulose, starch and its products; Perfumery; Importance of Ethnobotany in Indian context; Energy plantations; Botanical Gardens and Herbaria.

5. Morphogenesis :

Totipotency, polarity, symmetry and differentiation; Cell, tissue, organ and protoplast culture. Somatic hybrids and Cybrids; Micropagation; Somaclonal

variation and its applications; Pollen haploids, embryo rescue methods and their applications.

PAPER-II**1. Cell Biology :**

Techniques of cell biology. Prokaryotic and eukaryotic cells—structural and ultrastructural details; Structure and function of extracellular matrix (cell wall) and membranes-cell adhesion, membrane transport and vesicular transport; Structure and function of cell organelles (chloroplasts, mitochondria, ER, dictyosomes, ribosomes, endosomes, lysosomes, peroxisomes; Cytoskeleton and microtubules; Nucleus, nucleolus, nuclear pore complex; Chromatin and nucleosome; Cell signalling and cell receptors; Signal transduction Mitosis and meiosis; molecular basis of cell cycle. Numerical and structural variations in chromosomes and their significance; Chromatin organization and packaging of genome; Polytene chromosomes; B-chromosomes—structure, behaviour and significance.

2. Genetics, Molecular Biology and Evolution:

Development of genetics, and gene versus allele concepts (Pseudoalleles); Quantitative genetics and multiple factors; Incomplete dominance, polygenic inheritance, multiple alleles; Linkage and crossing over of gene mapping including molecular maps (idea of mapping, function); Sex chromosomes and sex-linked inheritance; sex determination and molecular basis of sex differentiation; Mutations (biochemical and molecular basis); Cytoplasmic inheritance and cytoplasmic genes (including genetics of male sterility).

Structure and synthesis of nucleic acids and proteins; Genetic code and regulation of gene expression; Gene silencing; Multigene families; Organic evolution—evidences, mechanism and theories.

Role of RNA in origin and evolution.

3. Plant Breeding, Biotechnology and Biostatistics:

Methods of plant breeding—introduction, selection and hybridization (pedigree, backcross, mass selection, bulk method); Mutation, polyploidy, male sterility and heterosis breeding. Use of apomixes in plant breeding; DNA sequencing; Genetic engineering—methods of transfer of genes; Transgenic crops and biosafety aspects; Development and use of molecular markers in plant breeding; Tools and techniques—probe, southern blotting, DNA fingerprinting, PCR and FISH. Standard deviation and coefficient of variation (CV). Tests of significance (Z-test, t-test and chi-square tests). Probability and distributions (normal, binomial and Poisson). Correlation and regression.

4. Physiology and Biochemistry :

Water relations, mineral nutrition and ion transport, mineral deficiencies. Photosynthesis—photochemical reactions, photophosphorylation and carbon fixation pathways; C₃, C₄ and CAM pathways; Mechanism of phloem transport, Respiration (anaerobic and aerobic, including fermentation)—electron transport chain and oxidative phosphorylation; Photorespiration; Chemiosmotic theory and ATP synthesis; Lipid metabolism; Nitrogen fixation and nitrogen metabolism. Enzymes, coenzymes; Energy transfer and energy conservation. Importance of secondary metabolites. Pigments as photoreceptors (plastidial pigments and phytochrome). Plant movements; Photoperiodism and flowering, vernalization, senescence; Growth substances—their chemical nature, role and applications in agri-horticulture; growth indices, growth movements. Stress physiology (heat, water, salinity, metal); Fruit and seed physiology. Dormancy, storage and germination of seed. Fruit ripening—its molecular basis and manipulation.

5. Ecology and Plant Geography :

Concept of ecosystem; Ecological factors. Concepts and dynamics of community; Plant succession. Concepts of biosphere; Ecosystems; Conservation; Pollution and its control (including phytoremediation); Plant indicators; Environment (Protection) Act.

Forest types of India—Ecological and economic importance of forests, afforestation, deforestation and social forestry; Endangered plants, endemism IUCN categories, Red Data Books; Biodiversity and its conservation; Protected Area Network; Convention of Biological Diversity, Farmers' Rights; and Intellectual Property Rights; Concept of Sustainable Development; Biogeochemical cycles. Global warming and climatic change; Invasive species; Environmental Impact Assessment; Phytogeographical regions of India.

CHEMISTRY

PAPER-I

1. Atomic Structure :

Heisenberg's uncertainty principle Schrodinger wave equation (time independent); Interpretation of wave function, particle in one-dimensional box, quantum numbers, hydrogen atom wave functions; Shapes of s, p and d orbitals.

2. Chemical bonding :

Ionic bond, characteristics of ionic compounds, lattice energy, Born-Haber cycle; covalent bond and its general characteristics, polarities of bonds in molecules and their dipole moments; Valence bond

theory, concept of resonance and resonance energy; Molecular orbital theory (LCAO method); bonding H₂+, H₂ He₂ + to Ne₂, NO, CO, HF, CN⁻; Comparison of valence bond and molecular orbital theories, bond order, bond strength and bond length.

3. Solid State :

Crystal systems; Designation of crystal faces, lattice structures and unit cell; Bragg's law; X-ray diffraction by crystals; Close packing, radius ratio rules, calculation of some limiting radius ratio values; Structures of NaCl, ZnS, CsCl, CaF₂; Stoichiometric and nonstoichiometric defects, impurity defects, semi-conductors.

4. The Gaseous State and Transport Phenomenon :

Equation of state for real gases, intermolecular interactions, and critical phenomena and liquefaction of gases; Maxwell's distribution of speeds, intermolecular collisions, collisions on the wall and effusion; Thermal conductivity and viscosity of ideal gases.

5. Liquid State:

Kelvin equation; Surface tension and surface energy, wetting and contact angle, interfacial tension and capillary action.

6. Thermodynamics :

Work, heat and internal energy; first law of thermodynamics.

Second law of thermodynamics; entropy as a state function, entropy changes in various processes, entropy-reversibility and irreversibility, Free energy functions; Thermodynamic equation of state; Maxwell relations; Temperature, volume and pressure dependence of U, H, A, G, Cp and Cv, α and β ; J-T effect and inversion temperature; criteria for equilibrium, relation between equilibrium constant and thermodynamic quantities; Nernst heat theorem, introductory idea of third law of thermodynamics.

7. Phase Equilibria and Solutions :

Clausius-Clapeyron equation; phase diagram for a pure substance; phase equilibria in binary systems, partially miscible liquids—upper and lower critical solution temperatures; partial molar quantities, their significance and determination; excess thermodynamic functions and their determination.

8. Electrochemistry :

Debye-Hückel theory of strong electrolytes and Debye-Hückel limiting Law for various equilibrium and transport properties.

Galvanic cells, concentration cells; electrochemical series, measurement of e.m.f. of cells and its applications fuel cells and batteries.

Processes at electrodes; double layer at the interface; rate of charge transfer, current density; overpotential;

electroanalytical techniques : amperometry, ion selective electrodes and their use.

9. Chemical Kinetics:

Differential and integral rate equations for zeroth, first, second and fractional order reactions; Rate equations involving reverse, parallel, consecutive and chain reactions; Branching chain and explosions; effect of temperature and pressure on rate constant. Study of fast reactions by stop-flow and relaxation methods. Collisions and transition state theories.

10. Photochemistry:

Absorption of light; decay of excited state by different routes; photochemical reactions between hydrogen and halogens and their quantum yields.

11. Surface Phenomena and Catalysis:

Adsorption from gases and solutions on solid adsorbents; Langmuir and B.E.T. adsorption isotherms; determination of surface area, characteristics and mechanism of reaction on heterogeneous catalysts.

12. Bio-inorganic Chemistry:

Metal ions in biological systems and their role in ion-transport across the membranes (molecular mechanism), oxygen-uptake proteins, cytochromes and ferredoxins.

13. Coordination Chemistry

- (i) Bonding in transition of metal complexes. Valence bond theory, crystal field theory and its modifications; applications of theories in the explanation of magnetism and electronic spectra of metal complexes.
- (ii) Isomerism in coordination compounds; IUPAC nomenclature of coordination compounds; stereochemistry of complexes with 4 and 6 coordination numbers; chelate effect and polynuclear complexes; trans effect and its theories; kinetics of substitution reactions in square-planar complexes; thermodynamic and kinetic stability of complexes.
- (iii) EAN rule, Synthesis structure and reactivity of metal carbonyls; carboxylate anions, carbonyl hydrides and metal nitrosyl compounds.
- (iv) Complexes with aromatic systems, synthesis, structure and bonding in metal olefin complexes, alkyne complexes and cyclopentadienyl complexes; coordinative unsaturation, oxidative addition reactions, insertion reactions, fluxional molecules and their characterization; Compounds with metal—metal bonds and metal atom clusters.

14. Main Group Chemistry:

Boranes, borazines, phosphazenes and cyclic phosphazene, silicates and silicones, Interhalogen compounds; Sulphur—nitrogen compounds, noble gas compounds.

15. General Chemistry of 'F' Block Element:

Lanthanides and actinides: separation, oxidation states, magnetic and spectral properties; lanthanide contraction.

PAPER-II

1. Delocalised Covalent Bonding :

Aromaticity, anti-aromaticity; annulenes, azulenes, tropolones, fulvenes, sydnone.

- 2.(i) Reaction mechanisms : General methods (both kinetic and non-kinetic) of study of mechanisms or organic reactions : isotopies, method cross-over experiment, intermediate trapping, stereochemistry; energy of activation; thermodynamic control and kinetic control of reactions.
- (ii) Reactive intermediates : Generation, geometry, stability and reactions of carboniumions and carbanions, free radicals, carbenes, benzyne and nitrenes.
- (iii) Substitution reactions :— S_N1 , S_N2 , and S_Ni , mechanisms ; neighbouring group participation; electrophilic and nucleophilic reactions of aromatic compounds including heterocyclic compounds—pyrrole, furan, thiophene and indole.
- (iv) Elimination reactions :—E1, E2 and E1cb mechanisms; orientation in E2 reactions—Saytzeff and Hoffmann; pyrolytic *syn* elimination—acetate pyrolysis, Chugaev and Cope eliminations.
- (v) Addition reactions :—Electrophilic addition to $C=C$ and $C\equiv C$; nucleophilic addition to $C=O$, $C\equiv N$, conjugated olefins and carbonyls.
- (vi) Reactions and Rearrangements :—(a) Pinacol-pinacolone, Hoffmann, Beckmann, Baeyer-Villiger, Favorskii, Fries, Claisen, Cope, Stevens and Wagner—Meerwein rearrangements.
- (b) Aldol condensation, Claisen condensation, Dieckmann, Perkin, Knoevenagel, Wittig, Clemmensen, Wolff-Kishner, Cannizzaro and von Richter reactions; Stobbe, benzoin and acyloin condensations; Fischer indole synthesis, Skraup synthesis, Bischler-Napieralski, Sandmeyer, Reimer-Tiemann and Reformatsky reactions.
- 3. Pericyclic reactions :—Classification and examples; Woodward-Hoffmann rules—electrocyclic reactions, cycloaddition reactions

[2+2 and 4+2] and sigmatropic shifts [1, 3; 3, 3 and 1, 5], FMO approach.

4. (i) **Preparation and Properties of Polymers:** Organic polymers—polyethylene, polystyrene, polyvinyl chloride, teflon, nylon, terylene, synthetic and natural rubber.

(ii) **Biopolymers:** Structure of proteins, DNA and RNA.

5. **Synthetic Uses of Reagents:**
OsO₄, HIO₄, CrO₃, Pb(OAc)₄, SeO₂, NBS, B₂H₆, Na-Liquid NH₃, LiAlH₄, NaBH₄, n-BuLi, MCPBA.

6. **Photochemistry** :—Photochemical reactions of simple organic compounds, excited and ground states, singlet and triplet states, Norrish-Type I and Type II reactions.

7. **Spectroscopy:**
Principle and applications in structure elucidation :

- (i) **Rotational**—Diatom molecules; isotopic substitution and rotational constants.
- (ii) **Vibrational**—Diatom molecules, linear triatomic molecules, specific frequencies of functional groups in polyatomic molecules.
- (iii) **Electronic**—Singlet and triplet states. $n \rightarrow \pi^*$ and $\pi \rightarrow \pi^*$ transitions; application to conjugated double bonds and conjugated carbonyls Woodward-Fieser rules; Charge transfer spectra.
- (iv) **Nuclear Magnetic Resonance (¹H NMR)** : Basic principle; chemical shift and spin-spin interaction and coupling constants.
- (v) **Mass Spectrometry** :—Parent peak, base peak, metastable peak, McLafferty rearrangement.

CIVIL ENGINEERING

PAPER-I

1. Engineering Mechanics, Strength of Materials and Structural Analysis.

1.1 Engineering Mechanics :

Units and Dimensions, SI Units, Vectors, Concept of Force, Concept of particle and rigid body. Concurrent, Non-Concurrent and parallel forces in a plane, moment of force free body diagram, conditions of equilibrium, Principle of virtual work, equivalent force system.

First and Second Moment of area, Mass moment of Inertia.

Static Friction.

Kinematics and Kinetics:

Kinematics in Cartesian Co-ordinates, motion

under uniform and non-uniform acceleration, motion under gravity. Kinetics of particle : Momentum and Energy principles, collision of elastic bodies, rotation of rigid bodies.

1.2 Strength of Materials :

Simple Stress and Strain, Elastic constants, axially loaded compression members, Shear force and bending moment, theory of simple bending, Shear Stress distribution across cross sections, Beams of uniform strength.

Deflection of beams: Mecauly's method, Mohr's Moment area method, Conjugate beam method, unit load method. Torsion of Shafts, Elastic stability of columns, Euler's, Rankine's and Secant formulae.

1.3 Structural Analysis :

Castiglano's theorems I and II, unit load method, of consistent deformation applied to beams and pin jointed trusses. Slope-deflection, moment distribution.

Rolling loads and Influences lines : Influences lines for Shear Force and Bending moment at a section of a beam. Criteria for maximum shear force and bending Moment in beams traversed by a system of moving loads. Influences lines for simply supported plane pin jointed trusses.

Arches : Three hinged, two hinged and fixed arches, rib shortening and temperature effects.

Matrix methods of analysis : Force method and displacement method of analysis of indeterminate beams and rigid frames.

Plastic Analysis of beams and frames : Theory of plastic bending, plastic analysis, statical method, Mechanism method.

Unsymmetrical bending : Moment of inertia, product of inertia, position of Neutral Axis and Principal axes, calculation of bending stresses.

2. Design of Structures : Steel, Concrete and Masonry Structures.

2.1 Structural Steel Design :

Structural steel : Factors of safety and load factors. Riveted, bolted and welded joints and connections. Design of tension and compression members, beams of built up section, riveted and welded plate girders, gantry girders, stanchions with battens and lacings.

2.2 Design of Concrete and Masonry Structures :

Concept of mix design. Reinforced Concrete : Working Stress and Limit State method of design—Recommendations of I. S. codes. Design of one way and two way slabs, stair-case slabs,

simple and continuous beams of rectangular, T and L sections. Compression members under direct load with or without eccentricity.

Cantilever and Counter fort type retaining walls.

Watertanks : Design requirements for Rectangular and circular tanks resting on ground.

Prestressed Concrete : Methods and systems of prestressing, anchorages, Analysis and design of sections for flexure based on working stress, loss of prestress.

Design of brick masonry as per I. S. Codes

3. Fluid Mechanics, Open Channel Flow and Hydraulic Machines :

3.1 Fluid Mechanics :

Fluid properties and their role in fluid motion, fluid statics including forces acting on plane and curve surfaces.

Kinematics and Dynamics of Fluid flow: Velocity and accelerations, stream lines, equation of continuity, irrotational and rotational flow, velocity potential and stream functions.

Continuity, momentum, energy equation, Navier Stokes equation, Euler's equation of motion, application to fluid flow problems, pipe flow, sluice gates, weirs.

3.2 Dimensional Analysis and Similitude: Buckingham's Pi-theorem, dimensionless parameters.

3.3 Laminar Flow:

Laminar flow between parallel, stationary and moving plates, flow through tube.

3.4 Boundary layer:

Laminar and turbulent boundary layer on a flat plate, laminar sub-layer, smooth and rough boundaries, drag and lift.

Turbulent flow through pipes : Characteristics of turbulent flow, velocity distribution and variation of pipe friction factor, hydraulic grade line and total energy line.

3.5 Open Channel Flow :

Uniform and non-uniform flows, momentum and energy correction factors, specific energy and specific force, critical depth, rapidly varied flow, hydraulic jump, gradually varied flow, classification of surface profiles, control section, step method of integration of varied flow equation.

3.6 Hydraulic Machines and Hydropower:

Hydraulic turbines, types classification, Choice of turbines performance parameters, controls, characteristics, specific speed.

Principles of hydropower development.

4. Geotechnical Engineering :

Soil Type and Structure—gradation and particle size distribution—consistency limits.

Water in soil—capillary and structural—effective stress and pore water pressure—permeability concept—filed and laboratory determination of permeability—Seepage pressure—quick sand conditions—Shear strength determination—Mohr Coulomb concept.

Compaction of soil—Laboratory and filed test.

Compressibility and consolidation concept—consolidation theory—consolidation settlement analysis.

Earth pressure theory and analysis for retaining walls, Application for sheet piles and Braced excavation.

Bearing capacity of soil—approaches for analysis- Filed tests—settlement analysis—stability of slope of earth walk.

Subsurface exploration of soils—methods

Foundation—Type and selection criteria for foundation of structures—Design criteria for foundation—Analysis of distribution of stress for footings and pile—pile group action—pile load test.

Ground improvement techniques.

PAPER—II

1. Construction Technology, Equipment, Planning and Management

1.1 Construction Technology

Engineering Materials :

Physical properties of construction materials with respect to their use in construction—Stones, Bricks and Tiles; Lime, Cement, different types of Mortars and Concrete.

Specific use of ferro cement, fibre reinforced C. C., High strength concrete.

Timber; Properties defects—common preservation treatments.

Use and selection of materials for specific use like Low Cost Housing, Mass Housing, High Rise Buildings.

1.2 Construction :

Masonry principles using Brick, stone, Blocks—construction detailing and strength characteristics.

Types of plastering, pointing, flooring, roofing and construction features.

Common repairs in buildings.

Principle of functional planning of building for residents and specific use—Building code provisions.

Basic principles of detailed and approximate estimating—specification writing and rate analysis—principles of valuation of real property.

Machinery for earthwork, concreting and their specific uses—Factors affecting selection of equipments—operating cost of equipments.

1.3 CONSTRUCTION PLANNING AND MANAGEMENT:

Construction activity—schedules—organization for construction industry—Quality assurance principles.

Use Basic principle of network—analysis in form of CPM and PERT—their use in construction monitoring, Cost optimization and resource allocation.

Basic principles of Economic analysis and methods.

Project profitability—Basic principles of Boot approach to financial planning—simple toll fixation criterions.

2. Surveying and Transportation Engineering

2.1 Surveying : Common methods and instruments for distance and angle measurement for CE work—their use in plane table, traverse survey, levelling work, triangulation, contouring and topographical map.

Basic principles of photogrammetry and remote sensing.

2.2 Railways Engineering : Permanent way—components, types and their function—Functions and Design constituents of turn and crossing—Necessity of geometric design of track—Design of station and yards.

2.3 Highway Engineering :

Principles of Highway alignments—classification and geometrical design elements and standards for Roads.

Pavement structure for flexible and rigid pavements—Design principles and methodology of pavements.

Typical construction methods and standards of materials for stabilized soil, WBM, Bituminous works and CC roads.

Surface and sub—surface drainage arrangements for roads—culvert structures.

Pavement distresses and strengthening by overlays.

Traffic surveys and their application in traffic planning—Typical design features for channelized, intersection rotary etc.—signal designs—standard Traffic signs and markings.

3. Hydrology, Water Resources and Engineering :

3.1 Hydrology :

Hydrological cycle, precipitation, evaporation, transpiration, infiltration, overland flow, hydrograph, flood frequency analyses, flood routing through a reservoir, channel flow routing—Muskingam method.

3.2 Ground Water flow :

Specific yield, storage coefficient, coefficient of permeability, confined and unconfined aquifers, aquifers, aquitards, radial flow into a well under confined and unconfined conditions.

3.3 Water Resources Engineering :

Ground and surface water resources, single and multipurpose projects, storage capacity of reservoirs, reservoir losses, reservoir sedimentation.

3.4 Irrigation Engineering :

- (i) Water requirements of crops : consumptive use, duty and delta, irrigation methods and their efficiencies.
- (ii) Canals : Distribution systems for cannal irrigation, canal capacity, canal losses, alignment of main and distributory canals, most efficient section, lined canals, their design, regime theory, critical shear stress, bed load.
- (iii) Water logging : causes and control, salinity.
- (iv) Canal structures : Design of head regulators, canal falls, aqueducts, metering flumes and canal outlets.
- (v) Diversion head work : Principles and design of weirs on permeable and impermeable foundation, Khosla's theory, energy dissipation.
- (vi) Storage works : Types of dams, design, principles of rigid gravity stability analysis.
- (vii) Spillways : Spillway types, energy dissipation.
- (viii) River training : Objectives of river training, methods of river training.

4. Environmental Engineering

4.1 Water Supply :

Predicting demand for water, impurities of water and their significance, physical, chemical and bacteriological analysis, waterborne diseases, standards for potable water.

4.2 Intake of Water :

Water treatment: principles of coagulation, flocculation and sedimentation; slow-, rapid-, pressure-, filters; chlorination, softening, removal of taste, odour and salinity.

4.3 Sewerage Systems :

Domestic and industrial wastes, store sewage—separate and combined systems, flow through sewers, design of sewers.

4.4 Sewage Characterisation :

BOD, COD, solids, dissolved oxygen, nitrogen and TOC. Standards of disposal in normal water course and on land.

4.5 Sewage Treatment :

Working principles, units, chambers, sedimentation tank, trickling filters, oxidation ponds, activated sludge process, septic tank, disposal of sludge, recycling of waste water.

4.6 Solid waste :

Collection and disposal in rural and urban contexts, management of long-term ill-effects.

5. Environmental pollution :

Sustainable development. Radioactive wastes and disposal. Environmental impact assessment for thermal power plants, mines, river valley projects. Air pollution. Pollution control acts.

COMMERCE AND ACCOUNTANCY**PAPER I****Accounting and Finance****Accounting, Taxation & Auditing****1. Financing Accounting :**

Accounting as a financial information system; Impact of behavioural sciences. Accounting Standards e.g., Accounting for Depreciation, Inventories, Research and Development Costs, Long-term Construction Contracts, Revenue Recognition, Fixed Assets, Contingencies, Foreign Exchange Transactions, Investments and Government Grants, Cash Flow Statement, Earnings per Share.

Accounting for Share Capital Transactions including Bonus Shares, Right Shares.

Employees Stock Option and Buy-Back of Securities.

Preparation and Presentation of Company Final Accounts.

Amalgamations, Absorption and Reconstruction of companies.

2. Cost Accounting :

Nature and functions of cost accounting. Installation of Cost Accounting System. Cost Concepts related to Income Measurement, Profit

Planning, Cost Control and Decision Making.

Methods of Costing: Job Costing, Process Costing, Activity Based Costing.

Volume-cost-Profit Relationship as a tool of Profit Planning.

Incremental Analysis/Differential Costing as a Tool of Pricing Decisions, Product Decisions, Make or Buy Decisions, Shut-Down Decisions etc.

Techniques of Cost Control and Cost Reduction: Budgeting as a Tool of Planning and Control. Standard Costing and Variance Analysis.

Responsibility Accounting and Divisional Performance Measurement.

3. Taxation :

Income Tax: Definitions. Basis of charge; Incomes which do not form part of total income. Simple problems of Computation of Income (of individuals only) under various heads, i.e., Salaries, Income from House Property, Profits and Gains from Business or Profession, Capital Gains, Income from other sources, Income of other Persons included in Assessee's Total Income.

Set-off and Carry forward of Loss.

Deductions from Gross Total Income.

Salient Features/Provisions Related to VAT and Services Tax.

4. Auditing :

Company Audit: Audit related to Divisible Profits, Dividends, Special investigations, Tax audit.

Audit of Banking, Insurance, Non-Profit Organization and Charitable Societies/Trusts/ Organizations.

Financial Management, Financial Institutions and Markets

1. Financial Management:

Finance Function : Nature, Scope and Objectives of Financial Management : Risk and Return Relationship.

Tools of Financial Analysis: Ratio Analysis, Funds-Flow and Cash-Flow Statement.

Capital Budgeting Decisions: Process, Procedures and Appraisal Methods. Risk and Uncertainty Analysis and Methods.

Cost of Capital : Concept, Computation of Specific Costs and Weighted Average Cost of Capital. CAPM as a Tool of Determining Cost of Equity Capital.

Financing Decisions: Theories of Capital Structure—Net Income (NI) Approach.

Net Operating Income (NOI) Approach, MM Approach and Traditional Approach. Designing of Capital structure: Types of Leverages (Operating, Financial and Combined), EBIT-EPS Analysis, and other Factors.

Dividend Decisions and Valuation of Firm : Walter's Model, MM Thesis, Gordon's Model Lintner's Model. Factors Affecting Dividend Policy.

Working Capital Management: Planning of Working Capital. Determinants of Working Capital. Components of Working Capital—Cash, Inventory and Receivables.

Corporate Restructuring with focus on Mergers and Acquisitions (Financial aspect only).

2. Financial Markets and Institutions:

Indian financial System: An Overview

Money Markets: Participants, Structure and Instruments. Commercial Banks. Reforms in Banking sector. Monetary and Credit Policy of RBI. RBI as a Regulator.

Capital Market: Primary and Secondary Market. Financial Market Instruments and Innovative Debt Instruments; SEBI as a Regulator.

Financial Services: Mutual Funds, Venture Capital, Credit Rating Agencies, Insurance and IRDA.

PAPER-II

Organisation Theory and Behaviours, Human Resource Management and Industrial Relations

Organisation Theory and Behaviour

1. Organisation Theory :

Nature and concept of Organisation; External Environment of Organisation—Technological, Social, Political, Economical and Legal; Organizational Goals Primary and Secondary Goals, Single and Multiple Goals; Management by Objectives.

Evolution of Organisation theory : Classical Neo-classical and System Approach.

Modern Concepts of Organisation Theory: Organisational Design, Organisational Structure and Organisational Culture.

Organisational Design—Basic Challenges; Differentiation and Integration Process; Centralization and Decentralization Process; Standardization/Formalization and Mutual Adjustment. Coordinating Formal and Informal Organizations. Mechanistic and Organic Structures.

Designing Organizational structures—Authority and Control; Line and Staff Functions, Specialization and Coordination. Types of Organization Structure—Functional, Matrix Structure, Project Structure. Nature and Basis of Power, Sources of Power, Power Structure and Politics. Impact of Information Technology on Organizational Design and Structure.

Managing Organizational Culture.

2. Organisation Behaviour:

Meaning and Concept; Individual in organization: Personality, Theories, and Determinants; Perception Meaning and Process.

Motivation: Concepts, Theories and Applications. Leadership—Theories and Styles. Quality of Work Life (QWL): Meaning and its impact on Performance, Ways of its Enhancement. Quality Circles (QC)—Meaning and their Importance. Management of Conflicts in Organizations. Transactional Analysis, Organizational Effectiveness, Management of Change.

Human Resources Management and Industrial Relations

1. Human Resources Management (HRM):

Meaning Nature and Scope of HRM, Human Resource Planning, Job Analysis, Job Description, Job Specification, Recruitment Process, Selection Process, Orientation and Placement, Training and Development Process, Performance Appraisal and 360° Feed Back, Salary and Wage Administration, Job Evaluation, Employee Welfare, Promotions, Transfers and Separations.

2. Industrial Relations (IR):

Meaning, Nature, Importance and Scope of IR, Formation of Trade Union, Trade Union Legislation, Trade Union Movement in India. Recognition of Trade Unions, Problems of Trade Unions in India. Impact of Liberalization on Trade Union Movement.

Nature of Industrial Disputes: Strikes and Lockouts, Causes of Disputes, Prevention and Settlement of Disputes.

Worker's Participation in Management: Philosophy, Rationale, Present Day Status and Future Prospects.

Adjudication and Collective Bargaining.

Industrial Relations in Public Enterprises Absenteeism and Labour Turnover in Indian Industries and their Causes and Remedies.

ILO and its Functions.

ECONOMICS**PAPER—I****1. Advanced Micro Economics :**

- (a) Marshallian and Varrasiam Approaches to Price determination.
- (b) Alternative Distribution Theories; Ricardo, Kaldor, Kaleeki.
- (c) Markets Structure : Monopolistic Competition, Duopoly, Oligopoly.
- (d) Modern Welfare Criteria : Pareto Hicks and Scitovsky, Arrow's Impossibility Theorem, A. K. Sen's Social Welfare Function.

2. Advance Macro Economics :

Approaches to Employment Income and Interest Rate determination : Classical, Keynes (IS-LM) curve, Neo classical synthesis and New classical, Theories of Interest Rate determination and Interest Rate Structure.

3. Money-Banking and Finance :

- (a) Demand for and Supply of Money : Money Multiplier Quantity Theory of Money (Fisher, Pique and Friedman) and Keyne's Theory on Demand for Money, Goals and Instruments of Monetary Management in Closed and Open Economies. Relation between the Central Bank and the Treasury. Proposal for ceiling on growth rate of money.
- (b) Public Finance and its Role in market Economy : In stabilisation of supply, allocative, of resources and in distribution and development. Sources of Government revenue, forms of Taxes and Subsidies, their incidence and effects. Limits to taxation, loans, crowding-out effects and limits to borrowings. Public expenditure and its effects.

4. International Economics

- (a) Old and New theories of International Trade.
 - (i) Comparative advantage,
 - (ii) Terms of Trade and Offer Curve.
 - (iii) Product Cycle and Strategic Trade Theories.
 - (iv) Trade as an engine of growth and theories of under development in an open economy.
- (b) Forms of Protection : Tariff and quota.
- (c) Balance of Payments Adjustment : Alternative Approaches.
 - (i) Price versus income, income adjustments under fixed exchange rates.
 - (ii) Theories of Policy Mix.
 - (iii) Exchange rate adjustments under capital mobility.

- (iv) Floating Rates and their Implications for Developing Countries : Currency Boards.
- (v) Trade Policy and Developing Countries.
- (vi) BOP, adjustments and Policy Coordination in open economy macromodel.
- (vii) Speculative attacks.
- (viii) Trade Blocks and Monetary Unions.
- (ix) WTO : TRIMS, TRIPS, Domestic Measures, Different Rounds of WTO talks.

5. Growth and Development :

- (a) (i) Theories of growth : Harrod's model;
- (ii) Lewis model of development with surplus labour.
- (iii) Balanced Unbalanced growth.
- (iv) Human Capitals and Economic growth.
- (v) Research and Development and Economic Growth.
- (b) Process of Economic Development of less developed countries : Myrdal and Kuzments on economic development and structural change : Role of Agriculture in Economic Development of less developed countries.
- (c) Economic development and International Trade and Investment, Role of Multinationals.
- (d) Planning and Economic development : changing role of Markets and Planning, Private—Public Partnership.
- (e) Welfare indicators and measures of growth—Human Development Indices. The basic needs approach.
- (f) Development and Environmental Sustainability—Renewable and Non-renewable Resources, Environmental Degradation, Intergenerational equity development.

PAPER II**Indian Economics in Post-Independence Era :**

Land System and its changes, Commercialization of agriculture Drain theory, Laissez faire theory and critique. Manufacture and Transport : Jute, Cotton, Railways, Money and Credit.

Indian Economy after Independence :

- A. The Pre-Liberalization Era :
 - (i) Contribution of Vakil, Gadgil and V.K.R.V. Rao.
 - (ii) Agriculture : Land Reforms and land tenure system, Green Revolution and capital formation in agriculture.
 - (iii) Industry Trends in composition and growth, Role of public and private sector, small scale and cottage industries.
 - (iv) National and Per capita income : Patterns, trends, aggregate and sectoral composition and changes therein.

(v) Broad factors determining National Income and distribution, Measures of poverty, Trends in poverty and inequality.

B. The Post Liberalization Era :

- (i) New Economic Reform and Agriculture : Agriculture and WTO, Food processing, subsidies, Agricultural prices and public distribution system, Impact of public expenditure on agricultural growth.
- (ii) New Economic Policy and Industry : Strategy of industrialization, Privatization, Disinvestments, Role of foreign direct investment and multinationals.
- (iii) New Economic Policy and Trade : Intellectual property rights : Implications of TRIPS, TRIMs, GATS and new EXIM policy.
- (iv) New Exchange Rate Regime : Partial and full convertibility, Capital account convertibility.
- (v) New Economic Policy and public finance : Fiscal Responsibility Act, Twelfth Finance Commission and Fiscal Federalism and Fiscal Consolidation.
- (vi) New Economic Policy and Monetary system. Role of RBI under the new regime.
- (vii) Planning : From central Planning to indicative planning, Relation between planning and markets for growth and decentralized planning : 73rd and 74th Constitutional amendments.
- (viii) New Economic Policy and Employment : Employment and poverty, Rural wages, Employment Generation, Poverty alleviation schemes, New Rural Employment Guarantee Scheme.

ELECTRICAL ENGINEERING

PAPER I

I. Circuits—Theory :

Circuit components; network graphs; KCL, KVL; Circuit analysis methods : nodal analysis, mesh analysis; basic network theorems and applications; transient analysis : RL, RC and RLC circuits; sinusoidal steady state analysis; resonant circuits; coupled circuits; balanced 3-phase circuits. Two-port networks.

2. Signals and Systems :

Representation of continuous-time and discrete-time signals and systems; LTI systems; convolution; impulse response; time-domain analysis of LTI systems based on convolution and differential/difference equations. Fourier transform, Laplace transform, Z-transform, Transfer function. Sampling and recovery of signals DFT, FFT Processing of analog signals through discrete-time systems.

3. E.M. Theory :

Maxwell's equations, wave propagation in bounded media. Boundary conditions, reflection and refraction of plane

waves. Transmission lines : travelling and standing waves, impedance matching, Smith chart.

4. Analog Electronics :

Characteristics and equivalent circuits (large and small-signal) of Diode, BJT, JFET and MOSFET. Diode circuits : Clipping, clamping, rectifier. Biasing and bias stability. FET amplifiers. Current mirror; Amplifiers : single and multi-stage, differential, operational feedback and power. Analysis of amplifiers; frequency-response of amplifiers. OPAMP circuits. Filters; sinusoidal oscillators : criterion for oscillation; single-transistor and OPAMP configurations. Function generators and wave-shaping circuits. Linear and switching power supplies.

5. Digital Electronics :

Boolean algebra; minimisation of Boolean functions; logic gates; digital IC families (DTL, TTL, ECL, MOS, CMOS). Combinational circuits : arithmetic circuits, code converters, multiplexers and decoders. Sequential circuits: latches and flip-flops, counters and shift-registers. Comparators, timers, multivibrators. Sample and hold circuits, ADCs and DACs. Semiconductor memories. Logic implementation using programmable devices (ROM, PLA, FPGA).

6. Energy Conversion :

Principles of electromechanical energy conversion : Torque and emf in rotating machines. DC machines : characteristics and performance analysis; starting and speed control of motors. Transformers : principles of operation and analysis; regulation, efficiency; 3-phase transformers. 3-phase induction machines and synchronous machines : characteristics and performance analysis; speed control.

7. Power Electronics and Electric Drives :

Semi-conductor power devices : diode, transistor, thyristor, triac, GTO and MOSFET-static characteristics and principles of operation; triggering circuits; phase control rectifiers; bridge converters : fully-controlled and half-controlled; principles of thyristor choppers and inverters; DC-DC converters; Switch mode inverter; basic concepts of speed control of dc and ac motor drives applications of variable-speed drives.

8. Analog Communication :

Random variables : continuous, discrete; probability, probability functions. Statistical averages: probability models; Random signals and noise : white noise, noise equivalent bandwidth; signal transmission with noise; signal to noise ratio. Linear CW modulation : Amplitude modulation : DSB, DSB-SC and SSB. Modulators and Demodulators; Phase and Frequency modulation : PM & FM signals; narrow band FM; generation & detection of FM and PM, Deemphasis, Preemphasis. CW modulation system : Superhetrodyne receivers, AM receivers, communication receivers, FM receivers, phase locked loop, SSB receiver Signal to noise ratio calculation of AM and FM receivers.

PAPER II**1. Control Systems :**

Elements of control systems; block-diagram representations; open-loop & closed-loop systems; principles and applications of feed-back. Control system components. LTI systems : time-domain and transform-domain analysis. Stability : Routh Hurwitz criterion, root-loci, Bode-plots and polar plots, Nyquist's criterion; Design of lead-lag compensators. Proportional, PI, PID controllers. State-variable representation and analysis of control systems.

2. Microprocessors and Microcomputers :

PC organisation; CPU, instruction set, register setting diagram, programming, interrupts, memory interfacing, I/O interfacing, programmable peripheral devices.

3. Measurement and Instrumentation :

Error analysis; measurement of current voltage, power, energy, power-factor, resistance, inductance, capacitance and frequency; bridge measurements. Signal conditioning circuit; Electronic measuring instruments : multimeter, CRO, digital voltmeter, frequency counter, Q-meter, spectrum-analyser, distortion-meter. Transducers : thermocouple, thermistor, LVDT, strain-gauge, piezo-electric crystal.

4. Power Systems: Analysis and Control :

Steady-state performance of overhead transmission lines and cables; principles of active and reactive power transfer and distribution; per-unit quantities; bus admittance and impedance matrices; load flow; voltage control and power factor correction; economic operation; symmetrical components, analysis of symmetrical and unsymmetrical faults. Concepts of system stability : swing curves and equal area criterion. Static VAR system. Basic concepts of HVDC transmission;

5. Power System Protection :

Principles of overcurrent, differential and distance protection. Concept of solid state relays. Circuit breakers. Computer aided protection : introduction; line, bus, generator, transformer protection; numeric relays and application of DSP to protection.

6. Digital Communication :

Pulse code modulation (PCM), differential pulse code modulation (DPCM), delta modulation (DM), Digital modulation and demodulation schemes : amplitude, phase and frequency keying schemes (ASK, PSK, FSK). Error control coding : error detection and correction, linear block codes, convolution codes. Information measure and source coding. Data networks, 7-layer architecture.

GEOGRAPHY**PAPER I****PRINCIPLES OF GEOGRAPHY****Physical Geography :**

- Geomorphology :** Factors controlling landform development; endogenetic and exogenetic forces; Origin and evolution of the earth's crusts; Fundamentals of geomagnetism; Physical conditions of the earth's interior; Geosynclines; Continental drift; Isostasy; Plate tectonics; Recent views on mountain building; Volcanicity; Earthquakes and Tsunamis; Concepts of geomorphic cycles and Land scape development; Denudation chronology; Channel morphology; Erosion surfaces; Slope development; Applied Geomorphology; Geomorphology, economic geology and environment.
- Climatology :** Temperature and pressure belts of the world; Heat budget of the earth; Atmospheric circulation; Atmospheric stability and instability. Planetary and local winds; Monsoons and jet streams; Air masses and fronto; Temperate and tropical cyclones; Types and distribution of precipitation; Weather and Climate; Koppen's Thornthwaite's and Trewar Tha's classification of world climate; Hydrological cycle; Global climatic change, and role and response of man in climatic changes Applied climatology and Urban climate.
- Oceanography :** Bottom topography of the Atlantic, Indian and Pacific Oceans; Temperature and salinity of the oceans; Heat and salt budgets, Ocean deposits; Waves, currents and tides; Marine resources; biotic, mineral and energy resources; Coral reefs coral bleaching; Sea-level changes; Law of the sea and marine pollution.
- Biogeography :** Genesis of soils; Classification and distribution of soils; Soil profile; Soil erosion, Degradation and conservation; Factors influencing world distribution of plants and animals; Problems of deforestation and conservation measures; Social forestry, agro-forestry; Wild life; Major gene pool centres.
- Environmental Geography :** Principle ecology; Human ecological adaptations; Influence of man on ecology and environment; Global and regional ecological changes and imbalances; Ecosystem their management and conservation; Environmental degradation, management and conservation; Biodiversity and sustainable development; Environmental policy; Environmental hazards and remedial measures; Environmental education and legislation.

Human Geography :

- Perspectives in Human Geography :** Areal differentiation; Regional synthesis; Dichotomy and

dualism; Environmentalism; Quantitative revolution and locational analysis; Radical, behavioural, human and welfare approaches; Languages, religions and secularisation; Cultural regions of the world; Human development index.

2. Economic Geography : World economic development: measurement and problems; World resources and their distribution; Energy crisis; the limits to growth; World agriculture: typology of agricultural regions; Agricultural inputs and productivity; Food and nutrition problems; Food security; famine: causes, effects and remedies; World industries: location patterns and problems; Patterns of world trade.

3. Population and Settlement Geography : Growth and distribution of world population; Demographic attributes; Causes and consequences of migration; Concepts of over-under-and optimum population; Population theories, world population problems and policies, Social well-being and quality of life; Population as social capital.

Types and patterns of rural settlements; Environmental issues in rural settlements; Hierarchy of urban settlements; Urban morphology; Concept of primate city and rank-size rule; Functional classification of towns; Sphere of urban influence; Rural-urban fringe; Satellite towns; Problems and remedies of urbanization; Sustainable development of cities.

4. Regional Planning : Concept of a region; Types of regions and methods of regionalisation; Growth centres and growth poles; Regional imbalances; Regional development strategies; Environmental issues in regional planning; Planning for sustainable development.

5. Models, Theories and Laws in Human Geography : System analysis in Human geography; Malthusian, Marxian and demographic transition models; Central Place theories of Christaller and Losch; Perroux and Boudeville; Von Thunen's model of agricultural location; Weber's model of industrial location; Ostov's model of stages of growth. Heart-land and Rimland theories; Laws of international boundaries and frontiers.

PAPER II

GEOGRAPHY OF INDIA

1. Physical Setting : Space relationship of India with neighbouring countries; Structure and relief; Drainage system and watersheds; Physiographic regions; Mechanism of Indian monsoons and rainfall patterns; Tropical cyclones and western disturbances; Floods and droughts; Climatic regions; Natural vegetation, Soil types and their distributions.

2. Resources : Land, surface and ground water, energy, minerals, biotic and marine resources, Forest and wild life resources and their conservation; Energy crisis.

3. Agriculture : Infrastructure: irrigation, seeds, fertilizers, power; Institutional factors: land holdings, land tenure and land reforms; Cropping pattern, agricultural productivity, agricultural intensity, crop combination, land capability; Agro and social-forestry; Green revolution and its socio-economic and ecological implications; Significance of dry farming; Livestock resources and white revolution; Aqua-culture; Sericulture, Agriculture and poultry; Agricultural regionalisation; Agro-climatic zones; Agro-ecological regions.

4. Industry : Evolution of industries; Locational factors of cotton, jute, textile, iron and steel, aluminium, fertiliser, paper, chemical and pharmaceutical, automobile, cottage and agro-based industries; Industrial houses and complexes including public sector undertakings; Industrial regionalisation; New industrial policy; Multinationals and liberalisation; Special Economic Zones; Tourism including ecotourism.

5. Transport, Communication and Trade : Road, railway, waterway, airway and pipeline networks and their complementary roles in regional development; Growing importance of ports on national and foreign trade; Trade balance; Trade Policy; Export processing zones; Developments in communication and information technology and their impacts on economy and society; Indian space programme.

6. Cultural Setting : Historical Perspective of Indian Society; Racial linguistic and ethnic diversities; religious minorities; Major tribes, tribal areas and their problems; Cultural regions; Growth, distribution and density of population; Demographic attributes: sex-ratio, age structure, literacy rate, work-force, dependency ratio, longevity; migration (inter-regional, interregional and international) and associated problems; Population problems and policies; Health indicators.

7. Settlements : Types, patterns and morphology of rural settlements; Urban developments; Morphology of Indian cities; Functional classification of Indian cities; Conurbations and metropolitan regions; Urban sprawl; Slums and associated problems; Town planning; Problems of urbanisation and remedies.

8. Regional Development and Planning: Experience of regional planning in India; Five Year Plans; Integrated rural development programmes; Panchayati Raj and decentralised planning; Command area development; Watershed management; Planning for backward area, desert, drought-prone, hill tribal area

development; Multi-level planning; Regional planning and development of island territories.

9. Political Aspects : Geographical basis of Indian federalism; State reorganisation; Emergence of new states; Regional consciousness and inter state issues; International boundary of India and related issues; Cross border terrorism; India's role in world affairs; Geopolitics of South Asia and Indian Ocean realm.

10. Contemporary Issues : Ecological issues; Environmental hazards: landslides, earthquakes, Tsunamis, floods and droughts, epidemics; Issues related to environmental pollution; Changes in patterns of land use; Principles of environmental impact assessment and environmental management; Population explosion and food security; Environmental degradation; Deforestation, desertification and soil erosion; Problems of agrarian and industrial unrest; Regional disparities in economic development; Concept of sustainable growth and development; Environmental awareness; Linkage of rivers; Globalisation and Indian economy.

NOTE : Candidates will be required to answer one compulsory map question pertinent to subjects covered by this paper.

GEOLOGY

PAPER I

1. General Geology :

The Solar System, meteorites, origin and interior of the earth and age of earth; Volcanoes—causes and products, Volcanic belts. Earthquakes—causes, effects, seismic zone of India; Island arcs, trenches and mid-ocean ridges; Continental drift; Seafloor spreading, plate tectonics. Isostasy.

2. Geomorphology and Remote Sensing :

Basic concepts of geomorphology. Weathering and soil formations; Landforms, slopes and drainage. Geomorphic cycles and their interpretation. Morphology and its relation to structures and lithology; Coastal geomorphology; Applications of geomorphology in mineral prospecting, civil engineering; hydrology and environmental studies; Geomorphology of Indian sub-continent.

Aerial photographs and their interpretation—merits and limitations; The Electromagnetic spectrum. Orbiting Satellites and Sensor Systems. Indian Remote Sensing Satellites. Satellite data products; Applications of remote sensing in geology; The Geographic Information System (GIS) and Global Positioning System (GPS)—its applications.

3. Structural Geology :

Principles of geologic mapping and map reading, projection diagrams, Stress and strain ellipsoid and stress-strain relationships of elastic, plastic and viscous materials;

Strain markers in deformed rocks. Behaviour of minerals and rocks under deformation conditions. Folds and faults classification and mechanics; Structural analysis of folds, foliations, lineations, joints and faults, unconformities; Time-relationship between crystallization and deformation.

4. Paleontology :

Species—definition and nomenclature; Megafossils and Microfossils. Modes of preservation of fossils; Different kinds of microfossils; Application of microfossils in correlation, petroleum exploration, paleoclimatic and paleoceanographic studies; Evolutionary trend in Hominidae, Equidae and Proboscidae. Siwalik fauna.

Gondwana flora and fauna and its importance; Index fossils and their significance.

5. Indian Stratigraphy :

Classification of stratigraphic sequences: lithostratigraphic, biostratigraphic, chrono-stratigraphic and magnetostratigraphic and their interrelationships; Distribution and classification of Precambrian rocks of India; Study of stratigraphic distribution and lithology of Phanerozoic rocks of India with reference to fauna, flora and economic importance. Major boundary problems—Cambrian/Precambrian, Permian/Triassic, Cretaceous/Tertiary and Pliocene/Pleistocene; Study of climatic conditions, paleogeography and igneous activity in the Indian subcontinent in the geological past. Tectonic framework of India. Evolution of the Himalayas.

6. Hydrogeology and Engineering Geology :

Hydrologic cycle and genetic classification of water; Movement of subsurface water; Springs; Porosity, permeability, hydraulic conductivity, transmissivity and storage coefficient, classification of aquifers; Water-bearing characteristics of rocks; Groundwater chemistry. Salt water intrusion. Types of wells. Drainage basin morphometry; Exploration for groundwater; Groundwater recharge; Problems and management of groundwater; Rainwater harvesting; Engineering properties of rocks; Geological investigations for dams, tunnels highways, railway and bridges; Rock as construction material; Landslides causes, prevention and rehabilitation; Earthquake-resistant structures.

PAPER II

1. Mineralogy :

Classification of crystals into systems and classes of symmetry; International system of crystallographic notation; Use of projection diagrams to represent crystal symmetry; Elements of X-ray crystallography.

Physical and chemical characters of rock forming silicate mineral groups; Structural classification of silicates; Common minerals of igneous and metamorphic rocks; Minerals of the carbonate, phosphate, sulphide and halide groups; Clay minerals.

Optical properties of common rock forming minerals; Pleochroism, extinction angle, double refraction, birefringence, twinning and dispersion in minerals.

2. Igneous and Metamorphic Petrology :

Generation and crystallisation of magmas. Crystallisation of albite—anorthite, diopside—anorthite and diopside—wollastonite—silica systems. Bowen's Reaction Principle; Magmatic differentiation and assimilation. Petrogenetic significance of the textures and structures of igneous rocks. Petrography and petrogenesis of granite, syenite, diorite, basic and ultrabasic groups, charnockite, anorthosite and alkaline rocks. Carbonatites. Deccan volcanic province.

Types and agents of metamorphism. Metamorphic grades and zones; Phase rule. Facies of regional and contact metamorphism; ACF and AKF diagrams; Textures and structures of metamorphic rocks. Metamorphism of arenaceous, argillaceous and basic rocks; Minerals assemblages. Rétrograde metamorphism; Metasomatism and granitisation, migmatites. Granulite terrains of India.

3. Sedimentary Petrology :

Sedimentas and Sedimentary rocks: Processes of formation; diogenesis and lithification; Clastic and non-clastic rocks-their classification, petrography and depositional environment; Sedimentary facies and provenance. Sedimentary structures and their significance. Heavy minerals and their significance. Sedimentary basins of India.

4. Economic Geology :

Ore, ore mineral and gangue, tenor of ore. Classification of ore deposits; Processes of formation of mineral deposits; Controls of ore localisation; Ore textures and structures; Metallogenic epochs and provinces; Geology of the important Indian deposits of aluminium, chromium, copper, gold, iron, lead, zinc, manganese, titanium, uranium and thorium and industrial minerals; Deposits of coal and petroleum in India, National Mineral Policy; Conservation and utilization of mineral resources. Marine mineral resources and Law of Sea.

5. Mining Geology :

Methods of prospecting—geological, geophysical, geochemical and geobotanical; Techniques of sampling. Estimation of reserves of ore; Methods of exploration and mining-metallic ores, industrial minerals, marine mineral resources and building stones. Mineral beneficiation and ore dressing.

6. Geochemistry and Environmental Geology :

Cosmic abundance of elements. Composition of the planets and meteorites. Structure and composition of earth and distribution of elements. Trace elements. Elements of crystal chemistry-types of chemical bonds, coordination number. Isomorphism and polymorphism. Elementary thermodynamics.

Natural hazards—floods, mass wasting, costal hazards, earthquakes and volcanic activity and mitigation; Environmental impact of urbanization, mining, industrial and radioactive waste disposal, use of fertilizers, dumping of mine waste and fly-ash. Pollution of ground and surface water, marine pollution. Environment protection—legislative measures in India; Sea level changes: causes and impact.

HISTORY PAPER I

1. Sources

Archaeological sources:

Exploration, excavation, epigraphy, numismatics, monuments

Literary sources:

Indigenous: Primary and secondary; poetry, scientific literature, literature in regional languages, religious literature.

Foreign account: Greek, Chinese and Arab writers.

2. Pre-history and Proto-history:

Geographical factors; hunting and gathering (paleolithic and mesolithic); Beginning of agriculture (neolithic and chalcolithic).

3. Indus Valley Civilization:

Origin, date, extent, characteristics—decline, survival and significance, art and architecture.

4. Megalithic Cultures:

Distribution of pastoral and farming cultures outside the Indus, Development of community life, Settlements, Development of agriculture, Crafts, Pottery, and Iron industry.

5. Aryans and Vedic Period:

Expansions of Aryans in India :

Vedic Period: Religious and philosophic literature; Transformation from Rig Vedic period to the later Vedic period; Political, social and economical life; Significance of the Vedic Age; Evolution of Monarchy and Varna system.

6. Period of Mahajanapadas:

Formation of States (Mahajanapada): Republics and monarchies; Rise of urban centres; Trade routes; Economic growth; Introduction of coinage; Spread of Jainism and Buddism; Rise of Magadha and Nandas.

Iranian and Macedonian invasions and their impact.

7. Mauryan Empire:

Foundation of the Mauryan Empire, Chandragupta, Kautilya and Arthashastra; Ashoka; Concept of Dharma; Edicts; Polity, Administration, Economy; Art, architecture and sculpture; External contacts; Religion; Spread of religion; Literature.

Disintegration of the empire; Sungas and Kanvas.

8. Post-Mauryan Period (Indo-Greeks, Sakas, Kushanas, Western Kshatrapas):

Contact with outside world; growth of urban centres, economy, coinage, development of religions, Mahayana, social conditions, art, architecture, culture, literature and science.

9. Early State and Society in Eastern India, Deccan and South India:

Kharavela, The Satavahanas, Tamil States of the Sangam Age; Administration, Economy, land grants, coinage, trade guilds and urban centres; Buddhist centres; Sangam literature and culture; Art and architecture.

10. Guptas, Vakatakas and Vardhanas:

Polity and administration, Economic conditions, Coinage of the Guptas, Land grants, Decline of urban centres, Indian Feudalism, Caste system, Position of women, Education and educational institutions; Nalanda, Vikramshila and Vallabhi, Literature, scientific literature, art and architecture.

11. Regional States during Gupta Era:

The Kadambas, Pallavas, Chalukyas of Badami; Polity and Administration, Trade guilds, Literature; growth of Vaishnava and Saiva religions. Tamil Bhakti movement, Shankaracharya; Vedanta; Institutions of temple and temple architecture; Palas, Senas, Rashtrakutas, Paramaras, Polity and administration; Cultural aspects. Arab conquest of Sind; Alberuni, The Chalukys of Kalyana, Cholas, Hoysalas, Pandiyas; Polity and Administration; Local Government; Growth of art and architecture, religious sects, Institution of temple and Mathas, Agraharas, education and literature, economy and society.

12. Themes in Early Indian Cultural History:

Languages and texts, major stages in the evolution of art and architecture, major philosophical thinkers and schools, ideas in Science and Mathematics.

13. Early Medieval India, 750-1200:

- Polity: Major political developments in Northern India and the peninsula, origin and the rise of Rajputs
- The Cholas: administration, village economy and society “Indian Feudalism”
- Agrarian economy and urban settlements
- Trade and commerce
- Society: the status of the Brahman and the new social order
- Condition of women
- Indian science and technology.

14. Cultural Traditions in India, 750-1200:

- Philosophy: Skankaracharya and Vedanta, Ramanuja and Vishishtadvaita, Madhva and Brahma-Mimansa
- Religion: Forms and features of religion, Tamil devotional cult, growth of Bhakti, Islam and its arrival in India, Sufism.
- Literature: Literature in Sanskrit, growth of Tamil literature, literature in the newly developing languages, Kalhan's Rajtarangini, Alberuni's India
- Art and Architecture: Temple architecture, sculpture, painting

15. The Thirteenth Century:

- Establishment of the Delhi Sultanate: The Ghurian invasions - factors behind Ghurian success
- Economic, Social and cultural consequences
- Foundation of Delhi Sultanate and early Turkish Sultans
- Consolidation: The rule of Ilutmish and Balban.

16. The Fourteenth Century:

- “The Khalji Revolution”
- Alauddin Khalji: Conquests and territorial expansion, agrarian and economic measure.
- Muhammad Tughluq: Major projects, agrarian measures, bureaucracy of Muhammad Tughluq.
- Firuz Tugluq: Agrarian measures, achievements in civil engineering and public works, decline of the Sultanate, foreign contacts and Ibn Battuta's account.

17. Society, Culture and Economy In the Thirteenth and Fourteenth Centuries:

- Society: composition of rural society, ruling classes, town dwellers, women, religious classes, caste and slavery under the Sultanate, Bhakti movement, Sufi movement
- Culture: Persian literature, literature in the regional languages of North India, literature in the languages of South India, Sultanate architecture and new structural forms, painting, evolution of a composite culture.
- Economy: Agricultural Production, rise of urban economy and non-agricultural production, trade and commerce.

18. The Fifteenth and Early Sixteenth Century -Political Developments and Economy:

- Rise of Provincial Dynasties : Bengal, Kashmir (Zainul Abedin), Gujarat,
- Malwa, Bahmanids.
- The Vijayanagara Empire.
- Lodis.
- Mughal Empire, first phase : Babur, Humayun.
- The Sur Empire : Sher Shah's administration.
- Portuguese colonial enterprise, Bhakti and Sufi Movements

19. The Fifteenth and Early Sixteenth Century- Society and culture:

- Regional cultures specificities
- Literary traditions
- Provincial architectural
- Society, culture, literature and the arts in Vijayanagara Empire.

20. Akbar :

- Conquests and consolidation of empire.
- Establishment of *jagir* and *mansab* systems.
- Rajput policy.
- Evolution of religious and social outlook. Theory of *Sulh-i-kul* and religious policy.
- Court patronage of art and technology.

21. Mughal Empire in the Seventeenth Century:

- Major administrative policies of Jahangir, Shahjahan and Aurangzeb.
- The Empire and the Zamindars.
- Religious policies of Jahangir, Shahjahan and Aurangzeb.
- Nature of the Mughal state.
- Late Seventeenth Century crisis and the revolts
- The Ahom kingdom
- Shivaji and the early Maratha Kingdom.

22. Economy and society, in the 16th and 17th Centuries :

- Population. Agricultural and craft production.
- Towns, commerce with Europe through Dutch, English and French companies : a trade revolution.
- Indian mercantile classes. Banking, insurance and credit systems.
- Conditions of peasants, Condition of Women.
- Evolution of the Sikh community and the Khalsa Panth

23. Culture during Mughal Empire :

- Persian histories and other literature
- Hindi and religious literatures.
- Mughal architecture.
- Mughal painting.
- Provincial architecture and painting.
- Classical music.
- Science and technology.

24. The Eighteenth Century :

- Factors for the decline of the Mughal Empire.
- The regional principalities: Nizam's Deccan, Bengal, Awadh
- Maratha ascendancy under the Peshwas.
- The Maratha fiscal and financial system.
- Emergence of Afghan power Battle of Panipat, 1761.
- State of, political, cultural and economic, on eve of the British conquest.

PAPER-II**1. European Penetration into India:**

The Early European Settlements; The Portuguese and the Dutch; The English and the French East India Companies; Their struggle for supremacy; Camatic Wars; Bengal-The conflict between the English and the Nawabs of Bengal; Siraj and the English; The Battle of Plassey; Significance of Plassey.

2. British Expansion in India:

Bengal-Mir Jafar and Mir Kasim; The Battle of Buxar; Mysore; The Marathas; The three Anglo-Maratha Wars; The Punjab.

3. Early Structure of the British Raj:

The Early administrative structure; From diarchy to direct control; The Regulating act (1773); The Pitt's India Act (1784); The Charter act (1833); The Voice of free trade and the changing character of British colonial rule; The English utilitarian and India.

4. Economic Impact of British Colonial Rule:

- (a) Land revenue settlements in British India; The Permanent Settlement; Ryotwari Settlement; Mahalwari Settlement; Economic impact of the revenue arrangements; Commercialization of agriculture; Rise of landless agrarian labourers; Impoverishment of the rural society.
- (b) Dislocation of traditional trade and commerce; De-industrialisation; Decline of traditional crafts; Drain of wealth; Economic transformation of India; Railroad and communication network including telegraph and postal services; Famine and poverty in the rural interior; European business enterprise and its limitations.

5. Social and Cultural Developments:

The state of indigenous education, its dislocation; Orientalist-Anglicist controversy, The introduction of western education in India; The rise of press, literature and public opinion; The rise of modern vernacular literature; Progress of science; Christian missionary activities in India.

6. Social and Religious Reform Movements in Bengal and Other Areas:

Ram Mohan Roy, The Brahmo Movement; Devendranath Tagore; Iswarchandra Vidyasagar; The Young Bengal Movement; Dayananda Saraswati; The social reform movements in India including Sati, widow remarriage, child marriage etc.; The contribution of Indian renaissance to the growth of modern India; Islamic revivalism-the Feraizi and Wahabi Movements.

7. Indian Response to British Rule:

Peasant movement and tribal uprisings in the 18th and 19th centuries including the Rangpur Dhing (1783), the Kol Rebellion (1832), the Mopla Rebellion in Malabar (1841-1920), the Santal Hul (1855), Indigo Rebellion (1859-60), Deccan Uprising (1875) and the Munda Ulgulan (1899-1900); The Great Revolt of 1857—Origin, character, causes of failure, the consequences; The shift in the character of peasant uprisings in the post-1857 period; the peasant movements of the 1920s and 1930s.

8. Factors leading to the birth of Indian Nationalism; Politics of Association; The Foundation of the Indian National Congress; The Safety-valve thesis relating to the birth of the Congress; Programme and objectives of Early Congress; the social composition of early Congress leadership; the Moderates and Extremists; The Partition of Bengal (1905); The Swadeshi Movement in Bengal; the economic and political aspects of Swadeshi Movement; The beginning of revolutionary extremism in India.**9. Rise of Gandhi; Character of Gandhian nationalism; Gandhi's popular appeal; Rowlatt Satyagraha; the Khilafat Movement; the Non-cooperation Movement; National politics from the end of the Non-cooperation movement to the beginning of the Civil Disobedience Movement; the two phases of the Civil Disobedience Movement; Simon Commission; The Nehru Report; the Round Table Conferences; Nationalism and the Peasant Movements; Nationalism and Working class movements; Women and Indian youth and students in Indian politics (1885-1947); the election of 1937 and the formation of ministries; Cripps Mission; the Quit India Movement; the Wavell Plan; The Cabinet Mission.****10. Constitutional Developments in the Colonial India between 1858 and 1935.****11. Other strands in the National Movement.**

The Revolutionaries: Bengal, the Punjab, Maharashtra, U.P. the Madras Presidency, Outside India.

The Left; The Left within the Congress: Jawaharlal Nehru, Subhas Chandra Bose, the Congress Socialist Party; the Communist Party of India, other left parties.

12. Politics of Separatism; the Muslim League; the Hindu Mahasabha; Communalism and the politics of partition; Transfer of power; Independence.**13. Consolidation as a Nation; Nehru's Foreign Policy; India and her neighbours (1947-1964); The linguistic reorganisation of States (1935-1947); Regionalism and regional inequality; Integration of Princely States; Princes in electoral politics; the Question of National Language.****14. Caste and Ethnicity after 1947; Backward castes and tribes in post-colonial electoral politics; Dalit movements.****15. Economic development and political change; Land reforms; the politics of planning and rural reconstruction; Ecology and environmental policy in post-colonial India; Progress of science.****16. Enlightenment and Modern ideas:**

- (i) Major Ideas of Enlightenment : Kant, Rousseau.
- (ii) Spread of Enlightenment in the colonies.
- (iii) Rise of socialist ideas (up to Marx); spread of Marxian Socialism.

17. Origins of Modern Politics :

- (i) European States System.
- (ii) American Revolution and the Constitution.
- (iii) French Revolution and Aftermath, 1789-1815.
- (iv) American Civil War with reference to Abraham Lincoln and the abolition of slavery.
- (v) British Democratic politics, 1815-1850 : Parliamentary Reformers, Free Traders, Chartists.

18. Industrialization :

- (i) English Industrial Revolution : Causes and Impact on Society.
- (ii) Industrialization in other countries : USA, Germany, Russia, Japan.
- (iii) Industrialization and Globalization.

19. Nation-State System :

- (i) Rise of Nationalism in 19th century.
- (ii) Nationalism : State-building in Germany and Italy.
- (iii) Disintegration of Empires in the face of the emergence of nationalities across the world.

20. Imperialism and Colonialism :

- (i) South and South-East Asia.
- (ii) Latin America and South Africa.
- (iii) Australia.
- (iv) Imperialism and free trade: Rise of neo-imperialism.

21. Revolution and Counter-Revolution :

- (i) 19th Century European revolutions.
- (ii) The Russian Revolution of 1917-1921.
- (iii) Fascist Counter-Revolution, Italy and Germany.
- (iv) The Chinese Revolution of 1949.

22. World Wars :

- (i) 1st and 2nd World Wars as Total Wars : Societal implications.
- (ii) World War I : Causes and Consequences.
- (iii) World War II : Causes and Consequences.

23. The World after World War II:

- (i) Emergence of Two power blocs.
- (ii) Emergence of Third World and non-alignment
- (iii) UNO and the global disputes.

24. Liberation from Colonial Rule :

- (i) Latin America-Bolivar.
- (ii) Arab World-Egypt.
- (iii) Africa-Apartheid to Democracy.
- (iv) South-East Asia-Vietnam.

25. Decolonization and Under development :

- (i) Factors constraining Development ; Latin America, Africa.

26. Unification of Europe :

- (i) Post War Foundations ; NATO and European Community.
- (ii) Consolidation and Expansion of European Community
- (iii) European Union.

27. Disintegration of Soviet Union and the Rise of the Unipolar World :

- (i) Factors leading to the collapse of Soviet Communism and Soviet Union, 1985-1991.
- (ii) Political Changes in East Europe 1989-2001.
- (iii) End of the Cold War and US Ascendancy in the World as the lone superpower.

LAW
PAPER-I

Constitutional and administrative Law :

1. Constitution and Constitutionalism: The distinctive features of the Constitution.
2. Fundamental Rights—Public interest litigation; Legal Aid; Legal services authority.
3. Relationship between Fundamental rights, Directive principles and Fundamental duties.
4. Constitutional Position of the President and relation with the Council of Ministers.
5. Governor and his powers.
6. Supreme Court and the High Courts:
 - (a) Appointments and transfer.
 - (b) Powers, functions and jurisdiction.
7. Centre, States and local bodies:
 - (a) Distribution of legislative powers between the Union and the States.
 - (b) Local Bodies.
 - (c) Administrative relationship among Union, State and Local Bodies.
 - (d) Eminent domain-State property-common property-community property.
8. Legislative powers, privileges and immunities.

9. Services under the Union and the States:

- (a) Recruitment and conditions of services; Constitutional safeguards; Administrative tribunals.
- (b) Union Public Service Commission and State Public Service Commissions—Power and functions.
- (c) Election Commission—Power and functions.

10. Emergency provisions.**11. Amendment of the Constitution.****12. Principle of Natural Justice—Emerging trends and judicial approach.****13. Delegated legislation and its constitutionality****14. Separation of powers and constitutional governance.****15. Judicial review of administrative action.****16. Ombudsman: Lokayukta, Lokpal etc.****International Law :**

1. Nature and Definition of International Law.
2. Relationship between International Law and Municipal Law.
3. State Recognition and State Succession.
4. Law of the sea: Inland Waters, Territorial Sea, Contiguous Zone, Continental Shelf, Exclusive Economic Zone and High Seas.
5. Individuals: Nationality, statelessness; Human Rights and procedures available for their enforcement.
6. Territorial jurisdiction of States, Extradition and Asylum.
7. Treaties : Formation, application, termination and reservation.
8. United Nations : Its principal organs, powers and functions and reform.
9. Peaceful settlement of disputes—different modes.
10. Lawful recourse to force : aggressions, self-defence, intervention.
11. Fundamental principles of international humanitarian law—International conventions and contemporary developments.
12. Legality of the use of nuclear weapons; ban on testing of nuclear weapons; Nuclear non-proliferation treaty, CTST.
13. International Terrorism, State sponsored terrorism, Hijacking, International Criminal Court.
14. New International Economic Order and Monetary Law : WTO, TRIPS, GATT, IMF, World Bank.
15. Protection and Improvement of the Human Environment : International Efforts.

PAPER II**Law of Crimes :—**

1. General principles of Criminal liability : mens rea and actus reus, mens rea in statutory offences.
2. Kinds of punishment and emerging trends as to abolition of capital punishment.
3. Preparations and criminal attempt.
4. General exceptions.
5. Joint and constructive liability.
6. Abetment.
7. Criminal conspiracy.
8. Offences against the State.
9. Offences against public tranquility.
10. Offences against human body.
11. Offences against property.
12. Offences against women.
13. Defamation.
14. Prevention of Corruption Act, 1988.
15. Protection of Civil Rights Act, 1955 and subsequent legislative developments.
16. Plea bargaining.

Law of Torts

1. Nature and definition.
2. Liability based upon fault and strict liability; Absolute liability.
3. Vicarious liability including State Liability.
4. General defences.
5. Joint tort fessors.
6. Remedies.
7. Negligence.
8. Defamation.
9. Nuisance.
10. Conspiracy.
11. False imprisonment.
12. Malicious prosecution.
13. Consumer Protection Act, 1986.

Law of Contracts and Mercantile Law

1. Nature and formation of contract/E-contract.
2. Factors vitiating free consent.
3. Void, voidable, illegal and unenforceable agreements.
4. Performance and discharge of contracts.
5. Quasi-contracts.
6. Consequences of breach of contract.
7. Contract of indemnity, guarantee and insurance.
8. Contract of agency.
9. Sale of goods and hire purchase.
10. Formation and dissolution of partnership.
11. Negotiable Instruments Act, 1881.
12. Arbitration and Conciliation Act, 1996.
13. Standard form contracts.

Contemporary Legal Developments

1. Public Interest Litigation.
2. Intellectual property rights—Concept, types/ prospects.
3. Information Technology Law including Cyber Laws—Concept, purpose/prospects.
4. Competition Law—Concept, purpose/prospects.
5. Alternate Dispute Resolution—Concept, types/ prospects.
6. Major statutes concerning environmental law.
7. Right to Information Act.
8. Trial by media.

Literature of the following languages :

NOTE (i).—A candidate may be required to answer some or all the Questions in the language concerned.

NOTE (ii).—In regard to the languages included in the Eighth Schedule to Constitution, the scripts will be the same as indicated in Section II (B) of Appendix I relating to the Main Examination.

NOTE (iii).—Candidates should note that the questions not required to be answered in a specific language will have to be answered in the language medium indicated by them for answering papers on Essay, General Studies and Optional Subjects.

ARABIC**PAPER I**

[Answer must be written in Arabic]

Section A

1. (a) Origin and development of the language—an outline.
- (b) Significant features of the grammar of the language. Rhetorics, Prosody.
- (c) Short Essay in Arabic.

Section B

2. Literary History and Literary Criticism : Socio-Cultural background, Classical literature, literary movements, modern trends, origin and development of modern prose: drama, novel, short story, essay.

PAPER II

This paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability. Answers must be written in Arabic.

SECTION-A**POETS :**

1. Imraul Qais : Qifa Nabke Min Zikra Habibin Wa Manzilli (Complete)
2. Al Muallaqatus Saba
2. Hassan Bin Thabit : Lillahi Darru Isabatin Nadamtuhum (complete)
3. Diwan Hassan Bin Thabit
3. Jarir : Hayyu Ummata Wazkuru Ahdan Mada

	To	
	Jalbas Sifahi Wa Damiatin Biklla	
	Nukhbatul Adab : Deptt. of Arabic,	
	A.M.U. Aligarh	
4. Farzdaq :	Hazal Lazi Tariful Batha-o-watatuhi (complete)	
	Majmuatun Minan Nazm-i-Wan Nasr,	
	Jamia Salafiah, Varanasi.	
5. Al Mutanabbi :-	Ya Ukhta Khair-e-Akhin Ya Binta Khair-e-Abin	
	To	
	Aqamahul Fikru Bainal Ljz-e-	
	Wattaabi	
	Nukhbatul Adab, Deptt. of Arabic,	
	A.M.U. Alig.	
6. Abul Ala Al-Maarri :—	Ala Fi Sabil Majdi Ma Ana Faailu	
	To	
	Wa Ya Nafsu Jiddi Inna Dahraki	
	Hazilu.	
	Majmuatul Minan Nazm-i-Wan Nasr,	
	Jamia Salafiah, Varanasi.	
7. Shauqi :—	Wulidal Huda Falkainatu Diau.	
	To	
	Makhtara lila Dinakal Fuqarau	
	Salamun Neeli Ya Ghandi.	
	(complete)	
	Shauqiat	
8. Hafiz Ibrahim :—	Rajatu Linafsi Fattahamtu Hasati (complete)	
	Nukhbatul Adab	
9. Ilya Abu Madi :—	Damatur Kharso (complete)	
	Mukhtarat Minal Sher Al Arabi Al	
	Hadith, M.M. Badwi	
	SECTION-B	
	(a) AUTHORS	
AUTHORS	BOOKS	LESSONS
1. Ibnul Muqaffa	Kalilah Wa Dimnah	Al Asad Wal Thaur
2. Al-Jahiz	Mukhtarat Min Adabi Arab	Bakhilum Hakim (complete)
	Part II By : S.A. Hasan Ali Nadwi	
3. Ibn Khaldun	Muqaddamah	Araun Fit Talim (complete)
4. Mahmud Taimur	Qalar Rawi	Am Mutawalli (complete)
5. Tausiqul Hakim	Masrahiyat	Sirrul Muntahira (complete)
6. Abbas Mahmud Aqqud	Mukhtarat Min Adabil Arab-II	Assiddiq (complete)

(B) STUDY OF INDIAN AUTHORS:

1. Ghulam Ali Azad Bilgrami
2. Shah Waliullah Dehlavi
3. Zulfiqar Ali Deobandi
4. Abdul Aziz Meman
5. Syed Abul Hassan Ali Hasani Nadvi

ASSAMESE

PAPER I

[Answers must be written in Assamese]

Section A

Language

- (a) History of the origin and development of the Assamese Language—its position among the Indo-Aryan language—periods in its history.
- (b) Development of Assamese prose.
- (c) Vowels and consonants of the Assamese Language—Rules of phonetic changes with stress on Assamese coming down from Old Indo-Aryan.
- (d) Assamese vocabulary—and its sources.
- (e) Morphology of the language—conjugation—enclitic definitives and pleonastic suffixes.
- (f) Dialectical divergences—the Standard colloquial and the Kamrupi dialect in particular.
- (g) Assamese script—its evolution through the ages till 19th century A.D.

Section B

Literary Criticism and Literary History

- (a) Principles of literary criticism upto New criticism.
- (b) Different literary genres.
- (c) Development of literary forms in Assamese.
- (d) Development of literary criticism in Assamese.
- (e) Periods of the literary history of Assam from the earliest beginnings, i.e. from the period of the charyageeta with their socio-cultural background: the proto Assamese Pre-Sankaradeva—Sankaradeva—Post- Sankaradeva—Modern period (from the coming of the Britishers)—Post-Independence period. Special emphasis is to be given on the Vaisnavite period, the gonaki and the post-independence periods.

PAPER II

This paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidates critical ability.

[Answers must be written in Assamese]

Section A

Rāmāyana (Ayodhyā Kānda —by Madhava Kandali only)

Pârijât-Harana	—by Sankaradeva.
Râsakrîdâ	—by Sankaradeva (From Kirtana Ghosa)
Bârgeet	—by Madhavadeva.
Râjasûya	—by Madhavadeva.
Kathâ-Bhâgavata (Books I and II)	—by Baikurthanath Bhattacharyya.
Gurucarit-Kathâ (Sankaradeva's Part only)	—ed. by Maheswar Neog.

SECTION B

Mor Jeevan Soñwaran	—by Lakshminath Bezbaroa.
Kripâbar Borbaruâr	—by Lakshminath Bezbaroa.
Kakatar Topola	—by Chandra Kurnar Agarwalla.
Pratimâ	—by Padmanath Gohain Barua.
Gâonburhâ	—by Rajanikanta Bordoloi.
Manomati	—by Banikanta Kakati.
Purani Asamîyâ Sâhitya	—by Jyotiprasad Agarwalla
Kârengar Ligîrî	—by Bina Barva (Birinchi Kumar Barua)
Jeevanar Bâtar	—by Birendrakumar Bhattacharyya
Mrityunjoy	—by Navakanta Barua

BENGALI**PAPER 1****History of Language and Literature.****[Answers must be written in Bengali]****Section A : Topics from the History of Bangla language**

1. The chronological track from Proto Indo-European to Bangla (Family tree with branches and approximate dates).
2. Historical stages of Bangla (Old, Middle, New) and their linguistic features.
3. Dialects of Bangla and their distinguishing characteristics.
4. Elements of Bangla Vocabulary.
5. Forms of Bangla Literary Prose—Sadhu and Chalit.
6. Processes of language change relevant for Bangla : Apinihiti (Anaptyxis), Abhishruti (umlaut), Murdhanayibhavan (cerebralization), Nasikyibhavan (Nasalization), Samibhavan (Assimilation), Sadrishya (Analogy), Svaragama (Vowel insertion) —Adi Svaragama, Madhya Svaragama or Svarabhakti, Antya Svaragama, Svarasangati (Vowel harmony), y—shruti and w—shruti.

7. Problems of standardization and reform of alphabet and spelling, and those of transliteration and Romanization.
8. Phonology, Morphology and Syntax of Modern Bangla. (Sounds of Modern Bangla, Conjunctions; word formations, compounds; basic sentence patterns.)

Section B : Topics from the History of Bangla Literature.

1. Periodization of Bangla Literature : Old Bangla and Middle Bangla.
2. Points of difference between modern and pre-modern Bangla Literature.
3. Roots and reasons behind the emergence of modernity in Bangla Literature.
4. Evolution of various Middle Bangla forms ; Mangal Kavyas, Vaishnava lyrics, Adapted narratives (Ramayana, Mahabharata, Bhagavata) and religious biographies.
5. Secular forms in middle Bangla literature.
6. Narrative and lyric trends in the nineteenth century Bangla poetry.
7. Development of prose.
8. Bangla dramatic literature (nineteenth century, Tagore, Post—1944 Bangla drama).
9. Tagore and post-Tagoreans.
10. Fiction, major authors : Bankimchandra, Tagore, Saratchandra, Bibhutibhusan, Tarasankar, Manik.
11. Women and Bangla literature : creators and created.

PAPER II

Prescribed texts for close study.

[Answers must be written in Bengali]**Section A**

1. **Vaishnava Padavali** (Calcutta University)
Poems of Vidyapati, Chandidas, Jnanadas, Govindadas and Balaramdas.
2. **Chandimangal** Kalketu episode by Mukunda (Sahitya Akademi).
3. **Chaitanya Charitamrita**, Madhya Lila by Krishnadas Kaviraj (Sahitya Akademi).
4. **Meghnadbadh Kavya** by Madhusudan Dutta.
5. **Kapalkundala** by Bankimchandra Chatterjee.
6. **Samya and Bangadesher Krishak** by Bankimchandra Chatterjee.
7. **Sonar Tari** by Rabindranath Tagore.
8. **Chhinnapatravali** by Rabindranath Tagore.

Section B

9. **Raktakârabi** by Rabindranath Tagore.
10. **Nabajatak** by Rabindranath Tagore.
11. **Grihadâha** by Saratchandra Chatterjee.
12. **Prabandha Samgraha**, Vol. 1, by Pramatha Choudhuri.
13. **Aranyak** by Bibhutibhusan Banerjee.

14. **Short stories** by Manik Bandyopadhyay : Atashi Mami, Pragaitihasik, Holud-Pora, Sarisrip, Haraner Natjama, Chhoto-Bokulpurer Jatri, Kustharogir Bou, Jakey Ghush Ditey Hoy.
15. **Shrestha Kavita** by Jibanananda Das.
16. **Jagori** by Satinath Bhaduri.
17. **Ebam Indrajit** by Badal Sircar.

PAPER I**History of Bodo Language and Literature****[Answers must be written in Bodo]****Section A****History of Bodo Language**

1. Homeland, language family, its present status and its mutual contact with Assamese.
2. (a) phonemes : Vowel and Consonant Phonemes
(b) Tones.
3. Morphology : Gender, Case and Case endings, Plural suffix, Definitives, Verbal suffix.
4. Vocabulary and its sources.
5. Syntax : Types of sentences, Word Order
6. History of scripts used in writing Bodo Language since inception.

Section B**History of Bodo literature**

1. General introduction of Bodo folk literature.
2. Contribution of the Missionaries.
3. Periodization of Bodo Literature.
4. Critical analysis of different genre (Poetry, Novel, Short Story and Drama)
5. Translation Literature.

Paper II

The paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the critical ability of the candidates.

[Answers must be written in Bodo]**Section A**

- (a) Khonthai-Methai
(Edited by Madaram Brahma & Rupnath Brahma.)
- (b) Hathorkhi-Hala
(Edited by Pramod Chandra Brahma)
- (c) Boroni Gudi Sibsa Arw Aroz : Madaram Brahma
- (d) Raja Nilambar : Dwarendra Nath Basumatary
- (e) Bibar (prose section)
(Edited by Satish Chandra Basumatary).

Section B

- (a) Bibi Bithai (Aida Nwi) : Bihuram Boro
- (b) Radab : Samar Brahma Chaudhury
- (c) Okhrang Gongse Nangou : Brajendra Kumar Brahma
- (d) Baisagu Arw Harimu : Laksheswar Brahma

- (e) Gwdan Boro : Manoranjan Lahary
- (f) Jujaini Or : Chittaranjan Muchahary
- (g) Mwihoor : Dharanidhar Wary
- (h) Hor Badi Khwmsi : Kamal Kumar Brahma
- (i) Jaolia Dewan : Mangal Singh Hozowary
- (j) Hagra Guduni Mwi : Nilkamal Brahma

CHINESE**PAPER I**

This paper will require the candidates to have a good knowledge of standard Chinese language and its characteristics so as to test the candidate's organisational capabilities. All the questions (except the question on translation from Chinese to English) must be answered in Chinese. All the questions carry equal marks.

Section A

1. Essay writing in about 500 Chinese characters on a topical subject.
2. Translation :
 - a. Chinese-English
 - b. English-Chinese
3. Syntactic and grammatical usage.

Section B

1. Explanation of idioms and phrases in Chinese.
2. Development of Chinese language.
3. Comprehension Precis writing.

PAPER II

This paper will require the candidates to have a good grasp of Chinese studies and will be designed to test the candidate's critical ability. All the questions must be answered in Chinese. All the questions carry equal marks.

Section A

1. Short notes on topics related to major events in modern Chinese history (From 1919 till date).
2. Critical evaluation of major literary works in pre-liberation period (1919-1949) :
 - a. Lao She : Four Generations, Rickshaw-puller.
 - b. Ba Jin : Family.
 - c. Lu Xun : Medicine, Madman's Diary.
 - d. Mao Dun : The True Story of Ah Q.
 - e. Ai Quing : Midnight.
 - f. Guo Moruo : Coal's Reply (Mei de Duihua), Beggar (Qigai), I Love This Land (Wo Ai Zhe Tudi), Old Man (Laoren).
3. Role of Philosophy and Religion in the Development of Chinese Society.

Section B

1. Socio-Economic/Political/Educational/Sports/Science and Technological Development since 1979.

2. Critical appreciation of major literary works in post-liberation period (1949 till date):
 - a. Gu Hua : The Town Called Hibiscus (Furongzhen)
 - b. Chen Rong : Till the Middle Age (Ren dao Zhongnian)
 - c. Liu Xinwu : The Class-in-Charge (Ban Zhuren)
 - d. Lu Yao : The Human Existence (Rensheng)
 - e. Ai Qing : Fish Fossil, the Mirror, The Gardener's Dream, The Hunter Who Drew Birds.
 - f. Shu Ting : Motherland, My Beloved Motherland.

DOGRI

PAPER I

HISTORY OF DOGRI LANGUAGE AND LITERATURE

(Answers must be written in Dogri)

Section A

History of Dogri Language

1. Dogri language: Origin and development through different stages.
2. Linguistic boundaries of Dogri and its dialects.
3. Characteristic features of Dogri language.
4. Structure of Dogri Language:
 - (a) Sound Structure:

Segmental : Vowels and Consonants
Non-segmental : Length, Stress, Nasalization, Tone and Junture.
 - (b) Morphology of Dogri:
 - (i) Inflection Categories: Gender, Number, Case, Person, Tense and Voice.
 - (ii) Word Formation; use of prefixes, infixes and suffixes.
 - (iii) Vocabulary: tatsam, tadbhav, foreign and regional.
 - (c) Sentence Structure; Major Sentence-types and their constituents, agreement and concord in Dogri syntax.
5. Dogri Language and Scripts: Dogre/Dogra Akkhar, Devanagari and Persian.

Section B

History of Dogri Language

1. A brief account of Pre-independence Dogri Literature: Poetry & Prose.
2. Development of modern Dogri Poetry and main trends in Dogri Poetry.
3. Development of Dogri short-story, main trends & prominent short-story writers.

4. Development of Dogri Novel, main trends & contribution of Dogri Novelists.
5. Development of Dogri Drama & contribution of prominent playwrights.
6. Development of Dogri Prose; Essays, Memoirs & travelogues.
7. An introduction to Dogri Folk literature-Folk songs, Folk tales 7 Ballads.

PAPER-II

TEXTUAL CRITICISM OF DOGRI LITERATURE

(Answers must be written in Dogri)

Section A

Poetry

1. Azadi Pahile Di Dogri Kavita
The following poets:
Devi Ditta, Lakkhu, Ganga Ram, Ramdhan, Hardutt, Pahari Gandhi Baba Kanshi Ram & Permanand Almast
2. Modern Dogri Poetry
Azadi Bad Di Dogri Kavita
The following poets :
Kishan Smailpuri, Tara Smailpuri, Mohan Lal Sapolia, Yash Sharma, K.S. Madhukar, Padma Sachdev, Jitendra Udhampuri, Charan Singh and Prakash Premi
3. Sheeraza Dogri Number 102, Ghazal Ank
The following poets :
Ram Lal Sharma, Ved Pal Deep, N.D. Jamwal, Shiv Ram Deep, Ashwini Magotra and Virendra Kesar
4. Sheeraza Dogri Number 147, Ghazal Ank
The following poets:
R.N. Shastri, Jitendra Udhampuri, Champa Sharma and Darshan Darshi.
5. Ramayan (Epic) by Shambhu Nath Sharma (upto Ayodhya Kand)
6. Veer Gulab (Khand Kavya) by Dino Bhai Pant.

Section B

Prose

1. Ajakani Dogri Kahani
The following Short Story writers :
Madan Mohan Sharma, Narendra Khajuri and B.P. Sathe
2. Ajakani Dogri Kahani Part-II
The following Short Story writers :
Ved Rahi, Narsingh Dev Jamwal, Om Goswami, Chahtrapal, Lalit Magotra, Chaman Arora and Ratan Kesar.
3. Khatha Kunj Bhag II
The following Story writers :
Om Vidyarthi, Champa Sharma and Krishan Sharma.

4. Meel Patthar (collection of short stories) by Bandhu Sharma.
5. Kaiddi (Novel) by Desh Bandhu Dogra Nutan.
6. Nanga Rukkh (Novel) by O.P. Sharma Sarathi.
7. Nayaan (Drama) by Mohan Singh.
8. Satrang (A collection of one act plays).

The following play wrights :

Vishwa Nath Khajuria, Ram Nath Shastri, Jitendra Sharma, Lalit Magotra and Madan Mohan Sharma.

9. Dogri Lalit Nibandh

The following authors:

Vishwa Nath Khajuria, Narayan Mishra, Balkrishan Shastri, Shiv Nath, Shyam Lal Sharma, Lakshmi Narayan, D.C. Prashant, Ved Ghai, Kunwar Viyogi.

ENGLISH

The syllabus consists of two papers, designed to test a first-hand and critical reading of texts prescribed from the following periods in English Literature : Paper 1 : 1600-1900 and Paper 2 : 1900-1990.

There will be two compulsory questions in each paper : (a) A short-notes question related to the topics for general study, and (b) A critical analysis of UNSEEN passages both in prose and verse.

PAPER I

(Answers must be written in English)

Texts for detailed study are listed below. Candidates will also be required to show adequate knowledge of the following topics and movements :

The Renaissance; Elizabethan and Jacobean Drama; Metaphysical Poetry; The Epic and the Mock-epic; Neo-classicism; Satire; The Romantic Movement; The Rise of the Novel; The Victorian Age.

Section A

1. William Shakespeare : King Lear and The Tempest.
2. John Donne. The following poems :
 - Canonization;
 - Death be not proud;
 - The Good Morrow;
 - On his Mistress going to bed;
 - The Relic;
3. John Milton : Paradise Lost, I, II, IV, IX.
4. Alexander Pope. The Rape of the Lock.
5. William Wordsworth. The following poems :
 - Ode on Intimations of Immortality.
 - Tintern Abbey.
 - Three years she grew.

- She dwelt among untrodden ways.
- Michael.
- Resolution and Independence.
- The World is too much with us.
- Milton, thou shouldst be living at this hour.
- Upon Westminster Bridge.

6. Alfred Tennyson : In Memoriam.

7. Henrik Ibsen : A Doll's House

Section B

1. Jonathan Swift. Gulliver's Travels.

2. Jane Austen. Pride and Prejudice.

3. Henry Fielding. Tom Jones.

4. Charles Dickens. Hard Times.

5. George Eliot. The Mill on the Floss.

6. Thomas Hardy. Tess of the d'Urbervilles.

7. Mark Twain. The Adventures of Huckleberry Finn.

PAPER II

(Answers must be written in English)

Texts for detailed study are listed below. Candidates will also be required to show adequate knowledge of the following topics and movements :

Modernism; Poets of the Thirties; The stream-of-consciousness Novel; Absurd Drama; Colonialism and Post-Colonialism; Indian Writing in English; Marxist, Psychoanalytical and Feminist approaches to literature; Post-Modernism.

Section A

1. William Butler Yeats. The following poems :
 - Easter 1916.
 - The Second Coming.
 - A Prayer for my daughter.
 - Sailing to Byzantium.
 - The Tower.
 - Among School Children.
 - Leda and the Swan.
 - Meru.
 - Lapis Lazuli.
 - The Second Coming.
 - Byzantium.
2. T.S. Eliot. The following poems :
 - The Love Song of J. Alfred Prufrock.
 - Journey of the Magi.
 - Burnt Norton.
3. W.H. Auden. The following poems :
 - Partition
 - Musée des Beaux Arts

- In Memory of W.B. Yeats
- Lay your sleeping head, my love
- The Unknown Citizen
- Consider
- Mundus Et Infans
- The Shield of Achilles
- September 1, 1939
- Petition

4. John Osborne : Look Back in Anger.

5. Samuel Beckett. Waiting for Godot.

6. Philip Larkin. The following poems :

- Next
- Please
- Deceptions
- Afternoons
- Days
- Mr. Bleaney

7. A.K. Ramanujan. The following poems :

- Looking for a Cousin on a Swing
- A River
- Of Mothers, among other Things
- Love Poem for a Wife 1
- Small-Scale Reflections on a Great House
- Obituary

(All these poems are available in the anthology **Ten Twentieth Century Indian Poets**, edited by R. Parthasarthy, published by Oxford University Press, New Delhi).

Section B

1. Joseph Conrad. Lord Jim.

2. James Joyce. Portrait of the Artist as a Young Man.

3. D.H. Lawrence. Sons and Lovers.

4. E.M. Forster. A Passage to India.

5. Virginia Woolf. Mrs. Dalloway.

6. Raja Rao. Kanthapura.

7. V.S. Naipaul. A House for Mr. Biswas.

FRENCH
PAPER I

[Answers must be written in French except in the case of question requiring translation from French to English]

Section A

1. Main trends in French Literature
 - a. Classicism
 - b. Romanticism
 - c. Realism
2. Art in France
 - a. Romanticism
 - b. Realism
 - c. Impressionism

3. The Vth Republic
 - (a) De Gaulle and the Vth République
 - (b) May 1968
 - (c) Pompidou
 - (d) Giscard d'Estaing
 - (e) Mitterrand
 - (f) Chirac
4. Translation : French to English (2 passages of socio-politico-economic nature of 200 words each).

Section B

PAPER II

(Answers must be written in French)

Section A

This paper will require an in-depth reading of the following texts and the questions will be designed to test the candidate's critical ability.

1. XVIIIth Century
 - (a) Corneille: *Le Cid*
 - (b) Racine: *Andromaque*
 - (c) Molière: *L'Avare*
2. XVIIIth Century
 - Beaumarchais: *Le Mariage de Figaro*
3. XIXth Century
 - (a) Lamartine: *Le lac, Le Vallon*
 - (b) Victor Hugo: *La Conscience, Elle Avait Pris Ce Pli*
Demain, Dès L'Aube...

(c) Victor Hugo:	<i>Hernani</i>
(d) Musset:	<i>Souvenir, La Nuit de Décembre</i>
(e) Mérimée:	<i>Colomba</i>
(f) Balzac:	<i>Eugénie Grandet</i>
(g) Flaubert:	<i>Madame Bovary</i>
(h) Baudelaire:	<i>L'Invitation au Voyage, Recueillement, L'Albatros.</i>
(i) Rimbaud:	<i>Le Dormeur du Val</i>
(j) Verlaine:	<i>Chanson d'Automne, Mon Rêve Familiar, Il Pleure Dans Mon Cœur...</i>

Section B

4. XXth Century

(a) Appolinaire:	<i>Nuit Rhénane, Le Pont Mirabeau</i>
(b) Jacques Prévert:	<i>Pour Faire Le Portrait d'Un Oiseau, Barbara</i>
(c) Paul Fluuard:	<i>Liberté</i>
(d) Paul Valéry:	<i>Les Pas, La Fileuse</i>
(e) André Gide:	<i>La Symphonie Pastorale</i>
(f) Camus:	<i>L'Etranger</i>
(g) Sartre:	<i>Les Mains Sales</i>
(h) Ionesco	<i>Rhinocéros</i>

Francophonie :

(a) Gérard Besette:	<i>Le Libraire</i>
(b) Ananda Devi:	<i>Le Voile de Draupadi</i>
(c) Cheikh Hamidou Kane:	<i>L'Aventure Ambigüe</i>
(d) Abdellatif Laabi:	<i>Poèmes en prose</i> 1. <i>L'Arbre à poèmes</i> (<i>L'Etreinte du Monde</i>) 2. <i>Lès Reves viennent mourir sur la page</i> (<i>L'Etreinte du Monde</i>)

5. Essay of general nature on a contemporary theme.

GERMAN**PAPER I**

(Answers must be written in German)

Section A**1. Structure of language :**

Candidates are expected to have a thorough knowledge of German grammar with reference to specific aspects such as word order, syntactic structure and semantics.

2. Essay in German :

Candidates are expected to demonstrate command over techniques of written expression in German by writing an essay on a contemporary topic of a general nature.

Section B

1. Translation of a text of a general nature from English into German
2. Socio-political and cultural history of Germany from the 18th century onwards with special reference to :
 - a. Impact of Enlightenment on German society and culture.
 - b. The impact of Prussian culture on Germany.
 - c. Cultural debates in the Weimar Republic.
 - d. The concept of culture under National Socialism in Germany.
 - e. The development of two German literatures and cultures after 1945.
 - f. Reunification of Germany and the problems of cultural pluralism.
 - g. The role and relevance of German language and literature in the European Union.

PAPER II

(Answers must be written in German)

Section A**1. Development of German literature from the 19th century to the present.**

Candidates should know the main trends, representative authors and their important works. The emphasis is not on collecting information on works and authors, but the candidate is expected to identify features of a literary epoch on the basis of representative texts.

2. The Study of literary genres.

Candidates must be aware of the characteristic features of the different genres like *Roman, Novelle, Drama, Ballade, Elegie, Marchen, Fabeln, Kurzgeschichte*.

Section B**1. Perceptions of Literary Interpretation.**

Candidates should be aware of various approaches to a critical understanding of literature.

2. Study of Selected Texts.

- a. Goethe : *Die Leiden des jungen Werther*.
- b. Schiller : *maria Stuart*.
- c. Eichendorff : *Gedichte*.
- d. Gottfried Keller : *kleider machen Leute*.
- e. Thomas Mann : *Die vertauschten Kopfe*.
- f. Franz Kafka : *Vor dem Gesetz*.
- g. Friedrich Durrenmatt : *Die Physiker*.
- h. Max Frisch : *Andorra*.
- i. Heinrich Boll : *Die verlorene Ehre der Katharina Blum*.
- j. Ingeborg Bachmann : *Alles* (aus dem Erzählband: *Das Dreibigste Jahr*).
- k. Rose Auslander : *Gedichte*.
- l. Christa Wolf : *Der geteilte Himmel*.
- m. Gunter Grass : *Zunge zeigen*.

GUJARATI**PAPER I****(Answers must be written in Gujarati)****Section A****Gujarati Language : Form and History**

- (1) History of Gujarati Language with special reference to New Indo-Aryan i.e. last one thousand years.
- (2) Significant features of the Gujarati language : phonology, morphology and syntax.
- (3) Major dialects : Surti, pattani, charotari and Saurashtra.

History of Gujarati literature**Medieval:**

4. Jaina tradition
5. Bhakti tradition : Sagun and Nirgun (Jnanmargi)
6. Non-sectarian tradition (Laukik parampara)

Modern:

7. Sudharak yug
8. Pandit yug
9. Gandhi yug
10. Anu-Gandhi yug
11. Adhunik yug

Section B**Literary Forms : (Salient features, history and development of the following literary forms :)**

- (a) Medieval
 1. Narratives : Rasa, Akhyan and Padyavarta
 2. Lyrical: Pada
- (b) Folk
 3. Bhavai
- (c) Modern
 4. Fiction : Novel and Short Story
 5. Drama
 6. Literary Essay
 7. Lyrical Poetry
- (d) Criticism
 8. History of theoretical Gujarati criticism
 9. Recent research in folk tradition.

PAPER II**(Answers must be written in Gujarati)**

The paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the critical ability of the candidate.

Section A**I. Medieval**

- (i) Vasantvitas phagu—AJNATKRUT

- (ii) Kadambari—BHALAN

- (iii) Sudamacharitra—PREMANAND

- (iv) Chandrachandrapatni varta—SHAMAL

- (v) Akhegeeta—AKHO

2. Sudharakyug & Pandityug

- (vi) Mari Hakikat—NARMADASHA

- (vii) Farbasveerah—DALPATRAM

- (viii) Saraswatichandra-Part I—GOVARDHANRAM TRIPATHI

- (ix) Purvalap—'KANT' (MANISHANKAR RATNAJI BHATT)

- (x) Raino Parvat—RAMANBHAI NEELKANTH

Section B**1. Gandhiyug & Anu Gandhiyug**

- (i) Hind Swaraj—MOHANDAS KARAMCHAND GANDHI

- (ii) Patanni Prabhu—KANHAJALAL MUNSHI

- (iii) Kavyani Shakti—RAMNARAYAN VISHWANATH PATHAK

- (iv) Saurashtra Rasdhara-Part I—ZAVERCHAND MEGHANI

- (v) Manvini Bhavai—PANNALAL PATEL

- (vi) Dhvani—RAJENDRA SHAH

2. Adhunik yug

- (vii) Saptapadi—UMASHANKAR JOSHI

- (viii) Janantike—SURESH JOSHI

- (ix) Ashwatthama—SITANSHU YASHASCHANDRA.

HINDI**PAPER I****(Answers must be written in Hindi)****Section A****I. History of Hindi Language and Nagari Lipi**

- I. Grammatical and applied forms of Apbhransh, Awahatta & Arambhik Hindi.

- II. Development of Braj and Awadhi as Literary language during medieval period.

- III. Early form of Khari-boli in Siddha-Nath Sahitya, Khusero, Sant Sahitya, Rahim etc. and Dakhni Hindi.

- IV. Development of Khari-boli and Nagari Lipi during 19th Century.

- V. Standardisation of Hindi Bhasha & Nagari Lipi.

- VI. Development of Hindi as a National Language during freedom movement.

- VII. The development of Hindi as a National Language of Union of India.

- VIII. Scientific & Technical Development of Hindi Language.
- IX. Prominent dialects of Hindi and their inter-relationship.
- X. Salient features of Nagari Lipi and the efforts for its reform & Standard form of Hindi.
- XI. Grammatical structure of Standard Hindi.

Section B

2. History of Hindi Literature

- I. The relevance and importance of Hindi literature and tradition of writing History of Hindi Literature.

- II. Literary trends of the following four periods of history of Hindi Literature.

A: Adikal—Sidh, Nath and Raso Sahitya. Prominent poets—Chandvardai, Khusaro, Hemchandra, Vidyapati.

B: Bhaktikal—Sant Kavyadhara, Sufi Kavyadhara, Krishna Bhaktidhara and Ram Bhaktidhara. Prominent Poets—Kabir, Jayasi, Sur & Tulsi.

C: Ritikal—Ritikavya, Ritibaddhakavya & Riti Mukta Kavya. Prominent Poets—Keshav, Bihari, Padmakar and Ghananand.

D: Adhunik Kal—

- a. Renaissance, the development of Prose, Bharatendu Mandal.
- b. Prominent Writers—Bharatendu, Bal Krishna Bhatt & Pratap Narain Mishra.
- c. Prominent trends of modern Hindi Poetry: Chhayavad, Pragativad, Prayogvad, Nai Kavita, Navgeet and Contemporary poetry and Janvadi Kavita.

Prominent Poets—Maithili Sharan Gupta, Prasad, Nirala, Mahadevi, Dinkar, Agyeya, Muktibodh, Nagarjun.

III. Katha Sahitya

- A: Upanyas & Realism
- B: The origin and development of Hindi Novels.
- C: Prominent Novelists—Premchand, Jainendra, Yashpal, Renu and Bhism Sahani.
- D: The origin and development of Hindi short story.
- E: Prominent Short Story Writers—Premchand, Prasad, Agyeya, Mohan Rakesh & Krishna Sobti.

IV. Drama & Theatre

- A: The Origin & Development of Hindi Drama.
- B: Prominent Dramatists—Bharatendu, Prasad, Jagdish Chandra Mathur, Ram Kumar Verma, Mohan Rakesh.
- C: The development of Hindi Theatre.

V. Criticism

- A: The origin and development of Hindi criticism :

Saiddhantik, Vyavharik, Pragativadi. Manovishleshanvadi & Nai Alochana.

B: Prominent critics—Ramchandra Shukla, Hajari Prasad Dwivedi, Ram Vilas Sharma & Nagendra.

- VI. The other form of Hindi prose—Lalit Nibandh, Rekhachitra, Sansmaran, Yatra-vrittant.

PAPER II

(Answers must be written in Hindi)

The paper will require first-hand reading of the prescribed texts and will test the critical ability of the candidates.

Section A

- 1. Kabir : Kabir Granthawali, Ed. Shyam Sundar Das (First hundred Sakhis)
- 2. Surdas : Bhramar Gitsar, Ed. Ramchandra Shukla (First hundred Padas)
- 3. Tulsidas : Ramcharit Manas (Sundar Kand) Kavitawali (Uttarkand)
- 4. Jayasi : Padmawat Ed. Shyam Sundar Das (Sjnhal Dwip Khand & Nagmativiyog Khand)
- 5. Bihari : Bihari Ratnakar Ed. Jagannath Prasad Ratnakar (First 100 Dohas)
- 6. Maithili Sharan Gupta : Bharat Bharati
- 7. Prasad : Kamayani (Chinta and Shraddha Sarg)
- 8. Nirala : Rag-Virag, Ed. Ram Vilas Sharma (Ram Ki Shakti Puja & Kukurmutta)
- 9. Dinkar : Kurukshetra
- 10. Agyeya : Angan Ke Par Dwar (Asadhyा Vina)
- 11. Muktiboth : Brahm Rakhashas
- 12. Nagarjun : Badal Ko Ghir Dekha Hai, Akal Ke Bad, Harijan Gatha.

Section B

- 1. Bharatendu : Bharat Durdasha
- 2. Mohan Rakesh : Ashad Ka Ek Din
- 3. Ramchandra Shukla : Chintamani (Part I) (Kavita Kya Hai, Shraddha Aur Bhakti)
- 4. Dr. Satyendra : Nibandh Nilaya—Bal Krishna Bhatt, Premchand, Gulab Rai, Hajari Prasad Dwivedi, Ram Vilas Sharma, Agyeya, Kuber Nath Rai.
- 5. Premchand : Godan, Premchand ki Sarvashreshtha Kahaniyan, Ed. Amrit Rai/Manjusha—Prem Chand ki Sarvashreshtha Kahaniyan. Ed. Amrit Rai.
- 6. Prasad : Skandgupta
- 7. Yashpal : Divya

8. Phaniswar Nath : *Maila Anchal*
Renu
9. Manu Bhandari : *Mahabhoj*
10. Rajendra Yadav : *Ek Dunia Samanantar (All Stories)*

KANNADA

PAPER I

(Answers must be written in Kannada)

Section A

A. History of Kannada Language

What is Language ? General characteristics of Language. Dravidian Family of Languages and its specific features. Antiquity of Kannada Language. Different phases of its Development.

Dialects of Kannada Language : Regional and Social. Various aspects of developments of Kannada Language: phonological and Semantic changes. Language borrowing.

B. History of Kannada Literature

Ancient Kannada literature : Influence and Trends, Poets for study : Specified poets from Pampa to Ratnakara Varni are to be studied in the light of contents, form and expression : Pampa, Janna, Nagachandra.

Medieval Kannada literature : Influence and Trends.

Vachana Literature : Basavanna, Akka Mahadevi.

Medieval Poets : Harihara, Raghavanka, Kumara-Vyasa.

Dasa literature : Purandara and Kanaka.

Sangataya : Ratnakarvarni

C. Modern Kannada literature : Influence, trends and ideologies, Navodaya, Pragatishila, Navya, Dalita and Bandaya.

Section B

A. Poetics and Literary Criticism

Definition and concepts of poetry; Word, Meaning, Alankara, Reeti, Rasa, Dhwani, Auchitya.

Interpretations of Rasa Sutra. Modern Trends of literary criticism : Formalist, Historical, Marxist, Feminist, Post-colonial criticism.

B. Cultural History of Karnataka

Contribution of Dynasties to the culture of Karnataka: Chalukyas of Badami and Kalyani, Rashtrakutas, Hoysalas, Vijayanagara rulers, in literary context.

Major religions of Karnataka and their cultural contribution.

Arts of Karnataka ; Sculpture, Architecture, Painting, Music, Dance—in the literary context.

Unification of Karnataka and its impact of Kannada literature.

PAPER II

(Answers must be written in Kannada)

The Paper will require first-hand reading of the Texts prescribed and will be designed to test the critical ability of the candidates.

Section A

A. Old Kannada Literature

1. *Vikramaarjuna Vijaya of Pampa* (Cantos 12 & 13), (Mysore University Pub.)

2. *Vaddaraadhané* (Sukumaraswamyia Kathe, Vidyutchorana Kathe)

B. Medieval Kannada Literature

1. *Vachana*, Kammata, Ed. K. Marulasiddappa K.R. Nagaraj (Bangalore University Pub.)

2. *Janapriya Kanakasampa*, Ed. D. Javare Gowda (Kannada and Culture Directorate, Bangalore)

3. *Nambiyannana Ragale*, Ed., T.N. Sreekanthiah (Ta. Vem. Smaraka Grantha Male, Mysore)

4. *Kumaravyasa Bharata* : *Karna Parva* (Mysore University)

5. *Bharatesha Vaibhava Sangraha* Ed Ta. Su. Shama Rao (Mysore University)

Section B

A. Modern Kannada Literature

1. Poetry : *Hosagannada Kavite*, Ed. G.H. Nayak (Kannada Sahitya Parishattu, Bangalore)

2. Novel : *Bettada Jeeva*—Shivararna Karanta Madhavi—Anupama Niranjana Odalaala-Deva-nuru Mahadeva

3. Short Story : *Kannada Sanna Kathegalu*, Ed. G.H. Nayak (Sahitya Academy, New Delhi)

4. Drama : *Shudra Tapaswi*—Kuvempu. Tughalak—Girish Karnad.

5. Vichara : *Devaru*—A.N. Moorthy Rao (Pub: D.V.K. Sahitya : Moorthy, Mysore.)

B. Folk Literature :

1. *Janapada Swaroopa*—Dr. H.M. Nayak. (Ta. Vem. Smaraka Grantha Male, Mysore.)

2. *Janapada Geetaanjali*—Ed. D. Javare Gowda. (Pub : Sahitya Academy, New Delhi).

3. *Kannada Janapada Kathegalu*—Ed. J.S. Paramashiviah (Mysore University).

4. *Beedi Makkalu Beledo*. Ed. Kaledowda Nagavara (Pub : Bangalore University).

5. *Savirada Ogatugalu*—Ed. S.G. Imapura.

KASHMIRI**PAPER I**

(Answers must be written in Kashmiri)

Section A

1. Genealogical relationship of the Kashmiri language: various theories.
2. Areas of occurrence and dialects (geographical/social)
3. Phonology and grammar:
 - i. Vowel and consonant system;
 - ii. Nouns and pronouns with various case inflections;
 - iii. Verbs: various types and tenses.
4. Syntactic structure:
 - i. Simple, active and declarative statements;
 - ii. Coordination;
 - iii. Relativisation.

Section B

1. Kashmiri literature in the 14th century (Socio-cultural and intellectual background with special reference to *Lal Dyad* and *Sheikhul Alam*).
2. Nineteenth century Kashmiri literature (development of various genres : *vatsun*; *ghazal* and *mathnavi*).
3. Kashmiri literature in the first half of the twentieth century (with special reference to *Mahjoor* and *Azad*; various literary influences).
4. Modern Kashmiri literature (with special reference to the development of the short story, drama, novel and *nazm*).

PAPER II

(Answers must be written in Kashmiri)

Section A

1. Intensive study of Kashmiri poetry upto the nineteenth century :
 - (i) *Lal Dyad*,
 - (ii) *Sheikhul Aalam*
 - (iii) *Habba Khatoon*
2. Kashmiri poetry : 19th Century
 - (i) *Mahmood Gami* (*Vatsans*)
 - (ii) *Maqbool Shah* (*Gulrez*)
 - (iii) *Rasool Mir* (*Ghazals*)
 - (iv) *Abdul Ahad Nadim* (*N'at*)
 - (v) *Krishnjoor Razdan* (*Shiv Lagun*)
 - (vi) Sufi Poets (Text in *Sanglaab*, published by the Deptt. of Kashmiri, University of Kashmir)
3. Twentieth Century Kashmiri poetry (text in *Azizul Kashir Shairi*, published by the Deptt. of Kashmiri, University of Kashmir).
4. Literary criticism and research work : development and various trends.

Section B

1. An analytical study of the short story in Kashmiri.
 - (i) *Afsana Majmu'a*, published by the Deptt. of Kashmiri, University of Kashmir.
 - (ii) *Kashur Afsana Az*, published by the Sahitya Akademi.
 - (iii) *Hamasar Kashur Afsana*, published by the Sahitya Akademi.

The following short story writers only : Akhtar Mohi-ud Din, Kamil, Hari Krishan Kaul, Hraday Kaul Bharti, Bansi Nirdosh, Gulshan Majid.

2. Novel in Kashmiri :

- (i) *Mujrim* by G. N. Gowhar
- (ii) *Marun—Ivan Ilyichun*, (Kashmiri version of Tolstoy's) *The Death of Ivan Ilyich* (published by Kashmiri Deptt.)

3. Drama in Kashmiri :

- (i) *Nauk Kariv Band* by Hari Krishan Kaul
- (ii) *Qk Angy Natuk*, ed. Motilal Keemu, published by the Sahitya Akademi.
- (iii) *Razi Oedipus*, tr. Naji Munawar, published by the Sahitya Akademi.

4. Kashmiri Folk Literature :

- (i) *Kashur Luki Theatre* by Mohammad Subhan Bhagat, published by the Deptt. of Kashmiri, University of Kashmir.
- (ii) *Kashiry Luki Beeth* (all volumes) published by the J&K Cultural Akademy.

KONKANI**PAPER I**

(Answers must be written in Konkani)

Section A**History of the Konkani Language :**

- (i) Origin and development of the language and influences on it.
- (ii) Major variants of Konkani and their linguistic features.
- (iii) Grammatical and lexicographic work in Konkani, including a study of cases, adverbs, indeclinables and voices.
- (iv) Old Standard Konkani, New Standard and Standardisation problems.

Section B**History of Konkani Literature**

Candidates would be expected to be well-acquainted with Konkani literature and its social and cultural background and consider the problems and issues arising out of them.

- (i) History of Konkani literature from its probable source to the present times, with emphasis on its major works, writers and movements.

- (ii) Social and cultural background of the making of Konkani literature from time to time.
- (iii) Indian and Western influences on Konkani literature, from the earliest to modern times.
- (iv) Modern literary trends in the various genres and regions including a study of Konkani folklore.

PAPER II

(Answers must be written in Konkani)

Textual Criticism of Konkani Literature

The paper will be designed to test the candidate's critical and analytical abilities. Candidates would be expected to be well-acquainted with Konkani Literature and required to have first-hand reading of the following texts :

Section A : Prose

1. (a) Konkani Mansagangotri (excluding poetry) ed. by Prof. Olivinho Gomes.
2. (b) Old Konkani language and literature—the Portuguese Role
2. (a) Otmo Denvcharak—a novel by A. V. da Cruz.
- (b) Vadollani Varem—a novel by Antonio Pereira.
- (c) Devache Kurpen—a novel by V.J.P. Saldanha.
3. (a) Vajralikhani—Shenoy goem-bab-An anthology—ed. by Shantaram Varde Valavalikar.
- (b) Konkani Lalit Niband—Essays—ed. by Shyam Verenkar.
- (c) Teen Dasakam—An anthology—ed. by Chandrakant Keni.
4. (a) Demand—Drama—by Pundalik Naik.
- (b) Kadambini: A Miscellany of Modern Prose—ed. by Prof. O.J.F. Gomes and Smt. P.S. Tadkodkar.
- (c) Ratha Tujeo Ghudieo—by Smt. Jayanti Naik.

Section B : Poetry

1. (a) Evani Mori : Poetry by Eduardo Bruno de Souza.
- (b) Abravanchem Yadnyadan—by Luis Mascarenhas.
2. (a) Godde Ramayan—ed. by R.K. Rao.
- (b) Ratnagar I and II—collection of poems—ed. R. V. Pandit.
3. (a) Zayo Zuyo—poems- Manohar L. Sardessai.
- (b) Kanadi Mati Konkani Kavi—Anthology of Poems—ed. Pratap Naik.
4. (a) Adrushatache Kalle—Poems by Pandurang Bhangui.
- (b) Yaman—Poems by Madhav Borkar.

MAITHILI

PAPER I

HISTORY OF MAITHILI LANGUAGE AND ITS LITERATURE

(Answers must be written in Maithili)

PART A

History of Maithili Language

1. Place of Maithili in Indo-European Language family.

- 2. Origin and development of Maithili language. (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili)
- 3. Periodic division of Maithili Language. (Beginning, Middle era, Modern era).
- 4. Maithili and its different dialects.
- 5. Relationship between Maithili and other Eastern languages (Bengali, Assamese, Oriya)
- 6. Origin and Development of Tirhuta Script.
- 7. Pronouns and Verbs in Maithili Language.

PART B

History of Maithili Literature

1. Background of Maithili Literature (Religious, Economic, Social, Cultural).
2. Periodic division of Maithili literature.
3. Pre-Vidyapati Literature.
4. Vidyapati and his tradition.
5. Medieval Maithili Drama (Kirtaniya Natak, Ankia Nat, Maithili dramas written in Nepal).
6. Maithili Folk Literature (Flok Tales, Folk Drama, Folk Stories, Folk Songs).
7. Development of different literary forms in modern era.
 - (a) Prabandh-kavya
 - (b) Mukta-kavya
 - (c) Novel
 - (d) Short Story
 - (e) Drama
 - (f) Essay
 - (g) Criticism
 - (h) Memoirs
 - (i) Translation
8. Development of Maithili Magazines and Journals.

PAPER-II

(Answers must be written in Maithili)

The paper will require first-hand reading of the prescribed texts and will test the critical ability of the candidates.

PART A

Poetry

1. Vidyapati Geet-Shati—Publisher : Sahitya Akademi, New Delhi (Lyrics- I to 50)
2. Govind Das Bhajanavali—Publisher : Maithili Academy, Patna (Lyrics- I to 25)
3. Krishnajanm—Manbodh
4. Mithilabhasha Ramayana—Chanda Jha (only Sunder-Kand)
5. Rameshwar Charit Mithila Ramayan—Lal Das (only Bal-kand)
6. Keechak-Vadh—Tantra Nath Jha.
7. Datta-Vati—Surendra Jha 'Suman' (only 1st and 2nd Cantos).

8. Chitra-Yatri
9. Samakaleen Maithili Kavita—Publisher: Sahitaya Akademi, New Delhi.

Part-B

10. Varna Ratnakar—Jyotirishwar (only 2nd Kallol)
11. Khattar Kakak Tarang—Hari Mohan Jha
12. Lorik—Vijaya Manipadma
13. Prithvi Putra—Lalit
14. Bhaphait Chahak Jinagi—Sudhanshu 'Shekhar' Choudhary
15. Kriti Rajkamlak—Publisher: Maithili Acadamy, Patna (First Ten Stories only)
16. Katha-Sangrah—Publisher: Maithili Acadamy, Patna.

MALAYALAM

PAPER I

(Answers must be written in Malayalam)

Section A

1—Early phase of Malayalam language:

- 1.1 Various theories : Origin from proto Dravidian, Tamil, Sanskrit.
- 1.2 Relation between Tamil and Malayalam : Six nayas of A. R. Rajarajavarma.
- 1.3 Pattu School—Definition, Ramacharitam, later pattu works—Niranam works and Krishnagatha.

2—Linguistic features of:

- 2.1 Manipravalam—definition. Language of early manipravala works—Champu, Sandesakavya, Chandrotsava, minor works. Later manipravala works—medieval Champu and Attakkatha.
- 2.2 Folklore—Southern and Northern ballads, Mappila songs.
- 2.3 Early Malayalam Prose—Bhashakautaliyam, Brahmandapuram, Attaprakaram, Kramadipika and Nambiantamil.

3—Standardisation of Malayalam :

- 3.1 Peculiarities of the language of Pana, Kilippattu and Tullal.
- 3.2 Contributions of indigenous and European missionaries to Malayalam.
- 3.3 Characteristics of contemporary Malayalam ; Malayalam as administrative language. Language of scientific and technical literature—media language.

Section B

LITERARY HISTORY

4—Ancient and Medieval Literature :

- 4.1 Pattu—Ramacharitam, Niranam Works and Krishnagatha.
- 4.2 Manipravalam—early and medieval manipravala works including attakkatha and champu.
- 4.3 Folk literature.

4.4 Kilippattu, Tullal and Mahakavya.

5—Modern Literature—Poetry

- 5.1 Venmani poets and contemporaries.
- 5.2 The advent of Romanticism—Poetry of Kavitraya i.e., Asan, Ulloor and Vallathol.
- 5.3 Poetry after Kavitraya.
- 5.4 Modernism in Malayalam Poetry.

6—Modern Literature—Prose

- 6.1 Drama.
- 6.2 Novel.
- 6.3 Short story.
- 6.4 Biography, travelogue, essay and criticism.

PAPER II

(Answers must be written in Malayalam)

This paper will require first hand reading of the texts prescribed and is designed to test the candidates critical ability.

Section A

Unit 1

- 1.1 Ramacharitam—Patalam 1.
- 1.2 Kannassaramayanam—Balakandam first 25 stanzas.
- 1.3 Unnunilisandesam—Purvabhagam 25 slokas including Prastavana.
- 1.4 Mahabharatham Kilippattu—Bhishmaparvam.

Unit 2

- 2.1 Kumaran Asan—Chintavisthayaya Sita.
- 2.2 Vailoppilli—Kutiyozhikkal.
- 2.3 G. Sankara Kurup—Perunthachan.
- 2.4 N. V. Krishna Varier—Tivandiyile pattu.

Unit 3

- 3.1 O. N. V.—Bhumikkoru Charamagitam.
- 3.2 Ayyappa Panicker—Kurukshetram.
- 3.3 Akkitam—Pandatha Messanthi.
- 3.4 Attur Ravivarma—Megharupan.

Section B

Unit 4

- 4.1 O. Chanthu Menon—Indulekha.
- 4.2 Thakazhy—Chemmin.
- 4.3 O. V. Vijayan—Khasakkinte Ithihasam.

Unit 5

- 5.1 M. T. Vasudevan Nair—Vanaprastham (Collection).
- 5.2 N. S. Madhavan—Higvitta (Collection).
- 5.3 C. J. Thomas—1128-il Crime 27.

Unit 6

- 6.1 Kuttikrishna Marar—Bharataparyatanam.
- 6.2 M. K. Sanu—Nakshatrangalute Snehabhajanam.
- 6.3 V. T. Bhattacharji—Kannirum Kinavum.

MANIPURI**PAPER I****(Answers must be written in Manipuri)****Section A****Language :**

(a) General characteristics of Manipuri Language and history of its development; its importance and status among the Tibeto-Burman Languages of North-East India; recent development in the study of Manipuri language; evolution and study of old Manipuri script.

(b) Significant features of Manipuri language :

- (i) Phonology : Phoneme-vowels, consonants juncture, tone, consonant cluster and its occurrence, syllable-its structure, pattern and types.
- (ii) Morphology : Word-class, root and its types; affix and its types; grammatical categories-gender, number, person, case, tense and aspects, process of compounding (samas and sandhi).
- (iii) Syntax : Word order; types of sentences, phrase and clause structures.

Section B

(a) Literary History of Manipuri :

Early period (upto 17th Century)—Social and cultural background; Themes, diction and style of the works.

Medieval period (18th and 19th Century)—Social, religious and political background; Themes, diction and style of the works.

Modern period—Growth of major literary forms; change of Themes, diction and style.

(b) Manipuri Folk Literature :

Legend, Folktale, Folksong, Ballad, Proverb and Riddle.

(c) Aspects of Manipuri Culture :

Pre-Hindu Manipuri Faith; Advent of Hinduism and the process of syncreticism;

Performing arts—Lai Haraoba, Maha Ras;

Indigenous games—Sagol Kangjei, Khong Kangjei, Kang.

PAPER II**(Answers must be written in Manipuri)**

This paper will require first hand reading of the texts prescribed and will be designed to test candidate's critical ability to assess them.

Section A**Old and Medieval Manipuri Literature :**

(a) **Old Manipuri Literature :**

1. O. Bhogeswar Singh (Ed.) : Numit Kappa
2. M. Gourachandra Singh (Ed.) : Thawanthaba Hiran
3. N. Khelchandra Singh (Ed.) : Naothingkhong Phambal Kaba
4. M. Chandra Singh (Ed.) : Panthoibi Khonggul

(b) Medieval Manipuri Literature :

1. M. Chandra Singh (Ed.) : Samsok Ngamba
2. R.K. Snahal Singh (Ed.) : Ramayana Adi Kanda
3. N. Khelchandra Singh (Ed.) : Dhananjoy Laibu Ningba
4. O. Bhogeswar Singh (Ed.) : Chandrakirti Jila Changba

Section B**Modern Manipuri Literature :**

(a) **Poetry and Epic :**

(I) Poetry :

(a) Manipuri Sheireng (Pub) Manipuri Sahitya Parishad, 1998 (ed.)

Kh. Chaoba Singh	: Pi Thadoi, Lamgi Chekla Amada, Loktak
Dr. L. Kamal Singh	: Nirjanata, Nirab Rajani.
A. Minaketan Singh	: Kamalda, Nonggumlalkhoda.
L. Samarendra Singh	: Ingagi Nong, Marnang Leikai Thambal Satle
E. Nilakanta Singh	: Manipur, Lamangnaba
Shri Biren	: Tangkhul Hui.
Th. Ibopishak	: Anouba Thunglaba Jiba.

(b) Kanchi Sheireng. (Pub) Manipur University 1998 (ed.)

Dr. L. Kamal Singh	: Biswa-Prem
Shri Biren	: Chaphadraba Laigi Yen
Th. Ibopishak	: Norok Patal Prithivi

(II) Epic :

1. A. Dorendrajit Singh : Kansa Bodha
2. H. Anganghal Singh : Khamba-Thoibi Sheireng (San-Senba, Lei Langba, Shamu Khonggi Bichar)

(III) Drama :

1. S. Lalit Singh : Areppa Marup
2. G.C. Tongbra : Matric Pass
3. A. Samarendra : Judge Saheb ki Linung

(b) **Novel, Short-story and Prose :**

(I) Novel :

1. Dr. L. Kamal Singh : Madhabibi
2. H. Anganghal Singh : Jahera
3. H. Guno Singh : Laman
4. Pacha Meetei : Imphal Amasung, Magi Ishing, Nungsitki Phibam

(II) Short-story :

(a) Kanchi Warimacha (Pub) Manipur University 1997(ed.)

R.K. Shitaljit Singh	: Kamala Kamala
M.K. Binodini	: Eigi Thahoudraba Heitup Lalu
Kh. Prakash	: Wanom Shareng

(b) Parishadki Khangatlaba Warimacha (Pub) Manipuri Sahitya Parishad 1994 (ed.)
 S. Nilbir Shastri : Loukhatpa
 R.K. Elangba : Karinunggi

(c) Anouba Manipuri Warimacha (Pub) The Cultural Forum Manipur 1992 (ed.)
 N. Kunjamohon Singh : Ijat Tanba
 E. Dinamani : Nongthak Khongnang

(III) Prose :

(a) Warenggi Saklon [Due Part] (Pub) The Cultural Forum Manipur 1992 (ed.)
 Kh. Chaoba Singh : Khamba-Thoibigi Wari
 Amasung Mahakavya

(b) Kanchi Wareng (Pub) Manipur University, 1998 (ed.)
 B. Manisana Shastri : Phajaba
 Ch. Manihar Singh : Lai-Haraoba

(c) Apunba Wareng (Pub) Manipur University, 1986 (ed.)
 Ch. Pishak Singh : Samaj Amasung Sanskriti
 M.K. Binodini : Thoibidu Warouhouida
 Eric Newton : Kalagi Mahousa (translated by I.R. Babu)

(d) Manipuri Wareng (Pub) The Cultural Forum Manipur 1999 (ed.)
 S. Krishnamohan Singh : Lan

MARATHI
PAPER I

(Answers must be written in Marathi)

Section A

Language and Folk-lore

(a) Nature and Functions of Language
 (with reference to Marathi)

Language as a signifying system : Langue and Parole; Basic functions; Poetic Language; Standard Language and dialect; Language variations according to social parameters.

Linguistic features of Marathi in thirteenth century and seventeenth century.

(b) Dialects of Marathi

Ahirani; Varhadi; Dangi.

(c) Marathi Grammar

Parts of Speech; Case-system; Prayog-vichar (Voice).

(d) Nature and kinds of Folk-lore

(with special reference to Marathi)
 Lok-Geet, Lok Katha, Lok Natya.

Section B

(History of Literature and Literary Criticism)

(a) History of Marathi Literature

1. From beginning to 1818 AD, with special reference to the following : The Mahanubhava writers, the Varkari poets, the Pandit poets, the Shahirs, Bakhar literature.
2. From 1850 to 1990, with special reference to developments in the following major forms : Poetry, Fiction (Novel and Short Story), Drama; and major literary currents and movements, Romantic, Realist, Modernist, Dalit, Gramin, Feminist.

(b) Literary Criticism

1. Nature and function of Literature;
2. Evaluation of Literature;
3. Nature, Objectives and Methods of Criticism;
4. Literature, Culture and Society.

PAPER II

(Answer must be written in Marathi)

Textual study of prescribed literary works.

The paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

Section A

(Prose)

- (1) 'Smritisthala'
- (2) Mahatma Jotiba Phule
 "Shetkaryacha Asud"
 "Sarvajanik Satyadharma"
- (3) S.V. Ketkar
 "Brahmankanya"
- (4) P.K. Atre
 "Sashtang Namaskar"
- (5) Sharchchandra Muktibodh
 "Jana Hey Volatu Jethe"
- (6) Uddhav Shelke
 "Shilan"
- (7) Baburao Bagul
 "Jevha Mi Jaat Chorli Hoti"
- (8) Gouri Deshpande
 "Ekek Paan Galavaya"
- (9) P.I. Sonkamble
 "Athavaninche Pakshi"

Section B

(Poetry)

- (1) 'Namadevanchi Abhangawani'
 Ed: Inamdar, Relekar, Mirajkar
 Modern Book Depot, Pune
- (2) 'Painjan'
 Ed : M.N. Adwant
 Sahitya Prasar Kendra, Nagpur

- (3) 'Damayanti-Swayamvar'
By Raghunath Pandit
- (4) 'Balakvinchi Kavita'
By Balkavi
- (5) 'Vishakha'
By Kusumagraj
- (6) 'Maridgandh'
By Vinda Karandikar
- (7) 'Jahirnama'
By Narayan Surve
- (8) 'Sandhyakalchya Kavita'
By Grace
- (9) 'Ya Sattet Jeev Ramat Nahi'
By Namdev Dhasal

NEPALI

PAPER I

(Answers must be written in Nepali)

Section A

1. History of the origin and development of Nepali as one of the new Indo Aryan Languages.
2. Fundamentals of Nepali Grammar and phonology:
 - (i) Nominal forms and categories :—
Gender, Number, Case, Adjectives, Pronouns, Avyayas
 - (ii) Verbal forms and categories :—
Tense, Aspects, Voice, Roots and Fixes
 - (iii) Nepali Swara and Vyanjana;
3. Major Dialects of Nepali
4. Standardisation and Modernisation of Nepali with special reference to language movements (viz. Halanta Bahiskar, Jharrovad etc.)
5. Teaching of Nepali language in India—Its history and development with special reference to its socio-cultural aspects.

Section B

1. History of Nepali literature with special reference to its development in India.
2. Fundamental concepts and theories of literature :
Kavya/Sahitya, Kavya Prayojan, Literary genres, Shabda Shakti, Rasa, Alankara, Tragedy, Comedy, Aesthetics, Stylistics.
3. Major literary trends and movements—
Swachchhandatavad, Yatharthavad, Astitwavad, Ayamik Movement Contemporary Nepali writings, Postmodernism.
4. Nepali folklores (the following folk-form only)—
Sawai, Jhyaurey, Selo, Sangini, Lahari.

PAPER II

(Answers must be written in Nepali)

This paper will require first hand reading of the texts prescribed below and questions will be designed to test the candidate's critical acumen.

Section A

1. Santa Jnandil Das — Udaya Lahari
2. Lekhnath Poudyal — Tarun Tapasi (Vishrams III, V, VI, XII, XV, XVIII only)
3. Agam Sing Giri — Jaleko Pratibimba Royeko Pratidhwani (The following Poems only-
Prasawako Chichyahatsanga Byunjheko Ek Raat, Chhorolai, Jaleko Pratibimba : Royeko Pratidhwani, Hamro Akashmani Pani Hunchha Ujyalo, Tihar).
4. Haribhakta Katuwal — Yo Zinadagi Khai Ke Zindagi : (The following poems only-Jeevan : Ek Dristi, Yo Zindagi Khai Ke Zindagi, Akashka Tara Ke Tara, Hamilai Nirdho Nasamjha, Khai Manyata Yahan Atmahutiko Balidan Ko).
5. Balkrishna Sama — Prahlad.
6. Manbahadur Mukhia — Andhyaroma Banchneharu (The following One-Act only-
Andhyaroma Banchneharu 'Susker')

Section B

1. Indra Sundas — Sahara.
2. Lilbahadur Chhetri — Brahma putrako Chheuchhau
3. Rupnarayan Sinha — Katha Navaratna (The following stories only—Biteka Kura, Jimmewari Kasko, Dhanamatiko Cinema—Swapna, Vidhwasta Jeevan).

4. Indrabahadur Rai — Vipana Katipaya (The following stories only—Raatbhari Huri Chalyo, Jayamaya Aphumatra Lekhapani Aipugi, Bhagi, Ghosh Babu, Chhutuaiyo).

5. Sanu Lama — Katha Sampaad (The following stories only—Swasni Manchhey, Khani Tarma Ekdin, Phurbale Gaun Chhadyo, Asinapo Manchhey).

6. Laxmi Prasad Devkota — Laxmi Nibandha Sangraha (The following essays only—Sri Ganeshaya Namha, Nepali Sahityako Itihasma Sarvashrestha Purus, Kalpana, Kala Ra Jeevan, Gadha Buddhimani ki Guru?)

7. Ramkrishna Sharma — Das Gorkha (The following essays only—Kavi, Samaj Ra Sahitya, Sahityama Sapekshata, Sahityik Ruchiko Praudhata, Nepali Sahityako Pragati).

ORIYA**PAPER I**

(Answers must be written in Oriya)

Section A**History of Oriya Language**

- (i) Origin and development of Oriya Language—Influence of Austric, Dravidian, Perso—Arabic and English on Oriya Language.
- (ii) Phonetics and Phonemics : Vowels, Consonants Principles of changes in Oriya sounds.
- (iii) Morphology : Morphemes (free, bound compound and complex), derivational and inflectional affixes, case inflection, conjugation of verb.
- (iv) Syntax : Kinds of sentences and their transformation, structure of sentences.
- (v) Semantics—Different types of change in meaning, Euphemism.
- (vi) Common errors in spellings, grammatical uses and construction of sentences.
- (vii) Regional variations in Oriya Language (Western, Southern and Northern Oriya) and Dialects (Bhatri and Desia).

Section B**History of Oriya Literature**

- (i) Historical backgrounds (social, cultural and political) of Oriya Literature of different periods.
- (ii) Ancient epics, ornate kavyas and padavalis.
- (iii) Typical structural forms of Oriya Literature (Koili, Chautisa, Poi, Chaupadi, Champu).
- (iv) Modern trends in poetry, drama short story, novel essay and literary criticism.

PAPER II

(Answers must be written in Oriya)

Critical Study of texts—

The paper will require first hand reading of the text and test the critical ability of the candidate.

Section A**Poetry****(Ancient)**

1. Sāralā Dās—Shanti Parva from Mahābhārata.
2. Jagannāth Dās—Bhāgabata, XI Skadhā—Jadu Avadhuta Sambāda.

(Medieval)

3. Dinakrushna Dās—Raskallola—(Chhāndas—16 & 34)
4. Upendra Bhanja—Lāvanyabati (Chhāndas—1 & 2).

(Modern)

5. Rādhānāth Rāy—Chandrabhāgā.
6. Māyādhar Mānasinha—Jeevan—Chitā.
7. Sātchidananda Routray—Kabitā—1962.
8. Ramākānta Ratha—Saptama Ritu.

Section B**Drama:**

9. Manoranjan Dās—Kātha-Ghoda.
10. Bijay Mishra—Tata Niranjanā.

Novel:

11. Fakir Mohan Senāpati—Chhamāna Āthaguntha.
12. Gopināth Mohānty—Dānāpani.

Short Story :

13. Surendra Mohānty—Marālara Mrityu.
14. Manoj Dās—Laxmira Abhisāra.

Essay:

15. Chittaranjan Dās—Tranga O Tadit (First Five essays).
16. Chandra Sekhar Rath—Mun Satyadharma Kahuchhi (First five essays).

PALI**PAPER - I****(Pali Language)**

N.B. All answers must be written in Pāli language in Devanāgarī or Roman Script

Section A

1. Origin and Homeland of Pāli and its characteristics.
2. Pāli Grammar—(i) Technical Terms of Pāli Grammar—Akkhara, Sara, Vyanjana, Niggahita, Nāma, Sabbanāma Akhyāta, Upasagga, Nipāta, Abyaya, (ii) Kāraka, (iii) Samāsa, (iv) Sandhi, (v) Taddhita. (Apaccabodhaka—and Adhikārabodhaka- Paccaya); (vi) Etymological derivation of the following words :—
Buddho, Bhikkhu, Sāmanero, Satthā, Dhammo, Latāya, Purisānam, Tumhe, Amhebhi, Muninā, Rattisū, Phalāya, Athisū, Raññam, Sangho.
3. Translation of two Pāli unseen passages into English.

Section B

4. Essay consisting of 300 words on any one of the following:—
(a) Bhagavā Buddho, (b) Tilakkhañm, (c) Ariyo atthangiko maggo, (d) Cattāri ariyāsaccāni, (e) Kamma vādo (f) Paticcasamuppādo, (g) Nibbānam paramām sukham, (h) Tipitakam, (i) Dhammapadam, (j) Majjhimā—Patipad.
5. Summary of Pāli passages.
6. Explanation of Pāli verses in Pāli.
7. The meaning of following indeclinables (Abyaya and Nipāta) and their use in candidates' own Pāli sentences:
(i) Athā, (ii) Antarā, (iii) Addhā, (iv) Kadā, (v) Kitāvata, (vi) Ahorattam, (vii) Divā, (viii) Yathā, (ix) Ce, (x) Seyyathādam, (xi) Vinā, (xii) Kudācanam, (xiii) Saddhūm, (xiv) Antarena, (xv) Kho, (xvi) Mā, (xvii) Evañ, (xviii) Ettha, (xix) Kira, (xx) Pana.

PAPER II**(Pali Literature)**

There will be two compulsory questions which must be answered in Pāli Language in Devanagari or Roman Script. The remaining questions must be attempted either in Pāli or in the medium of examination opted by the candidate.

Section A

- (i) Life and teachings of Buddha from the Pāli sources.
- (ii) History of Pāli Literature—Canonical and Non-Canonical with reference to the following books and authors :

Mahāvagga, Cullavagga, Pātimokkha, Dāgha-Nikāya, Dhammapada, Jātaka, Teragāthā, Theragāthā, Dāpavamsa, Mahāvamsa, Dāthavamsa, Sāsanavamsa, Milindapañha, Pebakopadesa, Nettippakārāna, Buddhādatta, Buddhaghosa and Dhammapāla.

Section B

1. Textual questions, critical comments and annotated translations would be asked from the following prescribed texts :—

- (i) Dīgha-Nikāya (Only the Sāmaññaphala-Sutta)
- (ii) Sutta-nipāta (Only the Khaggavisāñā-Sutta and Dhaniya-Sutta)
- (iii) Dhammapada (Only the first five Vagga-s)
- (iv) Milindapañha (Only the Lakkhañā-pañha)
- (v) Mahāvamsa (Only the Tatiya-Saṅgīti)
- (vi) Abhidhammattha-Saṅgaha (First, Second and Sixth Chapters).
- (vii) Pāli Prosody : Vuttodaya-Anutthubha, indavajirā, Upendavajirā, Vasantatilakā, Mālinī, Sikharini, Upajāti, Totaka, Dodhaka Vamsattha.
- (viii) Pāli Rhetoric : Subodhālankāra—Yamaka, Anuppāsa, Rupaka, Upama, Atisayutti, Vyatireka, Nidassana, Athantaranyāsa, Dipaka, Ditthanta.

2. Short Notes on Buddhist concepts dealt with in the prescribed texts.

3. Explanation of Pāli Verses from the prescribed texts.

PERSIAN**PAPER I**

There will be two questions indicated in question paper which must be answered in Persian. The remaining questions must be answered either in Persian or in the medium of examination opted by the candidate.

Section A

- I. (a) Description of the origin and development of Persian language (to be answered in Persian).
(b) Applied Grammar, Rhetorics, Prosody, Idioms and Phrases frequently used.
- (i) Grammar : Ism and its kinds. Zamir-e-Muttasil and Munfasil, Murakkabi-Tausifi, Murakkab-i-Izafi. Ismi-Ishara, Musharun Elaih, Fel and its kinds, Tenses, Gardan, singular and plural Jumleh and its kinds.
- (ii) Rhetorics : Tajnees, Ishteqaq, Luzum-mala-yalzum, Seyaqatul Aadad, Qalb, Tarsee, Esteara, Maratun Nazir, Laff-o-Nashr, Iham, Husn-o-Tajahulil Tajahuli Aarefaneh, Talmih, Tansiqus Sifat.
- (iii) Prosody : Bahri-Muzara, Ramal, Mutaqarib, Tawil, Hazaj, Kamil.

Section B

1. Short essay in Persian—250 words (to be answered in Persian).
2. History of Persian Literature in Iran and India; Literary Criticism and styles; trends in classical and modern literature; socio-cultural influences, development of modern literary genres including drama, novel, short story.

PAPER II

This paper will require first hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability. There will be two compulsory questions—one each in textual portions of prose and poetry which are to be answered in Persian. The remaining questions are to be answered either in Persian or in the medium of examination opted by the candidate.

Section A**PROSE**

1. Nizami Aroozi Samarcandi : Chahar Maqala :
 - (i) Dabiri
 - (ii) Shaairi
2. Qabus. b, Washmgir : Qabus Nama :
 - (i) Dar Shinakhtan-e-Haqq-e-Pidar-wa-Madar
 - (ii) Dar Bishi Justan Az Sukhandani
 - (iii) Dar Talib Ilmi Wa Faqih Wa Fuqaha
3. Sadi Shirazi : Gulistan :
 - (i) Dar Tasir-e-Suhbat
4. Modh. Awfi : Jawameul Hikayat :
 - (i) First Ten Hikayaat
5. Ziauddin Burney : Tarikh-i-Firozshahi :
 - (i) Wasaya-i-Sultan Balban Be Farzand-e-Buzurg
6. Abul Fazl : Ain-e-Akbari :
 - (i) Ain-Khazina-i-Abadi
 - (ii) Ain-e-Shabistan-e-Iqbali
 - (iii) Ain-e-Manzil Dar Yurishha
 - (iv) Ain-e-Cheragh Afrozi
7. Sadiq-i-Hedayat :
 - (i) Dash Akul
 - (ii) Girdab
8. Mohd. Hijazi :
 - (i) Khudkushi
 - (ii) Pezeshk-e-Chashm.

Section B**POETRY**

1. Firadausi : Shahnama :
 - (i) Rustam-o-Sohrab
2. Khayyam : Rubaaiyat (Radif Alif and Be)
3. Saadi Shirazi : Bustan :

'Dar Adl-u-Tadbir-u-Rai'

4. Amir Khusrau : Majmua-i-Diwan-e-Khusrau.
(Radif Dal)
5. Maulana Rum : Mathnawi Maanawi
(First Half of Daftari Duwwum)
6. Hafiz : (Radif Alif and Dal)
7. Urfi Shirazi : Qasaaid :
 - (i) Iqbal-e-Karam Migazad Arbabi-Himam Ra.
 - (ii) Har Sukhta Jane Ki Ba Kashmir Dar Ayad.
 - (iii) Sabah-e-Idd Ke Dar Takiyah-e-Naz-u-Naeem.
8. Ghalib : Ghazaaliyat (Radif Alif)
9. Bahar Mashhadi :
 - (i) Jughd-e-Jung
 - (ii) Sukoot-e-Shab
 - (iii) Damawandiye
 - (iv) Dukhtar-e-Basra
10. Furugh-e-Farrukhzad :
 - (i) Dar Barabar-e-Khuda
 - (ii) Diw-e-Shab
11. Nimayushij :
 - (i) Qu
 - (ii) Khar-Kan

NOTE :—Textual portions of prose and poetry are to be explained in Persian compulsorily.

PUNJABI**PAPER I**

Answers must be written in Punjabi in Gurumukhi script

Section A

- (a) Origin of Punjabi language; different stages of development and recent development in Punjabi language; characteristics of Punjabi phonology and the study of its tones; classification of vowels and consonants.
- (b) Punjabi morphology; the number-gender system (animate and inanimate), prefixes, affixes and different categories of Post positions; Punjabi word formation; **Tatsam**, **Tad Bhav**, forms; Sentence structure, the notion of subject and object in Punjabi; Noun and verb phrases.
- (c) Language and dialect : the notions of dialect and idiolect; major dialects of Punjabi : Pothohari, Majhi, Doabi, Malwai, Paudhi; the validity of speech variation on the basis of social stratification, the distinctive features of various dialects with special reference to tones Language and script; origin and development of Gurumukhi; Suitability of Gurumukhi for Punjabi.

(d) Classical background : Nath Jogi Sahit.

Medieval literature : Gurmat, Suti, Kissa and Var : janamsakhis.

Section B

(a) Modern trends

Mystic, romantic, progressive and neomystic (Vir Singh, Puran Singh, Mohan Singh, Amrita Pritam, Bawa Balwant, Pritam Singh Safeer, J. S. Neki).
Experimentalist (Jasbir Singh Ahluwalia, Ravinder Ravi, Ajaib Kamal).

Aesthetes (Harbhajan Singh, Tara Singh). Neo-progressive (Pash, Jagtar, Patar).

(b) Folk literature

Folk songs, Folk tales, Riddles, Proverbs.

Epic

(Vir Singh, Avtar Singh Azad, Mohan Singh).

Lyric

(Gurus, Sufis and Modern Lyricists—Mohan Singh, Amrita Pritam, Shiv Kumar, Harbhajan Singh).

(c) Drama

(I.C. Nanda, Harcharan Singh, Balwant Gargi, S.S. Sekhon, Charan Das Sidhu).

Novel

(Vir Singh, Nanak Singh, Jaswant Singh Kanwal, K.S. Duggal, Sukhbir, Gurdial Singh, Dalip Kaur Tiwana, Swaran Chandan).

Short Story

(Sujan Singh, K. S. Virk, Prem Parkash, Waryam Sandhu).

(d) Socio-cultural

Literary influences;

Essay

(Puran Singh, Teja Singh, Gurbaksh Singh).

Literary Criticism

(S.S. Sekhon, Attar Singh, Kishan Singh, Harbhajan Singh, Najam Hussain Sayyad).

PAPER-II

Answered must be written in Punjabi in Gurumukhi script

This paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

Section A

(a) Sheikh Farid

The complete Bani as included in the Adi Granth.

(b) Guru Nanak

Japu Ji. Baramah. Asa di Var.

(c) Bulleh Shah

Kafian

(d) Waris Shah

Heer

Section B

(a) Shah Mohammad	Jangnama (Jang Singhante Firangian)
Dhani Ram Chatrik (Poet)	Chandan Vari Sufi Khana Nawan Jahan
(b) Nanak Singh (Novelist)	Chitta Lahu Pavittar Papi Ek Mian Do Talwaran
(c) Gurbaksh Singh (Essayist)	Zindagi-di-Ras Nawan Shivala Merian Abhul Yadaan.
Balraj Sahni (Travelogue)	Mera Roosi Safarnama Mera Pakistani Safarnama
(d) Balwant Gargi (Dramatist)	Loha Kutt Dhuni-di-Agg Sultan Razia
Sant Singh Sekhon (Critic)	Sahityarth Parsidh Punjabi Kavi Punjabi Kav Shiromani.

RUSSIAN

PAPER-I

Answers must be written in Russian except in the case of question requiring translation from Russian to English
(Language and Culture)

Section A

i. Modern Russian Language :

Phonetics, Morphology, Syntax Lexicology, Lexicography and Semantics, linguistics.

ii. Translation from Russian into English and vice-versa.

Section B

i. Social-political and economical development of the Russian Federation : Patriotic war of 1812, October Revolution, Perestroika and Glasnot, disintegration of USSR. Regional & Cultural variations of the Russian Federation.

ii. Essay on general topics.

PAPER-II

Answers must be written in Russian

(Literature)

Section A

Literary History and Literary Criticism.

Literary movements, Sentimentalism, romanticism, Naturalism, Realism, Critical Realism, Socialism, Acmeism, Symbolism, Futurism; Origin and development of literary genres : Folk literature, Lyrics and poems—A.S. Pushkin, M.U. Lermontov, Alexander Blok, Esenin, V. Mayakovky, Anna Akhmatova. Epic—L.N. Tolstoy, M. Sholokhov. Short

story, novelet, novels—Pushkin, Lermontov, N.V. Gogol, S. Shchedrin, I. Goncharov, I. Turgenev, F.M. Dostoevsky, L.N. Tolstoy, A.P. Chekov, M. Gorkay, M. Sholokhov, I. Bunin, E. Zamiatin, Boris Pasternak, A. Solzhenitsyn, M. Bulgakov, Chingiz Aitmatov, V. Rasputin, V. Shukshin, Criticism—Belinsky, Dobrolyubov, Chernyshevsky, Pisarev. Drama—Chekhov, Gogol. Influence of socio-political movements on literature.

Section B

This part will require first hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

1. A.S. Pushkin	Evgeny Onegin
2. M.U. Lermontov	Hero of our times
3. N.V. Gogol	Revizor
4. I.S. Turgenev	Fathers and Sons
5. F.M. Dostoevsky	Crime and Punishment
6. L.N. Tolstoy	i. War and Peace ii. Resurrection
7. A.P. Chekhov	i. Toska ii. Smert Chinovnika iii. Chameleon
8. A.M. Gorky	Mother
9. A. Blok	The twelve
10. B.B. Mayakovsky	i. Cloud in pants ii. Good
11. M. Sholokhov	Fate of a man
12. B. Pasternak	Doctor Zhivago
13. Solzhenitsyn	One day in the life of Ivan Danisovich
14. V. Rasputin	Zhivi i Pomni
15. Chingiz Aitmatov	Bely Porokhod
16. V. Shukshin	Chudik

SANSKRIT

PAPER-I

There will be three questions as indicated in the Question Paper which must be answered in Sanskrit. The Remaining questions must be answered either in Sanskrit or in the medium of examination opted by the candidate.

Section A

- Significant features of the grammar, with particular stress on Sanjna, Sandhi, Karaka, Samasa, Kartari and Karmani vacyas (voice usages) (to be answered in Sanskrit).
- (a) Main characteristics of Vedic Sanskrit language
(b) Prominent feature of classical Sanskrit language
(c) Contribution of Sanskrit to linguistic studies
- General Knowledge of:—
(a) Literary history of Sanskrit
(b) Principal trends of literary criticism
(c) Ramayana
(d) Mahabharata

- (e) The origin and development of literary geners of Mahakavya
Rupaki (drama)
Katha
Akhyayika
Campu
Khandakavya
Muktaka Kavya.

Section B

- Essential of Indian Culture with stress on
(a) Purusarthas
(b) Samskāras
(c) Varnasramavyavasthā
(d) Arts and fine arts
(e) Technical Sciences.
- Trends of Indian Philosophy
(a) Mīmānsā
(b) Vedanta
(c) Nyaya
(d) Vaisesika
(e) Sāṅkhya
(f) Yoga
(g) Baudhā
(h) Jaina
(i) Carvāka
- Short Essay (in Sanskrit)
- Unseen passage with the questions (to be answered in Sanskrit).

PAPER-II

Question from Group 4 is to be answered in Sanskrit only. Questions from Groups 1, 2 and 3 are to be answered either in Sanskrit or in the medium opted by the candidate.

Section A

General study of the following groups :—

Group 1	(a) Raghuvamsam—Kalidasa (b) Kumarasainbhavam—Kalidasa (c) Kiratarjuniyam—Bharavi (d) Sisupalavadham—Magha (e) Naisadhiyacaritam—Sriharsa (f) Kadambari—Banabhatta (g) Dasakumārācaritam—Dandin (h) Sivarajyodayam—S. P. Varnekar
Group 2	(a) Īśāvāsyopanisad (b) Bhagavadgīta (c) Sundarakānda of Valmiki's Ramayana (d) Arthashastra of Kautilya
Group 3	(a) Svapanavasavadattam—Bhasa (b) Abhijnanasakuntalam—Kalidasa

- (c) Mricchakatikam—Sudraka
- (d) Mudraraksasam—Visakhadatta
- (e) Uttararamacaritam—Bhavbhuti
- (f) Ratnavali—Sriharshavardhana
- (g) Venisamharam—Bhattacharyaya

Group 4 Short notes in Sanskrit on the following :

- (a) Meghadutam—Kalidasa
- (b) Nitisatakam—Bhartrhari
- (c) Pancatantra—
- (d) Rajatarangini—Kalhana
- (e) Harsacaritam—Banabhatta
- (f) Amarukasatakam—Amaruka
- (g) Gitagovindam—Jayadeva.

Section B

This section will require first hand reading of the following selected texts :—(Questions from Groups 1 & 2 are to be answered in Sanskrit only) Questions from Groups 3 and 4 are to be answered either in Sanskrit or in the Medium opted by the candidate.

Group 1	(a) Raghuvamsam—Canto I, Verses 1 to 10
	(b) Kumarasambhavam—Canto I, Verses 1 to 10
	(c) Kiratarjuniyau—Canto I, Verses 1 to 10
Group 2	(a) Isavasyopanisad—Verses—1, 2, 4, 6, 7, 15 and 18
	(b) Bhagavatgita II Chapter Verses 13 to 25
	(c) Sundarakandam of Valmiki Canto 15, Verses 15 to 30 (Geeta Press Edition)
Group 3	(a) Meghadutam—Verses 1 to 10
	(b) Nitisatakam—Verses 1 to 10 (Edited by D.D. Kosambi Bharatiya Vidya Bhavan Publication)
	(c) Kadambini—Sukanasopadesa (only)
Group 4	(a) Svapnavasavadattam Act VI
	(b) Abhijnansakuntalam Act IV Verses 15 to 30 (M.R. Kale Edition)
	(c) Uttararamacaritam Act I Verses 31 to 47 (M.R. Kale Edition).

SANTALI

PAPER I

(Answers must be written in Santali)

Section A

Part-I—History of Santali Language

1. Main Austric Language family, population and distribution.

2. Grammatical structure of Santali Language.
3. Important character of Santali Language: Phonology, Morphology, Syntax, Semantics, Translation, Lexicography.
4. Impact of other languages of Santali.
5. Standardization of Santali Language.

PART-II—History of Santali Literature

1. Literary trend of the following four periods of history of Santali Literature.
 - (a) Ancient Literature before 1854.
 - (b) Missionary period Literature between 1855 to 1889 AD.
 - (c) Medieval period: Literature between 1890 to 1946 AD.
 - (d) Modern period : Literature from 1947 AD to till date.
2. Writing tradition in History of Santali literature.

Section-B

Literary forms—Main characteristics, history and development of following literary forms.

Part-I

Folk Literature in Santali—folk song, folk tale, phrase, idioms puzzles, and Kudum.

Part-II

Modern literature in Santali

1. Development of poetry and prominent poets.
2. Development of prose and prominent writers.
 - (i) Novels and prominent Novelists.
 - (ii) Stories and prominent story writers.
 - (iii) Drama and Prominent Dramatist.
 - (iv) Criticism and prominent critics.
 - (v) Essay, sketches, memoirs, travelogues and prominent writers.

Santali writers

Shyam Sundar Hembram, Pandit Raghunath Murmu, Barha Beshra, Sadhu Ramchand Murmu, Narayan Soren 'Toresutam', Sarda Prasad Kisku, Raghunath Tudu, Kalipada Soren, Sakla Soren, Digamber Hansda, Aditya Mitra 'Santali', Babulal Murmu 'Adivasi', Jadumani Beshra, Arjun Hembram, Krishna Chandra Tudu, Rupchand Hansda, Kalendra Nath Mandi, Mahadev, Hansda, Gour Chandra Murmu, Thakur Prasad Murmu, Hara Prasad Murmu, Uday Nath Majhi, Parimal Hembram, Dharendra Nath Baske, Shyam Charan Hembram, Damayanti Beshra, T.K. Rapaj, Boyha Biswanath Tudu.

Part-III

Cultural Heritage of Santali tradition, customs, festival and rituals (birth, marriage and death).

PAPER II

(Answers must be written in Santali)

Section A

This paper will require in-depth reading of the following texts and the questions will be designed to test the candidates' critical ability.

Ancient Literature :**Prose**

- (a) Kherwal Bonso Dhorom Puthi—Majhi Ramdas Tudu "Rasika".
- (b) Mare Hapramko Reyak Katha—I.O. Scrafsrud.
- (c) Jomsim Binti Lita—Mangal Chandra Turkulunang Soren.
- (d) Marang Buru Binti—Kanailal Tudu.

Poetry

- (a) Karam Sereng—Nunku Soren.
- (b) Devi Dasain Sereng—Manindra Hansda.
- (c) Horh Sereng—W.G. Archer.
- (d) Baha Sereng—Balaram Tudu.
- (e) Dong Sereng—Padmashri Bhagwat Murmu 'Thakur'.
- (f) Hor Sereng—Raghunath Murmu.
- (g) Soros Sereng—Babulal Murmu "Adivasi".
- (h) More Sin More Ndia—Rup chand Hansda.
- (i) Judasi Madwa Latar—Tez Narayan Murmu.

Section B**Modern Literature****Part I—Poetry**

- (a) Onorhen Baha Dhalwak—Paul Jujhar Soren.
- (b) Asar Binti—Narayan Soren "Tore Sutam".
- (c) Chand Mala—Gora Chand Tudu.
- (d) Onto Baha Mala—Aditya Mitra "Santali".
- (e) Tiryo Tetang—Hari Har Hansda.
- (f) Sisirjon Rar—Thakur Prasad Murmu.

Part II—Novels

- (a) Harmawak Ato—R.Karstiars (Translator—R.K. Kisku Rapaz).
- (b) Manu Mati—Chandra Mohan Hansda.
- (c) Ato Orak—Doman Hansdak.
- (d) Ojoy Gada Dhiph re—Nathenial Murmu.

Part III—Stories

- (a) Jiyon Gada—Rup Chand Hansda and Jadumani Beshra.
- (b) Mayajaal—Doman Sahu 'Samir' and Padmashri Bhagwat Murmu 'Thakur'.

Part IV—Drama

- (a) Kherwar Bir—Pandit Raghunath Murmu.
- (b) Juri Khatir—Dr. K.C. Tudu.
- (c) Birsa Bir—Ravi Lal Tudu.

Part V—Biography

Santal Ko Ren Mayam Gohako—Dr. Biswanath Hansda.

SINDHI**PAPER I**

Answers must be written in Sindhi
(Arabic or Devanagari Script)

Section A

1. (a) Origin and evolution of Sindhi language—views of different scholars.
- (b) Significant linguistic features of Sindhi language, including those pertaining to its phonology, morphology and syntax.
- (c) Major dialects of the Sindhi language.
- (d) Sindhi vocabulary—stages of its growth, including those in the pre-partition and post-partition periods.
- (e) Historical study of various Writing Systems (Scripts) of Sindhi.
- (f) Changes in the structure of Sindhi language in India, after partition, due to influence of other languages and social conditions.

Section B

2. Sindhi literature through the ages in context of socio-cultural conditions in the respective periods :

- (a) Early medieval literature upto 1350 A.D. including folk literature.
- (b) Late medieval period from 1350 A.D. to 1850 A.D.
- (c) Renaissance period from 1850 A.D. to 1947 A.D.
- (d) Modern period from 1947 and onwards.

(Literary genres in Modern Sindhi literature and experiments in poetry, drama, novel, short story, essay, literary criticism, biography, autobiography, memoirs and travelogues.)

PAPER II

Answer must be written in Sindhi
(Arabic or Devanagari script)

This paper will require the first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

Section A

References to context and critical appreciation of the texts included in this section.

(1) Poetry

- a. "Shah Jo Choond Shair" : ed. H.I. Sadarangani, Published by Sahitya Akademi (First 100 pages).
- b. "Sachal Jo Choond Kalam" : ed. Kalyan B. Advani Published by Sahitya Akademi (Kafis only).
- c. "Sami-a-ja Choond Sloka" : ed. B.H. Nagrani Published by Sahitya Akademi (First 100 pages).
- d. "Shair-e-Bewas" : by Kishinchand Bewas ("Saamoondi Sipoon" portion only).
- e. "Roshan Chhanvra" : Narayan Shyam.
- f. "Virhange Khapoi je Sindhi Shair jee Choond" : ed. H.I. Sadarangani, published by Sahitya Akademi.

(2) Drama

- g. "Behtareen Sindhi Natak" (One-act Plays) : Edited by M. Kamal Published by Gujarat Sindhi Academy.
- h. "Kako Kaloomal" (Full-length Play) : by Madan Jumani.

Section B

References to context and critical appreciation of the texts included in this section.

- a. 'Pakheeera Valar Khan Vichhrya' (Novel) : by Gobind Malhi.
- b. 'Sat Deenhan' (Novel) : by Krishin Khatwani.
- c. 'Choond Sindhi Kahanyoon' (Short Stories) Vol. III. : Edited by Prem Prakash, published by Sahitya Akademi.
- d. 'Bandhan' (Short Stories) : Sundari Uttamchandani.
- e. 'Behtareen Sindhi Mazmoon' (Essays) : Edited by Hiro Thakur, published by Gujarat Sindhi Academy.
- f. 'Sindhi Tanqeed' (Criticism) : Edited by Harish Vaswani : Published by Sahitya Akademi.
- g. 'Mumhinjee Hayati-a-ja Sona Ropa varqa' (Autobiography) : by Popati Hiranandani.
- h. "Dr. Choithram Gidwani" (Biography) : by Vishnu Sharma.

TAMIL**PAPER I**

Answers must be written in Tamil

Section A**Part I: History of Tamil Language**

Major Indian Language Families—The place of Tamil among Indian Languages in general and Dravidian in particular—Enumeration and Distribution of Dravidian languages.

The language of Sangam Literature—The language of medieval Tamil : Pallava Period only—Historical study of Nouns, Verbs, Adjectives, Adverbs—Tense markers and case markers in Tamil.

Borrowing of words from other languages into Tamil—Regional and social dialects—difference between literary and spoken Tamil.

Part 2 : History of Tamil Literature

Tolkappiyam-Sangam Literature—The division of Akam and Puram—The secular characteristics of Sangam Literature—The development of Ethical literature—Silappadikaram and Manimekalai.

Part 3 : Devotional Literature (Alwars and Nayanamars)

The bridal mysticism in Alwar hymns—Minor literary forms (Tutu, Ula, Parani, Kuravanji).

Social factors for the development of Modern Tamil Literature; Novel, Short Story and New Poetry—The impact of various political ideologies on modern writings.

Section B**Part 1 : Recent trends in Tamil Studies**

Approaches to criticism : Social, psychological, historical and moralistic—the use of criticism—the various techniques in literature; Ullurai, Iraiicchi, Thonmam (Myth) Otturuvagam (allegory), Angadam (Satire), Meyappadu, Padimam (image), Kuriyedu (Symbol), Irunmai (Ambiguity)—The concept of comparative literature—the principle of comparative literature.

Part 2 : Folk literature in Tamil

Ballads, Songs, proverbs and riddles—Sociological study of Tamil folklore. Uses of translation—Translation of Tamil works into other languages—Development of journalism in Tamil.

Part 3 : Cultural Heritage of the Tamils

Concept of Love and War—Concept of Aram—the ethical codes adopted by the ancient Tamils in their warfare—customs, beliefs, rituals, modes of worship in the five Thinais.

The Cultural changes as revealed in post sangam literature—cultural fusion in the medieval period (Janism and Buddhism). The development of arts and architecture through the ages (Pallavas, later Cholas, and Nayaks). The impact of various political, social, religious and cultural movements on Tamil Society. The role of mass media in the cultural change of contemporary Tamil society.

PAPER II

Answers must be written in Tamil

The paper will require first-hand reading of the text prescribed and will be designed to test the critical ability of the candidate.

Section A**Part 1 : Ancient Literature**

- (1) Kuruntokai (1—25 poems)
- (2) Purananuru (182—200 poems)
- (3) Tirukkural Pnrtpal: Arasiyalum Amaichiyalum (from Iraimatchi to Avaijamai).

Part 2 : Epic Literature

- (1) Silappadikaram : Madhurai Kandam only.
- (2) Kambaramayanam : Kumbakarunan Vadhai Padalam.

Part 3 : Devotional Literature

- (1) Tiruvasagam : Neetthal Vinnappam
- (2) Tiruppavai : (Full Text).

Section B**Modern Literature****Part 1 : Poetry**

- (1) Bharathiar : Kannan Pattu
- (2) Bharathidasan : Kudumba Vilakku
- (3) Naa. Kamarasan : Karappu Malarkal

Prose

- (1) Mu. Varadharajanar : Aramum Arasiyalum
- (2) C. N. Annadurai : Ye! Thazhinta Tamilagame.

Part 2 : Novel, Short Story and Drama

- (1) Akilon ; Chittairappavai
- (2) Jayakanthan : Gurupeedam
- (3) Cho : Yaarkkum Vetkamillai

Part 3 : Folk Literature

- (1) Muthuppattan kathai Edited by Na. Vanamamalai, (Publication : Madurai Kamaraj University).
- (2) Malaiyaruvi, Edited by Ki. Va Jagannathan (Publication : Saraswathi Mahal, Thanjavur).

TELUGU**PAPER I**

Answer must be written in Telugu

Section A : Language

1. Place of Telugu among Dravidian languages and its antiquity—Etymological History of Telugu, Tenugu and Andhra.
2. Major linguistic changes in phonological, morphological, grammatical and syntactical levels, from Proto-Dravidian to old Telugu and from old Telugu to Modern Telugu.
3. Evolution of spoken Telugu when compared to classical Telugu—Formal and functional view of Telugu language.

4. Influence of other languages and its impact on Telugu.**5. Modernization of Telugu language :**

- (a) Linguistic and literary movements and their role in modernization of Telugu.
- (b) Role of media in modernization of Telugu (News-papers, Radio, TV etc.)
- (c) Problems of terminology and mechanisms in coining new terms in Telugu in various discourses including scientific and technical.
6. Dialects of Telugu—Regional and social variations and problems of Standardization.
7. Syntax—Major divisions of Telugu sentences—simple, complex and compound sentences—Noun and verb predication—Processes of nominalization and relativization—Direct and indirect reporting-conversion processes.
8. Translation—Problems of translation, cultural, social and idiomatic—Methods of translation—Approaches to translation—Literary and other kinds of translation—Various uses of translation.

Section B : Literature

1. Literature in Pre-Nannaya Period—Marga and Desi poetry.
2. Nannaya Period—Historical and literary background of Andhra Mahabharata.
3. Saiva poets and their contribution—Dwipada, Sataka, Ragada, Udaharana.
4. Tikkana and his place in Telugu literature.
5. Errana and his literary works—Nachana Somana and his new approach to poetry.
6. Srinatha and Potana—Their works and contribution.
7. Bhakti poets in Telugu literature—Tallapaka Annamayya, ramadasu, tyagayya.
8. Evolution of prabandhas—Kavya and prabandha.
9. Southern school of Telugu literature—raghunatha Nayaka, chemakura vankatakavi and women poets—Literary forms like yakshagana, prose and padakavita.
10. Modern Telugu Literature and literary forms—Novel, Short Story, Drama, Playlet and poetic forms.
11. Literary Movements : Reformation, Nationalism, Neo-classicism, Romanticism and Progressive, Revolutionary movements.
12. Digambarakavulu, feminist and dalit Literature.
13. Main divisions of folk literature—Performing folk arts.

PAPER II

Answer must be written in Telugu

This paper will require first hand reading of the prescribed texts and will be designed to test the candidate's

critical ability, which will be in relation to the following approaches :—

- (i) Aesthetic approach—Rassa, Dhawani, Vakroti and Auchitya—Formal and Structural-Imagery and Symbolism.
- (ii) Sociological, Historical, Ideological, Psychological approaches.

Section A

1. Nannaya-Dushyanta Chitra (Adiparva 4th Canto verses 5—109).
2. Tikkana-Sri Krishna Rayabaramu (Udyoga parva-3rd Canto verses 1—144).
3. Srinath-Guna Nidhi Katha (Kasikhandam, 4th Canto, verses 76—133).
4. Pingali Surana-sugatri Salinulakatha (Kalapurnodayamu 4 Canto verses, 60—142).
5. Molla-Ramayanamu (Balakanda including avatarika).
6. Kasula Purushothama Kavi—Andhra Nayaka Satakamu.

Section B

7. Gurajada Appa Rao—Animutyalu (Short stories).
8. Viswanatha Satyanarayana—Andhra prasasti.
9. Devulapalli Krishna Sastry—Krishnapaksham (excluding Uravsi and Pravasam).
10. Sri Sri-Maha prastanam.
11. Jashuva-Gabbilam (Part I).
12. C. Narayana Reddy—Karpuravasanta rayalu.
13. Kanuparti Varalakshmamma—Sarada lekhalu (Part I).
14. Atreya—N.G.O.
15. Racha Konda Viswanatha Sastry—Alpajeevi.

URDU

PAPER I

Answer must be written in Urdu

Section A

Development of Urdu Language

- (a) Development of Indo-Aryan
 - (i) Old Indo-Aryan
 - (ii) Middle Indo-Aryan
 - (iii) New Indo-Aryan.
- (b) Western Hindi and its dialects Brij Bhasha Khadi Boli, Haryanvi, Kannauji, Bundeli—Theories about the origin of Urdu language.
- (c) Dakhni Urdu—origin and development, its significant linguistic features.
- (d) Social and Cultural roots of Urdu language— and its distinctive features.

Script, Phonology, Morphology, Vocabulary.

Section B

(a) Genres and their development :

- (i) Poetry: Ghazal, Masnavi, Qasida, Marsia, Rubai Jadid Nazm.
- (ii) Prose : Novel, Short Story, Dastan, Drama, Inshaiya, Khutoot, Biography.
- (b) Significant feaures of: (i) Deccani, Delhi and Lucknow schools, (ii) Sir Syed movement, Romantic movement, Progressive movement, Modernism.
- (c) Literary Criticism and its development with reference to Hali, Shibli, Kaleemuddin Ahmad, Ehtisham Hussain, Ale-Ahmad Suroor.
- (d) Essay writing (covering literary and imaginative topics).

PAPER II

Answer must be written in Urdu

This paper will require first hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

Section A

1. Mir Amman	Bagho-Babar
2. Ghalib	Intikhab-e-Khutoot-e Ghalib
3. Mohd. Husain Azad	Nairang-e-Khayal
4. Prem Chand	Godan
5. Rajendra Singh Bedi	Apne Dukh Mujhe Dedo
6. Abul Kalam Azad	Ghubar-e-Khatir

Section B

1. Mir	Intikhab-e-Kalam-e-Mir (Ed. Abdul Haq.)
2. Mir Hasan	Sahrul Bayan
3. Ghalib	Diwan-e-Ghalib
4. Iqbal	Bal-e-Jibrail
5. Firaq	Gul-e-Naghma
6. Faiz	Dast-e-Saba
7. Akhtruliman	Bint-e-Lamhat

MANAGEMENT

The candidate should make a study of the concept of development of Management as science and art drawing upon the contributions of leading thinkers of management and apply the concepis to the real life of government and

business decision-making keeping in view the changes in the strategic and operative environment.

PAPER I

1. Managerial Function and Process :

Concept and foundations of management, Evolution of Management Thoughts; Managerial Functions—Planning, Organizing, Controlling; Decision-making; Role of Manager, Managerial skills; Entrepreneurship; Management of innovation; Managing in a global environment, Flexible Systems Management; Social responsibility and managerial ethics; Process and customer orientation; Managerial processes on direct and indirect value chain.

2. Organisational Behaviour and Design :

Conceptual model of organization behaviour; The individual processes—personality, values and attitude, perception, motivation, learning and reinforcement, work stress and stress management; The dynamics of organization behaviour—power and politics, conflict and negotiation, leadership process and styles, communication; The Organizational Processes—decision-making, job design; Classical, Neoclassical and Contingency approaches to organizational design; Organizational theory and design—organizational culture, managing cultural diversity, learning organization; Organizational change and development; Knowledge Based Enterprise—systems and processes; Networked and virtual organizations.

3. Human Resource Management :

HR challenges; HRM functions; The future challenges of HRM; Strategic Management of human resources; Human resource planning; Job analysis; Job evaluation, Recruitment and selection; Training and development; Promotion and transfer; Performance management; Compensation management and benefits; Employee morale and productivity; Management of organizational climate and Industrial relations; Human resources accounting and audit; Human resource information system; International human resource management.

4. Accounting for Managers :

Financial accounting—concept, importance and scope, generally accepted accounting principles, preparation of financial statements with special reference to analysis of a balance sheet and measurement of business income, inventory valuation and depreciation, financial statement analysis, fund flow analysis, the statement of cash flows; Management accounting concept, need, importance and scope; Cost accounting—records and processes, cost ledger and control accounts, reconciliation and integration between financial and cost accounts; Overhead cost and control, Job and process costing, Budget and budgetary control, Performance budgeting, Zero-base budgeting, relevant costing and costing for decision-making, standard costing and variance analysis, marginal costing and absorption costing.

5. Financial Management :

Goal of Finance Function. Concepts of value and return. Valuation of bonds and Shares; Management of working capital : Estimation and Financing; Management of cash, receivables, inventory and current liabilities; Cost of capital ; Capital budgeting; Financial and operating leverage; Design of capital structure: theories and practices; Shareholder value creation: dividend policy, corporate financial policy and strategy, management of corporate distress and restructuring strategy; Capital and money markets: institutions and instruments; Leasing hire purchase and venture capital; Regulation of capital market; Risk and return: portfolio theory; CAPM; APT; Financial derivatives: option, futures, swap; Recent reforms in financial sector.

6. Marketing Management :

Concept, evolution and scope; Marketing strategy formulation and components of marketing plan; Segmenting and targeting the market; Positioning and differentiating the market offering; Analyzing competition; Analyzing consumer markets; Industrial buyer behaviour; Market research; Product strategy; Pricing strategies; Designing and managing Marketing channels; Integrated marketing communications; Building customer satisfaction, Value and retention; Services and non-profit marketing; Ethics in marketing; Consumer protection; Internet marketing; Retail management; Customer relationship management; Concept of holistic marketing.

PAPER-II

1. Quantitative Techniques in Decision Making :

Descriptive statistics—tabular, graphical and numerical methods, introduction to probability, discrete and continuous probability distributions, inferential statistics—sampling distributions, central limit theorem, hypothesis testing for differences between means and proportions, inference about population variances, Chi-square and ANOVA, simple correlation and regression, time series and forecasting, decision theory, index numbers; Linear programming—problem formulation, simplex method and graphical solution, sensitivity analysis.

2. Production and Operations Management :

Fundamentals of operations management; Organizing for production; Aggregate production planning, capacity planning, plant design—process planning, plant size and scale of operations, Management of facilities; Line balancing; Equipment replacement and maintenance; Production control; Supply, chain management—vendor evaluation and audit; Quality management; Statistical process control, Six Sigma; Flexibility and agility in manufacturing systems; World class manufacturing; Project management concepts, R&D management, Management of service operations; Role and importance of materials management, value analysis, make or buy decision; Inventory control, MRP; Waste management.

3. Management Information System :

Conceptual foundations of information systems; Information theory; Information resource management; Types of information Systems; Systems Development—Overview of Systems and Design; System Development management life-cycle, Designing online and distributed environments; Implementation and control of project; Trends in information technology; Managing data resources—Organising data. DSS and RDBMS; Enterprise Resource Planning (ERP), Expert systems, e-Business architecture, e-Governance; Information systems planning, Flexibility in information systems; User involvement; Evaluation of information systems.

4. Government Business Interface :

State participation in business, Interaction between Government, Business and different Chambers of Commerce and industry in India; Government's policy with regard to Small Scale Industries; Government clearances for establishing a new enterprise; Public Distribution System; Government control over price and distribution; Consumer Protection Act (CPA) and The Role of Voluntary organizations in protecting consumers' rights; New Industrial Policy of the Government: liberalization, deregulation and privatisation; Indian planning system; Government policy concerning development of Backward areas/regions; The Responsibilities of the business as well as the Government to protect the environment; Corporate Governance; Cyber Laws.

5. Strategic Cost Management :

Business policy as a field of study; Nature and scope of strategic management, Strategic intent, vision, objectives and policies; Process of strategic planning and implementation; Environmental analysis and internal analysis; SWOT analysis; Tools and techniques for strategic analysis—Impact matrix; The experience curve, BCG matrix, GEC mode, Industry analysis, Concept of value chain; Strategic profile of a firm; Framework for analysing competition; Competitive advantage of a firm; Generic competitive strategies; Growth strategies—expansion, integration and diversification; Concept of core competence, Strategic flexibility; Reinventing strategy; Strategy and structure; chief Executive and Board; turnaround management; Management of strategic change; Strategic alliances, Mergers and Acquisitions; Strategy and corporate evolution in the Indian context.

6. International Business :

International Business Environment : Changing composition of trade in goods and services; India's Foreign Trade: Policy and trends; Financing of International trade; Regional Economic Cooperation; FTAs; Internationalisation of service firms; International production; Operation Management in International companies; International Taxation; Global competitiveness and technological

developments; Global E-Business; Designing global organisational structure and control; Multicultural management; Global business strategy; Global marketing strategies; Export Management; Export-Import procedures; Joint Ventures; Foreign Investment: Foreign direct investment and foreign portfolio investment; Cross-border Mergers and Acquisitions; Foreign Exchange Risk Exposure Management; World Financial Markets and international Banking; External Debt Management; Country Risk Analysis.

MATHEMATICS

PAPER I

(1) Linear Algebra :

Vector spaces over R and C, linear dependence and independence, subspaces, bases, dimensions, Linear transformations, rank and nullity, matrix of a linear transformation.

Algebra of Matrices; Row and column reduction, Echelon form, congruence's and similarity; Rank of a matrix; Inverse of a matrix; Solution of system of linear equations; Eigenvalues and eigenvectors, characteristic polynomial, Cayley-Hamilton theorem, Symmetric, skew-symmetric, Hermitian, skew-Hermitian, orthogonal and unitary matrices and their eigenvalues.

(2) Calculus :

Real numbers, functions of a real variable, limits, continuity, differentiability, mean-value theorem, Taylor's theorem with remainders, indeterminate forms, maxima and minima, asymptotes; Curve tracing; Functions of two or three variables; Limits, continuity, partial derivatives, maxima and minima, Lagrange's method of multipliers, Jacobian.

Riemann's definition of definite integrals; Indefinite integrals; Infinite and improper integral; Double and triple integrals (evaluation techniques only); Areas, surface and volumes.

(3) Analytic Geometry :

Cartesian and polar coordinates in three dimensions, second degree equations in three variables, reduction to Canonical forms; straight lines, shortest distance between two skew lines, Plane, sphere, cone, cylinder, paraboloid, ellipsoid, hyperboloid of one and two sheets and their properties.

(4) Ordinary Differential Equations :

Formulation of differential equations; Equations of first order and first degree, integrating factor; Orthogonal trajectory; Equations of first order but not of first degree, Clairaut's equation, singular solution.

Second and higher order liner equations with constant coefficients, complementary function, particular integral and general solution.

Section order linear equations with variable coefficients, Euler-Cauchy equation; Determination of complete solution when one solution is known using method of variation of parameters.

Laplace and Inverse Laplace transforms and their properties, Laplace transforms of elementary functions. Application to initial value problems for 2nd order linear equations with constant coefficients.

(5) Dynamics and Statics :

Rectilinear motion, simple harmonic motion, motion in a plane, projectiles; Constrained motion; Work and energy, conservation of energy; Kepler's laws, orbits under central forces.

Equilibrium of a system of particles; Work and potential energy, friction, Common catenary; Principle of virtual work; Stability of equilibrium, equilibrium of forces in three dimensions.

(6) Vector Analysis :

Scalar and vector fields, differentiation of vector field of a scalar variable; Gradient, divergence and curl in cartesian and cylindrical coordinates; Higher order derivatives; Vector identities and vector equation.

Application to geometry: Curves in space, curvature and torsion; Serret-Furenet's formulae.

Gauss and Stokes' theorems, Green's identities.

PAPER II

(I) Algebra :

Groups, subgroups, cyclic groups, cosets, Lagrange's Theorem, normal subgroups, quotient groups, homomorphism of groups, basic isomorphism theorems, permutation groups, Cayley's theorem.

Rings, subrings and ideals, homomorphisms of rings; Integral domains, principal ideal domains, Euclidean domains and unique factorization domains; Fields, quotient fields.

(2) Real Analysis :

Real number system as an ordered field with least upper bound property; Sequences, limit of a sequence, Cauchy sequence, completeness of real line; Series and its convergence, absolute and conditional convergence of series of real and complex terms, rearrangement of series. Continuity and uniform continuity of functions, properties of continuous functions on compact sets.

Riemann integral, improper integrals; Fundamental theorems of integral calculus.

Uniform convergence, continuity, differentiability and integrability for sequences and series of functions; Partial derivatives of functions of several (two or three) variables, maxima and minima.

(3) Complex Analysis :

Analytic function, Cauchy-Riemann equations, Cauchy's theorem, Cauchy's integral formula, power series, representation of an analytic function, Taylor's series;

Singularities; Laurent's series; Cauchy's residue theorem; Contour integration.

(4) Linear Programming :

Linear programming problems, basic solution, basic feasible solution and optimal solution; Graphical method and simplex method of solutions; Duality.

Transportation and assignment problems.

(5) Partial differential Equations :

Family of surfaces in three dimensions and formulation of partial differential equations; Solution of quasilinear partial differential equations of the first order, Cauchy's method of characteristics; Linear partial differential equations of the second order with constant coefficients, canonical form; Equation of a vibrating string, heat equation, Laplace equation and their solutions.

(6) Numerical Analysis and Computer Programming :

Numerical methods: Solution of algebraic and transcendental equations of one variable by bisection, Regula-Falsi and Newton-Raphson methods, solution of system of linear equations by Gaussian Elimination and Gauss-Jorden (direct), Gauss-Seidel (iterative) methods. Newton's (forward and backward) and interpolation, Lagrange's interpolation.

Numerical integration: Trapezoidal rule, Simpson's rule, Gaussian quadrature formula.

Numerical solution of ordinary differential equations: Euler and Runge Kutta methods.

Computer Programming : Binary system; Arithmetic and logical operations on numbers; Octal and Hexadecimal Systems; Conversion to and from decimal Systems; Algebra of binary numbers.

Elements of computer systems and concept of memory; Basic logic gates and truth tables, Boolean algebra, normal forms.

Representation of unsigned integers, signed integers and reals, double precision reals and long integers.

Algorithms and flow charts for solving numerical analysis problems.

(7) Mechanics and Fluid Dynamics :

Generalised coordinates; D'Alembert's principle and Lagrange's equations; Hamilton equations; Moment of inertia; Motion of rigid bodies in two dimensions.

Equation of continuity; Euler's equation of motion for inviscid flow; Stream-lines, path of a particle; Potential flow; Two-dimensional and axisymmetric motion; Sources and sinks, vortex motion; Navier-Stokes equation for a viscous fluid.

MECHANICAL ENGINEERING

PAPER I

I. Mechanics :

1.1 Mechanics of Rigid Bodies :

Equations of equilibrium in space and its application; first and second moments of area; simple problems on friction; kinematics of particles for plane motion; elementary particle dynamics.

1.2 Mechanics of Deformable Bodies :

Generalized Hooke's law and its application; design problems on axial stress, shear stress and bearing stress; material properties for dynamic loading; bending shear and stresses in beams; determination of principle stresses and strains-analytical and graphical; compound and combined stresses; bi-axial stresses-thin walled pressure vessel; material behaviour and design factors for dynamic load; design of circular shafts for bending and torsional load only; deflection of beam for statically determinate problems; theories of failure.

2. Engineering Materials :

Basic concepts on structure of solids, common ferrous and non-ferrous materials and their applications; heat-treatment of steels; non-metalsplastics, ceramics, composite materials and nano-materials.

3. Theory of Machines :

Kinematic and dynamic analysis of plane mechanisms. Cams, Gears and epicyclic gear trains, flywheels, governors, balancing of rigid rotors, balancing of single and multicylinder engines, linear vibration analysis of mechanical systems (single degree of freedom), Critical speeds and whirling of shafts.

4. Manufacturing Science :

4.1 Manufacturing Process:

Machine tool engineering - Merchant's force analysis; Taylor's tool life equation; conventional machining; NC and CNC machining process; jigs and fixtures.

Non-conventional machining-EDM, ECM, ultrasonic, water jet machining etc.; application of lasers and plasmas; energy rate calculations.

Forming and welding processes-standard processes.

Metrology-concept of fits and tolerances; tools and guages; comparators; inspection of length; position; profile and surface finish.

4.2 Manufacturing Management :

System design: factory location-simple OR models; plant layout-methods based; applications of engineering economic analysis and break-even analysis for product selection, process selection and capacity planning; predetermined time standards.

System planning; forecasting methods based on regression and decomposition, design and blancing of multi model and stochastic assembly lines; inventory management-probabilistic inventory models for order time and order quantity determination; JIT systems; strategic sourcing; managing inter plant logistics.

System operations and control: Scheduling algorithms for job shops; applications of statistical methods for product and process quality control applications of control charts for mean, range, percent defective, number of defectives and

defects per unit; quality cost systems; management of resources, organizations and risks in projects.

System improvement: implementation of systems, such as total quality management, developing and managing flexible, lean and agile organizations.

PAPER II

1. Thermodynamics, Gas Dynamics Turbine :

1.1 Basic concept of First-law and Second law of Thermodynamics; concept of entropy and reversibility; availability and unavailability and irreversibility.

1.2 Classification and properties of fluids; incompressible and compressible fluids flows; effect of Mach number and compressibility; continuity momentum and energy equations; normal and oblique shocks; one dimensional isentropic flow; flow of fluids in duct with frictions that transfer.

1.3 Flow through fans, blowers and compressors; axial and centrifugal flow configuration; design of fans and compressors; single stage compressors and turbine cascade; open and closed cycle gas turbines; work done in the gas turbine; reheat and regenerators.

3. Heat Transfer :

2.1 Conduction heat transfer—general conduction equation-Laplace, Poisson and Fourier equations; Fourier law of conduction; one dimensional steady state heat conduction applied to simple wall, solid and hollow cylinder and spheres.

2.2 Convection heat transfer—Newton's law of convection; free and forced convection; heat transfer during laminar and turbulent flow of an incompressible fluid over a flat plate; concepts of Nusselt number, hydrodynamic and thermal boundary layer their thickness; Prandtl number; analogy between heat and momentum transfer-Reynolds, Colboum, Prandtl analogies; heat transfer during laminar and turbulent flow through horizontal tubes; free convection from horizontal and vertical plates.

2.3 Black body radiation—basic radiation laws such as Stefan-boltzman, Planck distribution, Wein's displacement etc.

2.4 Basic heat exchanger analysis; classification of heat exchangers.

3.I.C. Engines :

3.1 Classification, thermodynamic cycles of operation; determination of break power, indicated power, mechanical efficiency, heat balance sheet, interpretation of performance characteristics, petrol, gas and diesel engines.

3.2 Combustion in SI and CI engines, normal and abnormal combustion; effect of working parameters on knocking, reduction of knocking; Forms of combustion chamber for SI and CI engines; rating of fuels; additives; emission.

3.3 Different systems of IC engines-fuels; lubricating; cooling and transmission systems. Alternate fuels in IC engines.

4. Steam Engineering :

4.1 Steam generation-modified Ranking cycle analysis; Modern steam boilers; steam at critical and supercritical pressures; draught equipment; natural and artificial draught; boiler fuels solid, liquid and gaseous fuels. Steam turbines—Principle; types; compounding; impulse and reaction turbines; axial thrust.

4.2 Steam nozzles—flow of steam in convergent and divergent nozzle pressure at throat for maximum discharge with different initial steam conditions such as wet, saturated and superheated, effect of variation of back pressure; supersaturated flow of steam in nozzles, Wilson line.

4.3 Rankine cycle with internal and external irreversibility; reheat factor; reheating and regeneration, methods of governing; back pressure and pass out turbines.

4.4 Steam power plants—combined cycle power generation; heat recovery steam generators (HRSG) fired and unfired, co-generation plants.

5. Refrigeration and Air-conditioning :

5.1 Vapour compression refrigeration cycle—cycle on p-H & T-s diagrams; ecofriendly refrigerants—R 134a, 123; Systems like evaporators, condensers, compressor, expansion devices. Simple vapour absorption systems.

5.2 Psychrometry—properties; processes; charts; sensible heating and cooling; humidification and dehumidification effective temperature; air-conditioning load calculation; simple duct design.

MEDICAL SCIENCE

PAPER-I

1. Human Anatomy :

Applied anatomy including blood and nerve supply of upper and lower limbs and joints of shoulder, hip and knee.

Gross anatomy, blood supply and lymphatic drainage of tongue, thyroid, mammary gland, stomach, liver, prostate, gonads and uterus.

Applied anatomy of diaphragm, perineum and inguinal region.

Clinical anatomy of kidney, urinary bladder, uterine tubes, vas deferens.

Embryology : Placenta and placental barrier. Development of heart, gut, kidney, uterus, ovary, testis and their common congenital abnormalities.

Central and Peripheral Autonomic Nervous System : Gross and clinical anatomy of ventricles of brain, circulation of cerebrospinal fluid; Neural pathways and lesions of cutaneous sensations, hearing and vision; Cranial nerves

distribution and clinical significance; Components of autonomic nervous system.

2. Human Physiology :

Conduction and transmission of impulse, mechanism of contraction, neuromuscular transmission, reflexes, control of equilibrium, posture and muscle tone, descending pathways, functions of cerebellum, basal ganglia, Physiology of sleep and consciousness.

Endocrine System : Mechanism of action of hormones; formation, secretion, transport, metabolism, function and regulation of secretion of pancreas and pituitary gland.

Physiology of Reproductive System : Pregnancy, menstrual cycle, lactation, pregnancy.

Blood : Development, regulation and fate of blood cells.

Cardio-vascular, cardiac output, blood pressure, regulation of cardiovascular functions.

3. Biochemistry :

Organ function tests—liver, kidney, thyroid Protein synthesis.

Vitamins and minerals.

Restriction fragment length polymorphism (RFLP).

Polymerase chain reaction (PCR).

Radio-immunoassays (RIA)

4. Pathology :

Inflammation and repair, disturbances of growth and cancer, Pathogenesis and histopathology of rheumatic and ischaemic heart disease and diabetes mellitus. Differentiation between benign, malignant, primary and metastatic malignancies, Pathogenesis and histopathology of bronchogenic carcinoma, carcinoma breast, oral cancer, cancer cervix, leukemia, Etiology, pathogenesis and histopathology of—cirrhosis liver, glomerulonephritis, tuberculosis, acute osteomyelitis.

5. Microbiology :

Humoral and cell mediated immunity.

Diseases caused by and laboratory diagnosis of—

* Meningococcus, Salmonella

* Shigella, Herpes, Dengue, Polio

* HIV/AIDS, Malaria, E. Histolytica, Giardia

* Candida, Cryptococcus, Aspergillus.

6. Pharmacology :

Mechanism of action and side effects of the following drugs :

- * Antipyretics and analgesics, Antibiotics,
- * Antimalaria, Antikala-azar, Antidiabetics,
- * Antihypertensive, Antidiuretics, General and cardiac vasodilators, Antiviral, Antiparasitic, Antigungal, Immunosuppressants,
- * Anticancer.

7. Forensic Medicine and Toxicology

Forensic examination of injuries and wounds; Examination of blood and seminal stains; Poisoning, sedative overdose, hanging, drowning, burns, DNA and finger print study.

PAPER-II

1. General Medicine

Etiology, clinical features, diagnosis and principles of management (including prevention) of—Typhoid, Rabies, AIDS, Dengue, Kala-azar, Japanese Encephalitis.

Etiology, clinical features, diagnosis and principles of management of:

Ischaemic heart disease, pulmonary embolism.

Bronchial asthma.

Pleural effusion, tuberculosis, Malabsorption syndromes; acid peptic diseases, Viral hepatitis and cirrhosis of liver.

Glomerulonephritis and pyelonephritis, renal failure, nephrotic syndrome, renovascular hypertension, complications of diabetes mellitus, coagulation disorders, leukaemia, Hypo and hyper thyrodism, meningitis and encephalitis.

Imaging in medical problems, ultrasound, echocardiogram, CT scan, MRI.

Anxiety and Depressive Psychosis and schizophrenia and ECT.

2. Paediatrics

Immunization, Baby friendly hospital, congenital cyanotic heart disease, respiratory distress syndrome, broncho—pneumonia, kernicterus. IMNCI classification and management, PEM grading and management. ARI and Diarrhea of under five and their management.

3. Dermatology

Psoriasis, Allergic dermatitis, scabies, eczema, vitiligo, Stevan Johnson's syndrome, Lichen Planus.

4. General Surgery

Clinical features, causes, diagnosis and principles of management of cleft palate, harelip.

Laryngeal tumour, oral and esophageal tumours.

Peripheral arterial diseases, varicose veins, coarctation of aorta.

Tumours of Thyroid, Adrenal, Glands.

Abscess cancer, fibroadenoma and adenosis of breast.

Bleeding peptic ulcer, tuberculosis of bowel, ulcerative colitis, cancer stomach.

Renal mass, cancer prostatie.

Haemothorax, stones of Gall bladder, Kidney, Ureter and Urinary Bladder.

Management of surgical conditions of Rectum, Anus and Anal canal, Gall bladder and Bile ducts.

Splenomegaly, cholecystitis, portal hypertension, liver abscess, peritonitis, carcinoma head of pancreas.

Fractures of spine, Colles' fracture and bone tumors.

Endoscopy.

Laprascopic Surgery.

5. Obstetrics and Gynaecology including Family Planning

Diagnosis of pregnancy.

Labour management, complications of 3rd stage, Antepartum and postpartum hemorrhage, resuscitation of the newborn, Management of abnormal life and difficult labour. Management of small for date or premature newborn.

Diagnosis and management of anemia. Preeclampsia and Toxaemias of pregnancy, Management of Post-menopausal Syndrome.

Intra-uterine devices, pills, tubectomy and vasectomy. Medical termination of pregnancy including legal aspects.

Cancer cervix.

Leucorrhoea, pelvic pain; infertility, dysfunctional uterine bleeding (DUB), amenorrhoea. Fibroid and prolapse of uterus.

6. Community Medicine (Preventive and Social Medicine)

Principles, methods approach and measurements of Epidemiology.

Nutrition, nutritional diseases/diorders and Nutrition Programmes.

Health information Collection, Analysis and Presentation.

Objectives, components and critical analysis of National programmes for control/eradication of:

Malaria, Kala-azar, Filaria and Tuberculosis.

HIV/AIDS, STDs and Dengue..

Critical appraisal of Health care delivery system.

Health management and administration; Techniques, Tools, Programme Implementation and Evaluation.

Objectives, Components, Goals and Status of Reproductive and Child Health, National Rural Health Mission and Millennium Development Goals.

Management of hospital and industrial waste.

PHILOSOPHY

PAPER-I

History and Problems of Philosophy

1. Plato and Aristotle : Ideas; Substance; Form and Matter; Causation; Actuality and Potentiality.
2. Rationalism (Descartes, Spinoza, Leibniz); Cartesian Method and Certain Knowledge; Substance; God; Mind-Body Dualism; Determinism and Freedom.
3. Empiricism (Locke, Berkeley, Hume) : Theory of Knowledge; Substance and Qualities; Self and God; Scepticism.
4. Kant: Possibility of Synthetic a priori Judgments; Space and Time; Categories; Ideas of Reason; Antinomies; Critique of Proofs for the Existence of God.
5. Hegel : Dialectical Method; Absolute Idealism.
6. Moore, Russell and Early Wittgenstein : Defence of Commonsense; Refutation of Idealism; Logical Atomism; Logical Constructions; Incomplete Symbols; Picture Theory of Meaning; Sying and Showing.
7. Logical Positivism : Verification Theory of Meaning; Rejection of Metaphysics; Linguistic Theory of Necessary Propositions.
8. Later Wittgenstein : Meaning and Use; Language-games; Critique of Private Language.
9. Phenomenology (Husserl): Method; Theory of Essences; Avoidance of Psychologism.
10. Existentialism (Kierkegaard, Sarte, Heidegger): Existence and Essence; Choice, Responsibility and Authentic Existence; Being-in-the-world and Temporality.
11. Quine and Strawson : Critique of Empiricism; Theory of Basic Particulars and Persons.
12. Carvaka : Theory of Knowlegde; Rejection of Transcendent Entities.
13. Jainism : Theory of Reality; Saptabhanginaya; Bondage and Liberation.
14. Schools of Buddhism : Prat Ityasamutpada; Ksanikavada, Nairatmyavada.
15. Nyaya—Vaisesika : Theory of Categories; Theory of Appearance; Theory of Pramana; Self, Liberation; God; Proofs for the Existence of God; Theory of Causation; Atomistic Theory of Creation.

16. Samkhya; Prakrit; Purusa; Causation; Liberation.
17. Yoga; Citta; Cittavrtti; Klesas; Samadhi; Kaivalya.
18. Mimamsa: Theory of Knowlegde.
19. Schools of Vedanta : Brahman; Isvara; Atman; Jiva; Jagat; Maya; Avida; Adhyasa; Moksa; Aprthaksiddhi; Pancavidhabheda.
20. Aurobindo: Evolution, Involution; Integral Yoga.

PAPER-II

Socio-Political Philosophy

1. Social and Political Ideals : Equality, Justice, Liberty.
2. Sovereignty : Austin, Bodin, Laski, Kautilya.
3. Individual and State : Rights; Duties and Accountability.
4. Forms of Government : Monarchy; Theocracy and Democracy.
5. Political Ideologies: Anarchism; Marxism and Socialism.
6. Humanism; Secularism; Multi-culturalism.
7. Crime and Punishment : Corruption, Mass Violence, Genocide, Capital Punishment.
8. Development and Social Progress.
9. Gender Discrimination : Female Foeticide, Land and Property Rights; Empowerment.
10. Caste Discrimination : Gandhi and Ambedkar.

Philosophy of Religion

1. Notions of God : Attributes; Relation to Man and the World. (Indian and Western).
2. Proofs for the Existence of God and their Critique (Indian and Western).
3. Problem of Evil.
4. Soul : Immortality; Rebirth and Liberation.
5. Reason, Revelation and Faith.
6. Religious Experience : Nature and Object (Indian and Western).
7. Religion without God.
8. Religion and Morality.
9. Religious Pluralism and the Problem of Absolute Truth.
10. Nature of Religious language : Analogical and Symbolic; Cognitivisi and Non-cognitive.

PHYSICS**PAPER-I****1. (a) Mechanics of Particles :**

Laws of motion; conservation of energy and momentum, applications to rotating frames, centripetal and Coriolis accelerations; Motion under a central force; Conservation of angular momentum, Kepier's laws; Fields and potentials; Gravitational field and potential due to spherical bodies, Gauss and Poisson equations, gravitational self-energy; Two-body problem; Reduced mass; Rutherford scattering; Centre of mass and laboratory reference frames.

(b) Mechanics of Rigid Bodies :

System of particles; Centre of mass, angular momentum, equations of motion; Conservation theorems for energy, momentum and angular momentum; Elastic and inelastic collisions; Rigid body; Degrees of freedom, Euler's theorem, angular velocity, angular momentum, moments of inertia, theorems of parallel and perpendicular axes, equation of motion for rotation; Molecular rotations (as rigid bodies); Di and tri-atomic molecules; Precessional motion; top, gyroscope.

(c) Mechanics of Continuous Media :

Elasticity, Hooke's law and elastic constants of isotropic solids and their inter-relation; Streamline (Laminar) flow, viscosity, Poiseuille's equation, Bernoulli's equation, Stokes' law and applications.

(d) Special Relativity :

Michelson-Morely experiment and its implications; Lorentz transformations length contraction, time dilation, addition of relativistic velocities, aberration and Doppler effect, mass-energy relation, simple applications to a decay process. Four dimensional momentum vector; Covariance of equations of physics.

2. Waves and Optics :**(a) Waves :**

Simple harmonic motion, damped oscillation, forced oscillation and resonance; Beats; Stationary waves in a string; Pulses and wave packets; Phase and group velocities; Reflection and refraction from Huygens' principle.

(b) Geometrical Optics :

Laws of reflection and refraction from Fermat's principle; Matrix method in paraxial optic-thin lens formula, nodal planes, system of two thin lenses, chromatic and spherical aberrations.

(c) Interference :

Interference of light -Young's experiment, Newton's rings, interference by thin films, Michelson interferometer; Multiple beam interference and Fabry Perot interferometer.

(d) Diffraction :

Fraunhofer diffraction - single slit, double slit, diffraction grating, resolving power; Diffraction by a circular aperture and

the Airy pattern; Fresnel diffraction: half-period zones and zone plates, circular aperture.

(e) Polarisation and Modern Optics :

Production and detection of linearly and circularly polarized light; Double refraction, quarter wave plate; Optical activity; Principles of fibre optics, attenuation; Pulse dispersion in step index and parabolic index fibres; Material dispersion, single mode fibers; Lasers-Einstein A and B coefficients. Ruby and He-Ne lasers. Characteristics of laser light-spatial and temporal coherence; Focusing of laser beams. Three-level scheme for laser operation; Holography and simple applications.

3. Electricity and Magnetism :**(a) Electrostatics and Magnetostatics :**

Laplace and Poisson equations in electrostatics and their applications; Energy of a system of charges, multipole expansion of scalar potential; Method of images and its applications. Potential and field due to a dipole, force and torque on a dipole in an external field; Dielectrics, polarisation. Solutions to boundary-value problems-conducting and dielectric spheres in a uniform electric field; Magnetic shell, uniformly magnetised sphere; Ferromagnetic materials, hysteresis, energy loss.

(b) Current Electricity :

Kirchhoff's laws and their applications, Biot-Savart law, Ampere's law, Faraday's law, Lenz' law. Self-and mutual-inductances; Mean and rms values in AC circuits; DC and AC circuits with R, L and C components; Series and parallel resonance; Quality factor; Principle of transformer.

5. Electromagnetic Waves and Blackbody Radiation :

Displacement current and Maxwell's equations; Wave equations in vacuum, Poynting theorem; Vector and scalar potentials; Electromagnetic field tensor, covariance of Maxwell's equations; Wave equations in isotropic dielectrics, reflection and refraction at the boundary of two dielectrics; Fresnel's relations; Total internal reflection; Normal and anomalous dispersion; Rayleigh scattering; Blackbody radiation and Planck's radiation law- Stefan-Boltzmann law, Wien's displacement law and Rayleigh-Jeans law.

4. Thermal and Statistical Physics :**(a) Thermodynamics :**

Laws of thermodynamics, reversible and irreversible processes, entropy; Isothermal, adiabatic, isobaric, isochoric processes and entropy changes; Otto and Diesel engines, Gibbs' phase rule and chemical potential; Van der Waals equation of state of a real gas, critical constants; Maxwell-Boltzmann distribution of molecular velocities, transport phenomena, equipartition and virial theorems; Dulong-Petit, Einstein, and Debye's theories of specific heat of solids; Maxwell relations and application; Clausius-Clapeyron equation. Adiabatic demagnetisation, Joule-Kelvin effect and liquefaction of gases.

(b) Statistical Physics :

Macro and micro states, statistical distributions, Maxwell-Boltzmann, Bose-Einstein and Fermi-Dirac Distributions, applications to specific heat of gases and blackbody radiation; Concept of negative temperatures.

PAPER-II**1. Quantum Mechanics :**

Wave-particle duality; Schroedinger equation and expectation values; Uncertainty principle; Solutions of the one-dimensional Schroedinger equation for free particle (Gaussian wave-packet), particle in a box, particle in a finite well, linear harmonic oscillator; Reflection and transmission by a step potential and by a rectangular barrier; Particle in a three dimensional box, density of states, free electron theory of metals; Angular momentum; Hydrogen atom; Spin half particles, properties of Pauli spin matrices.

2. Atomic and Molecular Physics :

Stern-Gerlach experiment, electron spin, fine structure of hydrogen atom; L-S coupling, J-J coupling; Spectroscopic notation of atomic states; Zeeman effect; Franck-Condon principle and applications; Elementary theory of rotational, vibrational and electronic spectra of diatomic molecules; Raman effect and molecular structure; Laser Raman spectroscopy; Importance of neutral hydrogen atom, molecular hydrogen and molecular hydrogen ion in astronomy. Fluorescence and Phosphorescence; Elementary theory and applications of NMR and EPR; Elementary ideas about Lamb shift and its significance.

3. Nuclear and Particle Physics :

Basic nuclear properties-size, binding energy, angular momentum, parity, magnetic moment; Semi-empirical mass formula and applications. Mass parabolas; Ground state of a deuteron, magnetic moment and non-central forces; Meson theory of nuclear forces; Salient features of nuclear forces; Shell model of the nucleus - success and limitations; Violation of parity in beta decay; Gamma decay and internal conversion; Elementary ideas about Mossbauer spectroscopy; Q-value of nuclear reactions; Nuclear fission and fusion, energy production in stars. Nuclear reactors.

Classification of elementary particles and their interactions; Conservation laws; Quark structure of hadrons; Field quanta of electroweak and strong interactions; Elementary ideas about unification of forces; Physics of neutrinos.

4. Solid State Physics, Devices and Electronics :

Crystalline and amorphous structure of matter; Different crystal systems, space groups; Methods of determination of crystal structure; X-ray diffraction, scanning and transmission electron microscopies; Band theory of solids—conductors, insulators and semi-conductors; Thermal properties of solids, specific heat, Debye theory; Magnetism: dia, para and ferromagnetism; Elements of super-conductivity, Meissner

effect, Josephson junctions and applications; Elementary ideas about high temperature super-conductivity.

Intrinsic and extrinsic semi-conductors- p-n-p and n-p-n transistors; Amplifiers and oscillators. Op-amps; FET, JFET and MOSFET; Digital electronics-Boolean identities, De Morgan's laws, Logic gates and truth tables. Simple logic circuits; Thermistors, solar cells; Fundamentals of microprocessors and digital computers.

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS**PAPER-I****Political Theory and Indian Politics :**

1. Political Theory: meaning and approaches.
2. Theories of state : Liberal, Neo-liberal, Marxist, Pluralist, post-colonial and Feminist.
3. Justice : Conceptions of justice with special reference to Rawl's theory of justice and its communitarian critiques.
4. Equality : Social, political and economic; relationship between equality and freedom; Affirmative action.
5. Rights : Meaning and theories; different kinds of rights; Concept of Human Rights.
6. Democracy : Classical and contemporary theories; different models of democracy—representative, participatory and deliberative.
7. Concept of power : hegemony, ideology and legitimacy.
8. Political Ideologies : Liberalism, Socialism, Marxism, Fascism, Gandhism and Feminism.
9. Indian Political Thought: *Dharamshastra, Arthashastra* and Buddhist Traditions; Sir Syed Ahmed Khan, Sri Aurobindo, M. K. Gandhi, B. R. Ambedkar, M. N. Roy.
10. Western Political Thought: Plato, Aristotle, Machiavelli, Hobbes, Locke, John S. Mill, Marx, Gramsci, Hannah Arendt.

Indian Government and Politics**I. Indian Nationalism :**

- (a) Political Strategies of India's Freedom Struggle : Constitutionalism to mass Satyagraha, Non-cooperation, Civil Disobedience; Militant and Revolutionary Movements, Peasant and Workers Movements.
- (b) Perspectives on Indian National Movement; Liberal, Socialist and Marxist; Radical Humanist and Dalit.
2. Making of the Indian Constitution : Legacies of the British rule; different social and political perspectives.
3. Salient Features of the Indian Constitution : The Preamble, Fundamental Rights and Duties, Directive Principles; Parliamentary System and Amendment Procedures; Judicial Review and Basic Structure doctrine.

4. (a) Principal Organs of the Union Government : Envisaged role and actual working of the Executive, Legislature and Supreme Court.
- (b) Principal Organs of the State Government : Envisaged role and actual working of the Executive, Legislature and High Courts.
5. Grassroots Democracy : Panchayati Raj and Municipal Government; Significance of 73rd and 74th Amendments; Grassroot movements.
6. Statutory Institutions/Commissions : Election Commission, Comptroller and Auditor General, Finance Commission, Union Public Service Commission, National Commission for Scheduled Castes, National Commission for Scheduled Tribes, National Commission for Women; National Human Rights Commission, National Commission for Minorities, National Backward Classes Commission.
7. Federalism : Constitutional provisions; changing nature of centre-state relations; integrationist tendencies and regional aspirations; inter-state disputes.
8. Planning and Economic development : Nehruvian and Gandhian perspectives; Role of planning and public sector; Green Revolution, land reforms and agrarian relations; liberalization and economic reforms.
9. Caste, Religion and Ethnicity in Indian Politics.
10. Party System : National and regional political parties, ideological and social bases of parties; Patterns of coalition politics; Pressure groups, trends in electoral behaviour; changing socio-economic profile of Legislators.
11. Social Movement : Civil liberties and human rights movements; women's movements; environmentalist movements.

PAPER-II

Comparative Politics and International Relations

Comparative Political Analysis and International Politics :

1. Comparative Politics : Nature and major approaches; Political economy and political sociology perspectives; Limitations of the comparative method.
2. State in Comparative Perspective : Characteristics and changing nature of the State in capitalist and socialist economies, and advanced industrial and developing societies.
3. Politics of Representation and Participation : Political parties, pressure groups and social movements in advanced industrial and developing societies
4. Globalisation : Responses from developed and developing societies.

5. Approaches to the Study of International Relations : Idealist, Realist, Marxist, Functionalist and Systems theory.
6. Key Concepts in International Relations : National interest, security and power; Balance of power and deterrence; Transnational actors and collective security; World capitalist economy and globalisation.
7. Changing International Political Order :
 - (a) Rise of super powers; Strategic and ideological Bipolarity, arms race and cold war; Nuclear threat;
 - (b) Non-aligned Movement : Aims and achievements.
 - (c) Collapse of the Soviet Union; Unipolarity and American hegemony; Relevance of non-alignment in the contemporary world.
8. Evolution of the International Economic System : From Brettonwoods to WTO; Socialist economies and the CMEA (Council for Mutual Economic Assistance); Third World demand for new international economic order; Globalisation of the world economy.
9. United Nations : Envisaged role and actual record; Specialized UN agencies—aims and functioning; need for UN reforms.
10. Regionalisation of World Politics : EU, ASEAN, APEC, AARC, NAFTA.
11. Contemporary Global Concerns : Democracy, human rights, environment, gender justice terrorism, nuclear proliferation.

India and the World

1. Indian Foreign Policy : Determinants of foreign policy; the institutions of policy-making; Continuity and change.
2. India's Contribution to the Non-Alignment Movement Different phases; Current role.
3. India and South Asia :
 - (a) Regional Co-operation : SAARC—past performance and future prospects.
 - (b) South Asia as a Free Trade Area.
 - (c) India's "Look East" policy.
 - (d) Impediments to regional co-operation : River water disputes; illegal cross border migration; Ethnic conflicts and insurgencies; Border disputes.
4. India and the Global South : Relations with Africa and Latin America; Leadership role in the demand for NIEO and WTO negotiations.
5. India and the Global Centres of Power : USA, EU, Japan, China and Russia.

6. India and the UN System: Role in UN Peace-keeping; Demand for Permanent Seat in the Security Council.
7. India and the Nuclear Question : Changing perceptions and policy.
8. Recent developments in Indian Foreign Policy : India's position on the recent crises in Afghanistan, Iraq and West Asia, growing relations with US and Israel; Vision of a new world order.

PSYCHOLOGY

PAPER I

Foundations of Psychology

1. **Introduction** : Definition of Psychology; Historical antecedents of Psychology and trends in the 21st century; Psychology and scientific methods; Psychology in relation to other social sciences and natural sciences; Application of Psychology to societal problems.

2. **Methods of Psychology** : Types of research : Descriptive, evaluative, diagnostic and prognostic; Methods of Research : Survey, observation, case-study and experiments; Characteristics of experimental design and non-experimental designs; quasi experimental designs; Focussed group discussions, brain storming, grounded theory approach.

3. **Research methods** : Major steps in psychological research (problem statement, hypothesis formulation, research design, sampling, tools of data collection, analysis and interpretation and report writing); Fundamental versus applied research; Methods of data collection (interview, observation, questionnaire and case study). Research Designs (Ex-post facto and experimental). Application of statistical techniques (t-test, two-way ANOVA, correlation and regression and factor analysis) item response theory.

4. **Development of Human Behaviour** : Growth and development; Principles of development, Role of genetic and environmental factors in determining human behaviour; Influence of cultural factors in socialization; Life span development—Characteristics, development tasks, promoting psychological well-being across major stages of the life span.

5. **Sensation, Attention and Perception** : Sensation: concepts of threshold, absolute and difference thresholds, signal-detection and vigilance; Factors influencing attention including set and characteristics of stimulus; Definition and concept of perception, biological factors in perception; Perceptual organization—Influence of past experiences, perceptual defence-factor influencing space and depth perception, size estimation and perceptual readiness; The plasticity of perception; Extrasensory perception; Culture and perception, Subliminal perception.

6. **Learning** : Concepts and theories of learning (Behaviourists, Gestaltist and Information processing models). The processes of extinction, discrimination and generalisation. Programmed learning, probability learning, self instructional learning, concepts, types and the schedules of reinforcement, escape, avoidance and punishment, modelling and social learning.

7. **Memory** : Encoding and remembering; Shot term memory, Long term memory, Sensory memory, Iconic memory, Echoic memory; The Multistore model, levels of processing; Organization and Mnemonic techniques to improve memory; Theories of forgetting: decay, interference and retrieval failure; Metamemory; Amnesia: Anterograde and retrograde.

8. **Thinking and Problem Solving** : Piaget's theory of cognitive development; Concept formation processes; Information processing, Reasoning and problem solving, Facilitating and hindering factors in problem solving, Methods of problem solving; Creative thinking and fostering creativity; Factors influencing decision making and judgement; Recent trends.

9. **Motivation and Emotion** : Psychological and physiological basis of motivation and emotion; Measurement of motivation and emotion; Effects of motivation and emotion on behaviour; Extrinsic and intrinsic motivation; Factors influencing intrinsic motivation; Emotional competence and the related issues.

10. **Intelligence and Aptitude** : Concept of intelligence and aptitude, Nature and theories of intelligence-Spearman, Thurstone, Guilford Vernon, Sternberg and J.P. Das; Emotional Intelligence, Social intelligence, measurement of intelligence and aptitudes, concept of 1 Q deviation 1 Q, constancy of 1 Q; Measurement of multiple intelligence; Fluid intelligence and crystallized intelligence.

11. **Personality** : Definition and concept of personality; Theories of personality (psychoanalytical, socio-cultural, interpersonal, developmental, humanistic, behaviouristic, trait and type approaches); Measurement of personality (projective tests, pencil-paper test); The Indian approach to personality; Training for personality development; Latest approaches like big 5 factor theory; The notion of self in different traditions.

12. **Attitudes, Values and Interests** : Definitions of attitudes, values and interests; Components of attitudes; Formation and maintenance of attitudes. Measurement of attitudes, values and interests; Theories of attitude changes, strategies for fostering values. Formation of stereotypes and prejudices; Changing other's behaviour, Theories of attribution; Recent trends.

13. **Language and Communication** : Human language—Properties, structure and linguistic hierarchy, Language acquisition—predisposition, critical period hypothesis; Theories of language development—Skinner and Chomsky; Process and types of communication—effective communication training.

14. Issues and Perspectives In Modern Contemporary Psychology:

Computer application in the psychological laboratory and psychological testing; Artificial intelligence; Psychocybernetics; Study of consciousness/sleep-wak schedules; dreams, stimulus deprivation, meditation, hypnotic/drug induced states; Extrasensory perception; Intersensory perception; Simulation studies.

PAPER II

Psychology : Issues and applications

1. Psychological Measurement of Individual Differences :

The nature of individual differences. Characteristics and construction of standardized psychological tests. Types of psychological tests. Use, misuse and limitation of psychological tests. Ethical issues in the use of psychological tests.

2. Psychological well being and Mental Disorders :

Concept of health-ill health positive health, well being casual factors in Mental disorders (Anxiety disorders, mood disorders; schizophrenia and delusional disorders; personality disorders, substance abuse disorders). Factors influencing positive health, well being; life style and quality of life; Happiness disposition

3. Therapeutic Approaches :

Psychodynamic therapies. Behaviour therapies. Client centered therapy. Cognitive therapies. Indigenous therapies (Yoga, Meditation). Biofeedback therapy. Prevention and rehabilitation of the mentally ill; Fostering mental health.

4. Work Psychology and Organisational Behaviour :

Personnel selection and training. Use of Psychological tests in the industry. Training and human resource development. Theories of work motivation. Herzberg, Maslow, Adam Equity theory, Porter and Lawler, Vroom; Leadership and participatory management; Advertising and marketing; Stress and its management; Ergonomics; consumer psychology; Managerial effectiveness; Transformational leadership; Sensitivity training; Power and politics in organizations.

5. Application of Psychology to Educational Field :

Psychological principles underlying effective teaching-learning process. Learning styles. Gifted, retarded, learning disabled and their training. Training for improving memory and better academic achievement. Personality development and value education. Educational, vocational guidance and Career counselling. Use of Psychological tests in educational institutions; Effective strategies in guidance programmes..

6. Community Psychology :

Definition and concept of Community Psychology. Use of small groups in social action. Arousing community consciousness and action for handling social problems. Group decision making and leadership for social change. Effective strategies for social change.

7. Rehabilitation Psychology :

Primary, secondary and tertiary prevention programmes—role of psychologists. Organising of services for rehabilitation of physically, mentally and socially

challenged persons including old persons. Rehabilitation of persons suffering from substance abuse, juvenile delinquency, criminal behaviours. Rehabilitation of victims of violence. Rehabilitation of HIV/AIDS victims, the role of social agencies.

8. Application of Psychology to disadvantaged groups :

The concepts of disadvantaged, deprivation Social, physical, cultural and economic consequences of disadvantaged and deprived groups. Educating and motivating the disadvantaged towards development; Relative and prolonged deprivation.

9. Psychological problem of social integration :

The concept of social integration. The problem of caste, class, religion and language conflicts and prejudice. Nature and manifestation of prejudice between the ingroup and outgroup. Casual factors of such conflicts and prejudices. Psychological strategies for handling the conflicts and prejudices. Measures to achieve social integration.

10. Application of Psychology in Information Technology and Mass Media :

The present scenario of information technology and the mass media boom and the role of psychologists. Selection and training of Psychology professionals to work in the field of IT and mass media. Distance learning through IT and mass media. Entrepreneurship through e-commerce. Multilevel marketing. Impact of TV and fnstering value through IT and mass media. Psychological consequences of recent developments in Information Technology.

11. Psychology and Economic development :

Achievement motivation and economic development. Characteristics of entrepreneurial behaviour. Motivating and Training people for entrepreneurship and economic development; Consumer rights and consumer awareness, Government policies for promotion of entrepreneurship among youth including women entrepreneurs.

12. Application of Psychology to environment and related fields :

Environmental Psychology effects of noise, pollution and crowding. Population Psychology : Psychological consequence of population explosion and high population density. Motivating for small family norms. Impact of rapid scientific and technological growth on degradation of environment.

13. Application of psychology in other fields :

(a) Military Psychology

Devising psychological tests for defence personnel for use in selection, Training, counseling; training psychologists to work , with defence personnel in promoting positive health; Human engineering in defence.

(b) Sports Psychology

Psychological interventions in improving performance of athletes and sports. Persons participating in Individual and Team Games.

(c) Media influences on pro and antisocial behaviour.

(d) Psychology of terrorism.

14. Psychology of Gender:

Issues of discrimination, Management of diversity; Glass ceiling effect, Self fulfilling prophesy, Women and Indian society.

PUBLIC ADMINISTRATION

PAPER I

Administration Theory

1. Introduction:

Meaning scope and significance of Public Administration, Wilson's vision of Public Administration, Evolution of the discipline and its present status. New Public Administration, Public Choice approach; Challenges of liberalization, Privatisation, Globalisation; Good Governance: concept and application; New Public Management.

2. Administrative Thought:

Scientific Management and Scientific Management movement; Classical Theory; Weber's bureaucratic model-its critique and post-Weberian Developments; Dynamic Administration (Mary Parker Follett); Human Relations School (Elton Mayo and others); Functions of the Executive (C.I. Barnard); Simon's decision-making theory; Participative Management (R. Likert, C. Argyris, D. McGregor.)

3. Administrative Behaviour:

Process and techniques of decision-making; Communication; Morale; Motivation Theories-content, process and contemporary; Theories of Leadership: Traditional and Modern:

4. Organisations:

Theories-systems, contingency; Structure and forms: Ministries and Departments, Corporations, Companies; Boards and Commissions; Ad hoc, and advisory bodies; Headquarters and Field relationships; Regulatory Authorities; Public-Private Partnerships.

5. Accountability and Control:

Concepts of accountability and control; Legislative, Executive and judicial control over administration; Citizen and Administration; Role of media, interest groups, voluntary organizations; Civil society; Citizen's Charters; Right to Information; Social audit.

6. Administrative Law:

Meaning, scope and significance; Dicey on Administrative law; Delegated legislation; Administrative Tribunals.

7. Comparative Public Administration:

Historical and sociological factors affecting administrative systems; Administration and politics in different countries; Current status of Comparative Public Administration;

Ecology and administration; Riggsian models and their critique.

8. Development Dynamics:

Concept of development; Changing profile of development administration; 'Anti-development thesis'; Bureaucracy and development; Strong state versus the market debate; Impact of liberalisation on administration in developing countries; Women and development-the self-help group movement.

9. Personnel Administration:

Importance of human resource development; Recruitment, training, career advancement, position classification, discipline, performance appraisal, promotion, pay and service conditions; employer-employee relations, grievance redressal mechanism; Code of conduct; Administrative ethics.

10. Public Policy:

Models of policy-making and their critique; Processes of conceptualisation, planning, implementation, monitoring, evaluation and review and their limitations; State theories and public policy formulation.

11. Techniques of Administrative Improvement:

Organisation and methods, Work study and work management; e-governance and information technology; Management aid tools like network analysis, MIS, PERT, CPM.

12. Financial Administration:

Monetary and fiscal policies; Public borrowings and public debt Budgets-types and forms; Budgetary process; Financial accountability; Accounts and audit.

PAPER II

Indian Administration

1. Evolution of Indian Administration:

Kautilya Arthashastra; Mughal administration; Legacy of British rule in politics and administration-Indianization of Public services, revenue administration, district administration, local self Government.

2. Philosophical and Constitutional framework of Government:

Salient features and value premises; Constitutionalism; Political culture; Bureaucracy and democracy; Bureaucracy and development.

3. Public Sector Undertakings:

Public sector in modern India; Forms of Public Sector Undertakings; Problems of autonomy, accountability and control; Impact of liberalization and privatization.

4. Union Government and Administration:

Executive, Parliament, Judiciary-structure, functions, work processes; Recent trends; Intra-governmental relations; Cabinet Secretariat; Prime Minister's Office; Central Secretariat; Ministries and Departments; Boards; Commissions; Attached offices; Field organizations.

5. Plans and Priorities:

Machinery of planning; Role, composition and functions of the Planning Commission and the National Development Council; 'Indicative' planning; Process of plan formulation at Union and State levels; Constitutional Amendments (1992) and decentralized planning for economic development and social justice.

6. State Government and Administration:

Union-State administrative, legislative and financial relations; Role of the Finance Commission; Governor; Chief Minister; Council of Ministers; Chief Secretary; State Secretariat; Directorates.

7. District Administration since Independence:

Changing role of the Collector; Union-state-local relations; Imperatives of development management and law and order administration; District administration and democratic decentralization.

8. Civil Services:

Constitutional position; Structure, recruitment, training and capacity building; Good governance initiatives; Code of conduct and discipline; Staff associations; Political rights; Grievance redressal mechanism; Civil service neutrality; Civil service activism.

9. Financial Management:

Budget as a political instrument; Parliamentary control of public expenditure; Role of finance ministry in monetary and fiscal area; Accounting techniques; Audit; Role of Controller General of Accounts and Comptroller and Auditor General of India.

10. Administrative Reforms since Independence:

Major concerns; Important Committees and Commissions; Reforms in financial management and human resource development; Problems of implementation.

11. Rural Development:

Institutions and agencies since independence; Rural development programmes; foci and strategies; Decentralization and Panchayati Raj; 73rd Constitutional amendment.

12. Urban Local Government:

Municipal governance: main features, structures, finance and problem areas; 74th Constitutional Amendment; Global-local debate; New localism; Development dynamics, politics and administration with special reference to city management.

13. Law and Order Administration:

British legacy; National Police Commission; Investigative agencies; Role of Central and State Agencies including para military forces in maintenance of law and order and countering insurgency and terrorism; Criminalisation of politics and administration; Police-public relations; Reforms in Police.

14. Significant issues in Indian Administration:

Values in public service; Regulatory Commissions; National Human Rights Commission; Problems of administration in coalition regimes; Citizen administration interface; Corruption and administration; Disaster management.

SOCIOLOGY**PAPER I****FUNDAMENTALS OF SOCIOLOGY****1. Sociology - The Discipline:**

- (a) Modernity and social changes in Europe and emergence of sociology.
- (b) Scope of the subject and comparison with other social sciences.
- (c) Sociology and common sense.

2. Sociology as Science:

- (a) Science, scientific method and critique.
- (b) Major theoretical strands of research methodology.
- (c) Positivism and its critique.
- (d) Fact value and objectivity.
- (e) Non-positivist methodologies.

3. Research Methods and Analysis:

- (a) Qualitative and quantitative methods.
- (b) Techniques of data collection.
- (c) Variables, sampling, hypothesis, reliability and validity.

4. Sociological Thinkers:

- (a) Karl Marx - Historical materialism, mode of production, alienation, class struggle.
- (b) Emile Durkheim - Division of labour, social fact, suicide, religion and society.
- (c) Max Weber - Social action, ideal types, authority, bureaucracy, protestant ethic and the spirit of capitalism.
- (d) Talcott Parsons - Social system, pattern variables.
- (e) Robert K. Merton - Latent and manifest functions, conformity and deviance, reference groups.
- (f) Mead - Self and identity.

5. Stratification and Mobility :

- (a) Concepts - equality, inequality, hierarchy, exclusion, poverty and deprivation.
- (b) Theories of social stratification - Structural functionalist theory, Marxist theory, Weberian theory.
- (c) Dimensions - Social stratification of class, status groups, gender, ethnicity and race.
- (d) Social mobility - open and closed systems, types of mobility, sources and causes of mobility.

6. Works and Economic Life :

- (a) Social organization of work in different types of society - slave society, feudal society, industrial capitalist society.

(b) Formal and informal organization of work.
(c) Labour and society.

7. Politics and Society:

(a) Sociological theories of power.
(b) Power elite, bureaucracy, pressure groups and political parties.
(c) Nation, state, citizenship, democracy, civil society, ideology.
(d) Protest, agitation, social movements, collective action, revolution.

8. Religion and Society:

(a) Sociological theories of religion.
(b) Types of religious practices: animism, monism, pluralism, sects, cults.
(c) Religion in modern society: religion and science, secularization, religious revivalism, fundamentalism.

9. Systems of Kinship:

(a) Family, household, marriage.
(b) Types and forms of family.
(c) Lineage and descent.
(d) Patriarchy and sexual division of labour.
(e) Contemporary trends.

10. Social Change in Modern Society :

(a) Sociological theories of social change. (b) Development and dependency
(c) Agents of social change.
(d) Education and social change.
(e) Science, technology and social change.

PAPER II

INDIAN SOCIETY: STRUCTURE AND CHANGE

A. Introducing Indian Society :

(i) Perspectives on the Study of Indian Society :
(a) Indology (G.S. Ghure).
(b) Structural functionalism (M. N. Srinivas).
(c) Marxist sociology (A. R. Desai).

(ii) Impact of colonial rule on Indian society :
(a) Social background of Indian nationalism.
(b) Modernization of Indian tradition.
(c) Protests and movements during the colonial period.
(d) Social reforms.

B. Social Structure:

(i) Rural and Agrarian Social Structure:
(a) The idea of Indian village and village studies
(b) Agrarian social structure—

evolution of land tenure system, land reforms.

(ii) Caste System:

(a) Perspectives on the study of caste systems: G. S. Ghurye, M. N. Srinivas, Louis Dumont, Andre Beteille.

(b) Features of caste system.

(c) Untouchability—forms and perspectives

(iii) Tribal communities in India:

(a) Definitional problems. (b) Geographical spread.

(c) Colonial policies and tribes.

(d) Issues of integration and autonomy.

(iv) Social Classes in India:

(a) Agrarian class structure.

(b) Industrial class structure.

(c) Middle classes in India.

(v) Systems of Kinship in India:

(a) Lineage and descent in India.

(b) Types of kinship systems.

(c) Family and marriage in India.

(d) Household dimensions of the family.

(e) Patriarchy, entitlements and sexual division of labour.

(vi) Religion and Society :

(a) Religious communities in India.

(b) Problems of religious minorities.

C. Social Changes in India:

(i) Visions of Social Change in India:

(a) Idea of development planning and mixed economy.

(b) Constitution, law and social change. (c) Education and social change.

(ii) Rural and Agrarian transformation in India:

(a) Programmes of rural development, Community Development Programme, cooperatives, poverty alleviation schemes.

(b) Green revolution and social change.

(c) Changing modes of production in Indian agriculture.

(d) Problems of rural labour, bondage, migration.

(iii) Industrialization and Urbanisation in India:

(a) Evolution of modern industry in India. (b) Growth of urban settlements in India.

(c) Working class: structure, growth, class mobilization.

- (d) Informal sector, child labour.
- (e) Slums and deprivation in urban areas.
- (iv) **Politics and Society :**
 - (a) Nation, democracy and citizenship.
 - (b) Political parties, pressure groups, social and political elite.
 - (c) Regionalism and decentralization of power.
 - (d) Secularization.
- (v) **Social Movements in Modern India:**
 - (a) Peasants and farmers movements.
 - (b) Women's movement.
 - (c) Backward classes & Dalit movements.
 - (d) Environmental movements.
 - (e) Ethnicity and Identity movements.
- (vi) **Population Dynamics:**
 - (a) Population size, growth, composition and distribution.
 - (b) Components of population growth: birth, death, migration.
 - (c) Population Policy and family planning.
 - (d) Emerging issues: ageing, sex ratios, child and infant mortality, reproductive health.
- (vii) **Challenges of Social Transformation :**
 - (a) Crisis of development : displacement, environmental problems and sustainability.
 - (b) Poverty, deprivation and inequalities.
 - (c) Violence against women.
 - (d) Caste conflicts.
 - (e) Ethnic conflicts, communalism, religious revivalism.
 - (f) Illiteracy and disparities in education.

STATISTICS

PAPER I

1. Probability :

Sample space and events, probability measure and probability space, random variable as a measurable function, distribution function of a random variable, discrete and continuous-type random variable, probability mass function, probability density function, vector-valued random variable, marginal and conditional distributions, stochastic independence of events and of random variables, expectation and moments of a random variable, conditional expectation, convergence of a sequence of random variable in distribution, in probability, in path mean and almost everywhere, their criteria and inter-relations, Chebyshev's inequality and Khintchine's weak law of large numbers, strong law of large numbers and Kolmogoroff's theorems, probability generating function,

moment generating function, characteristic function, inversion theorem, Linderberg and Levy forms of central limit theorem, standard discrete and continuous probability distributions.

2. Statistical Inference:

Consistency, unbiasedness, efficiency, sufficiency, completeness, ancillary statistics, factorization theorem, exponential family of distribution and its properties, uniformly minimum variance unbiased (UMVU) estimation, Rao Blackwell and Lehmann-Scheffe theorems, Cramer-Rao inequality for single Parameter. Estimation by methods of moments, maximum likelihood, least squares, minimum chisquare and modified minimum chisquare, properties of maximum likelihood and other estimators, asymptotic efficiency, prior and posterior distributions, loss function, risk function, and minimax estimator. Bayes estimators.

Non-randomised and randomised tests, critical function, MP tests, Neyman-Pearson lemma, UMP tests, monotone likelihood ratio: similar and unbiased tests, UMPU tests for single parameter likelihood ratio test and its asymptotic distribution. Confidence bounds and its relation with tests.

Kolmogoroff's test for goodness of fit and its consistency, sign test and its optimality. Wilcoxon signed ranks test and its consistency, Kolmogorov-Smirnov two sample test, run test, Wilcoxon-Mann-Whitney test and median test, their consistency and asymptotic normality.

Wald's SPRT and its properties, OC and ASN functions for tests regarding parameters for Bernoulli, Poisson, normal and exponential distributions. Wald's fundamental identity.

3. Linear Inference and Multivariate Analysis :

Linear statistical models, theory of least squares and analysis of variance, Gauss-Markoff theory, normal equations, least squares estimates and their precision, test of significance and interval estimates based on least squares theory in oneway, two-way and three-way classified data, regression analysis, linear regression, curvilinear regression and orthogonal polynomials, multiple regression, multiple and partial correlations, estimation of variance and covariance components, multivariate normal distribution, Mahalanobis D^2 and Hotelling's T^2 statistics and their applications and properties, discriminant analysis, canonical correlations, principal component analysis.

4. Sampling Theory and Design of Experiments :

An outline of fixed-population and super-population approaches, distinctive features of finite population sampling, probability sampling designs, simple random sampling with and without replacement, stratified random sampling, systematic sampling and its efficacy, cluster sampling, two-stage and multi-stage sampling, ratio and regression methods of estimation involving one or more auxiliary variables, two-phase sampling, probability proportional to size sampling with and

without replacement, the Hansen-Hurwitz and the Horvitz-Thompson estimators, non-negative variance estimation with reference to the Horvitz-Thompson estimator, non-sampling errors.

Fixed effects model (two-way classification) random and mixed effects models (two-way classification with equal observation per cell), CRD, RBD, LSD and their analyses, incomplete block designs, concepts of orthogonality and balance, BIBD, missing plot technique, factorial experiments and 2^4 and 3^2 , confounding in factorial experiments, split-plot and simple lattice designs, transformation of data Duncan's multiple range test.

PAPER-II

1. Industrial Statistics

Process and product control, general theory of control charts, different types of control charts for variables and attributes, X , R , s , p , np and u charts, cumulative sum chart. Single, double, multiple and sequential sampling plans for attributes, OC, ASN, AOQ and ATI curves, concepts of producer's and consumer's risks, AQL, LTPD and AOQL, Sampling plans for variables, Use of Dodge-Romin tables.

Concept of reliability, failure rate and reliability functions, reliability of series and parallel systems and other simple configurations, renewal density and renewal function, Failure models: exponential, Weibull, normal, lognormal.

Problems in life testing, censored and truncated experiments for exponential models.

2. Optimization Techniques :

Different types of models in Operations Research, their construction and general methods of solution, simulation and Monte-Carlo methods formulation of Linear Programming (LP) problem, simple LP model and its graphical solution, the simplex procedure, the two-phase method and the M-technique with artificial variables, the duality theory of LP and its economic interpretation, sensitivity analysis, transposition and assignment problems, rectangular games, two-person zerosum games, methods of solution (graphical and algebraic).

Replacement of failing or deteriorating items, group and individual replacement policies, concept of scientific inventory management and analytical structure of inventory problems, simple models with deterministic and stochastic demand with and without lead time, storage models with particular reference to dam type.

Homogeneous discrete-time Markov chains, transition probability matrix, classification of states and ergodic theorems, homogeneous continuous-time Markov chains, Poisson process, elements of queuing theory, M/M/1, M/M/K, G/M/1 and M/G/1 queues.

Solution of statistical problems on computers using well-known statistical software packages like SPSS.

3. Quantitative Economics and Official Statistics:

Determination of trend, seasonal and cyclical components, Box-Jenkins method, tests for stationary series, ARIMA models and determination of orders of autoregressive and moving average components, fore-casting.

Commonly used index numbers—Laspeyre's, Paasche's and Fisher's ideal index numbers, chain-base index number, uses and limitations of index numbers, index number of wholesale prices, consumer price, agricultural production and industrial production, test for index numbers—proportionality, time-reversal, factor-reversal and circular.

General linear model, ordinary least square and generalized least squares methods of estimation, problem of multicollinearity, consequences and solutions of multicollinearity, autocorrelation and its consequences, heteroscedasticity of disturbances and its testing, test for independence of disturbances concept of structure and model for simultaneous equations, problem of identification-rank and order conditions of identifiability, two-stage least square method of estimation.

Present official statistical system in India relating to population, agriculture, industrial production, trade and prices, methods of collection of official statistics, their reliability and limitations, principal publications containing such statistics, various official agencies responsible for data collection and their main functions.

4. Demography and Psychometry :

Demographic data from census, registration, NSS other surveys, their limitations, and uses, definition, construction and uses of vital rates and ratios, measures of fertility, reproduction rates, morbidity rate, standardized death rate, complete and abridged life tables, construction of life tables from vital statistics and census returns, uses of life tables, logistic and other population growth curves, fitting a logistic curve, population projection, stable population, quasi-stable population, techniques in estimation of demographic parameters, standard classification by cause of death, health surveys and use of hospital statistics.

Methods of standardisation of scales and tests, Z-scores, standard scores, T-scores, percentile scores, intelligence quotient and its measurement and uses, validity and reliability of test scores and its determination, use of factor analysis and path analysis in psychometry.

ZOOLOGY

PAPER-I

1. Non-chordata and Chordata :

(a) Classification and relationship of various phyla up to sub-classes: Acoelomate and Coelomate, Protostomes and Deuterostomes, Bilateria and Radiata; Status of Protista, Parazoa, Onychophora and Hemichordata; Symmetry.

- (b) Protozoa: Locomotion, nutrition, reproduction, sex; General features and life history of *Paramaecium*, *Monocystis*, *Plasmodium* and *Leishmania*.
- (c) Porifera: Skeleton, canal system and reproduction.
- (d) Cnidaria: Polymorphism, defensive structures and their mechanism; coral reefs and their formation; metagenesis; general features and life history of *Obelia* and *Aurelia*.
- (e) Platyhelminthes: Parasitic adaptation; general features and life history of *Fasciola* and *Taenia* and their Pathogenic symptoms.
- (f) Nemathelminthes: General features, life history, parasitic adaptation of *Ascaris* and *Wuchereria*.
- (g) Annelida: Coelom and metamerism; modes of life in polychaetes; general features and life history of *Nereis*, earthworm and leach.
- (h) Arthropoda: Larval forms and parasitism in Crustacea; vision and respiration in arthropods (Prawn, cockroach and scorpion); modification of mouth, parts in insects (cockroach, mosquito: housefly, honey bee and butterfly); metamorphosis in insect and its hormonal regulation, social behaviour of *Apis* and termites.
- (i) Mollusca: Feeding, respiration, locomotion, general features and life history of *Lamellidens*, *Pila* and *Scalia*. torsion and detorsion in gastrapods.
- (j) Echinodermata: Feeding, respiration, locomotion, larval forms, general features and life history of *Asterias*.
- (k) Protochordata: Origin of chordates; general features and life history of *Branchiostoma* and *Herdmania*.
- (l) Pisces: Respiration, locomotion and migration.
- (m) Amphibia: Origin of tetrapods, parental care, paedogenesis.
- (n) Reptilia: Origin of reptiles, skull types, status of *Sphenodon* and crocodiles.
- (o) Aves: Origin of birds, flight adaptation, migration.
- (p) Mammalia: Origin of mammals, dentition, general features of egg laying mammals, pouched mammals, aquatic mammals and primates, endocrine glands (pituitary, thyroid, parathyroid, adrenal, pancreas, gonads) and their interrelationships.
- (q) Comparative functional anatomy of various systems of vertebrates. (integument and its derivatives, endoskeleton, locomotory organs, digestive system, respiratory system, circulatory system in-

cluding heart and aortic arches, urinogenital system, brain and sense organs (eye and ear).

2. Ecology :

- (a) Biosphere: concept of biosphere; biomes, Biogeochemical cycles, Human induced changes in atmosphere including green house effect, ecological succession, biomes and ecotones, community ecology.
- (b) Concept of ecosystem; structure and function of ecosystem, types of ecosystem, ecological succession, ecological adaptation.
- (c) Population; characteristics, population dynamics, population stabilization.
- (d) Biodiversity and diversity conservation of natural resources.
- (e) Wildlife of India.
- (f) Remote sensing for sustainable development.
- (g) Environmental biodegradation; pollution and its impact on biosphere and its prevention.

3. Ethology :

- (a) Behaviour: Sensory filtering, responsiveness, sign stimuli, learning, and memory, instinct, habituation, conditioning, imprinting.
- (b) Role of hormones in drive; role of pheromones in alarm spreading; crypsis, predator detection, predator tactics, social hierarchies in primates, social organization in insects;
- (c) Orientation, navigation, homing; biological rhythms: biological clock, tidal, seasonal and circadian rhythms.
- (d) Methods of studying animal behaviour including sexual conflict, selfishness, kinship and altruism.

4. Economic Zoology:

- (a) Apiculture, sericulture, lac culture, carp culture, pearl culture, prawn culture, vermiculture.
- (b) Major infectious and communicable diseases (malaria, filaria, tuberculosis, cholera and AIDS) their vectors, pathogens and prevention.
- (c) Cattle and livestock diseases, their pathogen (helminths) and vectors (ticks, mites, *Tabanus*, *Stomoxys*).
- (d) Pests of sugar cane (*Pyrrilla perpusilla*), oil seed (*Achaeajanata*) and rice (*Stiophilus oryzae*).
- (e) Transgenic animals.
- (f) Medical biotechnology, human genetic disease and genetic counselling, gene therapy.
- (g) Forensic biotechnology.

5. Biostatistics:

Designing of experiments; null hypothesis; correlation, regression, distribution and measure of central

tendency, chi square, student-test, F-test (one-way & two-way F-test).

6. Instrumentation methods:

- (a) Spectrophotometer, phase contrast and fluorescence microscopy, radioactive tracer, ultra centrifuge, gel electrophoresis, PCR, ELISA, FISH and chromosome painting.
- (b) Electron microscopy (TEM, SEM).

PAPER II

1. Cell Biology :

- (a) Structure and function of cell and its organelles (nucleus, plasma membrane, mitochondria, Golgi bodies, endoplasmic reticulum, ribosomes and lysosomes), cell division (mitosis and meiosis), mitotic spindle and mitotic apparatus, chromosome movement chromosome type plectene and lambrush, organization of chromatin, heterochromatin, Cell cycle regulation.
- (b) Nucleic acid topology, DNA motif, DNA replication, transcription, RNA processing, translation, protein foldings and transport.

2. Genetics :

- (a) Modern concept of gene, split gene, genetic regulation, genetic code.
- (b) Sex chromosomes and their evolution, sex determination in *Drosophila* and man.
- (c) Mendel's laws of inheritance, recombination, linkage, multiple alleles, genetics of blood groups, pedigree analysis, hereditary diseases in man.
- (d) Mutations and mutagenesis.
- (e) Recombinant DNA technology, plasmid, cosmid, artificial chromosomes as vectors, transgenics, DNA cloning and whole animal cloning (principles and methods).
- (f) Gene regulation and expression in prokaryotes and eukaryotes.
- (g) Signal molecules, cell death, defects in signaling pathway and consequences.
- (h) RFLP, RAPD and AFLP and application of RFLP in DNA finger-printing, ribozyme technologies, human genome project, genomics and proteomics.

3. Evolution:

- (a) Theories of origin of life.
- (b) Theories of evolution; Natural selection, role of mutation in evolution, evolutionary patterns, molecular drive, mimicry, variation, isolation and speciation.

(c) Evolution of horse, elephant and man using fossil data.

(d) Hardy-Weinberg Law.

(e) Continental drift and distribution of animals.

4. Systematics

Zoological nomenclature, international code, cladistics, molecular taxonomy and biodiversity.

5. Biochemistry

- (a) Structure and role of carbohydrates, fats, fatty acids, cholesterol, proteins and amino-acids, nucleic acids. Bioenergetics.
- (b) Glycolysis and Krebs cycle, oxidation and reduction, oxidative phosphorylation; energy conservation and release, ATP, cyclic AMP-its structure and role.
- (c) Hormone classification (steroid and peptide hormones), biosynthesis and functions.
- (d) Enzymes: types and mechanisms of action.
- (e) Vitamins and co-enzymes.
- (f) Immunoglobulin and immunity.

6. Physiology (with special reference to mammals)

- (a) Composition and constituents of blood; blood groups and Rh factor in man; factors and mechanism of coagulation; iron metabolism, acid-base balance, thermo regulation, anticoagulants.
- (b) Haemoglobin: Composition, types and role in transport of oxygen and carbon dioxide.
- (c) Digestion and absorption: Role of salivary glands, liver, pancreas and intestinal glands.
- (d) Excretion: nephron and regulation of urine formation; osmo-regulation and excretory product.
- (e) Muscles: Types, mechanism of contraction of skeletal muscles, effects of exercise on muscles.
- (f) Neuron: nerve impulse—its conduction and synaptic transmission; neurotransmitters.
- (g) Vision, hearing and olfaction in man.
- (h) Physiology of reproduction puberty and menopause in human.

7. Developmental Biology :

- (a) Gametogenesis; spermatogenesis, composition of semen, *in vitro* and *in vivo* capacitation of mammalian sperm, Oogenesis, totipotency; fertilization, morphogenesis and morphogen; blastogenesis, establishment of body axes formation, fate map, gastrulation in frog and chick; genes in development in chick homeotic genes, development of eye and heart, placenta in mammals.

- (b) Cell lineage, cell to cell interaction, Genetic and induced teratogenesis, role of thyroxine in control of metamorphosis in amphibia, paedogenesis and neoteny, cell death, aging.
- (c) Developmental genes in man, *in vitro* fertilization; and embryo transfer; cloning.
- (d) Stem cells: Sources, types and their use in human welfare.
- (e) Biogenetic law.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is made through Civil Services Examination

I. Indian Administrative Service.—(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended subject to certain conditions. Successful candidates will be required to undergo prescribed training at such places and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Central Government may determine.

(b) If in the opinion of Government, the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or, as the case may be, revert him to the permanent post, on which he holds a lien or would hold a lien had it not been suspended under the rules applicable to him prior to his appointments to the Service.

(c) On satisfactory completion of his period of probation Government may confirm the officer in the Service or if his work or conduct has, in the opinion of Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period, subject to certain conditions as Government may think fit.

(d) An officer belonging to the Indian Administrative Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

(e) Pay Bands and Grade Pays attached to various grades of IAS:—

Junior Scale

Pay Band-3 : Rs. 15600-39100 plus Grade Pay Rs. 5400.

Senior Scale

(i) Senior Time Scale

Pay Band-3 : Rs. 15600-39100 plus Grade Pay Rs. 6600

(Two additional increments shall be granted at the time of pay fixation on promotion);

(ii) Junior Administrative Grade

Pay Band-3 : Rs. 15600-39100 plus Grade Pay Rs. 7600; (Two additional increments shall be granted at the time of pay fixation on promotion);

(iii) Selection Grade

Pay Band-4 : Rs. 37400-67000 plus Grade Pay Rs. 8700; (Two additional increments shall be granted at the time of promotion on the minimum of the pay band plus grade pay);

Super Time Scale

Pay band-4 : Rs. 37400-67000, plus Grade Pay Rs. 10000;

Above Super Time Scale

(i) HAG Scale

Rs. 67000-(increment @ 3%)-79000, Grade Pay : nil.

(ii) Apex Scale

Rs. 80000 (fixed), Grade Pay : nil.

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time under the All India Service (Dearness Allowance) Rules, 1972.

A probationer will start on the junior time scale and be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

(f) Provident Fund.—Officers of the Indian Administrative Service are governed by the All India Service (Provident Fund) Rules, 1955, as amended from time to time,

(g) Leave.—Officers of the Indian Administrative Service are governed by the All India Service (Leave) Rules, 1955 as amended from time to time.

(h) Medical Attendance.—Officers of the Indian Administrative Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Service Medical Attendance Rules, 1954, as amended from time to time.

(i) Retirement Benefit.—Officers of the Indian Administrative Service appointed on the basis of Competitive examination are governed by the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958 as amended from time to time.

2. Indian Foreign Service.—(a) Appointment will be made on probation for a period of two years which may be extended. Successful candidates will be required to pursue a course of training in India for approximately eighteen months. Thereafter they may be posted as Third Secretaries or Vice Consuls in Indian Missions abroad. During their period of training the probationers will be required to pass one or more departmental examinations before they become eligible for confirmation in Service.

(b) On the conclusion of his period of probation to the satisfaction of Government and on his passing the prescribed examination, the Probationer is confirmed in his appointment. If however, his work or conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such period, as they may think fit, or may revert him to his substantive post, if any.

(c) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is not likely to prove suitable for the Foreign Service, Government may either discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.

(d) Scale of pay (Pre-revised).—

Junior Scale.—Rs. 8,000-275-13,500

Officers appointed to the Indian Foreign Service shall be eligible for appointment to the Senior Scale (Rs. 10,650-325-15,850) and Junior Administrative Grade (Rs. 12,750-375-16,500) on completion of four years and in the 9th year of service respectively.

In addition there are posts in the Selection Grade, Super Time Scale and above carrying pay between Rs. 15,100 and Rs. 26,000 to which IFS Officers are eligible for promotion.

(e) A probationer will receive the following pay during probation :

First Year.—Rs. 8,000 per mensem.

Second Year.—Rs. 8,275 per mensem.

NOTE 1.—A probationer will be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time-scale.

NOTE 2.—Annual increments during probation will be contingent on the probationer passing the prescribed test if any and showing progress to the satisfaction of Government. Increments can also be earned in advance by passing the departmental examination.

NOTE 3.—The pay of the Government servant, who held a permanent post other than a tenure post in substantive capacity prior to his appointment as a probationer, will be regulated, subject to the provisions of F.R. 22-B(i).

(f) An officer belonging to the Indian Foreign Service will be liable to serve anywhere in or outside India.

(g) During service abroad I.F.S. Officers are granted foreign allowance according to their status to compensate them for the increased cost of living and of servants and also to meet the special responsibilities in regard to entertainment. In addition, the following facilities are also admissible to I.F.S. Officers during service abroad:

- (i) Free furnished accommodation according to status.
- (ii) Medical attendance facilities under the Assisted Medical attendance Scheme.
- (iii) One set of Home Leave Passage is given during each posting abroad for a normal tenure of 2/3 year, for self and dependent family members. In addition two single Emergency Passages are given during an officer's entire career for self or a member of his family to travel to India for reasons of personal or family emergency.

(iv) Annual return air passage for children between the ages of 6 and 22 studying in India to visit their parents during vacation, subject to certain conditions.

(v) Children education allowance for a maximum of two children between ages 5 and 20 studying at the station of the officer's posting in any of the schools approved by the Ministry of External Affairs.

(h) Central Civil Services (Leave Rules, 1972) as amended from time to time, will apply to members of the Service subject to certain modifications. For service abroad I.F.S. officers are entitled under the IFS (PLCA) Rules, 1961 to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent to Earned Leave admissible under the C.C.S. (Leave) Rules, 1972, for the period of effective service rendered abroad.

(i) **Provident Fund.**—Officers of the Indian Foreign Service are governed by the General Provident Fund (Central Service) Rules, 1960.

(j) **Retirement Benefits.**—Officers of the Indian Foreign Service appointed on the basis of competitive examination are governed by the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.

(k) While in India Officers are entitled to such concessions as are admissible to other Government servants of equal and similar status.

3. Indian Police Service.—(a) Appointment will be made on probation for a period of two years which may be extended subject to certain conditions. Successful candidates will be required to undergo prescribed training at such places and in such manner and pass such examinations during the period of probation as Government may determine.

(b) and (c) As in clause (b) and (c) for the Indian Administrative Service.

(d) An officer belonging to the Indian Police Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

(e) **Scales of Pay :**

Junior Scale :—[Rs. 8,000-275-13,500]

Senior Scale :

Rank	Time-Scale	Pay Scale Revised Pay-scale	Grade Pay
SP	Junior Scale	Rs. 15,600-39,100	5400
	Senior Scale	Rs. 15,600-39,100	6600
DIG	Junior Administrative Grade	Rs. 15,600-39,100	7600
	Selection Grade	Rs. 37,400-67,000	8700
IG	Super time Scale	Rs. 37,400-67,000	8900
ADG	Super-time Scale	Rs. 37,400-67,000	10,000
DG	Above Super-time Scale	Rs. 37,400-67,000	12,000
	Above Super-time Scale	HAG+Rs. 75,500 —80,000 (Increment @ 3%)	Nil Rs. 80,000 (Fixed)

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time under the All India Services (Dearness Allowance) Rules, 1972.

A probationer will start on the junior time scale and be permitted to count the period spent on probation towards leave pension or increment in the time scale.

(f) to (i) As in clauses (f), (g), (h) and (i) for the Indian Administrative Service.

4. Indian P and T Accounts and Finance Service.—

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years including the Foundational Course, provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed examinations.

(b) If, in the opinion of Government, the work and conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, the Government may discharge him forthwith or, as the case may be, revert to the management post on which he holds a lien under the rules applicable to his prior to his appointment to the service.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit or may revert him to his substantive post, if any.

(d) In view of the possibility of bifurcation of the Indian P & T Accounts and Finance Service, Group 'A' the constitution of the Service is liable to undergo change and any candidate selected for the Service will have no claim for compensation consequent of any such changes and will be liable to serve either in the separated accounts office in the Department of Posts or in the Department of Telecom and to be absorbed finally if the exigencies of the service required in the cadre on which posts in the separated accounts office under the Central Government may be borne.

(e) The Department of Telecommunications was bifurcated into the Department of Telecommunications/Department of Telecom Services/Department of Telecom Operations. The Department of Telecom Services and the Department of Telecom Operations were corporatised with effect from 1-10-2000. Many of the Group 'A' officers of Indian P & T Accounts and Finance Service working in the Department of Telecom Services/Department of Telecom Operations have been transferred to the Corporated entity (Bharat Sanchar Nigam Limited) on deemed deputation basis without any deputation allowance. Some officers of Indian P & T Accounts and Finance Service still remain in Deptt. of Telecom. The Department of Posts is one of the constituent departments serviced (by the Service) as per Indian Posts and Telecommunications Accounts and

Finance Service Group 'A' Recruitment Rules, 2001. The Recruitment to posts in the Department of Telecom and in the Department of Posts would be made through UPSC even after corporatisation of Department of Telecom Services/Department of Telecom Operations.

(f) The Indian P & T Accounts and Finance Service carries with it a definite liability for service in any part of India.

(g) Scales of Pay (Pre-revised)

- (i) Junior Time Scale.—[Rs. 8,000-275-13,500]
- (ii) Senior Time Scale.—[Rs. 10,000-325-15,200]
- (iii) Junior Administrative Grade.—[Rs. 12,000-375-16,500] (Ordinary Grade)
- (iv) Junior Administrative Grade (Selection Grade).—[Rs. 14,300-400-18,300]
- (v) Senior Administrative Grade.—[Rs. 18,400-500-22,400]
- (vi) Senior DDG—[Rs. 22,400-525-24,500] and
- (vii) Advisor (Finance) [Rs. 22,400-600-26,000]

(h) The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will however, be regulated subject to the provisions of F.R. 22 (b) (i).

5. Indian Audit and Accounts Service.—(a) Appointment will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examination, repeated failures to pass the departmental examination within a period of three years will involve loss of appointment or as the case may be reversion to the permanent post on which he holds a lien under the rules applicable to him prior to his appointment to the service.

(b) If in the opinion of Government or the Comptroller and Auditor General, as the case may be, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient. Government may discharge him forthwith or as the case may be revert him to the permanent post on which he holds a lien under the rules applicable to him prior to his appointment to the service.

(c) On the conclusion of his period of probation Government or the Comptroller and Auditor General, as the case may be, may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government or the Comptroller and Auditor General, as the case may be, been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) In view of the possibility of the separation of Audit from Accounts and other reforms the constitution of the Indian Audit and Accounts Service is liable to undergo changes and any candidate selected for that Service will have no claim for compensation in consequence of any such changes and will be liable to serve either in the separated Accounts Offices under the Central or State Governments or in the Statutory Audit Offices under the Comptroller and Auditor General and to be absorbed finally if the exigencies of service required it in the cadre on which posts in the separated Accounts offices under the Central or State Governments may be borne.

(e) The Indian Audit and Accounts Service carries with it a definite liability for service in any part of India as well as for field service in or out of India.

(f) Scales of Pay :—

Indian Audit and Accounts Service

Name of the posts	Revised Pay Structure		
	Name of the Pay Bands	Corresponding Pay Scales (Rs.)	Corresponding Grade Pay (Rs.)
Junior Time Scale	PB-3	15600-39100	5400
Senior Time Scale	PB-3	15600-39100	6600
Junior Administrative Grade	PB-3	15600-39100	7600
Non-functional Selection Grade of JAG	PB-4	37400-67000	8700
Sr. Administrative Grade	PB-4	37400-67000	10000
Pr. AG/DG	IIAG	67000 (annual increment @ 3%)-79000	Nil
Addl. Deputy C & AG	IIAG+ Scale	75500 (annual increment @ 3%)-80000	Nil
Deputy C & AG	Apex Scale	80000 (fixed)	Nil

NOTE 1.—Probationary Officers will start on the Minimum of the time scale of I.A. and A.S. and will count their service for increments from the date of joining.

NOTE 2.—The Officers on probation may be granted the first increment with effect from the date of passing Part I of the departmental examination or on completion of one year's service which ever is earlier. The second increments may be granted with effect from the date of passing Part II of the departmental examination or on completion of two years service whichever is earlier. The third increment raising the pay to Rs. 8825 per month will be granted only on the completion of 3 years' service and subject to satisfactory completion of the specified period of probation or such other conditions as may be laid down.

NOTE 3.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post, in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will however be regulated subject to the provision of F.R. 22-B (1).

NOTE 4.—I.A & AS carries with it a definite liability to serve anywhere in India or abroad.

6. Indian Revenue Service (Customs & Central Excise)
Group "A"

Scales of pay (Pre-revised) :

Assistant Commissioner of Customs and Central Excise
Rs. 8,000-275-13,500.

Deputy Commissioner of Customs and Central Excise
Rs. 10,000-325-16,500.

Joint Commissioner of Customs and Central Excise
Rs. 12,000-375-16,500.

Additional Commissioner of Customs and Central Excise
Rs. 14,300-400-18,300.

Commissioner of Customs and Central Excise
Rs. 18,400-500-22,400.

Chief Commissioner of Customs and Central Excise
Rs. 22,400-525-24,500.

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failures to pass the departmental examination within a period of two years will involve loss of appointment or as the case may be, reversion to the permanent post on which he holds a lien under the rules applicable to him prior to his appointment to the service.

(b) If in the opinion of the Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient. Government may discharge him forthwith or as the case may be revert him to the permanent post on which he holds a lien under the rules applicable to him prior to his appointment to the service.

(c) On the conclusion of his/her period of probation Government may confirm the officer in his/her appointment or if his/her work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him/her from the service or may extend his/her period of probation for such further period as Government may think fit or may revert him to his substantive post, if any provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) The Indian Revenue Service (Customs & Central Excise) Group "A" carries with it a definite liability for service in any part of India.

NOTE 1.—A probationary officer will start at the minimum of the time scale of pay of Rs. 8000-275-13500 and will count his/her service for increments from the date of joining.

NOTE 2.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer in the Indian Revenue Service (Customs & Central Excise) Group "A" will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

NOTE 3.—During the period of probation, an officer will undergo departmental training at the Directorate of Training (Customs and Central Excise) New Delhi and also fundamental course training at the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie. He/She will have to pass Part I and Part II of the Departmental Examination. The increments of the Probationers will be regulated as under :

"The first increment raising the pay to Rs. 8275 will be granted with effect from the date of passing of one of the two parts of the departmental examination or on completion of one year's service, whichever is earlier. The second increment raising the pay to Rs. 8550 will be granted with effect from the date of passing the second part of examination or on completion of two years' service whichever is earlier. The third increment raising pay to Rs. 8825 will however, be granted only on completion of 3 years' service and subject to satisfactory completion of probation and any other period specified in that behalf and any other condition which may be prescribed by the Government".

NOTE 4.—It should be clearly understood by the probationers that the appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Revenue Service (Customs & Central Excise) Group "A" which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any such change.

7. Indian Defence Accounts Service

1. Scale of pay :

(a) Junior Time Scale (Assistant Controller of Defence Accounts and equivalent)—Rs. 8,000-275-13,500 (pre-revised)/Rs. 15,600—39,100 plus 5,400 (Grade Pay) (revised).

(b) Senior Time Scale (Deputy Controller of Defence Accounts and equivalent)—Rs. 10,000-325-15,200 (pre-revised)/Rs. 15,600—39,100 plus 6,600 (Grade Pay) (revised).

(c) Junior Administrative Grade (Joint Controller of Defence Accounts and equivalent)—Rs. 12,000-375-16,500 (pre-revised) Rs. 15,600—39,100 plus 7,600 (Grade Pay) (revised).

(d) Junior Administrative Grade (Selecton Grade) (Additional Controller of Defence Accounts and equivalent)—Rs. 14,000-400-18,300 (pre-revised) Rs. 37,400—67,000 plus 8,700 (Grade Pay) (revised).

(e) Senior Administrative Grade (Controller of Defence Accounts and equivalent)—Rs. 18,400-500-22,400 (pre-

revised)/Rs. 37,400—67,000 plus 10,000 (Grade Pay) (revised).

(f) Principal Controller of Defence Accounts and equivalent 22,400-525-24,500 (pre-revised)/Rs. 67,000-79,000 (revised).

(g) Additional Controller General of Defence Accounts and equivalent)—Rs. 24,500-650-26,000 (pre-revised)/Rs. 75,500 (annual increment @ (3%) 80,000 (revised)

(h) Controller General of Defence Accounts (Head of the Department)—Rs. 26,000 Fixed (pre-revised)/Rs. 80,000 (Fixed) (revised)

2. A Probationary Officer will start at the minimum of the Time Scale of Pay of Rs. 8,000-275-13,500.

3. Appointments will be made on probation for a period of two years, during which the Probationers will have to qualify for confirmation by passing the prescribed Departmental Examinations. This period may be extended by the Government upto a total of four years, if considered necessary. Repeated failure to pass the probation (including extension thereof) will result in termination of service. Extension of probation beyond the normal period of two years may entail loss of seniority. Further, if during the period of probation, if any of the probationers are held to be unsuitable in any, manner for employment in the Indian Defence Accounts Service, their services may be terminated by the Government without notice. The appointment is subject to any change in the Constitution of the Indian Defence Accounts Service, which the Government of India may think it proper to name and that you will have no claim for any compensation in consequence of such change.

4. Seniority of person recruited on the basis of results of Civil Services Examination conducted by the Commission in any year to the posts in the Junior Time Scale shall be fixed in accordance with the rules and orders on the subject and with reference to their merit position as recommended by the Union Public Service Commission based on the Competitive Examination. Provided that any probationer appointed on the basis of earlier selection shall rank above the persons appointed on the basis of subsequent selection.

5. The acceptance of this appointment in the Indian Defence Accounts Service involves a definite liability for field service in or out of India as well as for service in any part of the country.

6. During the period of probation the officers will undergo training in three phases : (1) Foundation course at The Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie (duration—three months), (2) A certificate course in MBA (Finance) at the National Institute of Financial Management, Faridabad (duration—10 months), and (3) Departmental training at National Institute of Defence Financial Management, Pune (duration—10 months).

7. At the end of the training period the officers will be posted as Assistant Controller of Defence Accounts/Assistant Controller of Finance and Accounts (Factories) and equivalent to any one of the following organisations :—

- (1) Principal Controller/Controller of Defence Accounts (Army Commands).
- (2) Principal Controller/Controller of Defence Accounts (Air Force).
- (3) Principal Controller of Defence Accounts (Navy).
- (4) Principal Controller/Controller of Defence Accounts (Pensions).
- (5) Principal Controller Accounts (Ordnance Factories).
- (6) Principal Controller/Controller of Defence Accounts (Research and Development).
- (7) Controller of Defence Accounts (Border Roads).
- (8) Integrated Financial Advisors (Army/Navy/Air Force/Border Roads).

8. Indian Revenue Service (I.T.) Group A—

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for a confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failures to pass the departmental examinations within a period of 3 years will involve loss of appointment or reversion to his substantive post, if any.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become an efficient Income-tax Officer the Government may discharge him forthwith or may revert him to its substantive post, if any.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit provided that in respect of appointment to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) If the power to make appointment in the service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Scale of pay (Pre-revised) :—

- (i) Assistant Commissioner of Income-tax, group junior scale Rs. 8000—275—13500.
- (ii) Deputy Commissioner of Income-tax/Deputy Director of Income-tax. Rs. 10000—325—15200
- (iii) Joint Commissioner of Income-tax/Joint Director of Income-tax. Rs. 12000—375—16500
- (iv) Additional Commissioner of Income-tax. Rs. 14300—400—18300

(v) Commissioner of Income-tax.
Rs. 18400—500—22400

(vi) Chief Commissioner of Income-tax/Director General of Income-tax.
Rs. 22400—525—24500.

During the period of probation an officer will undergo training at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie and the National Academy of Direct Taxes, Nagpur. At the end of the training at Mussoorie, he/she will have to pass the end-of-course test. In addition departmental examination will also have to be passed during the period of probation. On completion of one year of service his/her pay will be raised to Rs. 8275. On passing the single departmental examination the pay will be raised to Rs. 8550. The pay beyond the stage of Rs. 8550 will not be allowed unless he/she is confirmed and has completed 3 years of service subject to such other condition as may be found necessary.

In case he/she does not pass the end-of-the course test at the Academy, the first increment will be postponed by one year from the date on which he/she would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

(1) The seniority amongst direct recruits, inter-se shall be determined on the basis of performance in the Civil Services Examination conducted by the Union Public Service Commission, in the Foundational Course and in the Professional Training conducted in the National Academy of Direct Taxes, Nagpur and the weightage to be given in such performances would be as indicated in the parenthesis—Civil Services Examination (76.67%), Foundational Course (8.33%) and Professional Training (15%).

Note.—It should clearly understood by probationer that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Revenue Service Group 'A' which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequences of any such changes.

9. Indian Ordnance Factories Service.—Group 'A' (Administration).—

- (a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 2 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of Director General, Factories/Chairman Ordnance Factory Board. Probationer will undergo such training as shall be provided by the Government and are required to pass departmental and language test as Government may prescribe. The language test will be a test in Hindi. On the conclusion of period of probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period

of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected Candidates shall if so required, be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training, if any provided that such persons : (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Services (Field Liability) Rules, 1957 published under S.R.O. No. 92 dated 9th March, 1957 as amended. They will be medically examined in accordance with medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Jr. Time Scale	Rs. 15,600-39100 G.P. 5400
Sr. Time Scale	Rs. 15,600-39100 G.P. 6600
Sr. Time Scale (NF)	Rs. 15,600-39100 G.P. 7600
Jr. Admn. Grade (F)	Rs. 37,400-67000 G.P. 8700
Sr. Admn. Grade	Rs. 37,400-67000 G.P. 10000
Sr.GM/Sr. DDG/HAG	Rs. 67,000-79000
Addl. DGOF/Member (OFB)	Rs. 75500-80000
DGOF/Chairman OFB	Rs. 80000 (Fixed)

NOTE.—The pay of Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity to his appointment as a probation will be regulated as admissible under the rules.

(d) The probationer will draw pay in the prescribed scale of pay Rs. 15600-39100 G.P. 5400. During the period of probation, they will be required to undergo training in various branches of department National Academy of Defence Production Ambajhari, Nagpur and/or in the Lal Bahadur Shastri Academy of Administration, Mussoorie, in a foundational course of training.

(e) A probationer shall be liable to refund the entire cost of his training and any other payments made to him during the period of training/probation, if he/she wishes to resign from the service within a period of five years from the date of expiry of his training/probation or if he/she withdraws from training/probation. A bond of Rs. 1,00,000 (Rupees One Lakh) to that effect shall be executed by the probationer at the time of appointment.

(f) Indian Ordnance Factories Service—Group 'A' consists of the posts or grades or time scales mentioned in 9(c) and comprises of the following categories of officers, namely :—

- (i) Engineers (Mechanical/Electrical/Electronics and Telecommunications/Civil)
- (ii) Chemical Engineering
- (iii) Metallurgical Engineering
- (iv) Leather Technologists
- (v) Clothing Technicians
- (vi) Administrative Officers.

NOTE.—The Administrative Officers are ordinarily recruited through Civil Services, Examination (CSE). Engineers at Sl. No. (i) are ordinarily recruited through Engineering Services, Examination (ESE), Sl. No. (ii) to (v) are recruited through specialist Examination and/or interview conducted by UPSC.

10. **Indian Postal Service.**—(a) Selected candidates will be under training in the department for a period which will not ordinarily exceed two years. During this period they will be required to pass the prescribed departmental test.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer under training is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.

(c) On satisfactory completion of the prescribed training and passing the prescribed Departmental tests, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has, in the opinion of the Government, been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of training for such further period as Government may thinks fit.

(d) If power to make appointment in the service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Scales of pay :—

- (i) Junior Time Scale—Rs. 8000-275-13500
- (ii) Senior Time Scale—Rs. 10000-325-15200
- (iii) Junior Administrative Grade—Rs. 12000-375-16500
- (iv) Junior Administrative Grade (Selection Grade)—Rs. 14300-400-18300
- (v) Senior Administrative Grade—Rs. 18400-500-22400
- (vi) Sr. Deputy Director General/Chief Post Master General—Rs. 22400-525-24500

(vii) Principal Chief Post Master General—
Rs. 22400-600-26000

(viii) Members of the Postal Services Board—
Rs. 24050-650-26000.

(f) The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B (1).

(g) It should be clearly understood by the officers on probation that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Postal Service which Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any changes.

(h) While fixing the *inter se* seniority of direct recruits in the Junior Time Scale, the marks obtained by direct recruits in the Civil Services Examination and the marks obtained by them in the Probationary Training shall be taken into account.

(i) Officers of the Indian Postal Service are liable to serve in the Army Postal Service in India or abroad as required by Government.

(j) In the service there are at present 3 posts in the scale of Rs. 24050-650-26000, 3 posts in the scale of Rs. 22400-600-26000, 20 posts in the scale of Rs. 22400-525-24500, 58 posts in the scale of Rs. 18400-500-22400 and 91 posts in the scale of 14300-400-18300/12000-375-16500 (Non-Functional Selection Grade and the Junior Administrative Grade).

11. **Indian Civil Accounts Service.**—(a) Appointment will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failure to pass the departmental examinations within a period of three years will involve loss of appointment.

(b) If in the opinion of Government, the works or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has, in the opinion of Government been unsatisfactory. Government may, either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) It should be clearly understood by the Officer in probation that the appointment would be subject to any

change in the Constitution of the Indian Civil Accounts Service, which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any such changes.

(e) **Scales of pay :**

Sl. No.	Post	Name of Pay Band/Scale	Corresponding Pay Band/Scale	Grade Pay
1.	Controller General of Accounts	Apex Scale	80000 (Fixed)	Nil
2.	Additional Controller General of Accounts	HAG+Scale	75500 (annual increment @ 3%) 80000	Nil
3.	Principal Chief Controller of Accounts	HAG Scale	67000 (annual increment @ 3%) 79000	Nil
4.	Senior Administrative Grade (Jt.CGA/ CCA)	PB-4	37400-67000	10000
5.	Selection Grade in Junior Admi- nistrative Grade (Dy. CGA/CA)	PB-4	37400-67000	8700
6.	Junior Administrative Grade (Dy. CGA/CA)	PB-3	15600-39100	7600
7.	Senior Time Scale (Asstt. CGA/Dy. CA)	PB-3	15600-39100	6600
8.	Junior Time Scale (ACA)	PB-3	15600-39100	5400

NOTE 1.—Probationary officer will start on the minimum of the scale of ICAS and will count their service for increments from the date of joining.

NOTE 2.—The officers on probation will not be allowed the pay above the stage of Rs. 8000 unless they pass the departmental examination in accordance with the rules which will be prescribed from time to time.

NOTE 3.—The pay of Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will however be regulated subject to the provision of F.R. 22(B)(1).

12. Indian Railway Traffic Service.

13. Indian Railway Accounts Service.

14. Indian Railway Personnel Service.

15. Group 'A' Posts in the Railway Protection Force.

(a) Probation.—Candidates recruited in these Services except to and IRAS and IRPS will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in a minimum of one year's probation in a working post. If the period of training has to be extended in any case due to the training having not been completed satisfactorily the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the working is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered.

However, the candidates recruited to the Indian Railway Accounts Service and Indian Railway Personnel Service will be appointed as Probationers for a period of two years during which they will undergo training. If the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily the total period of probation will also be correspondingly extended.

(b) Training.—All the probationers will be required to undergo training for a period of two years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular Service/post at such places and in such manner and pass such examination during this period as the Government may determine from time to time.

(c) Termination of appointment.—

(i) The appointment of probationers can be terminated by three months notice in writing on either side during the period of probation. Such notice is not, however, required in cases of dismissal or removal as a disciplinary measure after compliance with the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government, however, reserve the right to terminate the services forthwith.

(ii) If in the opinion of the Government, the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient. Government may discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.

(iii) Failure to pass the departmental examinations may result in termination of services. Failure to pass the examination in Hindi or an approved standard within the period of probation shall involve liability to termination of services.

(d) Confirmation.—On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed

department and Hindi examinations, the probationer will be confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respects.

(e) Scale of pay (Pre-Revised).—Indian Railway Traffic Service/Indian Railway Accounts Services/Indian Railway Personnel Service.

- (i) Junior Scale : Rs. 8000-225-13500
- (ii) Senior Scale : Rs. 10000-325-15200
- (iii) Junior Administrative Grade : Rs. 12000-375-16500
- (iv) Senior Administrative Grade : Rs. 18400-500-22400.

In addition there are supertime scale post carrying pay between Rs. 18300 and Rs. 26000 to which the officers of the above service are eligible.

Railway Protection Force (Pre-Revised):

- (i) Junior Scale : Rs. 8000-225-13500
- (ii) Senior Scale : Rs. 10000-325-15200
- (iii) Senior Commandant HQs : Rs. 12000-375-16500
- (iv) Deputy Inspector General : Rs. 16400-450-20000
- (v) Inspector General : Rs. 18400-500-22400
- (vi) Director General : Rs. 24050-650-26000 (Fixed)

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.

Failure to pass the departmental and other examinations during the period of probation may result in stoppage or postponement of increments.

(f) Refund of the cost of training.—If for any reasons, which in the opinion of the Government, are not beyond the control of the probationer, a probationer, wishes to withdraw from training or probation he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other money paid to him during the period of probation.

For this purpose probationers will be required to furnish a bond, a copy of which will be enclosed alongwith their offers of appointment.

(g) Leave.—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) Medical attendance.—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) Passes and Privilege Ticket Order.—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) Provident Fund and Pension.—Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(k) Candidates recruited to the Service/post are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

NOTE.—Candidates recruited to the Railway Protection Force will in addition to governed by the provisions contained in the R.P.F. Act, 1957 and the R.P.F. Rules, 1959.

16. Indian Defence Estates Service, Group 'A'

(a) (i) A candidate selected for appointment shall be required to be on probation for a period which shall not ordinarily exceed 2 years. During this period he shall be required to undergo such course of training as may be prescribed by Government.

(ii) The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will however be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(i).

(b) During the period of probation a candidate will be required to pass the prescribed departmental examination.

(c) (i) If in the opinion of Government, the work or conduct of any Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him after apprising him the grounds on which it is proposed to do so and after giving him an opportunity to show cause in writing before such order is passed.

(ii) If at the conclusion of the period of probation an Officer has not passed the Departmental Examination mentioned in sub-para (b) above. Government may, in its discretion, either discharge him from service or if the circumstances of the case so warrant, extend the period of probation for such period as Government may consider fit.

(iii) On the conclusion of the period of probation Government may confirm an officer in his appointment, or if his work or conduct has, in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him after apprising him of the grounds on which it is proposed to do so and after giving him an opportunity to show cause in writing before such order is passed or extends the period of probation for such further period Government may consider fit.

(d) No annual increment which may become due will be admissible to a member of the service during his probation unless he has passed the departmental examination. An increment which was not thus drawn will be allowed from the date of passing of the departmental examination.

(e) In case any of the Probationer does not pass the 'end-of-the-course test' at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie/National Academy of Direct Taxes, Nagpur/SVP National Police Academy, Hyderabad his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or upto the

date on which under the departmental regulations, the second increment accrues whichever is earlier.

(f) The scale of pay are as under : (Pre-Revised)—

Director General	Rs. 26000 (fixed)
of Defence Estates	
Principal Director & Equivalent posts, Higher Administrative Grade	Rs. 22400-525-24500
Senior Administrative Grade	Rs. 18400-500-22400
Junior Administrative Grade (Selection Grade)	Rs. 14300-400-18300
Junior Administrative Grade (Ordinary)	Rs. 12000-375-16500
Senior Time Scale	Rs. 10000-325-15200
Junior Time Scale	Rs. 8000-275-13500

(g) (i) In the Junior Time Scale, officers will be normally appointed as Chief Executive Officers in Cantonments notified under the Cantonments Act, 2006/Defence Estates Officers/Staff appointments etc.

(ii) In the Senior Time Scale, the officers will either be appointed as Chief Executive Officers/Defence Estates Officers of a Circle OR in the Staff appointments etc.

(h) All promotions from Junior Time Scale to higher scales will be done in accordance with Indian Defence Estates Service Rules, 1985 as amended from time to time.

(i) The Indian Defence Estates Service carries with it a definite liability for Service in any part of India as well as for Field Service in India.

(j) A candidate appointed to the service shall be governed by the Indian Defence Estates Service (Group 'A') Rules, 1985 as amended from time to time.

17. The Indian Information Service, Junior Grade (Gr. A).

(a) The Indian Information Service consists of posts all over India including a few abroad in various media organisations (like Press Information Bureau, Doordarshan, All India Radio, Directorate of Advertising & Visual Publicity, Directorate of Field Publicity, etc.) of the Ministry of Information and Broadcasting/Ministry of Defence (Directorate of Public Relations) requiring management skills and competency in dealing with the information and its dissemination for and on behalf of the Government so as to educate, motivate and inform the people through different media on Government policies and programmes and their implementation for the social and economic upliftment of the general masses. The Central Information Service which was constituted with effect from 1st March, 1960 has been renamed as the Indian Information Service in 1987 vide Ministry of I&B's notification No. G.S.R. 153 dated 7-3-1987.

NOTE: Continuance of Indian Information Service posts in All India Radio and Doordarshan is subject to the rules and regulations to be framed by the Government in pursuance of the Prasar Bharti Act.

(b) The service has at present the following grades :

Grade	Scale of Pay (Pre-revised)
I.I.S. Group 'A'	
(i) Higher Grade	Rs. 26000 fixed
(ii) Selection Grade	Rs. 22400-525-24500
(iii) Senior Administrative Grade	Rs. 18400-500-22400
(iv) Junior Administrative Grade (Non-Functional-Selection Grade)	Rs. 14300-400-18300
(v) Junior Administrative Grade	Rs. 12000-375-16500
(vi) Senior Grade	Rs. 10000-325-15200
(vii) Junior Grade	Rs. 8000-275-13500

(c) "The remaining vacancies in the Grade and also vacancies in the Higher Grade, Selection Grade, Senior Administrative Grade, Junior Administrative Grade and Senior Grade are filled up by promotion by selection from amongst officers holding duty posts in the next lower grade".

(d) (i) Direct recruits to the Junior Grade will be on probation for two years. During probation, they will be given professional training in the Indian Institute of Mass Communication, New Delhi for a period of 11 months. The period and nature of training will be liable to alteration by Government. During the training, they will have to pass departmental test(s). Failure to pass the departmental test(s) during the training period involves liability to discharge from service or reversion to substantive post, if any, on which the candidate may hold lien.

(ii) On the conclusion of period of probation, Government may confirm the direct recruits in their appointments in accordance with the rules in force. If the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory he will be discharged from service or his period of probation extended for such period as the Government may deem fit. If his work or his conduct is such as to show that he is unlikely to become an efficient officer of the service, he may be discharged forthwith.

(iii) Officers on probation shall start on the minimum of the time scale of Junior Grade Group A and will count their service for increment from the date of joining.

(e) Government may post an officer to hold a field post in any organisation under the Ministry of Information and Broadcasting/Ministry of Defence (Directorate of Public Relations).

(f) As regards leave, pension and other conditions of service Officers of the Indian Information Service will be treated like other Group 'A' and Group 'B' Officers.

18. Indian Corporate Law Service.—(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended subject to certain conditions. Successful candidates will be required to undergo prescribed training at such places and in such manner and pass such examination during the period of probation as the Central Government may determine.

(b) If in the opinion of Government, the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or, as the case may be, revert to the permanent post, on which he holds a lien or would hold a lien had it not been suspended under the rules applicable to him prior to his appointment to the Service.

(c) On satisfactory completion of his period of probation, Government may confirm the officer in the Service or if his work or conduct has, in the opinion of Government, been unsatisfactory, Government may either, discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period, subject to certain conditions as Government may think fit.

(d) An officer belonging to the Indian Corporate Law Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government.

(e) Scales of pay—

Grade	Scale of Pay (Pre-revised)
(i) Junior Time Scale	Rs. 8000-275-13500
(ii) Senior Time Scale	Rs. 10000-325-15200
(iii) Junior Administrative Grade	Rs. 12000-375-16500
(iv) Junior Administrative Grade (Non Functional Selection Grade)	Rs. 14300-400-18300
(iv) Senior Administrative Grade	Rs. 18400-500-22400
(v) Higher Administrative Grade	Rs. 22400-24500

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

A probationer will start on the junior time scale and be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

19. The Armed Forces Headquarters Civil Service, Section Officers, Grade, Group B.

(a) Armed Forces Headquarters Civil Service, has at present the following grades :—

Sl. No.	Grade	Name of Pay Band/ Scale	Corresponding Pay Band/Scale	Corresponding Grade pay
1.	Principal Director (Group A)	PB-4	37400-67000 Pre-revised (Rs. 18400-500-22400)	10000
2.	Director (Group A)	PB-4	37400-67000 Pre-revised (Rs. 14300-400-18300)	8700
3.	Joint Director (Group A)	PB-3	15600-39100 Pre-revised (Rs. 12000-375-16500)	7600
4.	Deputy Director (Group A)	PB-3	15600-39100 Pre-revised (Rs. 10000-325-15200)	6600
5.	Section Officer (Group B Gazetted)	PB-2	(i) 9300-34800 (on initial Appointment) Pre-revised (Rs. 7500-250-12000)	4800
		PB-3	(ii) 15600-39100 Pre-revised (Rs. 8000-275-13500) (Non-functional scale/grade pay on completion of 4 years approved service subject to vigilance clearance)	5400 (Non-functional grade pay)
6.	Assistant (Group B Non-Gazetted)	PB-2	9300-34800 Pre-revised (Rs. 6500-200-10500)	4600

The above Service cater to the Integrated Headquarters of the Ministry of Defence (Army, Navy and Air Force) and the Inter Service Organisations under the Ministry of Defence.

Direct recruitment is made to the Section Officers Grade and to the Assistant Grade only.

(b) Direct recruits to the Section Officers Grade will be on probation for 2 years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by the Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests will result in the discharge of the probationers from service or reversion to his substantive posts if any.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further periods as the Government may think fit.

(d) If the power to make appointment in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of the Government described in the above clauses.

(f) The conditions of service of the members of the Service will be regulated in accordance with the Indian Corporate Law Service Rules, 2008. The conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision has been made in the Indian Corporate Law Service Rules, 2008 shall be the same as are applicable from time to time, to the Group 'A' Officers of the Central Civil Service.

(e) In Armed Forces, Headquarters and Inter-Service Organisations of the Ministry of Defence, Section Officers will normally be heads of Sections while, Deputy Directors will normally be incharge of one or more Sections.

(f) Section Officers Grade will be eligible for promotion to the Grade of Deputy Directors in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Deputy Directors of the Armed Forces Headquarters Civil Service will be eligible for appointment to the Joint Director Grade of the Service and to other administrative post in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(h) Joint Directors of the Armed Forces Headquarters Civil Service will be eligible for appointment to the post of Director of the Service and to other administrative posts in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(i) Armed Forces Headquarters Civil Service has three posts of Principal Director [Group 'A', PB-4 37400-67000] Grade Pay Rs. 10000 Pre-revised (Rs. 18400-500-22400)] above the level of Director. These three posts are filled by promotions from amongst Directors with three years approved service.

(j) As regards leave, pension and other conditions of service officers of the Armed Forces Headquarters Civil Service will be governed by the rules, regulations and orders in force from time to time in respect of civilians paid from Defence Service Estimates.

20. NCT of Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli Civil Service—Group-B

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years, which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Government may prescribe.

(b) If in the opinion of the Government, the work or conduct of an Officer appointed to the Service on probation is found unsatisfactory or shows that he is unlikely to become an efficient Government servant, the Central Government may discharge him forthwith without assigning any reasons.

(c) An officer who has been declared to have satisfactorily completed the period of his probation shall be confirmed in the Service. However, if his work or conduct has, in the opinion of the Central Government, been found unsatisfactory, the Central Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as it may think fit.

(d) Grades and scales of pay :—

Sl. No.	Grade of the Service	Name of Pay Band/ Scale	Corresponding Pay Band/Scale	Corresponding Grade Pay
1.	Junior Administrative Grade-I (Group-A)	PB-4	37,400-67,000	8700
2.	Junior Administrative Grade-II-(Group-A)	PB-3	15,600-39,100	7600
3.	Selection Grade-I (Group-A)	PB-3	15,600-39,100	6600
4.	Entry Grade (Group-B)	PB-2 PB-3	(i) 9300-34800 (on initial appointment) (ii) 15,600-39,100 (on completion of 4 years approved service, subject to vigilance and integrity clearance)	4800 5400

An officer recruited on the results of the Competitive Examination shall, on appointment to the Entry Grade of the Service, draw pay at the minimum of the scale prescribed for initial appointment to the said grade :

Provided that if he held a post, other than a tenure post, under the Central Government or the State Governments prior to his appointment to the Service, his pay shall be regulated under the provisions of the Fundamental Rules.

(e) Officers of the Service are entitled to get Dearness Pay, Dearness Allowance, City Compensatory Allowance, House Rent Allowance and such other allowances at the rates as may be prescribed by the Central Government from time to time.

(f) Officers appointed to the Service shall be governed by the provisions of the NCT of Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli Civil Service Rules, 2003 and such other regulations or instructions as may be issued by the Central Government from time to time for the purpose of giving effect to these Rules. In regard to matters not specifically covered by the aforesaid Rules or Regulations and Orders, they shall be governed by the Rules or Regulations and Orders

applicable to corresponding officers serving in connection with the affairs of the Union.

21. NCT of Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli Police Service—Group-B

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years, which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Government may prescribe.

(b) If in the opinion of the Government, the work or conduct of an Officer appointed to the Service on probation is found unsatisfactory or shows that he is unlikely to become an efficient Government servant, the Central Government may discharge him forthwith without assigning any reasons.

(c) An officer who has been declared to have satisfactorily completed the period of his probation shall be confirmed in the Service. However, if his work or conduct has, in the opinion of the Central Government, been found unsatisfactory, the Central Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as it may think fit.

(d) Grades and scales of pay :—

Si. No.	Grades of the Service	Name of Pay Band/ Scale	Corresponding Pay Band/Scale	Corresponding Grade Pay
1.	Junior Administrative Grade-I (Group-A)	PB-4	37,400-67,000	8700
2.	Junior Administrative Grade-II (Group-A)	PB-3	15,600-39,100	7600
3.	Selection Grade-I (Group-A)	PB-3	15,600-39,100	6600
4.	Entry Grade (Group-B)	PB-2 PB-3	(i) 9300-34800 (on initial appointment) (ii) 15,600-39,100 (on completion of 4 years approved service, subject to vigilance and integrity clearance)	4800 5400

An officer recruited on the results of the Competitive Examination shall, on appointment to the Entry Grade of the Service, draw pay at the minimum of the scale prescribed for initial appointment to the said grade :

Provided that if he held a post, other than a tenure post, under the Central Government or the State Governments prior to his appointment to the Service, his pay shall be regulated under the provisions of the Fundamental Rules.

- (e) Officers of the Service are entitled to get Dearness Pay, Dearness Allowance, City Compensatory Allowance, House Rent Allowance and such other allowances at the rates as may be prescribed by the Central Government from time to time.
- (f) Officers appointed to the Service shall be governed by the provisions of the NCT of Delhi, Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli Police Service Rules, 2003 and such other regulations or instructions as may be issued by the Central Government from time to time for the purpose of giving effect to these Rules. In regard to matters not specifically covered by the aforesaid Rules or Regulations or Orders, they shall be governed by the Rules, Regulations and Orders applicable to corresponding officers serving in connection with the affairs of the Union.

22. Pondicherry Civil Service, Group B

- (a) Appointments will be made on probation for a period of two years, which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union Territory of Pondicherry may prescribe.
- (b) If in the opinion of the administrator, the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, the administrator may discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.
- (c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed the period of his probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct

has in the opinion of the administrator been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the administrator may think fit.

(d) A person recruited on the results of competitive examination shall on appointment to the Service draw pay at the minimum of the scale of pay Rs. 6500-200-10500.

(e) Scales of pay (Pre-revised) :—

- (i) On initial appointment —Rs. 6500-200-10500
- (ii) On fulfilling the residence requirement of 4 years —Rs. 8000-275-13500
- (iii) On fulfilling the residence requirement of 8 years —Rs. 10000-325-15200
- (iv) On fulfilling the residence requirement of 13 years —Rs. 12000-375-16500
- (v) On fulfilling the residence requirement of 18 years —Rs. 14300-400-18300

A person recruited on the results of the Competitive Examination shall, on appointment to the Service, draw pay in the entry grade scale of pay only :

Provided that if he held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in Service shall be regulated under the provisions of sub-rule (1) of Rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

- (e) Officers of the Service are eligible for promotion to posts in the senior scale of the Indian Administrative Service in accordance with the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955.
- (f) Officers of the Service are governed by Pondicherry Civil Service Rules, 1967 and such other regulations

as may be made or instruction issued by Administrator for the purpose of giving effect to those rules.

23. Pondicherry Police Service, Group B

- (a) Appointments will be made on probation for a period of two years, which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union Territory of Pondicherry may prescribe.
- (b) If in the opinion of the administrator the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient the administrator may discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.
- (c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed the period of his probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the administrator been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the administrator may think fit.
- (d) An officer belonging to the Service will be required to serve at any place in the Union Territory of Pondicherry.
- (e) Scales of pay :—

Sl.No.	Grades of the Service	Scales of Pay
1.	Junior Administrative Grade-I (Group-A)	Rs. 14,300-400-18,300
2.	Junior Administrative Grade-II (Group-A)	Rs. 12,000-375-16,500
3.	Selection Grade (Group-'A')	Rs. 10,000-325-15,200
4.	Entry Grade (Group-'B')	Rs. 6,500-200-10,500 (on initial appointment)

A person recruited on the results of Competitive Examination shall, on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time scale.

Provided that if he held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in Service shall be regulated under the provisions of sub-rule (1) of Rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

- (f) Officers of the Service are governed by Pondicherry Police Service Rules, 1972 and such other regulations as may be made or instruction issued by Administrator for the purpose of giving effect to those rules.

Note : Nature of duties in the participating Services varies with the post held by the officer, i.e. assignments are different for different post held by the officer.

APPENDIX-III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATIONS OF CANDIDATES

The regulations are published for the convenience of candidates and enable them to ascertain the probability of their possessing the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

Note 1.—The Medical Board while conducting medical examination of the candidates who have applied against the posts reserved for physically disabled category will keep in mind the eligibility criteria for availing the reservation under physically disabled quota shall be the same prescribed under relevant provisions of the Persons with Disabilities (equal opportunity, protection of right and full participation) Act, 1995.

Note 2.—Further Government may also constitute Special Medical Board(s)/Appellate Medical Board to issue the Disability Certificate in the prescribed form to physically disabled candidates and also to conduct the regular medical examination of physically disabled candidates in terms of these regulations.

Blind candidates shall be eligible only for selection/appointment in posts which are identified as suitable for them in the Brochure on Reservations and Concessions for physically handicapped in Central Government services.

2. (a) The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

The classification of various Services under the two categories, namely "Technical" and "Non-Technical" will be as under :—

A. TECHNICAL

- (1) Indian Railway Traffic Service.
- (2) Indian Police Service and other Central Police Services Group 'A' and 'B'.
- 3. Group 'A' Posts in the Railway Protection Force.

B. NON-TECHNICAL

IAS, IFS, IA and AS, IRS (Customs and Central Excise), Indian Civil Accounts Service, Indian Railway Accounts Service, Indian Railway Personnel Service, Indian Defence Accounts Service, Indian Revenue Service (IT), Indian Ordnance Factories Services, Group A, Indian Postal Service, Indian Defence Estates Service Group A, Indian P&T Accounts and Finance Service, Group A and other Central Civil Services Group A and B.

1. To be passed as fit for appointment, a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties on his appointment.

"2. (a) In the matter of co-relation of age limit, height and chest girth of candidates of India (including Anglo-Indian race), it is left to the Medical Board to use whatever correlation figure are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board."

(b) However, for certain services minimum standard for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows:—

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
(1)	(2)	(3)	(4)
(1) Indian Railway Traffic Service(s)	152 cm*	84 cm	5 cm (for men)
	150 cm*	79 cm	5 cm (for women)
(2) Indian Police Service, Group 'A' Post in Railway Protection Force and other Central Police Services Group 'A' & Group 'B'	165 cm 150 cm**	84 cm 79 cm	5 cm (for men) 5 cm (for women)

*The minimum height prescribed is relaxable in the case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Kumaonis, Nagaland Tribal etc. whose average height is distinctly lower.

**The following relaxed minimum height standard in case of candidates belonging to the Scheduled Tribes and to the races such as Gorkhas, Assamese, Kumaonis, Nagaland are applicable to Indian Police Service and Group 'A,' Group 'B' Police Services and Group 'A' Post in Railway Protection Force.

Men 160 cms.
Women 145 cms.

3. The candidate's height will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toe or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with heels calves buttocks and shoulder touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows:

He will be made to stand erect with his feet together and to raise arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidates should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) **General**—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eye, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for service.

(ii) **Visual Acuity**—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests—one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

(b) There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses for different types of services.

(d) (i) In respect of the Technical service mentioned above and any other service concerned with the safety of public the total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed minus 4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed plus 4.00 D:

Provided that in case a candidate in respect of the services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological, the candidate shall be declared fit, provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(ii) In every case of myopia, fundus examination should

be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he/she should be declared unfit.

(e) **Field of Vision** : The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

CLASS OF SERVICE

	IPS and other Police Services, Group 'A' and 'B' and IRTS/RPF (Technical Services)	IAS, IFS and Other Central Civil Services, Group 'A' and 'B' (Non-technical Services)		
	Better eye (corrected vision)	Worse eye	Better eye (corrected vision)	Worse eye
1. Distant vision	6/6 or 6/9	6/12 or 6/9	6/6 or 6/9	6/18 to Nil or 6/12
2. Near vision	J1**	J2**	J1** J2	J3 to Nil** J2
3. Types of corrections permitted	Spectacles		Spectacles 1OL*	Radial Keratotomy*/Lasik Laser Surgery
4. Limits of refractive error permitted	+4.00 D (including cylinder)-Non- Pathological Myopia +4.00 D (including cylinder) (Hypermetropia)		None but without Pathological Myopia	
5. Colour vision requirements	High Grade		Low Grade	
6. Binocular vision needed	Yes		No	

*To be referred to a Special Board of Ophthalmologists.

** Near vision for Railway Services viz., IRTS, IRAS, IRPS and RPF is J1 in better eye and JII in worse eye.

(f) **Night Blindness** : Broadly there are two types of night blindness : (1) as a result of Vitamin A deficiency and (2) as a result of Organic disease of Retina—common cause being Retinitis Pigmentosa. In (1) the fundus is normal, generally seen in younger age group and ill nourished persons and improves by large doses of Vitamin A. In (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) Specially when fundus is not involved Electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require as a routine test in a medical check up. Because of these specialized set up, and equipment and thus are not possible as a technical considerations, it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employees.

For Railway Services (IRTS, IRAS, IRPS and RPF)—Night blindness need not be tested as a routine but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. "Candidates" own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

(g) **Colour Vision** : The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned above. As regards the Non-Technical Services/posts the Ministry/Department concerned will have to inform the Medical Board that the candidate is for a service requiring colour vision examination or not.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher	Lower	
	Grade	Grade	(ii) has full field of vision.
	Colour	Colour	(iii) normal colour vision wherever required :
	Perception	Perception	Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.
1	2	3	The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for posts/services classified as "TECHNICAL" The Ministry/Department concerned will have to inform the medical board that the candidate is for a "TECHNICAL" post or not.
1. Distance between the lamp and candidate	16 ft	16 ft	
2. Size of aperture	1.3 mm.	13 mm.	
3. Time of exposure	5 seconds	5 seconds	

For the IPS and other Police Services, Group 'A' and 'B' Indian Railway Traffic Service Group A posts in the Railway Protection Force and for other Services concerned with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower, grade of colour vision should be considered sufficient.

Satisfactory colour vision constitutes, recognition with ease and without hesitation of signal red, green and yellow colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable Edrige Green's lantern shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient in respect of services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed. However, both the Ishihara's plates and Edrige Green's lantern shall be used for testing colour vision of candidates for appointment to the Indian Railway Traffic Service and Group 'A' posts in the Railway Protection Force.

(h) Ocular condition other than visual acuity—

(i) Any organic disease or a progressive refractive error, which is likely to result in lowering visual acuity, should be considered a disqualification.

(ii) Squint : For technical services where the presence of binocular vision is essential squint, even if the vision acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other service the presence of squint should not be considered as a disqualification if the visual acuity is of the prescribed standards. For Railways technical services binocular vision is essential.

(iii) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is ambylopia or has subnormal vision the usual effect is that the person is lacking stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision J/I near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

- (ii) has full field of vision.
- (iii) normal colour vision wherever required :
 - Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.
 - The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for posts/services classified as "TECHNICAL" The Ministry/Department concerned will have to inform the medical board that the candidate is for a "TECHNICAL" post or not.
- (iv) Contact Lenses : During the medical examination of candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test the illumination of the typed letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

GUIDELINES FOR SPECIAL OPHTHALMIC BOARD:

Special Ophthalmic Board for eye examination shall consist of 3 Ophthalmologists :

- (a) Cases where the Medical Board has recorded visual function within normal prescribed limits but suspects a disease of progressive and organic nature, which is likely to cause damage to the visual function should refer the candidate to a Special Ophthalmic Board for opinion as part of the first Medical Board.
- (b) All cases of any type of surgery on eyes, IOL, refractive corneal surgery, doubtful cases of colour defect should be referred to special Ophthalmic Board.
- (c) In such cases where a candidate is found to be having high myopia or high hypermetropia the Central Standing Medical Board/State Medical Board should immediately refer the candidates for a special Board of three Ophthalmologists constituted by the Medical Superintendent of the hospital/A.M.O. with the head of the Department of Ophthalmology of the Hospital or the senior most ophthalmologist as the Chairman of the special Board. The Ophthalmologist/Medical Officer who has conducted the preliminary ophthalmic examination cannot be a part of the Special Board.

The examination by the special Board should preferably be done on the same day. Whenever it is not possible to convene the special Board of three Ophthalmologists on the day of the medical examination by the Central Standing Medical Board/State Medical Board, the special Board may be convened at an earliest possible date.

The Special Ophthalmic Board may carry out detailed investigations before arriving at their decision.

The Medical Board's report may not be deemed as complete unless it includes the report of the Special Board for all such cases which are referred to it.

GUIDELINE FOR REPORTING ON BORDER LINE UNFIT CASES

In Border line cases of substandard visual acuity, subnormal colour vision, the test will be repeated after 15 minutes by the Board before declaring a person unfit.

7. Blood pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) with Young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) with subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the cloth to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following returns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sound are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sound will be heard to increase in intensity. The level at which the well heard clear sound change to soft muffed fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is

irritating to the patient and will vitiate the reading. Rechecking if necessary should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This silent Gap may cause error in readings.

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit, subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion, "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effect of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard.—

<ul style="list-style-type: none"> (1) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. 	<ul style="list-style-type: none"> Fit for non-technical jobs if the deafness is up to 30 Decibel in higher frequency. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is up to 30 Decibel in speech frequencies of 1000—4000.
--	--

(3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type.	(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present. Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below. (ii) Marginal or attic perforation in both ears unfit. (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.	(9) Otosclerosis	If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.
(4) Ears with mastoid cavity	(i) Either ear normal hearing other ear mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.	(10) Congenital defects of ear, nose or throat.	(i) If not interfering with functions—Fit. (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
subnormal hearing on one side/on both sides.	(ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibel in either ear with or without hearing aid.	(II) Nasal/poly	Temporarily Unfit.
(5) Persistently discharging ear operated/unoperated	Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.		(b) that his speech is without impediment; (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound); (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient and that the hearts and lungs are sound; (e) that there is no evidence of any abdominal disease; (f) that he is not ruptured; (g) that he does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles; (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints; (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease; (j) that there is no congenital malformation or defect; (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution; (l) that he bears marks of efficient vaccination; and (m) that he is free from communicable disease.
(6) Chronic Inflammatory/ allergic condition of nose with or without bony deformities of nasal Septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If deviated nasal Septum is present with Symptoms—Temporarily unfit.	11. Radiographic examination of the chest of candidate for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination will be done at the time when he is called for the Personality Test by the Union Public Service Commission.	
(7) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit. (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily unfit.	The decision of the Chairman of the Central Standing Medical Board (conducting the medical examination of the concerned candidate) about the fitness of the candidate shall be final.	
(8) Benign or locally Malignant tumours of the E.N.T.	(i) Benign tumours—Temporarily unfit. (ii) Malignant Tumour—unfit.	In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable	

Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 100.00 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeals should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates; otherwise request for second medical examination by an Appellate Medical Board, will not be entertained. The Medical Examination by the Appellate Medical Board would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Boards would be taken by the Department of Personnel and Training on receipt of appeal accompanied by the prescribed fee.

MEDICAL BOARD'S REPORT

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examination :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or appointing authority as the case may be that he has no disease constitutional affliction, or bodily infirmity, unfitting him or likely to unfit him for that Service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as present and that one of the main objects of medical examinations is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of pre-mature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A Lady Doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidate appointed to the Indian Defence Accounts Service are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the ground for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government Service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to the effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to the effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidate who are to be declared 'Temporarily Unfit' the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:—

1. State your name in full (in block letters).....
2. (a) State your age and birth place
- (b) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower, Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.
3. (a) Have you ever had smallpox intermittent or any other fever enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attack, rheumatism, appendicitis?

OR

- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?
4. When were you last vaccinated?
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other causes.

6. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living their age and state of health	No. of brothers dead, their age, and causes of death
--	--	--	--

1	2	3	4
1.			
2.			
3.			

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living their age and state of health	No. of sisters dead, their age, and causes of death
--	--	---	---

1	2	3	4
---	---	---	---

7. Have you been examined by a Medical Board before ?

8. If answer to the above is "Yes", please state what service/services you were examined for ?

9. Who was the examining authority ?

10. When and where was the Medical Board held ?

11. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.

12. All the above answers are to the best of my knowledge and belief, true and correct and I shall be liable for action under law for any material infirmity in the information furnished by me or suppression of relevant material information. The furnishing of false information or suppression of any factual information would be a disqualification and is likely to render me unfit for employment under the Government. If the fact that false information has been furnished or that there has been suppression of any factual information comes to notice at any time during my service, my services would be liable to be terminated.

Candidate's signature

Signed in my presence

Signature of the Chairman of the Board

PROFORMA

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate)
Physical Examination.

1. General development : Good _____
Fair _____ Poor _____
Nutrition : Thin _____ Average _____
Obese _____ Height : (Without Shoes) _____
Weight _____ Best _____
Weight _____ When _____ any
recent changes in weight _____
Temperature _____

Girth of chest :

(1) After full inspiration
(2) After full expiration

2. Skin : Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease.....
(2) Night blindness.....
(3) Defect in colour vision.....
(4) Field of vision.....
(5) Visual acuity.....
(6) Fundus examination.....

Acuity of vision	Naked eye with glasses	Strength of glass sph. cyl. Axis
------------------	------------------------	----------------------------------

1	2	3
---	---	---

Distant vision

RE

LE

Near vision

RE

LE

Hypermetropia (Manifest)

RE

LE

4. Ears—Inspection..... Hearing :

Right Ear.....

Left Ear.....

5. Glands..... Thyroid.....

6. Condition of teeth.....

7. Respiratory system : Does physical examination

reveal anything abnormal in the respiratory organs.....
If yes explain fully.....

8. Circulatory System :

(a) Heart : Any Organic Lesions..... Rates
Standing..... After
hopping 25 times..... 2
minutes after hopping

(b) Blood Pressure :
Systolic..... Diastolic.....

9. Abdomen :

Girth..... Tenderness.....

Hernia.....

(a) Palpable Liver Spleen.....

Kidneys..... Tumours.....

Haemorrhoids..... Fistula.....

10. Nervous System Indication of nervous or mental disabilities.....

11. Loco Motor System : Any abnormality.....

12. Genito Urinary System ; Any evidence of Hydrocele, Varicocele etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance.....
(b) Sp Gr.....
(c) Albumen.....
(d) Sugar.....
(e) Casts.....
(f) Cells.....

13. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

Note.—In the case of female candidate, if it is found—that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she would be declared temporarily unfit vide Regulation 9.

14. (i) State the service for which the candidate has been examined :—

(a) I.A.S. and I.F.S.

(b) I.P.S., Central Police Services Group 'A' & 'B' RPF and Delhi and Nicobar Islands Police Service, Deputy Superintendent of Police in C.B.I.

(c) Central Services, Group A and B.

(ii) Has he/she been found qualified in all respects, for the efficient and continuous discharges of his/her duties in :

(a) I.A.S. and I.F.S.

(b) I.P.S. Central Police Services Group 'A' & 'B' RPF and Delhi and Andaman and Nicobar Islands Police Service. (See especially height, chest girth, eye sight, colour blindness and locomotive system).

(c) Indian Railway Traffic Service (see specially height, chest, eye sight, colour blindness).

(d) Other Central Services Group A/B.

(iii) Is the Candidate fit for FIELD SERVICE ?

15. Chest X-Ray Examination.

Note : The Board should record their findings under one of the following three categories :—

(i) Fit

(ii) Unfit on account of.....

(iii) Temporarily unfit on account of.....

(iv) Fit only for specified vacancy reserved for physically impaired

Place	Chairman
	Signature
Date	Member
	Member

Seal of the Medical Board

ANNEXURE-IV

A list of Services identified suitable for Physically Disabled Category along with the physical requirements and functional classifications

S. No.	Name of the Service	Category(ies) for which identified	Functional Classification	Physical requirements
1.	Indian Administrative Service	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	BA, OL, OA, BH, MW PB PD	S, ST, W, SE, H, RW
2.	Indian Foreign Service	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL LV IH	S, ST, W, RW, C, MF, SE
3.	Indian Revenue Service (Customs and Central Excise Gr. A)	(i) Locomotor disability (ii) Hearing impairment	OL, OA HH	S, ST, W, BN, L, SE, ME, RW, H, C.

S. No.	Name of the Service	Category(ies) for which identified	Functional	Physical requirements
4.	Indian P and T Accounts and Finance Service Gr. A	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL, LV HH	S, W, SE, RW, C
5.	Indian Audit and Accounts Service, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, LV HH	S, ST, W, BN, SE, RW, H, C
6.	Indian Defence Accounts Services, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL LV HH	S, ST, W, BN, SE, RW, C
7.	Indian Revenue Service (IT) Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL HH	S, ST, W, SE, RW, C
8.	Indian Ordnance Factories Service, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, LV HH	S, ST, W, BN, RW, SE, H, C
9.	Indian Postal Service, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL B, LV HH	S, ST, W, BN, RW, SE, H, C
10.	Indian Civil Accounts Services, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL LV HH	S, ST, W, SE, RW, H, C
11.	Indian Railway Accounts Services, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL LV HH	S, ST, W, SE, RW, H, C
12.	Indian Railway Personnel Service, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, B, LV HH	S, ST, W, BN, SE, RW, H, C
13.	Indian Defence Estates Service Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Blindness or Low Vision (iii) Hearing impairment	OA, OL, LV HH	S, ST, W, BN, MF, PP, KC, SE, RW, H, C
14.	Indian Information Service, Gr. 'A'	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL B, LV HH	S, ST, W, SE, RW, H, C
15.	Indian Trade Service Gr. 'A' (Gr. III)	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL LV HH	S, ST, W, BN, MF, SE, RW, H, C
16.	Indian Corporate Law Services	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL LV HH	ST, RW, SE, S, B, H,
17.	Armed Forces Headquarters Civil Service, Gr. 'B' (Section Officers' Grade)	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, LV HH	S, ST, W, BN, MF, SE, RW, C
18.	Delhi Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli Civil Service, Gr. 'B'	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL LV HH	S, ST, W, SE, RW, MF, H, C SE, R, W, H, C
19.	Delhi Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli Police Service, Gr. 'B'	(i) Locomotor disability (ii) Hearing impairment	OL HH	S, ST, W, BN, PP, KC, MF, SE, R, W, H, C

S. No.	Name of the Service	Category(ies) for which identified	Functional	Physical requirements
20.	Pondicherry Civil Service (Group B)	(i) Locomotor disability (ii) Visual Impairment (iii) Hearing impairment	OA, OL, OAL, BL, LV LV HH	S, ST, W, SE, RW, HC
	Categories of Disabled	OH	Orthopaedically Handicapped	
		VH	Visually Handicapped	
		HH	Hearing Handicapped	
	Sub-categories	BL	Both legs	
		BA	Both arms	
		BLA	Both legs and arms	
		OL	One leg	
		OA	One arm	
		OAL	One arm and One Leg	
		MW	Muscular weakness	
		B	Blind	
		LV	Low vision	
		H	Hearing	
	Physical Requirement	MF	Manipulation by fingers	
		PP	Pulling and pushing	
		L	Lifting	
		KC	Kneeling and Crouching	
		BN	Bending	
		S	Sitting (on bench or chair)	
		ST	Standing	
		W	Walking	
		SE	Seeing	
		H	Hearing/Speaking	
		RW	Reading and Writing	
		C	Communication	

2G-2/92-E/1
RK Mkt o BC Bldg
Muniska